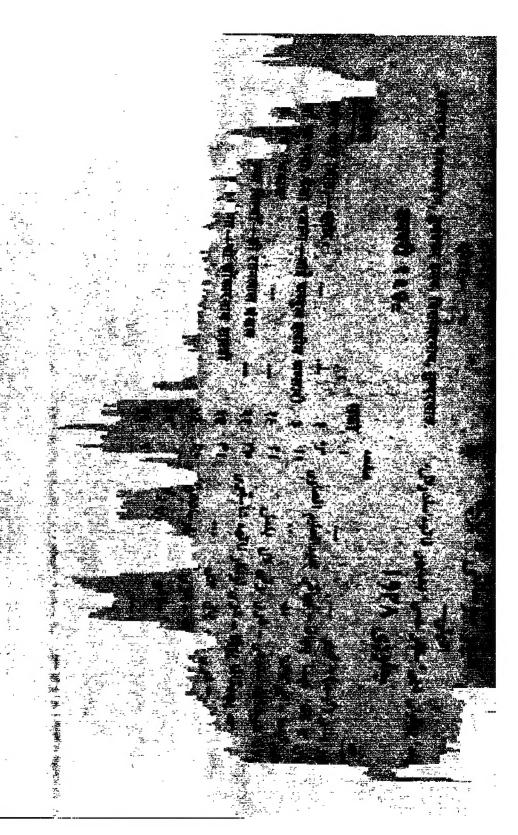


i ()



18 ·

है राम मोहि प्यारा पुलब कई रहिमाना में रोफ सरि सरि मूर् मरत न काह आना.

一般で まりとれて

क्या इसी का नाम है बाखादी, जीत क्या इसी बाखादकार का इतनी बड़ी हुई है कि जिसके बयान की ताब क्यौर ताकत नहीं. भावर की चावर फाड़ी जा रही है--ारज सियासी गुनहगारी बेटे. के समने मां की झार्वा पर घत्याचारी की घारी बल रही है और है, कहीं बेटे के सामने प्रमी बाप का गला काटा जा रहा है. और बाप की क्यांसों तत्ते लाडता बेटा करल किया जा रहा है, कहीं ह्हीं बीबी के सामने पति की गरदन पर ख़ुरी बलाई जा रही

かんかん かんている ファウル

ور جی سے سادی کی ساری محلوق درسرشنی) دبی باری ای کا ایک بر ایک ایک بات یہ کا ریاست مری ایک بات یہ کا ریاست مری ایک بیت کا دیاست میں ایک بیت کا دیاست مری ایک بیت کا دیاست میں ایک بیت کا دیاست کار ین کادن یو کر کری اثنان اثنان سے میگ رم اور استیالا であるかで

नई रोरानी में दुनिया में देखा-

श्ररे ! वह रोवान है रोवान,

पंजा उसके उपर है और ख़ुद वह साए की तरह साथ साथ है,
अधि बाई की को तरह पीछे पीछे हैं. बीर मीत भी कैसी मीत ?
अधिकाह मीत । याजी हथियार की इजाबत के साथ, बह इसी पापी जाजादी के कारन है कि जादमी जादमी से बामन क्षुड़ा कर चौर रिश्ता नाता काट कर हांपता कांपता मागला पका का रहा है. वह चूंकि जलमी भी है और दुली भी, इस पहने, भेस बदले, तेबर बदले, कन्ले बढ़ाए, मधुने फुलाए, फेन श्रीर बराबर पीक्षा किये हुए हैं—राहर शहर, अंगल जंगल, मील किये वह जहां कहीं भी जा रहा है खून टपकाता टपकाता जीर धीर गरीब से गरीब जनता के ऊपर मीत का भूत सवार है बारि भूत मीब, टेसन टेसन--डाटे बांचे, भाले ताने. तलवार खींचे, राखवार ब्रेकिन वह भी एक घोका ही घोका है क्योंकि मौत का जालिम ख्याप. इसंरूप और दन में शरीफ से शरीफ इनसानों के ऊपर गेरतः प्रकृषा श्रीर धुटने फोड़ता,कहीं उड़ता उड़ाता श्रीर ज्ञान श्रचाता हे इपर भीत सवार है. ऐसी हालत में हिन्दुस्तान मसान गाट शांस् शिराता गिराता—बेकिन बेहर परेशान और वरहवास, कही हा हुआ है. या यह कि एक वहकती हुई मान है जिसके अन्तर हिने बने, ज़क्कों फुक्कों सभी बने फुक्ती की तरह सुन रहें हैं और ते चन्द्र बन्द्र कर आवर्ष करोगों विश्वी पर कृता पर कृत करत से और आवे पर कृते । कृत की इस दुर्वता चीर मातवी किया में अपने करते करते हैं के अपने करते किया तालकों के अपने क्षा

ابها وخیان کاخیان من ای بر من

ما الان ما المان

साई बना हुआ है मौत का निशान-कहाँ का गाना, कैसा आप रेता हैं कि ऐसी हासात में जब कि हमारा एक एक शासिक हो सकती है? चाज कर के दिनों में जब कोई मेरे सामने गाने क्वाने का पंस बेता है या नाच रंग का चिक्र केंद्रता है तो मैं साफ

सुराकिस में इसकी जान जान पड़ी है. मुला में सह व ब कर अपार रहे तो कि बर रहे. बड़ी किटन और भारत भूमि का दुकड़ा दुकड़ा चौर मुखड़ा मुखड़ा खतरनाक है. बालें विद्धी हैं बौर उनके तपूत के मुंह पर बालें विद्धी हैं यानी इन कंदों से बच बचाकर झगर इनसान जाय तो किघर जाय और इन भाज के हिन्दुस्तान की हालत यह है कि भारत माता के ऊपर

दिन रात रेक्नगिदियों पर इसले हैं, मोटर सारियों पर इसले हैं, चुना, धर्म के शब्द से बसका क्या सम्बन्ध ? क्षिमें द्वर हमले हैं, मां बेटियों पर हमले हैं. धौरत पर हमला बेर्ज्यती है. देवी का करात धर्म का करात है. जो धर्म के। यब कर की संबी बुढि के। जानना चाहिये कि देवी की बेहज्ज्जती धर्म की मौरत की इज्बत पर हमला है यानी की की बेहजबती है. राजनीति पत्र विश्वतुक्ष नई स्डीम भाज क्य बड़े थोरों पर चाय है कि

रही है. बहु आमी की पुरमण हर हर गाड़ी में मीजूद है, हर हर क्षर्भ है और निरादर अवर्भ ! हमारे इस नूतन निकेतन (हिन्दुस्तान) क्ष एक धाने कापन कीट देखें। कि मीत मा का रेख में सकर कर रीतान के पुजारियों ! जानों, बूफो घरि समको ! देवी का धादर बूद है और हर हर साचे पर सीब्द है. इस बालाबारी के

4

TO SELECT OF SELECTION SEL

かかいいいしんかんかんないいいには وسی بواند خلوند ادمی ! بهارے زاں فرق محیقان (بندستان) اما ایک افزیکیای این میکو کر موت می آب دیا می سخ کر دی این می مواندن کی دست کر موت می آب دیا می مواند کا دی سخ کر دی

The trade to the same of the s 1 THE PER CHAPTER MANDER IN A JUNE

प्रथर से बुक्स बहा कि कठा करा कर लेक भी देती हैं. सेकिन बह विद्यं चर्र है बगर बड़ सबर तो सर हबर (वा) सर तबर तो बड़ मार कर बिनाई कर रही है, बतोच बतोच कर बाल से रही है. चीर कारिम बरो भी करी पहुँच रही है इनकामों के पकर

जा अक्स कि इस समय इनसानी सून और वह भी हिन्दुस्तानी ज्यान-इसकी इतनी किरावानी और अरखानी (ज्यादती और बारों से क्टे हुए और बन से बटे हुए. इससे भी इनकार नहीं किया ' आषारी के सफर में बिन्दुस्तान की रेलगावियां सारा-गावियां बनी . हुई हैं. जब जब उनके खब्बे स्रोते गए हैं तब तब वह देखे गए हैं माने रचाने परान्य करेगा ? ऐसी हासत में मेरे पाखमी क्लोजे पर सत्तापन) है कि सारा भारत बाज बेदी (मजबा) बना हुआ को हर राग और न्याने का नाम नमक सिर्च का काम करता है. केई खागी और प्रेमी धृतसात संगीत की महक्षिल खडाने और है. बह सारों के तखते और खुनों के बक्के देखते हुए भी क्या बा लेड बाइन है कि देश की तरमधी की रफ़तार में चौर देश की

Chart wil aid & me sic & etion men ses को सहर्धे आहें। शन्दों मन्तों भाकत वैभाकत वाते किते हैं, हमने बरने बाबे और बृद सार मचाने बाबे धाखिर कीन सोग है बह रेस के बाह जीर फज्जाड, वह निहत्नों जीर नेन्सों पर

いったまれる

قاع کرد یک بی وفیدی دیده کم جان سے دی ہی ۔ امد اوی سے اللی کم وی کے دیک ہوں اللہ اوی سے اللہ کا کہ اللہ اوی سے اللہ کا کہ اللہ کا الل علی - ایس کی اتنی فراهانی اور ارزان (زیادتی اور سستاین) ہی از سادا مجارت کاق دیدی دفدیج بنا ہوا ہی۔ یہ العفل سے تحت اور اور سام محطلة دعیت دوست مجمی کیادان تمالی اور پری اانسان سنگیت کی ایک سغری میندستان کی دیل گاذیاں کائن گاؤیاں بی ہول ہیں۔ جب جب ان می فرق کو لے میں بی تب تب وہ دیجے کئے ہیں۔ وہوں سے ہیے ہوئے اور خیل سے آئے ہوئے۔ اِس سے می انگار جس کیا جاسکتنا کر اِس سے انسانی خان اور وہ میں ہمندسستانی ے طالم میاں میں کیں بیٹی دہی ہی انسان کو بکو بکوکہ

かったれ きっかいこうびき かかかる

من الله الديون واست ليندكه الله والي المن المن ميرسه وعي ليع

かかか アイアナーの スタイング

बक्ते वा रहे हैं और कोई उन पर दोष नहीं! भौरबूते पर बह धड़ाघड़ श्रीर बे रोक टोक श्रपना काम करते ख्रुपे हाब के पानी बढ़ाए हुए धारदार हथियार हैं जिसकी हिस्सत बारे में फक्कत इतना समक्त सक्त हूँ कि वह किसी बड़ी ताकत और वेशक सोंग इनको तरह तरह की शककों में पहचानते हैं धानी धर्म बदले रूपों में भी थीर रूप बदले मेरी। में भी. लेकिन मैं उनके

मेरी बात का खुलासा यह है कि हाथ किसी का है और

प बह हाथ 'चा' का हो या 'व' का या 'प' का या किसी और का. क्योंकि 🦳 लोज लगा के वह छुपा हुचा हाथ भी साथ ही साथ काटा जाय--चाहे 'जन राज' के कमजोर हाथ में वह शक्ति और पावर (Power) और साल की कर नहीं हम मजबूर हैं यह गुमान करने पर कि जायदाद की स्नास देख रेख. ऐसी हांबत में जब ्कि इसकी जान **अगवान का कोई**-इन्तजाम नहीं हो रहा घौर न उसको मालियत **घौ**र कि जनता के जानो माली घौर सभा ती तुकसान घौर उसके चार्थिक झानून भीर इन्साफ की नखर में सब बरावर हैं. सभी देख रहे हैं र बीज है." बेकिन इस देल रहे हैं कि माउन्टबेटन 'राज निकेतन' हुमित का इक्षणाम चवाने की वालीम दे रहा है. जुराकित्मत राज काजी शक्ति पर काबू पाकर या कन्द्रांल कायम रख सेंस की बागडेर सँसाल सके. इस बारे में मेरा जाती निर्णेय इन्साफ का तकाजा यह है कि अपार हथियार छोना जाए तो के अवसे का रेश क्या गरि क्या क्यार विका स्क्रिय यह है कि "सिवासत और बीख है, रिवासतं

بای وه باخد و ان بود یا منامی یا میانی اور کا مینکر قافی می مینکر قافی می مینکر قافی می مینکر قافی می مینکر قافی مینکر و بی مینکر قافی مینکر و بی مینکر و جرصامة إورة وصارداد بتعباري من كابت ادر توق بدوه والأل いましたはいいかんかん یم یا کنومل قایم نگفتر مکورت کا . اِس بارے میں کمرا ذاتی کیے اور ہے دول وک ابناکا کرے ملے جارہے ہی اور کوئی ان پروڈن نہیں' مری بات کا خلامہ یہ ہوکر ہائٹہ کسی کا ہو اور پہشیار کسی کا . انصاف کا تقاضا یہ ہوکر اگر مہشیار مجھینا جائے تو لعن الله عن وه جينيا ووا إلتر عن سائة إلى سائة كالا جائے۔ بے تک لک ان کو طوع طوح کی تشکیل میں بچھانے ہیں لینی دھی بسے کدیوں میں مجی اور روپ بدے مجلسوں میں بھی۔ لیکن میں آن کے بارے میں فقط (آن مجر کما بھل کو وہ می بڑی طاقت اور چھے اپنوے اِن

धार बंग के नए नए नकरों बता रहा है, जो बाब चन्य ही दिन मिंहमान है चौर जो दो सी साल के हटिरा साम्राज का चालिरो क्षेत्री रिक्षा ऐने के अलावा वक्त के नए नए सबक पड़ा रहा भूत का गाना केसा बजाना बनवरो सन् '४८

PAIN N

w है करि उनको नियतों में कसाद है. ऐसी हालत में उनके दिल या - अवान से अपन का नाम इस शक भरी किया में और इस इससे पता चलता है कि बदुत से देश भक्त लेगों के दिलों में चेार में बड़ा बलकाबा डाला है और खमन का ग़ारत कर रखा है. हुई हैं. उनके कार्यों में गड़बड़ी मवाये रखने की ठान रखी हैं. इन बीओं ने भिल जुलकर समाजी निकाम खौर राजकाजी मामलो , बुदरारकी से पाक न हों अमन नामुमकिन है. केवल अमन का साफ और सबी बात यह है कि जब तक दिल साफ न हों और क्रिंस्क्रेबारी हवी में एक खोक्रनाक जीजार का काम दे सकता है, **ब्योब**त पर तुलो हुई है और अपने ही महापुरुत्र को दुश्मन बनी नाम ही अपन और शान्ति क्रायम नहीं कर सकता, वह एक धोका मी है। सकता है और मुसीबत भी बन सकता है एक बात यह भी हैं कि एक जमात घपने ही नेता के

क्षे क्या तक 'अनत निशान' कहलाता था आज रोजल का नमूना **प्रमा** हुआ है. स्वीर बही दिल्ली जिसके स्वन्दर भारत की सारी अर्थीर अपने ऐसे ऐसे सपूर्तों पर रें। रही है जिनके। वह रोबारा कितना दुख हेला है यह देखकर कि यही हमारा हिन्दुस्तान ब्रुरता थी ब्याब सर पीटपीट कर ब्यपने फूटे नसीवों पर रो रही

> とうがいかんとうないないないのかんないのであるとのないとう الماسية وعرضوسال مع يكن سرارة كالمخرى لشان يو ا

او وی سے پر چا اور میت سے دیتی بھت دلال کے اول کے دلی کے دلیل کی افزار کا کام جسم کے دلیل این کام میسات میں اور کام کی جوز کی اور کام کام کی اور کام کی کام کی اور کام کی کام کام کی کام کام کی کام پیرسی چون او احد اسینه ای مائیزش کی ویشن بنی پون او. ان کے کا مول ایس محدودی مجاست معصف کی مختان ریمی ہو۔ ان چیزوں سے طریحوار ساجی اعلام احد ماریکا می مصاطول میں جزا امجھاحا ڈال پیر احد اس کو خارت کویکا المي بات يمي يوكراك جاحت افي الله فينا كرمائة بنات

तक 'बन्नत निशान' कहलावा था बाज दोजल का नम्ना

है. जीर वही दिल्ली जिसके जन्दर भारत की सारी

श्री बाज सर पीटपीट कर जपने छूटे नतीं वा र रे रही

जमने ऐसे ऐसे स्पूर्तों पर रे रही दे जिनको वह रोपारा

है अपने प्रकेशी, विक्ली की सुन्दर संस्कृति कार सुन्दर

्र क्योंकि इससे दोनों का तुक्तसान है—हमारा भी, तुम्हारा भी. इस्तरे तुक्तसान से हमें दुख हैं, तक्कीफ है, हमरदी है. हमारे नुक्रसान से तुन्हें दुख तकलोक और हमददां होनी चाहिये. इसी रहते हुए एक दूसरे से लाग डाट क्या कोई अच्छो बात हैं ? गह बस्ती की मिटाने और उजाइने वाले क्या दोषी नहीं, पापी नहीं ? का नाम है मेल साहज्बत भीर इसी का नाम है इनसानियत! क्षाय ? एक देश में रहते हुए एक दूसरे की मारकाट, एक घर में बताको अन इल्जाम किस पर रहा जाय और दोप किस को दिया लेकिन अपन जब कि अयंगरेच बिलकुत अरलग शलग है और नोच खसेाट पर बड़े जोर शोर से अंगरेज पर इलजाम रखते थे ह्रेथ और दुरमनी देश की बदिकिस्मती की सब से बड़ी दलील हैं. इसकी पोर्ज्जशन निस्पच्च (गैरजानिषदार) हैं. तुम ही इन्साफ से याद करा पहले तुम दिल्ला का तबाही बाबादी और उसकी

देश में जो खबरदस्त गारतगरी और ख़्लाख़नी हुई है वह कल की बात है, जिसके खलम अभी तक हरे हैं और आंखों में षांसु षामी तक मरे हैं.

देखे. अक्षा में उसके उपर तोपलाना देली. पटियाले में उसे रीमसिक्षा देखेा. मासियर पर विचार रीड़ाम्बो पानीपत तक प्रवास से खाधी और दिल्ली का करलचाम देखो दूर क्यों आक्री! भरतपुर में भुसलमान के गोली का निशाना

इसने आन्ता ! कुतरी तरफ भी कुछ ऐसी ऐसी जीजें हैं पर वह केन्या के हैं जिलकी हालत यह है—''लवते हैं जीर हाज में THE REAL PROPERTY AND PARTY OF THE PARTY OF

میں مجتب اور اس کا جم ہو انسانیت ! میں میں جو زیدست فارت کئ اور خواخل ہونا ہو وہ کو میں اس کے بو ایمی کے ہرے بی اور خواخل ہونا ہو وہ کی اس کے بو ایمی کے ہرے بی اور انجھوں میں ایک وہ کا افتاد رکھیں آلے اور میں ایمی کا افتاد رکھیں آلے اور میں ایمی کی اور جا اور میں ایمی کی اور جا تھ بی ہے وہ کو ایمی ایسی اور جا تھ بی ہو میں اور جا تھ بی ہو میں اور جا تھ بی ہو میں اور جا تھ بی ہون کا گھر ہی اور جا تھ بی ہون کا گھر ہی ایک گھران کی گھ

で イクシャートアナス・ラー

ह अन्तर से बसकी सेवा में हमदर्श का सैतात पेरा होगी. भी राजी के क्रवर मातम की चादर चढ़ाई बाबगा जीर कार विकास के बात दुनिया की बरफ से बस न्त्रां के कि कि का का कि का कि का कि

साब जारा पर है. नेकों का ईसानी बज्बा सन्तेष में है. रहा है. क्यों कि बह देख रहा है कि दिल्ली में इस्तामाम है, क्कांतक कि सरवें में 'दीवान खास व बाम' है. वहाँ का रौतानी बानी हैं । कुतुब मीनार अलग सकते में खड़ा एक एक का मुँह तक शंदूनी चैकि में अधिवारी है. किस बला की वहरात और हिरा-बाबार के बाबार बैंगट हैं. मेहल्ले के मेहल्ले बैंगट हैं ो न ! यह इसी जापसी सटपट का नतीचा है कि दिल्सी

भावतः की खैर मनाने की खातिर खानदान के खानदान, कुटुम्ब के कटुन्य मारे व्हरात भाग पढ़े हैं और यह हिजरत करने बाले बार है, पर बदर है, दाने दाने का मुहताल, कपने लग्ते का बेबारे ख़ुटे पिटे, इधर डबर मारे मारे फिर रहे हैं. यह मजबूर यक्षन हैं. देखा अपने यह है वह राज यानी 'स्वरांज' कि आज क सेवा के क्रांबिल हैं. यह रारीच भीर यह रारीक इसट्टी के मुस्तहक श्रीबाद इनसान क्षेत् में हैं और श्राज का जिन्दा इनसान क्षत्र कुरता वह है काल के जाक अन्ते राशियों की तुर्गत, जीर ारों का कन्या है. यह क्या कम कम जुल्म है के बे बर बाक्षे मुक्त के बर में हैं भीर बर बाले के बर हैं, राहर के पेट में हैं! सितम पें लितम यह कि डसके जाती मकानों पर . बहुत से पुराने किस्ते में बन्द हैं. बहुत से तारीक्षी मक्कबरों में

かっなるである

Concerns and of the source of

الله يو الكون المان عند سنوش في الا المراق TO THE STAND STAND OF THE STAND

अपने अपने अपने की दुनते. जानों के बनके लाले पड़े हैं और पेटों में बनके ताले पड़े हैं.

पेकी हाकत में किसी भी गीत की तान मेरे कान में तोर मरतर का काम करती हैं क्योर सच यह है ऐसी हालत में तो मुमको न किसी तकरी काम का माना माने से स्थान के निर्मा के कोई तो बहादुर कहकर हन पेक वहान बानों का स्थान के कोई तो बहादुर कहकर हन पेस वहाने बानों का होसान को जोग में नाता है. मगर मुमे इन होनें बातों से इनकोर है इस निये कि ज़रून बहाने बाना धार्मिक करार है वहाने साथ को जोग में नाता है. मगर मुमे इन होनें बातों से इनकोर है इस निये कि ज़रून बहाने बाना धार्मिक का स्थान की प्रमाद की मान को जोग में का हरितां करें का स्थान को प्रमाद की का हरितां करते कर होनें वर्ष मान्य की पर बातों पर, मरीजों और क्यादिजों पर, मरीजों और क्यादिजों पर, मरीकों और क्यादिजों पर, का प्रमाव के दुरमन हैं निर्मा के दुरमन हैं निर्मा को का प्रमाव के दुरमन हैं निर्मा को मरावा का का मरावा के दुरमन हैं. मेरे नावरीक का प्रमाव को मरावा में काले करते जान से स्थान को स्थान के वहने कर काले, से वहने का प्रमाव को स्थान के वहने के वहने भीर किस का पानी बन्न किस सक्तार के लावों पर बजाव ,सून के प्रमान हैं भीर कसीर कसी का पानी बन्न की सक्तार को सक्तार है और कसीर कसी का पानी बन्न के वहने का की सक्तार है और कसीर कसी का पानी करते काल करते काल करते काल है कार कसी का पानी बन्न का करते काल करते काल है कार कसीर कसी काल करते काल है कार करते काल है कार कसीर करते काल है कार करते काल है कार कसीर करते काल है कार करते काल है कार कसी काल करते हैं कार करते काल है काल है कार करते काल है काल है

The first of the family of the

जार कार्या, कार्योष कार्य, शीवाजी कार्य, २४ अक्तूबर-तार के बार्ख मैं की क्षेत्री की तरह कुमते कामते हुने को मेंब्यूम में पढ़े. ऐसी हासत में जब कि बारत में जगह को मार्थी, नगर नगर मारकाट में अनको रेश मार्क की कार्यी, नगर नगर मारकाट में अनको रेश मार्क की कार्यी सिवास में जुककर गुजरना वाहिये था, या कम

बन्तरी सन् '४८

रथं भन्दाबर.—हेंद् भी सुन्ते भन्छी नहीं क्षती. बह भूगी भदमी भारे जीर सूनी सुनी गुजर गई. हुरबानी भी बगाई जगाई बन्ध रेक्ष जिल्ला बेरांड लोगों को मलाल रहा. इस भिने हेंद्र हंद न रही. मगर हुरबानी तो लालों इनसानों की पहले हैं हैं जुड़ी की जान की हुरबानी ही भासल में हुरबानी की बढ़ी और भरताली सौंग की और यही हुरबानी का धासली

१२ नेकन्दर-दीवाली की रोराली और जगमगाइट में शान्ति जीर मुख्यांहट न थी. क्रम्में फनलापन थां, क्ष्यांसी थी, मुदेंनी वी पानी क्रमेंसियन न थां. इस दिन किस जिस ने भी अपने मफान म कुफान में बिराप्रां किया, में समन्ता हूँ क्सने अच्छा न किया, की कि बंद मोक्रम न थां. इसलिये शोमा न थी. जब कि करोड़ों क्सियों के बिरापा गुल यें, लाखों भाशाचाँ के दिने बुक्ते पढ़े थें, क्यून भी क्यून कर्मार संस्था अस्तात थी कि बर घर मुद्रक्वत की स्था पात्र की जाते और संस्थ ने मफान को मेंसे के पानी से बोकर क्यून की क्यून हैं पात्र का स्थान की मेंस के पानी से बोकर

Which we will be a with a wind of the wind

हिनसाम की दाबार यह है कि यह राटाराट खुन के पूट की रहा है भी की किस रारह है खुन को खुन समस्त्रकर कोर बहर का नगर बकरत है रबादारी और ज़ुरा दिली की! लेकिन बाज के गेरा है. स्वा स्तृति है, गुलग्रपादा है और एक इंगामा, है कि हिनुस्तान का जाजब समां है. हर तरफ मगदीह मची हैं, शोरा धा नाम देखें. बोमों का आकसद हासिल ! सारे कामने टर्ट सतस. का, सबिन के बाब है जाते अनुवा क्षा कर होता कर हों का बाम है जुसी रख जुसी को इस अपने सकतों ने देव हों जीर जान जबने राज्यों में इसकी बनामगाहर को दीवाजी निमान से बन रहा है वह राम के आंतू पी रहा है. जाज के है आनकर. बरना भाषनी बिन्हारी से हाब को रहा है. और के को दान में बसके कर रहा है-र्थना प्रमुखास है कि वसे जुद नहीं खबर कि वह कहाँ

धानित कीर रानित गुँचाने बाबी बीच है. केराक संगीत कला म् बाबा है जात्विकान का मगर हर बीच का एक बक्त होता वन जात्वा हुन्स होता है तो मीठा राग मी कराको क्युका नेपा है जीर व्यक्ति भी क्याको काटता माबान होता है. मंबा इस क्रयामत की घड़ी में किसी भी राग रामकी से जीवन म् बड़ी सहरार की है, तू बरसप महरारक्ष में है. िर्श्वास में किसी भी शासान को न अच्छे से अच्छा पि जानम्य भिन्न सकता है? बेराक संगीत जात्मा की

اور برم ای روز این زندگ سه ایم وصور با یک اس ایم وصور با یک اس ای در استان این در استان این در استان این الا الا الا المحالي و من المحالي الما المحالي المحالي و المحالي المحا كر ود كون يوليان جيس كول كان بين إس ك كور وايد

COLOCIE EN SOLO PATRICIO DE

C. C. C. First City C. C. Mar GOT

भी समात नह है कि जीखों से संसार गूंज रहा है. चाहों से बाकारा धिया में बी पड़ी कर अपनेताल यह है बिल्कुल ठंडी नहीं पड़ी. फिर कि एक विद्रमधी क्रमाधार प्रकृति को भारत से वाकिककार के देख पे देख कहा रहा है, बरवारत में बरवारत कर रहा है, हि इस किये वह अपना कर्ष समस्ता है कि अवाव .बरसने ं इसकी बरवारश भी । खारारनाक है. न साव्स कव वह गरव कार के महिला ही का उनका है कि राम के राम का कि जुना मा निर्माण नतीना यह जातर हुआ कि कोब की करें से दोरियार करते. हि अब बह बहत पड़े. इस, बिये बराबर बर लगा हुआ है. ह और प्रवाय नामिस होने से आगे अत्याचार को आने मा और प्रश्वानिका की बाविर देश के हर दिवा चर्चाय क्षिक का) और विचारकन को अपना ब्लासदान वापस स्मिरिया और प्रमुखी त्याद्वारों से बहुरात साकर भी भी विकास करें से और प्रपूर्ण जीवन को जो हेने एक ब्रेस्स जत रख ही बाबा था. और महब रेसी समास्त और जीवनाकी से वरराकर, मध्ये से बड़्बा गाना. Circle of Land Cardina Comments of Comment

or to one of the state of the おいまることがない かっかん でいかりんだい المعلم المعلى المروري مجتل الدل كرمي نه بريما العل

कार त जाकारचार. में प्रेमकार हूं. जेन मेरा नरामा में बह बहबा देना बकरो समस्ता है कि मै स बीनकार है म くものうとうことに

विन्देनी बादा बात है। यह है. हिन्दुस्तान का इतना बड़ा मैदान सारों से पटा पड़ा है बार इतना बिराल पाट खुन का सागर बना हुआ है. बावहां यह कि इनसान तीर नश्तर का निशाना बना हुआ है. जो जहां भी जातमी है या जो जहां बाधमरा पड़ा है स्तकी धावान पर बारयाचार अत्याचार की जावाज है, फरियाद कि सियाद की प्रकार है. और जो बिलकुल हृंटा कहा है या जो किस्सत से सही समासत बच रहा है कलेजा उसका हरा पीला है, दिल पर बसके बक्ककी है, बदन में उसके क्रपकपी है, दिसारा उसका चकर में है, बनकित उसकी बावरज में है, बसके क्रपकपी है तिसारा उसका वकर में है, बनकित उसकी बावरज में है, बसकी क्रपकरी है तिसारा उसका वकर में है, बनकित जो बार रही है और जो जो संकट इस पर पड़ रहे हैं— , खुरा को पनाह!

इस्मीमिये थानी इनसानों की जानों की रक्षा की लातिर व्यक्षिक के व्यक्ति के किरिया यह होनी चाहिये कि जिन्दगी 'सुगम से सुगम हो, सुख जीवन का धन हो, शान्ति जसका रस हो. इसके लिये करूरत हैं कंचे इखलाक की, कंचे किरदार की, रवादार्रा कीर भल-मनसारी की, नरम नरम शब्दों की, मीठे मीठे बोलों की. जिना इसके काम बन नहीं पढ़ेगा, ज्यादातर बिगढ़ जाने का कि काम है, ऐसी हालत में बरूरत है और बड़ी जरूरत

नम्हत्या शान्यी के रुद्दानी उपनेशों के। थानी मिलाप चीर समायात के पैतामें। की, पीढेत सुन्दरताल जी की इतहाद की समायीरों के बाली एकता और प्रेम के प्रवारों के 'हिन्द से सिन्ध' कार्यों के बाली किया किया से इत्याद की हवाएं वहें, तरफ

कार के कारण की बार करें, परती प्रेम को क्लो हो, देश के कार है और किया की पड़का में उद्दोवपन बाप. के कार बाव के शुमने रहा है जिसमें बाप भारत के बहुसी

बाद कर कार के धामन रहा है जिसमें काए मारत के जलमी बाद करते वातिकों के दुलों और तक्ष्मा पाएंगे. लेकिन में विकास रेकारा है कि इस मुख्यसिर बाकों के सरसरी नजर से विकास रेकारा है कि इस मुख्यसिर बाकों के सरसरी नजर से व्या के बरणावी और खानाजंगी में जो जो नुक्रसान जिस जिसके विस्ते में काचा है वह ऐसा बेसा नहीं है. वह इतना भारी और विकास करी है कि काफी कापनी जगह हर एक के। पनवने के लिये व्या के विकास करेगा. में बान्याचा सगा सका है कि इसके अन्दर निवास हो रोना है. लेकिन काच रोने भोने से क्या हासिल ?

जार मार के हुए तारों का मातम कर तहाक कर सार कर दुसकों के होड़ कर और जीवन के समय से सारे गमों 'को नियोद कर नई किन्द्रां। को फिक्ट् समय कर बाना वाहिये. नवा पर पराना पाहिये और प्रपना करना पर पायाद करना पाहिये ताकि करने बाल बच्चों में के बाल है। यक और हुए प्रपनी केवा भी हो छहे. अर्थे क्या कहा कर करने हैं किनकों कुन्यू करने

ल आधार्यों की सुनकर, क्या इन नज्यारों को देखकर कोई क्सामी दिल शान्ति पा सकता है ? कोई ईमानो आत्मा मंताप ले क्षारे हैं जिनको रेखकर बांसों से बारकों के दरिया बहुते हैं. क्या

संगीतकारों की रचा पर छोड़ हो. विक नगर नगर. वावेला है भौर जीवन जीवन रोना है.—वस जी पाहता है कि संगीत के सारे रिकार्स का तोड़ हो और सारे हिन्दी, जब कि कुटुन्ब कुटुन्ब सातम है, जब कि बर घर केहराम है जेंगी हालत में शान्ति , खुद दु बियारी है. जब कि संगीत , खुद

गया है जिसका अवन यह है -धुमको बहसास हैं कि मजमून बन्दार्थ से ज्यादा तूल पक**ड़**

ब्रुट ब्रह्म साती है. यही बजह हैं कि वह जितनी लम्बी होती जाती रोक बढ़ता जाता है. हुं वर्ष की बात बड़ी दिश्वचत्प दास्तान होती है जो मन की कि बीक बेरा देहद व् हराजतर गरवद र्सीचे वर्षे विकावेच दास्ताने हस्त

> عجد كو احساس إو كر معنون اندازسه ست زياده طول يكو はかからかんしていてんだんと

معرب ورو دل اوز داستا که مست معرب ورو کل وزر داستا که مست محکه دروکی بات رفتی دل میسی داستان بهتی ای جو س کو محکه دروکی بات رفتی دام بود که ده مینی بی امولی میاتی ای ای

計計

(अकारा)

्र होस्वर रह जायंगा. साझी की खाँसों का बह जाम पी जिसके अमार से पू इमेरा। इमेरा। नसरूर रहेगा, रे पागक, आब रात का यह अुभार कल सुबह तेरे प्राणी पर केवल निष्पात्त श्वरे पांगल, क्या अंगूरी के त्याले पर त्याले ताल रहा है!

(2)

शमा पर बेजुबान दर्वसन्य परवानों का ब्रस्काद होना मैं पे हसीन विसरुवा. में बसा ही जाँडा. र्श सकता.

हिसीन विश्ववंग, मुने चले बाना हो चाहिए. ाधित शमा गुल करदे और हम बाँद को समेद ठंडी किरणों र्श साथ में केंद्र आएँ तन बर्गमन्य परकानों की बरबादी से रात की

ان کیا انگوری کے بیائے پر بیائے ڈیمال را اورا پر خار کل می تیریت پراوں پر کیمل نئی پران پر خار مال کی ہمکیں کا دہ جام ہی جس کے خارے

نین ملایا می جلا ای جائل. پر شادیان مدوند پرمال کا براد اونا می سی

العربين مسحد بداف مرادى مرادى مرادى مرادى من الرياء على على ما المريد المندي كون كري S. M. S. S.

अमोनियाँ भी बाक्को नहीं यहता; उस दिल की बेबसी के नहीं ह्याना जो पीड़ा से दट सकता है और दृटने के बाद जिसका हिंच अवस्था के सुना ! परंद्र आंखों में मचलते जन मोतियों का मोल नहीं जाना जो जार सकते हैं जीर विलयने के बाद जिनका समेदना !—जिनका ए अन्तरी हुई चाँकों के देखा, मेरे दिल की

ب يري مو المفكن بين الكون كه دعيا الرب ول

والمؤن كوشنا

। !--बिसकी खाक भी नहीं बन सकती।

श्रास्त्रम एकता في تمين رينا! من ول كل سيابى كو تنين بيجانا ؟ فال مي منهي بن من

تروسی کان بالامیتر مرت اره کمیف. (۱۲) من الری اوران میدودون مسیاه آن می بل سکتی این Meara, my ميندن آندرال م واينون مونول سيدي الدينوت بكا がある Duit Downwood

धी सके की किताब की क्रीमत सिर्फ बारह आने. केताब नागरी और स्टूर्ट दोनों लिखाबटों में मिल सकती है.

४८ बाई का बारा, इलाहाबाद - मैनेजर 'नया हिन्दु"

सेन्द्रल कन्छीलियेटरी बोर्ड न्वालियर की दावत पर नालियर में दिये.

गर लेकचर जो उन्होंने पाँचेय सन्दरखाल के

मौलाना उबेदुक्षा सिन्धी

(श्रीरवन काल बंसक)

क्सिकार्र जमार के इटे इमास मैलाना महमूदच्छाहसन धार्ष के छन साथियों और शार्गियों में, जिन्होंने, मुल्क की चाजावी की कर्नार्ट में निद्धावत दिलेरी के साथ हिस्सा किया, मौतावी ष्वेदुआ सिन्धी का नाम हमेशा वर्ड़ा इञ्चत के साथ किया जायगा. मौकाना क्येंद्रच्या सिन्धी को धापनी जिन्दगी का बहुत बड़ा हिस्सा जक्कावतंकी की दिस केंपा देने साली प्रशक्तिलों में विताना पड़ा.

पीक्षाना क्येदुझा सिन्धी का जनम १० मार्च सन् १८७१ है० को मिलांबाकी (पंजाब) के एक हिन्दू से सिज बने हुये जानदान में हुया था. कनके बाप का नाम रामसिंह था, जो मुनारगीरी व्यार महीने पहले ही चल बसे ने. नतीजा यह हुया कि कनेदुझा साह्य को अपने बाप की मुहत्वतारों में अपने बाद को होने करीज दो साल बाद सक बिन्दा सम्बद्धि वाह्य की में अपने मुहत्वी के साम अपपुर कार्यों कार्यों के साम अपपुर कार्यों कार्यों के साम अपपुर कार्यों कार्यों की साम अपने माई के साम अपपुर कार्यों कार्यों की साम करा सम्बद्धि करा करा सम्बद्धि कार्यों कार्यों की स्वर्ध करा स्वर्

والناجيات

الله المحدود المحدود

मौबाना की डमर सिर्फ १६ साल की थी. क्षमूल कर लिया और घर छोड़कर सिन्ध जा पहुँचे. इस वक्षत हुई एक किताब 'तोहफंतुल हिन्द' के असर में आकर उन्होंने इसलास

THE PERSON NAMED AND PARTY OF THE PERSON NAMED AND PARTY OF

ः सर्की. इससे जाहिर होता है कि मौलाना ने हालांकि श्रपने मजहब नहीं था जो सकसर एक मजहब से दूसरे मजहब में जाने बाकों में को बदला था, लेकिन वह गैर जरूरी मजहबी जोश उनमें विलक्क्स ही माँ अपने अजहंब पर क्रायम रहते हुए भो बराबर उनके साथ रह थीं, मुसलमान बनाने की कोशिश नहीं की. यही बजह है कि उनकी होने पर भी उन्होंने कमी अपनी माँ का जो सिर्फ उनके ही आसरे पर सुहज्बत के लिये छोड़ देना भी वह गवारा नहीं कर सकते थे. इतना बेटे ने इसलाम ऋबूल कर लिया है. फिर भी बेटे की मुहब्बत की लेकिन जिस बीज को वह ठीक सममते थे उसे किभी दुनियावी मौलाना के। दल में भी अपनी माँ के लिये इज्ज्वत और सुहञ्जत थी, बजह से वह उससे दूर रहने को तय्यार नहीं थीं. इसी तरह ही सक्खर पहुँचीं. पर उनको यह देख कर बड़ा धका लगा कि उनके जो अपने बेटे के वियोग में बेहाल हो रही थीं, यह खबर मिलते कर लिया और इसकी खबर अपनी माँ को भी देही. माँ मीलाना ने इसके वाद सक्खर में हा रहने का इरादा अप्बीस साँ युसकपई की लड़की के साथ उनकी शादी हो गई. था. इसके बाद सक्खर इसलामिया स्कूल के हेडमास्टर मुहन्मद सकें की शुरू की किताबें पढ़ीं जिनकी तरक उनका जास सम्मान सिन्ध पहुँच कर मौलाना ने कुछ दिनों तक इसलामी कल-

Sall director

می دی رہے کا امادہ کرمیا اور دس ک خرابی ماں کو دے وی ماں جو اپنے بیٹے کے دلیل میں کے مال ہوری کھیں " یہ کو بیٹے نے اسلام قول کرنی ہو جھر بھی بیٹے می مست کی ہوا کی مربیع نے اسلام قول کرنی ہو جھر بھی بیٹے می مست کی ہوا ا میں وہ ہی سے دور دہنے کو سیار نہیں تعمین ۔ اس می اس کی ول میں بھی اپنی مال کے لئے عزت اور محت تھی اسکی پید فزددی خدیمی پیژش آن میں باکل ہی شیں تھا ہر اکٹر ایک خاب ندیب برقاع دست وسر می برابر آن کے ساتھ رہ کئیں۔ اِن معالی اور موالانا نے حال کو اپنے خرب کو بٹا کھی ایکن ایمنوں نے کبھی ایک ان کہ یومون ان کے ایک آمرے یہ تقیق ا مسالی بنانے کی کوئشش منیں کی ۔ بی وجہ ہوکہ مان کی ماں اپنے ر المامن کی مولانات کھی دوں کی اسانی علیف کی تروی کی تا ہیں چومیں جن کی طون کون کا خاص شان تھا۔ اِس سے بعد سیکٹھ اسان میں اسکول کے جیڈا مؤ محدظیم خاں یوسف زن کی وی سیکٹھ اسان کی شادی ہوئی۔ مولانا نے اِس سے بعد سکھم بون ایک کتاب و تخفیزالمندو کے انڈ میں کار بخفوں نے اکسال جمل کردیا اور کم جھیورکر مزرجہ جا بہتیے۔ اِس وقت موانا کی ج مرن اوا سال کی تخفی۔ おかかいいかからのかからうち

के लिये सच्ची तड़प हैं, तो उनको यह भेद भी बता दिया कि इस त्तरह से प्रतबार के क्राबिल हैं और उनके दिल में मुल्क की आजारी सियासी मजलिसों में भी शरीक होने लगे. मौलाना खबेदुल्ला सिन्धी देवबन्द जा पहुंचे. वहां पहुँचते ही मौद्धाना को सबसे पहिले बलोजल्लाई जमात के डसूलों की जान-श्रीर जब जन लोगों को यह पक्का यक्तीन हो गया कि मौलाना हर थे. मौलाना ने भी उनके काम में दिलाचरगं लेना शुरू कर दिया **डनकी जान**कारी हुई जो बलोडल्लाई जमात से ताल्लुक रखते हुए बेचैन हो बढ़े. इसां सिलसिले में सिन्ध के कुछ ऐसे लोगों से भी इतना यकान दासिला कर किया कि वह उनकी गुप चुप होने वाली भौर कुछ दिन बाद ही उन्होंने मौलाना महसूदउलहसन साहब का डन्होंने मौलाना महसूदडलहसन साहब से पढ़ना शुरू कर दिया समाम संगठन के सबसे बड़े मौजूदा नेता देवबन्द मदरसे के हेड कार्य हुई क्यौर वह इसके बावत कुछ ज्यादा माल्स करने के लिये राष्ट्र इस्माइल राष्ट्रीय का लिखा हुई थीं. इन कितानों के व्यरिये मास्टर मौलाना महमूदंडलहसन साहब हैं. इतना माल्प्स होते हो दिन्दुस्तान से मिटिश हुकूमत को ख्लाङ फॅकने की त्र्यारी कर रहे हिंदाई बसाय के दूसरे हमाम शाह अब्दुल अर्जीज के अतीर सिंध में रहते हुए मौलाना के हाथ कुछ कितानें लगीं जो बली

इस बन्नत मीबाना स्वसूर्डलहसन साहब के सामने एक लास काम महरता रेवबन्द के विद्यार्थियों में देश मक्ती का प्रचार करना या विद्यसे जाजारी की ख़ड़ाई के लिये उनमें से रंगरूट मिल सकें. इस काम के वित्ये काम्ये काम के मदरता रेवबन्द के विद्यार्थिता

منده می میشته بوت موان که باخته خدان بر کلی بای می بود و املی بای می با می مناور زرگ میشیع خاه المی بای می بازی می با یں دقت مولانا محبودا لمسن صاحب سے سامنے ایک خاص کا عدمہ دلوند سے وذیا یختیدں میں دلین مجلتی کا پرجاد کرنا محل جس سے ازدوی کی ہوال سے لئے ان میں سے ڈکھوٹ واکسیں۔ who Library or Joint Con المحمل مے موں صور کامنی جی پیرٹے وال ساسی علیوں میں جی خرک ہو۔ کامنی جی پیرٹے وال ساسی علیوں میں میں مرکب ہو۔ إى وقت مولانا محمودا ممن مام 其

अन्या सम्बद्ध

अरुरत नव्रसे की नव्ह करते रहेंगे. की आन पहचान करा कर उनसे यह वादा ले गए कि वह वन्नत **धन्सारी साहब बरोरा अपने खास खास दोग्तों से मौलाना उबेहुल्ला** इसन साहब देहली पहुंचे झौर हकीस श्रजमल खाँ साहब व डाक्टर इस मदरसे का अरूरी इन्तजाम करने के लिये खुद मौलाना महमूद्उल **बहाँ वह 'भजारु**तुल सञ्चारिक' के नाम से एक मदरसा चलाने जगे. देवबन्द से जबने लगा झौंर वह सिंध बापस जाने की सोचने लगे. बेकिन मौबाना महसूद्वलहसन साहब चपने इस शासीदें की रौर **बन्होंने समभा बुम्म कर मौलाना उबेदुल्ला को देहली** भेज दिया, सामूली सचाई और दिमाशी ताक्रत से बाक्रिक हो चुके थे. इस लिये देखते थे. इसका नर्तीजा यह हुन्या कि मौलाना जवेदुल्ला का मन हो गए थे, जिनको मौलाना उबेदुल्का बहुत इज्ज्वत की निगाह से डस बनत इन इलकाम लगाने वालों में कुछ ऐसे लोग भी शरीक **डन पर तरह तरह के इलजाम लगाने शुरू कर दिये. बद्किस्मती से छबेदुल्ला साहब का वेवबन्द के मदरसे में रहना खटका और उन्होंने** ऐसे लोग भी घुस आये बे जिनको ब्रिटिश हुकूमत की मुखालकत अनरल सेकेटरी बने. लेकिन इस बङ्गत तक सद्रसा देवबन्द में कुछ का नाम सुनते ही कपकपी घाने लगती थो. ऐसे लोगों के। मौलाना 'क्सय्यतुक्कं धन्सार' रक्सा गया. मीलाना उनेदुल्ला ृक्षुद इसके डा एक संगठन मौताना चबेदुल्सा ने बनाया, जिसका नाम

के बाद भी मौलाना खबेदुल्ला मौलाना महमूदउलाइसन साहब से कैसा कि रीखर कमेटी की रिपोर्ट में भी चिक्र हैं, रेहको था जाने के किने बराबंद रेवबन्द बाते जाते रहे. इसी बीच मीलाना

はなないかられている。 いっちょういん あんまん

ما ایک مشکون موانا جدیدات نے بنایا میں کا یا مجسیدالانکا اور می میانا جدید ان کے حول کریڑی ہے ۔ بین اس اس موانا جدید کا میں ان کے حص کا ایک میں اس م بعیداکر دولت کمیچی کی دایدت میں بھی ذکر ہو' دنی کہائے کے بعد مجی مولانا عبیدائڈ مولانا محددالحسسن معاصب سے معتقل سے مولانا جیدافتہ کی جاں بہوں کواکر کان سے یہ وعدہ له مين كر ١١ وقت مزورت مدسى مد كرت دال

सिन्धी ने इन संगठनों से भी भाषना ताल्लुक क्रायम करने की ज्येदुल्या में दिल्ला में एक इनक्रवानी पार्टी खड़ी कर ली मी कोरिशा को जिसका जिक हिन्दुस्तान के एक बहुत बड़े क्रान्तिकारी और भी बहुत से संगठन क्षायम हो चुके थे. मौलाना चबेदुल्ला दूसरे हिस्सों में भी ख़ानकर बंगाल कौर पंजाब में इसी तरह के जिसका सक्तवर हथियारों के खर्रिय बंग्नेचों को हिन्दुस्तान से बाहर थी राचीन्द्र नाथ सान्यास ने धापनी किताब 'बन्दी जीवन' में किया है, निकास देना था. यह सन् १८१३ का जमाना था और हिन्दुस्तान के इसके कुछ दिन बाद ही यूरप में लड़ाई के नगाड़े गनगना कठे

🧩 बाहा बारे सीलाना बबेदुला सिन्धां को काबुल जाने के लिये कहा साम पृद्धा- "कुन्ने ?" मीलाना महत्त्वज्ञाहसन साहब ने इसका इब ज्ञान स विध्या और जामीरा होगय दूसरे विन मी कुन्ने मीलाना केवहुत्वा से इसी तरह कहा और मीलाना के कायुक जाने भी बाजा है कायुक करने करने भी बाजा है कायुक करने कायुक करने करने भी बाजा है कायुक करने कायुक करने करने कायुक कायुक करने कायुक करा करने कायुक मीकाना महसूदक्वहसन साहब की आदत थी कि वह नवादीक मौलाना महसूद उलहसन साहब ने इस मौक्रे से फायदा उठाना ''धनेतुझा ! कानुता आधो" तो चनेतुन्ता साहब ने कुछ हैरानी के राय काबुल जाने की नहीं थी. इसी बजह से जब एक दिन मौलाना है. इथर वह देहली में काफी काम कर चुके थे. इस लिये उनकी थे कि काबुल में मौलाना महसूर्डवाहसन शहब का कितना असर के नज़दीक के बादमी को भी सिर्फ उतनी ही बातें बताते वे जितनी महामूर्वच्यादसन साहब ने बाकरमात ही मौलाना वबेदुल्ला से कहा बताना चरूरी होता था. इस वजह से मौलाना उवेदुक्का नहीं जानते

> معتق میں ہی خاص کر بنگال اور پخاب میں اس کا کے اور بی ا بستاری سنگیشن خام ہوسکے تھے ۔ مولانا جدد انڈ مندجی نے این سنگیشنوں سیجھایئ آلمکتی خام کرنے کی کوشنش کی جس کا ذکریمان کے ایک میت بڑے کرائٹی کاری شرکی مجیندہ اکتر سائیال نے اپنی عدیدانند سے دلی میں ایک انقان یارٹی کودی کرلی کئی میں کا مقدید معدد معماروں کے درائے انگرزوں کو ہندتان سے باہر لکال ونا تھا۔ یہ سراللہ کا زار تھا اور امندسان کے دورے مولانا علىدات رشيعى

THE RESIDENCE OF THE PROPERTY OF THE PARTY O

उसकी वामील कर सके इसरे मौकाना ज्वेदुल्ला को बढ़ा धका लगा और वह यह इन्तवार क्येंने बने कि उनको फिर काडुल जाने का हुक्स मिले और वह योदी सी जाराची की भक्षक चवेदुल्ला खाइन को महस्स हुई.

बेरी तिष्वत इस दिवरत को पचन्य नहीं करती थी- लेकिन तामील हुन के किये अवस्था अस्ती था. खुदा ने अपने फवल से निक्तने गबा. युक्ते कोई युक्कतिका प्रोप्राम नहीं बताया गया था, इसलिये अगह बिसा है--- 'धन् १८१४ में रोख उल हिन्द के हुक्स से काबुक अपनी इस हासात का चिक्र करते हुए अपनी डायरी में उन्होंने एक नहीं या कि चाखिर इस बेगाने सुल्क में उनको क्यों भेजा गया है. सर्च के क्षिये सिर्फ एक पौन्छ बचा था श्रीर इतको इतना भी मालूस आई) ने अपनी बीवी के खेबर बेच कर इस सफ़र को खर्च जुटाया १९१४ को मीलाना काबुल में वास्त्रिल हो गए. इस बक्त जनके पास रास्ते में बहुत सी दिक्कतों का सामना करते हुए १४ अक्तूबर सन बनके पक शागिर्व रोख बाब्युल रहीम (बाबार्व क्रपलानी जी के बने में हिन्दुत्सान की सरहद पार करके काबुल की तरफ चल पड़े. साहब से करना जनको भच्छा न सगा. भासिर **भौर मीसना उमेदुल्ला भप**ने तीन साथियों को लेकर भगस्त १९१४ इन्तवास कर सकें, लेकिन इसका विक मौलाना सहसूदडलहसन ने यह सुनते ही ''हाँ" करदी भौर काबुल जाने की तय्यारियाँ शुरू कर र्यों. डस बन्नत डनके पास इतना पैसा नहीं था कि इस सफ़र का चबेदुल्ला से फिर कहा—"चबेदुल्ला काबुल आद्यो." चबेदुल्ला साहब दो बार दिन बाद ही मौलाना-महमूदडलहसन साहब ने मौलाना

الما المارة الأردى المارة

مستون او در ای موانا محدوات ماس نے موانا عبدالت اور ماس نے موانا عبدالت ماس ماس نے موانا عبدالت ماس ماس نے موانا میں اس موانا میں موانا میں اس موانا میں اس موانا میں ار کرتے ہوئے ابن واری میں مکھوں نے ایک مجل کھی اور اس میں میں اس کے می سے کا بال کے می میں میں روایا ہو میں میں اس کے میں میں میں اس بجرے کو بہت میں کری تھی۔ میں میں مجر کے لیٹھا جزیدی تھا۔ تھا نے اپنے فعل سے مکلے میرون می نادمنی می جباک عبید الند صاحب کو عموں ہوئی۔ اس سے موادنا عبید الند کو بڑا دھا کا ادر وہ یہ انتظار کہ کے مجمع من کو میر کابل جائے کا طریعہ ادر دہ اس کی حیل

साहब बिसिप्सिन की पाबन्दी का कितना स्वयास रखते थे सके. " इन सक्षों से आहिर होता है कि मौलाना उबेदुझा बाना तब हो चुका है तो उसने भी अपना तुमाइन्दा मुके बना दिवा खेकिन कोई साइन्स प्रोमाम बहु भी मुक्ते नहीं बता ा सियासी बसात को अब मैंसे यह बताया कि मेरा काबुक क्ष राष्ट्रा सक कर विया और मैं बक्तग्रामिस्तान पहुँच गया. विल्ली

ने नवरबन्द करके जेल में बन्द कर दिया, जहाँ कुछ और तरह की मदद देने का बादा किया. इसके बाद ही काबुल में एक वकसीमें बठानी पदीं. शुरू शुरू में तो चनको काबुल सरकार प्रहिसे ही लग चुकी भी. जनरस नादिर खाँने मौलाना को हर इसके बाद जर्मन टर्किश भिशन के साथ राजा महेन्द्र प्रताप काबुल भी हिन्दुस्तानी, जो इसी मक्रसद से काबुल आये थे, बन्द झे डाँ से मिले जिनको मौलाना खबेदुझा के मिरान की खबर विद्वारं मिली. रिष्टा होने के बाद मौलाना उबेदुझा जनरल नादिर धारका भावाद हिन्द सरकार बनाई गई भौर मौलाना उबेदुक्षा हैंबा' के नाम से एक कींब का संगठन करना तब हुआ, जिसके **को क्समें होम मेन्बर का चोह**दा दिया गया. इसके **कलावा हिन्दुस्ता**न धे जाने बाक्ती थी, उसके जनरता भी मौताना **उबेदुल्का** साहब ने आबादी के लिये लड़ने बालों की जो फ़ौज काबुल में खड़ी हुँचे. तब डन तमाम हिन्दुस्तानियों के साथ मौलाना खबेदुक्षा को भी ही बनाया गया. इसके जलावा हिन्दुस्तान में भी 'खुदाई the sales appearant and and the sales to काबुल पहुँच कर भी सीखाना खबेहुल्ला साहब को बड़ी बड़ी

し、動きがからこれがある。

المحمد التراس من من المواد ال Life woods in will see م إسير صاف كرديا ادري افغائستان بنج

प्रभाग व्यवस्था सिन्दी अन्तर्भी सिन्दी स्थ

होरे मार्र नसठल्ला क्याँ और बमीर के लड़के अमानुल्ला क्याँ आंग्रेसों के हामों में देने को भी तटबार थे. लेकिन समीर के की कठपुतली बने हुए थे. इस लिये वह इन तमाम लोगों को हबाले कर दें. श्रामीर हबीबुल्ला इस वक्षत अँगरेजों के हाथो हिंस अंगरेओं के विकास थे. इन लोगों ने अमीर को ऐसा तो बह मौलना क्ष्मेदुल्ला सिन्धी श्रीर उनके साथियों का श्राँगरेजों के कॉंगरेज़ों ने कार्युक्त के क्षमीर हवीबुल्ला खाँ पर यह जोर हाला कि **ब**ब्दुर्रहीम के नाम भी बारंट निकला, लेकिन वह फरार हो गए. **ब्लाइसन साहन मनके** में फौरन गिरफ्तार कर लिये गए. रोख् श्रीकावर तक पहुँचा विया. इसका नतीजा यह हुआ कि श्रीमेरेज़ों को यह तमाम भेद माब्दम हो गया. मौलाना महसूद-रफ़नवाज़ कों को दे दिया और लॉ साहब ने उसे सर माइकेल जन्दुलहरू ने हिन्दुरतान में आते ही यह उस्त जान बहादुर वसे रोख अन्दुर्रहीस तक पहुँचारे. इसके बाद रोख अन्दुर्रहीस उसे मौलाना महमूर्डलहसन साहब के पास तक पहुँचवा देते. लेकिन बौर इन तमास कामों की रिपोर्ट थी. यह रेशम पर कड़ा हुआ बो इस कारीगरी से लिखा गया था कि देखने में तो वह फूज से ड़त बब्दुल हक नाम के एक विद्यार्थी को सौंपा गया, कि वह माध्यम होते थे, लेकिन दर ध्यसल उसमें लड़ाई का तमाम नकरा। **उपेडुन्सा शहन ने पीले रेराम पर डनके लिये एक खत** लिखवाया, मीबाना सहसूर्वज्ञाहसन साहब इस बन्नत मक्के में थे. मीबाना मैंसाना महसूरज्यहसन साहब तक पहुँचाना जरूरी समभ्य मौबाना छबेदुल्बा सिन्धी ने इन तुमास कैसबों की खबर

ور المريدول كے فلات تے . إن وكوں نے اير كو اليها كو ماهب می مینیا اعزودی مجعا. دلا تا محودالحن صاحب ای وقت که می تقر مولاتا عبد انتدماهب نے سیکے کنتی بران کے کہ می تقر مولاتا عبد انتدماه ساخ کیا تھاکہ دیقے میں تو لائد کی خط مکھولیا ، جو اِس کا رکزی سے مجھائیا تھاکہ دیقے میں تو مولانا جبيد الله مندحى سے إلى تم فيصلوں كى جر محالنا كمينان

न अपने दिया. फिर भी मौलाना को गिरफ्तार करके काबुल की केंक में तो बाल ही दिया गया. मौलाना ने जेल से भी अपने काम को जारी रक्ता और वह अफ़राा िस्तान की उस पार्टी को बराबर मद्द करते रहे, जो बंगरेजों के खिलाफ थी.

इक दिन बाद १८ फरवरी सन् १८१८ को धामीर हवीबुल्ला काँ भांगरेखों से मिले रहने की आपनी पालिसी के कारन क़त्ला कर दिये गए भीर अमानुल्ला खाँ काबुल की गदी पर बैठे. अमानुल्ला खाँ ने सबसे पहला काम यह किया कि उबेदुल्ला साहब और उनके साथियों को जेल से खोद दिया और मौलाना से अपने राजकाजी मामलों में भी सलाह लेने लगे.

Therm signed survey is the space and grown in the space of the space o कर विया. इस पेक्षान के होते ही सरहद के आवाद क्यींते भी किया कि श्रगर इस बत्तत काबुल हिन्दुस्तान पर चढ़ाई कर वे वो बाबुल और हिन्दुस्तान दोनों ही श्रंगरेजों के पंजों से खुट बकायक बफगानिस्तान ने बांगरेबों के बिबाफ लड़ाई का ऐलान सकते हैं. उन्होंने बादशाह जमानुस्ता जाँ साहब के सामने जपना जिसमें शर्कों कि कांगरेज कीत गये वे लेकिन उनकी तमास संक्त अर्च हो चुकी थो. इबर हिन्दुत्तान में रीलट बिल के यह खयाज रक्ता. इसका यह नतीजा हुआ कि ८ मई सन १८१८ को जिलाफ सत्यामह चान्न, था और पंजाब में तो सिर्फ मार्शक्ला के बस पर हुकूमत बनाई जा रही थी. डबेदुल्ला साहब ने महसूस इस बक्रम तक सूरोप की बड़ी लड़ाई खत्म हो चुकी थी,

سے ملے دینے کا ایک ایک مائل میں کوٹ کو اور ان ان ان اس مائل ہی ایک انتر خال نے سب سے بولا کا میں ایک ایک مائل میں میں صلاح کیے اور ان ان ان کی ایک ایک مائل میں میں صلاح کیے اور ان ان کی ایک ایک مائل میں میں صلاح کیے اور ان کی ایک مائل میں میں صلاح کیے گئے والا اس وقت کی جو کی اور ان خی ہوئی ہی ، جی مائل میں ایک میا ہی جائے ہی ہی میں اور بینی میں اور مینی کی مائل میں اور مینی کا میان کی مائل میں میں اور مینی کا میں اور مینی کا میں اور مینی کے میان کی میں اور مینی کا میں کا میں اور مینی کا میں اور مینی کا میں کے میں اور مینی کا میں کا میں کے میں اور مینی کا میں کے میں کے میں کے میں کا میں کے میں کی کی کے میں کا میں کے میں کا میں کے میں کے میں کا میں کے میں کی کے میں کے میں کی کی کے میں کے ز کونے دیا۔ بھر بھی مولانا کو گوفتار کرمے کائل کاجلیں کہ وال بھا دیا کی بھی ایش کی برابر مدد کرتے دسچہ ، ہو انگریزوں سے خلاف تھی ۔ مجھے وق بعد جار فردری سطا جار انگریزوں سے خلاف تھی ۔ مولانا جديدات مرتدمى वृत्तरे पुरुष में क्रायम हुई थी. अक्की तरह आनते थे कि काबुका क्षेत्रकृते ही उनका सख्त सकता कें खास कर कपये पैसे की भारी तंगी बठानी पड़ेगी. बह इस शर्त को मंजूर हो कैसे कर सकते थे. वह इस बात के क्रांगे स की यह पडिक्रा शास्त्र थी जे। हिन्दुस्तान से बाहर किसी कांत्र से कमेटा ने भाषने गया सेशन में मन्त्रूर भी कर लिया. डांग्रेस की एक राखि क्रायम कर दी जिसका झाल इन्दिया क्रीकिन बन्होंने क्रुक्स दिन बाद ही काबुल छोड़ दिया. इसी के दिल में तो हिन्दुस्तान का आधादी की बाह थी. इस लिये शिष उन्होंने एक ख़ास काम यह भी किया था कि काबुल में पूरा करने के लिये तथ्यार थी, लेकिन मौलना उनेदुल्ला साहब क्सीजा यह हुन्या कि मौलना डवेंदुल्ला ने काबुल हमेशा के लिथे कों कोई सियासी काम काष्ट्रल में नहीं करने देगी. इस शर्त का भाषादी संबाद की गई और उसे दूसरे दूसरे । शुनकों से विना र्ज सह राते रक्स्बो गई कि काबुल की सरकार मौलना डबेदुल्ला र्थगरेचों की इजाजत लिये अपने सम्बन्ध कायम करने का से सुबह करनी पड़ी, जिसके मुताबिक बाकग्रानिस्तान की मुकन्मिल होड़ दिया. बाडुल की सरकार मौलाना की तमास चरूरतों को अखितथार दिया गया. इसके बदले में आंगरेज सरकार की तरक ह्माई २४ जुलाई एक चर्चा. इसके बाद जगरेजों को अकग्रानिस्तान

कारे और सकारते हों, बेरिया वह कन्युनिस्ट पार्टी में रारीक्र म हो हरींच द्वारा महीने तक सास्क्री में रहकर कम्यूनिजम के चतुलों के। कांबुक्त के इबने के बार मीलाना चबेदुल्सा रूस पहुँचे कीर

الله المنت مندور من ووست مكون من برنا الكرنيون مي الحافرون المن المنت ووست مكون من برنا الكرنيون مي الحافرون المنت من المنت ا المان مهمر بعلال سک بیل. إس سک بعد انگرنید که افغانستان سے معلی کیٹی پڑی عب کے مطابی افغانستان کی ممثل اُدلوی منظور کی

يُعِينُهُ لِلهِ مِنْ رَبِي مِن مُعَالِمُ مِنْ مِنْ مِنْ مِن مُرَاثِ مِن مِن مِن مِن مِن مِن مِن مِن م

भोषास को "हिन्द् ग्रसलमानों के सवाल के। हल करने की एक काफी बाच्छी कोशिरा" बताया है. भी अपने इस प्रोप्राम पर बातबीत की. इस प्रोप्राम की खास बात शांस की ने व्यपनी नशहूर किताब 'मेरी कहानी' में मौलाना के इस यह को कि इसमें अवहिंसा पर बहुत खोर दिया गया था. जबाहर दुर्की में ही खपी. इसी खमाने में लाला लाजपतराय चौर डाक्टर इतसी आफर वह पंठ जबाहरलाला जी से मी मिले भौर उनसे दिन्दुस्तान के इन दोनों नेताओं से मिले. इसके कुछ दिन बाद ही भी रारीक कर दिया जाय. इस पर उन्होंने एक किताब जिस्सी जो हुनी पहुँचे मोर बहां करीय तीन साल तक रहे. यहां उन्होंने 'वैन बन्सारी साहब भी बूमते वामते तुर्की पहुँचे. मौलाना अबेदुल्सा कि इन्डियन नेरानसं कॉर्ये से में हैं। इसलास की मञ्जूदवी तहरीक को को कोई जन्मेद दिखाई नहीं दो. चाखिर वह इस नतीजे पर पहुँचे सके क्योंकि खुरापरसी चौर दूसरो मज़हनी नातों के क्षिये इस रिलािक' को वहरीक पर काफी ग़ौर किया. लेकिन उसमें कामवाबी निजन में कोई गुंजायरा बनका न विस्तताई दो. इसके बाद बह

इसके बाद मौलाना कुछ दिनों तक इसी तरह एक गुल्क से दूसरे गुल्क में धूमते रहे. न पास में पैसा, न कोई साथी श्रीर न कोई श्ववर्ष. जिटिश हुकूमत के ख़ुकिया हर बक्त मौलाना के ख़ान को रहते थे. पर इन तकलीकों के बाब की रहते मौलाना अपनी धुन में सनी रहते थे.

क्ष दिन पार मीबाना के माबान हुना कि नक्का में एक विकास कारण के होंगे अपनी हैं विकास किन्द्राता के हमानो

الما المرائع من المرائع الله وحدي إلى سائع المائع المرائع المواقع المرائع الله وحدي المرائع المواقع المرائع الله وحدي المرائع المواقع المرائع المواقع المرائع المواقع المرائع المرائع

श्रुक्त कर दिया.

सन् १८३६ में कांम स ने मौलाना को हिन्दुत्तान आने की हजाबाव होने के लिय आवाज उठाई. कुछ दिन बाद सिन्ध में खान-बहादुर अल्लाबख्श की सरकार बनो और काँम स को अपनी इस महरीक में कामयाबी हुई. १ नवन्बर सन् १८३७ को मिटिश हुई सत से मौलाना का यह इराला मिलो कि बह हिन्दुस्तान आ सकते हैं. १ अनवरी सन् १८३७ को मिटिश हुई सत से मौलाना का यह इराला मिलो कि बह हिन्दुस्तान आ स्व सिया और बह हव करके करीब २२ साल बाद आपनी प्यारी अनम मूमि की गोद में वापस आगय. यहाँ आकर पहिले वह अपने तमम पुराने साथियों से मिले और उसके बाद दिल्लो में रह कर शाह बलीक्लाह के उस्तों से मिले और उसके बाद दिल्लो में रह कर शाह बलीक्लाह के उस्तों सो मिले और उसके बाद दिल्लो के तकलियें और वास्म परेशानियों उनके देशामकी के जाव वे को कम नहीं कर सकी औ.

मेंदाना का इन्तक्रम २१ जगस्त १८४४ को दीनपुर (भावलपुर)
में दुजा. जपने काखिरी बक्ता तक वह हिन्दू मुसलिम एकता के
बावरक्ष हानी रहे. वह जबस्यर कहा करते से कि सबसे बड़ी
बुदापरस्ती यही है कि हम सभी इनसानों से, फिर बाहे वह किसी

अवा हिन्द मीसासा अवेतुस्सा सिन्दी अनवरी सन् '४८ अवाद्मा में अन्दीने अपने इस ख्याब को जाहिर करते हुए लिखा

"ईमान बेहाबिल्लाह या , बुदापरस्ती की एक मंबिल इन्सानियत कियों भी है. क्यार कादमी यह मानता है कि साने इनमान उसी के क्षेत्र किये हुए हैं, क्यार उसकी कालिक से हक़ोक़ा मुहज्बत है, तो क्षाक्यमी है कि उसे उसकी मख़बूक से भी मुहज्बत हो और क्यार उसे उसकी मख़बूक से भी मुहज्बत हो और क्यार उसे उसकी मख़बूक से मुहज्बत नहीं, तो यह समित्रेय कि वह , ख़ुदापरस्ती को क्षमला राकल में इनसानियत दोस्ती को ही क्षसल बीन करार दिया था. उनका तो यह क्यकीदा हो गया था कि जिसे सिक्ष क्या महीं की स्वारत से मुहज्बत है और वह दूसरों को, जो हम- क्या नहीं हैं, नफरत की निगाह से देख ग हैं. वह सका मूहिद और , खुदापरस्त हो नहीं हैं."

काश! आज का हिन्दुस्तान अपने इस देश भक्त शहीद के इन सोने के हरूकों में लिखे जाने लायक लक्ष्यों का असला मरम समक सके और कन पर समल कर सके.

ناچرن ۔ مغین میں انعین نے اپنے اِس میال کو ظاہر کرتے ہوئے تھی مقار

این بایشد یا خدا بیت کی ایک مزل ان نیت دوی بجی ایک و الدی ایک ساسته ایسان به می سام بیدا کند کا بیدا کا بیدا کند کا که کا میدا کا که کا مید کا که کا میدا کا که کاک کا که کاک کا که کاک کاران کا که کاک ک

कहरपन से पछताना पड़ेगा

(आं श्रोंकारनाथ शास्त्री)

पन का यह नमूना पेरा कर सकता है इसका खयाल भी ग्रेर मुसकिन का सर कुक जाता हो-यहाँ तक जिससे क्रासिस्टों के जुल्म भी दिन्दू और बह सुसलमान अपने को इतना भूल सकता है-पागल सामने सारी दुनिया के। असभय और हेच मानता हो वह क मजहिंबयत की इस खोफनाक चाग में सब दुख जलकर भस्म वहस्रीय शासिन्दा है. २० वीं सदी का इनसान इतना गिरे सकता अपनी तहस्त्रीय और तमहुन पर नास्त्र हो. जो अपने शर्मिन्दा हों- और वह भी हिन्दुस्तान का इनसान जिसको इचहार कर सकता है जिसके सामने तबारीख के सारे मुर्जालम ही सकता है. बाब पंजाब की बहरात से इनसान की सारी है, इतना जुल्म, दर असल इतना बुर्जादली और बेरामी का बदक्रिस्मत युल्क में हो रहा है, जसे देखते हुए कौन इनकार करेगा **करने में करते हैं. श्रकसर लोग इसे नहीं मानते. पर जो कुछ इस** मज़दूरों किसानों की गुलामी की जंजीर और मुफलिसी को मजबूत शबक्र के लोग, मेहनत की कमाई से जिन्दगी बसर करने वाले धर्म बनता के लिये ज़हर हैं. धर्म का इस्तेमाल, खूटने वाले

पर को इस कांगल विदार और रंजाब में हुआ, बहाँ तक कि

من اور این میں لمنے ایر وجھ ای برص کا کو خلات می اور این ایک ایس وجھے ہوئے کون انکارکر ساتا کو کا میں میں ایک اس میں اس کے میان کو ساتا کا کا میں ایک ایس کا ایس کا کا کہ میں کا ایس کا ایس کا انسان کی سات کا کو کہ ہوتے کا ایس کا انسان کی سات کا کہ کہ کا ایس کا انسان کی سات کا کہ کہ کا کہ کہ کہ کا کہ کہ کا کہ ک وحرم مفت کے گئے ذہر ہی ۔ دھرم کا اتتحال اکوشنے والے محت کے گزار مقت کی کال کے دھرم کا انتحال اکوشنے والے محت کی کال سے زنگ فبر کرنے میں کرتے ہیں ۔ کمی فول کا تھا کا کار سے معنبوط کرنے میں کرتے ہیں ۔ からいっかいったか

के फील्ड मिले अहाँ सही खगलातों का जादर हो. हाँ, यह रांग जगर 🥜 लिये यह ग्रैर सुमकिन हो रहा है कि दरमियानी तक्के में कोई ऐसा कहीं बाज भी सबसे कम है तो वह है इनक्रताको मजदूरों और नहीं है. इनसान इनसान में, मकटूर मकटूर में, किसान किसान में ऐसा , खूँख्वार तकरका पैदा करने बाली इस बला से खुदा पनाह! रारोच फिसानों में. वहाँ भी यह कहना रालत होगा कि विल्कुल ही हो रहा है. फट्टरता को यह फिया इतना घर कर गई है कि आपके बिलाए ताक रस्न कर इंट शक अवद्या लेने की भावता से द्यान्था बाज बारा तरक तक बार इनसाक, बक्क और दूर-बन्देशी को कहरता, धन्ध विश्वास धार तरफदारी के जुनून से क्रोतप्रोत न हो सुसलमान है जिसका दिल इस मजहबो जहातत, इस फिरक्रेबागना क्षिचे बबास जान बन कर रहेगो. बाज कौन ऐसा हिन्दू है, कोन ऐसा बागों में महने का चान्देशा है, वह बल्द गुजर जाने वाल क्रेज का अनुष्टें बरतार और जूनागढ़ में हो रही है, या जिसके दूसरी Phase) नहीं साब्दम होते. इनसे पैदा हुई कड्डबाहट बरसों के किरक्रेवाराना क्टरान ने कले थाम, जंगला पन और श्रासिरकार

की कैसे तबर्धन्यात्र किया जा सकताई. 'इस ब्लीज के हाभी

सुराकिल है. एक साहब कहते हैं-'जब पाकिस्तान मिल गया तो हिन्दुस्तान में सुसलमानों का क्या काम!' दूसरे साहब कहते हैं 'अन्दूरियस का राज जनता का राज है. डसमें अक्सरियत का बोल बार्सा होना अकरी है. अक्सरियल की बोली, अक्सरियत के हकों

इस शैतानी चक्कर (बिशम सर्किल) का कथा नतीजा हुंगा कहना

सदाई की शक्त था कित गार की. लड़ाई कटरपन को बदा रही है

و مخود تعزد میدا کرے والی دِس بلا سے خدا بناه! الفرد الفرد کردن کر دِساری ہی۔ دِس سِلان کِر دوس الفرد کی کا می جو کا درائی ہی۔ دِس سِلان کِر دوس الفرد کی کا می جو جاتان میں سلان کا کیا گام! و دوس میں اکستان فرائی از جندستان میں سلان کا کیا گام! و دوس میں at a strategy ره که هدی نمین معلی بهترت. ال سے بینا اون کومابیت برطنا کم کی میال جان بری کردیکی. کرج کون البیا بہندہ ہی کون البیا مسلمان ہی میں کا دل اِس خذبی میالت اِس فرق ماداز کرکڑ کا ا العلى إلا يونا فوس الدين المرت الدين المرين المرين المعندالم احب عمد اي - جمدين لا راع جنت كا داره اي من الغريت م الاال مخير اور مجالات من بودي يوايا مي ك وكرسك المرز المعطور ناتي والمراد والمراد المراد

नहीं कि सहस्र अपने बल पर इंडिया के अल्पमत के मुसलमानों के हकों का बचाब सीघे तौर पर कर सके. मगर पास्तितान का वाकत सहाय पाकिरनान की शकत नहीं है. जिटेन कौर कांगरीका हैं....बहुमत का राज, बहुमत की बाली, बहुमत का तसदून! लेकिन वरफड़ारी खरूरी समकी गयी. खाहिरा दुर्लालें हिन्दू नेताओं के साथ रही हैं. मिसाल के लिये यू० पी० डासेम्बली के लिये यह इत्तर सुराक्तिल नहीं थी कि वह दो सरकारी लिखावटों धमल में जनता का तुकसान है. चरूर पाकिस्तान में इतनो ताकत गया. हिन्द् तमद्दन के प्रचार के लिये 'राज के जरिये' हिन्दी की सुरुकों की कसी नहीं जहाँ दा सरकारी बोलियां हैं. ऐसा नहीं किया होने पर भो लोग पूछ ताछ से काम चला सकते थे. संगर में ऐसे तक कि दो लिखाबटों की मौजूदगी में ब लो के किसी ऋदर ग्रशकिल को सान लेता और दफ़्तर के कामों को भाम बोली में चलोती. यहाँ धारणा और प्रचार के सच साबित कर रहे हैं जो बह करती की जा रही हैं. क्यान का कट्टरपन, ऋगज के काम लोग की उस नहीं हैं. जब जरूरत नहीं थो तब इन लीडरों ने मिस्टर जिन्ना महत्त्व दिन्दू संभाई नहीं, कॉमेंस के लीवर भी हो रहे हैं. आज कॉमेंस का नतीजा है. आज भी लीग की दूसरे तरीक से ताकत मजबूत सरह लगातार डनकी ताकत के। बढ़ाया. पाकिस्तान इसी कमजोरी डनसे सौंदा करने में ही स्वराज की कामया**वी** समक्की खोर इस की नीति क्रक्तियार की, बराबर उनकी इस्तो का माना भौर संग के किसी तरह राजी करने (Appeasement) हिन्दू बींबर सममीते की बात मी सुनने के लिये तैयार

می برایر مان می سی که ما تا مای سے مودا کرنے میں ای موداج اسلام میں برایر مان می مائد کا مار مان می طاقت کو جمعیا یا اسلام میں ایک میان بھی اور اس طرح لگانار مان می طاقت کو جمعیا یا اسلام کا تعربی ایک می در میں میں اور می اور می ایک میں بھی اور اسلام کی تعربی کا معنی چند بھال میں الائری کے لیٹد بی اورے این کے لائلی مے چندہ لیلہ مجھورتے کی بات بھی فینے کے لئے میٹار نہیں ہیں۔ میں طورت نہیں تھی تب ال لیلدوں نے مرط جناح اور لیک محکمی طرح داختی کرمنے (محتصد عصد عم کھاکھی) کی بیتی اختیا The solution was

ہی میں جاں دو مرکاری پولیاں ہیں۔ الی میں کیا گیا۔ ہتلا تعدن سے دچار سے لئے مراج سے ذریعہ ہندی کی طرف دائک مزمدی جھی کی ۔ کا ہرا دلیسی ہملد فیٹاؤل سے ساتھ ہی ۔ بہوت اكستان كى طاقت محمن ياكستان كى طاقت مني يو. برتين اور امريكا کا دلدہ ، میومت کی جیل ، میومت کا تحدن ! لیکن علی میں منبتا کا لفضان اور مزور یاکستان میں اپنی طاقت منبیں کرمھن اپنے بل پر انڈیا کے ابیمت سے مسلمانوں سے معوں کا پھیاؤ میدعصطور میرکونیک ۔ حمر

क्ये किया अराव करने का ताकत हमेरा देते रहेंगे. हिन्दुकों के कुरावन से करनोर भी किसी बक्त हमेरा देते रहेंगे. हिन्दुकों के कुरावन से करनोर भी किसी बक्त हिन्दुस्तान से निकल सकता है. हिन्दुस्तान के सूचों में अवस्वरियत की तरफदारियों करमीर के राष्ट्रीय खयाल के ग्रु-लमानों को बदखन कर देंगी. इस बक्त रोख बक्दुल्ला काम नहीं देंगे. पाकितान का हाथ मण्डूत करने के लिये हैंदराबाद एक दूसरा हथकंडा है, जो लगतार खौकनाक सूरत अधितयार कर रहा है. यह सब बातें मिस्टर जिला करिर लोग का ताकत देने बाली हैं.

जो कोग यह दलील पेश करते हैं कि अब तक हिन्दुओं ने सुल कमानों के साथ रियायत की. पर अब बह ऐसा करने के लिये हिण्यार नहीं है, भूल करते हैं. बात तो यों है कि जब ज्यारता दिख- काने की जकरत नहीं थी, जब इनक्रनाबी तरीक्रे से मिटिश सरकार का खत्म करने की जकरत थ, जब मिस्टर जिन्ना और लीग को नजरक्षान्या करने की जकरत थी जस बक्त उन्हें जकरत से ज्यारा अहिमबत दी गया और आज जब किसी करर बीजों का दरगुजर करना चाहिये उस समय अजीब कहरपन हैं.

किसी फिरके को अपनी हिकाखत का पूरा हक है. हिन्दुस्तान सरकार को जात्मर हा का उससे भो अधिक हक है. पर अभी तो हिन्दुस्तान आजाद ग्रुल्क बन भी नहीं पाया. अभी तो उसकी 'हिकाखत' निदिश साझाव्यशाही खुद हो कर रां है. निटिश शाही नोति अपने खांटे साफीदारों, यानी हिन्दुस्तान के सरमायादारों को खुल्म करने की नहीं है, महक उन्हें फँ नाये रखने की है.

काराने क्रांतानी की का करना है कि हिन्दुत्तान की दिवायत

which is with the said of

می موان می مون می ایت ایت ایت می ایت ایت می مون مو

केसे ! तभी जब दोनों किक्नों के मजदूर किसान ममक लें कि डनकी हिकाजात के जराए हासिल नहीं हो सकते. **भ**सल संबाल सरभायादारी को खत्म करने का है जिसके बिना सरकार के सुपुर्व करने वाले नहीं हैं. फिर मुल्क की हिफाजत होगी काम के किये इतनी बड़ी रक्कमें चाहियें जिन्हें सरमायादार यों ही के लिने हिमेगोरों के नदे नदे कारखाने खुलने जरूरी हैं. पर इस

🔑 तसलीम किया कि करमीर के पीछे साम्राज्यशाही का हाथ बात खठा नहीं रक्स्सी है. बाकुर पट्टाभी सीतारमैया ने भी इसे साक हैं. कांग्रेस के सभी लीडर इसको जानते हैं. ने फिरक़ेनाराना सगड़ों की छु.नेयाद मजनूत करने में कोई भी पक्क जोने ने, यह साफ कर दिया है कि ब्रिटिश सरकार करमीर के हमले ने,हिन्द में हर तरह के बेशुमार हिषयारों के

क्षा है और न दबाया जा सकेगा. कमजोर को दबाना कोई नई इतना सजबूत कर दिया है कि इसको यों ही नहीं टाला जा सकता. रंगन कोई रास्ता नहीं है. जबरन न कोई हमेशा के लिये दबाया जा है. हिटरा सरकार जार उसके हिमायतियों ने फूट की जड़ को तमाम बातों की श्रकरत है, हिन्दू मुसलिम इसहाद उनमें से एक भीर राक ग्रुवहे के इज्रहार भीर जाहिरदारों में कटुता नहीं भाने साबिरा और बर हैं. जरूरत है सच है की. सही, बिलकुल सही. देना चा हेंगे. हिन्दुस्तान के मजबूत हकूमत होने के लिये जिन बेकिन अहाँ किसो काम में होशियारों को जरूरत है. वहाँ अविश्वास बदल गई हैं. लोग कहते हैं कि यह काफी नहीं हैं. इसके पीछे इथर हिन्दुरतान के लीगी नेताकों की टोन-इरकर्ते बिलकुल

THE RESIDENCE OF THE PROPERTY ع الله بعقيادول ك يرب يدع كارمان على مودى ين. بد

बार की है. बनते विश्वास और मुहज्यत वेदा करना खरुर नहें बात की समान की मुहज्यत वेदा करना खरुर नहें बात की कार्य की बात है. मुसलगानों का 'फिल्म कालिमत्र' बात की साम की गाया है. यह कैशन नासमकों का है इत्तकाक मिन्न की बात ही गया है.

स्रीय के नेताओं के टोन ववलने का वायस महत्व श्रीत भीर स्वीक नहीं हैं. उन्हें यह भी एहसास हो रहा है कि उनकी साजियों नाकामबाध रहीं. हथियानें का पकड़ा ज्ञान उनको पस्त हिम्मता का एक सबब है. साथ ही जो लंगा स्थाई के साथ पाकिस्तान की जरत महसूस करते थे उनका ख्याल है. कि भाव लड़ाई की कोई वजह नहीं. इस लिये सभी को एक तराजू में रखना मुनानिव नहीं:

एकता के लिये हमारा नारा क्या हा ? आरत एक राष्ट्र हो सभी बाहते हैं. पाकिस्तान की सरकार का यह रख साफ है कि बढ़ अपक राज' के नारे को किसी तरह बरदारत करने के लिये हैं किया नहीं है. 'एक राज' के लिये हैं किया के सरमायादार कार जापने जापने जंग से दिल बस्पी रखते हैं. सरमायादार को अपनी तिजारत का खयाल है. इसिल बस्पी रखते हैं. सरमायादार को अपनी तिजारत का खयाल है. इसिल बस्पी रखते हैं. सरमायादार को अपनी तिजारत का कर ज्ञपने रोजगार का बाबार पहिले जैसा देखना बाहता है. मजदूर का एक राज' दसरी तरह का है. वह सरमायादारी को खत्म करने के लिये एक राज' बाहता है. पाकिस्तान में सामन्तवादियों का बोल बाला है. जन के दिनार में स्वस्त अपने सामन्तवादियों का बोल बाला है. जन के दिनार में स्वस्त अपने सामन्तवादियों का बोल बाला है. जन के दिनार में स्वस्त अपने सामन्तवादियों का बोल बाला है. जन के दिनार में सामन्तवादियों का बोल बाला है. जन के दिनार में सामन्तवादियों का बोल बाला है. जन के दिनार में सामन्तवादियों का बोल बाला है. जन के दिनार में सामन्तवादियों का बोल वाला है. जन के दिनार में सामन्तवादियों का बोल वाला है. जन के दिनार सामन्तवादियों का का सामन्तवादियां का बोल वाला है. जन के दिनार सामन्तवादियां का का सामन्तवादियां का सामन्तवादि

می او اکنیں یہ می امساں اور ایوکرمان کی مارتیں ناکامیاب وہیں۔ ہمتیاروں کا پوڈا جانا اس کی لیست بہتی کا ایک سبب اور ساتھ ہی ہو دک سجال کے ماتھ پاکستان کی خودست محسی کرستے ہتھ اس کا خیال ہوء کر اب دوان کی کوئ دھ سنیں۔ اس سلط سبھی کو ایک ترازو میں رکھنا مناسب سنیں۔ Chin Jares Crost State Contract الأراي التعاد والحا किसी राज का निकास औक नहीं यह सकता. इसलिये वह मुसलिय की सिता की मी तरत्रकी देने के लिये मजबूर हैं. जमीदार सरमायादार को यहां है. मुझलिस बनियों की भी तादाद बद रही हैं. पाकिस्तान का बनिया खिता भी कमजोर हो पर उसके बिना पाकिस्तान जौर भी नहीं चूल सकेगा. पाकिस्तान के दोनों तबके. बनिये कौर की नहीं कर मुखलूरों किसानों की तहरीक की जौर भी बरदारत नहीं कर मुझले. वह 'एक राज' के नारे की उससे भी ज्यादा खतरन में कर के परवे विकास सरमायादारों के एक राज के नारे की स्वाह के परवे वे पाकिस्तान के मजबूरों किसानों से क्रांत से बालों की वाल को दरपदी रक्खा है. हम इस इस पर्दे की कैसे फाइं. वह विकास कर वे कि पाकिस्तान का हमला जाता की का पर शीर करना शुरू कर दे कि पाकिस्तान का हमला जाता का ध्यान डसके असला स्वाहों से हटाना हैं.

المعنی المنظامی المنظامی المنی المن

ہم ہندہ بیں یا سلم بی بھارت کو یکسال بیادے ہی مصان ' فودمہ اور بکھ ' پارسی وفٹی کی اٹھ کے تارے ہی ہم بھارت ہاں کی کود میں بیکٹے' بنتے اِس کے سارے ہی ہم مسب کے بل کر دہنے میں 'جھارت کے وادے نیادے ہی ہم مسب کے بل کر دہنے میں 'جھارت کے وادے نیادے ہی

दो घटनाएं

(अ यापाल जैन)

काष्ण्रे-वांष्म ग्रहम्मर वाली जिन्ना की 'सीधी करंवाई-दिन' मनाने की वर्षांक के वाह पिछले दिनों हिन्दुस्तान के बड़े बड़े राहरों में बद्धारी के के बोह पिछले दिनों हिन्दुस्तान के बड़े बड़े राहरों में बद्धारी के के को की ता सक्वी घटनाएं व्यहाँ दी जाती हैं. ग्रुनासिक सम्मक्त कर नामों में थोड़ी तब्दीली कर दी गई है, लेकिन बाक्रयों में किसी किस्स का हेर फेर नहीं किया गया है—सेलक]

~

इसरे शहरों की तरह जन दिनों दिल्ली में भी बड़ा त्र्यान आगावा बा. का वहां का रहने बाला नहीं है. काम से आया था और जैसे तेसे का दिन काट कर कर लीट रहा था. तोसरे हकें का किजा. युसामिन से खवाला कड़ी मुश्किल से उसने सात आठ घंटे गुजारे; लेकिन गाड़ी जब मतंसी पहुँची तो हद हो गई. उतरे तो वहां बहुत बांह कहें हतने कि । आठन को बैठा रह सकना कठिन हो गबा. इस का भी एक गुसलमान आई इसने तेचा निकले कि खिड़की से अन्दर कर बिस्तर और आदिमियों के। लॉघते एन अवन के सिर पर का सबार हुए. उनकी देह पसीने से लयपथ हो रही बी बौर उनके बेहरे के। देख कर साफ जाहिर था कि उन्हें काभी परेशाबी के बाद रेख में अगह मिली है. अन्दर आकर उन्होंने

Construction of the constr

When the control with the second with the seco

दो घटनाएं

जनवरी सन् '४८

जेब से रुपाल निकाल कर पसीना पोछा और कुर्वे से मुंह की ह्या करते हुए बोलं, "बड़ी गर्मी है, साब "

इसने जवाब दिया— अका की जनकी हरकत अच्छी नहीं लग रही थी. फिर भी

कहाँ आइयेगा ?" "धबराइयं नहीं, गाड़ी के चलते ही सब ठीक है। जायेगा.

खरहवा."

अभिको, बड़ा लन्बा सकर हैं"

नेवा स्वापा है. बहमत की बीख है. ज्ञापकी टोकरी में लोटा है, खरा दोजियेता ? 'जी हाँ सम्बा ता है हो. इन दिनों को सुसाकिरी बाकई बड़ी

सुकते बोड़ी राजती हुई." केंपे भीर भरन को तरफ अखातिब हो कर बोले, ''माफ कीजियेगा. पक हिन्दू भाई को हँसी जागई जिसे उन्होंने देख लिया. वह कुछ से मुंह लगा दिया. उनका लोटे से मुह लगाना था कि पात बेठे **कर वन साहब** ने पानी बाले के। व्यावाय दो व्यौर पानी लेकर लोटे श्रांकत ने बोटा निकास कर दे दिया. सिड्की से हाथ बढ़ा

खकन ने कहा, 'जी नहीं, श्राप। फिक्र न करें. मेरे लिये सब इसान एक से हैं. सब भाई हैं. खोर मुक्ते किसा से भी किसी किस्म का परहेच नहीं है."

''जी हाँ, यही चाहिये." वह बोले, 'इ सानियत कर का जाति हैं. चीर में सच कहता हैं ज्ञासतो मजहब बही है, जो जारित को बूर करके एक दूसरे को नवदीक साता है. जो बरम

> میں جانے دیا۔ میں مانے ہیں ، کاؤی کے جانے ہی سب تھی ہوجا گا۔ میں جانے ہیں ، کاؤی کے جانے ہی سب تھی ہوجا گا۔

Cos sind is in the contract of the

जनवरी सन् '४८

परण मार्गी के वें थीर उससे दूर से ही हाथ जोड़ना बच्छा है." बैठ गरे. बनके बैठते ही अबन ने पूझा, 'आपका इस्स रारीफ ?" ने बोबासरक कर बगह कर दी और वह मुसलमान सज्जन हुसाफिरों ने बैन की सांख ली. चरुन और उसके पास के सुसाफिर 'खाविम को हासिन कहते हैं." क्या अब कहता कि इतने में गादी बता पदी. सब

वो बेरहमी से दूसरे का गला काट डालते हैं. सबसे खुरी बात तो यह भाई हैं. बारीख डठा कर वेखलो, कितने राजा और वादशाह बदले; बे, एक हैं और ऋागे भी एक रहेंगे क्यों खां साब ?" पर हिन्दुस्सान झौर उसके बारिंदों को कोई दो कर सका ? वे एक हैं कि मचहन की चान लेकर यह सन किया जा रहा है. में पूछता हूँ, **है** ? **दिन्दु**स्तान एक **है भौ**र उसकी धरतो पर जो लोग वसते हैं वे मुसलमानों की किस किवाब में लिखा है कि दिन्दुकों के मारो और दूसरे को शुवह की नवार से देखते हैं और अपना कायदा होता हो हिन्दुओं की कीन सो किताब युसखमानों को मारने की इजाजत देती बाज कस उल्क में बड़ी खराब हवा बल पड़ी है. भाई भाई तक एक बरुन बोला, 'देक्किये, हाभिद साहब, बात असल में यह है कि

कैसी हवा बरती है. कत तक जो भाई भाई थे वह आज एक विन्दुरतान के मौजूरा रंग के। देख कर इंसते होंगे. देखिये तो दूर दूर तक रोरान था. दूसरे हुल्क उससे रश्क करते थे. अवते। वह हाल देख कर रोना जाता है. एक जमाना था, जब हिन्दुस्तान का नाम "घापने ज़िल्कुल सही बात कही. श्रापने त्यारे मुल्क का ऐसा

> الين من لواتا ي وه تفاهند لنال كا دمم مني اي فدوفن الين من لواتا ي وه تفاهند لنال كا دمم مني اي فدوفن والمعتاب

Les visitations of the

'सभी छोटे बढ़े राहर मार काट में मुक्तिला हैं. खुदा जाने कब इससे विजात मिलोगी ?" दूसरे के जानी दुरमन है। गये हैं. कलकता, बम्बई, विल्ली, राजे कि

हबहबा आहे. कहते कहते हासिद साहब का जी भर श्राया और श्रांसं

कोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने अपनी जान पर खेब कर दूसरों को हिमायत की है." एक सक्कली सारे तालाव के पानी का गंदा कर देती हैं. बहुत से बुरे नहीं हैं. बह ता चंद लोग ऐसे हैं, जो यह सब करा रहे हैं. श्वकन ने कहा, "हामिद साहब, इस दुनिया में सब श्राहमी

बात सुनार्ज. अपनी बात सुनाना है तो घरा गुलाखी; लेकिन घाप उसका कोई खयाता न करेंगे." हामित साहब बोले, "बाप बाफ फरमावें तो हाता की एक

घरन ने कहा, 'कोई बात नहीं खां सांब. जरूर सुनाइबे."

डनकी हासत देख कर रहम आता था. मैनें उन्हें दिलासा दिया और ब्हा, कि आप दोनों वे कि कर होकर यहाँ रहें. जब तक मैं बिन्दा पड़ रहा था. आकर बोले, 'हस आपको पनाह हैं. हमें बचाहये.' आपका कोई कुछ नहीं बिगान सकता. हमारा मजहब सिलाता है इस्प्रें पर दुरमन भी चानाव तो उसकी महद करना चौर उसे बार भारवाड़ी से लगते थे. बुरी तरह से बरे थे. दोनों का चेहरा फक का कराना. भाग तो फिर भी चपने साई है." लाकर बैठा ही था कि दो बादमां मेरे बर में घुस बाये. देखने में बह बोले, "झभी पांच के रोख पहले की बात है. मैं खाना

میں ہیں۔ وہ قرجند ولک ایسے بین جو یہ سب کراری دی ۔ بیک میں ہیں۔ وہ قریب کا بیک میں ایک جو سب کراری دی ہیں۔ سب کو کئی اور کرن کا کہ ایک بیک کا دیکر میں کا دیکر کا کا کہ ایک کی ایک کا کہ ایک کا کہ ایک کا کہ ایک کا کہ کا کہ کہ کا کہ کہ کا کہ دهره مع جانی دینی به یک بی . مکلته ، بمبئی ادلی وضیکه بعی میده فرد مه نهر مار کاف میں مبتلا بن. خدا جائے کب اس میمات علی ؟ " کفته مکفته حامد صاحب کا چی نجو آیا اور آگھیں ڈیڈیا آئیں۔ اون نے کیا، معملہ صاحب اس تونیا میں سب کدی ہے۔

またいかいからい。

क्षेत्र का रहे हैं. मैं समक गया कि इक्ष दाल में काला है. मुके पर कृत कृत कर रोने क्यो. बहुत समकाने पर चुप हुए. डमके बाद 'किंद्र जना हुआ ?" बीच में ही एक ग्रुसाफिड् से टोक कर पूछा. सते ही बोले. "उन्हें बाहर निकालो." वि अन्दें अनान साने की भीतरी कोठरी में खिपा दिया. खिपा कर हर जाना तो देखता क्या हूँ, जाठ दस मुसलमान मेरे घर की तरफ ''बाबी बनाब, बया कहूँ ! मेर इतना कहते ही मे दोनों बच्चों की

"वर्न्हें जो बासी तुम्हारे घर में बाये हैं." "किसकी वात कर रहे हो ? यहाँ तो कोई भी नहीं बाया."

बोलाते हो. बह दोनों इसी गली में आये हैं और तुन्हारे घर के बसावा और कहीं जा नहीं सकते." असमें से एक ने बोवा आतो बढ़ कर कहा, "पियाँ, सूट क्यों

हूमरा बोला, ''मैं दाबे के साथ कहता हूँ, वह इसी घर

गोली से बदा दोजिये." स्रोग मेरी बात का यक्तीन कीजिये. श्रगर भूटी साबित हो तो सुके बड़ी शुरिकल का बब्रत था. मैंने हिस्सत के साथ कहां, ''भाप

क्षे सुन रही थीं. बोलीं. ''तो बह क्षापकी बात मान गये ?'' सामने की सीट पर बैठीं महिला सारी बात बीत बड़े ग़ीर

"पानी साहब. वह तो ख़ुदा की निगाह सीवी भी कि वह तेन बायस सीट गये, बहीं तो अल्बाह जानता है. क्या दोता !"

> معاجى جناب عميا كعن إيراء إننا كف أكادر ووفان المرك ما و" ي من ال الد ما ز د الد الم

カンアングーングライ الله مين قرائد جانتا يواكيا الوتايا"

पेक्स थार तो व्यक्त पहले मेंने कंदर जाकर महान के पित्रवार विले कंदर के पक दिस्से में, वहाँ किसी को जरा भी पित्रवार के लिंका था, उन्हें रख दिया. दो रोख वह वहाँ रहे. तीसरे विले के वारों पर पर्श बाँध कर मैं कोर बड़ों वो उनकी कुकी का कर बाहर से गये कीर खतर से बाहर छोड़ आये, उस बक्त को जो जुशा हामिल हुई उसे बयान नहीं कर सकता."
दिन्ने के उस दिस्से में सक्याटा-सा छा गया और वहाँ बेटे सब सुसाकियों के हृदय गद्द हा गये।

शकन ने कहा, ''हासिद साहब. श्रापने तो कसाल का काम कर दिखाया." रामिद शहब ने उसी सहज बोली में कहा, " उसमें कसाल क्या था साब. मैंने जो कुछ किया वह मेरा फर्ज था." . खुरी की एक लहर किन्बे में यहाँ से थहाँ तक कैंब गई.

बेचारी व्या की क्या पता था कि सदर और देहाड़ी घीरज साने पीने से निबट कर उसने मुझी का शक्र को दिखाना था. साने पीने से निबट कर उसने मुझी का गोट् में लिया और जामा मिख्यर के माने कैठ गई. ट्राम चल पकी तो पहले तो उसने कुछ की तरफ चला गया. बेटा का मुंद केसा पीला पड़ गया है और केसी दुवली हो गई है. ऐसा लगता है दिल्ली की अवोहवा इसे मुझफिक नहीं है. ऐसा लगता है दिल्ली की अवोहवा कभी. ट्राम तेकी से चला रही थी. वॉली बीक आया. त्या ने किरतकरी के स्था केला कि वहाँ अब करती बहल पहल नहीं है.

وی می می مصفی میں ستاھا سا جھاگیا اور وہاں بھے سب
مسافروں سے میر حسک کو گھایا!"
مردن ہے کہا "سامہ مامی آپ نے قوئیاں کا کا کہ کھلایا!"
ماد مامی نے ہی جھ کیا وہ شرا وہی تھا!"
ماد مامی نے ہی کھی کیا وہ شرا وہی تھا!"
میں نے ہی کھی کیا وہ شرا وہی تھا!"
میں میں نے ہی کھی کیا وہ شرا وہی تھا!" میں ہوسکتا تھا ، اینمیں رکھ دیا۔ دو روز دہ ویں دہ بنیے دن اور کو تاکے یہ بردہ یا ندھ کم میں اور بڑی ہی ان کو برقر ہاکھ اور کو تاکے یہ بردہ یا ندھ کم میں اور بڑی ہی اس وقت می کو اور جو تنی مہل ہوں اسے بیان میں کو سکتا ، میں سے جد ہ سب سے میلے میں نے اندر ماکر مکان کے میں اور ایک محلات کے ایک صف میں جاں کسی کو ذرا بھی شک

हिन्दी हैं, इन बंद हैं चौर वह फिर अपनी उथेद बुत में का है.

 एक ब्बी बीख निकसा. बीख निकसी कि एक ने आगे बढ़कर उसका ने भी थे जा ट्राम के रुकते ही नी दो ग्यारह होने का किराक में थे ट्राम के ककते ही इन्ह दंगाई भीतर चुस आये. दवा के मुंह से दया को बॉबने की कारिश उसकी आरी रही 'यह क्या करते हों आक्षिर तुन्हारे मा तो मां बहन हैं. खोड़ दो मुके." हार्थ प्रकट्ट क्रिया और बाहर की खाँचने लगा. द्या ने डपट कर कहा, चथर देखा. पास में एक वर्डक मुसलमान बैठे थे. कुछ लोग ऐसे देखां, ट्राम रुक भी गई. दया को काटो तो ृत्तून नहीं. उसने व्यवने इधर भारती है, दशा ने सामा; लेकिन तभी उसे कुछ शोर मुनाई दिया. क्से सुनकर दथा के कान खड़े हो गये. दस पंद्रह दंगाई सामने से बले बारहे थे और ट्राम का रोकने के लिये इशारा कर रहे थे. वह श्रीर इन बस कर घोसी पढ़ने लगी. शायह सामने से दूसरी गाड़ी ज्यापासर अपने में हो थिरी रहां. द्राम फिर सदरकी मार बढ़ी अमेरपुरी निकली, लाड़ो बाबड़ो आरे कुतुव रोड; पर वया जवाब में वह कुछ बोला नहीं. कूर हंसी हंस कर रह गया और

क्या अस बेपारी को क्यों सताते हा ? बार आपमाना हो ते बाबर हो गये थे. पास बैठे बुचुर्ग से बर्गात क हुना तो उन्होंने कोई सतरा नथा. बाक्रों जो बचे वह ट्राम के ठकने से पहले ही रफ ज्यासासर ग्रुसाकिर दंगाइकों के घरम के थे, जिन्हें किसी तरह का इस बक्त सब को अपनी आपनी जान को पड़ा थो. ट्राम में

من المنظمين المن من المن وه مجر إلى المنظر في من الم

की सीदियों से कूर कर ट्राम के पास पहुँच गया. नहीं. में भाता हूँ." भापने संगी साथियों को इशारा करके वह स्कूल रेखा न संब वहीं से चावाच लगाई, 'बहू जी, द्वाप घवराहरो था. देखते ही बोका, ''बारे, यह ता बहु जी हैं!" बौर उसने द्याव के कर्मचारी बाहर निकल थाये. उनमें से एक दंथा की पहचानता द्राम के रुकते ही शोर सब गया था. द्वनते ही पास के स्कूल सेकिन उनकी बात जीन सुनता !

है से राम नाथ बद्धाल कर द्राम के मीतर बुस गया. व्या को बचाने कि इससे पहले पास बेटे बुजुर्ग बोल चटे, "पहले इस फूल को वहाँ पहुंचते देख कुछ चौर लोग भी डघर होड़े. विजली की रमतार ही अपनी गोव में से लिया था, राम नाथ की तरफ बड़ा दिया. बबाको. " और अन्नी को, जिसे उन्होंने दंगाई के दथा से भिक्ते इंगाई अप भी अपनी कोशिश में थे. राम नाथ को ऋपट कर इया ने देखा तो चीखी, ''राम नाथ, मुक्ते बचाना!''

हायों में केकर अपने एक साथी की तरफ बढ़ा दिया. भरी निगाष्ट से एक सरतवां उन अईकको देखा और अन्ती को सुन्नी को षहचानते राम नाथ का दर न लगी. उसने बहसान-

की किन अभी थी. उनमें सं कुछ तो साम गये, कुछ पकने गये. बहुत से बीग था गर्थ से और दंगाइयों का सब खुर निकल भागने का बहुत कोराध नहीं करनी पड़ी. उन लोगों को देख कर जीर ्ष्या के सिर, राई बाँह और कलाई पर बड़ी बाट चाई; इसके नाम रचा को बचाने के लिये उसे और उसके साथियों

وام مے دیکت ہی متورج کما تھا۔ گئنتہ ہی اس کے اسکول مجاوی ایم کال اسٹری میں سے ایک ویا کا میکان کھی : مجھ ہی جواد سوارے او ہوجی ہیں ہا اور اس نے او دیما ا او وہی سے آواذ لکائی ، «موجی اس کھیرائیے نہیں میں اسا موجو دام رسے باس بیج کی : المناس المال المن المنا

عبد والمحالف الدائد المدائد ا HILL OF THE OF THE WASH المراحتون مي ساكران أيسالتي كافون فيعاد

धांच केंद्रर स्टूज के भातर चता गया. मीर सिर कुषा कर बन्हें नमस्कार किया चौर फिर इया के। दर करने के जिये बक्त नहीं था. राम नाथ ने महत्यद हाथ जोड़ की तरफ एक बार किर ब्रह्सान की नखर से देखा. मैं तरफ देखा रहे थे. डनको बॉर्स गोली थीं कौर उनके कि दीस पड़ताथों, मानों वह कहते हों कि हाय, । हो नई हैं। ं बचने की ख़ुराी के साथ साथ दुख की एक

पंजाब हमें क्या सिखाता हैं लेखक-पंडित सन्दरलाक

ब्रबादी और आपसी भारकाट की वजह से जो जो नतीजे लागों को सुगतने पड़ रहे हैं उनका बहुत ही वर्दनाक वर्णन किया है. आसीर में, आजकत की सुतीबतों को हल करने के लिये, बक्तूबर छन् '४७ में पांच्छमी भीर पूरनो पंजान का दीय किया था. इस छोटे से नयान में छन्होंने नहीं की भयंकर पंडित सुन्वरताल जी ने, महत्या गांधी की सलाह से हाखात को ठीक तरह से सममते में इस बयान से बड़ी

कियाब उन्हें और नागरी दोनों लिखाबटों में भिक्ष सकती है. मेनेबर नया हिन्द

a chief it assitive strong of المار محقده كالقل الماري المرائد مع مران مي المول م العلق كإيوا أخيا أيكل المعينين كالأرف ك DESTRUCTION OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF 一つとからのこのいいいこのかい

हिंदुस्तानी कलचर श्रीर संगीत

(पंडित गतेश श्रसाद द्विबेदी) रवाबी ख़ानदान

बिस्तयों की तरफ या राहर बाहर जंगलों की तरफ सुनसान जगहों में निकल जाया करते थे. यक बार यह किसी पहाड़ की तलहटी में एक कहीरों की बस्ती से गुकर रहे थे. सुबह होने में घंटे भर की एक प्रामगीत की धुन भी जो 'जांते पर का गीत' अ कह्लाता है. हाय से चला कर रोचा का चाटा रोचा पीस लेती हैं.) पीसने की रात में भकेले घूमने का बड़ा शीक था. वह ज्यादातर देहाती बाबाज झा रही थी. कोई बोरत चक्को पीसती हुई गा रही थी. यह देर थी. एक म्बोपड़ी से बॉत (देहाती घर को चक्की जिसे ऋतितें चौर बड़ा सुन्दर राग है. यह कोई पुराना शास्त्री राग नहीं है. इसकी ईजाद प्यार खां साहब रवाबिये ने की. इसके ईजाव की एक अजीव कहाती हैं. त्यार खां साहब को भोर की इस गीत की धन या वर्ष प्यार त्वां साहवं को इतनी (८) 'तिलक कामोद' हिंदुस्तानो संगीत का एक मशहूर

مرام میں میں کے دیاتاں میں ناص خاص میاب میں اور انہا کا انہاں کی اور انہا کا انہاں کی انہاں مل کامید' میزستان سکت کا ایک مینود اور فرا تستاد دلک پی فاجها خارسی ماک مین پیزوس کا ایجاد چیار خال صاحب فاجها خارسی ماک مین پیزوسی ایک جیب کمان پیز بیار خال جیب کے کی واس میر ایکادی ایک جیب کمان پیزوسی تنماز ده زیاده تر ريدن اور ماعدان ريدن اوس برماد دودوسي ا الى مسيدن كى طرف يا شوركا مهایمت کفی آن بادر می می کزرید کا این می می میان (دیمان کم

(Folksong) के नाम से मराहूर हैं. इनमें हमारी मंकते बसाने हैं कि कभी तक किसी ने शनको शकटा कर शनके की सम्बद्धा कीर संस्कृत का सारा इतिहास भरा पढ़ा है. कहमारे सूने के तेहातों में खास खास सामाजिक मौकों पर सेकड़ों तरह की धुने गाई जाती हैं जो 'प्रामगीत'

अपनी संगी कि बह रेर तक इसे बही अने खने सुनते रहे. अपनी से बेबा कि इस देशती चुन में बिहान, कामोद और सोरठ वा वेस ऐसे तीन पुराने शासी रागों की बड़ी सुन्दर मिल्लूवट वा इस धुन को गुनगुनाते हुथे बर बाथे. कई दिन तक इसी पर काय करते रहे और किर इसे अपने जतर पर बजाकर तरवार में भी सुना दिया लोगों को बेहद पसंद आया. इस नये राग का नाम पूका गया. तक इन्होंने सारा किन्सा बताया और इसका नाम

देशों से अब अबि हमेरा के किने चोप हो नार्थनी. हुआ करता है. यूनिवर्सिटियों में भी इसके क्रांस होते हैं गया तो यह सब गीत और धुनें लोप हो जावंगी. हमें और भी दुल रेकार्ड अया सेने की कोशिशा नहीं की है. पं० राम नरेश त्रिपाठी ने हैं कि देहाती दुनिया भी खब अपने पुराने गीतों को भूल चली हैं बाने बाबे गीर्सों का रिवाझ भी बठता आ रहा है. दुनिया के इसी तरह शादी ब्याह, अनेऊ, आदि संस्कारों के मौकों पर गाए ध्यान न दिया जाय. भौर अगर बल्दो ही इस तरफ ध्यान न दिया नाचाद देशों में बोक विद्या का एक भ्रातग विभाग या मुक्तमा बा धुनों का पता पढ़ी किसी दुनिया को न बसेगा. अब हिन्दुस्तान कर इनके रेकार्ड नहीं बनवा लिये जाते तब तक इनकी गायकी हर इपबा तो दिये हैं पर अब तक इनको देहाती गाने बालों से गवा षपनी 'त्रास शीव' नाम की किताब में सैकड़ों पास गीव इकट्टो कार क्ष्माची आचार सरकार इस तरक जल्दी हो ध्यान नहीं रिविद्यास से संबन्ध रखने बाली इन चीचों की तरफ खास तीर से बाबाब है. कोई बजह नहीं कि एक आजाद देश में संस्कृति के

रिखा कामीर तथा को चार संगीत की दुनिया में चमर हो गया दै. फिर इसमें छन्दोंने बहुत से घुरपड़ बग्रेश भी बनाए, पर इस का वर्तांव धुन, दुनरी या छोटे ख्यालों में ही ज्यादातर होता है.

गया है. "मार्ग" और "ब्रेगी" नाम से कला की दो किस्से मानी पहें हैं. 'मार्ग' वह है जिसे 'कास्तिकल' कहते हैं और जो सब के बैबेंबंबी, यारा, किंकोटी, बिहारी, सिंदूरा बगैरा—अगर सब नहीं क्षी ज्यादासर देशी हुनों की हुनियाद पर मुसलमान कलावंतों ने बने जैसे--काफी, पीख, जिलक, साजिंगरी, तिलक कामोद, जंगला, की बानकारी होंगी. इस देखेंगे कि भैरव, भी, मातकोस, बसंत निमा किये जीर जनमा शतभा संस्थार निया, उन्हें साथ संबार कर क्षीता कुछ . सात या बाठ बुनियादी रागों चौर उनके परिवार के हों दे कर बाक्सी जितने राग हैं और जो सास कर मुस्लिम जमाने में निये, सब काल के निये एक सा रहेगा. पर 'देशी' वह सप है जो बिस भागें संगीत के रागों से करें तो हमें बहुत सी विजवस्प बातों खास खास धुनों का रेकार्ड करा कर अगर हम उनका मिलान प्रच-देश, काल, समाज के खास खास बमानों में लोगों के दिल से हराजा. इस की संस्कृति संबंधी क्रांमत बहुत ज्यादा है. इन में से के दिमारा से. इसी से शास्त्र में इसके। 'देशी'' करकर छोड़ दिया डुमा है. इस संगीत का ताल्लुक , इदरत और देस से हैं न कि गुनियों श्रीर जाति की समूची श्रात्मा श्रीर पूरा दिला उद्देल कर रक्खा हुई हैं जो सुनने में बेहद प्यारी लगती हैं चौर जिनमें हमारे समाज साबनी, भूसर, फाग बरोरा की शकल में बहुत सी ऐसी धुनें पड़ी हम ध्यान वेने पर समक सकते हैं कि हमारे यहाँ बैती, क तली,

हैं की दिन्द विद्युग्धानी दक्ष वर और संगीत जनवरी सन् १८ हैं का खुपड़ बना विश्व कि वह पुराने ऋषि जुनियों की धनोली स्थूफ का से निक्ते मेरों, भी बरोरा पांच था थे बुनियारी रागों का कुनियार करने जारे. यह हिंदुस्तान में हिंदू और जुनवानों की खुनियारी सम्बन्धानों की खुनियारी संक्ति की बेलेड़ मिसाल है. संगीत की मामूली बानकारी रखने बाला भी कह सकता है कि काफी राग की जुन से हुवह भिलाती है. इस काफी के धमीर

शालाँ कि बीनकार बीर खुरपदिये आखीर तक काकी बतौरा से किम्मकते रहे पर राग संगीत में इनका त्यान तो हो ही गया. कामीर खुससे का ही बनावा हुआ हैगन राग तो हतना बसका कि इसमें खुरपद भी बहुत से बने और बीनकारों ने इसे विता. खोल कर बपनाया. इसी तरह जैजैवंती और विताक भी बहुत ऊंचे करें. जैजैवंती कान्हरों की, और विताक तोदी या बासावरी की बगंत में पहुंची.

खुषारे ने पहले पहल 'राम' का रूप दिया को मँजते मँजते, खुरम्पर शाह रॅंगीखे के जमाने में यहाँ तक बमक डठी कि बड़े से बड़े रागों के सुकाबसे में रखा जाने लगा.

इस तरफ खोज वा रिसर्च करने की बहुत बड़ी गुंजायरा और सर्वत बरूरत है. हमारी देशी घुनों कीबुनियाद पर ही हमारे ज्यादा-तर राग बने हैं यह हमारा पक्का विश्वास है.

व्यार खाँ के बागाने में बीनकार घराने में बन दिनों उमराव मिंदाब गदी नरीन वे जिनकों चर्चा पहले हो चुकी हैं. बमराव में को बेटे अपनीर क्याँ और रहीम खाँ बहुत मराहर के क्या के बनामें में यह विचा मानामें के

में इनको सुने हुए बहुत से स्रोग अब भी मौजूर हैं, पर इन्होंने सिकाबाबा भौर किसी के नहीं. **याँ मौजूब हैं भीर यह भो नाच्छा नाम कर रहे हैं.** संज्ञाद सुहत्त्वद में राज्य वर्तीत मोधन ठाकुर के दरवारी शुनी वे कौर कलकत्ते मराष्ट्रर सितारिथे इमदाए कॉ और उनके केटे इनायत कॉ वे जो बिन्दुस्तान में सब से बड़े सितारिये माने गये. इनके खड़के बिलायत रसके सब से बड़े बस्ताव हुए. इन्हीं सब्जाव सुहन्मव के शामिव श्चरणहार कहलाया और गुलाम मुहम्मद के बेटे सक्जाद मुहम्मद पर बालाप की पूरी तालीम ही. यही बड़ा सिवार बागे बल कर श्रीर इनसे भी ज्यादा शुलाम सुडम्मद को बड़े सिवार ब्मराब स्नॉ ने नवाब क्रायुरीला को सितार सिस्तनाया ह्रेंस बता. पर इन्होंने भी यह नियम तो रक्सा ही कि बाहर के परा के बार पहुंच के बागों में केती. हमने पहुंच प्राथित के नियम ता वा कि मार्ग कुनने के बारूर कर किसी को व्यपना कन नहीं सिखालाते थे. पर इनके बक्त से बह नियम को चौर कौर बीखें सिखताते रहे, अपनी खास बीन और रबाब अपने ही तक रखी.

पर सब से ज्यादा इन्होंने अपने आँजे बहादुर सेन को बताया. इनके याद इनके खास राणिंद बेलिया के राजा नंदिकरोर और टंक क्या का . खूब .खूब अचार किया. यों तो इनके शानिर्द बोक्षों हुए म्माप असमत बंग बहादुर थे. ध्यान देने की बात यह है कि हिंद संग को ता इन्होंने रवाब को पूरी वाजीय ही, पर बेतिया इसी तरह व्यार खाँ साहब ने भी अपने बराने के बाहर अपनी

الماس الماس

من المعنى المعن بى مرى بيدارخال صاحب من بي ايد كران ك الري

नवा दिन्द विन्दुप्तानी ब्लावर बीर संगीत अनवरी सन् 'अट व्ययम बीर टंड के नवाव साहब को इन्होंने गाने (धुरपद) का ही सौंक विद्वादा.

कार का ने तुका कर पूछा कि 'क्या कारण है जो तुम रियाय नहीं कारों ! इसोंने कहा, खराम रहते रहते बारह साल गुकर गये, के कार कोन कहां क्या गर्म का बालाप अंतर पर कीर गते के कार है, क्या में स्थान क्या सराम ही कार कहां ना ? तब कि से जितने पत्तते और ताने हर मेला या ठाट में हो सकती हैं क्षांस की में ज्ञान का जानाकानी करने बगे तब बासित का के बह इनके गले में खतरबा दी गई थीं. इसके बाद भी जब राग की शास कर करना, मझाना, नह चकर है कि इन्हीं सात सुरों के वे अब्ब को के साई ज्ञान को ला भौतार मे. इसीसे वासित कां को श्र्वोंने गोए के विद्या और अपनी सारी विद्या औ कोलकर इन्हें सिकाई. ज्ञान को ककीर भौर योगी ये और अपनी समूची को क्न्होंने सिर्फे सरंगम का ही कारगस कराया जिससे स्वर ज्ञान इंपर की क्या वासित जां ने वाई थी. वारह वरस तक वासित जां भौर प्राणावाम भी सिक्साचा जिसकी बजह से १०० बरस से राकि बगकर इन्होंने पासित खां को संगोत विद्या के साथ ही योग वका हो. विकें सातों त्वरों का काश्वास ही गले से बनको बारह इन्हों का नास इन वीनों साइयों में सब से ज्यादा हुना. वालीम इनकी पैदायरा हुई. तब इनके पिता झुड्यू कां विल्ली दरबार में भी ग्राब्द हन्दें सबसे ब्वादा भिक्षी थी. सम् १७८७ ईं० के ब्रगमग पर ब्यूक्त हा गई और यह अकेले घूमने लगे. एक दिन बकर कां और त्यार कां के कोटे माई बासित जां के भीर

المان المان

हो गड़े जिसकी वजह से इनका रवाब क्टूट हो गया. बराबरी कोई नहीं कर पाता था. पर इसी बीच एक घटना ऐसी रबाब का बाभ्यास इन्होंने इतना बढ़ा लिया कि तैयारी में इनकी वालीम भी मिल्ली थी. धमराह्म के यह अच्छे जानकार थे. संगीत के विका कासित को को संस्कृत और फारसी भाषा की

बार्क होते रहे पर और उसे नीचा न दिला सका. लोगों में पासन से के के घंटे तक पलावज बजा सकता था. मह नों तक सब परेशान थे. बह सिर्क फल और दूध पर रहता था और एक चुनौती दी और एक एक कर सभी गुनी उससे शिकस्त सा गए. ही हाथ भी उसका बेहद तैवार था. उसने दुरबार में सब लोगों को बाला साधू आया, लय कौर ताल का जैसा वह परिवत था वैसा बस्सनंज के नवाब के दरबार में एक मौके पर कोई सद्नंग बजाने

می ن خال نے بنس کر کہا، وتر إن قیل سے ایتھا ایکوں کو کا بجا میکویتے ، اس سے تعمیں است وق کہ سور ما دھی کرایا گیا ہی۔ اندیکھ ون میں اور کر ساتھ میں مادھن ای کرتے تو تم ایکوں کی تھتی میں ہوسکتے تھے ، آیک ہیجہ بادیب نے حزب ایک میں مقدی سے مادھن بارہ سال ہی میں اتم کے تو ایوسال میں ماتھی موروں کا اجمیاس کیا تھر فیرات بھی اِس زمانے کے

نین کریم کا ؟ بودا مین الیا ہی، اِن ایک ماک کیا کونا شروع کیا اور معایموں کی برایری کرے گئے اور عليم الهيمة من يركوني أس يجا يزوكما مكا. وكول يمل المقریمی می معتقار تھا۔ آتھ ہے درباری سے مسات کھا گئے۔ مینونی دی لدر ایک ایک کرسمی کن اس سے متکست کھا گئے۔ مینونی دی لدر ایک ایک کرسمی کن اس سے متکست کھا اور ایک مرب رکتان سمجے۔ وہ مرت کھل اور دودھ پر رہتا تھا اور ایک مة دريار مي سب ولاللي

ज्यसर से इसके सामने कोई नहीं ठब्दर पाता. कास्तिर में बासित कों की बुकाइत दिल्ली से हुई. बुक्तों के मना करने पर मी यह ने इसको बात पर ध्यान न दिया, पर इसी दिन राम को एक प्रयोग कर दिया. उस साधू की बहुत बहुत सांज की गई पर फिर गया और क्रसे लक्कबा भार गया. कहते हैं कि क्स साधू ने कोई से इसको नीचा दिखाया, पर इसका फल भोगोगे' उस वक्तृ किसी निकसा. वह साथू बाइ कह कर चला गया कि---'तुमने झल कपट आष इस सापू के खुदंग की संगत होती रहीं, कभी वह हावी हो प्रची रच्छा हुए. तीन दिन तक बागातार बासित जांके रवाब के मराहर हो गया था कि इस साधू में कोई देवी रावित है जिस ; हिं हुन ऐसे दांव पेंच किये जिनका जवाब इस साधू के पास न हा द्वाब फिर नहीं डठा. इस दर्दनाफ बाक्रये के बाद फिर बह डसका कहीं पता न चला. इलाज भी बहुत हुका पर वासित सां मजीन नात हुई. नासित जां का दाहिना हाथ एकायक सुन्न हो (बाव न बजा सके, सिर्फ गाना गा सके श्रीर रवाव की तालीम ाता भौर कमी बासित खां. भाकिरी दिन बासित खां ने लयदारी हीं माने. सकार में बड़ा मारी जलसा हुना. देश भर के मशहूर

हिन्दुस्तानी कलचर और संगोत

असवरी सब् 'भ्रट

स्त जानों में क्खनऊ के नवाब बाजिद झली ग्राह ये जो गाने बजाने के बेहद शौक्रीन से. बह बासित खां के। बहुत मानते से. मशहूर है कि एक बार इनसे 'देश' नाम के राग का झालाप सुन बर छन्होंने आपना हीरे का हार गको से उतार कर इन्हें मेंट कर विका का सबका प्रवार के दूहने बर जब बाकिए असी शाह

الم سن من کون میں مغیر اسائیت بوت کا بوت کا اور اسائیت بوت کے ذریع کا اور اسائیت بوت کا بوت کا اور اسائیت بوت کا بوت کا بوت کا با اسافی کا با ک

निया शिष्य विष्युत्सांनी केल पर और संगीत जनवंशी सन '४८ केंद हो कर कलकते के मिटिया बुर्ज में केंद रहे उन दिनों अनुरेजों से खास तौर पर इजाजत लेकर बासित खां के। यह अपने साथ लेगिये थे.

' की जालाम राजा साहब का दे दी. गये. इसके बाद के छै महीनों में ही उन्होंने खास खास सभी रागों बरस तक सरगम ही रटाया गया था, तुम तो छै महोने में ही जब ही रटाते रहे. वह ऊब चले. पर खां साहब ने बताया कि मुक्ते बारह राजा हरकुमार के। भी यह छै महीने तक सरगम और उनके पलटे स्वर साधन ही कराते थे जैसा कि ज्ञान खांने इन्हें करायाथा. तालीम का ै ढंग भी कुछ आजीब था. पहले बहुत दिनों तक यह बालीस दी थी. कलकरों में एक बहुत बड़ी सभा करके इन ठाकुर ठाकुर नाम के एक बंगाली राजा के। भी बासित खां ने श्रच्छी साहब ने बासित खां का 'संगोत-नायक' को पदवो दो थो. इनकी जल्ला खां भीर कीकव जां सहिव ही. इनके अलावा हरकुमार दिला सका तो नियामत उल्हा खां खोर फिर जनके बेटे करामत क्षां से तालीम मिली पर सरेाड़ पर झगर केाई रवाच के पूरे करतव इनका क्रीमी बाजा है. नियामत उक्का के। सिर्फ साल भर वासित नियामत बला खां सरोदिये. यह लोग सरहदी पठान थे. सरोद बहुत से लोगों को तालीम दी जिनमें सबसे मशहूर थे उस्ताद . क्ररीब दो साल वासित खां कलकरो रहे और इस बीच इन्होंने

हम देलते हैं कि बड़े गुनी जितने भी हुए हैं उन्हें एक लम्बे बारसे तक सरगम ही रटाया गया है. चलाउदान जां मेहर वाले जिनकी चर्चा हो चुकी है, बारह बरस तक स्वर चौर चलंकार

جن کی جرمیا ہوئی ہے اور بری سک مود اور

गया में ही रहे. टिकरी के राजा साहब का खूब खूब सिखाया झोर गया के पास है. इसके बाद से आिक्सरी इस तक ये टिकरी कौर गया के इक्स संगीत प्रेमी पंढे भी इनके शागिर्वे हुए. राजा साहन ने बड़े भादर से मुलवा भेजा. ये गए. यह रियासत दों साता कलकत्ते यह कर, बासित खां साहब के। टिकरी के

 राजा साहब ने बासित खां को बुला कर कहा कि आपके बुजुग 😢 मियां तानसेन मलार गाकर पानी बरसा सकते थे, आप में भी बक्ष **करतब होना चाहिये. बासित खां ने** कहा-'बह लोग अवतारी न होने की बजह से इकाल पड़ा. सारी प्रजा भूखों मरने लगी पुरुष थे. उनका साधना इनसानी ताक्रत के बाहर की बात थी. हम लोग तो उनके सामने इक्क भी नहीं. पर राजा साहब ने बहुत जिंद ने इन्हें कई गाँव दिये जो पुरतहा पुरत के लिये माक्षी की तौर पर मूरत सामने रख उनका ध्यान किया. फिर मियां-मलार राग का की. व्याखिर इन्होंने तीन दिन तक व्यपने बुजुरा भियां तानसेन की इसके खानदान का जिला दिये गए. बारिश होनी ही थी, जो भी हो, बारिश हुई जरूर राजा साहब घनघोर बारिशा हुई. इनके मलार गाने के फल से हो या उस दिन तीसरे पहर सचसुच आकाश बादलों से बिर गया और रात को शांबाहन संगातार सात दिन तक किया. कहते हैं सातवें दिन एक दफे का क्रिस्सा है कि टिकरों में साल भर तक बारिश

वहीं तक नहीं. एक बात और हुई जो हिन्दू-मुसक्रमानों के

つができるというとう

مادعة رجهين. نيامن فال مام (أفاب ميعي) ١١ ين 450 بندتاني كلج احدثنيت

विक का हाला हम को साल्यम है कि पिंडदान की बामदनी में से 'वानसेनी भाग' क्रगा करता था. क्यारा पंडे ये जो इसी घराने के शागिर्द थे. चभी दस बरस पहले बाय. गया के मराहर १सराजिये हतुमान शस, ढेढ़ी जी, सोनी जी श्विये सां साहब और उनके जानदान के नाम पर भलग कर दिया है. हम कह चुके हैं गया के इन्ह खास पीडे इनके शागिर्द हुए थे. इस चकाल के मीक्ने पर जब इनके मलार गाने के बाद बारिश हुई पीर पर को रक्तम छन्टें मिलती है उसका एक हिस्सा हमेरा। के तन पंडों की जमात में यह ते हुन्या कि पिंडदान की दक्षिणा की भापसी ताल्लुक को ब्यान में रखते हुए खास तौर पर मार्के की

करते ही श्नकी गरदन कुछ गई. तैयार कर रक्सा था. एक दिन गया धाम में ईरवर का ध्यान करते राजा साहब टिकरी भीर कुछ खास लोगों को इसकी सूचना देकर सन् १८८७ में गया में तीन पुत्र और एक कन्या खोड़कर बासित जॉ परलोक सिचारे. इनके बेटों के नाम ये चाली सुहस्थाद इजाजत से सी भी भीर अपने घर के सोगों को महीनों पहले से क्रिस की तकलोक या नीमारी या धनराहट नहीं हुई थी. इन्होंने खां की मीत पहुंचे हुए योगियों की तरह हुई. मरते बक्त इन्हें किसी डर्फ बड़कू मियां, मोहन्मद धक्षी खां चौर रियासत बाली खां. चासिक

े भी नहीं शब्बत करते थे और चक्सर किसी न किसी मन्दिर में द्यसबमानों से ज्यादा गया के मान्नख और पंते पहुंचे थे. इसकी आस बद्ध वह भी कि सुसलमान होने पर भी यह देवी-देवताचाँ इनकी बारबी बब निकली तब इनको मिट्टी बेने के ब्रिबे

Þ,

کی بڑی ہوت کرتے مجھے اور اکٹر کسی ندکسی مست کمد میں

جاعت بی یہ طے ہوا کہ منتدان کی دکستا کی عدریہ ہو رقم اللہ ویا میں سات ہوا کہ منتد ہوئیں۔ کے مشک خاں صاحب اور ای کا منتد ہوئیں۔ کے مشک خاں صاحب اور ایسی کے منابعہ اس کے خان مال کے منتود اس ایسی من خاندان کے مالے کہ دیا جائے۔ کی ساتھ ہوائی کھرائے کے منابعہ اس کا حال ہم وسلوم ہی کہ منابعہ کی منابع المحون ک طری ہوں۔ مرح وقت انعین می ضمی تعلیقت یا بھا کا یا تھے امہاری نہیں ہوئی بھی ۔ ایکنوں نے دامیا میاف میں اور اپنے یا تھے ام میں موسطی است کو اجازت کے لی بھی اور اپنے عمام کے اتھیں کو ممینوں میں سے سیاد کو رکھا تھا۔ ایک وی کئی مہیں تعلق کو دھیاں میں منصتہ ہوئے قاص طور پر موکے کی او۔ ہم کر چکے بین کی مکھرینڈے ان کے مثاکد ہوئے تھے۔ اس اکال کر موتی پر جب ان مجھ طارکانے کے بعد بائٹ ہوڈ تب پنتیل کی ماحت میں برط ہوا کہ بہتدان کی دکھینا کی طور پر جو رقم این دان کی امدن میں سے والی تری بھاک لگائرتا تھا۔
ایک مدمارے ای سے میں ان ایم اس می می ایک اندا اور ایک کنیا چھائی ایک ایک میں چھائی ایک میں in the second うだっ

अजन करने बसे जाया करते थे. प्रायायाम (इब्सेद्म) का साधन बह निवम से करते थे. गया में मन्दिर बहुत हैं. इनका ज्यादातर वक्त मन्दिरों में मस्तव बरोरा में ही कटता था. यह सक्ते साचू थे. इनके रचे हुए घुरपदों में महादेब चौर सरस्वती की प्रायंना की गई है.

🔑 का. इनके लड़के का नाम कासिम चली था. इन चारों भाइयों में क्षां भौर निसार भक्षी खां. इनमें से बंस चला सिर्फ काषम भली प्बार खां ने शादी नहीं की थी. कन्होंने अपनी बहुत के सब्के काखम बाली और साविक बाली ने अपने तुजुर्गों का नाम बर्क़रार हे चार बेटे ये--काजम अली खां, सादिक जली खां, चह्मद जली बहादुर सेन को गोंद्र क्रेकर अपनी पूरी विद्या सिक्सकार्र. जुकर ख रक्ता. खास कर साष्ट्रिक बन्नी मासूमात और संगीत शासी की शी. और से राम में और था छुर किस तंदर बरतना जाहिये इस बिसकी बजह से महकिल ज्याशतर बहादुर सेन के ही द्वाब रहती रागों में जब यह गीवगोबिंद के पदों को गाते तो सुनने बाज़ों में बानकारी में सबसे बागे निक्त गए इन्हें लोग 'पंदित' कहा पर हाथ में बेहर कुररती मिठास और 'रियाज' बहुत ज्यादा था बेह्र द्वाग बाट रहती थी. बहादुर सेन में जानकारी ज्यादा न थी हाय तोबा सब बाती बो. इनके ममेरे भाई बहादुर सेन और इनमें करते ये कि काशी के पंढित तक इन्हें सान गए, गर्बेचे यह ये ही हरते थे. इन्होंने संस्कृत के श्राक्षया पंडितों से बाक्रायदा संस्कृत पढ़ी शी भौर रलोकों का पाठ वो ऐसा सुंदर भौर **ब्बार्य इ**तना सही बकर खां, प्यार खां कौर वासित खां इन तीनों भाइयों में से

نیارت بختی جایا کرتے ہے۔ برائیلم دعیں دم) کا مادھن بھی کرنے ہے۔ برائیلم دعیں دم) کا مادھن بھی کرنے ہے۔ ان کا دیات کے بھی چھی میں ہمکاری برائیستا کی می ابور ان کے بھی ہمکاری بھی ہماری بھی ہوں ہمکاری برائیستا کی می ابور اس کے بھی ہماری ہم

من الدست مع بالمعن من المعن الدست التي بن سم الوسم المعنى المدسم المعنى المعنى

क्ष के खलीका की पगड़ा बहादुर सेन के। ही मिले. भीतर ही भीतर वाँबा. तथ प्यार खांने बहातुर सेन को बजाते के लिये कहा. बड़े करें. पहले और और गुनिगों ने बिहाग गाया बजाया और खुब समां आय. तय हुआ कि सब लोग बिहाग नाम के राग का ही आलाप यह फैसला किया कि काशी में एक बढ़ा जलसा किया जाय और सब सोग जिसके करतब को सबसे ऊंचा मानें वही बड़ा माना सवाल यह पैदा हुआ कि गरी किसे भिले. आखीर में प्यार खांने . अप्रार खां के मरने के बाद जब त्यार खाँ भी बहुत बूढ़े हो चले तो ने शास्त्रीर तक प्यार सांको इसके लिये माफ़ नहीं किया. खैर, तो यहाँ तक कि दोनों भाइयों में बोल चाल भी बंद हो गई. खकर खां खफ़र खां अपने सगे भाई त्यार खांसे इस वजह से बेहद ∴ लड़का ही माना गया!) के एक लड़के के। अपना इल्म सिखलाया. नाराच थे कि उन्होंने अपने खानदान के बाहर (भाँजा भी बाहर का पर बड़ा नाच था. वह चाहते थे कि तीनों भाइयों के बाद हिंदुत्तानु भीतर ही भीतर बेहद तचातनी रहती थी. प्यार खां के। बहादुर सेन बबोड़ थे. इधर इनके वालिद जकर खां और वाचा व्यार खां में तरह बरतेना चाहिये इस फ्रन में काजम कली कौर सादिक अली हर एक राग के स्थायी, अंतरा, संचारी. आभोग में सुरों की किस झानकोश या लुरात थे. बजाते, गाते वक्तत भी लेकचर देते चलते थे. यह भी भून जाते कि कीन साराग नज रहा है. पर सादिक **ब**ाली में ठीक इसकी खलटी बात थी. वह संगीत के एक चलते फिरते निकलता था वह इतना सुरीला झौर जुभावना होता था कि सुनने वाले पर ज्यादा ध्यान वह नहीं देते हो, पर जो इन्ह भी उनके हाथ से

वहीं जम सकेगा, भौर मुमकिन है जकर खां के लड़कों को फिर राष तुस लोग बजाना. पर भीतर से उन्हें पक्का बक्कीन था कि कांग हिस्सा मत लिया करां. खेर, तो बहादुर सेन ने बिहाग बजाया, हुक्स था कि जिस सद्दक्तिल में बहादुर सेन शरीक़ हों उसमें तुस बजाने को हिम्मत ही न पड़े. अवसर ऐसा हुआ करता था कि हते हुये उन्होंने कहा कि बहादुर छोटा है, पहले यह थोड़ा बजाले भाई के सक्कों के पहले हो बहादुर सेन से बजवाने इसकी बाहे जो इब्लाभी हो. इससस में बात यह थी कि जफ़र खांको काञ्चम झली झौर साविक झली बजाना नहीं पसंद करते थे. वजह जिस महिक्तिल में पहले षष्टादुर सेन बजा चुकते थे उसमें फिर हादुर सेन के बजाने के बाद और किसी का गाना बजाना हरगिज दो घंदे आलाप किया, और सारी महकिल फड़क डठी. सकने जी स्रोलकर तारीक की. जब यह पूरा बजा चुके तब प्यार खां ने आपने भतीजों से भरी सभा में आवाज जंबी करंके कहा-- "अब इसके पूज नये ही रास्ते से सचारी में घुसे तो ऐसा जान पड़ा मानो कहीं ब्बीर तीचा बोसाता है पर रवाव की ब्यावाच बहुत उंची होती है. बाओं की सासीर अपलग आलग है. सुरसिंगार बहुत मीठा और ष्टादुर सेन ने सुरसिंगार बजाया था, इन्होंने रजाव बजाई. ष्पीर सादिक आर्जी ने अपने बुजुर्गों का ध्यान कर रवाव उठाई षाद तुम लोगों को चौर कुछ मालूम हो तो बजाओं". काचम चर्ला क्षी में मुनान धारवा" की 'बह'मनी सनी कि देर तक बड़ी ही जैर, तो रबाब पर बिहाग के स्थाई अंतरे पूरे कर यह यकायक जब से बॉब खब हो गया हो. सारी महकित में सनसनी वौड़ गई और **4**, क्रियत 41

नहीं. तक काविम वाली ने रवाव रख कर व्यार आं से कहा— "वाचा मियां, आपने यह तालीम क्या चहादुर आई को दी हैं ?" व्यार कां ने सिर कुका कर कहें प्रेम से काविम खनी के सिर हाय पेरा और कहा—"काविम, यह तालीम दुन्हारे ही लावक है. वहादुर का बाज तो हीरे का घड़ा है. वह अपनी रोहानो की जग-मगाहट से हिन्दुस्तान को बकाचौंध कर देगा; और लोगों का मिट्टी का घड़ा है, रोहानी नहीं हैं, पर घड़े में तीरथ का पवित्र जल मरा हुवा है. बहादुर के घड़े में वह अस्त कहाँ ! विद्या का अस्त कलस दुन्ही वोनों भाइयों के पास है."

अब यहां पर यह गौर करने की बात है कि यह हो नहीं सकता कि विद्याण की बह संचारी त्यार त्यां को याद न रही हो. उन्होंने उसे बहादुर को बताना मुनासिब न समस्त्र होगा. मुनकिन है हिन्या को यह दिका देने के किये और अपने गुजरे हुए बड़े आई की आत्मा के संतोव के तिये अव्होंने यह मजलिस की हो कि असल रात्रीम पर के बाहर नहीं जाने की.

वासित कां के ज़ड़के बड़कू मियां बरौरा कमी छोटे ये और इस अबसे में भाग होने कायक नहीं थे. प्यार कां के बाद सादिक अबी और बहादुर सेन ही हिन्दुस्तान में सिर मीर रहे. सादिक अबी के मिकाफ में भारमिममान बहुत ज्यादा था. यह बेतिया महापाज के वहां मुलाजिम थे. एक मीक्रे पर कुछ महीनों के ज़िये यह दिना खुटी सांगे कहीं चले गये. काने पर इनसे कैंपियत तलब की नई से बह दुरन्त नैकरी कांड़ कर चले गये.

सन्ते पर स्थाने इसना समास शासित था कि किसी भी राज

المهند تراس محرا الا الما المورا الما المورا الما المورا الما المورا ال

است ماں کے وی بڑی میں دخیہ ایمی جوٹ میں اس اس میں اس اس میں اس کے دور اس میں جوٹ میں اس کے دور میں دون می میں اس کے دور میان میں کے دور میان میں کے دور میں کا در کا کا اس کا دور کی کے دور اس کا دور کی کے دور کی کا اس میں اس کا در کی کھی میں میں کا در کی کھی دور کی کھی میں میں کا کے دور کے دون میں میں کا کے دور کی میں میں کا کے دور کے دور کی میں میں کا کے دور کی میں میں کا کے دور کی میں میں کا کے دور کی میں میں میں کے دور کی میں میں میں کا کے دور کی میں میں میں کا کے دور کی میں میں میں کا کے دور کی میں میں میں کے دور کی میں میں میں کا کے دور کی میں میں میں کا کے دور کی میں کا کے دور کی میں میں کا کی دور کی میں کی دور کی کی دور کی میں کی دور کی کی دور کی میں کی دور کی کی دور ک

र्रवारी कान्हरे को कोसल रिक्षब लगा कर बजाया, पर दरबारी मौर फिर बसी राग को क्रायम कर के दिला सकते थे. एक बार क्रो तोड़ कर बसी में चलग चलग रागों के बंगों को लग कर, महारांच बयपुर की सभा में इन्होंने बड़े बड़े गुनियों के सामने हमें की हिम्मत नहीं पड़ी. इतना हफ़ रागों पर शायद ही किसी गड़ने के बंबाय और सुबड़ जॅबी. किसी को इसके खिलाफ इस

नथा हिन्द हिन्दुस्तानी कलचर भौर संगीत जनवरी सन् '४८

क्ष बनाय हुए हैं. तोड़ी राग की एक किस्म जो 'बहादुरी तोड़ी' नाम से मराष्ट्र है, इन्हों की रची हुई कही जाती है. गर्बेथे जो पेबीदे तराने गाया करते हैं धनमें से ज्यादातर इन्हीं के पर बाब दिन जो घराने की गतें, सरगमें बग़ैरा बजती हैं, बौर बहादुर सेन ने गर्वे झौर तराने बहुत से बनाए झौर सितार, सरोद

भान मेरी नज़र में—

मुसकराती हैं और कसी कसी दिल की खिलाती हैं. बहुत ही व्यारा ध्यारा; जिसमें सुन्दर सुन्दर आसे बाकर असन एक आईना है जो देखने में साफ है, सुथरा है और

के बीचे बंग नवार धाने सगती है. परड़ाइयाँ इसके ऊपर छाई हुई पाते हैं तो वस बक्त हमके। असन पर नेकी के पीछे पीछे बदी क्षागी रहती हैं. जब हम उसकी नेकी शान्ति को खेकर इसी बाश्रम में दर्शन देने जाती है.

Action with a second

مردد پر آن وق جمعوات کا کتین مرکمیں وغرہ بختی بی) اور عمدیت جو چیجیدے قراف کھا کرت بی بین میں سے زیادہ تر اِنعیں مک بنائے بوٹ بین آوی داک کی ایک صم جو مہاددی قولی ا シラからいつい ے اکمیں کو تھماکرا دو ع الم معامله الأرائفيل كل ميك الدل مي مان الو 50 8 M 67

این میری فغلم میں — میصن میں صاف ہی سمتما ہو لعد این ایک کائیر ہی جد میصن میں صند ہو کاستما ہو لعد سرسادا مادا؛ میں میں تسند ترنید کامیں کار مشکواتی الم ين منى دين أن الأ. الم ين منى دين أن الأ.

सुने त्यार की बाँदनी में सुला दो. डुला बो—अधी, नींद समको डुला दो सुने प्यार की चाँदनी में सुला दो. सुके प्यार की चांदनी में सुला दो ष्यव भीनी भीनी महकती हवाएं ये क्यों हा गई हैं गगन में घटाएं कहीं चाँद मेरा न श्चिप उनमें जाए धुनहरी सजी जब थीं चारों दिशाएँ बदाकों में अपनी क्रयासत व्रिपाए (भी रष्डुबीर सहाय)

ع بادل فانتحت ا

عيد ك جاندن ي المحادد

मुके प्यार की बाँदनी में सुला दो.

भुंबा बो-बरी, बात बाग की मुला बो

ह्यीं फिर से एक बार थाड़ आ न जाए

ये सपने अजब इसको किसने दिलाए

मधुर बपकियाँ वे के हमको सुलाएं

राष्ट्र भाषा का सवाल ध्योर हमारी जहनियत

हमारे दूसरे मुल्की सवालों की तरह भाषा का सवाल मो एक बहम सवाल है. बाम जनता को बेदारी ने, ब्लौर छन ताक़तों ने जिन्होंने बाम बनता को बेदार कर दिया है, इन्होंने ही इस सवाल को भी पैदा कर दिया है.

हमारी समाजी जिन्दगी में जो बीज सब से ज्यादा खुली बमकती है, या जिसमें हम और सब दीजों का अक्स देख सकते हैं कह सियासत बानो राजनीति हैं. ज्ञाम जनता के और समाज के बने से बने रूप को हम ग्रुल्क को सियासत में ही देख सकते हैं. असी के अरिये हम जनता के ज्यादा से ज्यादा नजदीक पहुँचते हैं. इस तयह सियासत पक तरफ तो हमारी सादों समाजी जिन्दगी कीर जिन्दगी की असलियत है. भाषा वह चीज हैं, हमारी किन्दगी और जिन्दगी की असलियत है. भाषा वह चीज हैं, हमारी समाजी जिन्दगी के श्रुरू और आखीर का वह सिया है जिसे पकड़ कर हम पूरे समाजी जीवन को पकड़ सकते हैं. समाजी जीवन के साब माचा का नाता विल्क्कत वैसा ही है जैसा जिन्दगी के साब

असर हम शादमी की रुदानी और मादी जिन्दगी ऐतों पर निगाद असे दो हमें पंता चलेगा कि शादमी एक तरफ तो अपने आपनी तुमदों से बचा कर रखना चोहता है, अपने को क्षेत्र से

とうなるとなるなる かんしょ

والخطر بمحافظ كاسوال اورباري وتبنيت

ہادے دومرے تکی موالاں کی طرح جمانت کا موال بھی ایک وہم موال بھی ایک وہم موال بھی ایک موالاں کی طرح جمانت کا طاقتوں نے جنوں مرد کا موال کو بھی نے مام جنوا کو بھی ایک موال کو بھی کے دور ایک موال کو بھی کے دور ایک موال کو بھی کے دور ایک موال کی موال کو بھی کے دور ایک موال کو بھی کے دور ایک موال کے دور ایک موال کی کی دور ایک موال کے دور ایک موال کی دور ایک موال کی دور ایک موال کی دور ایک موال کی دور ایک موال کو دور ایک موال کے دور ایک موال کی دور ایک کی دور ا

को नाप कर किर भी उसका आधा क़द्म बाक़ी रह भौतार की वरह आकारा पाताल और सृत्यु लोक तीनों आप को रतना फैलाना चाहता है, रतना फैलता है कि बामन भपनी खुवी, उसका भाषा क्रायम रहे, भौर दूसरी तरफ वह भपने स्रीपता जान बूस कर या घनजाने बनाए रखता है, जिसमें क्सकी हिमा देखा बाहता है, और अपने आप में कोई न कोई ऐसी

न पाने बासी इच्छा, भाषा को बनाती और रूप रेती बलती है . किसने की डमंग चाकारा पाताक और वृत्यु लोक नाप कर भी संतोब अपने आप को दूसरों पर जाहिर करता है, कैलता है. इसी से जीवन का समाजी रूप बनता है. और दूसरी तरफ साथ ही साथ उसकी यही भाषिती भौर सब से बड़ी चीव यही भाषा है. इसी के जरिये वह ष्पारमी के इस फैलाब को रूप देने बाली सबसे पहिली, सबसे

हैया सावाची का चलग चलग रूप बनने या सावास होने लगता े इसमें भाषार विचार रहन यहन भीर नत्स का भी भासर शरीर की बनाबट होती है, बैसे ही बनके बाबार विवार होते हैं। बौर बैसी ही बनकी बोली, बाबाय बौद कुनि होती है. हसी के सहारे बबती हैं. हाँ, वहां के लोगों की जैसी देस की हाकत हुई, इनके हुई निर्दे की भाव हवा का जैसा भसर हुचा वैसी ही उनके के बारे में यह नहीं कहा जा सकता कि इनमें किस भाषा का अपना असना आबाद रूप हैं. सारी भाषाएं एक दूसरे के बने बिगढ़े राज्यों हैं . इसी बिये बाज संसार की नई प्ररानी सैकड़ों हजारों भवाकों षांदसी का घपने घाप को फैलाना ही भाषा के बनने का कारण

Pier of Krith

رس می کمار وطار دی سی الد

الله و المساح الله و و المساح الله و المساح الله و المساح الله و و المساح المساح الله و المساح المساح

राष्ट्र भाषा का सबात

बनवरी सन् '४८

समाजी भाषा या क्रीमी खबान या हन्सानी खबान के नाम से पुकारा न्हीं जा सकती हैं समाजी जीवन और **उसकी जरूरतों के मुता**विक भौर न हो सकता है. वह सारी भाषाएँ जो भाज विन्दा नापाएँ से गररा क्या रिखा न हो. ी बनी हैं. दूसरे सच्दों में सब माणाओं को बनता की माथा, जातनास की या बूर की भगवती विकासी ब्रामिनित और भाषाकों पंत्रता है. पर दुनिया की कोई आचा ऐसी नहीं जिसका जपने किसी भाषा था अपना अक्षा, सबसे अनोका श्रप नहीं है

भारमी के इस फैलाब में बह ताक़्त होती है जो पुरानी के स्थान कर नया रास्ता बनाती रहती है, और पुरानी बीचें किसी वड़ के इरकत के मीचे बिपी रह वाती हैं.

इस तरह इ-सानी समाज की गाड़ी समय के साथ साथ

भारा के ज्यादा फैल सकें, कि हो सकें.।सगर क्या कोई ऐसी विकाण भाषा को एक ऐसा रूप देना चाहता है जिसके बारिये हम तुषा है. वह चौहरियां जो एक जमाने में 'चीन की दीवार' वनी हुई बिन्दगी की बरूरेत बन गई है. यही जरूरत, प्रकृति का यही र्वी, अब टूट चुकी हैं झौर भार पार देखने, भाने जाने की बरूरत सामने था खड़ा हुआ है. खाज हमारा समाजी जीवन काकी फैल हमारी साथा का सवाल, उसके रूप और नाम का सवाल भी हमारे नार बानी चाहिने, वा बनाई वा सकती है। व्यानों हमारी सियासी और क्षमाजी जिन्दगी के बढ़ने के साथ साथ काज

シャア いってい

من بهاری بیمان می سیل مهر ک در است ای سال می سال بیم ک در است کی در است کی در است که 12 1 30 1 30 1 30 W مادی سیاس الله سای زیگی کے چھنے کے مابع ساتھ

बनान की एकता, क्रीसी जनान या हिन्दुस्तानी के तरफदार है पर बद्द बो यक भाषा, एक क्रीमो खबान को बात हो नहीं धुनना चाहते, बारे में टॉन ब्बड़ाने बाले लोगों में दो तरह के जीव शामिल हैं. एक वरह से फुठलाते, तोड़ते, मरोड़ते और बिगाइते हैं. हिन्दुस्तानी मीर जिन्हें इस बात को सुनकर ठेस लगती है. दूसरे वह हैं जो बेतके विल में कोई न कोई बोर क्षिया बैठा है. बाक्रीमो बनान के सामने सबसे बड़ा मसाला यही है. भाषा के बोशी कां, बिसे कबीर साहब ने 'बहता नोर' कहा हैं, हम तरह जनता की भाषा, समाजी भाषा, हिन्दुस्तान की क्रौमी जबान जो हों होता है. सबसे बड़ी मुसीबत यही हैं कि जनता को कुदरती भाव हमारो समाजी कितरत का तकाजा है उसे बनाना नहीं यह है भक्ते , कुइरत को जनता को हेन और कुछ सोगों की ईजाइ और गढ़ों हुई जोज समय के बहाव को कभी रोक नहीं पातो-. खुद ही रूप ले लेतो हैं. उन्हें छेनी हथीड़ी लेकर गढ़ना नहीं पड़ता, की हुई बोद्य में. जोबन हेने बाली बोर्चे समय के बहाब के साथ सीदियां बनी हुई हैं. सगर कितनी काई है उसके पानी सं. पीने का क्या संगल, नहाया भी नहीं जा सकता, कितनो बदबू काती है. एक राजा साहब का वह पक्का तालाब है, जिसमें बाट और आफ है, पीबिस तो कलेका ठएका हो बाप, यकान मिट बाए. और , न बनाई जा सकती हैं. वह बनी बनाई हैं. सिफें हमें डसे खुठलाना मेर कांकों के बीच से एंड नदी बहती है, नदी का पानी कितना

इसारो सारी जिल्ला—समाजी बार विवासी—में निर्धानिकान हुंगी किया एक कि कार है—हिन्दू, सुस्तानात. दुनि

5

الما المراس من الما المراس من الما المراس من المراس الما الما المراس الما المراس الما المراس الما المراس ا ایک جماخا، آی قوی زبان کی بات ای منیں کننا جائیت، اور جنیں وی بات کو من کو تعلیس منی اور دومرے وہ وی ہو زبان کی ایکنا انہی دیاں اسمان کوفادی بران کے دل میں کا د کا جد は近か

बनवरां सन् 'क्ष

ब हो. सगर दिन्दुत्साम ही ऐसा मुल्क हैं जहां हिन्दू चौर मुसबसान **ा** अवेरा चस दिल में हो तो कैसे हो ? री दोनों खपने खपने बसीं का पालन करना सममले हैं. नतीज में कोई ऐरा ऐसा नहीं जहाँ कई सबहवों चोर वसी के सानने बाबे इ है कि किसी क्षप में भी चोर बिस दिल में ब्रिपा है फिर देवता किता क्यान कर एक तूसरे के किये और सारे अल्क के लिये हुन कारमा नहीं राजकाची सिवासी कारणों से सिवां के इस मसता बने हुए हैं. एक दूसरे का विरोध करना

बातें मानते हैं मगर चोर दिल से नहीं निकलता. ऐसी हालत में भाषा की एकता जैसी बातों से क्यपना क्यासन हिलता हुन्ना देखते हैं बैठा है निकास बाहर करें, और इस मामले में अपने आपको ज्याह दूसरे बह हैं जो सानने को तो क़ीमी खबान की एकता जैसी सब के ज्यादा हैमानदार बनाएं. वह देखेंगे कि वह हजारों राज्य जो जनत क्रुरती सूरंत को अठलांना नहीं चाहते उन्हें चाहिये कि अपने दिलं देता है. जो तोग क्रीमी ज़ंबान या जनता की भाषा की सुहादनी को, हमारी भाषा को. पूझने बाला चौराहे तक क्षाकर लौट जाता है हिन्दुस्तानी किसे कहें. हर तरक के बाबाब बाती है-इसारी ज़बान हिन्दुस्तानी का आन्दोलन एक मसला बन गया है. लोग पूछते हैं बो रटोबें और उस बोर को जो दिल को चिरौंदा समक कर जुस भौर फिर अपनी कॅंकरीली पथरीली पगडंडी पर चलना शुरू कर पहुंच चुंडे हैं, उनके धामने कितनी ठेवी और बल्दी से था जाते हिन्दू सुसलमानों दोनों में एक तो वह हैं को क़ौसी चवान या क्षेत्र सन्तर्भ का असम्बद्ध को अस्त्वर्ध के द्वारिक

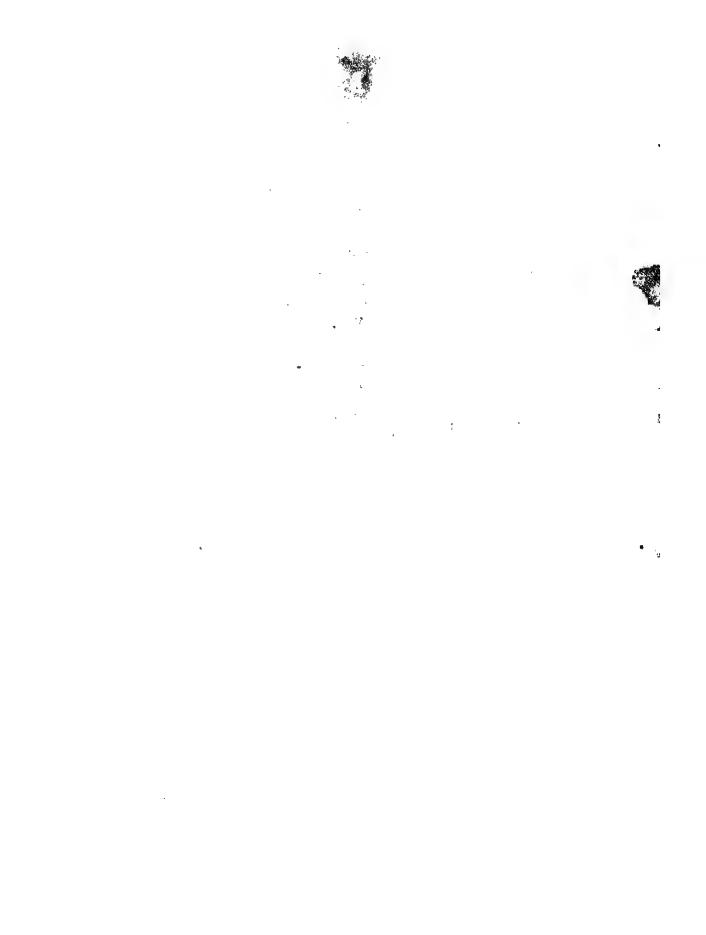
مران فرن مورت کو جعلی این مایت این مایت این مایت کرد. این کو موری اور این جدی و مای کرد. این مایت کرد. این کار باز کرد. اور این مایت می برد اور می بازی این می برد. این مایر بازی می مایت می برد اور می می برد. اور می می برد. جہا کمن ولیق الیاشیں جلل کئ خابیق الاحتمال کے انت مالے ويون. تحر ميزرسان إي اليا مک او جهل منده اعد مسال خرب مح ولا جدائب بم بمركزة عبارا يو ويد مع ابن ككوبل بقرق يك يرجين شروع موديما يو . جولك قرى زيان ياستناك بجياف رطون سے کاماز کاتی ہو۔ ہانی زبان کو ہوری مجافزا او جدائے بھی ہمکر ہوت جاتا ہو دور مجر اپنی تکویل بخوری

वेवा कर देता है. सम्बों के भरकर ब्यौर दूसरा ज्ञासान लक्ष्यों के नाम पर सुराकिस दोनों क्षुत्रती बहाव से अपने को अलग कर लेते हैं. एक ग्रुराकिल में और हमारी समाजी ज़िन्दगी के लिये ये दोनों रास्ते खतरनाक हैं आपा त'ग से त'ग और महदूद से महदूद होती चली आय, दूसरी हैं नो स्रोज सोज कर ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं जिनसे तरफ हमारे इडिंग एक भाषा के हिमायती भी सरलता की खोज में क्सी कसी पहाड़ खड़ा कर देते हैं. खबान की एकता के सामले निर्मा बहु भी जनता की प्रकृति को सामने रता कर बनाए और ह बहाँ एक तरफ आषा को लेकर ऐसे सियासी अलाड़े बन गए तक पहुँचाए का सकते हैं. अजीव बात एक यह है

नापके कितने मसकी बात की बात में हवा हो जाते हैं. स्याज के कमान कौसी ज्ञान हिन्दुस्तानी के राज पर्य तक खुद प्ररिक्ष्म बनाने में न बासान बनने में. जनता का देखिये. डसकी मध्यम भागे ही सही रास्ता है. किसी से खामखाह का परहेज नहीं. किसी के। चक्कत मान कर उससे बचना नहीं, प्रकृति से दूर न गतचीत सुनिये. उसकी तबियत और बादत का समस्त्रिये. और विषे और देश को पहुँचाइये. फिर देखिये कि इस एक बात से इस बिये इमें बीच के रास्ते पर चलना है, बीच का

> عي وه مي مين کي پرکن کو ساخته رکار خواد مي کار ا الما يما ا

لمزیک بین دونوں قدری مباط سے ا شکل نفظوں کو بھرکم اور دومرا کا س رای محدی میں تعبی کئی میاد کا دیدا



हानी दिस कात गर में अपनी बोटर पर बैठकर सुपरिनटेनहेम्ट पा पर गया मोटर हाते में कड़ी. एक चपरासी ने आकर मुक्ते काम किया. मेंने आपना कार्ड कसे दिया. वह फौरन सीटकर मार बोबा "चिश्वये कप्तान साहब ने सलाम दिया है."

के सम्ब तो वह है कि उस बड़ी मेरे सन में न मोखूस बचा क्या मिनार बंद रहे थे. यह भी डर था कि कहीं बोका देकर मेरी विद्यालारी न हों जाय. नगर अपने लीडर के हुकुम बजा लाने के क्याल के मेरी दिस्मत बांच रक्की थी गोके गुजरानवाला का बाता-रख डक पुंचा विस्मत परस करने आता था.

कार के विश्वीर क्या है और मुंद से पुष्पों फेंबता हुत्या 'कतान का कार के कार में पुता यह गरदन नीची किये कुछ विश्व की के कार में पुता यह गरदन नीची किये कुछ विश्व की किया में के बरावर पहुँचा, मगर कन्होंने सिर के बसाय करेंगे। क्या तो में हम इन्तवारी में रहा कि वह ग्रामते के बसाय करेंगे। क्या ने वेस्की मुक्ते बहुत नापवार कारी. में की पर कि गया, किस मुपरिमटेनकेन्ट पुक्तिय से बड़े शान से मेरे का करेंगा का में से का करेंगा के का करेंगा है."

المراد ا

तच्यार न भा मी तेरा में भाकर

一年 中 日 名 八日

ननवरी सन् '%

द्वापरितटेन बेन्ट पुबिस ने बड़े गन्धीर स्वर में हुने नेताबनी कार नोई किसाद कादा रहर में हुना तो में जाप का बिन्नेबार दहराज्या".

सकते हैं. इसारा तो काम जनमें मेल मोहब्बत कराना है. पुलीस रिवाया को बराबर सता रही है." कर कहा---'हम कांप्रेस वाले जमने भाइजां में भगदा कैसे करवा में हैरान था कि यह कॉगरेज कैसी बातें कर रहा है. मैंने उलक

द्वतील पर सुपरिनटेनक्टेन्ट पुलिस ने कहा-- "यह विलक्कल बेमानी कुत देर इस दोनों में काफी बहस रही. इस दौरान में मेरी किसी

की दलील ... मैं चन्त्रीय करता हूँ कि जाप मुक्तते शराकत से बात करेंगे नहीं हो में भी बेसे ही पेरा बाउंगा जैसे बाप मेरे साथ बरंतांब करेंगे." यह मैंने बिगड़ कर कहा. मैंने गरमा कर जवाब दिया-"यह उतनी ही बेमानी है जितनी आप

से शोड़ करते हैं ? " असर हुआ. असकरा कर बड़ी नम्नतासे बोले-"अप सिगरेट कर्तान साहब के भिजाज, बोली, त्वर व चेहरे में जादू का सा

ं मैं इस बराने में सिगरेट पिया करता या. बन्होंने मुक्ते सिगरेट रियाः सैने क्रवूल किया भौर शुक्रिया श्रदा किया.

ं फिर वह बड़ी मीछी बोली में कहने लगे-"पंडित मोती लाल नेहरू का कराना बड़ा साथस्या है. मैं छनकी सड़कियों से पहाड़ पर मिल

> میں میان مقاکر یہ انگرز کعیں این کردا ہی۔ یں نے الجبری استعم می مگریس واسے اپنے میں تیس میں جیگزا کیسے کردا سکتے اپنے میایا و کام ان میں میں میت کردا ہی۔ دلیس وائا کورارت میں ہی۔ مجعم ويد عم دونون مي كانى بحث ري . إس دوران مي مرى كسى المراثنة زق برلي من برسه مجمع مور بي الله برسائل でしまっついて

क्र वर हम दाना में काला बहुत रहा. हस दारान में मरी किसी
विशेष पर सुपरिनटेनकेट पुलिस ने कहा— "यह विवक्कत केमानी
वाल है".

मैंने गरमा कर जवाब दिया-"यह वतनी हो केमानी है जितनी काल
के देवी गरमा कर जवाब दिया-"यह वतनी हो केमानी है जितनी काल
के देवी करती हैं में में कैसे ही पेरा बाउंगा जैसे बाव मेरे साव
करती:" यह मैंने दियान कर कहा.

करतान साहब के मिजाद, बोली, त्वर व बेहरे में जातू का सा
वाय हुआ, मुसक्य कर वही नम्रतासे बोले-"बाप सिगरेट
से शिक्क करते हैं।"

मैं कर बमाने में सिगरेट पिया करता या. व्यहोंने मुमे सिगरेट
के स्वान बहा किया करते हो। के कहा किया करता या. व्यहोंने मुमे सिगरेट
का कामा बहा सावसा है. में कनकी सर्वाक से साव नेहरू

बा कामा बहा संबक्का के से बात के स्वान करता या. व्यहोंने मुमे सिगरेट
का कामा बहा सावसा है. में कनकी सर्वाकों से सावसा मेरे सावसा के से के कहा कामा का सावसा है. में कनकी सर्वाकों से सावसा है. में कनकी सर्वाकों से सावसा के से कामा बहा कामा मेरे से सावसा है. में कनकी सर्वाकों से सावसा स्वान पर मिल

भौर बाद को दोस्ताना बरताब बरतते. ठोंक देता घार उत्त पर शालिब आ जाता तो वह मुक्तरे हाथ मिलाते अव्यों की बन्दर अपिकवों की काफी पहचान थी. सुकते कई बार ं मैं , खुर बचपन में अंगरेजी स्कूल में पढ़ा था. मुने अंगरेजी लड़कों से सद्ध ब्यौर मारपीट भी हुई थी ब्यौर जब कभी मैं उनको मेर मेरे मुंह तोड़ बबाब देते ही मेरा पुराना दोला बन गया

यही तजुरवा सुमे २३ बरस की डमर में फिर हुचा

👺 माने परीर मेरी पाते सुनी चौर "माई डियर फ्रेन्ड" कह कर मुमे बवाब दिये. मार्शलका और जलियान वाला बारा के क्रतलेकाम के की राथ में काकी कर्क था मगर कोई बेलुक्ती पैदा नहीं हुई. भाखिर में कप्तान साहब ने खड़े होकर सुकते बड़े तमीच से बारे में भी मैंने बनसे साक साक तरीक़े पर बातें कीं. हम दोनों रीने कप्तान साहब को खरी खरी सुनाई. छन्होंने ज़रा सा भी बुरा ज्यादातर राजनीतिक विषयों पर बातें हुई. बहस भी काकी हुई. सिके बाद क़रीब एक घंटा बड़ी घुट घुट के हम दोनों ने बातें कीं.

हान मिलाया और नाहर जाकर सुक्ते मोटर तक पहुँ न ाया-

खायलपुर के कुछ तजुरबे

स्पर इन चार विनों में मैंने बहुत कुछ सीला. गुजरानवाला में हम शायर चार दिन कुल जमा ठहरे होंगे. (%)

न्य ही बिन पड़ाव किया. रास्ते मर हमारी मोटर चाने बताती बी किर इस मोटरकार पर लायलपूर को रवांना द्वप. वहां शाय**ए**

اور میرسه محمد تعلی جواب دیتے ہی مواد میانا دوست بن کیا۔
این بغد بجین میں انگریزی اسکول میں جیسا تھا۔ بھے انگریزی و کمول میں جیسا تھا۔ بھے انگریزی و کمول میں جیسا تھا۔ بھی انگریزی میں میں میں میں ان کو تھو بھی میں ان کی تھو بھی میں کی تھو بھی میں ان کی تھو بھی میں ان کی تھو بھی میں کی تھو بھی تھو بھی کی تھو بھی کی تھو بھی کی تھو بھی کی تھو بھی تھو بھی کی تھو بھی

میں چرار میں میں برس کی حریب جم روا کہ میں ورس آباد اس کے میں ورس آباد کی میں میں اور میں کا برائی ہوں اس کے ہم وہ اس کی بات ہوں کے میں اس کی اس کے بات ہوں کے میں اس کی اس کے بات ہوں کے بیان میان میں اور میں کا ورخ ریال اور میان والا باغ کے میں اور میں کی است کی بات میں اس کی بیان میں ہوئی میں اس کی اس کی بیان میں کی بیان میں کی بیان میں کے بیان میں کی بیان کی

الی فید کی تیم تاب یاد دن کی جو تغیرے ہیں گے۔ گر ان جار گراوالا میں ہم تاب جار دن کی جو تغیرے ہیں۔ گر ان جار میں میں میں نے سب جار میں اور تو رواز ہوئے۔ اس کے بیادی میں میں اس کے بیادی ک

कन्सटेबबों के हमग्रह दूसरी मोटर में कर रहा था. श्रीर क्षक काससे पर हमारा पीक्षा एक पुत्तीस इन्सपेक्टर कुछ

साहन भी नहीं तरारीक से बावे. हम एक मासूबी सकान में दिके थे. थोड़ी देर में यह इन्सपेक्टर

ें भेंपते हुये उन्होंने हमसे कुछ सवाल किये. हैदर मेंह्सी साहब ने उन्हें उज़रे सीधे जवाब दिये. यह उनका मजाक या मगर इन्सपेक्टर साहब ने क्रीरन बड़े इतमीनान से उन जवाबों की बिना पर अपनी नेट बुक में जो चाहा दर्ज कर लिया.

े के लिए हाकिमों का कहना मानना पड़ता था. उन्होंने हमारी देश इन्सपेक्टर साहब ने थोड़ी ही देर के बाद कहना शुरू किया कि वह व्यपनी नौकरों से बेज़ार थे. मगर क्या करें, पेट भक्ती भौर कुरवानियों की तारीफ़ के पुल बांध दिये.

· · स्वाता स्वाते के बहुत इन्सपेक्टर साहब को भी हमने अपना मेहमान बनाया. उनकी हालत रहम के क्रावित थी.

देखते देखते गायन

सन्त्रन क्षरता घोती पहने बेंठे थे. यही सन्पादक थे. कुछ देर मैंने जनसे बातें की होंगी कि वह जल्दी से कुरती झोड़ कमरे में से विकास इस की तरफ मार्गे. मेरे कुछ समक में नहीं भाषा कि बोनों सी दियों पर चढ़कर एक छोटे से कमरे में पहुँचे. यहां एक के आय थे, मुक्ते एक पत्रिका के सम्पादक से मिलाने से गये. इस एक साहब, जो गालिबन हमारे साथ मोटर पर बतौर गाइड

> اشیاط مامن نے تھولی ہی دیر سے بعد کمنا خروع کیا کر وہ اپنی اور سے بعد کمنا خروع کیا کر وہ اپنی ایک میں اور سے بعد کا کون کا کہنا ہادی جون کا کہنا ہادی جون کے میں اور قرانیوں کی تعریف سے با معرف کے کہنا ہادی دیتے ہوئی ہمان کھانا کھانے کھی وقت النیون کی تعریف کہم سنے اپنا مہمان بنایا ، مین کی حالت رحم سے قابل تھی . دومی موٹرمیں کررہاتھا:
>
> مام موٹرمیں کررہاتھا:
>
> مام موٹرمیں کررہاتھا:
>
> مام موٹرمی وی تفریق ہے کہ کے ۔ مسؤلی دیہ میں یہ انسیط
>
> مام میں وی تفریق ہے کہ کے ۔
>
> مام میں نے محفیل آلئے سیدھ جاب دیے ۔ یہ آن کا خاتی تھا کم
>
> مام ہے نے محفیل آلئے سیدھ جاب دیے ۔ یہ آن کا خاتی تھا کم
>
> انسیکا ممام ہے فوڈ بڑے امکینان سنت آن جوادل کی بنا یہ اپنی الديجة فاصلى يريمادا بيجيا ايك يوليس انسيكم كجيم كانستبلون كريزه ميان دالا باع 893 30 3 31 w 2 56.

というできるという。 باین کی اوں کی کردہ جلدی سے کری چھوٹ کرے یں سے اس جھت کی

निम से पूजा वो स्वर्गने होता पर स्थानी रतका

न्धांबटर साहब के नाम बारन्ट है......पुलीम का बाबा होने पर दो पर मिनट के बाद मेरे कान में हलके से कहा-

यक दूसरे से बातें जरूर कर रहे थे. बड़े इतमीनान से अपनी अपनी जगह पर कैठे रहे. कुछ इशारों से कमरे में दो एक सज्जन और भी थे. वह सब चुप ये और

पांच मिनत बाद मेरे भिन्न ने सूचना दी "गए". बनका सतलब

विरक्ततार कर विचा ?" मैंने पूछा-- "मौर पिडटर साहब कहां हैं ? क्या उनको

वह बोले---"वह पुलीस के हाथ नहीं था सकते." अपने भित्र की सलाह से मैं वहाँ से भीरन बला आया.

न सके बिये. अनेवां से बंबान लेना तो हमारा खास काम था. वह जितने

शहर था. लायलपुर से इम अन्तसर लीटे जो इसारा असली हैर-

> عديد المناه الأرم إلى الاستن ف يوفل به اللي

مرے میں دو ایک بھی اور بھی تھے۔ وہ سب تیب تھے لور ع اطحینان سے این ای عگر پر بھیجے سبے۔ کچھ اطالعل سے
ایک دومرے سے این خود مرسید تھے۔
ایک منٹ بعد مرس مزر نے موجنا دی موکل اوان کا مطلب
ایک منٹ بعد مرس مزر نے موجنا دی موکل اوان کا مطلب
ایک منٹ بعد مرس مزر نے موجنا دی موکل اوان کا مطلب
ایک منٹ بعد مرس مزر خدا مرسا میں وکی اُن کو

وہ برکے۔ مدہ بولیں کے باتھ نبی اکلے: " اب برتر کی معلان سے میں وہاں سے فرماً جلا کا! مغینا سے بیان لینا و ہمارا خاص کام تھا۔ وہ حیث کے سکا

الليد ع المرافق بو المدائل ميدكاللها.

बिक्ट कहानी पर कुछ धौर

(भेकेसर सेयद मसीहुज्जमा जानसी)

त्विकेरे 'रिवायुक्त रोष्ट्रारा' से यह बात लिखी है कि 'विकट कहानी' धाय में चलोक्कती खां बाला दाशिस्तानी कं बे-क्षपे हुए फारसी सेंबने बाले शक्तरत को पानीपत का रहने बाला जिला है और रियानी ने अपनी किताब 'पंजाब में बहूं' में 'विकट कहानी' के ह्माली के लिखने वासे व्यक्तवन संस्थाना विका मेरठ के रहने पर पहुँचा हैं कि 'बिकट कहानी' के जिसने बाले अफखल गकों से क्यीर ११ भीं सही दिवारी के शुरू में थे. लेकिन महसूह क्षितंतर' ने 'क्षायम' की राय अपने यहां लिखी है कि 'विकट सिंहाबाद के रहते वाले नहीं थे. अकथत इलाहाबादी दूसरे हैं. जिकर बिज़ गया और बनके सुम्ताने से मैं चव इस नतीजे सिरीका से एक विन मिला, तो बातों बातों में 'विकट कहानी' का रह बेस झप है. बसके बाद मोहतामी डाक्टर घण्डुरसतार ह में अक्ष्यक की चाप बीती है. अक्ष्यक पानीपत में मौत्रको क्षितन्त्रर सन् '४० के 'नया हिन्द' में विकट कहानी पर मेरा कियें एक दिन्दू की से प्रेम हो गया. श्रमण्यल के विल की र विषयन गई यहाँ तक कि यह गतियाँ में बूसने

कार प्रथान की तरह कुमने उनते. एक हिन कार प्रशास की देश कहीं से का रही की कि यह गली कार पड़ा. गीर श्वनकर वह नारी पलट पड़ा कोर इतसे कारी—"दे मीलवी! इतनी बड़ी दाढ़ी लेकर पराई की पर

्त्र बहुआ को पात्रबंश की चाप शोती के नाम से किया किया किया के पाप में इस बहुआ

SWOTH TO THE WAY OF THE THE

The state of the s

कंपन को शबाहां शही कहताने की वजह यह यो कि मुन्ती क्षेत्रियोंने कीर केवन के तकिरे 'तवक्रा तुल रोक्यत' के सक्ता २५८ केवन को श्वास्वावाद का लिखा गया है कीर विकट कहानी का केवन कावा भी करीं को बताया गया है. लेकिन मालूम होता कि कावा को सुन्यों करीयरीन को मसत्करमी हुई है.

स्माने राय

कार के की है जार की हर पर नेपल रियासत है.
के भी से परंची की लो है जार की हर पर नेपल रियासत है.
के भी से परंची की लो है जार की स्था सिपाही देना जसका सिंग है. जान पर सावाद को नहीं पर सावाद काम रहा है. हाल की नहीं को लाहें में उसने एक लाख सिपाही काम परात हालन में से नी है पर रहन बहन करि परात काम में दिन्हा तोनों है ने रहन बहन करि परात काम के सिंग होंने के नीते हैं पर रहन बहन करि परात काम के सिंग होंने के नीते हैं पर रहन बहन करि परात काम के सिंग होंने के नीते गोरला पतादनों के बदनोरे में काम के सिंग की के नीते गोरला पतादनों के बदनोरे में काम के सिंग नी सिंग काम की सिंग मानता है. हरतिने के नीते गोरला पतादनों के बदनोरे में काम की सिंग काम कर अवलाम नी नेगन मानता है. हरतिने के काम काम की सिंग मानता है. हरतिने के स्थान की सिंग काम की सिंग मानता है हरतिने के स्थान की सिंग काम की सिंग मानता है हरतिने के स्थान की सिंग काम की सिंग मानता है हरतिने के स्थान की सिंग काम की सिंग मानता है हरतिने के स्थान की सिंग काम की सिंग मानता है हरतिने के स्थान की सिंग काम की सिंग मानता है हरतिने के स्थान की सिंग काम की सिंग मानता है हरतिने के स्थान की सिंग मानता है हरतिने की सिंग मानता है हरतिने काम की सिंग मानता है हरतिने की सिंग मानता है सिंग मानता है हरतिने की सिंग मानता है सिंग मानता है हरतिने की सिंग मानता है सि

अन्तर्भवः यह दुवा है की स्त्वाहेन पत्तरमें में से बाह बटेलियन क्रिक के हे है जाने और १५ अटेलियन कि मुस्तानियां के बिस्से बाह जा को जीवनों पर क्रीन हो गो है कि यह पान केवर क्रिक के प्रतास के बाह बताबाक करती के यह क्रिक के अपने के बहुत बताबाक करती के यह

हिसी कर चुका है चौर बलदी ही तिजारती समझौता भी करेगा. हर्तीनिया ने भी नैपाली जिगेशन (legation) के दूस का चोहदा विया है. इसिबिचे इसको नैपाल की बढ़वारी का हर तरह सावाल सीय इसका इतवा बहुत जैंबा हो गया है. अमेरिका इससे स्त बन कर क्षत्रकी रका की चिन्नेदारी हमके। न जाने भौर हिन्दुस्तान के बाखाद हो जाने के ने जगह भव वह नहीं रही जो भव तक

विक कमिय इस पागल से अपने रिक्तों का हाल

कर अपने काम में पहले की तरह जुटी

-- संगवान दोन

मन्दी था विन्युत्तानी—

कु तीर कीर विदार दोनों से सबरें बांची हैं कि वहाँ दो स्थानों में दिल्ली को बावने बावने सूबे दो सरकारी आया चीर स्थानकों को बुक्की अवेजां सिप बोबान कर दिया. बिन बोबानों स्थानकों को होती करते कुर तीर स्टब्स को तरक से को प्रतांते कि कि की गांची हैं पुनर्स से बोद कर है कि चर्चार दिन्दुसान कुर्मा हो सिन्दुसानों बोबी वा दोनों सिवियों को पान सोदी कि अवका सीरा के तो स्थान हो जाने से बास बरवा की अवका सीरा के तो स्थान को जाने से बास बरवा के अवका सीरा के तो स्थान को जाने से बास बरवा का कर कि की दिस मुक्ता दिया. 'बास समय को' ने शब्द का कर कि को हैं कि पाविस्तान की कुछ सोपने का अवका को कि पाविस्तान की सुद्ध को से शब्द का अवका को कि पाविस्तान की सुद्ध को से साम का अवका को कि पाविस्तान की सुद्ध साम के सिन्दु का अवका को कि पाविस्तान की सुद्ध का से सिन्दु का अवका को कि पाविस्तान की सुद्ध का से सिन्दु का अवका को कि पाविस्तान की सुद्ध का से सिन्दु का अवका को कि पाविस्तान की सुद्ध का से सिन्दु का अवका को कि पाविस्तान की सुद्ध का से सिन्दु का अवका की कि पाविस्तान की सुद्ध का से सिन्दु का अवका की कि पाविस्तान की सुद्ध का से सिन्दु का अवका की सिन्दु का अवका की सिन्दु की सुद्ध का से सिन्दु का सिन्दु

क्षत बिस बागत ने बाँच तरक का रोग वो दूसरी धरक का बढ़ता दीख

हिते हिन्दुस्तान को धापने पुराने वांचे की सचाधी सावित करने का और बाखों चोसात्रियों, पारसियों और दूसरे मचहब वालों के ्रमान्त्र है. यहां हमारी परत का बकत है. क्यों कीच नहीं होते. चार करोड़ से घापर शुसब-रानर इसारे भिन्नों में पहले से पाप लिया नहीं था, वो न आते से बोक राष्ट्र मानते बाबों का बस्तव नहीं

अक्षारी के केरी देती रहती हैं. विधानों का यत है कि पाणिनों के समय के अन्तर मी, जिसे चात्रकत शुद्ध संस्कृत कहा जाता है, अक क्षान अलग खबानें नहीं हैं. दुनिया की सब खबानें अके दूसरी के बाका इ बाब, बार बामकदम राज्यों को होड़कर शुसे संस्कृतमधी क्षेत्रें को सीचना है और अनुनदों गंगा बहाने की कोशिय हम बार बार कह बुके हैं कि हिन्दो, बुदू बौर हिन्दुसानी तीन े जुली जबन है. बसमें बेग्रमार शब्द दूसरे देशों की आपाचों के हुते श्रुस समय की हिन्दुस्तानी कहना भी बेजा न होगा है कोशिया करना जाम जनता से दुरमनी करना है, मुल्क में

आत से बाहर किसी देश की अवान नहीं है. यह वर्ष Mary and the sale

ية لو كو يتدي الدواه بوعد سال عن الله ار مقید مدرسه ولیشن کا میان ایل 中でからいい D'9 1/03 2 10

भा किया के किया को निरा केना कहें. मा पुरान के कुल और गेहें के पान के किन्द्रसान से निकास देख नाहे. क्या से वा बाद कर्म मान के मानले में भावक कट्टाता है. हमारा भला खुट्ट कर्म किया को भावलों को मिलाने हो में था और मिलाने हो में है. खुट्ट सिलावट को भी अपनी खूबियाँ हैं जिन्हें हर खुट्ट जानने वाका जानता है. करोनों देश वासियों की सहस्तियत और सन्तोप के सिकों और राष्ट्रभाषा हिन्दुस्ताना को मालामाल करने के लिखे भी

सच यह है कि इमारा जिस बक्त का यह कुकाब बड़े दरजे तक का विस्ताल का जाते की बिद और कससे पैदा हुए कुन्रती गुस्से का क्यांका है. इसे कामनी जीत कमजोरियों को समक्ता और जीवना

भा भी धन है कि कमी कुमें तरफ है. जिस तरह बहुत से किन्युमों की अंगरेकी सा फिसी रूसरी चनान के सीलने में हिन्युमन की अन्ति देवी विकार नहीं देती, जिसमी कह शीलने में, वर्स तरह बहुत से कुका की है निया की फिसी त्यारी क्यान के सीलने में हरसाम है किसी हमा बात किसी त्यारी क्यान के सीलने में हरसाम है किसी हमा बात की सिला से सिलाम के सीलने में.

दन केनों को अवस्थ तेन विनाहें क्षेत्र करती होंगी. जो अवसी त्य की अवसे रहेंथे को जात की कर तेना, वही जातानी से अवसे की जहां होगा. अवस्था, जाजात जीर जुक्तात अवस्था करता पुरस्त जीर जुक्ताता के त्यांता अवस्था के अवस्था की अवस्था की जी अवस्था कि तिन

الان المستوال المستو

اردو می این این این فریاں این جنسی ہراردو جانے والا اور استوں کے لئے اور استوں کے استوں کا اور استوں کے لئے استوں ک

HARMI

कारों में जा धार है कि सोसनाम के पुराने मर्टनर कुराय का कार्या और बोला की न्यायकों सभी में क्रिकाल के मर्टिन्ट के जो यो बदान्य कियार क्रिकाल के गर्वा था, कर्ने किट से सोमनान के मर्टिन्ट

करना ने ज्यान मानव को बाबत १८ अनवरां, १८-४३ को करना ने ज्यान आर्फ बेसिगटन के नाम पक खत में लिखा कर्म के फिर से बहाँ के जाकर लगाने को तजवीज से दिन्दुकों की खाद हम से हिन्दुकों की खाद हम से विश्व कर सामने को तजवीज से दिन्दुकों की गुर है. मेरे पास यह मानने की कोई बजह नहीं है कि मुक्त मान जिससे नाराज हुन्ने हों. पर में किस बात से अपनी बॉल महीं बन्द कर सकता कि मुसल मान क्रीम बुतियादी तौर पर समारी हुन्न कर सकता कि मुसल मान क्रीम बुतियादी तौर पर समारी हुन्न कर सकता कि मुसल मान क्रीम बुतियादी तौर पर समारी हुन्न कर सकता कि मुसल मान क्रीम बुतियादी तौर पर समारी हुन्न कर सकता कि मुसल मान क्रीम बुतियादी तौर पर समारी हुन्न कर सकता कि मुसल मान क्रीम बुतियादी तौर पर समारी हुन्न कर सकता कि मुसल मान क्रीम बुतियादी तौर पर समारी हुन्न कर सकता कि मुसल मान क्रीम बुतियादी तौर पर समारी हुन्न कर सकता के मुसल सन्त कर रखें."

पोक्कार के किया के अकगानिस्तान से दिन्दुस्तान झाये गये.

का विष, नैपाक, सागर, बुन्देलसम्ब और करीच करीच
क्रियुस्तान में इसके ऐसान बाँटे गये. इन ऐसानों में सब
बरदारों, राजाओं, महाराजाओं और दिन्दू प्रजा को
का बादशारों की करतातों की याद विसा-विसाकर उन्हें
का बादशारों की करतातों की याद विसा-विसाकर उन्हें
का बादशारों की करतातों की याद विसा-विसाकर उन्हें
का बादशारों की का तुस्त सरकार को दिन्दू भर्म का दोस्त
का गया. किवाड़ों का जुस्त सरकार की बनह जागरे से बानो

कोंगों को हैरानी हो रही भी कि जब कि शकगानिस्तान पर अपने अपने १६००० को सारी अंगेषी और में से सिर्फ एक अपने किया विकार हिन्दुस्तान और कहा, तो अपने किया के कि का करेंगा अपने अपने

الما المرادي الما المرادي الموادي الم

कारी पर 'अट

('इरिजन सेवक' से)

—सुन्दरलाल

सिंख महयों से-

इस्त का दौर लत्म हो चुका था. उसका सीधा साता रूप बदल कु शुरू का दौर लत्म हो चुका था. उसका सीधा साता रूप बदल कु शा दुनिया के दूसरे धर्मों की तरह हठ, कहरता और अंधी मानतायों के खोल उस पर बद चुके थे. हिन्दुओं में भी ऊँच नीच, जात पात, खुआ बहुत के अलावा तरह तरह की कुरीतियां और अंधी मानतार सच्चे धर्म का ढके हुए थीं. हिन्दुओं और ग्रुसलमानों बंधों में अपनी अपनी बिद और निकम्मी बहुसें जारी थीं. देश की खंध समय की मचहुबी हालत की तसकीर कबीर साहब के इस होई में मौजूद है—

हिन्दू कहें राम मोंहि प्यारा मुसझमान रहिमाना चापस में दोन लिर सरि मृप

のないまではは、大きのでは、大きのでは、大きのでは、大きのでは、大きのでは、大きのでは、大きのでは、大きのでは、大きのでは、大きのでは、大きのでは、大きのでは、大きのでは、大きのでは、大きのでは、大きのでは、

があるのだった

これは、一般の意味を

इस दीनों धर्में के निकस्पे रीत रिवाजों ध्वीर अंधी सानताश्चों के मैंब को उनके जगर से हटा कर उनकी बुनियादी एकता के। वसकाने ध्वीर उन्हें एक दूसरे के नजदीक लाने के लिये जिन महान धालाश्चों ने उस समय इस देश में जन्म लिया उनमें खास नाम गुरु नानक का है. गुरु नानक के। मानव धर्म यानी मजहबे इन्सानियत के बड़े से बड़े प्रवारकें में गिना जाता है. सानव धर्म का नाम ही प्रेम धर्म या मजहबे इरक है.

मक्के और रासेश्वर दोनों की गुरु नानक ने यात्रा की. जनका सारा रहन सहन एक मिला जुला रहन सहन था. सिलों को पाक किताब अन्य साहब में गुरु नानक के बताए हुए धर्म की पूरी ससबीर मौजूर है. गुरु नानक का धर्म हिन्दू और मुसलमानों के मेल का धर्म था. "नानक पीन्वरे बूद" की कहाबत सरहद और क्षेत्र आर के मुसलमानों में सिन्द्रों मुनाई देती रही. जमें समय के हिन्दू धर्म की धारार गंगा और इसलाम के जमना माना जावे तो गुरु नानक का धर्म प्रयाग का संगम था. आदमी धादमी की बराबरी के बिक करते हुए उन्होंने लिला है—

भव्यत शक्षाह नूर उपाया इत्रात दे सन अन्दे इक नूर ते सब अग उपज्या कौन भन्ने कौन मन्दे

िन्दू और गुसलमानों के भापसी मताहों को कहीने बड़े दर्द क्यों में बनान किया है और उन मताहों हो की बिना पर भापने किया में अपने के आफ हनकार किया.

ال قد ت سي بيان الماري ميان الكاري الميان الميان الكاري الميان الكاري الميان الكاري الميان الكاري الميان الميان الكاري الميان الميان الكاري الميان الكاري الميان الكاري الميان الكاري الميان ا

4-14 AL 7

तका व हिन्दू पहचा, तमा व मूसलमान दाबा गम रहीम कर, लड़दे वेईमान व हम हिन्दून सुखलमान, दोनों विश्व बसे रीतान

प्रन्थ साहब की आवा इधर से छबर तक मिली जुली भाषा है. 'साहब' राज्य खुद बरबी का है. इस निगाह से प्रन्थ साहब की साथा सबी किन्दुस्तानी है. ईरबर के नामों में ब्यंक्षाह नाम प्रन्थ साहब में एक बार नहीं सैकड़ों बार बाया है. ईरबर के दूसरे कारसी बीर बरबी नाम भी पन्थ साहब में भरे पड़े हैं. सिख गुरुओं के ब्रलाबा बीर भी बहुत से सन्तों, भक्कों बीर ब्रक्काह बातों की बानी प्रन्थ साहब में मीजूद हैं जिनमें कम से कम बार गुरुओं की बानी प्रन्थ साहब में मीजूद हैं जिनमें कम से कम बार गुरुओं की बानी पर खात की बरुदत पड़ी तो उन्होंने गुस्तुस्तान क्रकीर साई' मियां मीर ही के हाय को रखी हुई हैं. सिख धर्म की यह सुन्दरता बाखीर तक इसी तरह बनी रही, इशम ग्रन्थ को पढ़ने से पता बाता है कि इस बारे में पहले नी गुरुओं के विवारों और गुरु गोबिन्द सिंह के बिचारों में कोई फरक़ नहीं हैं. गुरु गोबिन्द सिंह के एक पढ़ हैं—

कोऊ संधे सुंडिया सन्यासी कोऊ योगी संयो कोऊ ब्रह्मचारी, कोऊ लतियन मानबो बिन्दू तुरुक कोऊ, राफकी इसाम शाफी सानस की जात सबै इक्के पहचानबो

OH OF REEL

एकहीं सरूप सबे एक ही बनाव है स्ताक बाद आतिराओं आब को रलाव है एके नैन एके कान एके हेह एके बानि बझाह अभेद सोई पुरान श्रो कुरान श्रोह भानस सबे एक पे श्रानेक को अमाव है एक ही की सेव, सब हो को गुरु देव एक हुरा मर्सात सोई, पूजा भौर नमाज बोई अर्देव जच्छे गंधवे तुरुक हिन्दू देसन के भेसन को प्रभाव है **मूल अम** मानबो जोत जानवो

गहब की नहीं बदला जा रुकता था. उस प्रन्य साहब की जिस स्ते 'चक्काह्' नाम के लिये जाने कौर _{'कु}रान' के पढ़े जाने पर एतराज । कल्बाया का सबा रास्ता बताने वाला है. कियों ने अपने धर्म के इस ज्यापक रूप के। नहीं बदला, बदल मी रवेहें किसी दूसरे के केदि रालती करने की बजह से सिख क्तमा दुनिया के धर्म प्रत्यों में ऊँचे से ऊँचा है, जो दुनिया र्शिसकतेथे. बद्बते तो सिख्यम सिख्यम न रहजाता. प्रन्थ बासर अन्यों में से हैं और अनन्त काल के लिये आदमी पर आपाज उसी मन्य साहब और उन ही सिख गुरुफ़ों के अक

गैर इस भाषा में खूब कविता करते थे. प्रन्थ शहब खुव ब्रामग सब सिख गुरु कारसी के जॅबे दरजे के कवि थे श्रीत समय की सब आषाच्या का मंत्रार है. बहु अने, मेन जी

(2)

इनारी राव

-

वनवरी सब् '४८

कियें कर और कर बिपि से परहेच है. के अपने के समुद्र हैं. फिर भी आज अनेक सिंख माई

ी के एक सिख गुरुद्वारे 'बंगला साहब' के फाटक पर

पंब, मन्य साहब, और क्षित्र मर्योदा तीनों के खिलाक है कार, या भाषा के मामले में इस तरह का भेद भाष उदार सिख साषा, बा खर्र लिपि या किछी मी जबान के चालू शब्दों का बाय-🎉 के 'क्रयाम किया' का हिन्दी तरजुमा 'प्रवेश किया' पढ़ कर हमें दुख क्या 'आराभ किया' या 'ठहरे' कीन नहीं समम सकता ! चट्ट कारेकी व पढ़े बह सतलब भी राखत समभ सकता है. क्रयांम भारत हुआ। जो आदमी भिक्षे नागरी ही पढ़े और **चर्द्र** या

बार्वे बड़े दुख के साथ जिला रहे हैं. सिख नेताओं चौर सिख सरह भी कम नहीं रहे. चलती रेलों में से दूसरे मचहब वाले सुसाफिरों बिकरी भी बढ़ों है. इससे भद्दों शिकायतें भी हो चुकी हैं. हम यह में जहां तहां सिसों की तादाद बढ़ी है वहां वहां राराव का क्षिया जाता है. स्थाम शिकायत है कि आवादियों के बदलाव क्षुबाई दी हैं और फेंकने वालों में ज्यादातर नाम सिख भाइयों ही का **दिया, सिख धर्म**ें के मानने वाले हिन्दू यां मुसबमान, किसी से किसी का के पापों में, जिन्होंने हमें सारी दुनिया को निगाह में जलील कर कहते हुए हमें लजा भीर दुस हो रहा है कि सन् १८४० के काले से 'बिसा' 'ह्या' चौर सदाचार पर दिया गया है. पर भाज यह की चठा कर कैंक देने की दुर्दनाक घटनाएं इस महीने के शुरू तक पूजा पाठ चाहि से कहीं बढ़कर खोर सिख धर्म में 'न्याब' 'नेकी'

شکاری ہوکر آبا دوں کے بداوی جاں جاں بکعوں کی قعداد بریمی و وال مہاں تراب کی بڑی جی بڑھی ہی۔ اس سے بعثری ترکمتیں چی ہوگی ہیں۔ ہم یہ باتی جسے وکعہ کے انداکارے ہیں۔ بکھ میتاؤں جلتی رفیل میں سے دومزے خرب والے مسافروں کو المقائم بھیلنگ دینے کی درداک معشنائیں اِس مجینے کے خروج کہ سنان وی ہیں اور مجینیکٹے والیں میں زیادہ تر نام سیکھ مجھائیوں ہی کا کیا جاتا ہی۔ عسام ع برایم اور ایک سیمه مرودهارس میگلامیات کریمیانگ براند ایک سیمه مرودهارس میگلامیات کریمیانگ براند موجع مام ، اور یک مراها تین ک خلات ای . ای و تیا ا برا این ادی سے میں برخار زور یک دیم می و نباو و تیا ا میما و دیا اور مدایار بر دیا گیا ہی بر آئی بر کئے ایسے ہیں ا میما دیکہ ہیرا اور موجود کر کا کارے کا کا برای ایسے ایسی ایسی ایسی میں اور استحاد کے مالے کے ایسی میں اور استحاد کی اور استحاد کی اور استحاد کی اور استحاد کی ایسی میں اور استحاد کی اور استحاد کی اور استحاد کی استحاد کی اور استحاد کی در استحاد کی ایسی میں اور استحاد کی اور اور استحاد کی استحاد کی استحاد کی اور استحاد کی استحا بغیوں نے ہیں ماری ونیائی نگاہ یں ذیل کردیا کیکھ جم اینے دائے ہندہ یاسلمان کسی سے کسی فری بھی کم نہیں د۔ م وقام ما ، تا مست الله الله الله الله من اله

स्त्राक बाद आतिश भी आब का रलाव है बझाह अभेद सोई पुरान की कुरान कोई एके नैन एके कान एकें ट्रंह एके बानि मानस सबै एक पै धनेक को अमाव है एक ही की सेव, सब ही को गुरु देव एक हुरा मर्सात सोई, पूजा और नमाज बोई श्चदेव जच्छा गंधवे तुरुक हिन्दू न्यारे देसन के मेसन को प्रभाव है सरूप सबे एक ही बनाव है भेद कोई मूल भ्रम मातबो जोत जानबो

रिते 'अक्काह' नाम के लिये जाने भीर 'कुरान' के पढ़े जाने पर एतराज करते हैं, किसी दूसरे के कोई राखती करने की वजह से सिख साह्य की नहीं बदला जा स्कता था. इस प्रन्थ साह्य की जिस गुरुषों ने अपने धर्म के इस ज्यापक रूप का नहीं बदला. बदल भी ा करवाया का सन्ना रास्ता बताने वाला है. हीं सकते थे. बद्बते तो सिख धर्म सिख धर्म न रह जाता. पन्थ श्रमर प्रन्थों में से हैं और श्रनन्त काल के लिये श्राहमी क्तना दुनिया के धर्म प्रन्यों में उँचे से ऊँचा है, जो दुनिया पर जाज उसी प्रन्थ साहब और उन ही सिख गुरुकों के कुछ

श्रीर इस माथा में खूब कविता करते वे. ग्रन्थ साहब अहर हैसा की अस समय की सक आपाओं का गंबार है. बहाओन, केस कीर क्षगमग् सब सिख गुठ फारसी के जैंबे दरजे के किये

> ر الم إس وياك روب كو تين عبلا. على مي تعيل سي دومرت سے کوڻ علی کرنے کی وج سے ب がからかららられ

किन्द्र अरे वर् सिपि से परहेच है. । अपन समुद्र है. फिर भी जाब जनेक सिख आई

भाषा, बा खबूँ लिपि या फिसी भी खबान के बालू शब्दों का बाय-काट, या भाषा के मामले में इस तरह का भेद भाष चदार सिस पंच, प्रत्य साहब, पौर सिख मर्योदा तीनों के खिलाक है केसार 'काराम किया' वा 'ठहरे' कीन नहीं भयक सकता ? उद् शीर अपराज हुआ। जो आदमी भिक्त नागरी हो पढ़े और उद्देश संदेखी न पढ़े बह सततव भी रालत समक सकता है. क्रयांम 🚰 'क्रयाम किया' का हिन्दों तरजुमा 'प्रवेश किया' पढ़ कर हमें दुख ी के एक सिखा गुरुद्वारे 'बंगला साहब' के फाटक पर

कें अनुमार से हमारी आधियों ने साथ मोबना है कि बह में अहां जहां सिसों की टादाद बढ़ी है वहां वहां शराब का सुनाई दो हैं भीर फेंकने वालों में ज्यादातर नाम सिख भाइयों हो का तरह भी कम नहीं रहे. बलती रेलों में से दूसरे मजहब बाले मुसाफिरों कहते हुए हमें लजा क्योर दुख हो रहा है कि सन् १९४७ के काले से सिया जाता है. भाम शिकायत है कि भावादियों के बदलाव रिया, सिखा धर्म के मानने बाल हिन्दू या मुसक्रमान, किसी से किसी बातें करे दुवा के साथ जिला रहे हैं. सिख नेताओं और सिख विकरी भी बढ़ो है. इससे भद्दो शिकावतें भी हो चुकी हैं. हम यह काले पाणें में, जिन्होंने हमें सारी दुनिया को निगाह में जलील कर क्षिमा' खुबा' और सदाबार पर दिया गया है. पर आज यह के बठा कर फैंक देने की दुर्दनाक घटनाएं इस महीने के शुरू तक पूजा पाठ बाहि से कहीं बढ़कर खोर सिख धर्म में 'त्याव' 'नेकी'

> الما كا الل سمار إي مجر جي اري اليك سركه مجان ال جنين ارده in such

مروق م می املا میندی ترجر میدوش کیا فیسماریی بخته احد ایرین ایران می میشود بین بخته احد ایرین ایران میشود بین بخته احد ایرین میشود بین میشود بین میشود بین بین بین میشود میشود بین میشود بیشود بی میشود بی میشود بیشود بیشود بید بی میشود بید بین میش می زبان کم عالد متعدن کا ای کا مجدد مجاد آوار کی نیخ سی مثلات ای . ول من ایک سایم دودارت رجالا مان کرمیاناک برادد مرا من من المراجع من من المراجع م Series.

شکایت ہوکہ آبا دیں سے بداری مہاں میاں بکیوں کی قداد بڑی او وہاں وہاں تراب ک بری جی بڑمی ہو۔ اس سے میڈی ترکائیں میں چھٹی دیں۔ ہم یہ باتی بڑے وکھ کے ماتھ کھ سے ہیں۔ بکھ میتاؤں مینی رئیں میں سے دونرے ذریب والے مسافروں کو اٹھا کر تھیلنگ دینے کی دردیاں کھٹٹائیں اِس مینے کے خرمی کی سنان دی بی اور مینیکٹے والیں میں زیادہ تر نام سیمہ میمائیں ای کا لیا جاتا اور عسام المنظر مام، اور یک مهادا تین کے خلاف ہی۔ پیما ایم اوی سے میں پڑھک زور یک وجم ہی وناہ ویل میما، مودا اور سلامار یہ واکن ہی بہ کئی ہے گئے ہوئے ہیں۔ الله اور دکمہ بورہ ہوکر سختاہ کہ کا کا کے سے کا کے ایس میں، んとうとのものものから مینین نے ہیں ماری وزیائی تکاہ میں دیل کردیا ، کیک دھم اینے دائے مزیدہ یاسلمان کسی سے کسی طرح ہی کم تبیں ر۔

'वीता और कुरान"

प्रका को दिलाया गया है और सब चर्चों की किताबों ने हवाते दे किता के हुए में इतिया के सब बड़े बड़े घमी की नेतक-पंडत सुन्दरनात

सिको बतमाया ग वा है.

भीर इसलाम दोनों को इन दो भागर पुस्तकों की सब्बी जानकारी तर्श्वमा दिया गंदा है. यह भी बताया गदा है कि . कुरान में जेहाद-शक्ति करना चार्ट उन्हें इस किनाय को आहर पढ़ना चाहिये. शकिका, पासिरत, जमत, जहबान, काकिर वरीरा किस कहा गया है. ह्यंत्रें जीर पह एक बात पर कुटान की तालीम को बयान किया वा है, इस में कुटान को पांच सी से उत्पर कायतों को लक्ष्मी को लीग तब धर्मों की एकता की समस्त्रा बाह या दिन्दू बन वाखिर में इरान से पहले की घरन की हानत, कुरान के.

जिल्ड बंबी किताब की कीमत सिर्फ ढाई क्षय. डाक खर्च शलग. विकारटों में चत्रा बलग मिल सकती है. पीने तीन सी सके की सुन्दर किता आसान दिन्द्रसानो अज्ञान में, नागरी और वर्द दोनों ४८ बाई का बाध, इताहाबाद मैनेबर 'नवा हिन्द"

الما الماقة الموادية الله على الله الروسيد دهر مول كر كتابون حدوال THE PLAN

آغو بین قوآن سے پہلے عرب کی حالت، قرآن کے ہویں اور ایک ایک بات پر قرآن کی تعلیم کودیاں کیا گیا ہے۔ اسیں اور آن کی بالیج سو سے اوپر آئیٹوں کا لفظی ترجمہ دیا گیا ہے۔ آپر آئیٹوں کا لفظی ترجمہ دیا گیا ہے۔ اید بھی ہاتا گیا ہے۔ تقاب دستنائی زبان میں ناگری اور اُردو دوفوں ا لکھاوگوں میں الگ الگ مل مکتی ہے۔ پوٹے تین سو صفحے کی سند همورم اور اسلام دونوں کی ان دو اسر پستکوں کی -بھی جانگاری خاصل کو نا چاہیں آنہیں اس کتاب کو ضرور پڑھنا چاہئے۔ جو لوگ سب دمورن کی ایکتا کو استهمنا جاهیی یا مندو ٨٣ - باتي كا باغ، المأيان جلد بندهی کتاب کی قیمت صرف تعالی رویده - داک خرج الک جهنم کافر وفهوا کسے که کیا ہے۔

Printer—Bishambhar Nath, Vishwavani Press, South Malaka, Allahabad.

Publisher-Isishambhar Nath for Hindustani Culture Society, 48 Bai ka Bagh, Allahabada

मेरोडेन्ट न्या तेव ब्याहर सम् ; बार्स मेरोडेन्ट -المعيد خواجه بولون ميد سليمان المحامة ماه فحم المحامة والمحامة المحامة Territory and a second second

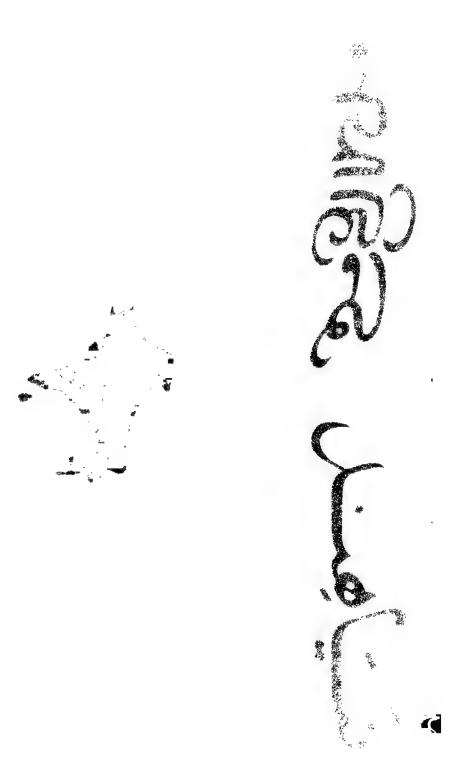
्रिश्च महात्मा गान्ती रीव, डोट बन्तरे. EL WATER

differ enfert, breen c. c. c.

الیک ایسی مندستان علور تا بردان اور پرواز استاد العالم ال

والم المراقع المرون المالي المواون ال

المذك ، او سهاقينا كاندهن رود فوره يسبقي



ulaet-

र•हमारीराय		निय बर्च का सन्द	at a feet	किस्तरतानी कर्न	भारती स्टबल क्रा	u पासलपन (कहानी)— भी झानचन्द	मा बलात स	B HORRE OF SHIP	प्रकृति स्रोत साह	- गाम बहीमश्री श्यास वीचित	
		क्रा सर्व का सन्देश, भारत वर्ष को—भाई क्रव्डल हलीम	का भगदा—'अकरम'	बर श्रीर संगीत-पंज	क्षाना क्षेत्रक वाहित—श्री स्तन लाल बसला भ	ते)श्री झानचन्द	क्ष्म लेकिति सभ्यता श्री किशोरलाल मरारू वाला	में-भी बरन सरन	न्सडा० अगवानस	ध्याम वीचित	
	:	राई प्राब्द्रन हलीम	साहब इनाहावादी	गनेश प्रसाद दिवेदी	सल				30		
.20	१ ६१	-	.At .AR	20	** 94	*** ***	~** .~*.	११२	33		

क्रीयत-हिन्दुरतान में है क्यए साल. बाहर इस क्यए साल. एक

परका दस आते.

अटबारे का बाग, इलाहाबाइ

神のないない

'नया हिन्द'

49	€.	3.	7	69	ď	>	*		-0	٠.	3
i	•	كو - بهائى عبدالط	صاحب المآواهي	كنيش پرساددوويدي	ينسل	1 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	لال مشوو والا	الله الله الله الله الله الله الله الله	قداس		
.	***	، بهاری ورش	- 15tg	سنگيت - شوي	- شري و دي لاي	والم المد	جهيدا - كمور	ב הנט קנט יינ	ه - داکر بهکوا	تيام ديكشت	
1367	s)	المساقع وراق كا سدوش ، بهارت ورش كو - بهادى عبدالعليم	المساوعو اور مددي كا جهلوا - اكرام صاحب المآبادي	" مداسان والهواوو سنكيت - شوى كنيش پرساددووردي وه	المساع مي معلل واجد - شرى وقي لال ينسل	(T) 50 C+	المارم سنودي	المسيقينية في الاسي	المستعقم أور ساينس - قاكر ههكوافداس	المراع وجدم - شوى	
計議		470,7	1000		. , -	10	· -	1.2			•

التنيا هشوا منبعرا ایک پرچا دس آنے۔ والمالي عالم المالات

هندستان سي چهه روچيه سال، باهر دس روپيه سال،

महात्मा गान्धी का बलिदान

101

धन १६९६ से अमे बराबर गान्धी जी के पास आते जाते रहने जीर महीनों लगातार उनके साथ रहने का अमाग मिला है. खे दिसन्बर सन् '४७ से उनके जीवन की आखरी धड़ी तक—केवल दो दिन को छोड़ कर जब उनकी आझा से अमे दिल्ली से बाहर जान। पड़ा था—लगभग मेरा सारा समय उनहीं के बरखों हे पास बीता. आम तौर पर शाम की प्रार्थना में मैं उनके साथ साथ उनके कमरे से प्रार्थना की जगह तक जाया करता था. ३० जनवरी सन् '४८ की शाम की अमे अपने कमरे में कुछ मेश्री भाइयों से बातें करते हुए देर हो गई. मैं जल्दी से अकेला सीधा प्रार्थना की जगह पहुंचा. गान्धी जी ठीक पाँच बजे वहाँ पहुँच जाया करते थे. उस दिन पाँच बज इस सिनद हो गए थे. वह अमी तक नहीं पहुँचे थे. मैं सोच की रहा बा कि इसने में बह आते दिलाई दिथे. प्रार्थना के मैहान की

Mrs Carelle

बन्नतां रहा—. की तलावत, ईसाई धर्म के भजन. और उनकी यह प्यारी रामधुन से गीता पाठ बारी था. भीड़ बढ़ती जा रही थी. रात को गीता पाठ के साथ साथ, बीच बीच में, प्रन्थ साहब से पाठ. कुरान रारीक पर लगी रही. कमरे में रोती हुई आवाजों के साथ साथ कोर जोर मेरी निगाह इसके बहुत देर बाद तक टकटक! की तरह उनके चेहरे गई हो. मुसकराहट का गुम होना ही उनका क्याखिरी साँस लेना था. हुई. चेहरा कुछ गम्भीर हो गया, सानो एकदम गहरी नींद आ यह सुसकराहट क्ररीब क्ररीब पाँच बज कर पर्वास मिनट पर गुस कहें ओड़ा बढ़त होश जरूर था. चेहरे पर लाफ ग्रसकराहट थी. बपने कमरे में बिछौने पर लाकर लिटा दिए गए उस बक्त तक कपकों पर या झौर कहीं बहुत कम ृखून लग पाया—गांधी जी जब थे. उन्हें कौरन उठाकर उनके कमरे में पहुँचा दिया गया. खून के में लगी. सब के। हाथ जोड़ कर 'हे राम!' उनके आखिरी शब्द इख भाइयों ने तुरन्त गोली के निशानों पर ड गर्ला रख दी जिससे इन्छ कतरे उस जगह पर गिरे जहाँ वह खुद गोलीस्थाकर गिरे थे. हैं कि उन्हें गोली पाँच बज कर बारह और तेरह मिनट के बीच की कतारों के बीच आए कि अचानक तीन फायर हुए. बाद का हाल दुनिया भर के श्रखनारों में ह्रप चुका है. मेरा श्रपना श्रन्हाजा बार पाँच सीदियाँ बढ़ने के बाद ज्योंही वह दोनों तरफ के बादिसयों

सबको सम्मति दे भगवान ईरवर अल्लाह तेरे नाम

عيسال وحرم ك جعين اور أن كى ير بيارى ام ومعن على ري ما تقود في الله المرتفع صاحب سي ما تقورة قرآن ترفيد كي الاوتا ارد در در در در ساسع ساتفر دور زور سے کیتا پاتھ اماری تھا بخیر برطعتی جارای تھی. رات کو کیتا پاتھ کے ساتھ ایرین سیسی سازی تھی۔ رات کو کیتا پاتھ کے ساتھ الدويون كى قطارون كے بيج أئے كر اجا كا بن فاير اوسك . فيما مال دُنیا بھرے اضادوں میں تھیب جبکا تور مرا ابنا اندازہ او کوم معمین کولی بائے زیمکر بارہ اور تیرہ منٹ کے نہیج میں إلى مراهال جريف ك بدجون أي وه ددول ون ادیر بیتریکالی کی طرح ان سے جیرے پر کلی ری کی ہے دوق عیل اوازوں سے ساتھ ساتھ زور زور سے کیتا یا يهنا بي تون ما احدى سائن لين التها . م

से हर ऋदम पर बचने की कोशिश करते रहते हैं. नेताओं से बातें करते हैं तो मैं यह देख कर दंग रह जाता हूँ कि किस सावधानी के साथ त्राप हिन्सा के बारीक से बारीक रूपों नहीं, बाल बराबर भी सच्चाई से तो नहीं हट रहे हैं, दिल के एक दिन बापूसे कहा थाकि आर्थाप जब दूस्तों से याकाँमें स 🕏, पूरी समक्त और अपनी पूरी जानकारी से काम ले रहे हें या बन्दर कहीं कोच की रमक तो नहीं है इत्यादि. हाल ही में मैं ने कोई नापाक बास तो नहीं कर रहे हैं, स्वाद के बस तो नहीं स्वारहे रहते ये कि कहीं वह अधीर तो नहीं हो रहे हैं, चमा के असूल में, पीने में, किसी से बात करने में, बहुस करने में, किसी चीज बसर से तो नहीं कर रहे हैं, इसरे का हक तो नहीं छीन रहें हैं, का बल्लंघन तो नहीं कर रहे हैं, कोई बात खुदी या चहंकार के बात भीर हर किक्ररे में वह बराबर अन्दर ही अन्दर, देखते पर राय कायम करने में, कोई भी छोटा बड़ा क़र्म उठाने में, हर पग पर अपने आप को अन्दरकी कसीटा पर कसना था. खाने के भी बेग्रुमार पहला होते हैं. गान्धी जी की जिन्दगी का बह पहिंदू जो मुक्ते सबसे ज्यादा अपनी तरफ खींचता था उनका पग के बहुत से पहला होते हैं. महापुरुषों की किन्स्गी

में गान्धी जी से अपने लगभग तीस बरस के साथ से यह कह सकता हूँ कि झगर कोई आदमी मैंने गीता के अनुसार या खोग सूत्रों के अनुसार या मनु के दस लक्त्रांं के अनुसार खीबन क्याने की कोशिश करते हुए देखा है तो गान्धी जी को. इस निगाह से वे एक आदर्श पुरुष थे. इस बारे में उनकी जिन्हगी

नया हिन्स

महात्मा नान्धी की जिन्दगी से बनमोल श्रमली सबक्त सीख श्री. जिस किसी के दिल में भी दीन या धर्म की प्यास हो वह थी क्योंकि वह धर्मकी इस कसीटी पर कस कर सामने द्याती षर्मात्मा श्रीर सच्चे दीनदार थे. डनकी राजनीत भी इसीलिये ऊँची ईसाई थे. उनकी जिन्दगी सब धर्मों का संगम थी. वह चादरों उँचे से उँचे गुसलमान सूफियों की जिन्दगी से मिलती थी. इमाम इमिटेशन बाफ काइस्ट' के लेखक केंग्पिस के बानुसार वह सक्चे **तिचाली के मुताबिक्न वह सच्चे सूकी बौर सच्चे मुसलमान थे**।

3 - 2 - 8C

नहें दिल्ली.

—सुन्दर लाल

دل میں بنجی دین یا دھوم کی بیاس ہو مدہ مہاتا کا زھی کی ز سے انمذل علی سیق سیکھسکت ہی ۔ حركول كاستكم تعي . وه كورش وع ان کی دلری فیٹی بھی اسی ملے اوپی موٹی پرکس کر سامنے کاتی تھی ۔ ح س کے افسار وہ ان کی زندل س

マターてしを



जात आदर्सा, प्रेम घम है. हिन्दुरनानी बोर्ला. 'नया हिन्द' पहुँचेगा घर घर लिय प्रेम की फोर्ला.

राम-रहीम

(बी रयाम दीचित)

बन्दे सबका भला किये जा श्री भर कर जीते दे सबका सुम्ब से आप जिये जा श्रीपस में लड़ने की तुमकी किसने बात सिखाई? छोड़ भलाई का दामन क्यों बॉधी गाँठ बुराई? नैन खोल कर देख जगत में सब हैं भाई भाई मन मंदिर के ठाइस से तु कर ले प्रेम सगाई

مع مراب و مرب و مرب المديم المرب ال

बन्दे सबका भला किये जा

या हिन्द राम प्रहीम फरवरी सन् '४८ कौसर के त्याले में जमजेम भर ले और पियं जा

बन्दें सब का भला किये जा सुबद्द निकलता है जब सूरज अगमरा मब जग होता धीर रात की चन्द्र ज्याति में मानव जी भर मोता जसके यहाँ न हिन्दू-हिन्दू सुमिलम-सुमिलिम होता कुद्दत के पत्तने में पलता, हमिता, याता, योता हिने भी दुनिया की खपना प्रेम हिये जा

एक बिता पर बढ़ जाता है पल भर में खो जाता श्रीर दूसरा भी सजार में चुप होकर सो जाता फिर न लौट कर श्रा पाता है एक बार जो जाता यह गरूर से भरा हुआ। तन थूल थूल हो जाता केवल श्रपना भला न करता, सबका भला किये जा

(मधुकर' से)

बन्दे सबका भला कियं जा

Company of the property of the

मज़हब और साइन्स

(डा० भगवान दास. बनारस)

खान पान. आचार विचार सब पर धर्म की गहरी छाप रहती है. तक कि रामन कैथालिक किरके के ईसाइयों के भी रहन महन. रहता है. हिन्दू मुसलमान. यहुदी पारसी. कन्क्यूशियस यहां बड़े मजहब. जिनके नाम लेबा इम समय मौजूह हैं, और लग-स्रियाल साइन्स की तरफ ब्यादा भुकते हैं. दुनिया के सब बड़े की तरक ज्यादा जाते हैं झौर झाज कल के वोरप बालों के इनमें से हर मजहब बाला हर बात में यही सोचना है कि उसका में पैदा हुए. एशिया वालों की सारी जिन्दगी पर मजहब छाया भग वह सब भो जिनके नामलेबा अपब नहीं रहे. एशिया ही इनसाक, नेकी झौर सचाई पर ज्यादा जोर दिया जाता है और रीत मजहब क्या चाहता है. नए मजहवों में पुराने मजहवों की निस्वत इतना ज्यादा नहीं कसन जितना इनसे पुरान सजहब. पर हालत इन आयादमी की रात दिन की जिल्डार्ग और उसके छोटे छोटे कामों को रिवाज पर कम. इसी लिये बौद्ध. जैन और मिल मजहब शायट मजह बांक मानने वालों की भी क़रीब क़रीब यहां है. यह बात मशहूर है कि एशिया अनों के विचार धर्म मजहब

सब मजहब मानते हैं कि आहमी का नाता हर समय किसी ऐसा बड़ी शक्ति के साथ जुड़ा हुआ है जो हमारे ऊपरी हाथ. आंख, कान की पहुँच से बाहर है. आहमी की दुनियाबी जिन्हगी वड़ दरजे तक उस शक्ति के आधीन हैं. बह शक्ति इस जिन्हगी के बाद भी

शरवरी सन् 'क्ष्ट

फिक में हम अपनी यह दुनिया बिगाड़ लेते हैं, बढ़ जाती है कि बीमारी बन जाती है स्रौर दूसरी दुनिया की बेजा दूसरी दुनिया की तरफ जाती रहती हैं. कभी कभी यह चीच इतनी आत्मा कहें. इसी लिये इन मजहवों के मानने बालों की निगाह अपना काम करती रहती है, चाहे उसे हम ईरवर या ख़ुदा कहें या

जो इन्हीं बातों में बाल की खाल निकालने लगते हैं. झोटी छोटी मुक्तसे पूछ ताछ की जावेगी. हर मजहब अपने जमाने, मुल्क और हालत के सुताबिक इस फर्च को पूरा करने की कोशिश भी करता है. धारे घीरे हर सजहब में कुछ ठेकेदार पैदा हो जाते हैं यहां तक कि जो रास्ता आगर समक्ष कर चला जाता तो नेकी और बेज़ान होने लगता है. उसका लचीलापन जाता रहता है. वह बातों पर बेजा जोर देने लगते हैं. उनका मजहब उस, कट्टर और भलाई का रास्ता होता, वहीं बड़ी झौर चरवाड़ी का रास्ता बन जाता है चिपटता है कि जरूरी श्रीर काम की चोजों को भूल जाता है भी नहीं बदल सकता. वह निकम्मी. ग्रेंर खरूरी चीचों को इतना खमाने की जरूरत के मुताबिक अपने छोटे मोटे रीत रिवाओं की क्या खाऊँ पिऊँ, कैसे रहूं सहूं कैसे रोची कमाऊं. क्या काम के हर कास में मुक्ते रास्ता दिखावे—मैं ≆या खर्च करूं, क्या पहरूँ, कर्क बरोरा. क्यों कि एक न एक दिन इन सक कामों के लिये हर धर्म का मानने वाला यह चाहता है कि मेरा धर्म जिन्दगी

जो समाज के श्रागे श्रागे चलते थे, उन सब चीजों की तरफ रे हालत लीजिय. बहुत थोड़े दिनों पहले तक यारप के वह सोचने वाले यह ता एशिया बालों की हालत रही. अब जरा योरप की

وماع كالري المع على تقالان من جزون كالون ع

فرب الارماس

اور بربادی کا دارسترین جاتا ہی۔ یہ قراریشیا والل کی حالت رہی۔ آپ ڈرا فورپ کی حالت کیچے۔ مہت محلودے ووں سکتا یک فورپ سے وہ سوجیت ملسکے يرون كي ريد ريد سون كي دوزي كاون كيالا كرون وفيروي क्या हिन्द मजह कीर साह से करवरी सन '४८ वित दिन वेपरवाह होते जाते थे जो हमारे बहरी हाथ. कान, आंख, नक की पहुँच से बाहर हैं. गोया उन्हें इन चीचों से कोई बासा ही नहीं. तरह तरह को साइ-सों के अन्दर भी इस तरह की बाहर से बारा है जिनके विना काम नहीं चल सकता. कीर यह साइ-सें लोगों को बारवार आगाह करती रहती हैं कि हाथ. कान, आंख, नाक के पहुँच के अन्दर की बीचों और इनकी पहुँच से बाहर की चीचों होनों में गहरा और अदूट नाता है. फिर भी योर प वालों का खयाल दूसरी दुनिया की तरफ नहीं गया. पर इस दुनिया में शतना ज्यादा फंस गया कि वहां के लोग हमसे भी ज्यादा बुर रोग के शिकार हा गय जिससे हा अयंकर महायुद्ध हो चुके और सीसरे उनसे ज्यादा अयंकर महायुद्ध हो चुके

हमें आगर यह देखता है कि एशिया बालों के तरह तरह के मजहबी बिचारों में कोई एकता है या नहीं ते। हमें आलग आलग आमें का मुकाबला करना होगा. ऐसे ही यह देखने के लिये कि सेहप बालों के अपने खयालों में एकता है या नहीं हमें आलग साइन्सों और साइन्स वालों के खयालों का मुकाबला अलग साइन्सों और साइन्स वालों के खयालों का मुकाबला

कुछ लोग कहते हैं कि सब साइन्सों की बुनियादा एकता साफ दिखाई देती हैं और मजहबों के लड़ाई. फताई और फरक भो बतने ही साफ नचर आते हैं. दूसरे लोग कहते हैं कि नई नई साइन्सों के रांच के तए नए असूल. डाक्टरी की नई नई द्वाएं. नई मेई स्नाजों के नए नए नए जसूल. डाक्टरी की नई नई द्वाएं. नई मेई स्नाजों के नए नए नतीजे बता रहे हैं कि साइन्सों और साइन्स में में के के तथ नकता नहीं बात यह है कि जैसे अवहबों में

करवरी सन् '४=

नतीजा है हमारे श्रन्दर के शैतान. हमारी . खुदी. हमारे स्वार्थ श्रौर और दोनों के। बदनाम करते हैं. लिये साइन्स झौर मजहब दोनों का गलत इस्तेमाल कर लेते हैं से कहीं ज्यादा मारकाट की है. पर यह सब भगड़े न सज्बी होती हैं. सल्तनतों और कूटनीति की वाँदी बनकर साइन्स ने सजहब बीर कट्टरता साइन्सों में भी होती है. बंधी मानताएं भी दोनों में तंगनवरी और कटरता होती है वैसे ही अपने ढंग की तंगनवरी साइन्स का नतीजा हैं छौर न सच्चे धर्म या मजहब कां. यह हमारे ऋहंकार का. हम घपनी छोटी. भूठी और चन्दरोजा रारजों के

को न इस एक दूसरे को समक्त पाते चौर न सिल कर रह सकते. आदमी एक से दिलाई देते हैं और एक तरह सोचते हैं. नहीं नास दे। रंगा रंगी ब्लौर बहुरूप का है. फिर भी एक द्रजे तक सब एक से नहीं होते. केई दे दिमारा एक तरह नहीं चलते. दुनिया दर्शनशास्त्र यानी फलसके भौर विद्वानों का काम है. केई दो चेहरे श्रीर यही मजहब की. इस एकता की दरशाना और चमकाना ज़ एक और डाल पत्ते अलग अलग. यही बात साइन्स की है देखना चाहते हैं डन्हें एकता दिखाई देती है और जो भगड़े देखना चाहता है, ब्यीर जो वह चाहता है वही देख लेता है. जो एकता दो पहलुकों के बीच में होती है. सच यह है कि दुनिया की सब चीजों में बुनियादी बातों में एकता है और ऊपनी बातों में फरक को ठीक ठीक देखना चाहते हैं वह दोनों की देखलेते हैं. संचाई हमेशा बाहते हैं उन्हें भगड़े दिलाई देते हैं. जे। बेलाग होकर दोनों पहलुखों हर आत्मी के अन्दर जो कुछ होता है वहीं वह बाहर देखना

میں تریادہ مارکات کی اور کروڑ تیتی کی یاندی میں کو سائنس نے غرب ہے۔
کمیں تریادہ مارکات کی اور بررس مجھاؤے زیتی سائنس کا میتحد
میں اور نہ ہج وحرم یا فرہب کا ۔ یہ نیجہ بی بہارے افدر سے
میسوی مجھول اور چند روزہ عرضوں کے لئے سائنس اور غرب دھلی سنگ نکی اور کوشا ہیں ہی ویے ہی اپنے ڈھٹاک کی تنگ نفوی احد مرة ما سأنسول مين مجي يوتي إو . اندعي مانتائي بجي دوفل مي يوتي فالإنعاش

ما غلط استمال كرفية بي او دوق كو مذام كرف ين .

ادى كم اخد جو فيه ايوا الاوي وه بابر دفيها جابها إلا العين الم المدي يوفيه الموا الاوي المدي المنا الله الموا المنا ولينا جينا جابها إلا العين المنات بي المنت ادر میکانا درخی شارم لینی فلسفه اور ودواند کا کام یک کون و و ایک وای سین طبخه مین ایم و ایک وای سین طبخه مین ایم و درج سی ایک و مین ایک درج سی سین ایم وی ایک درج سین ایم سین ایک وی سویته ای سین ایم وی ایک وی سویته ای سین ایم وی ایک وی سویته ای سین ایم وی ایک وی سین ایک وی ایک وی سین ایک وی ایک وی ایک وی ایک وی ایک وی سین ایک وی ایک وی ایک وی ایک وی ایک وی سین ایک وی ایک وی ایک وی ایک وی سین ایک وی ای وزيم الم دومره كا مجمع باست اور نه فل مد مه محت الك . يمي بات سائنس كى إير الديمي مرب كى . إن ايكا كو درخانا

रक्षने और घाने बढ़ाने के लिये सब मजहबाँ की बुनियारी बह एकंता ही हमारी बायसी हमदर्शी, मेल मिलाप और सारी एकता को देखना. समम्तना चौर सामने लाना जरूरी है. सम्बंता, तहचीय की जड़ हैं. इसी इतसानी तहचीय का जिन्दा

्र सागदाद और दुरामनो और एशिया, खासकर हिन्दुस्तान में, इसारे जातपात खुत्राखूत और मजहब के नाम पर लड़ाई दंगे देनी बाहिये. योरप के झन्दर मुल्क मुल्क के बीच लड़ाइयां, है कि वह इस एकता के। सामने लावें, चमकावें और फैलावें जो लोग . खुद इस सर्वाई को देख सकें, उन्हें आगर परिाया भौर योरप दोनों की करोड़ों जनग से प्रेम हैं तो उनका धर्म दिखा रहे हैं कि हमारी निगाहें इस एकता पर कम और ऊपरी ताकि रोत रिवाज के करक को बीजें भी इस एकता ही के रंग में रंगी रहें. इनसानी क्रीम के प्रेमियों के। अपनी पूरी ताक़त इस काम में लगा सिबयतों और सब उमरों के लोगों का अपनी अपनी शक्ति के गुलामी, बरबादो, लूट झौर मुसीबतों का कारन है. दोनों जगह करकों पर ज्यादा रहतो हैं. यही दोनों जगह की जाम जनता की सब दुनिया को ठीक ठीक जिस्सानी श्रीर रूहानी दोनों तरह अनुसार काम और अपना अपनी चल्रत का सामान मिल सके. श्रीर मजहब श्रीर साइन्स भी एक हैं. उनके सामने एक ऐसे है कि लोगों के। समकाया जाने कि मजहन मजहन सन एक हैं श्रमन, प्रेम, शान्ति श्रौर खुशहालों के बढ़ाने का तरीका यही इनसानी संगठन का नक्तशा मेश किया जावे जिसमें सब

ریر ایکتا کا داری البری محددی امیل لماپ اور ماری مجعیدتا اترزی کی جزر ای دانسانی ترزیب کو زنده مصن امداک برصائے کے لئے مب خدمون کی بخیادی ایکیا کو دکھیزا انجھیٹا اور سائنے لانا فروری آبی۔ جو لوک خود اس سچانی کو دکھیرسکیں انھیں اگر اکریٹ یا اور خديب اعدمائنس ئ تمال بيفات كا يما طابة او.

्र क्रिकार नाउँचाने का यही नरीका है.

غديب اعدمانس

सबको बपना भाई समस्त्रकर एक दूसरे से प्रेम करना सीखेंगे. एक हैं तब लोगों के दिस्न एक दूसरे के नजदोक आवंगे और वह झगर बन्हें यह बताया जावेगा कि बुनियादी वातों में सब मजहब व्यपने वालग व्यलग सचहवों के नास पर लड़ते रहेंगे. दूसरी तरफ में भी सब मजहब एक दूसरे के खिलाफ हैं, तब तक लोग अपने 🕻 जन तक लोगों को यह बताया जाता रहेगा कि चुनियादी वातों मबद्द की बरूरत रहेगी और उससे उन्हें तसक्षी भी मिलेगी, ऐसे ही है जैसे रोग को दूर करने के लिय शरोर का सार डालने की कोरिश. जब तक दुनिया में दुख और सीत हैं तब तक लोगों को समादों की बजह से माजहब को दुनिया से मिटाने की कोशिश ऐसी संबद्ध के नाम पर कान्डे दुनिया में हुए हैं और होंगे. पर इन

सकेंगे, जिसमें हर एक को सबके भले में अपना भला दिखाई देगा जिसे साइन्टिकिक भजहब या भजहबा साइन्स का जमाना कह सबहब और साइंस की एकता दरशाई और समभाई जावेगी घौर सब सबके भले में लगेंगे. कौर स्रोग उसे समकेंगे तब एक नया जमाना शुरू होगा इस तरह जब लांगों को सब मजहबों की एकता और

इस चीज को भी समक्त लेंगे कि मजहब श्रलग श्रलग नहीं है बर्तिक स्वेष मध्यद्वं एक ही अध्यद्वं हैं. ज्ञास्तीर में हम देखेंगे कि एक साध्य्या की रोबाजी में क्वीर उसका भवद स लोग बहुत जल्दी आसीन आसेग नहीं हैं, बल्कि सब साइन्सें एक ही साइन्स हैं. उसी बाब बड़े बड़े साइन्सरां यह सम्भने और कहने लगे हैं कि साइन्सें बोड़े ऐिनों पहले तक साइन्सों साइन्सों में भी काफी कर्क था. पर

ازاد کوملین کا می میں ہرائی کو سب کے کھلے میں ایزا کھا! وکھائی دیکا اور سب سے کھلے میں کلیں کائی فرق ہوا محقورے وفن سلے بہ سانسوں سانسوں میں ہی کائی فرق ہوا میں ایک نیس میں کنرس سانسوں ایک ایک سانسوں ہوا ایک سانس کی وہنی میں اور اس کی مدد سے لوگ جستان ہوا دی چنرمومی مجھ میں ملح کر غرب الک الگ ملی میں وہ بكرس ايك إى مذب ين ، كافير على ام وقعيل على كر رمترن يا خابي ر جب بھی وی میں ویکہ اور موت ہیں ت بھی المکل کو خاب کی موان دھیجائی اور اس سے مجتمعیں تسلی بھی ساتھی ۔ الیے بھی جب بھی الحالوں کو ذہب کے جم پر جکڑے دنیا میں اوسے لی اور ایوں گے ۔ بر ال جھڑوں کی دھر سے ذہب کو دنیا سے مثالث کی کوشنق الیسی ای او جیسے دیگی کو دو کرنے کے لئے فرد کو یارڈالٹے کی کوشنق۔ ب غرب ایک جی تن فکل ک حل ایک دومرے کے زندیک ا اور وہ سب کو اینا بھالی مجھیر ایک دومرے سے بریم کوا سے صیبی اس طرح جب فکل کو سب غدابیوں کی ایکتا اور غرب کے اس خرب کے اس کا استحقال میں ایکتا اور خراج کھیا ہے۔

ما شس کی ایکتا درمتان اور مجھالی جادے کی اور فوک اس محقیق میں بیا خانج کا ایک بیا زندہ کے ایک کھیا ہے۔

ما شس کی بیکتا درمتان اور مجھالی جادے کی اور فوک اس محقیق میں بیا خانج کے ایک بیا زندہ کے ایک کھیا ہے۔ ے بتایا جاتا دیم کا کوئیادی باقل میں بھی سب خرب ایک وود خلات ہیں، تربیمی کوگ اپنے اپنے الک الگ خدیوں کے نام پا دي کے دوري طون الرائفيں يہ بتايا جامستا كاكر تبادى ا

साहन्त और सबहब भी दोनों एक ही सबाई के रो उस हैं, एक बना सकते हैं. मजहब मजहब और साइन्स और मजहब की सकते हैं भीर इस दुनिया और दूसरी दुनिया दोनों में उसे काम का एकता में ही इसार्रा रूड या चात्सा के चागे के रास्ते खुल सकते हैं. ही हुक्कीकत है जिसकी रोशनों में इस अपनी जिल्हारी का समस

को ब्रमाकर उसे फिर से चमकाया, उसमें नई जान डाली, बारुरत पड़ी, किसी महान् झात्सा ने झपने तप, अपने बन्दर की ह्यानी आग से उसी पुराने सनातन मजहब के ऊपर के मैल पहचानी तक नहीं जा सकतों थी. एक नए मजहबी ऐलान की मानताचों से इतने ढक गए थे कि बनकी असली शुरू की शकत गैरजरूरी निकन्मी बातों, ग्रह्मत रीत रिवाजों और फूठी श्रंथी क्तिये भाया है कि उससे पहले का मजहब या पहले के मजहब इसका नए सिरे से ऐलान किया, इसकी बुनियादी सचाइयों की तसदीक की. ढांचा बदल गया, चीज बही थी. शब्द बदले. दुनिया में जब जब कोई नया मजहब झाया है तब तब इस

नया, पर श्रसल में वहां ठयापक. आलमगीर, साइन्टिफिक, इनमानी नए धर्म का ऐलान न होगा. वह हो सकता है कुछ लोगों के लिय तरह के महापुरुष जो कहना था सब कह गए. जरूरत है सब सब-धर्म होगां, जिसके लिये किसी नए महापुरुव की जरूरत न होगी. उस हवों और सब साइन्सं के सोचने वालों के मिलकर उन बुनियादी वृत्ताहर्गों को चसकाते की तो सब मजहवों और सब साइन्सों की श्रव इस जमाने में जिस नए ऐलान की जरूरत है वह भी किसी

خرب اورماكس

معی اطلای کی خرمت بڑی بہتی مہان اتنا نے بہت تی المیدی المیدی میں اتنا کی شد کے بہتی ہوائی اس کے ایک میں ان اتنا کی سے ان اور کے بہتی اور کے بہتی اور کا ایک کے بہتی اور کا ایک کا ایک کے بہتی اور کی بہتی بہتی اور کی بہتی او of the property of the property of

the fear the stat dies to set set teil sie

जब और जान हैं. यह काम शुरू भी हो जुका है. हसे बढ़ाना, के लाव और रूप हेना है.

मखहब और तार हना है.

मखहब और सारन्स एक हूसरे के कितने नजदीक आते जा रहे हैं, इसे सममने के लिये दुनिया के कुछ बड़े साइन्स बालों के विचार वीचे जाते हैं—

योरापियन साइन्स के नामी पंडित सर ब्योलिबर लाज ने मौत के बाद को जिन्दगी और रूह के बारे में बात करते हुए सन् १९३०

"इसमें शक नहीं वह बक़्त नजब्दीफ आ रहा है जब साइन्स इन नय मैदानों में घुसेगी और उनका हाल जानने की कोशिश करेगी... सब यह है कि हम एक ऐसी कहानी दुनिया में रहे रहे हैं जो इस मारी दुनिया पर हाबी हैं. बह रहानी दुनिया पर बड़ी और सबी दुनिया है. बह सदा हमारे पास हैं. डसकी ज़बरदस्त ताक़तों के। हमने डममें डुब्ब डुब्ब समम्मना श्रुरू किया हैं. ज्ञगर हमें यह मरोसा और हैं जो इस त्यक्ली न होती कि वह ज़बरदस्त ताक़तों एक ऐसी शक्ति के मातहत हैं जो सबका भला चाहती हैं, सब के बाप की तरह हैं और जिसका मेंट बटने की गाल हाती हैं, सब के बाप की तरह हैं और जिसका मेंट बटने की गाल हाती हैं समारे लिये बड़ी डरावनी होतीं.

मेरा सर्वाष हमारी बालग बालग बात्माकों से नहीं है, बल्कि उस था आत्सा ही मारी दुनिया को पैदा करता है और उसे चलाता है. होता है बात जल्टी है. अब हमें यह महसूस होने लगा है कि मन खिला है— 'पहले हम जड़ सारे के असली चीच और मन या श्रात्मा के। डससे पैदा हो जाने वाली चीज समभते थे. श्रव मालूम भेट हटेन की रायल सांसाइटी के सेकेटरो सर जेम्स जीन्स ने ا مواقع المواقع المواقع مع ساري مرميس ميس المواقع الم و معلا ، معاری الله الله اتحال سيمني الا بله ا

करवरी सन् '४८

बड़ी सब जगह मीजूद बात्मा से हैं जिसके विचार चरों से हमारी अस्य अस्य अस्माएँ बनी हैं "

नामी किताब में सर जेम्स जीन्स ने लिखा था--सम् १८३३ में 'दि न्यू वैक्याउन्ड बाफ साइन

मादीयत और मादी जगत के ष्टाटल खौर ऊँचे क्रानून समके जाते थे. श्रब हम उससे शायद ज्यादा ज्यादा दूर होते जांचगे." "कनीसवीं सदी की साइन्स (क्रिक्किक्स) की खास वीख

सन् १६३७ में 'दि मिस्टीरियस यूनिवर्स' नाम की किताब में

9 शुरू में जल्दी में आकर हमने जो राय बना ली थी उसे अब हम फिर से जांचें. अब माल्स होता है कि जिसे हम जड़ माहा और त्रासती हैं और बसी का एक खहुर या रूप हैं." हक्रीक्रत सममे थे वह असल में मन या जात्मा ही से पैदा हुआ "जो नई बाते' हमें पता चली हैं उनसे हम मजबूर हैं कि

प्रोफेसर सर ए० पस० पर्बिंगटन ने हाल में कहा है....

माखूम ताकत काम कर रही है और हम यह नहीं जानते कि वह क्या कर रही हैं". 'हम आजकल इस नतीजे पर पहुंच गए हैं कि कोई शैर

येदा हुवा है." खयात ही बुनिवादा बीख है. माहा हती चेतनता ना खबाल से सीधी चीच मन, खयाल या जात्मा है. मैं सममता हूँ चेतनता या का ख्याल सिट गया. अब हमारे तजुर बों में पहली और सब से भौर "प्राजकल की साइंस (फिजिक्स) में से बेजान माइ

> فرصى شطيم معتلا عي فين يو بيك يراؤيد أن رامن المن الله تاب ع چی سب بلر موجع آما سے اومیں کے دجار دروں سے ہادی الک الگ مراح میں بن این " را اس را دروں م خرب اعدمائنس مرجين جنس خاكما تغا-

جاتیروں معدی کی ساکن (فرکس) کی خاص چر باویت مدیدی جگت کے آئی اور اوچ کالیں کے جائے تتے۔ اب ہم اس سے خاید زیادہ محلہ ہوئے جائیں گے۔"

معلم من دوى مرفيين ونيدن الكان يد المفل

من عمال إلا الديم المجل على الله الميتنا يا ميال الما الدي الميا "なるか、こうなりにないる

न्य मचह्य भौर साइंस करवरी सन् '४८

्र शिलाटे स्पेन्सर ने सन् १६०० के क्यों ब श्वस्ती साल की उमर में कहा था--

"जिस चीज को मैं 'हमारे जानने की पहुँच से परे' (अननोए-बल) कहता हूँ वह किसी तरह मजहब के। नहीं कृटती. बल्कि उसे राकत पहुंचाती है."

सब बड़े बड़े मजहबों के क़ायम करने वाले कह गए हैं कि यह हमारे ज्वानने की पहुंच से परे' चीच ही आत्मा है.

हरबटें रपेन्सर और चार्ल्स डारिबन के साथी एलफ़ हे रसल बैलेस ने अपनी किताब 'सोशल इनबाइरनमेन्ट एन्ड मारल प्रोप्नेस' में साफ लिखा हैं कि —'सुमें यक्तीन हैं कि रूह माहें को चलाती हैं,' 'वि मेट डिजाइन' (१६३४) नाम की किताब में चौदह बड़े बड़े साइन्स बाओं में अपनी सब की यह मिली हुई राय जाहिर ही हैं कि ''क्या के पिता सिंग की किताब में चौदह बड़े स्व

साइन्स बाकों से अपनी सब की यह मिली हुई राय खाहिर की है कि—"यह दुनिया बिना रूह की मशीन नहीं है. यह इत्तफाफ़ ही से यूँही नहीं बन गई है. माडे के इस परने के पीछे एक दिगारा, एक बेतन शक्ति काम कर रही है चाहे उसे हम कुछ भी नाम क्यों न दें." इस सदी का सबसे मराहर और सबसे बड़ा साईस का पंडित एकवर्ट बाइन्सटाइन कि बता है—

"में . खुदा को मानता हूँ. इस दुनिया की तरतीन में और सारी दृष्टि के सुरोले मेल में ,खुदा अपने के जाहिर करता है. मैं मानता हूँ कि सारी कुदरत में नेतनता काम कर रही है. साइन्स के काम की खुनियाद आ इसी यक्तीन पर है कि यह दुनिया यूँ ही इत्तफाक से पैदा नहीं हो गई है बल्कि इसमें एक तरतीन और मतलन है औ समक्र में आ सक्ता है."

الدر مطلب الرج مجد في اسكتا إلى"

के की एस हैं बड़ेन ने लिखा है...

साईंग ताझत न के हैं और माही चीज बल्क अप-लियत मन या सब यह है कि दुनिया या विरुष की असलियत न मादा हैं न कोई बह असल में रहानी दुनिया है जिसे हम अभी बहुत कम और बहुत अधूरा देख पाए हैं. रूहानी दुनिया ही असली दुनिया है मारमा है. "जिस दुनिया के। हम एक बांबी मशीन की तरह समके थे,

सर आयर प्रसः प्रहिंगटन ने लिखा है-

नहीं जो सकता." नाता रूइ और मन की दुनिया से हैं. इस ब्लिये मजहब को हिलाया ''यह पुराना ख्याल कि खुदा नहीं है जाता रहा. मजहब का

षार्थर एष० कीम्पटन ने लिखा है-

आला भी होता है, जिससे पूरी तरह साबित तो अभी नहीं होता. पर साक्ष्म एसा होता है कि सरने के बाद भी चेतनता या रूह ''माजूम होता है हमारा सोचना एक दरजे तक हमारे दिसाग से

या इतंका) से पता चलता है कि अनिशनत युगों या वे अन्त जमाने में बांबने बाली ताकत बुदा की ताकत है. विकासवाद (एवोल्पूरान तक ख़ुदा की सी रुद्धानी ताक्रतों वाले इंसान को पैदा करके ख़ुदा अपने आप को खादिर करता है. इससे बढ़कर ऊंचा ख्याल कोई के धन्दर प्रकृति में लगातार जान फूंक कर श्रीर श्रास्तीर में एक दर्ज त्यान के दिनाध में कामी मेदा नहीं हुआ! रावटे प. मिल्लीकान का कहना हैं—'इस टुनिया के। एक डोरे

ج. بی. ایمی . قبالان نے کھا ہو۔ صبن ونیا کہ ہم ایک اندعی سنین کی طوع مجھ تھے . وہ ال میں مدحان ونیا ہو سے ایم ایمی میت کم لار است احصدای کیم الم في ريعان ونيا اي المعلى ونيا الا مح ي الأك ونيا ا

ار جدا قبال کر خلا منیں ہوجاتا میا۔ خرب کو بایا ہیں اور اس کے خرب کو بایا ہیں اور اس کے خرب کو بایا ہیں بعراملیت من یا برای این از می ایراس مرابع این اینان ک می ایراس

فا ديناك والرازاري وراء يمكوه الما من المنان میں بازیمنے والی طاقت خاک طاقت ای کام ماد (الجولیوش یا ادکا) سے بر ملتا ہوکہ الوئیت جیل یا ہے ان ڈ کمنے میں اغد میکرتی میں لگا ار جان مجبوبات کم ہور آخیر میں ایک درجے بمی خواکی سی دومان طاقدی والے ماخس کو برید انجرم الک میں ہوتا ہو عمل سے بدی طری تابت کہ ایمی تیں ہوتا ، یہ معلی ایک ہوتا ہو۔ "
موج ایسا ہوتا ہو کرمرے کے بعد میں میشندایا معن ریتی ہو۔ "
داہرت اے فیکان کا کوتا ہو۔ " اس کوتا کو ایک شعدے مرسلم إين لويل مدينا أي دري مك بادر دري م " In with 12 12 or 10 10."

मैं तेरी कुदरत की श्रजीब-श्रजीब वीजों के। देख सक् ं!" किकिरे को दोहराता है-'पे , खुदा ! तू मेरी चाँखें लोल दे, ताकि बड़ी समरीकन यूनीवर्सिटी के दरबाखे पर खुदे हुए इस दुष्पाइया इन्सान तक सब में रुद्ध ही का जहूर है, एक बिल्कुल नई और बहुत बताने के बाद कि दरखनों, पौरों और छोटे से छोटे कीकों से लेकर खीन कि मेंट विचारन नाम की किताब में बह

गए हैं जहां पुराने भिक्ष की सजहबी कितावों से लेकर हिन्दुस्तान के 'योग' और सुकियों के 'सल्क' तक की तालीम दी जाती है. ब्रिय जास महकमें खुलते जा रहे हैं और खास प्रीकसर रखे अपरोका की यूनीवर्सिटियों में अब रूहानी बीजों की खांज के लन्दन, बौन, लेडन, लीपिबा और और बहुत सी योरप और

र से पैदा हुई. जब बह जबान हुई तो मर्जहब ने उसे खूब सताया ह्याह के प्रेम का कर्जा चुकाने के लिये एक ज्यादा ऊंचे, ज्यादा नफीस, इत्त में सबहुव को फिर से जिन्दा चौर जानदार बनाने की कोशिया क्वाहा क्षमकहारी के कौर भूठे बहुनों कौर खंधी मानताकों से पाक हुच पर:हमले किये. फिर जब बढ़ला हो चुका तो वही साइन्स श्रव धौर दुधाया. इसके बाद साइन्स ने बढ़कर बदला लिया धौर सब-आजकत को थारप की साहन्स बच्चे की हैंसियत से सजहब ही

सह क्रीसें, सब सुरुक्तें और सब इत्सानों के दिल निलंगे तब ही मुक्ड-मुक्ड भीर श्रीम-कीम के बीच की दोबारें भी टूटेंगी. तब ही सबाहब के बीच की दीबारें भी टूटे बिना नहीं रह सकतीं. तब ही जब साइन्स और मजहब के बीब की दीवारें टूटेंगी तो मजहब

> بتلٹ کے بعد کر درختیل الجدوں قدر چیوجی سے چیوج کھیوں سے اسلا اس میں میں ہوتے ہیں۔ کہ درختیل الجدوں کے اسکا انسان بیک میں ہوئے ایک باکل بنی دور ہرت ایک اور ایک انسان میں دور ازم پر کا معمدے ہوئے ایس وجائے تقرب ہوگا ایک وروازے پر کا انکھنے کا کھول دے اناک میں تری ربع. المه على وق كرف ويدائن الم كاكان على ي

Eller De Comment de Co

میں ساتھی اور خواب سے بیچی دہدیں قوشگی و خواب خواب سے بیچی دہلوں بھی قریعے برنا تہیں دہ سکتیں۔ تب بھی بھی مک مد ہم جم سے بیچی کی دہلای میں قریمی ہے۔ تب بھی مسیقیموں مسی مکھی اور سی انسانان سے دل مجھے سے بھی معيا على مناب كو يعرات زنه لعد جل طد بنات كالافتيق مي اي

कारकाल की इमारी सारी मुसीबर्ते उसी मुनहरे दिन के साने की । होगाः तक ही चाहसी चाहसी में सच्या महिचारा होगा पूनी दुनिया, शारा मानव समाज सचरुच एक मिका जुक

Will The Essential Unity Of All Religious' इस मध्यम्न पर ज्यादा जानकारी के बिये सेखक की आँभे जी

पंजाब हमें क्या सिखाता हैं लंबन-पांडत सुन्दरलाख

साबूदा हालत को ठीक तरह से सममते में इस बयान से बड़ी सदद मिलेगी. सोगों को अुगतने पड़ रहे हैं बनका बहुत हो दर्दनाक वर्णन किया है. श्राखोर में, श्राजकत की अुसीवतों को हल करने के लिये, इक सुमाव मां पेश किये हैं. हमें विश्वाप है कि पंजाब की पीवत सुन्दरक्षाल जी ने, महात्मा गांधी की सलाह से, धनन्तूषर सन्^र ५७ में पष्टिकार्या भौर पूर्वा पंजाब का दौरा किया था. इस कोटे से बयान में उन्होंने वहाँ की अयंकर रवादी और भागसी मारकाट की बजह से जो जो नतीजे

किताब उर्दू और नागरी दोनों लिखाबटों में मिल सकती है.

नीवर नेवा हर

12 - 12 The Essential Shity of All Des الا جدال جاما المحارجي كل يلدى ماري سيتين اله ادی آدی می سیخ جعال جادا ہوہ . سیرے دی کے آئے کی تبادی ہی۔ فالمية الامراص

الله ليل بخاب لا تقده كما تقا. إلى جيدة ب بال کی تعینکر بربادی احداکی مارکاف کی وج دُت مندنالي نه من کان دي کامون سي اکتورس و محدد الله والله على الله المعاولات عن الرسلتي إو - فيت ى بين کنه يي رين دخوان او كر بياب كا موده م میاں میں ترب ہیں ان کا بہت ہی درونال دیمانوریں، ایمانی کی معینتوں کومل کرنے کے لئے کا دیمانوریں، ایمانی کی معینتوں کومل کرنے کے لئے کا ميم يندن شريدال

ाणांटब की जाड़ में।

(श्री चरत सरन नाज')

ें सम्बर, मस्तिब, गिरजाघर—यह हैं पूजा के स्थान. भगवान के धर. इनमें शान्ति, दया और सबाई विराजती हैं. बावले मन कहाँ भदक रहा है. देख नो सही शायद तेर रोग की ओपधि मिल जाय,

'मंदर"

से सर कोड़, बही तुमें ठिकाना हेंगे. भूख इसका नाम न ल ं अपनिष्य लोने का साहस न कर. तूने के पैसे चढ़ांथ है ! वह इनसान को जगा जगा कर ?" चुप मूख ! शार न कर मन्दिर कार अधिरी रात में वहीं जगा सकता है जो हजारों को अधिर में मुलाकर रेक को का दापक भगवान अधि से नहीं डरते. धीमी और नाराज हो जायंगे. "ऍ! दंबता भी रात में सोते हैं. मूखे क्रोर ग़रीब हैं ? यह चढ़ावे हैं, सीने चांदा की सिलें, रूपए पैसे . क्या रुपये पैसे क्यों हैं. वी नहीं जानता ? चिरारा नहीं जानता ? रोशनी नहीं हुदानी रोशना बनके आराम के लिये हैं. नहीं समके ? बबड़ाता बिनता ? भाग जा, श्रेंघर में बसने वाले नांच, भाग जा. भगवान को बेबता उनके लिये हैं जो अमूल्य बढ़ावे बढ़ाते हैं. जा सड़क के पत्थर **भगवान के लिये रोशनी पैदा कर सकता हा. अरे! इधर क्या देखता** हैं जनके लिये मखमल के बिछीते. देख रात हैं. सबरे आता, नहीं द्वता निहीं देखें ? रोता क्यों हैं ? आखिर पैदा ही ऐसा आभागा क्यों ि वरवाया बन्द, पुत्रायां जी सी गए. भूखे इनसान यह है मंदिर. साने का कलस. संगमरमर का मूर्नियाँ खोर यह हिम्मत न कर अगवान का धर है, अगवान का धर

رسی میدا میرایم با در می بین می داند) مید، میرای دیا در سیان براجی دن اول می ایمان بیشی دیا در دی شاخی دیا در سیان براجی دن اول می داندی در بادل بیشی دیا در دیچه توسی ساید جرب دوک می دوشدهی در میائد.

الله المحالات المحالات المحالات المحالات الدين المحالات المحالات

र इनसान, गरीब का सर जाना ही अच्छा है.....उधर क्या देखता है ? , स्नामोश हो जा......क्या तेरी वकी मर गई ?— भूस से! भोले भगवान का जूटन हैं. ७ सेर मिठाई, वह गंगा जी की बहती हुई धार में बढ़ेगी; परुवीस सेर दूध में भगवान नहायेंगे; पांच मन दूध द्विके शाप दे देंगे......कहीं दुक्त पर सेठ जी के बदमाश न झूट जांच नहीं, हवन सामग्री बचने जा रही है. सेठ जी को सट्टे में ४ लाख क गोगा जी के लिये हैं. खराब होना ?—नीब ! कोई चीज खराब नहीं कायदा हुन्ना है. सहा नीच काम ! चुप बदमाश ! भगवान सुनेगें ता न रहा गया. बोल चठा, ''क्या होगा ?…… डाई मन जौ, २० सेर घी तैयार है ?"--महन्त जी ने खलकारा. नंग दिन के भूखे इनसान सं गंगा का धार तेच हो गई, पुजारी जी ने मन्दिर का पट खांला होती, न कोई बीख कम होती हैं. भगवान की माया त्रपार है..... कपूर, लोंग, चन्दन, इत्र, धूप......." फिर ब्या गया नीच ! जानता स्नान, ध्यान, पूजा, पाठ......ंसेठ डामोद्द दास की हवन सामग्री जायगा. श्रभागे ! फिर भी भूखे न रह जाना. प्रसाद लेगा ? श्रच्छा बैठ. तीन घंटे बाद भगवान का भोग लुटाया **सु**हाने समय ने भैरवी श्रलापी, चिड़ियाँ चहचहा उठीं. पवित्र

'मसजद"

सिठाइयां बार्टी. रारीष ने भी हाथ बड़ा दिया. **राायद जका**त वो सभी एक हुए". नमाच खत्स हुई. एक बुजुर्ग ने कुछ खजूर, सब बरावर हैं. ऊंच नीच की क़ैद नहीं. ''तेरे हरवार में पहुँचे है शायद. भाई, यह जगह . सूब हैं. ग़रीब को जरा ढारस हुई. यहाँ अल्लाह हो ब्यक्बर ! ऋजानें हो रही हैं! नमाज का समन

الله الله الذائق مودي بن الماري سي يوت يد. محمال. يرجم غي ہي ، غرب كه ذرا فرصائ ہيں . بهاں سب بدايہ ہيں . اوري نيك كى ميد منيں ، صرب دربار ميں شيخے تو بھى ايک دوستا : خاذ تم ميل . ايک ينك في عميم على أيان إلى عن عزيبات عن باعد يعماديا . خايد وَاوَة

नपा हिन्द ... संबद्ध की बाह में फरवरी तम् वट

तुम भी मुसलमान हो १" जपर डठाई. बांटने बाले की आंखों ने चिल्ला कर कहा—'क्या एक ही रह गया, और मिठेहयों में दो भदद नदारद. उसने आंखें बट रही थी. सगर हाय रे भाग! उसके हाथ में आकर खेजूर

क्हा—ब्हरिया हैं. तीसरे ने दो हाथ मार ही दिये. "हाय रारी वां पड़ोसी ने कहा -- किलासकर माल्म होता है. एक दूसर ने 'क्या मुसलमान और इनस्मिन में अब फर्क है ?"

कान के परे फटने लगे. भगवान का जोश का रहा था. आसिर निकली. कहते हैं कि वह कीर्तन पार्टी थी. नाजुक मिजाज अल्लाह क में देखने से भालूम हुमा—तीन मरे चौर बीस घायल. सगबान भौर खुदा से वह सयानक लड़ाई हुई कि दूसर दिन अखबार अभी जकत बट ही रही थी कि भीड़ संख और ढोल बजाती हुई

बासी क्यौर बुड्ढे खुदाक्यों कोर भगवानों को दक्षना दिया जाय. इस वेचारे ने यह देख कर सोचा कि क्या अरुक्षा हो कि इन शायर ने भी एक राग श्रलापा-

अपनों से बेर रखना, तृने बुतों से सीला तरे सनमकदों के बुत हो गए पान 'सच कहदूं ऐ विरहमन, गर तृ बुरा न माने

सच्चाई के शराब खाने से लौटता हुआ एक और मतशला

clero Jeson かんりんか

شاع نے مجمع ایک ماک الایا۔

وی که دون اے بری کرتو برائے کا بنی مرائے میرائے می المان من المان من المان من المان الم

ولاهات بي مندر مند ملى مراقي معون الا

जेगा जदल सिखाया वाइच का भी खुदा ने"

यों गुनगुना उठा-

"लड़बाते हैं मन्दिर मसजिद मेल कराती मधुशाला".

जब सच्चाई का नशा कुछ छौर गम्भीर हुआ तो कहने लगे---"प्राथेना सत कर, मत कर, मत कर"

"विजीधर"

श्रीर गुलामी का फर्क मिट जाता है.....गरीबी! बिलकुल फूट. कहीं कोई गरीब भी होता है? प्रभू मसीह! यह कैसे लोग हैं. इन्हें बेनियाची नहीं हासिल होती. बड़े दुनियादार हैं...... एक सुरीकी लय में कहने लगी, ''जवानी इसे सोचा नहीं करती''. एक मसीह, आंख में हुस्ताबाद की देवियाँ और दिल में आजीब तरह दूसरे कोने पर एक कराहती हुई बुढ़िया का अंग अंग बोल उठा. भावन सीन हैं. जन्नत की हूरें, मथुरा की खालिन लंब पर प्रभू न्ख्रज्ञबान ने कनिखयों से इशारा किया, दोनों ग्रायब कहा "दिमारा खराव है"......इस मन्दिर में आकर आजारी "जवानी का श्रंजाम !" हुरून में सरावोर एक युवती की जवानी मावाज आई "आजादी". दूसरे ने कहा "बको सत." तीसरे ने की धड़कन महं चुप रहो. प्रेयर हो रही है. एक कोने से बरा गिर्जावर की सेर कर लीजिये. श्रांह! कितना सन-

हम सभ्य हैं. ग़रीब न देख सका यह ढोंग.

م مجمع من و تريد دي الله من معرف

من به سخان کا نشر میمه اور میمه به و قد مینه سک مید سخان کا نشر میمه اور میمه به و قد مینه «ریا بیمهنا مت که : مت که : مت که !

धर्म, संस्कृति, सभ्यता

(श्री किशोरलाल घठ सराह्याला, वर्धा)
क्रायरे चाज्र जिनाह से जन पूछा गया कि क्या आप जिसलाम
का 'चिशोकेटिक' (सांध्रदायिक या मजहबी) राज कायम
करना वाहते हैं ! तन अन्होंने जिसका जोर से जिन्कार
किया. महात्मा गांधी, पंठ जनाहरलाल नेहरू और काँमें से दूसरे नेताओं ने भी जाहिर किया है कि हिन्द में हिन्दू-सांध्रदायिक
या सजहबी राज बनाने का जुनका तनिक भी जिरादा नहीं, बलिक
वैसी कोशिशों का वे सामना करेंने.

फिर भी काँग्रेस का सुसलिम लीग पर यह काहोप (किल-जाम) है कि वह पाकिस्तान में मुसलिम मजहबी राज क़ायम करना चाहता है. श्रिम के सबूत में क़ायरे-आजम कौर दूसरे सीगी नेताओं के भाषणां और वयानों में श्रिसलाम के असूल और कुगन की दिदायतों का जो बार बार जिक आता है, वह पेश किया जाता है. और यह बात जरूर है कि लीगी नेता कुआी बार कह जुके हैं कि पाकि तान अपेक श्रिसलामी राज (स्टेट) है कौर दुनिया के दूनंग ि सलामी राजों से दोस्ती बढ़ाना चाहता है.

दूसरी तरफ से गुसलिम लीग का काँमेस पर श्रिससे ठीक जुलटा श्रिलचाम हैं. करीब ८-१० साल पहले जिनाह माहब ने अपने श्रेक भाषया में कहा था कि गांधी जी—जो कांग्रेस के सब कुछ से सारे देश के गांधी श्रात्मम और गांधी सेवा संघ बनाना

المد و المرائي المرائ

اسای راجی سے دوسی بڑھانا جاہتا ہی۔
دومری طون سے مسلم لیگ کا کا گلیس کے بیای صاحب
شیک ماطا ادرام ہی۔ قریبا اس اسلم میں ہے۔ جو کا گلیس کے
فیر ایسے ایک جھائش میں کا دیمائم امداعی بیوا سکھ بنانا

हां पेशा चलाने की रस्म.) सत्य, आहिंसां, "मधाचर्य आदि मत वरोरा बाहते हैं. वे हिंदुस्तान में 'राम राज्य' क्रायम करना चाहते हैं. उन्हें किसी न किसी तरह की वर्ण व्यवस्था (बाने पीदी दर पीदी अक के तौर पर दूसरी जातियों को कुछ जगह देकर सवर्ण हिन्दुओं इन्हें पसन्य नहीं. श्रिस तरह कांग्रेस न सिर्फ हिन्दू, बल्कि सवर्षो का प्रचार करना है. खुन्हें सारी जनता को 'हिंदुकी' (Hinduize) भा राज क्रायम करना चाहती है. हिन्यू संस्था ही है. श्रीर सिर्फ नाम क्षेत्रे भर के लिये श्रीर मेहरवानी कर डाल ना है. श्रिस जमने की 'परिषम' की जिलमी तरक्की बमें, संस्कृति, सञ्चता क्रत्वरी सन् '४८

The property of the second sec

१४-१४ के दिन हुन्ने भाषणों में पं० जबाहर लाल के न्नरोंक का क्षोकशाही (बेमोक्रसी) के। व्यक्तवर क्या जानता था ? ब्रुससे कर्वा भौर बन्हें जवाब देते हुन्ने कायदे आज्ञान ने उलाहना दिया कि बर्में के थाद आया. लार्ड साउन्टबैंटेन ने अकदर कें। याद किया में पेश कर गये ? ये तीन याई तीन अलग अलग प्रकार के सदी पहले हजरत मुहम्मद पैगम्बर सोकशाही की मिसाल दुनिया बने हुन्ने दिल व दिमारा की गढ़न का परिचय देती हैं. भिस सिल सिले में श्रेक बात ध्यान में लाने लावक है. अगला

मचहनों से रंगी हुकी बोली में ही आपने कादरों पेश करते हैं, दूसरे पर मचहवी राज क्रायम करने औ स्थाद का रोप बगाते हैं. दिमायती होने से त्रिनकार करते हैं. ब्रेकिंब, दोनों ही अपने अपने विसारत खड़ी करने की खादिश रखते हैं. नुनांचे दोनों ही चेक श्रीर श्रुसी की बुनियाद पर अपने अपने राज्य की श्राजिन्दा बिस तरह दोनों राज के नेता सांप्रवाधिक-राज्य-वाद के

دهوم استسكرتي الجعيتا

من الله عام كرف كا مراد كا دوش لك تا يون

Constant and the Constant of t

अनिवयारी) से समम लेने की जरूरत है. तेष इस विषय के अरा गहरे शुतर कर तदस्य शृति (गैर

तौर पर इस समक सकेंगे. क्रकें को अपगर हम समक्त वें तो त्रिस विषय के। ज्यादा साक धुमिकन है कि धर्म, संस्कृति श्रीर सभ्यता श्रिन तोनों के

हैं अबहुल्ला या हसन न होते हुन्ने भगवान दास या मीना भाजी हो. इसेर बाहे वह पाजामा जीर क्षेत्र के बजाय घोती और पगवी बांबता हो, फिर भी वह मुसलमान ही है. े क्या जा सकता है. अंसा मानने बाले का नाम बाहे उसके सिवा और केखी देव नहीं. मुहम्मद श्रुसका पैगम्बर है, श्रुपान उसकी भेजी हुई किताब है, और नमाज, रोजा. जकात बगेरा असके पांच लास (सुरूष) हुक्म हैं' का से महज्जब से सुसलमान बो खादमी बिस बात में यक्तीन करता हो कि बल्लाह क्रोक है,

में से चौर चुन में बताके हुको देव, जनतार, तीर्थंकर जादि में से किसी न किसी में अदा रखता है. पुनर्जन्य कर्म आदि सिद्धान्तों रोरान, दौबत, गुलाब या दिसखुरा हो और श्रास का रहन-सहन विवास चादि घरव, पठान या चीरानी के जैसे हों. धर्म के काम, विवाह बरोरा की रामें बरोरा के। श्रदा (पालन) करने में म साह रसता है वह बर्म से हिन्दू है. भसे ही श्रुसका नाम जवाहर, के सन्ता है और हिन्दू प्रन्थों में समकाकी हुक्की वर्ण व्यवस्था, श्चिससे बुलटा जो मनुष्य बेट, पुरान, बागम बगैरा शास्त्रों

किन्दू और मुसलमान अङ्गरेजी डब के रहन-सहन, क्यंबहार, ामन अवस्था यह कि विस तरह आवा हम देखते ही हैं कि कश्री

مندو ادرمسلان الكريزي وصب ك من اسسن العلام

ت إي وين كو ذما مريم ايك تشته درق (فرمان داد) Many Company of the second of 1.7

बिसरे घुसरा भी हो सकता है. (सैर तरीका)-दिन्दू मानो हुका सभ्यतान्सी हो सकती है और क्कुसबामान होते हुक` भी उसकी सभ्यता—रहन-सहन क्रीर व्यवहार क्षोरा के अपनार्थ हुन हैं अपूर्ध तरह स्रोक भादमी धर्म

दूसरे से स्वतंत्र, ऋलग किये जा सकते हैं. बानी, धर्म-सबहब श्रीर सभ्यता—जिन्द्रगी का तौर-तरीका-श्रेक दोनों धर्मों में इस तरह की कुछ जमातें हमारे देश में हैं भी.

• व्यक्तर शुसके साथ ही रहती है, लेकिन कभी कभी अलग भी रह सकती है. ही चीच है. वह बहुत डुल पैदा हाती है संप्रदाय-मचहब से, श्रीर श्चिन होनों के श्वलावा संस्कृति-तहचीब-कल्चर श्चेक तीसरी

र और प्रार्थना समाज के लोग भी 'धर्म' से वे हिन्दू हैं, असा कबूल न करेंगे. जिनमें राजा राममोहन राय, केशवचंद्र सेन, रवीन्द्र नाथ त्रागोर, महादेव गोबिंद रानडे, नारायण गागेश चंदावरकर कौर सेकड़ों कैसे हिंदू पाये जायेंगे जिनको हिंदू 'धर्म' यानी श्रुसके में वे विश्वास नहीं रस्रते. श्रिसी तरह पं० जवाहर लाल नेहरू पैगन्त्ररपन, कुरान की श्रीश्वर-प्रेरितता तथ। नमाज बग्नैरा हिदायतों श्चन्डें अद्धा नहीं रही. यानी, श्रष्टाह की हस्ती, हजरत मुहम्मद का बा. सैयद महमूद के खोक बेटे. सुमकित है कि सुसलमान धर्म में के हैं. खीर भी कथी मार्क्सवारी या कम्युनिस्ट मुसलमान हैं, जैसे, मियां चिक्तिसारुहोंन के बारे में सुना हैं कि वे मान्सेवादी खयाली किसी पंथ, शाक्षा या विधि में विश्वास नहीं रहा. ब्रह्म समाज पश्चिम पंजाब की मुसलिम लीग के हाल ही में बने हुन्ने सदर

> خام سند معم، منشکلی، سجعیتا فودی میں اللہ ایک اوی دھم سے مساللی اللہ ایک اوی دھم سے مساللی اللہ ایک اوی دھم سے مساللی اور ایک اور ایک اور ایک اور ایک سے مطابق اس ایک اور ایک سے مطابق ایک اور ایک سے مطابق ایک اور ایک سے مطابق کی ایک کی اور ایک سے مطابق کی ایک کی ایک کی ایک کی ایک کی کی کرد ایک کرد ایک کی کرد ایک کرد ای ملما من المريما الخر المالم

معتدنات الله عادي مرود كادند مانترس المان تنيش حب مادمك

नरिनिष्ट्राच मोलानाच जैसे बढ़े बढ़े नाम शुमार किये जा

रिरते मुसलमानों (या हिंदु मों) से हैं या नहीं मान (या हिंदू) है या नहीं, धार श्रुसके सारे सामाजिक संबंध. पैदा न की जायगी. मुसलिस सीग (या हिंदू महासभा) के सेन्बर बनने बाले के बारे में यह नहीं देखा जाता कि जुसका चर्म भासकी संस्कृति-तहभाष-असके विका और दिसारा का घाट मुसल-शुसलमान (था दिंदू) है. मगर, त्रियतना ही देखा जाता है कि संबंद होने में सुरिकल पैदा नहीं हुची. भौर दूसरे भी बैसे लगाल करने में खुनकी हिंदू धर्म में बाबदा के कारण कोशी खड़चन रारीक होना सुरिकल न होगा. पंठ जवाहर लाल या मेरे जैसा के शक्स हों तो अन्हें भी लांग या और कोकी सुसलिम संस्था में जेची **धादमो हिंदू महासभा में रारीक होना बाहे** तो घुन्हें दाखिल फिर भी नियां भिषितलावर्तन को प्रान्तिक मुसलिम लीग के

यान-सहन (सम्बता) स्मादि कोड़ दे तो भी स्मुतके स्वभाव बिस सब के बासर में पक्षा हुआ। आदमी अपना असल धर्म और **परों**रा की विशिष्टताम् ं (स्नासियत) वरौरा अनेक वार्ते होती हैं. रूदियां, भितिद्वास-पुराण आदि की कथाकों, व्यवसाय-तालीम विवियाँ, महापुरुषों के चरित्र, स्थानिक और जाति-पाँति की खास सरह का दिल व दिमारा का बाट (मानस) बंध जाता है, हुन्ये पालन-पोसन भौर संबंधों से हर अंक समाज में अंक अंक वह सातस पैदा होने में श्रुस समाज के संप्रदाय-मजहब के श्रुसूत, पीड़ी दर पीड़ी चलते आये सिलिसिले और चचपन से मिले

> منا منتعلی در پری بیزی جوابر قال یا مرے فیسا کون ادی منابه می بیزی میاجه و بخش داخل کرنے میں ان کی جنبور می می ان کی جنبور می میں ان کی جنبور می میں ان کی جنبور میں میں ان کی جنبور کرنے میں ان کی جنبور کرنے میں ان کی جنبور کرنے میں ان کی جانبور کرنے میں ان کی جانبور کرنے میں ان کی جنبور کرنے کی اس میں یہ بیزی کرنے کی کستم کی سندہ کرنے ہوئی ہی جانبور کرنے کی کستم کی سندہ کرنے کی کستم کی سندہ کرنے کی کستم کی سندہ کی کستم کی سندہ کی کرنے کی کستم کی کستم کی کستم کی کا تعین اور اس کے دل امام کے دائے کی کستم کستم کی ک دستگاه داد مجدلا تاتھ بھیے بڑے بڑے ما تعاد کے حاسمتی ہیں۔
> میم میں میاں افتحارالدین کو بدائی سلم لیک کے صدر ہوئے
> میں مستکل بیدا منیں ہولی۔ اور دوم سے میں دلیے خیال سے
> میٹھنی ہیں قریمنیں مجی لیگ یا اور کون سلم سنستھا یں نزید دع م استكل المجينا

الی - یس اور به ملی سات ای سل اور نجین سے طی ہوئے اور نیاں اور بہنوں میں ایک خاص طی کا اس اور بہنوں سے طی ہوئے کا معامل کا اور فیان اور بالن پیدا ہوئے میں ایک ساج کے بالن پیدا ہوئے میں ایک ساج کے سمرادیہ - فدیس سے انھول اور دوسیال اس می پیزا ہوئے میں میں میں ایک اور سال سے انتی کی کردوسیال اور انہاں - بران آوی کی کردوسیال اور انہاں - بران اور انہاں انہاں دھم اور انہاں دھم اور انہاں دھم اور انہاں دھم اور انہاں دوسیال انہاں دھم اور انہاں دھم اور انہاں دوسیال انہاں دوسیال انہاں دھم اور انہاں دوسیال انہاں دوسیال انہاں دھم اور انہاں دوسیال انہاں دوسیا مری سرس رسیستا) آدی مجمل دے تو بھی اس کے سوتھادا ين ياسين-

क्या दिन्य वस, तरहा, ।
क्या दिन्य का द्यां वा, आव्यां वर्षेय का असर कु स पर कायमक्यां वा समाज को कु स पर नकता ला कर आंदा हो और दूसरे
क्यां वा समाज को कु स पर नकता ला कर आंदा हो और दूसरे भी हर समाज की खास गढ़न (विशिष्ट मनोरचना) का स समाज में संस्कृति या तहाबीन है. के का के खास मनोर ना (दिमारा की गंदन) बनती है

बरीरा देशों के लांग बीद धर्मी हैं. त्रिस लिये (मुना है कि) अनुसके धार्मिक पूजा पाठ, शाकों को पढ़ाओं। आहि हिंदुओं की बहुत इद तक मिलती जुलती है. सीलोन, बरमा, चीन, जापान अलग हैं. लेकिन, जिन सब सन्त्रदायों के लोगों के मन की गढ़न धार्मिक क्रियाओं के जैसा ही साब्यूम होती है. लेकिन, जिन्दगी की दूसरी बातों में बहुत कर्क है. जिस लिक, ज्युस हर ज के देश जुदा जुदा तरह की है. चीन में मजहव के नाम पर बौद, लाश्रोत्से, से रुवेस-क्षु-बांगी ही समका जाता है. तूनरी तरक से रेखें तो श्रीर विन्यूनी का तरीका रयेन-म्यु बांग (कॉन्स्युशियस) श्री परम्परा में गढ़ा है. जिस विका, बीन का जात्मी क दूसरे से स्वतं हैं, किर भी, चीन की प्रजा का मानस श्वसस्तमान, श्रीसाई वरीरा श्रानेक धर्म के लोग हैं. त्राह्मण, की खतता का दिमारा घौर दिल को गढ़न-यानी, संस्कृति, तहखीब-आफिशत रूप में बादे जिस धर्म का हो, बद संस्कृति की नवार नामण, जैन, सिस वग्रेरा संन्प्रदाय में क दूसरे से विलक्क

> ایک وہ بھی ملتا ہی جب اس نے اپنے کیلئے دھم یا ساج کو اس بر نفرت الکر چھوٹیا ہو اور دو سرے کا بڑی تروحا سے مولکار کیا ہو۔ درنر ایک ایک جامت کی ایک ایک خاص منوجنا دوراخ بعلى، وجارون كا حسائيًا ، أورش وفيره كا الراس يد قائم ساره جانا كى كۇھىنى)ئىتى 12.1ئىيى برسىنى كى خاص كۇھىن (دىشىنىك

مؤدمین) به ساج می سنگی یا سند یا ی و در سے باکلی استون ایک و در سے باکلی استون ایک و در سے باکلی استون ایک و در سے باکلی ایک در سے Sugar is of cons . Style a like a like - so with a fi

(बहाँ तक मेर्स लयात हैं) रवेन-म्यु-चांग नाम का कोकी धम

हर यहन सहन और स्वभाव अधुसका अप्तर दिखाये विना रह नहीं सकता. यही संस्कृति-तहखोब है. किसी ने संस्कृति की ज्याख्या learnt is forgotten). is what remains after everything that has been ष्ट्रीर जीबन पर जो असर रह जाय वह संस्कृति है (Culture से पता था जुसमें से निकत गया हुआ मालूम होजा, फिर भी मेरा ही चैसी की है कि याद की हुची सब बातें भूल जाने पर दिल बौर झुनकी तुक्ताचीनी करूं, श्रौर जिस संप्रदाय में बचपन होकिन अनुका भी मानस हिंदू संस्कृति की ही गवाही देता रहता है. मैं हर अपेक अर्थ पर चाहे जितने तटस्थ भाव से नजर डाले श्रीर मनोरचना परा पर हिंदू संस्कृति को ही प्रकट करती है. पं० जबाहर लाल सब धर्मों के बारे में श्रुदासीनता दिखावें और सर्वेथर्ममसभाव का दावा भी करें, फिर भी जुनका जीवन गांची जी जैसे महात्मा पुरुष सर्वधर्मसममाब विस्ताव

विस्त बात को न जुदा जुदा मतदार-मं बल से, न हर मजहब भौर काम करने का तरीका हिन्दू-संस्कृति से रंगा हुआ ही रहेगा. स्तान में बहुत बड़ी बाबादी है जिसकिये सब कामों में विचार बैर-हिन्दुकों को स्थान दें, फिर भी क्यों कि हिन्दुकों की ही हिन्दु-न्य-मध-सहिष्णुता, श्रुदारता वर्षेरा दिखावें, राजं कारोबार में भैसा मासूम हो कि अखंड हिन्दुस्तान में हिन्दू लोग चाहे जितनी चिस नचर से देखें तो ताव्युव नहीं कि क्रावदे-आजम जिनाह की

دمیاں سی میراخیال ہی مشیعی وجو سیانگ جاکا کا ڈی پھم یا دہائیں۔
کا ذھی تی جیسے مماتا میرش مودھم بھیاد دکھا دی اورموسے بھا۔
کا دبوی تھی کریں ، ہیم بھی ان کا جیون اور مغدشنا کی ہی ہے۔
ہند میں کو ہی کری کری ہی ہیں ان کا جی مائن ہندہ سندگی کا ایس میں اواسینیا دکھا وی ایس ہندہ سندگی کا ایس میں اواسینیا دکھا دی ہیں۔ Cultive 15 The maine after an energy الم مندوف کو استعمال دیں، مجر بھی کیمیاکہ میدوف کی ہی المنگا میں میت بڑی آبادی ہی اس کے سب کاموں میں وجار میں مجرعے مع طراقیہ میندوسنسکرتی سے زبکا بھا ہی رہے گا۔ برسین اطری و تعین و تعیب نین که قائد اظام برسالت می مینی ایسان می آنده ای بی اظام برسالت می مینی ایسان می این ایسان می ایسان مین ایسان می thing that has been learnt is forgotten, إلى بان كو زعيا عيما من طار منقل سيء شرار مذب کی ای کوالی ویتا رہتا ای شد ال کی دهم بر خیاہ معسقہ بھا و سے نظر دالوں اور ال کی بلتہ میں کون ، معبددارہ میں بھین سے بلا تھا اس میں سے بکل کی اوا

करवरी सन '%

्र भाषी इन्छ हिन्दू नेताओं के बयान सीगी नेताओं के जिस . में ग्रुसलिम बरौरा तहजीवें पूरे जोश से खिल नहीं . सकतीं. हिंदू महासभा के ज्ञान्दोलन और ज्ञुनके तथा काँग्रेस-ं बोगों के लिये ब्रमुक जगह रस छोड़ने से, और न काँमेंस जैसी ही है. लेकिन, लीग की नजर से, जिसलामी तहजीब के। भी उनकी तजनीज में जुतनी ही जगह मिल सकती है, जितनी कि कोकी कहर के विचार पर हों) त्रादि पुराने जमाने की कल्पनाएं मरी हुन्नी हैं. जिस खमाने की परिचम की तहजीब से खुनका विरोध तो जाहिर ब्युसमें पीढ़ी दर पीढ़ी चले आये घंघे, किसी न किसी प्रकार की नवार से देखें तो बानका दिल और दिमारा का बाट गीता और **धिदान्तों को** समकाने की रीत दूसरी तरह की होते हुक्के भी, लीग नेता भत्तं था डर को बढ़ाने वाले भी होते थे, और गांधी जी की अपने सकता. जिसी तरह हिन्दू संस्कृति की विशाल द्वाया साफ है कि बरगड़ की छाया में नीम पूरा पूरा पनप नहीं सानस-संस्कृतियों - का स्थान दोथम रहेगा. बरगद के नीचे खुगते साबे मीम को बरगद जड़ से खुखाड़ कर फेंक न दे, तो भी नेकिन का दार दिवा का विष्णु-भक्त शिव-गर्वती के दे दे. आसी "वह बर्मीदार-किसान ज्यादि की हस्ती (भले ही वे संबंध ट्रस्टीशिष की जन्म से बनी हुन्नी वर्णव्यवस्था, रन्नीस-रैयत, धनिक-रंक प्राचीन रामायया की खुनियाद पर बना हुआ मासूम होता है बोक्याही (डेमोकेंटिक) श्राचार हिन्दुस्तान में हिन्दू मानस-क्षिक संस्कृति—ही बगुत्रापन ले सकती है. इसरी तरह के मेंस्रोप्रदायिक संस्था के चरिये मिटाया जा सकता है. चुनाँके

مندي کو چي کا کا تا يون اين اي ميگر ل سکن اي مينی که کمک ا کے لئے ایک عبر رکھ جیوڑئے سے، اور نرکائر کرسی جیسی واکیہ سنستھا کے ذریعے مثالی جاسکتا ہی، جنائح کوک شاہی وكريف إ آزاد المندسان عي منده مان - مند سنسك سكرتى أسبعيتا

から、いろんのはあったまでのはあり

क्षेक्रने के लिघे एक त्रातग धौर श्रापाद चेत्र वाहिष्टे" घैं सी पुकार सिद्ध करने में यह समन्वय अनुकूल नहीं. हमें तो हिंदू संस्कृति से अबूत रही हुन्नी जिसलामी तहचीय के बढ़ाना है. और यह सिर्फ बार' (चुल सिल जाने का श्रायुल) है. लेकिन, लीगबादी कहता है, 'हो सकता है. मगर हमें श्रापना विश्वास (निमंल) विकास क्षिन्द्रसान में पनपने खौर हिंदू-संस्कृति में खुसे पिषल जाने से बच्चह्यी विधियों और घरेल रसमें में ही नहीं, लेकिन सब तरह है हुनियाबी कारोबार में. जिस लिखे, जिसलामी संस्कृति के श्रारा पना बालने की यह रीत हैं. हिंदू हिंछ से यह 'समन्वय-हूमरे धर्म-संप्रदाय का धा के झेटा हिस्सा स्वीकार कर उसे सारा का म सके सूह में ही बास ब्यादमी को खारी जायदाद पथा डाले, बेसे होंगे. हिस बिम दिन से बह बाब बुसटी खुनें बुरी चौर हिंदू बुरे मिन ने मुठामी को चै व साल्यम होता है. जैसे को की वनिया बहुत महरवानी करने त्रमूर देने से हमारा क्या बिगड़ता है ?" बिसी तरह कुरान, अवसा मा विलाश करके बांक कपया का किसी का कर्ष है, बाँर फिर 👊 को की पाठ व्या को कांब कांपानी मंत्र भी प्रावंता में वे बोल भी समयात के बड़े अबंध हैं, अत्रवाम के ताब साथ हो दूल बान व

देते हुण भी चलग सुरा है. **रों रा भा**सन भासन समाज हैं. जिस अलगपन के। अलग अलग बक्ता है कि बिंदुस्तान के हिन्दू, असलमान, श्रीसाश्री, पारसी 👫 (नेरान) कहा आय या दूसरा नाम दिया जाय यह महत्व का संस्कृति श्री (सामाजिक संबंधों की हरिट से यह कहा जा

دوم انام ويا جائ ، ممتوكا دوئ دوئ في الك مدعا إي

किर, यह भी श्रेक महत्त्व का लेकिन श्रता सवाल है कि क्यों है, मुसस्तिम, श्रीसाश्री, पारसी बरोरा जमाते और तहर्जां है स्मेशम के लिये श्रेक दूसरे से श्रता श्रीर श्राकृत या विद्युद्ध हो रहनी श्राहियों. श्रीर क्यों श्रिन धव की भेलसेल होकर श्रोक विलक्कत

क्यों और मिश्र संस्कृत पैदा न होनी चाहिये ?
क्यार किय, यह भी ब्येक सोचने लायक लेकिन अलग नात है कि
क्यार किया प्रकार के पीक्षे रही हुआ नेदना निलक्कल सरने देख
क्यार किया प्रकार के पीक्षे रही हुआ नेदना निलक्कल सरने देख
क्या में प्रकट की जाती, तो अपुस का सन्तोचजनक रास्ता निकलमा
क्या में प्रकट की जाती, तो अपुस का सन्तोचजनक रास्ता निकलमा
क्या संम्कती है कि यह तरीका देव से भरा हुआ बना, भिसके
क्या संम्कती है कि यह तरीका देव से भरा हुआ बना, भिसके
क्या सिक्ता की प्रनुक्तातक (revivalist) मनोहित भी बहुत
क्या की प्रनुक्तातक (revivalist) मनोहित भी बहुत
क्या की मनेदार है. लेकिन, यह भी अप्त अलग सवाल है. अस
क्या में अत सब सवालों की बचों छेड़ता नहीं हूँ. जिस लेख
में मेरा जितना ही विखाने का प्रयत्न है कि अप्त धर्म के सांप्रदायिक
(सब्बह्बी-थियोक्रेटिक) राज और सांस्कृतिक (तहचीबी-कल्चरल)

राज में भक्ते हैं.
पिकरतान को श्रोक श्रिसलामी राज बनाना है, श्रोसा स्वीकार पिकरतान को श्रोक श्रिसलामी राज बनाना है, श्रोसा स्वीकार करने में लीग के नेता हिषकिचाते नहीं. लेकिन, श्रिस बात को वे किसलामी सांप्रदायिक (श्रियोकेटिक) राज के माने में नहीं, मगर सांस्कृतिक (कल्परल) राज के माने में ही कहने का दावा करेंगे. सांस्कृतिक (कल्परल) राज के माने में ही कहने का दावा करेंगे. सांस्कृतिक (कल्परल) राज के माने में ही कहने का दावा करेंगे.

می می ایک متد کا کین ایک میان ایک میان

करवरी सन् '४८

श्रीर हर श्रंक जिस्सेदार अफसर को वाहिर करना होता है कि शृक्ष का श्रिसताम के 'मवहन' में यक्रीन हैं. जिंग्लैंड बहुत असे तक स्वाहनी राज रहा भीर श्रांक भी कुछ कुछ है. अगर फिलिप माझ न्टेंबेटन श्रीक चर्च को छोड़ कर अप जी चर्च की दीहा लेते से जिनकार करता तो वह राजकुमारी भिलिपानेथ से शादी न कर सकता. अगर श्रिलिपानेथ फिलिप से शादी करने के लिये श्रीक चर्च की दीहा लेते, तो श्रुसे जिंग्लैंड की गदी से अपना श्रीक चर्च की दीहा लेते, तो श्रुसे जिंग्लैंड की गदी से अपना श्रीक चर्च की दीहा लेते, तो श्रुसे जिंग्लैंड की गदी से अपना श्रीक चर्चा की पाकितान के तेताओं की मन्यां हो, अप सा कोश्री कार्यन वहीं शादा. लेकिन, यह कहा जा सकता है कि पाकित्तान के सम्भाकों पर जिस्तान के स्थाकों श्रीर तहसीब की श्रांकी, अपेर संस्कृति को पोसने की कोशिशा रहेगी.

भियो तरह, हिंद-संघ हिंदू धर्म का सांप्रदायिक राज न होते हुन्य भी, मुसकिन है, कि असमें हिन्दू संस्कृति ही प्रधान रूप में सिल अहे. अगर असमें ट्रस्पी संस्कृतियों की भेवसेल करने अपि अपिन का रही, और जो कुछ भेवसेल हो चुकी है, असे भीरे धीरे हटाने की प्रश्नित वानी, तो कहा जा सकता है कि हिन्दू संस्कृतिक राज बनने की ओर मुकाव है. कहा जा सकता है कि कुछ हद तक असी मनोष्टित है और बढ़ भी रही है. अस्मित संस्कृति का मुख्य हो रहा है. अस माना की दिद्द अस्मित संस्कृति का मुख्य केन्द्र माना वा सकता है. लेकिन, असे प्रकृति का मुख्य केन्द्र माना वा सकता है. लेकिन, मित संस्कृति का मुख्य केन्द्र माना वा सकता है. लेकिन, मित संस्कृति का मुख्य केन्द्र माना वा सकता है. लेकिन,

1. St G. I sai Bu (Hericoalist) Thus

भक्ती विशा में काम कर यहा है. हिंदू महासमा का तो वह स्वय कुतरे 'स्तानों' का व्यथन को क सरक हिंदू (या तिले सबसे हिन्दू) व्यक्त है कि गुजरात में भी कन्हेंयालांक सन्त्री का मानस मी केन्द्र' बस जाने का प्रसंग का सकता है. क्रीर बुसरी तरफ सब क्राविंद्र (क्रीर क्रवर्ण हिन्दू) के बीच 'दर्ना-हो सकता है कि सुसलमानों की तरह वूसरे भ-हिंदू लोगों में असम्बोध के बीज कोये जायें. परिश्वास में पाकिस्तान की तरह क्षेर बतांब पर निजेर हैं. अतार यह प्रवृत्ति जोरदार हो जान और लोगों से केल जान हम किस सरक जायेंगे यह हिंदू संस्कृति के नेताओं की प्रशृति किताब नागरो और उर्दू इंनों लिखाबटों में मिल सकती है। भी सके को किताब की क्रीमत सिक बारह आने. बर्म, संस्ट्रेति, सञ्चता सेन्द्रल कन्सोलियेटरी बोर्ड ग्वा नियर की दावत पर ब्वालियर में विथे. बार तेकबर जो बन्होंने र्वास्त सन्दरकाल के युस्लिम एकता ४८ बाहे का बास, इलाहाबाद क्रत्वरी सन् '४८ رات میں شری کنعتیا لال منتی کا مائٹ میں ایسی دشا این است ماین برسیام می باکستان کی طرح دومرے مسافل علی استان کی طرح دومرے مسافل علی استان کی طرح دومری علی استان کی دومرد دومری علی استان کی دومرد دومری علی استان کی دومرد دومری علی میں استان کی دومرد دومرد کی علی میں استان کی دومرد دومرد کی علی میں استان کی دومرد دومرد کی علی دومرد دومرد کی علی دومرد دومرد کی علی دومرد دومرد کی علی دومرد کی دومرد کی دومرد کی دومرد دومرد کی دومرد برميل استا ہي . جن مند مشكرتی کے نيناؤں کی پيورق مندو (اور اوران مندو) کے بیکا کردنا برسی بم جائے کا رے امیند ولوں سے می استوش ئے بعد وقوں یں جیسل مانے الماتون ك طرع دور

पागलपन

(श्री श्रानचन्द्)

में न केबक गाँव ही में बरन इस पाँच गाँवों में इन कलकरों की हस. इन्हें एक ने पांच से कहा, पाँचों ने दस से, इस तरह दो ही दिन रामू कलकरो से बाया, श्यामू कलकर्त से बाया, माधव कलकरो से बाया. लोचन कलकर्ता से बाया. रामू ने चार कहानियां इहानियाँ की घूम सब गयी. ड्डॉ, स्थासू ने तीन कहानियां कहीं, साधव ने छैं और लोचन ने

श्चिंसवान ! जो चार दिन से यहाँ आकर बसें उनकी यह दरा।, धाम शरन खिंह ने. गाँव के खमीदार ही ठहरे. छनको सला कब बर-केई चौर इस करे या व करे. न पिशे न पिशे का शोरवा. में देखता इसनी तैयारी कर रक्त्से हैं, ऐसे खाकिस हैं. डन सबको सुना ठाकुर किये यहवा है, जुल्पन धुनिया कैसे रहता है. कपड़ा हाथ से ्राप्रत. डनके गुरसे का ठिकाना न था. मन ही मन कहने लगे—ंबाहरे क्रीक घोषी गाँव में कैसे रहता है ?..... में बूंगा पर चासीन के शॅप पालना ठीक नहीं. में देख लूंगा कि • कों हिन्दू मिट गये वो क्या ? यहाँ देखना है कि रहीम जुलाहा जो सुनता डसी के क्रोध का ठिकाना न रहता. कहता, असलमान

🕦 अध्य निक्सा था. वे कहते थे—'मार्रेंगे सर जांचेगे पर पाकिस्तान आहर से श्वाया. श्रोता—में ग्रहर गया था. कस शहर में मुसलसानों बह इन्हीं बातों को सीच ही रहा था कि उनका छोटा आहे

की सरह पूरो दुनिया से व्यलग रहेगा. गिनू साहन की बात से तो ऐसा लगा कि गुरुदासपुर हैदराबाद बनावें पर छपर के गुरुशसपुर में तो सुमकिन नहीं है. बाल दिया हो. वह बोले-बनावें पाकिस्तान.चाहे जहाँ बनाना स्थक सुनते ही ते गुस्सा और बढ़ गया जैसे किसी ने आग

इतने में नौकर ने धाकर कहा-सरकार नहां लें. सरकार

अहाने खाने बले गये. पर उनका गुस्सा न गया

्यों किर रामू. श्यामू. माधव की कहाँ नियाँ निकल पड़ीं. किसी ने ज़ सुनते सुनत कायू में न रह गया तव बांज पड़े-भाई । घर में कुछ कहा, किसी ने कुछ कहा. वाबू गमशारन सिंह का धीरज यह सींप पालना ठीक नहीं. हमार भी बहू बे शे हैं. देख लूंगा. यह रहीम, जुम्भन श्रीर करीम कैसे रहते हैं. देख लूंगा उसको भी इसको खत्म हो कर दिया जाय. बाबू साहब को बातों से जो गवाही देगा. गुस्सा तो एना ज्ञाता है कि वाहे जो हो पर शाम के ब्रालाब पर गांब के सभी लोग बैठे. चर्चा ही क्या

ं सभी को जोश स्राया. बंले—हाँ सरकार बारना पीटना शरीकों का काम नहीं है. श्रगर सरकार बहुत ही सरकार के पैर को जूर्ता हूँ. मैं क्या कहूँ. मैं तो कहूँगा कि सरकार क्रमूर कोई कर सजा कोई पावे, यह ठीक नहीं है. सरकार, इस तरह माखरा है तो उनसे कह दें गांव छोड़ कर चले जाँग. इतने में बुड़िंड छट्टन चमार से न रहा गया. बोल डठा-में तो

HAME BOWN THE REAL PROPERTY AND THE REAL PROPERTY AND THE PROPERTY AND THE

ويت مي وكرف المركب ركورتاي . ركارتها في كمان

Le les Control de les controls de la control de les controls de la control de la contr

दूसरे ने कहा—हां सरकार. यही तय रहा.

्यारे के महाने में धुलाई में पटेगा. पर यह नकर देना केंसे पार संबोधाः देना पावना तो दरिकनार. पर सवाल तो यह है कि **का**खिर जार्फ कहाँ. बाप दादे इसी गुरुदासपुर में पैदां हुए. यहीं इकनाये गये, इन्हीं रामशरत के यहाँ दरबार किया. किर आज में कहा— ४०) नकद लेकर अपभी चौआरा ले आया हूँ. सोचा था कि सुनकर भगा चला आया. मेरी तो तबीबत घवड़ा वही है. करीम ने स्रोत में फसल वो दंग है. सब से ऊपर नो सरकार का लगान बार्का है. एक सुरत दां सौ रुपया देंने कैसे ? मैंने ता आभो यह सुना मोजूद था. जुम्मन ने कह।—भाई, घर दुन्नार छाड़ कर कहाँ जाँग कॉपने लगे. जुस्मन दोड़ा गया रहीम के घर. कराम पहिले ही मे सब ने सुना कि सरकार हम सब सं नाखुश हैं. सभी डर के मारे फिर श्रलाव पर की बात केसे छित्री रहती. रहीम, जुम्मन, करीम दीबार के भी कान होते हैं. अकेले को बात ता खुल हा जानी है

से काढ़े, तब सूत का ड्यंड बैठाया है. चार झे थान कपड़ है सो ठाइकर को हो जाय. पर उससे होता क्या है. फिर खायंगे क्या ? बायी कियाइ के पीछे से सुनने सगी. इसे काटो तो जैसे जून घरमाँ से कहा. श्रम्माँ की तो एतबार ही नहीं हुआ. वह दोड़ो भाई पर्दे की बात क्या है ! मजबूरो आया मैंने भा १००) से पूंजी हो क्या थी. घर में र-४ थान कपड़े पड़े थे. वह कह उठा, रहीं म को लड़की बकातन सुन रही थी. उसने जाकर द्वापनी रहीम इन सब में पूँजी वाला श्रादमी था. पर उसकी श्रालग अकुर

المؤ حائن كمان . في وادسه إلى كهدواس فيذ من بيدا إله من مين . في المؤن المون من ميل درارك المجرائ من كمان طوق المون من ميل درارك المجرائ من كمان طوق المحل المون من ميل درارك المجرائ من كمان طوق المحل المون من المحل من المحل المجرائ من كمان مين المحل من المحل المح いとうとうからのからる

ही न लगता. सांचती--या ऋक्षाह! अब क्या होगा ? हो नहीं. घर में आकर बैठ गयी. खाना, पोना, पकाना कुछ अच्छा

कह डठा- तुम्हें ठाकुर ने बुलाया है. तुम सब यहाँ बैठ कर ठाकुर का प्यादा पहुँचा. करीम और जुम्मन सभी को देख कर ज्ञाय आरीर ठाकुर का समभाए. यह बात हा ही रही थी कि पाकिस्तान ले रहे हो. चलो झाज उम लोगों के। पाकिस्तान मिलेगा. रहीम, जुम्मन, करीम सब ने तय किया कि रहीम ठाकुर के यहाँ रहीम बोला-में ता खुट ही सरकार के यहाँ चल रहा था.

त्याहा बोला-- तुम क्या जिन्ना हो जो आ रहे थे सग्गना

बनकर. यहां जिन्ना बिन्ना कुछ नहीं. तुम सब चलो.

बात बीत कर रहे थे कि व्यादा उन तीनों का लेकर पहुँचा और बोल उठा-सरकार, चार वार गया पर ये सब नहीं मिले. इस बार भिले सब रहीम के घर. जब बुलाया तब रहीम कहने लगा कि में तो खुद ही आ रहा हैं. सरकार यही इस गाँव के तीनों तुरकों का बाबू साहब को बैठक में दो चार दरबारी लोग बैठे थे और

सीधी सा एक बात है कि तुम सब यहाँ से चले आश्रो. तुम सबों कर रहे थे. वाल उठ--रहीम, में कुछ कहना सुनना नहीं चाहता. सरकार का गुस्सा और भड़क उठा. उन्होंने भोचा कि ये सलाह

की श्रव गाँव में कोई जरूरत नहीं है. आयंगे तो सरकार का कपड़ा केन साफ करेगा. करीम हंसकर बाला-हम तो सरकार के चाकर हैं. चले

معارم و مجلائے ۔ یہ بات او ہی دی تھی کہ معاکمہ کا اسلام کے اس کا کا استان کے دیکھی کہ معاکمہ کا استان کے استعمال معالم کی استان کے دیمہ او بیادی استان کے دیمہ او بیادی کا استان کے دیمہ کا اور بیادی کا استان کی کارور کا استان کی کارور کا استان کی کارور کا کارور کی کا میام سند کھر میں اگر بیٹھ کئی ۔ کھانا، بینا، لگانا کچھ ابتھا ہی تر کلتا۔ ہوجتی ۔ یا انتدا آپ کیا اوکا ہ تر کلتا۔ ہوجتی ۔ یا انتدا آپ کیا اوکا ہ رئيم بولات مي تو فود اي مركار كريهان على را بخلا . بيادا بولاستم كما جناح دوجه أدب يك مرعنه بي . ميان جناح وزا فيم نهين . تم سب جلو .

بادِ صاحب کی بیغیک میں دو میاد دربادی لوکٹ بیٹھ بیٹے اور بات جیت کورے بیٹھ کو بیادا اس میٹوں کو کے کم بیٹیا احد بول اٹھا۔ محاد، جار بارتیا یہ ہے سب میں گے. اِس یار کے سب میں کے اس کا کو یں قد تو یکی آمیا ہیں۔ مرکاد کا قدمت اور محمول واٹھا ۔ اِنھوں نے موجا کرنے صلاح

^{करवरी} सन् '8ट

यह सुनते ही ठाकुर का गुस्सा और फूट पड़ा. बोल उठे—जहाँ कीश्वा नहीं रहता, वहाँ क्या सबेरा नहीं होता ? तुम क्या वक रहे हो. चले जाओ. हम गन्दा ही कपड़ा पहिनेंगे. तुम सबने कलकरों का हाल सुना ? सब कहते थे कि लड़कर लेंगे पाकिस्तान. तो जाओ जहाँ लेग हो वहाँ लेना पर गुरुदासपुर नापकिस्तान हो रहेगा.

रहीम बोला—सरकार गुस्सा न हों. हमारे बाप दाने इसी दरबार की खिदमत में चिन्दगी भर रहे. श्रव हम सब कहाँ जाँय. सरकार, जो बाहे सा पाकिस्तान ले. पर मेरा पाकिस्तान ते। गुरुदासपुर की मंडई ही है. मेरा पाकिस्तान कहाँ हैं ? गरीब का कोई नहीं पूछता. बहुत कहा सुनी हुई. श्राखिर रामशरन सिंह ने उन सबों को रहने को इजाजत दे ही दी.

कलकरों का इंगा चलते चलते आज बोसवां हिने हैं. अब रामू, शामू, माथब की कहानियों तक ही कहानियों मंगित नहीं हैं. सेकड़ों हजारों कहानियों वन गर्था हैं. उनके। सुनते यहां मालूम होता है कि अब आदमी आदमी नहीं रह गया हैं. सुसलमान पुब

गुरुदासपुर तक ही मामला न रह गया. जो जिथर ही जाता जथर हो एक न एक कहानी सुनता. गुरुदासपुर के ठाकुर राम-शरन सिंह के जोड़ीदार एक न एक ठाकुर मिलते. सभी कहते कि कलकत्ते का बदला लेना जरूरी है.

रक दिन शिवपुर में कुछ झापसी खेत का मनाड़ा हुआ. शिवदान

ملکت کا ونگا علت طبته آج بسیدال دن ہی۔ آب دلیء شامی اور سی کا سیکت کے بات کا بیات کار کا بیات کار کار

तब तक खुदाइलश भी ज्या गया. इसलाम भी ज्या गया मौसेरा भाई भी खड़ा हो गया. पड़ोसी नियाज भी खड़ा हा गया. श्रीर सुबराती दोनों भगड़ पड़े. सुबराता के मामले में उसका

मानों का इकट्टा त्रख कर चिल्ला पड़ा-यह देखो मुसलमानों को एक तो डांड भा तोड़ा, दूसरे इचकेले से लड़ने इतने द्या भी गये. शिवदान के दिल में कलकने की कहानी थी. वह इतने मुसल-

पबे. किसो ने न पूछा कि क्या हुआ। लाठियाँ चलने लगीं. सुवरातां, नियाज, खुदाबख्श. इसलाम सभी ढेर हो गए. मुसलमान शब्द ही श्राग लगाने के लिये काकी था, सभी दौड़

फूँक दिये गये सारेघर. श्रीरतें जिनकी शक्ल श्राज तक किसी ने न देखी था चिलाबिलानी घर में से निकर्ली. उनकी पूजा के लिय लठेन खंड़ हो थे. वे भी लंट गर्थी. भीड़ दौड़ी उनके घर. एक आदमी मिट्टी का तेल ले आधा.

सब का उठाकर झाता में क्षांक दिया.

भीड़ चर्ला मार्थापुर. वहाँ भी यही.

X

भीड़ चला रामन्गर. वहाँ भी वही.

था. उसने रहीम, करीम, जुम्मन तीनों के घर में ताला बंद करा दिया त्रीर बाग लगाना दी. गुरुदासपुर में भी कथा फैली. रामशारन पहिलो से ही गुस्सा X

> تعدا بخش جمی اکل و اسلام بعی ایک و وایندسان ان کو اکتفا خود میلا بیزاس به ولیسومسانی کود ایک تو داند بهی توا ا دوم سان شید ای اک ککاف سک کده از بیمی تعلی موا برای شرای شید ای اک ککاف سک کده ای تعلی موا تیا جوت مر این دونوں جھیلا مزے ۔ اگران کے معاطے میں اس کا اس کا معمولا اور کیا۔ بڑوی نیاز بھی کھوا اور ایس کا م تیاد، معدایش ، اسلام اسمی همیم اوی می کاتیل سا ایا بینیک معیام دواری ان می کنیم و ایک اوی می کاتیل سی آن بینیکی چه دمیمانی معربی سی کلیلی بازی کی می کاتیلی می شان این می گائیلی بالی معربی سی مجلیلی بازی دمیام ایلطیست معربی بی می و میمی گائیلی می ئياز، خدائجنى، اسلام

بميرين ادهويد. مال مي يي.

گردداس بیر میں بھی کہتا بھیلی . دام ترن کومیلے سے ہی عفیتہ تھا . میں نے مزیم اکرم بحیق تینوں سے تھی میں تالا بند کرا دیا اور اک کھوا دی . بيغ ين رائد. وأن عي وي

×

the second

बबरता सुनकर स्वग में खशाक भी शरमाया होगा. चन्द्रगुप्त भी जहाँ से सारा दुनिया को ऋहिसा का संदेश दिया था वहाँ की लाजत हुत्रा हागा. श्राग की लपट थू भू करके चारों तरफ फैल गई. भगवान बुद्ध ने

को आशा रखने बाला खुद इनसारुसे कैसे पोछे रहे. रंगे हाथों कोई किसी का रंग नहीं छुड़ा सकता. चत्र पड़े. वहाँ से आ पहुँचे विहार. रू हर नेश्राखाल। में बैठ बापू का ये ख़बरें नगीं, दूसरों से इनसाफ़

भगवान बुद्ध का स्थान !

सहारमा जी के पहुँचने ही पानी पानी हो गया.

बारू पहुंचे छपरा.

महात्मा गांधा का जय आज सभा है लाखां का भोड़ है. बापू पहुँचे. नाग लगा,

किये हों वे पुलिस में खुद हाजिर हा जांय. इसका प्रायश्चित इसा तरह मुमकिन है कि जिन्होंने खून वापू ने कहा-- जब तक अपने पापों का प्रायश्चित (कफ़ारा) न कर लें तब तक महात्मा गांधी की जय मत कड़िये. मैं तो कहता हूँ कि हिन्दू मुसलमान दोनों भाई भाई हैं. दोनों श्रलग कैसे होंगे ?

रामशरन, उसके खड़े होते ही भीड़ ने नारा लगाया-सभा में सैकड़ों खड़े हो गए. पर डन सब में पहिला श्रादमी था 'महात्मा गाथा का जय

करवरा सन् '४८

جهاں سے ساری ونیا کو اینسا کا مندلیش ویا تھا وہاں کی برزیامن کرموں میں امتوک بھی خربایا ڈیکا۔ چندرکیب بھی لجت ہوا ٹھکا۔

ور فودا کھالی میں سینٹھ بالیر کو میں خرب تھیں ، دومروں سے انصاف کا کا کہ ان کی تعلق دیکھ ہے ۔ دومروں سے انصاف کی کا بی کہ میں میں ان کی کا کھنوں کوئی کسی کا بیکھ میں میں کی کا کھنوں کوئی کسی کا بیکھ میں میں کی بیار۔ ماتا بی کے سیخے ہی اِن بان ہوکا۔

ابی سنج محصول کا بھڑا ہی۔ ابو سنج نود لگا، مها کا ندی کی ہے۔

ابی سنگا ہی۔ انکھوں کی بھڑا ہی۔ ابو سنج ہوں کا ، مہا کا ندی کی ہے۔

ابو سنگ مہاں کا ندی کی ہے مت کہتے۔ میں و کت ہوں کہ مہلات وہ اس کے بدا سیسے وہوں کے وہ اس کے بدا سیسے وہوں کے وہ اس کا بدا سیسے اور کے بدا سیسے اور کا بدا سیسے اور کا بدا سیسے اور کا بدا سیسے اور کے اس کا بدا سیسے کی وہوں کی دونوں انگ کھٹے ہوں کے وہوں کے مہان میں معد صافر اوہوں کے مہان کا دونوں انگ کھٹے ہوں کے وہوں کے مہان کا دونوں سے نوان کی دونوں انگ کھٹے ہوں کے وہوں کے مہان کا دونوں انگ کھٹے ہوں کہ دونوں انگ کھٹے ہوں کے دونوں انگ کھٹے ہوں کے دونوں انگ کھٹے ہوں کے دونوں کو دونوں کے دونوں کے دونوں کو دونوں کے دونوں کے دونوں کا دونوں کے بھا میں سیکووں کھٹے۔ ہوگئے۔ یہ ان سب میں بلا آدی تھا۔
درخرن۔ اس سے کھٹے۔ ہوئے ہی جیڑے نے نوہ لکایا۔ 'E Souther

(1100)

हाजी फ़ज़ल वाहिद

ما جي فضل واحد

(श्री रतनलाल बंमल)

 पूरी की जो ताकत लग ई और अपनी अयदत के मुताबिक पठानों में फूट डालने अरीर उनको फुसलाने, ललचाने को भी पालसी बरती. लेकिन पठान किसो न किसो सरदार को मातहतो में अक्नरेजों का गुतामा हो मंत्रर को स्रोर न उसने कभो त्रिटिश हुकूमत को इलाका श्रीर उसमें रहने बाली पठान क्रीम हमेशा इस बान के चैत से ही बैठने दिया. अक्नरेजों ने शुरू से ही वहाँ पर अपनी लियं मशहूर रही है. कि उसने कभी पूरी तरह से न तो अझरेजों के जिलाफ बराबत करते हा रहे. अङ्गरेकों क प्रचार ने पठानों वाहिर साहब भी, जिनका श्वाम जनता 'तुरङ्गजई के हाजी' के नाम में जनता के सामने पेश किया. यहां बजह है कि हाजो कजल श्रीर उनके बहादुर नेताश्रों को भी लुटेरा श्रीर डाकू की शकल लुटेर क्रवाइलां सरदारों को तरह ककत एक हिम्मतवर लुटेर से ही जानती पहिचानती है. हमार नजरीक सरहर के श्रीर दूसर की इस आधारी की लड़ाई की लूट सार के नाम से बदनाम किया सरदार ही बन कर रह गए. आर्थेर उनको शिंखमयत को बलर्न्दी श्रीर हिन्दुस्तान की श्राचादी की लड़ाई में उनकी श्राहमियत की हिन्दुस्तान की पच्छिमी उत्तरी सरहद पर बसा हुआ कवाइली

सिर्फ इने भिने लोग ही जान सके. हाजो फचल वाहिद साहव दर मसल वलोडल्लाई म्नान्दालन

ایم رزول من مترمی سے بی دبال یہ اپنی بھری فوی طاقت انگائی اور اس معابی بیشیان میں مجیون والئے اور ان کا کا کی اور ان کا کا کی اس معابی بیشیان میں مجیون والئے اور ان کی مطاب ایم میشا سے باتھی میں اس کا دادی کی اوائی کو کوئی بار میاجی کی بر میاجی کی اور جاجی کی بر میاجی کی بر اور جاجی کی بر میاجی کی بر میا ہندستان کی چیمی اقدی مرحد پر نب ابوا قبائل علاقہ اور اس میں دہت والی پیٹمان قوم ہمیشہ اس بات کے لئے مشہد دہی ہی کر اس نے بھی پُدی طرح سے نہ قا انگریزوں کی طابی ہی منطور کی ادر تر اس نے مجی بُرین طومت کو چین سے ہی پیٹھنے ویا ۔ دخرى متن الل بسل)

ماجی مفتل والد ماحب وراسل ولی اللی اندولن

भ जॉकर रहने लगे. इस पर सन् १८६३ से अक्तूबर महोने में अक्नूरेजों भ ने क्रिकेट प्राप्त के -हों महीने की घनघार लड़ाई के बाद मलका की तहस नहस कर नाम से जिक मिलता है और जिन्होंने अपनी जिन्हगी भर कभी श्र गरेकों को चैन से नहीं बैठने दिया, ने क्ररीच ५००० कौ ज लेकर मलका पर भो चढ़ाई कर दो और लोग पेशावर से उत्तर पूरव की तरक वस हुए मनका गाँव में नजमुद्दांन साहब. जिनका सरहद का तबारीख में मुद्रा हुद्दां के सङ्गठन बनाने शुरू कर दिये. इन लोगों में से हा एक थे मौलाना क्तवालों में जाकर श्रङ्गरेजा से लड़ने के लिये त्रलग श्रलग कहते थे, विखर जाना पड़ा और उन्होंने ऋलग झलग दिया. इसके बाद इन लोगों को जा अपने का मुंजाहिदीन में अप्रकृरेजों ने जब इस छावनी का बर्बाद कर दिया ते यहीं के छावर्नाबनाकर अक्रुरेजों से लड़ना शुरू कर दिशा. सन् १८५८ में श्रागया, ता सतियाना नाम के पहाड़ां मुकाम पर उन्होंने श्रापनी जब सन् १८४६ में सरहद का यह इलाका अक्ररे जो की हुकूमत के मरने के बाद उनके शांगिड़ों ने उनके काम का जारा रकला और लड़ने के लिये सरहद पा चला श्राई थी. सत्थद श्रद्भद साहब श्रहमद साहब बरेलवो की लीडरी में श्रङ्गरेजों के दोस्त सिक्लों से जमात की उस शास्त्र से मिलता था जो सन् १८२४ में सरपड् के ही एक नेता थे, जिनकी पीरी सुरीदी का सिलसिला बलीडल्लाई

डनके तमाम शागिनों श्रोर मुरोदों ने हाजी फजल वाहि**र साह**ब खलीका थे इस लिये जय मुल्ला हुड्डा का इन्नकाल हुआ। तो हाजी फचलवाहिर साहब इन मुल्जा हुड्डा के हो शागिर और

من کے تم فاکردوں اور مرووں نے عابی مصل واحد صاحب

کی لیندی میں انگرمزوں کے دوست سکھوں سے لوٹے کے بعد آن مرحد پر جلی آئی تھی۔ ستید احد صاحب کے مرف کے بعد آن کو خاکردوں نے اس کے کام کو جاری دکھی اور حب والاہ ا بی م مرحد کا پر طاقہ انگرمزوں کی احادث میں آئی ا کہ مستیانا نام کے براوی مقام پر انکون ف اپنی تھا دنی بناکہ انگرمزوں سے ہونا مزوع کردیا : مردہ مار میں انگرمزوں نے جب اس جھادن کو براد ہوا کے ای ایک نیتا تھے، بن کی بری مرمدی کا سلسلہ ولی اللی جافت ی این خاخ سے ملائق جو کلاد کر چی متید احمد صاف بر کوی می این بندی زیر زیر کر درت سکھدا ، سے دونے سے کیے ماج مشل واحد さんで

की दूरी पर है. तुरंगचई गाँव के वाशिन्हे होने की बजह से ही हाजों कजलबाहिंद साहव हाजो तुरंगचई के नाम से मशहूर तमाम खानदान के साथ अपने गाँच तुरंगजई में रहने थे. तुरंगजई को ही अपना नेता चुता. उस वक्त हाजी क्षजलवाहित साहव अपने श्राब्दुलराफ्कार खाँ साहब के गाँव खतमानबई से सिर्फ एक मोल पेशावर जिले की चरसदा तहसील में हैं और सरहदी गान्धी खान

दूसर दूसर साथियों ने इसके लिय हाजी साहव पर जोर भी बहुत डाला. लेकिन हाजा साहब ने एसा करने से इनकार कर दिया क्योंकि इस तरह बिना मौका देखे हुए लड़ने रहना वे भिक्त अपनी था कि वे अप गरेकों के खिलाफ लड़ाई का गेलान कर दें. उनके रिबात के मुनाबिक हाजीकजल वाहित साहव के लिये यह लाजिमी को लड़ाई से आप्ती तक पठान क्रीम आपने हजारों सपूनों को बरवादी का दावत रेना समक्तर थे. उनका कहनाथा कि इस तरह खो चुको हैं. लेकिन अप्रेजों की ताकत आरेर हुकूमत का फैलाब सिर्फ लड़ने के लिये ही लड़ने रहे हैं जो अकत्तमन्त्री और दूरन्देशी सरहद में बढ़ता ही गया हैं. इसका साफ सतलब यह है कि इस की बात नहीं हैं. इस लिये अब हमको पहिले अपनी ताकन बढ़ानी रों र पठानों से भी आज़ादी की चाह पैदा करनी चाहिये. जिससे चाहिय और कवाइली इलाके से बाहर रहने बाल पठानों और श्रावें त्रीर हम त्राङ्गरेजी हुकूमत पर कोई करारी चोट कर सकें श्च गरेकों से लड़ाई छिड़ने पर हमारे य भाई हमारे सुकाबले में न अपने गुरूको ससनद पर बेठ जाने के बाद सुजाहिदीनों के

اور ونگ زائر کاکل کے باشندے ہونے کی دھ سے ہی جہابی احتیاری اسلی واحد مہاب میابی ونگ رائی کے نام سے متھیں دھے۔ فقتل واحد مہاب ممابی ونگ رائی کے نام سے متھیں دھے۔ ایسے کردکی مسئل داحد مساحب کے بیٹے بید کھا پیرٹوں کے دورج کے مطابق ماہی فسئل داحد مساحب کے لیٹے بید کھا پیرٹوں کھا کہ دسے کو اینا فیما چینا . اس وقت جایی فعنل واحد صاحب این تهم خانمای سکه ساتند این کائل ترنگ دن مین مین تھے . آئیگ زاگا پیشا در منلی کی چرستا تحصیل میں ہے اور سر حدی کا زھی خان عرایفار خلی صاحب سے کا کول مہمان زل سے عرف ایک میل کی دہ دی پر الكريون سك خلاف الوال كا اعلان كردين . أن سك دوكرت وويرت والله فيوس ير واست سياء في الله والدي المد مقام على مراوي الود الم الرواء الموسق إلى فأن كان على جال كرمكي

The state of the same of

सरहर को तबारीख में इस तरह हाजी कजल बाहिर साहब हाजो भज्ञ बहिद करवरा सन् '४८

साथियां का कितना यक्तान हासिल कर लिया था. तक नहीं की स्रोर उनके कहने के मुताबिक चलना मंजूर कर था कि किसी ने भो हाजो साहब के इस ्त्याल के खिलाक चूं पहिले नेता थे. जिन्होंने पठानों की स्त्राजाही के ससले को पूर िबया. इससे साबित होता है कि शुरू से हो हाजी साहब ने अपने उड़ा देते. लेकिन हाजो अजल बहिंद साहब की सच्चाई नेक बातें कोई दूसरा लोडर कहता. तो उनके साथी पठान हो. अप । चलनी श्रोर खुदा परस्ता का उनक साथियों पर इतना गहरा द्यासर डस लोडर का व्याप्रेकों का भदिया समकते और उसकी बोटी बोटा स्रीडर की तरह गौर किया. यह ठीक है कि अपगर इसी तरह की जहाद' के मजह यो जाश से अलग रह कर उस पर एक सियामा हैन्द्रस्तान को आजादों के मसले के साथ मिलाकर सोचा और

डन लड़कों से यह मालूम कर लिया कि मौलाना महमूद डल हसन गौर किया और उन्होंने यह खान करना शुरू का कि हिन्दुस्तान की इलाफ़ के कुछ लड़कों को पढ़ने के बहाने देववन्ट मंजा, और जब बाहिद साहब त्र्योर मोंज़ाना महमूद उल हसन साहब में खता में थे. नतीजा यह हुआ कि सन् १९०६ के करीब हाजी कजल साहब भी सरहरी सूबे से श्रापना ताल्लुक क्रायम करने की किक बक्त बली बल्लाई जमात के छटे इमास मोलाना महसूद उल हमन के चरिये कुछ जान पहचान हुई. पहले हाजो साहब ने कबाइली सियासा पार्टियों में कीन सो पार्टी उनकी मदद कर सकती हैं. उसी इसके बाद हाजो साहब ने पूर हिन्दुस्तान की सियासत पर

کا زادی کے منا کے ماتھ الکرموجا اور دجاد کی مذابی بینی ایک کی آزادی کے منابی بینی ایک کی موجا اور دجاد کی مذابی بینی ایک کی کا زادی کے ماتھ ایک میں کا تعداد کی ایک کی دومرا کیٹر کرتا او اس کے ماتھی اور اس کی کا فیل ایک اینے اس کیٹر کو انگرزوں کا مجیدیا تھی اور اس کی ایک ایک ایک اینے اور اس کی ایک این ماتھی میں اور دستا کر از کھا کہ کسی کے میں کا وی کا ایک کے ماتھی کی میں کی کھور کرتا کہ از کھا کہ کسی کے معالی جاتا منظور کرتا کہ از کھا کہ کسی کی موجود کی کا کی کا ایک کی کھور کے گا کہ کسی کے مطابق جاتا منظور کرتا کہ از کھا کہ کسی کی موجود کی کا ایک کے میں کی موجود کی گا کہ کہ کا کہ کا کہ کا کہ کہ کا کہ کہ کا کہ کا کہ کا کہ کہ کا کہ کا کہ کا کہ کا کہ کا کہ کا کہ کہ کا کہ مع : جعون ف يتفانن كى كالدى كاكسكاكوليد، وتدين مرصد كي قواريخ ين إبي طري ماجي فعنل واحد صاحب بيلي بيا كر فروع سے ہى صابى صاحب ئے اپنے ساتھيوں كاكتنا بھين こと じんしん

اس می بعد ماجی صاحب نے درم بندستان کی سیاست پر اور کھوری کرفی کی مہندستان کی سیاسی ہو اور کھوری کرفی کا کہ دندستان کی سیاسی ہو گئی ہوئی کا کہ دندستان کی سیاسی ہوئی کا کہ دندستان کی سیاسی ہوئی کا کہ دندستان کی سیاسی بارٹی کا کہ دندستان کی موری معبدار سے ایسا تعلق تعلق کا کھوری کے موری معبدار سے توجیع کا کا تعلق تعلق کا کھوری کھوری کے ایسا کہ دندستان کا کھوری کے اور کا کہ دندستان کی موری موری کھوری کے اور کا کھوری کے اور کا کھوری کے اور کا کھوری کے اور کا کھوری کے اور کھوری کے اور کا کھوری کے اور کھوری کے اور کا کھوری کے اور کھوری کے اور کا کھوری کے اور کے اور کے اور کا کھوری کے اور کیا کے اور کے اور کے اور کی کھوری کے اور کے ذریع کچھ جان بہان ہوئی ۔ سے حاجی میام نے قبائل علاقے نے کچھ دیموں کو پڑھے کے تبالے دیونز بھیجا ؛ اور جب ان لوگوں سے یہ سملوم کولیا کہ مولانا محمود المسسی

ा हिन्द हाजी कथल वाहिद करवरी सन् '४८

साहब हिन्दुस्तान की आजादी सचसुच ही चहते हैं और उसके लिये सब तरह की कुरबानी करने को तज्यार हैं. तो उन्होंने भी मौलाना महमूद उल हसन साहब को अपना नेता मान लिया. इस तरह बली उल्लाई जमात की इन दोनों शाखों का रिश्ता, जो सन् १८२१-२६ न टूट गया था, फिर से कायम हो गया.

इसके करांव दो साल बाद हाजी फचल बाहिद साहव ने अपने इलाके के मदरसे कायम करने शुरू किये. इन मदरसों में यू देखने के लिये तो देववन्द के मदरसे की तरह मचहकी तालीम होती थी. लेकिन हाजी साहब का इराजा था कि इन मदरसों के बिये ही पठानों में आजादी का सन्देश फैलाया जाय. तालीम के था. इस लिये पठानों ने हाजी साहब के इस काम को बहुत पसन्द था. इस लिये पठानों ने हाजी साहब के इस काम को बहुत पसन्द किया और खान अब्दुलगफकार खाँ साहब तो पहले पहल इन सदरसों को बजह से ही कीमी काम के मदान में आप. इसी बिये खान अब्दुलगफकार खां साहब आज भी हाजी फचल बाहिद साहब को अपना और तमाम सरहद का सबस पहिला बियासी परावा मानने हैं.

हार्जी साहब के यह मद्रसे इन्छ दिन तक तो चले. लेकिन उसके बाद ही अलीगढ़ यूर्नावर्सिटों के एक. विदार्थी असीस अहमद के जित्य अगेरजों को यह मालूम हो गया कि हार्जा साहब का कुछ ताल्लुक देववन्द के मद्रसे से भी हैं. इसका नतीजा यह हुआ कि सरहद के अङ्गरेच हाकिमों ने उन कुलों को जबरदस्ती खन्द करा दिया अभैर हाजां साहब पर कहीं नच्चर रखनी शुरू

کامب سے میلا سامی بینیوا بائے ہیں ۔ فد حلے ، کی ماج ماجی ماجب کے عدرے مجھ دن یک قد حلے ، کی ایس ایم کاروری انسی کاروری کے لیک وزیادی انسی ایم کاروری کاروری کے لیک وزیادی انسی ایم کاروری کارو

हिम्सन नहीं दुई. सिक्तं उन्होंने बहुत से जासूस हाजी साहब के जैसा इयसर था. उसको देखने हुए अभिजों को ऐसा करने की गिरफ्तार कर लेने की भी थी. लेकिन सबहद पर हाजी साहब का कर दी. उस बक्त कुछ आप गेरेच हाकिमों की गय ने हाजी साहब का

से उनका नाल्फ्रक बराबर बना रहा श्रोक वे पठानों से श्राजाही का बावजूह भी महरमा देव कह और मौलाना महमूह उत्त हमन साहब चुपवाप अपने काम का जार्ग बकवा इनर्ना निष्यानी होने के हाजी साहब इस हालन में भी घचरावे नहीं खोर उन्होंने

880

)

की तरफ से एक इमला किया गया क्यीर वहाँ की चौकियों से तो मौलाना महसूद उल हमन साहब ने हाजी साहब को यह भी कर लिया. जो कई 'दनों तक बना रहा. इसके बाद ऊपरी स्थान सन्देश भंजा कि हम लोगों को इस मौके से कायटा उठाकर अंग्रेजों **श्र**म्बला दूरे में होकर ब्रिटिश इलाके पर किया और उस पर क्रन्या चुने गए. इन क्रीजों ने सब से पहिला हमला. १७ श्रागस्त को इकट्टी होनी शुरू हो गईं. जिसके सुप्रीम कमान्डर हाजी साहब इस ऐलान का होना था कि क्रवाइली पठानों की कोजें जगह जगह गर्य श्रीर उन्होंने श्रामेजों के खिलाफ लड़ाई का ऐलान कर दिया. हाँ, २० जून १६१४ को हाजी साद्यक श्रापने नमाम खानड़ान के साथ चुपचाप ब्रिटिश इलाके से निकल कर क्षत्राइली इलाक़े में चले के खिलाफ फ्रीरन लड़ाई शुरू कर देनी चाहिये. यह सन्देश पाने कुछ दिन बाद ही जब सन् १८१४ में योरप में लड़ाई शुरू हुई,

کوفتار کرنیز کی بھی ہتی امکین مرحد پر حابی صاحب کا بھیا اق بھاء ک کو مکینے ہوئے اکارنےوں کو انیا کرنے کی بہت نہیں ہون حرث اکھوں نے بہت سے جاہوں تاہی صاحب کے بیٹی لکاور مرث اکھوں نے بہت سے جاہوں تاہی صاحب کے بیٹی لکاورٹے مرت اکھوں نے بہت سے جاہوں تاہی صاحب کے بیٹی لکاورٹے ور الما الما المورالمن صاحب سي ان كا للتن يمايد بنا مها الهد ولا بند الديما المورالمن صاحب سي ان كا للتن يمايد بنا مها الهد Lord Sugar اردى الله وت بلعد الكرز حاكون كى دائ قدماجى عاصب كه عاجي تعنل واحد

كى طون سے ايك عمر كيا تيا اور وبال كى بوكيوں سے

हाजी ऋचल बाहिद

करवरी सन् '४८

जगह जगह कियं गयं जिनमें अपंत्रेजों की कई पलटनें सका कर श्रां प्रेजी की जो को भगा दिया गया. इसं तग्ह कई श्रीर हमले भी

बिखर गईं और मुल्क को आबादी का उनका सपना पूरा न हा हाजा साहब का काबुल से ही मदद मिल सकी श्रीर न टकी सरकार होगा. तथ तक कामयाची मिलना मुश्किल है. इन चीकों का इन्त तक हमारे पास रसर श्रीर हथियारों का श्रच्छा इन्तजाम नहीं से ही. नतीजा यह हुआ कि हाजी साहब की तमाम कौजें धीर धीर वर्तरा से मिले. लंकिन कुछ ऐसी मुश्किलें सामने आईं कि न तो को काबुल भेजा स्वीर खुर सका-मर्जन। पहुँच कर ग्रालिब पाशा को लिखा. इस पर मौलाना ने ऋपने शार्गिद मौलवी ज्वेदुल्ला सिन्धी खास करने के लिये हाजी साहब ने मौलाना महसूदबल इसन साहब वाने कं भी जाल रचे. लेकिन हाजी साहब की हाशियारी की वजह साथों भी अमे जो से जा मिले और उन्होंने हाजो साहब को पकड़-सका. इसी बीच मोलाना सेंक रहमान वरोंग हाजी साहब के इब्ब से वे श्रपनी इन कोशिशों में कामयाब न हां सके. इन लड़ाइयों संहाजी साहब इस नतीजे पर पहुँचे कि जब

चुका था कि हिन्दुस्तान से श्रंप्रेज सल्तनत खत्म करने में पिंदले से ही था. क्यों कि बादशाह आमातुल्ला से यह तय हो दी. काबुल से होने वाली इस चढ़ाई में हाजी साहब का पूरा हाथ रौलट विक के खिलाफ नहरीक शुरू हुई श्रीर दूसरी तरफ काबुल क नए वादशाह अभानुला खां साहब ने हिन्दुम्तान पर चढ़ाई कर योग्प की लड़ाई खत्म होते ही एक तरफ तो हिन्दुस्तान में

ان دوائیوں سے ماجی صاحب ای نتیج پر مہنے کو جب کھ ہمارے پاس دیو اور ہمسیابعل کا ایتھا انتظام نمیں اپڑھا ہے۔ کھمیابی طنا مشکل ہو۔ ان چیزوں کا انتظام کرنے کے لئے ماجی صاحب نے ممالانا محدوالحسن صاحب کو کھھا۔ اس پر محالانا انگرزی فوجک و بھیکا ویا کمیا۔ اِسی طرح کئی اور مطل بھی جگر میکر کے کہ کئے جن میں انگرزوں کی کمئی بلٹسنیں صنعا کمدی کئیں . تعاکر بندکرستان سے انگریز ملطنت ختم کرست میں المقريط يها تقاء كونك إدفاه المان الله س يرط الالجيكا كدى . كا بل س يوف وال إس جدمان مين ماجي صاحب كا إلا عاجی معنل طاعد

हुक्रमत से कभा माकी की दरखास्त नहीं की, जमे रहे श्रोर उन्होंने दूसरे कवाइली सरदारों को नरह ब्रिटिश **हाजी साहब को फिर एक बार नाकामयाबी का कडुक्या फ**ल काबुल की मुक्किमल आर्जीदी अंग्रजों ने मंजूर कर ली. अपनी खनापड़ा. लेकिन फिर भो वेहिम्मतंक साथ अध्ययने उसूलों अर सरकार और त्रिटिश सरकार में मुलह हो गई, जिसके मुताबिक दिन्दुस्तानी काबुल की मदद करेंगे, जिसके बद्धों में ष्ट्राजारी मंजूर करा कर कात्रल की कोजे बापस लौट गई ब्रौर श्रंप्रेचों को गहरा तुक्रसान पहुँचाया. लेकिन कुछ ही दिन बाद काबुल बाहिद साहब ने इस लड़ाई में भी पूरा हिस्पा लिया श्रीर हिन्दुस्तान की आधाद। मंजूर करेगा. इसी वजह से हाजी कजल काबुल

हुकूमत क्रबाइलयों की बगावत का बहाना लेकर उन पठानों पर ध्यादा जुल्म नहीं कर क्षकों, जो इस तहरीक में हिस्सा ले रहे थे. बन्होंने इतना जरूर किया कि जब तक झसहयोग चलता रहा, *उन्हें*ने इस आन्दोलन में दिलचरपां लेना शुरू किया, लेकिन ब्रिटिश इलाके से सरहद में भा असहयोग की आँधी उठी, जिसकी रहवर्का हाजी श्रापने श्रासर के क्रवीलों को शांत बनाए रक्स्बा. जिससे श्रंगेच बाहर रहने के कारण वे इसमें कोई खास हिस्सा नहीं ले सके. हाँ तहर्राक में दिलचरपी लेना शुरू कर दिया था. हाजी साहब ने भो से रिहा हो कर हिन्दुस्तान वापस झा गये थे और उन्होंने इस इसी बीच मोलाना महमूर्डल हसन साहब भी माल्टा की नजरबन्दो साहब के पुराने साथ। स्नान ऋड्डलग्रफ्कार खाँ साहब कर रहे थे इसके बाद सन् १९२०-२१ में तमाम हिन्दुस्तान की तरह

685

ان دوائ می می ایرا صند ن اور انگذون کو آبرا اقتصان کا برا افتای کا برا افتای کا برا افتای کا برا افتای کا برا کا بی می ازادی انگرزون کے میکا در میکا کا برای مندستان کابل کی مدد کری گاجی کے مدت میں کابل مندستان كى ازادى منظور كريكا. إى وجر ي حاجى حفل واحد صاحب حاجي فصل واحد

مين مختافل ير زياده علم شين كرس ، جد إس تحريب مي معتد ك ري تق خردع کردیا تھا۔ ماجی صاحب نے بھی اِس اَندُولی ہیں دل بیٹیں لینا خردع کیا۔ لیکن پرلٹن ملائے سے باہر دسپنے سکا کارن وسک اِس میں کوئ خاص حصر بھیں سے سکے۔ إن ابخوں نے اِتناع در کیا کہ جب بہار انہوں کا مثان کے مثان کے ایک انہوں کے ایک اس جب بہار امہیوں میکٹا رہا "امغوں نے ایت افرے جبلوں کو مثان ہے ہو بہلے مکھاا جس سے انگرز مکونت قیا کمیوں کی بفاوت کا بمان کے م

पूरी तरह से हिकाजत की इसी हिजरत के सिलसिले में जब काबुंत श्रीर दूसरे इसरे इतलामी हुकूमतों में बसने के लियं चले श्रींघी डठी, जिसमें हजारों मुसलमान हिन्दुस्तान से निकलं कर हुये हाती साहब से उनकी भी मुताकात हुई थी. स्त्रान अञ्जल राफकार सर्वे साहब काबुल गयेथे. तच आते जाते पूरी सदद को झौर जा लाग उनके इलाके से हाकर निकले उनको **गंथे. हाजी साहब ने इस वक्र**त हिजरत करने वाले लोगों की पूरी धसहयोग को तहरोक के ही जमाने में हिजरत की भी

१९२४ सं सन् १६२८-२१ तक जब तमाम हिन्दुस्तान की तरह था जो पहाड़ियों की छिपी हुई गुराश्रों में छापा जाता था. सन होता है. यह ऋखबार शायद परतों में निक्तने बाला पहिला ऋखबार निकालना शुरू किया जिसके परता नाम का तरजुमा 'चिनगारी' सरहद में भी हिन्दू मुसलमानों के बीच तनाब फैना हुआ था, तक इस अखबार के जरिये हाजी माहब ने लोगों का सही नवीस भी ये. एक दूरन्देश लीडर होने के साथ साथ एक श्रुच्छे श्रखबार साहब पे पुरञ्चलर मोलेवा, एक ऊँचे दर्जे के कमान्डर श्रीर रास्ता दिखाने में बहुत बड़ा काम किया था. इस तरह हाजी इसके बाद हाजी साहब ने परतों में एक श्रखबार

उसके साथ थी. और जब सरकारी अकसरों ने खुदाई खिदमत-कारों पर दिल दहलाने बाले खुल्म आरते शुरु किये, तो बूढ़े हाजी की लड़ाई का ऐलान किया, तो हाजी साहब की पूरी हमददी इसके बाद सन् १९३०-३१ में जब फिर कांग्रेस ने आजादी

المعلی کے بی دفاعے میں ایجت کی مجری ایموی ایموی میں ایک کے اسلام کان ایستان سے مکار کا با امد دوم اس دوم ا

ماتھ ایک اچھے اضار فولیں بھی سنے کھر کا گزیں نے آزادی اس کے بعد کیسے بھو کا گزیں نے آزادی کی فوائ کا افوائ کا افوائ کا قوائ کا افوائ کا افوائ کا اور جب مرکادی اضرمال نے خسروائ فوری کے سروائ مَوْتُ كانعل يرول وبات هل فالمركول توع كان و يشيعمان

要性の () Manage of the Company of

के दुरमन थर थर कांपत थे . की काजाबी के लिये लड़ता रहा और जिसके नाम से हिन्दुस्तान बनको छोड़ कर बला गया है, जो अपर्ना जिन्दर्ग भर हिन्दुस्तान सके कि बाज उनके देश का एक ऐसा देश भक्त सपूत हमेशा के लिय ने को के विशा जन्नायं स्रोत स्थाने हिन्दुरतानो यह जान भी न साहब का इन्तकाल हागया. उन दिन मरहद के अंग्रेज काकिमों सन् १६३० के बाद के किसी साल में हाजी फजलवाहिद

श्लाके में रहते हैं कौर जान अन्द्रल शक्कार लां साहब के असर िक्स बड़े असन के साथ रह रहे हैं. कत की कौर इसं। बजह से ब्याज भी उस इलाके के हिन्दू कौर भाभी पिछले दिनों जब इन्ड मतल श लोगों ने महमन्दें को इसके शाह गुल भो हिन्दू मुसलिम एकता के बहुत बड़े हामी हैं और हिन्दू सिक्स्बों को खूट लें, तो बादशाह गुल ने इसकी सखत मुखाल-लिये भड़काना शुरू किया कि वे अपने इलाके के पास बसे हुए से काहिन्सा के पुतारी बन गये हैं. अपने पिता की तरह ही बाद-भाव हाजी साहब के लड़के बादशाह गुल हैं, जो महमन्द

सरहरा सूबे का तियासत का ना उनका 'पिता' कहा जा सकता है है. लेकिन उनको महिमियत से इनकार नहां किया जा सकता और की एक झला कहानों है, जो बहुत कम लोगों की नचरों में आई , बलीउझाई तहरीक की तबारीख में हाजी फजलवाहिंद साहब

الم في أن م ويما ألما خاسما الا

8-110 ماج بعد . دام

صاحب ئے، چن ۱۹۳۰ میں، ممندوں اور افریدلیل کے آیک

کے مہدد اور سکھ بڑے ائن کے مائتر دہ دمیہ ہیں۔ ولی اللی تخریک کی قلویج میں حاجی خسنل واحد معاصب کی ایک انکس کمانی او' یو بہت مم اوٹوں کی نظروں میں آئی ہو۔ کیس اس کی انجیست سے انکاد شیں کی حاسمتنا اور نرحدی صوبے کی مسیاست

हिंदुस्तानी कलचर और संगीत

(पंडित गनेश प्रसाद दिवेरी)

मशहूर हुए थे श्रीर इनमें व बहादुर सेन में कितनी लाग डांट रहा .से प्यार खां ने ला-श्रीलाइ होने का बजह से श्रापने भांजे बहादुर सेन को पाल लियाथा. जकर सांके बेटों में मादिक जली सब से करती थी यह भी हम देख चुके हैं. अब स्नास तौर से बासित स्नां बयान कर चुके हैं. अपन हम इनके बेटों के बार में लिखेंगे. इनमें साहब का इन्तकाल १८८७ ईंट में गया में ही हुन्ना. उस समय (बङ्कू भियां), मुहम्भद् झली खां व रियासत ऋली खां. बासित खां के बेटों के बारे में कहना है. इनके तीन बेटे थे-अली मुहत्मद डनकी डमर सी से ऊपर थी. पिछले लेखों में हम जकर खां, प्यार खां और वासित खां का

जलसे में नीचा दिखाया था यह हम देख चुके हैं. काजिम श्राली के खों की मौजूरंगी में उनके भांजे बहादुर सेन का उस बिहाग वाले इनका ऐसा संगीत का बिद्धान शायद ही कोई हुन्ना हो. इनके बाव रागों के महा पंडित थे संस्कृत इन्होंने षडितों से बक्तागदा पढ़ी थी. बाद उनकी गड़ी सादिक अपली को ही मिली. यं लोग चार आई थे आरीर इनके बड़े भाई काजिस आर्ली ने किस तरह आपने चाचा प्यार जिनमें से अहमद अली बचपन में ही भर गये थे. सादिक जाली जरुर लां के बेटे सादिक अपली लां ने शादी नहीं की थी. थे

مین که مینی می در است علی خان ، میاد خان اور با سط خان می این است مین می طفوخان ، میاد خان اور با سط خان می و است مین که میا مین از مین که مین مین مین که این مین مین که این مین مین که این مین که اور ان مین و بهادر سین مین کال وازی دیا و این مین و بهادر سین مین کال وازی دیا و این مین و بهادر سین مین کال وازی دیا و این مین و بهادر مین مین که مین که وازی دیا و این مین و بهادر سین مین که مین که وازی دیا و این مین مین که مین که و این که می کیا میں ہی ہوا۔ اس سے ان کی عرب سے اور کئی۔ اس میں کا بیار اس سے ان کی عرب سے اور کئی۔ اس میں کا بیار خال می سے اور کئی۔ اس میں کا کا جاتا ہی ان کی عرب اس کی ایس سے اور کئی ہے۔ اس میں کا کا جاتا ہی کہ اس میں کا جاتا ہی کا جاتا ہی کہ اس میں کا جاتا ہی کہ کا جاتا ہی کی کا جاتا ہی کہ کات The state of the s

مى . إن كا ايسا ستيت كا ودوان شايد ألى كون أمّا بو . إن كم بعد

में ही रहें आरे इस बजह से बंगाल (खासकर कलकत्ता और का नाम हिंदुश्तान भर में मशहूर था. कासिम झली का भी बंस नहीं ढाका) से बाहर इनको बहुत कम लोग जानते हैं. पर सादिक श्राली कासिम श्रली वंगाल में श्रच्छा नाम कर गये हैं. ये ज्यादातर वंगाल जिंदा नहीं रहे. बंस चला सिर्फ काजिम अली से ही जिनके बेटे इनकी गरी छोटे भाई निसार ऋली को मिली. पर ये भी ज्यादा दिन

निकाला. मनीत खां के बेटे का नाम भी बहादुर खांथा, पर इनका किया था जो इनके नाम से 'मसीत खानो बाज' कहलाता है. करीम सेन के दूसरे लड़के रागरस खां के बेटे मशहूर मसीत खां वंस नहीं चला. साहब हुए थे जिन्हों ने सितार बजाने का एक नया स्टाइल ईजार सितार बजाने का इससे व्यच्छा ढंग व्यभी तक किसी ने नहीं हेंदर लां, स्रीर बहादुर खां थे जिनके बंस नहीं रेचले. इनके पहले **ब**ज्जू सांके छोटे भाई जीवन स्तांके तीन लड़के वाकर स्तां,

नक्षदीकी रिश्तेदार के बच्चे का पाल लिया था जो मौजूद हैं श्रीर इनके दूसरे बेटे सुहस्मद आता ने शौकत आता नाम के एक आपने बंस नहीं चला. श्रीर इनके बंम में भी श्रव इस समय कोई नहीं है, क्लकत्ते में रहते हैं. इस तरह इस देखते हैं कि सिवा बासित खां के और किसी का

पर उनमें सार्क की शादी जो हुई वह थी रवाची काजिस बाली की संन्यन्ध्र भी हो जाया करता था. यों तो इस तरह की कई शादियां दुई बीनकार और रवाबी दोनों घरानों में अक्सर ब्याह शादी का

که چینے کا نام نجی میاورتاں تھا ، یہ ان کا فیس نمیں جا ۔
ان طرح ہم وجھتے ہیں کر موا باسط خال کے اور کسی کا ۔
فبس نمیں جلا ۔ اور ایس کے جس جس میں اب اس سے کھل نہیں ، و ۔
ان کے دومرے بینے محد کل نے فیمت علی نام کے ایک ایسے ۔
ان می ویمت والد سے بیختم ہیال یا تھا جو موجود ہیں اور کھلتے ۔
ان میں ویست والد سے بیختم ہیال یا تھا جو موجود ہیں اور کھلتے ۔ إن كا كندى تهوت مملل اخارى كو مل . يدير مي حبى وياده دن تده نام ند مندسان مجراه سکیت からかか

بدين ين مركم كي شادى جو دوي ده متى مالي ما فرصلى ك

नेया हिन्द हिन्दुस्तानी फल बर खौर संगीत करवरी सन् '४८ खड़का से बीनकार अमीर खां की शादी. बहादुर सेन रवाबिय बाह में नवाब रामपूर कल्वे अली खां के गुरू के रूप में रामपुर जा बसे थे. कािका अला (जा बनके फुफेरे भाइ थे) का लड़काे भी उन्हीं के साथ गई थी. बहां पर अमीर खां से उसकी शादी बन्होंने करदी

इससे बचार खां की पैदायरा हुई.

इस बास्तित खां के लड़कों को लेते हैं क्यों कि इस बराने में अब सिक इन्हों की चर्चा करनी रह गई है. यह हम कह जुके हैं कि बासित खां का इन्तकाल गया में हुआ और गया के पास के टिकरी नाम के राज से इनका बहुत सी जमीन और कई गांव मिले थे. पिता के बाद सारे ताल्खुक के मालिक अली मुहम्मद खां हुए. इनके दोनों को भाई मुहम्मद अली मुहम्मद खां होए. इनके साथ ही रहते थे. बड़ भाई अली मुहम्मद (बड़कू मियां) और मुहम्मद अली ही सार, केंकियत बता दी गई थी. यड़कू मियां को रवाव और मुहम्मद अली स्त्रीर मंद्र में केंकियत बता दी गई थी. महमूद अली खां का गला बड़ा सुर्राला और मांठा था इस लिये इन्हें रबाब के साथ गाने की भी पूरी

तालीम दी गई थी.

अलं। मुहम्भद करें बड़क मियां को बहुत बड़ा तालुका गया अलं। मुहम्भद करें बड़क मियां को बहुत बड़ा तालुका गया भीर टिकरा मालों से मिला था, पर उसकी देख भाल इनसे न हो सकी. य खरा एयारा मिजा व और आरामतलब आदमी थे. खर्मीदारी चलाने का बिद्या इनको नहीं मालूम थी. नतीजा यह हुआ कि इनको सारा जायदाद देखते देखत खतम हो गई. रारां की कि इनको सारा जायदाद देखते देखत खतम हो गई. रारां की देखा. कल क्या होगा, इसको इन्हों ने कभी नहीं सोचा. जिसने ओ

تیا توسند مین ماری اورمنگیت فروی مین بید می فال اوی سے بین کاری امیر مثان کی تناوی بهاد سین و با ایسے تی . کافو حل او ام جید کعب حل خال سے کرد سے دب میں ام اور با ایسے تی . کافو حل او ان سے میمیمیر سے مجال تیتے) کی اول بھی انھیں کے ساتھ کہا تھی۔ میں پر امیر خال سے اس کی خادی انھیں نے کردی جس سے مذہر خال کی میدالین ہوئی ۔

اب المسط قال سے ایک مو ایت میں موتو ان محوات میں اب اب است قال سے ایک مو ایت میں موتو ان محوات میں اب اب است قال کے وہم کا ایک میں ای

1010.100,810 0 1:

ऐसे भूतों का निकास मगाया. तक बढ़ी कि बहुत से चालाक लोग इसी मौज की लालच से ही इनके शार्गित हो गए. पर पता चलने पर इनके आइयों ने ज्यादातर हिस्सा इन्हीं लोगों पर सर्फ होता था. बात यहां के तो यह सचसुच ग़रीब निवाज ही थे. आगर्नी का सी इनकी दौलत देखते देखते गायंब हो गई. ग्रदीब शागिदाँ मिलना चाहिये. इसका फला यह डुआ कि राजाओं की क्या. इल्म ही की बदौलत बुजुर्गों को यह दौलत मिली थी, पर इन बेचारों को कौन देगा. यह इन्हीं का है, और इन्हीं को भी खड़े हो जांयने बुजुर्गों की दुत्रमा से तकलीक नहीं होगी, सो हमाश इल्म तो कोई अतीन नहीं लेगा. हम तुम जहाँ कहीं का है और इन्हों के काम था सके तो इससे बढ़कर और बाँट सुनतां पड़ती थी. ये सख्त नाराच हो कर भाइयां से कहते कि, यह जो कुछ भी हमारे तुम्हारे पास है, इन्हीं लोगों पर जब कभो इन्हें पता चलता तो भाइयों को इसके लिये बे कोर ऐसे लोगों का वाहर ही वाहर लौटा दिया करते थे. इस तरह के याचकों का पहुँच व सुनवाई इन तक न होने देते हनकी आदत से त्राजिय बाकर बक्सर इनके भाई लाग इतनी सरी हुई थी कि किसी को निराश ये कर ही नहीं सकते थे. महाजन का कर्जे. इस तरह को जरूरियात को ले कर कोई न कोई इनके पास पहुँचा ही रहता था झौर इनके मिजाज में सुरौबत बहुत से धूर्तों ने इन्हें बेतरह ठगा. लड़की को शादो, बाढ़ की बरबादो, मांगा उठाकर दे दिया. किसी को न' कहना नहीं जानते थे. दिन्दुस्तानी कताचर और सङ्गीत करवरी सन् '४८

नया हिन्द हिन्दुस्तानी कसचर और सङ्गीत करवरी सन् '४८

मुख्तसर यह कि १०-१५ साल के अन्दर ही गया और टिकरी की सारी चर जमीन काफूर हो गई, एक के बाद एक गांव विक बले, जिससे टिकरी के राजा इनसे बहुत नाखुश भी हुए, पर इसकी उन्हों ने रत्ती भर भी परवाह नहीं की. सब. इस फूंक कर नैपाल दरबार में बले गय.

की विद्या से बड़ा प्रेम था. उनके दरबार में कई आच्छे बाहरहे थे पर उन्हों ने, जैसा कि हम देख चुके हैं, गया और बालिंद से कुछ सीखने का मौका नहीं मिला. बड़कू मियां राजा साह्य के। खबर मिली कि वासित लां के लड़कों और टिकरी भाष्क्षे गुना मौजूद थे बह अर्से से बासित खां के बुलाना देकर बड़कू मियां का बुला भेजा. जा कुछ थोड़ी सी जायदाद बालों से कुछ अनवन हो रही है तो उन्होंने बड़े आदर से दावत टिकरी छोड़ कर किसी दूसरे दरबार में जाना नहीं चाहा. इधर जब की तरफ ही था. सब से छाटे होने की बजह से इनके अपने मियां तुरंत नैपाल रवाना होगए. रिवायत ऋली की तालीम कम बची थी उसका छोटे भाई रियासत ऋली के सुपुर कर बड़कू हुई ज्यमीन इनके सुपुर्व कर बड़कू मियां मुहम्मद श्रलो (मॅफले) मिली थी. इनका ध्यान ज्यादातर जमीदारी की देख भाज को लेकर नेपाल चले गए. की फैयाओं सब सं ज्यादा इन्हों का खलती थी. इसीसे बची नैपाल के राजा (इस समय जो हैं उनके बाबा) को गाने बजाने

इन स्नोगों के वहां कुछ बरस तक रह जाने के बाद नैभाव सिंदुस्तान में संगीत का केंद्र (मरकचा) होगया पहले

نيال بندستان ين ستكيت كالمينعد دم كذى يعكي: ميك

इनको विलायती जान्य वैंड के संगीत के साथ वालरूम में विलायती रत रा में भर दिया गया . बांन, रबाब के दैवी सुरों की जगह सभ्यता, साहित्य श्रीर कलाश्रों को दुनिया में बेजोड़ मानना उनकी सभ्यता को हिकारत की निगाह से देखना खौर योरप। संस्कृति, वालीम मिली उसमें च्चपने देश की पुरानी कला. च्चद**क जौर** रेचीबेंट को तालीस में इन के महराज कुमारों का जो स्नास सभ्यता और विलायत में तालीम पाने या ऋपने देश में ऋ'गरेज मंबली (शागिदों की जमात) तैयार होता. खेरियत यह थी कि उस सैंक्ड़ों शागिर्दे तैयार हो जाते चौर फिर समय पर उनकी शिष्य कला की सेवा में . काश कि अब भी ऐसा हो होता . अंगरेजी दौंक में चतने शर्क नहीं रहते थे जितने कि संगीत, साहित्य और षमाने के रजवाड़े सोडा, क्लिकी, पोलो, घुड़दौड़. कुता हौड़ या मोटर में ये लोग दस या पांच बरस के लिये भा टिक जाते थे वहां इनके तनख्वाह झौर इलाक्ते का लालच देकर ये सेनियों को खुलाने की केाशिश में रहा करते थे. श्रीर बातों के श्रालावा इससे देश भर में संगीत का प्रचार व फैलाव बहुत हुआ. जिस दरवार में भापसी लाग बाँट सी लगी हुई थी. ज्यादा से ज्यादा ज्यादा हैं. विल्ली का मजिलस उलड़ने के बाद. रामपुर, और लखनऊ के नवाय, फिर बनारस. और फिर नैपाल इन दरबारों सी लगी हुई था कि चोटी के संगीत गुनी किसके दरबार में हन दिनों बात यह थी कि देसी बड़ी रियासतों में कुछ होड़ चमका, संगीत के मानी में नैपाल को शान भी उनी तरह की होगई. जैसा दिझी दरबार था और बाग में रामपुर दरबार जैस मेंबो हिन्द े हिन्दुस्तांनी कत्ववर और सङ्गीत करवरी सन् '४८

दुनिया के सामने हैं. यह जगह बस पर ग़ौर करने की नहीं हैं. इन्हें अपने भसरक' का बनाना था. खैर, तो इस चाल के अंदर देश की लिलित कलाव्यों खास कर संगीत को बड़ी गहरी ठेस पर यह हमें यंहाँ कहना ही पड़ेगा कि अप्रेजों की इस नीत से हमारे दुनिया में नहीं है. प्नपीं, फूलीं, फलीं और इतने उंचे बठीं कि जिसकी मिसाल वो अब्बुभी राजकाजी सक्कसद् अयंगरेकों का रहा हो वह अराज बड़िक्यों के साथ नाचने की तालीम दी जाने लगी. कांगरेजों को लगी. इन रजवाड़ों के हां आश्रय (जेरसाये) में हमारी कलाएं हिन्दुस्तानी क्लबर भौर सङ्गीत करवरी सब् '४८

इंतजाम हिन्दुस्तानी राजा लोग ही करते रहते थे. ईसवी सदी है कि कलाबंत नृत, तेल सकड़ी की फिक से बरी रहे और इसका हिन्दू जुग में हिन्दू राजे और मुसलिम जुग में मुसलिम राजे दोनों के पहले से लेकर १८ वीं सदी तक इतिहास हमें बताता है कि ही हमारी बला को हर तरह से सज्जाते सँबारते रहे. हिन्दू जुग के बाद जब हिन्दू लोग खुद अपनी कला से खदासीन हो पड़े थे से इस अवंभे को देखा और फिर्में घीरे घीरे अपने अलाये हुए रानों की खोज लबर करने लगी. मुसलमानों के बड़े से बड़े बाद-ब्यपने ही ढंग से बड़े जतन से खूब खूब सजाया, स बारा यहाँ तक तब मुसलमानों ने हमारी संगीत कला की खिंदा ही नहीं, बल्कि की मरी हुई सी हिन्दू जाति ने करबटें बदल कर श्रचरज भरी निगाहों शाह, नवाब, बजीर/बगैरा खुद इसका जी खोल कर भभ्यास करते थे. इस सिंसिसेले में, घलाउदीन खिलाजी, घडनर, संगीत भौर साहित्य की ऊंचे दरजे की सेवा के लिये यह जरूरी

این می مای و این کا می این ای ایم ایک ایم دول کا ایم دول کا ایم و ایمیان کرے تھے۔ اِن سے یں، طاؤالدین علی، کہا

नया हिन्द हिन्दुस्तानी कलचर धौर सङ्गीत करवरी सन् 'अट

अहम्मदराह, सुलतान शकीं (जीनपुर). नवाय कल्ये आली, नवाय वाजिद कर्ली वर्ग रा को सिसाल इस किससे दें. रीवां के राजा रास कीर व्यालियर के राजा मान हिन्दू राजाकों में संगीत के मानी में अगुआ थे. पर कीन कहंगा कि मुहम्मद शाह रंगीलें और सुलतान शकीं इस मानी में किसी से कम थे. ये दोनों हो ख्याल गायकी के जनम और रूप देने बालों में से थे. जिनके बनाये हुये सेकड़ों पशहूर ख्याल ब्याज भी हिन्दू मुसलमान सभी गानैयों की ख्यान पर हैं. मुलतान वान शकीं ने तो नये राग भी बनाये जिनमें जीनपुरी नाम का राग इतना हरित्तक में लेकर यह राग निकाला गया और जिनको हम हसकी माता कह सकते हैं) ब्याज बोमल हो गई हैं. यहां तक कि ज्यादातर खोग जीनपुरी को ही बास्मवरी (पं० भातस्बंडे तक) मानल वा गये हैं. और ब्यसली बासावरी को दुनिया भूल चली. कहने का मानल वा यह कि कम से कम मानल में का मानल वा यह कि कम से कम मानल में के जान स्वाल स

कहने का मतलब यह कि कम से कम मुसलमानों के ऊपर यह दोष सगाने की हिरूमत किसी भी इतिहास लिखने वाले को नहीं होगी कि मुसलमान शासकों ने इस देश की शिचित कला को तबाह या नष्ट करने की कोशिश को.

पर अंग्रेजों का पहला बार ही इसी तरफ से शुरू हुआ. हमारी माषा. सभ्यता, संस्कृति और कला. साहित्य बरोरा जिससे हमारी निगाहों में गिर जायं वही तरकीब इन्होंने की. रजवाड़ों को कुछ इस उरहे के शीक दिला दिये जिससे कि हिन्दुस्तानी संगीत को ये जंग- बियों की हुल्लड़बाजी सममने लगे. इस रियासतों में पुराने जमाने के उस्ताद अब भी पड़े हैं पर इनकी कोई कह नहीं है. ये लोग कह के

ایاست و سلطان خرقی رون بیدی و آب کلیدی ، فواب و جوعی فی و می متنانی کیم اصلیت و آب کلیدی ، فواب و جوعی فی و کلیدی می مثال ایم س سے وی . روان بیدی می می اور موالی می سال می سال ایم و می می اور موالی می سال می سال

کے ہیں اور املی آساوری کو ہ تا محدل میں ۔ اور یہ دفت تکامنہ کی ہت محملات کے اتحال معلی یہ ہوت کا معلی یہ ہوت کا معلی یہ ہوت کی ہوت کی

💥 है, पर हमारे फन से कोई कायदा नहीं डठाया जाता. न किसी को क्षिके तरसते हैं. चताद सादिक बाबो बीनकार बाब भी रामपुर दर-को कभी कभी व्रवार की शोमा बढ़ाने के लिये याद करमाया जाता बाये थे. उनकी बातों से ऐसा जान पड़ा कि उनका जी जबा हुआ है बार कें हैं. इस साल वह इलाहाबाद न्यूखिक कानकरेन्स में तरारीफ राजाचों के यहां जैसे अवायन घरों में हर किस्म के हाथी, घोड़े क्या क्षेत्र हिन्दुत्तानी क्याचर और सङ्गीत फरवरी सन् 'अट द्धानने की फूरसत है न सीखने की. ये अपने बच्चों को अब बीन की शेर. भारा बरोरा देखने के लिये होते हैं और खास खास मौकों पर बहा क्या तकलीक है तो उन्होंने बढ़े दुई से सिर्फ यह कहा कि मेहमानों को बड़े नाष के साथ दिखाये जाते हैं उसी तरह हम लोगों मई ख़ुरा हों. इन सतरों के लेखक ने जब उनसे पूछा कि आप को भीर विद्यं बहां कोई संस्था (अंजुमन) उन्हें आहर से रक्से तो वे तालीम न देकर अमेबी पढ़ा रहे हैं.

नैपाल इस मानी में सबसे आते था. उस जमाने के नैपाल दरबार के थीं जिनके यहां अब भी संगीत की चर्चो हुआ करती थी. उस समम कं। जद्र पूरी जम चुकी थी. सिर्फ़ दो चार देसी रियासतें ऐसी रह गई लगभग सभी गुनी बड़कू मिया के शागिर्द हो गये. जो गुनी बहां पहले से मौजूद थे उनमें स्नास थे पंडित राम सेवक मित्र ख्यालिये मुराद अली खां भरोदिये. इन्हीं रामसेवक जी के लड़के मशहूर श्रीर मितारियं, ताज आतं धुरपितृये, न्यामत चल्ला सां सरोदिये, शिथसेषक स्रोर पशुपति सेबंक हुए जो शिष-पशुपति के नाम से सार हिन्दुस्तान में प्रसिद्ध हुए ताल और लगदारी के मामले में बाली मुहम्भद (बड़कू भियां) बरौरा के जमाने में यहां बांगेजों

ین تربت میں ، استاد صاحق علی بین کاراب می دام لا در ار است میں میں ۔ اس سال وہ الرابیاد میدس کالفرنس میں تشکیف لا سے سخے ، ان کی باقعی سے ایسا جان بڑا کر ان کا جماحیا ہوا ہو ای اور میدی میماں کوئی سنستھا (انجین) انتخیس اندست مجھے تو وس بڑے توثی ہوں . ان شطوں سے ایسمک نے جب ان سے پوچھا کر اس کو وہاں کی تکلیف او قریرے دروسے حرف پرکا کر ماجائی کے تیاں جلیے عجائی تھول میں ہرقسم کے اکتی، کھوڈے، شرع بھااو دعیرہ و تھیے کے مطع کوستے ہیں اور خاص خاص موتعیل پرمہجائیں کو جڑے :از مے ساتھ دکھا نے جائے ہیں ای طری ایم اولاں توجی میں دریار کی توجی مندستان مج الاستيت

of the river of the same of it with a local of المن منعور بميوميك الد ليتويّ ميدك يوم يوفيو الينوي ك

ने बड़कू नियां रबाबिये से नैपाल में तालीम ली थी. ्थे. इसकी खास बजह यह हैं कि इनके वालिद न्यामत उल्ला साहब स्तान में यही दो भाई ऐसे हुए जो रबाबी तरकीब से सरोद बजाते **ख्ल्ला और कौकब खां** हिन्दुस्तान के सबसे बड़े सरोदिये हुए. हिन्दु-पूर्वज प्रसिद्ध खाँर मनोहर नाम के दो भाई थे जो अपने जमाने में कार थे श्रीर शिवजी धुरपद श्रीर ख्याल दोनों में माहिर थे. इनके बहुत बड़े गुनी हो गए हैं. नियामत बल्ला स्नां के लड़के करामत-देश में भर में इनकी कोई बराबरी नहीं कर सका. पशुपति जी बीत-

हिन्दुस्तान के सब बड़े तंत्रकार माने बाते हैं. हैं. जो सरोद में अपना सानी नहीं रखते और इस समय भी पाई थी. इन्हीं सुरावश्चली के भतीजे हक्षीज्ञक्चली खां साहब की थी. बचीर स्तांसे इन्होंने बीन इयंग के झालाप की तालीम सुहम्मद के बालिद) श्रीर बीनकार बजीर स्तां की सोहबत बहुत बनह यह थी कि इन्होंने सुरवहारिय गुलामसुहम्भद (सज्जाद सुरादभली लां के सरोद में बीन का आरंग था. इसकी स्नास

कलकत्ते में रहे श्रीर बहुत से लोगों को तालीस दी **भव**दुल्ला खां भौर डनके बेटे श्रामीर खां सरोदिये हुए जो श्रासे तक में सितार की तालीम ली थी. मुरादश्वली के ही खास शार्तिइ शिब-पशुपति के पिता रामसेवक जो ने बड़कू मियाँ से नैपाल

मनारस बसे आये. वैपाल की सर्द आवहवा से ढलती उन्न में हुचा था. एक लंबे घारसे तक नैपाल में रहकर बुढ़ौती में ये को बढ़कू मियां या उनके भाइयों से तालीम लेने का इत्तफाक इस तरह हम देखते हैं कि उस जमाने के सभी मशहूर गुनियों

> ویش مجر میں اِن کی کوئ یؤدی امنیں کرمکا . لینوی می بین کاد کے اور متبع جی محم یہ لور خیال دونوں میں اہر تھے . اِن میں بجہ دین پر مہم ہوئے اور منوہر نام کے دو مجال تھے جو اپنے ذیائے میں بہت جرب کئی ہوئے ہیں . فعرت النہ خال می اوک کرائٹ اٹٹہ اور کوئب خال جندستان کے Mer (Sa)

اس طری ہم دیکے ہیں کر باس زائے کے بھی منہوں کیے ہو کی والے کے بھی منہوں کی والے کا بھی منہوں کی والے کا بھی منہوں کا اکتان کے بھی منہوں کی اکتان کی جا بھی ایک کی جا ہیا گئی ہے۔
اور اسمار ایک کی عرص می نیال می مواب ہوا ہے وحلتی جو میں ہے
بنازی ملے آئے ۔ نیال کی مود آب ہوا ہے وحلتی جو میں

नया दिन्दः हिन्दुस्तानी कलचर और सङ्गीत ं फरवरी सन् '४⊏

्राजा साहब सितार बहुत बेहतरान बजाते थे. इन्होंने बँगला में जो बड़े गुनी इस वक्ष्त वहां पर थे उनमें स्नास थे बालीबखरा दां मराहूर शार्थिद थे जिनमें एक थे राजा सर सीशेंद्र मोहन टैगोर, मियां ने सुरसिंगार का आलाप वनाया था. वंगाल में भी इनके नामी धुरपदिये वहां मौजूद थे. बनारस के मशहूर बीनकार धमारिये. ये बंगाल के मशहूर धुरपद धमार के गुनी आधारचंद बहुत सं गुनी इकट्टा थे. काशीराज के दरबार में उस बक्त इनके इन्हें तक्क्लीफ होने लगी थी. पूरव में बन दिनों बनारसं में भी संगीत पर कई अध्छी-अध्छी किताबें लिखीं जिनसे साबित हैं बनारस श्रीर कलकते में इन्होंने कई बरस तक इनसे तालीम ली सीर साहव इनके ज्ञास शागिद थे. इनके। जी लगाकर बड्कू मिठाइलाल बड़कू भियां के ही शार्षिव थे. जलन्धर के एक सैयद चक्रवर्ती के गुरु थे. दौलत जां. और रसूल बख्श नाम के दो और छोटे भाई निसारऋली ननके गुरू के रूप में थे. इनके श्रालाबा कि इनकी साल्युसात और याददाश्त बहुत ऊँचे दर्जे की थी. बंगाल में संगीत विद्या का जो इतना शीक बढ़ा वह खास कर

इन्हों राजा सहिव का बजह स.

बंगाल में बड़कू मियां के दूसरे सशहूर शार्गित हैं बाबू ताराप्रसाद घोष. ये कलकते के मशहूर जमींदार काशी प्रसाद घोष के पोते हैं और अभी मौजूद हैं. इनके यहां इसदाद खां सितारिये, काले खां ख्याबिये (बड़े गुलामअली के वालिद) और दैलित खां धुरपदिये ऐसे बड़े-बड़े संगीत महारथो ज्यादातर कि ही रहते थे. कंककते की ब-बनस्टीट बाबी इनको कोठी संगीत

میا جست میلین اید فی کاف سیات و داری ان می می الد می این می این

الجلی میں وجو میاں کے دوم بر مرتب ماتا و دی ہا اور اس اور

चाहिये, इस बात के बे क्रायका नहीं थे आरेर इसे बहुत छोटी बात समस्तते थे. गाने या बजाने की जिस क्लिस का जा सीखना बाहता था उसे इन्होंने कभी निराश नहीं किया. है. खानदान से बाहर बालों को घर को असली तालीम न देनी निगाह से देखा. इनके शारितों में हिन्दुकों की ही तादात जंयादा बाहर का है, या कौन हिन्दू है और कौन मुसलमान. सबका एक भीर धन दोनों का इन्होंने जी खांलकर दान किया. कभी इस बात का खयाला नहीं किया कि कौन इनके अञ्चानदान का है, कौन मियां में सबसे खास बात थी डनकी डदारता या केंगार्जा. विद्या परवरिश अब भी महाराज बनारस के दरबार से होती हैं. बड़कू इनके कोई बेटा नहीं था. एक लड़की थी जिसके कुनबे की हैं. बीसवीं सदी के शुरू में ही बनारस में ये परखोक सिधारे. बड़कू भियां हिन्दुस्तान में ऋपनी बहुत-सी निशानियां छोड़ गये

बाकिफ से. हिन्दुस्तान के पिछली सदी के सबसे बड़े बीनकारों में से कार्जिस क्यां बी ये तो रवाबिये पर बीन की भी सारी कैकियंत से खानदान में हुई थी इन्होंने बीन में ही ज्यादा कमाल हांसिल किया. इनमें एक खास बात यह थी कि हालाँकि उनकी पैदायश रवाबी रह—वर्षार चली सां साहब के यह नाना थे. **उस सदी के दो धौर** कासिम भलो को रवाब और बीन दोनों हो की भच्छी तालीम मिली. के बेटे कासिम अली का उठ्छ हाल कह देना जरूरी है. बचपन में की गद्दी मिली, पर इनके पहले इनके बड़े बाप (काजिस अगली) इनके बाद इनके आई मुहम्मद्वली खां को बुजुर्गो

> تأجب رائد المنستان مجراه بحيت عماليون مح المديمي الجابعا.

A COMMENSATION OF THE COMM

پیدائیش دایان خاندان یں ہولی تھی ایھوں نے بین میں ہی زیادہ کمال ماسل کی . کاع علی تھے آوراہیے پر جین کی بھی سادی کیفیدت سے ماتون تھے۔ بزیکستان کے مجیلی صدی کے سب سے بڑے بینکامعامی جیوں صدی کے تروع یں آئی بنایں ہی ہے بیکن مدھارے. اِن کے کون بٹیا تنیں مخفا۔ ایک اولی تھی جی کے کینے کی بھٹی۔ دِيرُه ميان بندستان ميں اپئ مجت می نشانياں چھوڑ محکے ہيں۔ سے آیک۔ مذیری خال صاحب کے برنانا متے ، اِن صدی کے وہ اور

हामा दिन्य हिन्युस्तानी कवांबर और सङ्गीत प्रश्रवरी सन् '४८

. का बेजोड़ बीनकार था. कहा जाता है कि इतका बाजा सुन कर चाँद सेनी बराने के नहीं थे. उमराव खां के शांगिड़ों में से थे. पर नाम बने बीतकार थे क्नाद बंदेशनी खां श्रीर पुशर्रफ खां. ये लोग साहब की गई। पर रामपुर दरबार में हैं. ये बापना घराना सेनियों से इंदुला' नाम के नाटक और आलम कि की रची हुई इसी नाम की के लड़के सार्विक्रवाली जां साहब बभी जिन्दा हैं कौर बजीर लां स ये लोग अपने गुरुषराने से आगे निकल गए. सुरार्फ खां साहब इनका सेनियों से ज्यादा हुन्ना. कापना काश्यास, वापनी लगन के बत इक जाता था और रात बड़ी हो जाया करती थी. 'साधवानल-काम हूं. माधवानक को इस घराने का आदिपुरुष बताया जाती है. यह माधव विलक्क अलग-स्वामी हरीदास (तानसेन के गुरू) से शुरू बताते नास का श्राझख राजा विकसादित्य के जमाने में था झौर झपने समय प्रेमगाथा क्ष में यह कथा दी हुई हैं. इस घराने की चर्चा हम फिर ही हिन्दुस्तान के सबसे बड़े बीनकार हैं. करेंगे. मुख्तसर यह कि इस समय मुशरफ खां के बेटे सादिक जाली

गुजरे जिन्होंने बीन कौर रवाब दोनों में कमाल हासिल किया पुरुषाबज की भी सारी कैंकियत इन्हें भावतम भी भौर प्रकावन की इनको पूरा हक था. जहां तक हमें मालूम है, यही एक उस्ताव ऐसे खुंगत के साथ साथ .बीन और रवाब दोनों वाजों को निर्फ ये ही आता ने इन्हें बीन की ही वासीम ज्यादा हो. पर रवात पर भी कासिम झंती का सुम्ताव बीन की तरक ज्यादा देखकर काजिम

हेबार सबसे पहते हिन्दी दुनिया ने सामने साथा. क्क 'हिन्हों के कवि और काल्य' भाग ३ जिसमें, इस गाया को

دم بد مدار میں ہیں۔ نے اینا گھڑا اسٹیوں سے باتک الک سوائی کویں کی دائی وائل سوائی کویں کے دائی دائی دائی دائی مندسان كو ادرسكيت

ماسب سے جیرے بین کار ہیں۔
ان میں کا می کھا کہ بین کی طرف ویادہ حقیم کا کھی ہے استیں بین کی اور کھی کھا۔ جال شک ہیں میں ہی اور کھی کھا۔ جال شک ہیں میں ہی اور کھی اور کھی کھا۔ جال شک ہیں میں کا کہا تھا ہی کہا گا کہا گا کہ کہا تھا ہی کہا گا کہا گا کہا ہی کہا گا کہ کہا گا کہا گیا گا کہا گا ک « میندی سے کوی اور کاویز ، میاک سوجی میں داس کائٹ کو がかっているがあっているいい

कासिम श्रली को ललकारा भौर श्रपर्ना रबाब सुनाई और इनकी बितनी हरकते महराज ते सुनी थीं सब ज्यों की त्यों सुना गए सौर दिन भर घर में रियाज करते. एक दिन दरबार में इन्होंने जी को लग गई श्रीर वह छिप कर इनकी रवाव सुनने लगे. रात में इस उम्र में क्या श्रावेगा, क्यों वेकार तकलीफ करते हो. बात पंडित सितार ही बजाइये.' उनका सजलव साक था कि रवाव श्रव तुम्हें चाही थी पर उन्होंन उनसे सितार हो सीखने को कहा. यह कहकर कि 'पंडित जी द्याप तो गर्वेंग हैं. रदाव क्या कीजियेगा सीख कर बार सुनतं उन्हें याद हो जाता था. यदुभट्ट ने इनसे रवाच सीखनी गए. डस बक्त उनके यहाँ यदुभट्ट नाम के एक ब्राह्मण पंडित गर्वेथे पहले कह चुके हैं. स्त्रीर कास्मिम श्रली टिपरा महराज बीर चंद्र सिंधिका बहादुर के दरबार में चले गए जो कि इनके शागिई हो रहते थे जिनको याददाशत इतना जाबरदस्त थो कि जो कुछ ये एक का दरबार जब टूटा तो बास्तित खां गया चले गये जैसा कि हम भौर ग्रेर मासूला रागों को. मटियाबुज वाजा वाजिद श्राली शाह खां से भी बहुत सा तालोम कासिम व्यलों ने ली, खासकर ध्रुपद् बालिंद जफर स्नां के मगे भाई बासित स्नां थे). इस मौके पर बासित साहब बहां मौजूद थं जा इनके दादा होते थे (काजिम बाली के उस बकत नबाव साहब के गुरू के रूप में रवाबिये बासित खां बियम नाभ के किले में रखे गए थे) बीनक र की शक्त में तैनात हुए, षर्ला शाह के दरबार में (जब वे नजरवन्द हाकर कलकत्ते के फीटेंबि-करों में ही थे. अपपने वालिद के इन्सकाल के बाद ये नवाच वाजिद पूरी क्रावंश्वियत के साथ बजा पाये. लड़कपन झौर जवानी में ये कल-

११८

न्या हिन्द हिन्दुस्तानी कलचर और सङ्गीत फरवरी सन् 'अट कासिम चली दंग रह गए और दातों उंगली दंगकर यह चीले कि 'ग्रंचन का दिमाग्र हैं शक्काण का. पर पंडित जो आप ने खिप कर हमारा इल्म चुराया यह अच्छा नहीं किया.' सह जी ने जनान दिया 'यह इल्म हमारा है न कि तुम्हारा, सिफे यह बाजा तुम्हारा है.'

खेर, बात खरा बढ़ गई. और कासिम अली को इसका इतिना सदमा गुजरा कि वह टिपरा छाड़कर चले ही गए खीर भावत राज में राजेंद्रनारायन राय के दरबार में रहने खोरे. इनकी ज्यादातर जिंदगी पूरवी बंगाल में ही कटी. ढाके में भी यह कुछ दिन रहे. पर इनमें एक बात यह यी कि सिस्ताना या सुनाना ज्यादा पसंद नहीं करते थे. जब तक सिस्ताना या सुनाने तक को मी राजी नहीं होते थे चाहे कोई कितनी ही जिंद करे और चाहे कोई राजा महराजा ही क्यों नहीं. अपने इसी सुभाव के कारन कई राज दरबार इन्हें छोने पड़े, पर इसके लियं इन्होंने कभी कुछ परबाह नहीं की. ढाके के भशहूर तबला बजाने वाले प्रसन्न बाबू अभी जिंदा हैं और इनके बाजे की बेहद तारीफ करते हैं.

ا بیمانی با بیماد این استان و از خاب ال یواز مون ایران مده ایران می ایران مده ایران می ایران

(अकरम साहब इलाहाबादी)

े शलत वालीम और शलत शिज्ञा का श्रसर है. श्राज्जकल जहां हममें श्रौर बहुत सी फूट वाली बीमारियां

सिखाते हैं कि-'वह हिन्दू है, वह असलमान है. यह नीच है, खडूं हैं. या यह कि मुसलमान घरन के हैं और हिन्दू भारतनर्थ बह कि हिन्दुओं की खबान हिन्दी और मुसलमानों की खबान बाह जंब हैं. हम फलां जात के हैं, बाह ऐसी जात का है.' कौर बबा जब पैदा होता है तां उसे आजकल के मां बाप यही

की क्या कहना. दो ताकतें, दो शक्तियां कापस में टकरा कर एक दूसरे को कंगबोर कर देता हैं. लेकिन बगर वह ही दोनों मिलकर क्षी बाइत को बदाना है दाकि हमारी खाई हुई इज्बत, हमारी लोई वाक्रंस दुगनी हो बाती है. हमें दुनिया के सामने भवने देश एक शक्ति, एक ताक्रत चौर एक आवाज बन आय तो फिर उनकी हों में पिला ही आती हो वहां के कलचर और उसकी तरक्क़ी फिर जहाँ यह फूट, यह नकरत और यह मैल, कपट छुट्टो

الدواور عندى كا جمالوا

पुत्ती हुई हैं बहां बर्ड हिन्दी का भगड़ा भी बहुत हद तक जाम है.

पूर्ती हुई हैं बहां बर्ड हिन्दी का भगड़ा भी बहुत हद तक जाम है.

पूर्व पहले ऐसा न था. लेकिन जैसे जैसे हमार भाइयों मं सुभ बुक्स पर्ट केंग्न केंग्न केंग्न जैसे जैसे हमार भाइयों मं सुभ बुक्स केंग्न केंग्न केंग्न केंग्न जैसे जैसे हमार भाइयों मं सुभ बुक्स केंग्न के ز اکرم صاحب الرکمادی) ان کلی جمال ہم میں احد بہت سی میدی حالی بیلدیاں مصمی

کے ہیں اور چندہ مجانت ھٹن کے .

कारिन भू और दिन्दी का मानदा करवरी सन् "भट

हों काल, हवं किर मिल बाय-लेकिन किर बगर हम चापस में हो काले यहें तो दुनिया जागे बढ़ती जायगी चौर हुम इन्हीं कुमड़ों में फॅसे रह जायगे.

हिन्यों को अगर देवभाय और उर्द् को अगर फारसी खवान का बाय तो दोनों अलग अलग खवाने वन जाती हैं. के बाब की रूप को अगर हिन्दुस्तान के रहने वालों का खवान का बाब और उद्दे को अगर हिन्दुस्तानों आम खवान, जो लरकरी खवान भा कहलाती हैं, कहा जाय तो काई फके नहीं. क्यों कि अपनी रोखान की बोल वाल में हम एक ही खवान, एक ही भावा बोलत हैं. खिसता एक हो खवान हैं, लेकिन बगर वहों शब्द पक हिन्दू के मुंह से निकलते हैं तो हम कहने लगते हैं कि यह हिन्दी हैं और समकते हैं कि यह चद्दे हैं. एकर यह तो हमारी समक का कर हैं. यस्ता तो सीधा साथा आर एक ही है.

चालिय यह खू या हिन्दू राजाओं की सरकारों भाषा ता से महत्ते यहां के पुराने हिन्दू राजाओं की सरकारों भाषा ता संस्कृत यो चार जब मुंसलभान आप ता को कि वह इराज की तरफ से आप ये इस लिय का स्वान. इसिलिय उनके खमाने की सरकारी खवान कारसी रही. और क्यों कि हर हकूमत की सरकारी खवान का असर दूसर्रा भाषाओं से इसिलिय जनके खमाने से लियों की कोर्या की कार्यवान के स्थान है कि सोगों को इकूवत या राज की कार्यवाहयां खानने के के क्यों को क्यों को व्यवान के स्थान है कि सोगों को इक्वत या राज की कार्यवाहयां खानने के के क्यों को क्यों आप अपने हमाने के क्यों की क्यों की कार्यवाहयां खानने के के क्यों की कार्यवाहयां खानने के के क्यों की कार्यवाहयां खानने के के क्यां की कार्यवाहयां खानने के के कार्यवाहयां खानने के कार्यवाहयां खानने के कार्यवाहयां खान का कार्यवाहयां खान का कार्यवाहयां खान की कार्यवाहयां खान का कार्यवाहयां खान कार्यवाह्य खान कार्यवाह्य खान कार्यवाहयां खान कार्यवाहयां खान कार्यवाह्य खान कार्यवाह्य

میا ہوت میں میم کل جائے – لیکن میم اگریم کائیں میں ایک ہم کائیں میں ایک ہمائے کی اور ہم ایک میں میکھڑوں میں میکھڑوں میں میں میں کھڑوں اور اندو کو اگر فادی ذبان کہا جائے آ

مرا المعدد المجالات من ممان الا سندسان س سط ميل ميال مي المدر مسايال مي موان مي مان الا سندس من الدر مسايال مي موان مي مان الا سندس الميان مي دران مي مون سيد مي ايران مي مون سيد مي ايران مي مون سيد مي ايران مي مون ايران مي دران المي مون مي دران مي مون الدر مي مون ايران مي مون مي دران مي المي دران مي مون المي مي مون مي المي دران مي مون المي مو

सबाकों में तरक्रकी कर जाती है जैसे कि हिन्दू राजाकों के अक्षत में संस्कृत, मुशल मुसलानाों के जमाने में फारसी कौर कांगरेकों के जमाने में कांगरेकों.

पहले हिन्दुस्तान में कई खबानें बोलां जाती थीं और अब भी बोली जाती हैं जैसे संस्कृत, द्रावड़ी (तामिल, तेलगू, वरोरा), राज-स्थानी, डिबंबा, गुजराती, सिन्धी, आसामां. पंजाबी. बंगाली, मरहठी बरौरा. इनमें से आधी से ज्यादा बहुत पुरानी जवानें हैं. फिर जब सुसलमान आए तं क्यों कि उनको न सिर्फ यहां हकूमत करना था बिल्क अपना घर समक्षकर दूसरों में मिल जुलकर बसना था इस बिल्क अपना घर समक्षकर दूसरों में मिल जुलकर बसना था इस अपने तबारीख में पढ़ा भी होगा कि अकवर बरौरा के दरबार में हर तरह की खबानों के आलिम और विद्यापति रहा कर्ते थे.

मुरालिया हुकूमत के खमाने में हिन्दुस्तान का बन्हों बस्त वहीरा खंभालने के किये हिन्दुस्तानी और मुराली मिली जुली की जें या बरकर (सेनाएं) बनाए गए थे जिसमें हिन्दुस्तान के हर कोने के बासी मरती होते थे और इस तरह कई कई भाषाएं बांखने वालों को एक साथ रहना पड़ता था. उन्हें एक दूसरे की बातचीत सममने में बड़ी तकलीफ होती थी. लेकिन धीरे धीरे एक ने दूसरे की भाषा का बालने और सममने की कारिश करने लगे. नतीजा यह हुआ कि कई जबानों से अब्बान की कारिश करने लगे. नतीजा यह हुआ कि कई जबानों से अब्बान किस बीरे धारे यह खबान लश्करी खबान बनकर सब की खीर किर बीरे धारे यह खबान लश्करी खबान बनकर सब की खीर भेन गई क्यों कि जक्षमें सब मोक्सों के हुक के मिले हुए थे.

 हे बोर-कह तुन्हारी है. सबकी जायदाह-एक खबात-जो भारत का सारा भाषाओं का शुक्रवत से आपस में इते लगे. कारसी में लश्कर वा लेना को उद् निबांक है. फिर न जाने क्यों हम आपन में भगड़ते हैं कि यह हमारी एक तरे हैं से देखा काय तो इसे हिन्दी भी कहा जा सकता है और केंद्रते हैं और इसलिये इस लश्करों जवान को भी उन्हें बोलने लगे. देवनागरो च क्रों में उसे हिन्दा के नाम से लिखने हैं. मगर हैं वह बीलते वही खबान हैं हालां कि लिखने के दो ढंग हैं-एक ता अरबी इस जोड़ ने उन लोगों के दिल भी आपस में जोड़ दिने. वह मेल हिन्दुसानी होता है. इस बीक का वह सबूत बौर भी है कि हम वह इसकिये कि हिन्द के माने हिन्दुस्तान और हिन्दी का मतलक हैं क्षेत्रकों में उसे साद। तरह पर उद्दें के नाम से ज़िखते हैं और दूसरे

हैं जो दुनिया में इस मुक्क का मंबा बुलन्द कर दे " आपना भी कई किरकों से मिलकर एक मजबूत ताकत भी बन सबती क्रंरीब हो कर एकता का सबक्र सीख सकते हैं और जिस तरह कई ज्ञानों से मिलकर एक लश्करी ज्ञान बन सकती थी, उसी तरह की जड़ काटने पर तुल जावं ता हम सब बहुत जल्दी एक दूसरे से दिल से इन चीकों को समम्प्रते हुए वह बेकार की फूट कौर नफरत सच तो यह है कि अगर देश के तमाम समभदार लोग सच्चे

أددد لعدمندي كالمحكوا

- SAYSAY:

नए वर्ष का सन्देश-भारतवर्ष की

(भाई अन्तुल हलीम श्रंसारी)

किरदुत्तान आजाद होने के ठीक साढ़े चार माह बाद आज का सूरज आजादी के सांल का नया और पहला सूरज है जो किरदुत्तान के बक्रक पर मुसकराता मुसकराता आ रहा है, भारत-क्षणे पर मुबारकवादी की किरयो डालता हुआ. मैं अवरज में हूँ कि किसके साथ इसका सम्बन्ध बांधा जाय और किसको इसका पैगाम दिया जाय.

श्रार में कहता हूँ कि यह सूरण श्राखाद हिन्दुस्तान का सूरज है तो पाकिस्तान खुरा मानता है. श्रार कहता हूँ कि यह श्राखाद पाकिस्तान का सूरज है तो हिन्दुस्तान खुरा मानता है. मैं सखत खक्मन भौर करामकरा में हूँ श्रीर इस विचार में परेशान कि करूँ ता क्या करूँ? युक्ते दोनों का दिल भी रखना है और यह भी ख्याल रखना है कि अगर मेरी बात किसी के भी खिलाफ पड़ी तो खतरा है, कोई न कोई मगड़ा खड़ा हो आय. इस मगड़े किस्से को चुकाने के लिये मेरी समम्प्त में तो यह श्राता है कि जब हिन्दुस्तान भीर पाकिस्तान के बटबारे के सिलसिले में हर बीख की तक्तसीम हुई है, खमीन और किजा की तक्तसीम हुई है, वानी भीर हवा की तक्तसीम हुई है. तो सूरज की भी तक्तसीम होनी वाहिये. जब कि हर एक जुदा जुदा श्रपनी श्रपनी दुनिया बनाने में सगा हुआ है ऐसी सूरत में एक श्राधा सूरज हिन्दुस्तान के संसार में

في وين كاسدين عمارت وي كو

नए वर्षे का सन्देश

THE TEXT

करवरी सन् '४८

ध्याखा कर तो दूसरा धाधा पांकस्तान की कायनात पर रोसनी केंके.

दुनिया अलग. जब यह दोनों दुनियाएं अलग अलग हैं तो दूट पड़ेंगी या फिर यह होगा कि दो राजों के पाटों के बीचो बीच मेरा ख्याल यह है कि इनके चांद सूरज भी खलग खलग होने हिन्द के बाद हिन्दुस्तान की दुनिया झलग है और पाकिसान की रारी मजा पित कर रह जाएगी. यह एक पेसा सुमन है कि पड़ा और बह जल्द न निपट सका ता रोतों दुनियाओं में अधिरी रोरानी के सामले में कोई गड़बड़ी पड़ गई या कोई नया भगड़ा हो ही अंधेरी रहेगी. और फिर उनकी अंधेर नगरी में सारे राज पाट का माट विगइ जायगा और प्रजा के सर पर काली काली घटाएँ बाहियें. इसमें बड़ी मसलहत यह है कि जाने बलकर जनर हूँ कि दोनों दुनियाएं हमेशा के लिये बामन शान्ति की दुनियाएं भगर इस पर रवादारी से समकौता हो जाए तो मैं मौक्के पर किसी भी किस्स का भनाड़ा टन्टान होने पाएगा और न बन सकेंगी और हर भाने वाले साल में नए साल के सन्देश के तराज का रोशन पल्ला एक हिन्दुस्तान में रहेगा और एक पाकि-किसी खून मून की नौबत आएगी. जब कि 'जमहूर राज' की स्तान में, तो ऐसी सूरत में सियासी तबाजन भी क्रायम रहेगा, भीर हर एक के काम काज श्रपनी श्रपनी रोशनी में ठीक ठीक चांताम वह हम्मीक्रत विलक्ति सूरज की तरह गेशन है कि तकसीम यक्तीन रखता

भगर नए सांब के सूरज की तरह पैराम भौर तहनियत

معلی کمید و در ایم است ای کامنات بر ماین که میسید با می مود به ایم ایک ای کامنات بر ماین که میسید با می مود به با می ایک به با می مود با می کامنات بر ماین که مود با می مود با می کامنات بر مود کامنات بر مود کامنات بر مود کامنات بر مود با کام کامنات بر مود کامنات کامنا

ख़ूरी कहता कि इसकी भी तक़सीम की जात. पाकिन्तान में भी अपने इस विचारं का ज्यादा से ज्यादा प्रचार कराता. संखक्तः संश्विरा देता श्रीर प्रधान मन्त्री (वर्षार श्राजम) से भी शिव (चाँद) के लिये. भी राष्ट्रपति (सद्दर कांग्रेस) को यही (धेनरकंषाद) देने का रिवाज बांद के लिये भी होता तो मैं रजनी-

रोरानी पीकर चांदनी की शान्ति को न सानना. खाकर सूरज की दया से इनकार करना -- जेसे चांद की ठंडी ठंडी नामुमकिन कहना ऐसा हो है जैसे सूरज को गरम गरम धूप नहीं श्रीर न नासुमिकन बात. जो चे ज सुमिकन हो चुकी है उसको स्त्रीर फिर कहता हैं कि यह कोई अचन्से और अचरज को बात सार्ज्य लोग सुभको प्रांगल तक कह डालें लेकिन में कहता हूँ में जानता हूँ कि मेरे इस कहने पर लंग हुँसेंगे. और क्या

बौर धर्म प्रंथों में मौजूर ! चांद के शक्त होने के नाम से दुनिया के इतिहास में मशहूर है (मोजिबा शक्कुल क्रमर) सारे संसार में फैल चुका है और दुकड़े हा गए थे. पैराम्बर मुहम्मद साहत्र का यह चन्द्र चमत्कार हैं कि हजरत मुहम्मद साहब की उंगली के इशार से चांद के दो तारीख गवाह. है. कुरान शाहिद (साची) है. विद्यावान जानते

क्रिब्रह्मता अगर अपने मक्रमद में कामयाव हो जाती तो में हैं बढ़ातीं और बुटकी बजाते बजाते करोड़ों जानों की कुरबानिबं में बह दोनों राजधानियां खूब जी खोल कर मुक्त के इनसानों की होता तो मैं अक़ीन के माथ कह सकता हूँ कि उसे हासिल करने व्यथर इस युग में हिन्दुस्तान पाकिस्तान का सवाल उठा हुना

وقا اور پردسان منتری (وزیر اظلم) سے بھی سی کونا کر اِس کی بھی تقسیم کی جائے۔ پاکستان میں ابھی اپنے اِس وجاد کا زیادہ دجاند) کے لئے بھی دامتریتی وصد کانگریں) کو یہی ملی متعد (ماکساد) دین کا رواج چاند کے لئے بھی ہوتا قدیں جی تی نة ميش كاسناني

ہونا قریبی لیتین کے ماتھ کریکٹنا ہوں کرہ سے مامل کرنے ہوں کے ہوں کرمنے کے ہوں کرمنے کے ہوں کا وہ ک کم نے کا وہ ک میں یہ دونوں دلناہ مطانیاں توب بی محول کرمفت کے ہداؤں کی قرائیاں مجھینٹ چڑھا تیں اور جی کی بجائے کہا ڈوں جانوں کی قرائیاں مجھیا تھیں۔ اگر اپنے مقعد میں کا سیب سے ہوجہ بس ک وقع میں بیمبر می صام کا ریند میںکار اسمیرہ مثق القم) مارے سندار میں مھیل میکا او اور جاند کے فتق ہونے کے الم سي ون كر اتماس من منهود يوادد وهم م كرفف من بوجد المروس ميك مي وندستان بالستان كل سوال المحل

बार्किरकोर अपना अपना चांद चिपका कर हो रहता. हिन्दुस्तान झफ्ने बाकारा पर ब्यौर पाकिस्तान झफ्ने बासमान पर

🔛 भेमर्क्ष्यं ने हजरतः इत्राहीम को एक बड़ी जाग में डाला था पेंदा होते हैं। पहला सवाल-हजाहीम क कीन थे ? दूसरा सवाल-अने पूर्वों का कथ से जिया था. श्रुवरती तौर पर यहां हो सवाल अनका जुमें क्या था, किस दोव † पर उनको आगा में मोंक दिया वान में निरते ही वाम बन पर गुलवार हा गई थी यानी कांगरों

नहीं करत थे बार न उन पे भेंट चढ़ात थे, न उनसे कोई ब्यास रखते बाजा) न समकते थे याना अपना खुदान सानते थे. न कभी वह थ. बज्जह यह कि वह उन हा अपना हाजतरवा (जरूरत पूरी करने जिनसंकाह कुद्रत नथा, उत्तस कुछ श्रजमारूज (प्राथना) जिनमें काई हरकत नथा, वह उनके सन्मुख सर न अक्रातेथे थे कार न किया मूर्ति का आरता करते थे. किसी यात्रा में जाते थे चौरन किसी मन्दिर में दरशन को चाते वह मिट्टो परथर को बंबस मूर्तियों को देवी देवता न मानते थे.

सितारों को भी श्राजमाया. चांद्र सूरज का भी जांचा परखा. श्रान्त बह इक के खाजा थे और सम्बे खोजी. इसीलिय उन्होंने

ः अध्यमाद्दीम बुत तराश (बुतसाच) बाप के बेटे थे यानी झाचर के पिसर.

एक खुदा के पुजारी थे. वह शिक का पाप जानते वे और बाप हे दोष उत्तका यह था कि वह सारे बुता के इनकारी थे और भिक

> کا روی کے لیا تھا۔ قدران طور بر میال دو موال بریما پوتاین.
> بہوسیال اسرائیلید کون تھے ہ دومرا موال اسان کا جرم یا تھا،
> می دوقی بر مائیلید کون تھے ہ دومرا موال اسان کا جرم یا تھا،
> دو متی بیقر کی سامی مورتیوں کو دلوی دلوتا نہ مانے تھے۔ جن
> میں کوئی حرکت نہ تھی ، وہ کان سے میرس مومی (بدارتھا) نہیں کیسته محقه اور زان میه معین میزهات محقه دنهان سه کول آس کله محقه محقه مین اینا خوا د با نتی دنهای ده ترمی ده ترسی یا توا والی د محقه محقه مینی اینا خوا د با نتی به ترمی ده ترسی یا توا مین مباری کرد کم محق می اینا و این که کار محق اور نه کسی وه می که در کرد محق اور مین دان که کار محق و به کسی اینا و مینی میانیا به کما این فی مسامدن که می که زیا . میاند مورد کار نبی میانیا به کما . از مين كرسة أي أك من يد كوراً موكل منى لين الكارون ف يجودن Je 100 / ہ سے مجھریون مومن (پیادیمنا) نہیں معین مجرحات تھے، زمین سے کول اس دیمدشان این اکافن بر اور پاکستان این آسمان بر آخرکار جاند چیکاری ریزا-جاند چیکاری دیزا- ایران کو آیک بری آگ می والاکتما . آگ يتكورش كا مندليق

• ارابيع مجتمزين البعد ساز) بأب من بيني عقد لين أورك ليمز

からいんったい

करवंरी सन् '%

को अपना आखिरी निएाय दे दिया और खुले तौर पर इन राज्यों में अपने ऐस्रान का प्रचार संसार में कर दिया-बह कि ख़्ब सोच विचार करके छौर पक्का विचार करके दुनिका

म उनसे प्रेम रसता हूँ." ' भाभी श्रीर इवने वाली चीचों को मैं खुदा नहीं मानता श्रीर

ष्मिंबनाशा इत्ता (ग़ेर फ़ानां जात) को अपने दिल की बस्ती में दूसरे राज्यों में जिसका मतलब यह हुआ कि मैं उस एक

सूब बात यह है कि वह बुतपरस्त न थे, वह बुत नास्तिक बे. ब्लॉर सबां बात यह है कि वह बढ़े आत्मिक थे ब्लॉर भगवान

आहोंस पड़ा थानो शक्ष की पूजा करने बाला! पूजा, इबाइत और बंदगी करतेथे. इसी बजह से उसका नाम सान थे. इसाक्षिये डर्सा एक श्रञ्जाह, एक ब्रह्म, एक निराकार की बे. बह तस्स्रीम कौर रजा के बन्देथे, यानी पक्के सच्चे ग्रुसल-हसा के नाम प वह दान दत ये आर इसा की मांग पर जान देते बह कक्कत सर्व शक्तिमान का अपना खुदा और रहमान मानते थे

मुसलमान) कहा गया है और खलीत-उल-भल्लाह (भल्लाह कूरान में इनको घटबलुल असलमीन (असलमानों में पहले

बुदा का रोस्त कार सिन्न नमक्त्र की काग से निजाव कार सला-क्टी पा सकता है ? श्रीम यह सवाल पैदा हो सकता है—(१) क्या श्राव भी कोई

> ر کرخی، معنی وجار کرے اور لیکا وجاد کرے تونیا کو اینا آخی فرتے دے ویا اور تھکا خور پر ان متبدوں میں اپنے اطلان کا پرجاد منسار میں کرویا۔ يري درش کا مندلي

منافي الد دوع والى جيزون كوعي خدا تين مانتا الد نراك

ي يديم مكمتا بين."

تعامی موال بیدا پوسکت یک (۱) کیا آب بی کون مواکه دوست اور مر مزودی آگ سے نیات اور سالتی

1735;

फ़रवरी सन् '४८

なったよう とはなっぱとせて なんでかんろ

SAL SAN

一日にというまという。から

אני טוני שיבור א

क्या अब भी कोई अल्लाह का दूत और दुलारा चांद ग्र सकता है. इसका जवाब इक्कबाल ने दिया है... गांच भी हो जा बाहाम का इसां पैदा

क्रिक्षा भी नेशन का रिफारमेर या बिक्टेटर पैरान्वर नहीं हा सकता ्र सह भा न मूलना चाहिय कि इस खाखिरी सदो यानी इस शताब्दी है जिसके कहते से वह बापस हुआ था, समका उसी का बह तांबदार था. लेकिन आज किसा भी क्रीम का ल हर या कायद बंदर्स सिंब बुझाया था. यहां यह सवाल उठ सकता है-- क्या सूर्य भी किसी का ताबेदार हा सकता है ? इसका जवाव आसान र्णाहीमो ईमान का बारिस श्रीर मालिक हा ता था जिसने सूरज को यों भक्त बन सकता है, सुनि बन सकता है, ऋषि बन सकता है, में कोई भी इन्सान रियाचत, मशक्रत या तपस्या करके इतुव हिंसि की खौलाव ही तो था जिसने चांद के दो दुकड़ किये थे. वह श्रांग कर सकती हैं अन्दाजे गुलिस्तां पैदा. इसरे सवाल का जवाव भी इसा में मौजूद हैं. यानी वह

アカアラママ

बसी बन सकता है पर "नबी" नहीं बन सकता. जिस तरह सानते हैं. अंगर यह सच है कि हमारे देश के सिर से मुसीबत की के सकराई (लीग) क्रीम के नेताका अपना आशाओं का सकेंब सम्बन्ध रखता है. जिस तरह तर की किरणे राशनी के देवता हसी तरह हर दिनकर की किरणे अपने अपने सूरज के मकंच से रामाध्य चुकी है और आचारी का दिन निकल चुका है तो सराक्री ह्यानियत का सम्बन्ध बहदानियत के मर्केच से कायम रहता है, को अपने निकास का सरचरमा समभतो है, इसी तरह किसी गुल्क ici. アル علن بر حوال الوراق الورد الإسفادة المراسودة のかるいでは、 15 43 V 4 2 V.

Const

है तो कामयानी के दरवाजे उसके लिये आप ही आप हर तरफ खुल बात है. है. जंब एक सही और सच्चे मर्कज पर सारी शक्ति इक्ट्रों हो जाती **ध्ससे अ**पना क्रवीमी श्रीर पैदायशी रिश्ता नाता जोड़े रखना जरूरी भटकी हुई किरतों को अपना सही केन्द्र (मक्ब) तलारा करके

मैंने सन्' ४५ का संदेश इन राब्दों में दिया था-

🔷 कि यह अपने नए राज (आरजो हुकूमत) में अपनी कार्वालयत बिस्राता है." और मैंने यह भी कहा था-से इस पर क़ाबू पाता है या क़र्म रखते ही कोई ताजा गुल श्रीर उसकी खूनी पालिसी को सन् ४७ के बार्ज में देगवा है, इसकिये श्रागे के लिये इससे कुछ जतरा लगता है. देखना यह है 'सर् ४६ अपनी ताकत के बमन्ड में देश के रंगीन बाताबरसा

(पानीपत) में रोशनी फेंकता कोर मचबूत क़दम जमाता आ (E) (E) " और राजकाजी हथियारों के साथ 'भारतवर्ष के तारीक्षी मैदान' ''सन् ४७ तसाम अपने खुकिया सामान यानी बक्त के खरूरी

सामने या कर रहा. से वह सब इक बवला दिया था जो पेरा भाने वाला या और बह पूर्वि पहले ही उसकी नियत को भाँप लिया था इस्रलिये पेरातर सामने हैं भीर बो जो जल्म ढाये वह जल्मों की शकल में हैं. मैंने गरक वह है कि जो जो बसने गुल खिलाये वह आंखों के

्रांक रेने की का कार्म हैं. वाब सन् ४८ के बारे में इच्छा इसारे देने हैं और इख इसकी

> ادر این کا فاق السین کو مناف کے مطابق میں دے آبا ہوں ایسی کو مناف کے مطابق میں دے آبا ہوں کے ایک ایسی کو مناف ک ایسی کے اراج (مارس مکومی) میں این کا فارش کے ایسی کے اور میں کا ایسی کا مارہ کا کا ایسی کا ایسی کا ایسی کا ایسی کے ایسی کا ایسی کا ایسی کا ایسی کا ایسی کا ایسی کے ایسی کا وريد من ولين الحرائين والحامل The second of the second ر میں اور میں اور میں ایکی ایمانی او و کھیاں اور در اس میں اور ای اس اور اس میں دیا تھا۔ اور در اس میں میں میں اور اس میں دیا تھا۔ 1. 2. 10 1. 1 2 3 A C. 7 3 A C. 7 2 4

本ののでくるからこれのでして و مروح من الله معند سائل من وقت کے خودی الله

---मंबे बाब के सूर्य ने मरारिक की बादी से जैसे हा सर क्राक्ती सन् 'रूट

धन्तुरान सं का दिया बहारहा है इनसान के बहु में इन्सां नहारहा है

बीर बसने वेसा-'बह रहा थीं ,खूने इन्सानी की हरसू निर्यां

बहुत बाहा कि हिन्दुस्तान पर अपने नूरानी अन्दम रखते ही "नये वर्ष का सन्देश भारतवेष को दे और नये है साल का जाम पैगाम के साथ पिलाये." लेकिन जब उसने ्रिहिन्दुस्तान के इन्सानों में आवादी के पहले ही साल में मुहन्मत गया. किरण किरण धसकी चमक पड़ी. उसने चाहा और प्रेम की लगन है न कोई भाईपन हैं, न मुहत्वत की बू बास है, न का काज़ देखा-- और देखा दिन्द के मराहर चमन के फूलों में न थाह भरी और बस इतना ही कह कर ही रह गया----बुब्रुस और इंखलास है तो उसने कोहर भरी सुबह में उन्डी उन्डी ्त्त का यह समां वेल कर एकदम वह मिन्सक गया, थरी

प्रीर इसने समक लिया-केरिय जब यह था ही गया है तो क्से कुष कहना ही है— शुक्रमधानम् विकास के अनुसी आंखी को सक्साते हुँद सन अभी इस खुदगरज इन्सान को जाना नहीं जाता अभी अभे राता जिन्दगी पीना नहीं जाता.

) इस बमन में कोई खुरके नगमा पैराई नहीं जिरुके फूलों में श्रखवत की हवा शाई नहीं

> میاهی کردون نے درق ک مادی سے جو کا مراقال المنان عمل کا صابار ا 一点

करमीर में शमशेर (तक्कवार) चलती देखी. श्वीर जैसे ही उपने करमीर में शमशेर (तक्कवार) चलती देखी. श्वीर जैसे ही उपने स्थापनी निगाह का चाविया बदला, जूनागढ़ का दूसरा नक़शा देखा कीर हैदग्वाव की तरकी ही अजीव देखी. बह बूढ़ा कीर जहाँदीवा सूर्ज भौरत हो ताड़ गया कि ये हालतें खानाजंगी (गृह युद्ध) के इस-कान में सदद पहुँचाने बाली हैं कौरिह-दुस्तान के मुस्तक़िब्रल (भिक्य) को नामाख्म सवाही की तरक ले जाने वाली. क्योंकि उसने व्यवनी वाली रोशनी में यह देख लिया कि कालग क्यान त्रीकि उसने व्यवनी काली रोशनी में यह देख लिया कि कालग क्यान तिगाह ज्यादा ऊंची जगयी कौर दूर तक पँडुवाई नो किलिस्तीन के मामलों को देखकर वह चौंक पड़ा कौर उसकी दूरवीन निगाह (दूर तक देखने वाली नक्य) इस नतीजे पर पहुँची कियह मामला सिफ, क्याव तक ही नहीं है कौर न किलिस्तीन की पाक जमीत तक बेलिक इमका ताक्षुक़ इस्लामी दुनिया से है कौर इस्लाम के हर नाम लेवा से है. इसिलिये उसकी नजर में मुत्तिहदा क्रकवाम का फैसला (संयुक्त राष्ट्रीय निर्णय) इस्लाम के तमाम सपूरी के नाम जिहाद का पैगांम साबित हका.

१७२

दुनिया का श्राज अजब रंग हैं. जिधर देखों जंग ही जंग है. कहीं सिहाद है, कहीं कोमी किसाद हैं. आज की सियासत बड़ी खुतरनाक है और आज का सियासी इन्सान बड़ा चालाक और मतलब बांच है. राजकाजी चालबाजी अपना काम कर रही है और साम्राजी पालिसी अपनी चाल चल रही है.

केंद्र किया इस बुरी संस्कृतिनाड़ी हुई है कि बाज बादराह के सिर

था ताल पदाइ हो रहा है और राज काटने को दौड़ रहा है. खास पड़ी हैं. सब है-कुरगरिवयों का यह हाल है कि इस विकास के काल में जिस की कर हिन्दुरतानी किया का भियाज इतना विड्विड़ा हो रहा है कि के गहरे गहरे मंबे खूनो सुतने मालूम पड़ रहे हैं. और सियासी मिल्यामेट हो रही है--कहीं वह जलमी खड़ी है तो कहीं सुरहा बर्बोकात इन्सानियत की मिट्टी पलीद हो रही है और तहजीब आजादी का राज्य भी उस पर नागवार गुजर रहा है और इनकलाब

मझ्यते तहस्त्रीब हैं ,सुद्रारिचयों के दोश पर

्खून की प्यासी! वह हिन्दुस्तान की सियासत और नई नई उसकी नहा है जो अन्दर ही अन्दर परविरश पा रही है और जो आगो पीक्के अपने भयानक मिबष्य रेखता है और सामने प्यासी जमीन-बग्रावर्तों का परदा चाक हो रहा है. वह उस बगावत का भी पता दे रोशनी में बड़ी बड़ी साजिशों का भेद खुल रहा है और बड़ी बड़ी रिमासत पर ताका रोशनी फेंक रहा है. उसकी साक और बेलाग थल कर धांबरदस्त खतरनाकी और तबाहकारी लाने बाली हैं जिससे ज्यादातर हमारा ही हमारा तुक्रसान होगा. बह नया नया सूरज झा तो रहा है, जगमगाता जगमगाता, मगर

भीर भी फरफ पड़ते जा रहे हैं. जिससे पता यह चला कि दुनिया संचाई की यह से हट कर अपने आवादकारों को फरेच की सड़क स्व के अपने हैं. जिलाबा की नामतार पगवनी ही सरक व्रेस आरे मिलाप की कोशिशें बढ़ती जा रही हैं वैसे वैसे दिलों में मैंने सियासत का उलटा असर यह देखा कि देश में जैसे जैसे

> والمعالى فضاكا مزاري إمنا يرفر جوا يوسها إلاك كالدوى كا خيد مي الله عامل مرتدين

ال یوک ان مکاس کے کال میں جس کی بیدات المانیت کا میں اور ساسی فیدہ خسیں کا یہ کاس کے کال میں جس کی بیدات المانیت کی بھی اس کے کال میں جس کی بیدات المانیت کی بھی اس کے کال میں جس کی بیدات المانیت کا اور کال کے کال میں جس کی بیدات المانیت کا اور کال کے کال میں اور کی اور کی اور کی اور کی بیاری اور کی اور کی بیاری اور

mind white and the day of the state of

पर तरसे खोकर यह कहता दिखाई दे रहा होगा--की अविवारी भी होगी और कोई प्रेमी इन्सान इन मजलूमों एक बास मीड़ पर पहुंच बर बह जपनी चाल चलेगी, बहां

क्रींच कपट की खहरी नागिन और इन्सान बेचारा मनदेखी पगडन्डी है और तुकानी श्रॅवियारा.

वपती खमीन से आगों के चरमे उबलेंगे और धरती की इस सन्तोष भरी खाती से दबे चौर जोरा भरे मादे फूट पड़ेंगे बड़े तूकान में कूदने का इरादा रखता है जिसके नतीजे में इस संबद्धर होकर और अपने जब और सब के बन्धन तोड़कर इस इनिया जल्दी ही एक नया पलटा लेने बाली है. हिन्दुस्तान भी इस बला की कॉबियारी से निकल कर यह असीबत की मारी

भीर पढ़े जिसे दक्तरी करेगे. बदले का खूब दौर दौरा होगा. हर बाप नोट कर लें कि इस जमहूरी भाग में अनपद अफसरी करेंगे की क्यांबिकारी में नई नई किस्स की तबाहकारी होगी कौर यह भी की चादर पर बुलबुले. सज्जन और भार बज्जन इन्सान थाह में ऐसे विखाई देंगे और हलके हलके लोग ऐसे उभरे नजर आयेंगे जैसे पानी हुक्स बगा दिया कि इस नये राज की बिसात पर नये नये सोहरे के सेवकों की कमजोरी को देख माल कर सूरज नरेरा ने यह यह बह बहत है कि छोटों का उसार होगा. कम कम लोगों **अंबट** की सपट होगी जिससे जीवन का दासन दारा दारा मिलेगें जैसे पानी के बान्दर सीपी कौर सीपी के बान्दर मोती! हिन्दुस्तान की सिथासत का सही बन्दाचा करके, बीर क्रीस

the sale of the

ولا ادر من يري انسان إن متلوس بدر

ای ایک نیا بالا لین عالی اور برندسان میمی مجعد ایمک لعد ایت جر الد مبرس برندس قویمر آن بیش طوفان میں مود نے کا الحاق کمت اور میں سے میسے میں اس میتی زین سے آئیں سے مشتع کمت اور دھوتی کی اس برندش میموں جھاتی سے دے اور موتی مجموعہ مادّ سے میمونے میٹری سے اس کردومہ کیٹ کی زہری جاتمی اللہ اٹ نے میا ما ان دعمی مجلانڈی ہو اور طوف نی اندھیا ا اس بلائی اندھیاری سے مکل کر یہ مصیبت کی ماری مینا جلی

امن میں نئی من قسم کی تباہ کاری اولی اور یہ بھی آپ فوٹ یکر ایس جمعوری بھیات ایس آئی دائی چنسہ اخری تریب سے اور چنسے وقرائی مرین کے . بیسٹ کا نعیب دور دورہ چھا۔ ہم طون کمیٹ کی مرسی و در سیاست کا جیج انمانده کرسک اور قدم مندستان می سیاست کا جیج انمانده کرسک اور قدم ما کردوری کو دیچه مجال کر سورج زلزش نے بیام اکا دیا ما کردوری کو دیچه مجال کر سورج زلزش نے اور میگا الم المرك من من المرك من والمحالد المحالد ے دکھائی دیں

रक्षांत्री की संरपरत्ता न देखी यानी इल्मो पूजा बन्द देखी. भीर को तारे के आधीन देखा, सूरज के मुंह पर खाक देखी, विधार्मी की शाक्तदरी देखी और 'विधा मन्दिर' में देवी अपनि जीजारी के इस माग में किसी रिवासत की का वह अजीव प्रशन्ध देखा कि ज्ञान घर में धंधेरा

देशी, शाईशाहियत की चालिशे धन्टो बजतो देखी, और हिन्द से अंगरेष को बिट्टो कटती देखी. ष्ट्रिंग करत देखा, दिमारा पर बिजलो गिरती देखी, आँलों तले बिंदा देखा, दिल पर बहरात छाती देखी, ऐरा पर जाकत ज्ञाती <table-of-contents> भावम देखा, राष्ट्री महलों में चलजला देखा, साम्राजियों का मेरित में बार्कर जैसे ही डसने बाबादी का परवस देखा, साम्रा-

से भागने को तैयारी देखी और कहाँ े रियाससे का सखत डबमन में देखा, ब्रिपी ब्रिपी डनकी करते देखे और कहीं शाही बर और गराने विकते देखे. सरमाया इधर की बाग बंट देखी रें हैं देखी, खतरे में शाही बोट देखी, कहीं कहीं भारी खजाने क्षेत्रर बस्नता फिरता देला. कहीं चुपके चुपके काने बाले खतरे मुकाबले को बराबरी

इसने इन्ह्रलाव का नाम सुना- इसने मसावास का काम देखा. की की खरानो देखी. महात्मा जी की मंगी निवाकी देखी भीर सहाराजों को कर्म किया देखी. नवावों की मट्टो पलीद देखी.

THE PARTY IN

11/50 لله دولاً مندر بن ديي مرمول كا مريكستى ز ديمي ريدي 200

ر دعی، عیش بر افت ای دعی، شهندا بیت کی اوری کمنعی دعیمی، در بهتر سے انگرزی جسی کشی دعیی و عامقان کو سخت انجیس بی دیگا، چیسی تیمی ان کی سکول بیمیا رویسا، قال ملین می زور دیسا، سارایین کا چرو افزارایسا، مریمی کرتی دیمی، انگسیل سط اندهرا دیما، دل بر ویژن اے بلا دیلی، مران ارم سے اسم میں جہا مرائے خطرے سے مجالت کی تیادی دیلی کی لاک فازی دیمیں۔ S. T. S.

ئے انتقاب کا : کا کمٹنا، دس نے مسابات کا کا وقیما کا راجوں محدم کریا دکھیں۔ فوالیس کی متی بلید دکھی۔ فرمغیل کی خوابی

पन सम्बद्ध स्टब्स सम्बद्ध सम्

पहली देखी , मंखदूर राज में संचदूर को जिन्दगी की इसारत हैं। पहली देखी जीर उसको नंगा देखा, मुका देखा. कैदियों का राज जाना जनका ठाठ देखा, कल जिस 'पटेल' को जेल में असीर में दिन्दुस्तान का कमाल यह देखा कि ''लाल बन्दर'' को जेल के जोत कमाल यह देखा कि ''लाल बन्दर'' को जेल के कमाल यह देखा कि ''लाल बन्दर'' को अब की की कमाल कमाल कहा कर समुद्र पर उद्दात को की की कहा के कमाल को हिन्दुस्तानी सियासी खिलीनों का को विखात देखा. कंगरेज को बड़ा उस्ताद देखा और कमांदर देखा.

सने हिन्दुस्तान, पाकिस्तान, राजिस्तान तानों की सियासत बर्ध देखा, इन्क्रलाब के बक्कर में देखा और इन तीन की बंधीन देखा. गरच यह कि भारत की उजड़ी बस्ती के अपना जल्ब सीचा करते देखा.

के बिने वह बीर भी कुछ हरारे रेता है जीर कहता है प्राथित राज्य यह हांगी कि कीजों में नहें नहें कि मिने की जरमा जरनी होगी वह देख तरक

A Control of the same

फ्रवरी सन् '४८।

भा से श्राहण सकामत होगी, फिर एक नई क्रवामत ती जिसकी तैयारी से तोपों के चने होंगे, जीजों क्षी क्यो होगा ? हर तरफ हिन्दु।सानी पाकिस्तानी मनाई नीर सामने इसारे सुन्हारे बरबादी के नकरो होंगे. होंगे, क्षेत्रों के बन्ते होंगे, गोलों के बन्ते होंगें.

सि किये मेरी खाहिरा है कि यह सन ४८ का नया नया चौर गरम

दिन्दुस्तान इस बक्त बहुत दुन्तिया है और बहुत बहुत जल्मी

ं बर्धिर इसद कोरा उसमें काल न मार दे था उसमें खाक न डाल दे डसके दुस्त वर्ष का इलाज करे. क्रीमों का निकाक जलाये और सूरव देश के गिरे हुये इन्सानों का अपने शाय लेकर ऊपर चढ़े और दुनिया की कांखें लगी हुई हैं. ऐसी हालत में लाजिम है कि यह नया अवीर चृक्ति यह आपने आन्दर एक "तारीखा इस्तावेच" (एटली का गरंस सूरब अपनी लाल पीली. फिरणों से देश की सूजन सके और आरामिं की रात्ती कंकर जाया है, मुक्ते बर है कि कोई जी जला संस्था स्मका बढ़ा कर विकाश के खाकाश तक ले जाये और दुनिया अपने शुनहरे थाल में अमन शान्ति का तोहका लेकर आये. मंजिल मंजिल धाने बढ़े. इस तरह तरक्षकी के खीने चढ़ा कर और क्यान) रखता है इस किये हमारे आजाद हिन्दुस्तान की तरफ हो क्षान कमान दिकाने इसकिये कि हमारा हिन्दुस्तान एक म्यों कि सन् ४८ का स्रव बाब के रोच भाषाती की याली में नरे THE PARTY OF PARTY OF THE PARTY

Que Notati

Service of the man of the service of

कार के किसे में भाषानावते. लेकिन इस मोक पर में का कार पार के का कार पार के का कार पार के का कार पार के का कार कार्यातियी. अलापता में रलता हूँ प्रक्रित से दोस्ती. इसी दोस्ती के मान कार कार्यातियां. अलापता में रलता हूँ प्रक्रित से दोस्ती. इसी दोस्ती के मानिक कार की वार्ते कह दिया करता हूँ.

अपितित अपना पैराम जिन चीजों की खबान से चहता है किया करा बेता है और जिस रंग में चाहता है बाहिर कर देता है. देख लिये सूरज जो कुछ कह रहा है और किरतों जो रंग बरसा रही है समम्मे बह सब आदित्त ही का संदेश और पेराम है. मेरी दिली तमन्ना है कि गुलामी के बाद का यह पहला और निया सूरज नय सिरे से मुहज्बत और रवादारी की भारत भूमि में हाओं के कांके कांके कांक कर कांकों से बाहर आए और कहें जिन्हारी शान्ति और जिन्हारी शान्ति पाए.

हन्सान का नाम धीका है—
हन्यान करको कहते हैं जिसके बन्दर त्याग और हमदूर्त का भाव हो, सद्दाना हो, परोपकार हो. जिसमें वह इन्सानी गुन केंद्री करको इन्सान करना वा इन्सान सम्भाग मेरे ख्याल में एक क्षिय इन्सान बोका न का बाद.

इमारी राय

गामा का का उपवास-

गुष्मों में से ज्यादातर को रास्ता नहीं सुम रहा है. ऐभी हालत सि एक इसलाका चीच है, वह एक रुहानी चीच है, वह ह से तो इस तरह का चंपबास नाकाम जा ही नहीं सकता, ों के खुवने से पहले हां गांधां की का चपवास हॅसी . खुशां के विचार इसी तरफ जा रहे हैं. हो सकता है कि इन सिकटों में से निकल रहे हैं. देश के लोगों और उनके कामयाकों के साथ खत्म हा चुका हो. गांधी जी की डनका डपवास राजकाजी नहीं है. किसी पर किसी कर्तना क्रीमती करि बरुरी है. हिन्दुस्तान से बाहर भी हुत दिनों जिन्दा रखें. इस इस समय अपने देश के बड़े मी बेबा दबाब टालना उनके खमीर में नहीं है. उनका महसूस कर रहे हैं कि गांधी जो का रहना मुल्क के साबिक के बीच का च ज है, वहां सबसे बड़ा रि बाँसे विक्रा से काने बाली खबरों की तरफ **अपवा**स शुरू किये चौबीस बल्टे हो चुके. सारे दिसों से दुवा निकल रही है कि अगवान न्सिनी समाज की तरक पूरा

u e treil i 'nan fan' femt in ?

भव कांग्रेसियों, शैर कॉंग्रेसियों, हिन्दू, गुसलमानों, सिक्लों के इस समको गहराई कौर सचाई के साथ यह सोचना चाहिये कि इस समक हमारा क्या कचार है. हमें ईमानवारी के साथ अपने कि इस समक हमारा क्या कचार है. हमें ईमानवारी के साथ अपने कोशिश करनी चाहिये थीर फर हिम्मत के साथ उसे दूर करने की कोशिश करनी चाहिये. सचाई को छिपाना ख़ास कर ऐसे मौक पर जबकि हमारे देश का सबसे बड़ा आदमी, जिसे हम राष्ट्र का पिता कहते हैं, हचरत ईसा की तरह हमारे लिये अपनी जान की बार्खा लगा रहा हो, जुमें हैं. अमली नतीजे की निगाह से की ऐसा करना गलती और बातक हैं, हमें , खुद इस न्मय नीबे जिल्ही बांच कि सुमली हैं.

187

ころう アンドラ

でいたとうでんでいっとからし

Si Kin Jane Co Color of Si Wall Ling Color of Si Wall and Color of Si Wa

四 4541.

पर मी इसका अच्छा असर पढ़े बिना नहीं

२- इसरी जरूरी बात यह है कि हम सब धेम मजहबों की चुनिवादी पकता को सममें और ब्युमब करें. जो लोग स्वार्त्त दीन बर्म के सानमें बासे हैं करें अब तक यह क्रमें हो बाना बाहिंचे कि मजहबी मगदें सक्वी मजहबी क्रिक्सों के रास्ते में सब से बड़ी ककावट हैं. इसका यह सरह के सब फरफ़ों को हमें कम ब्रह्मियत की बीच सममना बाहिये. और यह सममना बाहिये कि जड़ में संब मज्जहब इस्ते से हुकारें, सब ब्यादमी माई माई हैं. और सारी वासिक क्रमों को दुकारें, सब ब्यादमी माई माई हैं. और सारी वासिक क्रमों की बुकारें, बन ब्यादमी माई माई हैं. और सारी वासिक क्रमों की बुकारें, बन ब्यादमी माई माई हैं. और सारी वासिक

المراد ا

कालग अलग तरीके भी हमारी जिन्दगी के अस, जिन्दगी, मेल कोल क्योर प्रेम को घटाने की जगह क्योर है। इस तरह से रीत रिवाज के करक, या पूजा के विशे नरास्य की इकवार अपने अन्दर भारता मा जावारी ही काठी जीव नहीं है

आया के सबाल भौर दूसरे सवालों को भी ठाक ठीक देख हिंकों श्रीर ठीक ठीक हता कर सकेंगे. मिली असी संस्कृति देश में भव भी है, हमेशा रही है, हमें तसे असमाना, फैलाना भौर डजागर करना है. इसी तरह चलकर हम समय समय पर इस देश में जाती रही हैं. इस तरह की सुन्दर श्रीचें सामिल होंगी जो भनेक भलग भलग संस्कृतियों के साथ इस मिली जुली जिन्दगी में वह सब घच्झी भच्छी और काम की समाजी जिन्दर्गा. अपने जन्दर पैदा करनी भौर बढ़ानी बाहिये कि हमें एक मिली जुली हिन्दुस्तानी कलचर झौर एक मिली जुली र—तीसरी बात दूसरी ही से निकलती हैं. वह यह है

है कि हमें भपनी सब फिरक्रेवाराना या सान्प्रदायिक फूट, नफरतों, हिंदियों ब्यीर समझें का तुरन्त बिक्कुल बन्द कर देना चाहिये. हमें हुन्दी भूलना चाहिये कि हमारी जाजादी, असली या नक्षती जैसी षीयी बात, जिसे एक तरह सबसे पहले रखना चाहिये था, यह है, जान पिन को पैदाइश है. अभी इसकी जहें भी नहीं पड़ी ं अने अनुने अल्ला से न पभी अपनी सन्तनत की बाह े न बुक्तें के बन का लीम कभी वनसे गया है. हिल्की

Con Color Co وع کو دور معروں کے دعن کا وجہ انجابان سے آتا ہے۔ دو

कार के के के कि कि साम की स्थान है जो तोनों सरफ कार के कि इस कार करा की समस की स्थान से काम जो तो का की कि इस करा की कहर कार से कहा से एकता, मेल जोता, प्रकार की की करती के बाद पर साम साफ बेतावनी दे चुके कि कामर दिल्ली के कन्दर का सवियों का पुराना मेल जोल (मट का कीर किसी भी एक घम के कोगों के लिये दिल्ली में कामन कीर का मेर दिल्ली की इसारी गाढ़ी कमाई बाली काचादी की कम सामित होगी. इसीलिये ताकि वह बुरा दिन देखना न पढ़े गान्धी जो कपनी जान की बाजी लगा ही. हमें सम्मीद है कि दिल्ली का कीर सार देश के लोग इस कसीटी पर पूरे स्वरंगे.

४ मांचनी चीज - और यह भी जड़ की चीज है - यह है कि स्वा जा जाने कर को की है - यह है कि स्वा जा जाने कर को की होशहा कर कि हिंसा से हमारी जान्यों के प्रोक्त पह सममने की कीशहा कर कि हिंसा से हमारी जान्यों के प्रोक्त पह सममने को कितना भारी जान्यान पहुँचा है. यह धार्मिक हो चुका है कि हिंसा से न हनसानी समाज के सवाल हल हो धार्मिक हो चुका है कि हिंसा से हनसानी समाज के सवाल हल हो धार्मिक हो गार न क्या की किताहयों दूर हो सकती हैं. हमें भी हसे धार्मिक हो जार न क्या की समस्याएं के दाने की जगह कीर वहां ही हैं. दुनिया की सुसीवतें भी बढ़ी के बार्मिक की चरमकी करी देशी र पीछे को हटी हैं. कर होने जगता कि धार्मिक की चरमकी करी हैं और पीछे को हटी हैं. कर होने जगता की समस्याएं कर की की समस्या की धार्मिक की समस्या की स्वार्मिक की समस्या की समस्या की समस्या की समस्या की समस्या की कार की समस्या की सम्या की समस्या की सम्या की समस्या की समस्या की सम्या की समस्या की सम्या की समस्या की सम्या की सम्या की

الاستان می جد الاستان المستان الاستان الاستان الاستان المستان الاستان المستان الاستان الاستان

नहिंचा सिक रिलामटी भीर नक्ष्मी थी, वह कमधोरी की और करवरी सन् 'क्ष्ट

भाषारी की भाविसाथी. उसका अदरती नतीजा यह हुआ कि भाषा में भाषा मिसते ही बुर्रा से बुर्रा हिंसा हमसे फूट निकली. असके नतींचे भी देख लिये. हम बरवादी के गढ़ते के मुँह पर

र्षे जिसके बिना सबी ऋहिंसा न इस देश में टिकाऊ हो सकती है, यह भी चाहिये कि इस तामीरी काम में अपनी सब ताक़तें लगा विश्वास जगावें. जो इस राय के साथ इसकाक करें उन्हें फिर बाहिये कि अपने अन्दर सबी अहिंसा में, बहादुरों की अहिंसा में, हैं हैं। को लोग देख सकते हैं और जिनके दिल है अनको

हो सकता है. सो महात्मा गांची का चपत्रास आवं भी देश के लिये बरकत साबित महसूस करते हों वह अगर एक बार मिलकर पूरा खोर लगा दें जो जोग इब पाँचों तरह के कामों की सबाई भीर जरूरत को

न बाहर द्वीनया में

में दिल्ली

24-8-42

लखनऊ शुसलिम कानफ्ररेन्स---

एक बड़ी कान्करेन्स हुई को बड़े सीके की और काम की प्रस्तनक में पिछली २७, २८ विसम्बर के हिन्य के गुसलमानों रे मीकाना अनुसकताम आचार ने सर्र की हैसियत से ्यस बात पर कोर विवा कि जिन राजकाजी किट्डामरस्ती पर है उन सब के बन्द

ويتسامون وكماول العدمتل عي و مروري المد المياري كي ابتها

اس تعمیری کام میں سب طاحتیں تعاوی میں ۔ یہ ہے ، یہ اس تعمیری کام میں سب کا اور اس کا دیا ہے ، یہ کام کار اور اس کا دیا ہو کا اور اس کا دیا ہو کا اور اس کا دیا ہو کی دو اور اس کا دیا ہو كاندمى كا أيواس اب مجى ديش نے لئے بہت نابت ہوسكتا ہو.

विकाली बिन्युगी में हिन्तुकों के जान माल और मुसलमानों पाय भवादन की कासजी रात्या को ही खत्म कर देश है, बान माल में फरफ़ करना बन्द न करेंने, जब तक इस हिन्दुओं हुक्रसाओं भीर मुस्तक्षमानों के नुक्रसानों के। भक्तग अलग गिनना बारे समाज को तहस महस कर बासता है. मीलाना साहब क म इस इस मुल्क में शान्ति पैश कर तकते हैं और एमें भाषने मचाइमों की शान या इज्यात बनाए रख सकते । बरह के मामलों में किसी तरह का भी फिरक्रेबाराना चाहिये. असती मतलय यह है कि जब तक हम भाषनी क्षा अक्षरा निराह से बंबना न छोड़ेंगे, और दिन्दू, सब कहा कि सब फिरक़ों के लोगों के हाब खुन में भारता रक्तती हैं छन पर किसी के। केई पतराज नहीं सिक सक् होंने इस बात पर खोर दिया कि राज काज के र वया की किरकापराती की हमेशा के लिये शक फेरके की सिर्फ संबद्धनी नातों या फलकर की ा. मौसाना साहब ने यह भी कहा कि जो संस्थाएँ दन की समाद पर पताने के जिने ति क्योंने क्यी वह इस तरह की हर बान माल की एक सी इज्यत न करेंगे साहब निक्तें ग्रुसक्तमानों से ही बाब बारे वह संस्था मुसबिम

संबंद के विचार सब के सिमाल्स हैं. उन्होंने उन विचारों के।
प्राचित्र को दिन्द के सब असलमानों को इंडियन नेशनल कॉगरेस
में शामित्र होने की सलाह ही. पर क्यों कि यह कान्फरेन्स एक सास
प्रनेख से की गई थी इस लिये मौलाना साहब ने कान्फरेन्स में पुरानी
कार्यों बातों को न इरेला और न हाल की भी ज्यादा मगड़े की बातों
को हुदा. यह बात सी दूर अन्देशी की थी.

कान्य रेन्स में जो ठहराव पास किये वह एक राय से किये और मीकांबा लाह व ही की सलाह से किये. जि रक्तेवाराना संस्थाकों के बारे में को कहराव पास हुआ। वह एसा था कि एक हो मामूली राव्या का अवल वरल कर कोई भी नेशनक या राष्ट्रीय संस्था उसे अच्छी परक पास कर कहनी थी. उद्धराव को पेश करते हुए मौलाना अहमव स्था है, बाल्टर सय्यव महसूद ने हिन्दुकों और सिखों को बिल्हुस की बाजी ही कि अगर किसी एक किरक़ें के लोगों को मिटाया गया तो बाकी सब भी मिट जावेंगे. सय्यव अब्दुल्ला बरेलकी, प्रोफं सर हुमायू कवीर, मौलाना हिक खुरेहमान जैसे कई बोलने बालों ने कहा कि सुसलमानों को इस लिये भी पूरी तादाव में कांग्रेस में शामिल की याना बाहिये वाकि कांग्रेस सक्ते मानी में सारे हिन्द की स्थानक कांग्रेस बनी रह सके.

पीक्षानाः अञ्चलककाम हमारे देश के चन नोटी के नेताकों से किलानों ने किलानों ने किलानों ने किलानों ने किलानों ने किलानों के किलानों किलानों के किलानों कि

الله الماللهم الماست وفي المالك الله المالك المالك

प्रकार भी शहरतात साने कम है कि स्वेदाराजा चनात. सबाद मुख्यामानों के किये ही नहीं और एव सबहत्त जिये भी बनी कीमली है. शारात है कि हम सब हन दिनों में कनको नेक सच्चाद से पूरा कालदा करावेंगे. 本本学 の 大本本学 अपने का जिल्लों की वारीक रहे

अमें के नाम पर गिरोहबन्दी—

जिस तरह तन की बीमारियां होती हैं उसी तरह दिल और दिमारा की बीमारियां भी होती हैं. दोनों तरह की बीमारियां वा ता दुनिया के मुन्कों में कैताती रहता हैं और जात्वों अच्छे व का को अपना शिकार बना लेता हैं.

ब अच्छे कोगों को अपना शिकार बना लेता हैं.

ब अच्छे कोगों को अपना शिकार बना लेता हैं.

ब अच्छे कोगों को अपना शिकार बना लेता हैं.

ब अपने महरा नता नहीं हैं जितना दिल और दिमारा का. इसलियें अपने और दिमारा की बीमारियां ज्यादा खतरनाक होती हैं.

अपने हमीरा सारा देश इसी तरह को गहरी बना में से

वह बबा धाम्प्रदायिकता, फिरक्रापरासी या धर्म के नाम मिरोहकन्दी की हैं. हिन्दू, मुसलमान या जिला कोई इसके हर से नहीं बच पाए. बच्छे से बच्छे, पढ़े लिले और मले सोग कुत्तरी नावों में धर्मुन भले कर जा राकते हैं—इस बहुर को नहीं बना सबें. इसारे बाल बलम पर इसका करोर

> المرا على في المداري الم عنى عمى قريد كري الد ان كا المدى لأث

- Siensky Mit

CI CONTROL OF OR OR OF WINDS

वन के पाप श्रव समय बदने ज्यादा सुझाई नहीं पर रहे हैं अपने भाज से इस नहींने परते सुनाई होते हैं, इसकी पर बजह को हैं कि बहुत कराह इस तरह के पापों की सुवाहरा भी नहीं करों को बात करारा में होते के एक पार को सुनाई होते हैं, इसकी पर बजह कराह हो पर करात हो स्वाह कराता है कि बातों में बाता वालासुक्तों के सुंद पर कैटी हुई है. इसके भावा का बाता है कि बातों में बाता में बीमारी के हमते के ठीफ बाद का समय बीमारी के बाता को सार कराता है कि बाता का समय बीमारी को समय की पाप तो रोग के फिर से इसके का कर रहता है मीर हर का क्या वाला के किसी तरह कम बुरा नहीं होता.

माना के लिए की तो करते हुआ के कार्य कार्य

हैंगा के इस बरह फैबने की बबह मी टाफ है. ऐना की अई कि कुमरे कान्यर की ही. पर देश के बटकारे में, क्खसे भी ज्यादा काम के बटकारे में कपने कपने शहर था इलाइने को दिन्युस्तान यह पाकिस्तान में रखने की कोशिश ने और बार्स मर्चें, औरतों और कर्म को कमके घरों से निकास कर सेक्झों मील दूर बसाने में कार्यकार्ट में हमारे कन्नर के तुने रोग को बनाड़ दिया, दिसों में कार्यकार्ट में हमारे कन्नर के तुने रोग को बनाड़ दिया, दिसों में

क्वी बड़ी कार्यादियों के, बोगों के नवाहब की बिना पर इवर इवर बेबाने की इस कार्रवाई से बढ़कर जुने दुनिया के इतिहास प्राप्त की कोई हुआ हो. जो बोग किसी भी इलाइ के एक व्यक्त के बोगों के। बपने माई जीर तूसरों के पीर समयको हुए कार्य के व्यक्त पर ज़ुरी मनाते हैं था एक दूसरे के कार्य के बार करोड़ों के समीरों जीर बनकी जात्वाची होती कर कर कर्युक कार्या के यहे हैं, इस अपनी इन्सा

المادی المسال ا

and the first that the state of the state of

The section is the same of the section in the section in the section is the section in the secti

من بارسه ما احتیان ای بین ماها ای بار اماه یا ای ای ای ای ای با است ماه است ماه می ای بین ای بین ماه بین ای بین ا

कार अपने के इस ज़ज्जों? का पालन होता हो, तो वह राम-राज अपने हमारे सब हुतों का हलाज है.

क्ष तरह के राज को सका हिन्दू राज भी कह सकते हैं क्योंकि क्षमी हिन्दू शब्द के अन्वर हर हिन्दुत्सानी शामिल है चाहे बह किसी भी देश में पैदा हुए धर्म या आचार्य को मानाता हो...

हमी करहा, श्रमक्रामी गांच था हुकूमते इत्नाहिया चगर कुरान के का का वर्ग पर चक्कने वालो हो—'ला इकराहा फिरीन' यानी कि के मामले. में किसी के छात्र किसी तरह की जावर दस्ती नहीं होनी वाहरें, अगर वह हकूमत जांकी का उमर की उस हकूमत की तरह हो विसमें हजरत जमर ने यक्तसलम के गिरजे के आंगन में इस विस् नमाज पढ़ने से हनकार कर दिया था ताकि 'मेरे बाद के सम्बाद होने दूसरे की इवाद्यगाह पर क्रव्या न कर बैठें', आ अवस्थान हमर सानी (बूसरे) की उस हकूमत की तरह हो जिसमें अब अस्थान के दूसरे स्वहब वालों की जमीनों में जावर इस्ती मधीलें बना लेने पर खलिका ने स्व वालों की जमीनों में जावर इस्ती अस्थान पर नहीं बन सकती, तो ऐसी इसलामी हकूमत सच्यान की अस्व कह होगी. इस तरह की सैकड़ों भिसालें इसलाम है हिससे मेरी पड़ी हैं.

्षम प्रवाद का हिन्दू राज और इस तरह का इसकासी राज व्यक्ति ही चीच होंगे. क्तमें हाकिमों के इस बसे को या इस व्यक्ति से बात्ता को पूरी जाजाबी, बुराहाजी और नहींसी

このプロクのある

مادی مراح کے دوں الشوں کا یالی ہوتا ہو، قدہ خور مادی ہوں ہوں ہوں کے اس میں کا اس میں اور اور اور اور اور اور ا مادے سے جمعی کا طابق ہی ۔ مادی کے داج کر کیا جندہ داج میں کسیکے اور کیوںکہ اس

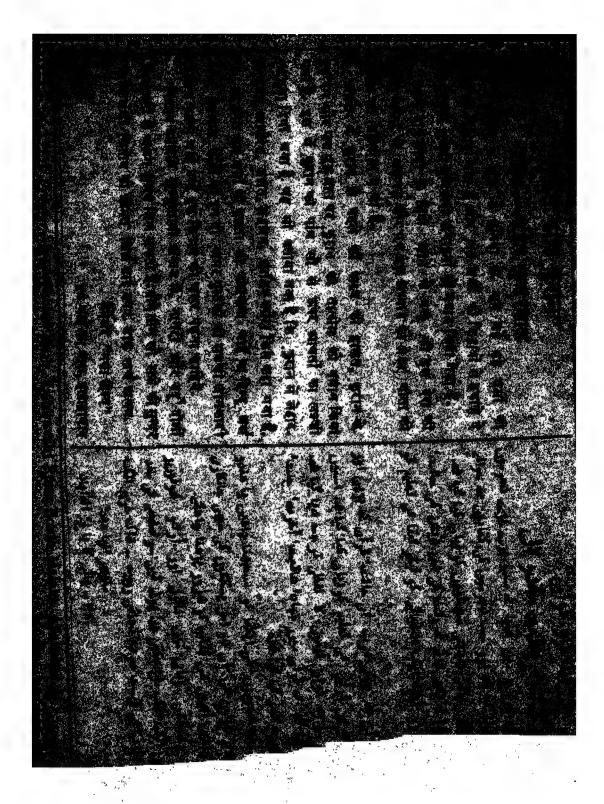
कार के किये पर क्षारे के दोका बन सकते हैं और दोनों दारे कार के किये बरका हो सकते हैं. इसकी सब से पहली सीदी की बरावर का धानन कामान, बरावर का जाजादां भीर बरावर के कहां के का कर जानन के साथ कर जाप हुए लोगों को किर के कहां के का कर जानन के साथ कर जाप हुए लोगों को किर के कहां के का कर जानन के साथ कारिशरां हिन्दू धर्म और हसकों का को मिन्न के बाबी और इस सारे मुक्क को बरवाद कर देने बाबी होंगी. हमें बापने बन्दर की संगी को जीतना होगा. अपने कियों को किर से बड़ा बनाना होगा. यही एक हमारे रोग का का के दिन्द, बच्चे मुसक्तमान वा सब सिक्स बन सकते हैं. हमारे का से दोनों सरफ की सरकार और बड़े बड़े नेता हसे महसूस करने का है. होनों सरफ को सरकार और बड़े बड़े नेता हसे महसूस

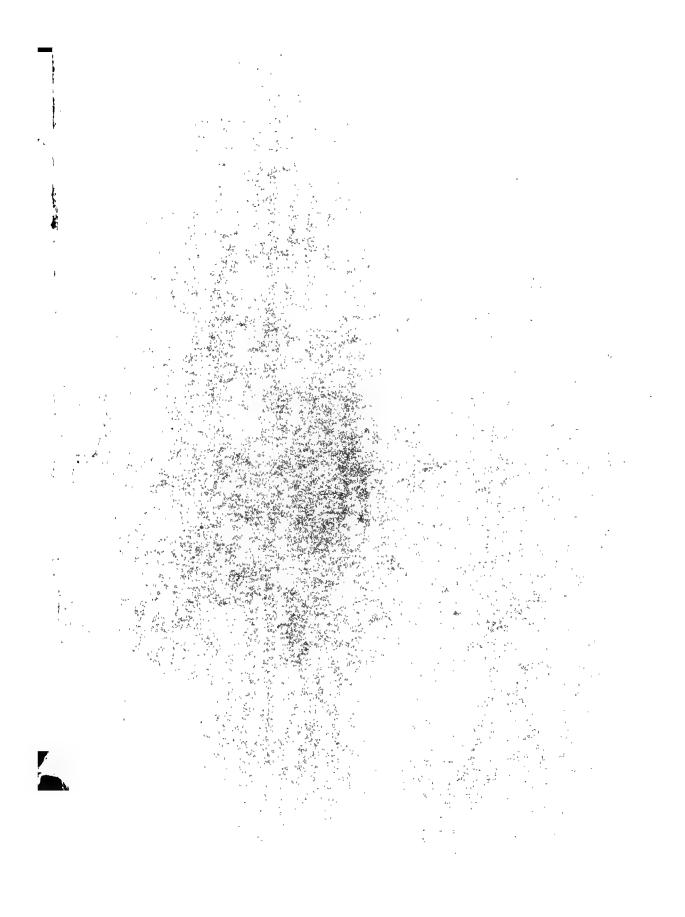
(बरियम सेवड से)

सर्वा

(アイン)

ممنندال





Jana?

· ()



جات اردى ، يديم دهم يو، وعدتانى

नवाव रामपूर)

बर बर दुला के बादला झाये सुलाकी नैवा ह्वाी जाए, गरंत भाषा रो रो कहति हैं बन के बिगड़ गए काज. बीर बहाता छोड़ा भगतों से काहे जुस मोड़ा, हराई भारतवासी बागो हुल से बोबो देश की रालो साथ, हम गांची की महाराज.

دلين ويال بعارت واحل حالد الد الله

धीनों करा में तुमरी जैही गोली ला के बसर भए हो, हम से विश्वह के स्वर्ग गए हो सुमति का पहने ताज.

विसने केन देर का तारा अवसागर से पार बतारा, असको किस निर्दाह ने सारा बता दो हे यसराज.

इस घरती की रीत है न्यारी उसको मेटे हिंसाकारी, तन मन बन जो तज के नाहे सदा चहिंसा राज.

हिन्दू असिलेम अब बलहार मन तुमरे उपदेश पै बारें, मिलाजुल सब जय हिन्द पुकारें बाजें प्रेमी बाज. हार कहाँ यही सत्त विजय हैं भर घर देखेलो तुमरी जै है, पहले तो गाँभी भी देश गुरू वे जगत गुरू भयो चाज.

रजापिया को सोच वही है तुमरे बिन संकोच यही है, इस जीवन में देख न पाए फूला फला स्वराज.

اس جو المراد المرد ا

जमुना-तट की राख में से राष्ट्रपति का॰ राजेन्द्रप्रधाद

हमसे बोबने, इसे घीरच बँधाने, हमें बढ़ावा देने और हमारी खाँडें. मगर क्या खुन्होंने धक्सर हमसे यह नहीं कहा कि रारीर खंदावी हैं. मगर क्या खुन्होंने धक्सर हमसे यह नहीं कहा कि रारीर खंदावी हैं और खंक न बंक दिन खुसका नारा ध्ययस होता है, धीर खिंदी धातमा हो धामर है और खंदाक कभी नारा नहीं होता है क्या खन्होंने हमसे यह नहीं कहा या कि जब तक भगवान को मेरे किस रारीर से काम बेना होगा, तव तक यह खिसे बनाये रखेगा ! खंदा को पूरा कर सकें। हो सकता है कि ज्युनको सन्ता रारीर के बन्वनों से बुटकर ज्याहा खंदा से काम करे और खैसे साधन पैदा करे जो अनके खबूर खंदा होता ! हुंची जुनको राज मेरे खैसी ताक्रतें खुठ खबी हों, जो ग्राजतकहमी खारि धीर सेन कायम करें, जिसके जिस्से वह जिये, खुनहोंने काम किनामें हाय! धन्तमें हत्यारे को गोली के शिकार बने.

हिन्दू धर्म में या संच पूछिय तो जिन्सानियतमें जो महान और कर है, क्या वह जुस सबके सार और साकार रूप नहीं थे ? और विसपर क्या वह अके हिन्दू का ही हाथ नहीं था, जिसने जुस इंद्र को अपना गोली का निशाना बनाया, जो जाति, धर्म और विशास के समझ्य क्या हो सकता है ?

LAME TO STATE OF A MOOR STATE OF STATE

मार्च धन् भूत

चितिहास पर जैसा वासिट कलंक है, जो किसी तरह नहीं धुलेगा. इस दुःबी हैं, इस मौंचन्के से हैं, तो क्या इस निरारा हो बोबों से मरे हुमें काम की दूसरो मिसाल नहीं मिलेगी. वह मुस इया यह दिन्दू धर्म को वचाने के लिखे किया गया है ! क्या पित्तरो हिन्दू वर्म बीर हिन्दू समाज के तरह तरह की बातों से अरे बिति-हास के बेग्रुमार पन्नों को देल जामिये, बापके बैसे हुरे, बौर विचा गया ? क्या चिस तरह हिन्दू समाज की सेवा हो गजी ? हिन्दू समाज की सेवा होगी ? क्या घोसा करते से हिन्दू धर्म बचा

ही खतरों से बेपरवाह, रहने और असी तरह नतीजों की तरफ से बेफिकर रहने की खलरत है. गांधी बी ने असे क्रायम करने के लिखे को झायम करने के लिम्मे हिन्दुस्तान को वैसी ही नहादुरी की, वैसे रने मा बाबा केने का समय नहीं है. तांची बी के बाजरेत में रूपंत और जुनामी के जिलाफ अपनी बीवन-मर की सदाजी में भुन्होंने बेसिसाल इविवार का इराशवा से श्रुपयोग किया. श्रष्ट्राजी हत पर नहीं पहाँगे, जैसे धनके जीते भी चलते थे ? यह गुस्सा स्मी आन दे दी. क्या हम गांधी जी के मरने के बाद उसी तरह उनके साब बगाये. धुन्दोंने मिट्टी में से बोद्धा वैदा किये. बेबिन्साफ्री, संबंद के समय शुनकी खलकार हमने फिरसे कर्ष अदा करने वा माधी नहीं को चौर हमें काकी प्रेरखा (नहरीक) नहीं दो है ? जिस बढ़ाने जीर सक्कारा देने के क्षित्रों क्या जुन्होंने हमारी काफी रहतु. जब हम धुनको जावाज नहीं सुन सकेंगे. मगर क्या वह खेक बेरा-क्रीमवी मीरास हमारे क्षित्रों नहीं खोक गबे हैं ? जपने रास्ते में जागे बार्चे ? गांधी भी का रारीर ध्याव हमें देखने को नहीं मिलेगा.

collision.

می یہ مہندہ حصوم کو بجائے کے گئے کیا گئی ہے جائے ای سے بہندہ مسلم کا بجائے کے گئے کہا گئی ہے گئی ایس سے بہندہ دھوم بجا ایا گیا ہا بھی ایس کے بہندہ دھوم اور بہندہ سکاج کی میدہ انہوں کا بہندہ میں ایس کے بہندہ دھوم اور بہندہ سکاج کے طرح طرح کی باتوں سے بھرے انہاں کے بہندہ دھوم اور بہندہ کا میں میں جانے کی باتوں سے بھرے انہاں کے بہندہ بھی ہوئے کا میں دوم می مثن میں کہا ہے ۔ اور دھوسکا سے بھرے انہاں ہوئے کا میں دوم می طرح میں و مطابق ۔ یہ آپ انہاں میں ایسان کھی ہوئے گئی ہے ۔ ج

CONTROL OF THE PROPERTY OF THE په تنگر کرف کے ملے میندستان کو دلین تک بدادری کی ، ویل ہی خطون میں میڈیدہ دریخے اور میں کی تیجوں کی طرف سے ب مکر رہنے کی خردست

'इरिजन सेक्ड' से)

थे. बा गांधी जी की धन्तिम भिच्छा थी. इमें खुनकी बा ायसी मेब-सिबाप और संचीपारा क्रावस किया जाना म पादिये, वाकि अध्यति मावनार्थे अनकी अगह निराना अधिरवास और कार्क जल्म होने पादिने म परस्ती को बड़ से शुक्राह केंद्रने का पण्डा स्थली बजह से वह पाप सम्मव हुवा है, गांची रिमा को मारने बासी चुस संक्रुचित सान्त्रदावि-क्तिरात्मक. बुरी चिच्छाचों का अवस्य बगह नहीं है. बहरत बिस कामों के हमेरा दो पहलू

PIP

जवाहर बाल नेहरू

१९९६ का साल था. कीका ३२ सालसे क्यूपर की बात है. व से बापू को पहले पहल देशा था, क्योर तबसे तो को क पूरा युग बीत गया है. लाजमी तौर पर हम बीत हुक्ये जमाने की तरफ हे खते हैं कीर बेग्रुमार यह ताजा हो जाती हैं. हिन्दुस्तान के भितिहास में यह कितना क्षतोखा जमाना रहा है! सारे खुतार बढ़ाब को हा राजीतबाली जिस सबी कहानी ने बीर रसके काव्य का कतीला रूप ले लिया है. हमारो मामूली जिन्द्गियों के। भी रोमांक कल्पनाक प्रकाश ने जुजा, क्योंकि हम जिस जमाने में बिने, कीर हिन्दुस्तान के महान नाटक में कम या ज्यारा हमने कार्या भारते कहा किया!

बिस बमाने में हिन्दुत्तान के बारे में सिर्फ यही ताञ्जुन की बार नहीं थी कि सारे देश ने छक घंनी सतह पर काम किया, वा ज्वादा छुसी सतह पर काम किया. वह सन्युन लागीतार कम बायक काम या. जिसे तन तक क्यांसानी से समग्राया या समग्रा वासकता, जन तक हम ज्यांसानी से समग्राया या समग्रा वासकता, जन तक हम ज्यांसानी से समग्राया या समग्रा वासकता, जन तक हम ज्यांसानी के बनाया है. अक बनी म्यांग मृति की तरह बाप हिन्दुत्तान के ब्यांतिहास की बासी सबी मृतं थाँन के लाला कर तक हैं. वह बनी भारी मृति रारोर की नहीं, विकंक मोरे आला कर तक हैं. वह बनी भारी मृति रारोर की नहीं, विकंक मोरे आला की हैं.

हम बापू के लिखे राकि करते हैं और अपने के अनाब महसूस करते हैं. सेकिन अनके तेजस्त्री जीवन के देखते हुन्ये रोक मानने के हैं हो क्या ! सचग्रव दुनिया के जितिहास में शायद ही मनुष्यों के मांग में यह बदा होगा कि वह अपने ही जीवन में जितनी क्यी अनुपानी देख सके. बापू हमारी कमकोरियों और राजतियों के सिक्क दुन्ती से और फिन्हस्तान के और ज्यादा व्यापनी पर

الما المراس من الما المواد المود من المراس المد المود المود

हैं और जो केची काम हाथ में लॉने, धुसमें सचतुन चराकत हैं ही नहीं सकते. गीवा के जुपबेरा के मुताबिक वे फलकी चिच्छा रकते हुन्ये स्थितप्रक्षकी तरह जुदासीन रह कर काम करते है, ह आपानी से समन्त तकते हैं. फिर भी बीन कर सकता है। धुनका बीकर बातफा रहा ? बिस बीच के मृन्दाने श्रुचा, से बीनती चीर गुर्खाली बना दिया. वो काम घुन्दाने किया र काकी धाष्ट्रा नतीया निकता-हालाँकि शायर अतना िं जितने की यह भारतकरते थे. हम पर यही बाप पदती

हे हंग से बहुत श्रक्तग था. भिससे यह बात साफ हो गन्नी कि सत्ब वे बीवनका जो इंग चुन्होंने काखितवार किया था, वह दुनिवा म्बी प्रवास्पद्धता प्रदान करती है. हैर चच्छाची की लगन, दूसरी चीजों के जलावा, जीवन में क्साकार बन गये; क्योंकि शुन्दोंने जीने की कसा सीसी थी; धगर जिसमें ठीक तरह से जम गणी थी, भौर इस तरह बेजाने ही वे पूरे धुनके मुंह से निक्तने बाला हर चेक राज्य और हर जेंक बेहा विविध प्रशृतियों में ज्यादा नाजा में एक रसता चाती गची चौर शीयन से भिन्न भनेक साहतों से मरी हुन्नी जुनकी सन्ती किन्दगी विस्टा राग राज्य ही कभी सुनाभी पढ़ता था. शुनकी सारी मसिबी काम का फल चुन्हें मिलता ही या. कठिन कांगों, इल बलों, चौर खेकती प्रवृत्तिबाले सामान्य

कैसे जैसे वह बुदे होते गये, जुनका रारीर जुनके मीतर की कारी बात सुनते हुन्ने या चुनको देखते हुन्ने लोग मुनके

الله معاد إلى سرد إن صاف المؤكار سند الد الحيال كالكن الد المحالة الموال كالكن الموالد المحالة الموالد المحالة الموالد الموال

मंबे, बिस क्षरह कि सभी स्रोग भरना चाहेंगे. अनके बारे में शरीर बिनके बग बन्त तक छुतीं हो रहे, जिनकी मुस्कान दूसरों के शोंडों साबाहर पहुँचा पुणी थीं. वे ह्यारे मन में और जिस कुम में इस आहें. कुम्ल कम ने भाषां, जांची तसकीर कोड़ गाने हैं. जो बैग्रड वे मरना पसन्य करते. दो किरकों के नोच जेक्ता क्रायम क्षा के बार बोक बोम्ब बन्त था. सबगुब बुस गुल से बनके शांक करें ? हमारी बाद में वे खुस 'शुक' की तरह हमेशा रहेंगे था बादी है, वह भा धुनमें नहीं थाथी. तब हम क्यों धुनके विश्वे षेदा नहीं हुनां. ज्यादा भुन्न में जिन्सान की यात्हारत में जो कमी भर या मुस्कान बा देती थी चौर जिनकी चाँसों से हँसी खसकी अपने अधिन और श्रस्तु दानों में भुतको राक्तियां अपनी बरम हरने के लिखे वह राहाद हुने. चिसके लिखे चुन्होंने हमेशा काम बहुदी को. झुनका शारीरिक और मानिधक शक्तियाँ अनुक की हु अपने बाने या तम्बे अरसे वक बीमार रहने की कोश्री बात ही अरपूर ने, चौर प्रार्थना के नजर चानकी सत्य हुची, जन कि त्यां का करि खास करके पिछले क्षेक या ज्यादा बरसों से तो त्यांने क्षित्रके बिक्षे लगातार महनत का था. वे भावानक सर । अन्यक्त भूषा भुठ गथा. भीत के समय वे अपनी शक्तियों जानबान में भी जेंक घनीखी भव्यता चौर कलापूर्णता के स्वतित के सिक्षे चरि मुनकी जैसी फिन्दगी के सिक्षे हर

المارسة عن الارجال ورع على من إلى الكارسة المارود على الارجال ورع على من إلى الكارسة المارود على المارود الما

ان کے اور ان میں کا اُک اوئی مجورتا اور کلا یوفت کی اُن کے اور کلا یوفت کی اُن کے کہا کہ اُن کی کے لئے اور کلا یوفت کی اُن کے کہا کہ کا کہ کہا گئے کہ اُن کے کہا کہ کہا گئے کہ اُن کے کہا کہ کہا گئے کہ کہا گئے کہا کہ کہا گئے کہا کہ کہا گئے کہا گئے

のないできた。 नहीं, बल्कि शुससे इमारी राष्ट्रीय विरासत में हमेरा। के लिखें भारी बौर जो ताकत अन्होंने हमें दी, वह अने दिन या अने बरस की बापू हमें समृद्ध और बलवान बनाने के लिये हमारे बीच में आये. है. जब जिस देश में हम रूहानी तौर पर कंगाल होते जा रहे थे, रहेगा, न्योंकि वह हिन्दुस्तान की धात्मा का खेक : बंग बन गया बसर बना रहेगा, श्रौर हर श्राने वाली पोढ़ी के। प्रभावित करता संबी सुन की पीड़ी का वो अन्त हो जायगा, सगर गांधी का वह जिस्से बहुत ज्याता है. श्रुन्होंने हमारे मन और श्रात्मा के तत्त्वों में अबेश करके अन्दें बदला है और श्रुनको नये ढंग से तैयार किया है, ह वसबीर कमी धुंचली नहीं होगी. मगर अनकी सिद्धि

बार बी हैं शुन्दे श्रुप करें. था भूनकी याद को धोखा न वें, बल्कि अपनी पूरी योग्युसा के साब श्चनके काम को बागे बढ़ाते रहें बौर जो प्रतिवाधें हमने जितनी जनक रीति से अच्छा किया है. अब हमारी बारो है कि हम अन्हें कियों भी बहुत बड़ा काम किया है, और अन्होंने असे बारचर्य-बापू ने दिन्दुस्तान के।लियो, दुनिया के लियो और इस रारीवों के

('इरिजन सेवड से')

العديم أن على برطعى كو يرجاوت كونا رجيكا، كيون كه وه مايونا كالمتنا كا أيك الك بن عي يزوجب إس ولين مين أيم رحاني کے لئے ہارے بھے یں کے اس موطاق کھوں نے ہیں ۔ وراق کا تعدل کے ہیں کے اس کا میں ایک اس سے ہادی اس سے ہادی اور اس سے ہادی اور اس سے ہادی اور اس سے ہادی ہوگی اور اس سے اس کا اور يك كى بيرامى كا قد ات بعيد يعلى الحركان عي كا ده افر بناريكا طور بركنكال وحدة جاري تقاء بإله وين محوده اور بلال بناء كريم "معنين مدال يو دور من كو شط فوصل س تيكري ايو كاندى بنت زیادہ آی اکفول نے اطاب می اور اُٹھا کے توول یں اِفیا بالد نے میدساں کے لئے اور کا کے اور ام برجیوں ک الله مجي ميت وا كام كي يؤه اود محقول في الم محرية وہ تعدید تمی وصند علی تنیں ہوئی۔ توران کی ملک اس مي مك ميں سكى .

(C150.40')

बापु ज़िन्दा हैं (बार सुरावा केवार)

कार हो है अहुर-सन्दर्भ से असूत निकता. हीरे-जबाहरात का कीर हताहक कहर निकता. कहर जितना घातक था कि वास का नामा कर सकता था. असे क्या किया जाय ! तम किस बारे से कितता के समुद्ध-सन्यान से आजारी का जाय ! तम किस बारे से कितता को तम के समुद्ध-सन्यान से आजारी का असूत की जितना ताय हो, जापस की मारकाट का, दुरमनी का, बेर का, क्षाबाख जुलन्द की. लोग अपनी बेहोशों में से बीके, लेकिन जागे का बारा को होगों के कानों में भी वह आवाख पहुँची. वाप की बोनों किस जाग में मस्म हो जानों के जानों में भी वह आवाख पहुँची. वाप मुक्त किस जाग में मस्म हो जानों तो." जुनका दिल दिन-एस पुकारता था—'हे अरिवर, जिस बाला को शान्त कर, नहीं तो से किसमें सस्म होने हे. मैं जिसका साली नहीं बनना वाहता."

बो बापू अनेक खुपवासों में से, अनेक हमलों से बच निकले के अपने ही श्रेक गुमराह पुत्र की गोली से न बच सके. पुत्र हाम से हलाहल का प्याला लेकर वे पी गये, ताकि हिन्दुस्तान अपने यह सके. किसी ने कहा, जगत ने दूसरी बार आंसा का स्वती यह बढ़ाना देखा है!

Marie and Marie and A Business of Marie.

Ctowns!

الما الموسود التي الما الموسود التي الما المرس والما التي الما الموسود التي الما الموسود التي الما المرس والموسود التي الما المرس والموسود التي الما المرس الموسود ال

कारा साहब के साथ बहाबलपुर भेजा था. वहाँ बिटी कमिरनर की अरेको भी बारू के जितनी बिन्ता थी कि अन्दोंने सुने लेखली हैं आबेरो १" मैंने छहा--"जब बारकी हुकूमत बाहेगी." ो मे बहुत व्यार से पूछा-- 'गांधी जी बाब कैसे हैं ? हमारे पास

क्ष्मीयस के बारे में पूछते थे. जुनके सवाल होते.—अपवास के बाद गांची जी के। ताकत धाक्षी या नहीं? वे क्या खाते हैं ? बग्नेग. आब बेसकर सके ख़ुरी हुन्ती. मैंने हर्ष से सोबा. बापू के। यह सब श्रेसक्षमान श्रक्षवारों ने कहा था, श्रमके बारे में पाकिस्तान में यह हुनामूर्गी, तो शुन्हें कितना बच्छा सरोगा ? शुन्हें राक नहीं था. जिन्हें जिस्साम का पहले नम्बर का दुश्मन श्रुंनकी ग्रहच्यत जाहिर थी. गांघी जी खुनके दोस्त हैं, जिस बारे ज़ें र बगह गरीब-बगीर मुसलमान प्यार से गांधी जी की

उंदरे पड़ गये. में सुत्र केठ गची. किसी इसरे ने कहा- "नहीं, नहीं, यह तो भक्तवाद है. इस दिल्ली के। क्षोन करके पक्की स्ववर निकालेंगे श्वराधिये नहीं." मैंने कहा — 'नहीं, सुके अभी लाहीर जाना है. हैं ? गांधी की को गोली से मार दिया !" मुनते ही मेरे हाक-पाँच स्ती हॉकरी, हॉकरी बार्बी बीर बोर्बी—'दुनिया किवर वा रही तै मन्दी विशाधिये. सबी सबर हो या कुठी, में अल्बी-से-अल्बी र शास को ६ बजे के इस्टीब किटी कमिरनरे साहब की

से बसीया सीबी. वाकसा में बॉद निक्स माना था. िक्सी ने चपनी मोटर ही. धुनसान सङ्क पर मोटर पूरी

ストーグ・いるい とから

الدستام و المح سرح المولاس والمائل المائلين كتنا الحفا علي المحتلى الموسي الموسي المحتلى المح میں ملدی سے ملدی ملی بھٹا یا ہی ہوں " و مرد کر دری دی سی میں میں ہیں ایمان میں میان میں کا تھا۔ میان اس ج المغین شاک تبین تھا جغین اسلاکا پیکائمبر کا دیمی مسلال اخباروں شنے کہا تھا، ان کے بارے میں پاکستان میں پر بھیاکا دیکھر کھے توتی ہول میں نے ہرش سے موجا۔ الو کویزئب مساؤں کا آڈائفین کتنا اتھا تھا جاتا ہ وروں کی بادی کو اتن چنتا بھی کر ایمنوں نے مجھے کسیل کرائس مام ي الله بماول ورجيجا تفا. وإن ويني كمنزكى بنى in condu

्यात क्रमानटी नहीं हो सकती. मगर मनुष्य निराधा में भी भाषा क्षात दक्कों का भाषी हैं. मैंने मनको समस्त दिया—बार मी, पर बिना है." बुढि कहती थी, बार गोतियाँ बती, कार देखें का बादी हैं. मैंने मनका समन्त्र दिया-पार कार करती, मगर क्या जाने सर्गी या न सर्गी ? शायद पाप्), संगर ने नीवित हैं. हरून कहता है ने मरे नहीं हैं.

के नवा कि बायू नहीं रहे. बानी तक जो बाँखू दने हुने थे, वे खुमको बना पता था कि खुनके तसल्सी के राज्य मुक्ते कितनी गहरी बाद पहुँचा रहे वे ! चितने में रेडियो पर पंडित औ की दुःसमरी इस्पना का महत्र हा विवा. वे बाँस् वहाकर हमदर्श दिसाने लगे. बक्रवाह युनी थी, बह सच है. चाक्रिर बेच दोला ने चाकर मेरी पूछने की दिन्सत न हुची. बर बा, कहीं केचनी कहन दे कि जो क्षेत्रे न बसे. हम चनाव बन गये ! क्षां सुनी और मेरी रही सही बारा। मी टूट गबी. विरवास सुना ६ बने हमारी मोटर बाहौर पहुँची. किसी से इन भी

बैरा सगने सगा. वहाँ हिन्दू-मुखसमान सब ग्रमगीन बे. वहाँ की का श्रासे आपके वहते में कोई खास बचत नहीं होगी:" लेकिन मा-- 'हम सुरी से पेरावर से त्येरास हवाची जहाब बुला सेते. मा हकानी जहाज था गया, तो खुन्होंने १० मिनट में खुसे रवाना रा हिंचा. पाधिकांट भी जुन तेची से बाया. इस संचा स्थारह के THE PART OF THE PARTY OF THE PA · अकसरों ने मेरे सुमीते का ज्यादा से ज्यादा खायाख रता. अन्होंने ह्याची अहे पर हवाई अहाअ के बिन्तबार में इख इख सिव्यों

> المورسين الوزنده ون "ترسي التي الماركوليان بلين المورسية المورس المورسية ا Grasia.

से रोक रहा था, असे श्वसने हटा विया. क्या बापू के जाने के बाद किन्दु-मुसलमानों की आँख खुलेगी ? बापू को बाद हम बासे थे. जिससिको बापू का खून हम सब के सिर पर था. खूनी जिससे भी कागे गया. जो जिन्सान कॉट का बंबान प्रथर से देने । सब बिचार बायू का खून करने बालों के पक्ष का समर्थन करने **डेनको क**सीन कर्मा पाकिस्तान को ज्यादिवयों पर गुस्सा बावा हुने क्यी घेसी चर्चामां का लवाल भावा, जिनमें मले लोगों ने मंत्रे ?" बाधू का बारबार यह कहना कि खुराक्री का बदला मंत्राई से दो, श्रुनके गक्ते नहीं श्रुतरता था. मैंने सोचा, हममें से म खून इस सबके सिर पर है. इस सबके हाथ खून से रॅंगे हुखे हैं." ा. सन में खयात धाया था कि लातों के भूत बातों से नही मानते. हरें क्वरंपाची चाँसों से मोटर में मियां साहक ने कहा--- "वापू बैठकर विवृधा-अवन को शरक बते. कास साहब सामान के लिखे पू को टीका की थी कि वे सुसलमानों की तरफदारी करते हैं. ं लोग कभी कभी सोचते थे....'कहाँ तक मार खाते

का पूरे बोर से बीरती हुकी हॉफती हॉफती वहाँ पहुँची, जहाँ पूर्व पहुंचा. इसों में से बापू का चेहरा ही विस्ता था. हमेरा। स्थाप की जनमा चिर अनुकी साती पर रज निजा ------कामी के पाँचों के पास श्रुवास और गंभीर बेटे थे. शुन्दोंने मुसे पांककी रवाना दोने के लिखे तैयार थी. वहाँ सरदार अपने दिवंगत भी बहुत भी इसी. बूर से क्षेक क्षूँचा फूलों का देर दिला. में भीड़ गाड़ी विड्ला-भवत के पिश्रले दरवाजे से दाखिल हुन्नी. जुधर ने जपम किर जुनकी द्वारी पर रत्न दिना, निना सेले

कि बैठ बर बोर की बोक बपकी लगा देंगे! सगर मैंने तो अनकी बार के सावना अंदी, चमी बापू जेक त्यार की चपत संगा किएी अपकी बहाबसपुर जाते सस्य ही से सी भी

थर फुक गया. भाषा श्रुनके गाल के। जा लगा. किसी ने पुकारा-सीमुके गरम झागा, जीवित झगा. मेरा सिर फिर से बनके बेहरे भव धव नीचे अतरो. हिसीबा बहन!' पुकार कर ने श्रूट श्रूट कर रोने तर्गी. चाँसुजो क्षित्र था. वे नाहरी नींद्र में सेथि दिखत थे. अपने आप मेरा हाथ स्वर के पास मनु चौर चामा खड़ी थीं. 'सुरीका बहन ! मेंने देखा नापू का बेहरा पीला था, पर हमेशा को तरह समे पर बता गया. अनके बेहरे को मैंने हुआ. बह अभी

कार से इस तीनों को नोचे श्रुतारा. पुराने खमाने में महादेव भाषा महतीरकाल जुनके चेहरेपर थीं. उँ इ स्ता हुया था. जुन्होंने राम-धुन बले, सी रामधुन शुरू की. लेकिन बहुत बल न सकी नार्थी. चेक-तूसरीको सहारा देते हुन्ने हम जाने बढ़ीं . बापू चाहेंने निमृत्ति कहताले थे. असी तरह इन्द्र महीनों से आसा, मतु और बुंबंद्रसभाष्ट्रो ध्वीर प्यारेलाक्षजो तीनों बापू के साथ हुचा करते थे-📫 मे, मिन तीनों में .में. दोनों लड़कियाँ दोनों तरक से मुक्ते लिपट 👫 बापू के खाथ त्रमूर्ति-सी बन गन्नी थी. जुन तीनों में महादेव भार्जा मानियों ने गुरू प्रन्यसार्थक शब्द बोलने शुरू किये. इस सब जुनवे नीने धिर को तरक पंडितजी खड़े थे. दुःख और ग्रमकी में बार बार बार ब्यास खीचती थीं. रोना नहीं चाहिये. सिक्स

一次の数の

アンカイントとなるという

تھی ہیں تیوں میں غین. دون ہوئیاں دونی ہوت سے مجھے اردی تھیں۔ ایک دورے کومها اوت پرے اہم ہے بڑھیں۔ ابوجان کے اوم بھیں جگی مو دام بھی خوبی خوبی کی گئیں بہت جل نہیں میں بہی بین بھیر بار معمیان کھینچی تھیں۔ دونا نہیں جا جا ۔ سیکھ مجانیوں نے وہ داس مجائی امد بیارت الل جی تینق بائد کے ماتھ ہما کرتے تھے۔ حرجہ ہی کمالاتے تھے۔ اس طرح کھرمینوں سے انجعاء مؤاور بیں جائد سے ماتھ قرجورتی می بن کئی تھی۔ ان تیون میں مہارہ بھائی دیے من سے بی نے وقعا او کا چڑہ دیا تھا ، پر بینتہ کا کام منازت بھا۔ وے کہی بیتد میں موٹ وہ تھے ، ایت آپ مرا اٹھ ان کے ایک پرجاکن ، ان کے چرے کو میں نے تھوا ، دہ (مجانی کا کھی کم کم کم المان اور جات سے ای کے کی تھی۔ اس کے پاس مو اور اکھا کوئی تعین۔ ورونیا میں! ایسیا میں! کیارکر دے میبوٹ میمون کر دونے کئیں ۔ اکسودی ما سے بھاؤنا اللی ایمی بالد ایک بیاد کی جیت لکاوں کے ،

बहा कर की कालेंगे ? बन्या जनकीय करके ही बैठ जानेंगे ? या बन्या बोमें को जुए कराते थे. अयनाद से भी खुनके कानों का तकलीक बा में निन्ता चौर वारीक से ग़ाकिस बापू सो रहे बे. जीवन में हम बाँसें गीसी थीं. मनमें भाषा, क्या घपनी भाषनाओं हम आंसु श्रुक्ष याड़ी के स्पर्श में बापू का स्पर्श था. बोनों तरफ लाखों जनता क्ष्म आबनाओं पर चयव भी होसा ? धुसकी बरूरत न थी. किसीको चुप कराने को बरूरत न थी. सब की अर्डेचियो थी. वे कार्नोंको ड गतियों से बन्द कर विया करते वे गांबीबी की जय' के नारों से गान गूँज रहा था. जैसे जीवन में बैसे इनने बन्य कराने को हमें साथ रूझा रखनो होती थी. मगर आज कंड़ी थी. हर दरकतकी हर टहनी पर लोग केठे थे. 'सहात्मा अब देर अद हम जोग पीछे बापूकी गाड़ीके पास था गये.

के अपराय इसा करना. मेरी मूलचूक, राजवियाँ इसा करना. अपने प्रकास किया. हृदय से बांक ही पुकार निकल रही थी: नापू, आंखी ने बापू के पॉड पर सिर रखकर प्रखास किया. जुनके बाद हम भाषाया ने इन्ह संत्र पढ़ें . इस लोगों ने खोटी सी प्रार्थना की. देवदास श्रुकी पर श्रुनको बारा थी. श्रुसे सम्बर सकड़ियोंपर रक्षा गया. पबूतरे पर लक दियाँ रस्ती थीं. जिस तसते पर बापू बैठा करते थे, कार कारा किया. भाषके साथ दलांखें की बापू क्या करना व हैं कितनो बार बापको सताया, बापके। मानवी पिता मानकर रामके जुब्स जमनाजी के किनारे पहुँचा. बॉटोंके बोक कोटे से रक !! इस इरना !!! मैं बिता से दूर इट इर के रामी. म बकी सम में में बीता के रकोड क्यांची रही.

> سے دیند کر دیا کرتے تھے کان بند کمانے کو ہیں ساتھ رون کئی ہوئی محق کو ہوج اس کی حزورت نہ تھی۔ مسی کو جیت کرانے کی خزورت نہ محق میں۔ مسب کی انکھیں کی تعمین میں میں آیا کمیا این بھیاونائیں ہم جی مسب کی انکھیں کی کمیا چھوٹن کرنے ہی جیٹھ جائیں گئے ہو یا کمیا

ایم الان نے چیون سی پارتھنا کی۔ ولوداس میمانی نے باو سے بافن پیرم مکم کر برنام کی ایمان سے بعد ہم سب نے برنام کیا۔ ہوے سے پیرم مکم کر برنام کی جی ۔ ابوء مرب (برادم مرب) کرنا۔ مربی مجل جگ ملال منها کردا جون می کنی ارتاب کو سال ایک و منوی بت ا اورکت سے میکواکیا ۔ آپ کے ماجع دیلین کمیں اورکت کردا ا اورکت کے میکواکیا ۔ آپ کے ماجع دیلین کمیں اورکت کودا ا はいかんというないという。 ان نجاء نائل برعل میں ہوگا ؟ شام کا جوس جن جی سے کنارے پہنیا۔ انیوں کے ایک جیوٹ سے جوڑے پر ہویاں بھی تھیں۔ جس بھتے پر ابو بھیا کوتے تھے ، آگا ہے۔ ان کی ایش تھی بریس الرکوایوں پر رکھا گیا۔ راہی نے مجھ منز پڑھے۔

बाहें पर बन्दन की लकिंदयाँ रखने लगे. युगन्धित साममी डालने में. में लाकर सरदार काका के पास बैठ गन्नी. घुटनों में सिर रख बिच्या और वेख न सकी. स्मरा जगत बक्कर ला रहा सा लगता के बीद का बोर से धक्का जाया. मनु, आमा, में और मणि बहन के बीद से धक्का जाया. मनु, आमा, में और मणि बहन के बीद से सरदारने हमें साथ लेकर जुस भीड़ में से निकलने की बीद की बाद के सकेपर धक्का जाता था. हम गिरते-पढ़ते मुश्किल से क्षा की की सरदार काका और सरदार काका की साथ के सकेप काला की कामाने भेरा हाथ लीवा. दूरसे काका की साथ के सकेप काला की कामाने भेरा हाथ लीवा. दूरसे काका की साथ की कामाने की साथ की की साथ की कामाने की साथ की कामाने की साथ की कामाने की साथ की कामाने की साथ की की साथ की की साथ क

With the sold of the county of

114 BY 18

हें गयी, जिस चिनमें हमारे शेष, हमारी कमचोरियाँ, सस्म हो

• आवाष निकल रही थी: 'वापू जिन्दा हैं. वापू जीवित हैं.' वह क्या दूसरे दिन कास साहब अमेची कविता की कुछ लाजिनें लिख कर हैं. तुन्हारे अने अने विचार की, अने अने आचार की देल रहे हैं पत्नस की ? बह व्यनि जितनी साफ थी, सगर क्या सब कल्पनाका हे गये. भूनमें चासिरी साभिनों का भाव कुछ जेसा था : ही सेल था ? जवाब मिला: नहीं, बापू चिन्दा हैं. सचसुच जिन्दा अप क्या करते थे, अस पर रखी बापूकी कोटो के सामने बेठे आप रान्त हो. रातको विद्वा-मदनमें जिस गरी पर बैठ हर अर्थ, वाकि इस बापू के बताये मार्ग पर दढ़ता से जागे बढ़ सके बिस भनिका रान्त करने में खुनके प्राय गये, वह चिस श्रमि के ं विचार जाने लगा—कस सारी रात मोटर में बेटे हृदयसे जो

पर कदम रखते हो." हैं, वे देखते हैं. सँमाजना कि किस चीच को तुम क्रूते हो, कहाँ "वाद रखी, अब धुनके दृषियार सिर्फ तुन्हारे द्वायं और पाँच

सिंगहुँचार्वे. " वापू गंभीर हो गये. कहते लगे...."हाँ, त्राज बे **बह** तेज्ञ नहीं, जिससे वे श्रापका सन्देश घर-घर, गाँव-गाँव देशभर रचनात्मक कार्य करने वालों में कुछ बेबसी-सी पाष्ट्री जाती है. खुनमें अस-से बगते हैं, मेरे जीवन में दूसरा हो नहीं सकता. श्रुन सबका कर्ष (शक्तिस्थत) मेरे ज्यक्तित्व के नीचे दला हुआ है. वे बात श्रेक दक्षा बापू को किसी ने कहा था—'श्रापके मानने वालों सुने पूजते हैं. सगर मेरे बाद, में जाशा रखता हैं, शुनमें बह हिराकि अपने धार का वावेगी. अगर मेरे सन्देशमें इक

> مع بیغو، این اکلی میں ہمارے دوش، ہماری کرددیال بہم بھائی ا کاریم یو کے بتائے ایک پر روستا ہے ایک بھوسکیں بس اتنی محاریم یو نے میں ان کے بیان کیا، دو اِس اُتی کے ساتھ خانت مونانسی کمرنے میں ان کے بیان کیا، دو اِس اُتی کے ساتھ خانت ہو۔ دانت کو مراا بھوں میں جس کتری بربیکٹر راد کا کئی کرتے تھے ، اس بدرکھی بالوی وٹو کے سامنے بیٹے من میں دسار کا ہے لگا ۔ کل مرادی دات موٹو میں بیٹھ ہوت سے جم کوار کل دی تھی ' بالو زندہ

A. O. Our and M. Seal Congrain Grand

('हरिजन सेवक से ')

a chicker

मेल या लड़ाई

(बां भगवानदास, बनारस)क्ष

सामा के अन्दर प्रेम और नफरत मेल और लड़ाई दोनों तरफ कुकाव मौजूद है. प्रेम हमारे दिल के अन्दर का खुदा है. नफरत खुदी से पेदा होती है और वही हमारे अन्दर का रौतान है. यही हमारे अन्दर का सुर-असुर संप्राप्त है. मौलाना रूम का एक बड़ा अच्छा और मराहूर रोर है—

द्वराप बस्त करदन आमदी. ने बराप करत करदन आमदी.

बानी बार्गी को दुनिया में एक दूसरे से मेलु और प्रेम के जिये भेजा गया था, लड़ाई कौर नकरत के लिये नहीं.

शां अब इसारे देश के बहुत से लोग एक सजहब वालों भीर दूसरे मजहब वालों में, देश की एक सरकार और दूसरी सरकार में, लड़ाई की बातें करते रहते हैं, हम यह देखें कि यूरोप के इतने बढ़ें महायुद्धों से वहाँ के कुछ तजरबेकार लोगों ने क्या मलीजा निकाला. कई बड़ें बड़ें राजकाजियों और सेनापतियों ने. कि में पहले भीर दूसरे महायुद्धों को खड़ा करने और चलाने में सब से ज्यादृद्ध दिस्सा लिया था—बाद में महसूस किया कि युद्ध

कहत बारे में और जानना हो ता देखिये. बाक्टर अगवान दास कारेखों कियान—'दी पत्तनरात चुनिटो चाफ चाल रिक्रीजेंस'

ادی کے اندر بریم اور نوان میں اور اوال صف طرف تعکاف میں اور اور تعرب کے اندر بریم اور نوان میں اور اوال صف طرف تعکاف میں اور اور تعرب کے اندر بریم بھائی ہے ۔ بریم ہمائی ہمائی ہمائی ہمائی ہے ۔ بریم ہمائی ہمائی

من اوران اور من المحدد المحدد

Controller to the sale of the

मार्च सब %

बरा भी भी इजबत या शान वा काम की बीच नहीं है

किन्दोंने पहले महायुद्ध में बहुत बड़ा हिस्सा किया था, सन् १९३० क्षपनी एक तक्षरीर में कहा था-शिक्सान के एक फील्ड मार्राल सर विलियम रौबटेसन ने

बहाँ कि जुद्ध को रोक्ते के लिये मब से जरूरी चीज यह नहीं है ्राह्म हो बाबेगा चौर दुनिया मेल सिलाप चौर **घमन के रास्ते** क् दुनिया की क्रीमों में मेल मिलाप और अमन क्रायम होगा. और आपादीं के तथ करने के लिये लड़ाई का तरीका एक शलत और 大牛 是一种一 ज़ब यह बात हो जावेगी तो धासानी के साथ हथियारों का भी बात न हो जाबेगी तब तक न हथियारों की दौड़ खत्म होगी खौर सम्मीतृ हैं कि आब धीरे घीरे हम उधर की जा रहे हैं. जब तक यह 'खुद गरबी' कम हो और एक दूसरे से 'बाह या जलन' मिटे. हमें और बरूरी बीब यह है कि क्रीमों क्रीमों के आपसी व्यवहार में क्रम था ज्यादह भव का तुक्कशान उठाना पढ़ेगा. इसमें काई शक बिक सब का नका नुक्रसान एक दूसरे के साथ इस तरह गुथा होती जा रही है कि घसल में कोई क्रीम रोट क्रीम है ही नहीं, नाकारा तरीका सामित हो चुका है. दिन पर दिन यह बात चाहिर सम्बन्ध था जितना धव कि सुल्कों सुल्कों रा कीमों कीमों के बीच के कि बड़ी बड़ी फीसें और फ़ीमती हथियार रखे जावें. सब से पहली हुआ है कि अगर एक क्रीम या एक मुल्क के। नुक्रसान होता है तो ं पहले कभी लेगों ने इतने काम तौर से इस बात की नहीं

The state of the s

77 3 Kin

A SE COLON DE CONTRA DE CO استیکی وکوں نے اِنے مام طع سے دِیں بات کو تھیں تھا تھا۔
انتہا اِب کو عکوں عوں یا و دوں و میاں سے بڑی کے جھکووں کو ط مرائد کے لئے اوران کا طراقہ ایک خلط اور ناکامہ طراقہ تا ہے ہوگاہی۔

inchestion with the

बार आह" भी क्रमा में जिन्हें शायव जंग का इससे कम तजरबा था. इस कार क्यान में दो राज्य सब से मार्क के हैं - 'ज़ुद रारजी' नहीं था, हजारों छाल पहले कहा था कि-

कोषियर ने सन् १९२९ में लिखा था-"काम, कोष और लोभ, नरक के यहां तीन दरवाचे हैं." एक दूसरे बहुत बड़े योधा ब्रिगेडियर जनरता एक पीठ श्रुद्ध से बढ़कर तरक श्रीर कीन सा हो सकता है ?

. ऐसा बना विया जाबे जिससे लोगों को सड़ाई की बातें सोचने की जगह हमेशा अपन की ही बातें सोबने की आदत पड़ जाने. मैंने इस बात पर अच्छी तरह सोचा है, सममा है और तजरबा करके देखा है. का दार मदार इसी वातं वर हैं कि कास जनता की राय की इचर ही दुनिया को आना चाहिये. दुनिया की जाने की खुराहाली लझई के तरीकें से हट कर शान्ति के तरीकों के। बरतना चाहिये. "दुनिया धीरे धीरे इस बात की तरफ आरही है कि अब

बूरोप के किसी विद्वान ने कहा है— "त्रगर ईरवर न होता बहु भी हमें खुद अपनी खोरियत के लिये एक ईरवर गढ़ लेना बैलाजं. मेरी जिन्दगी का बहुत सा हिस्ता लड़ने में या लड़ाई की तब्यारी करने में बीता है. अब मैं अपनी रही सही जिन्दगी हुनिया के खन्दर धामन, कायम करने में विताना चाहता हूं." इसिलये अब मैं चाहता हूँ कि इस तरह के विचारों के।

्र श्रुपा में संकर्ता विरक्षास ही बाव्सी को बाव्सी का

ایک دورے بت بڑے یودھا برگیا ہے جنرل الف کی کوفیر نے سوجوں میں کھا تھا۔ تھا۔ اِس سارے بیان میں دومتید مسب سے مولے کے ایل -کم تیخر منیں تھا، ہزاروں سال ملے کما تھاکہ۔۔ دکام، کرودھ اور افیج، نرک کے جی قین دروازے ہیں." ملعم سے بڑھاکم نوک اور کھان سا ہوسکتا ہی ؟

r of forgonie

बाहर है क्ससे ज्यावह हमारे जन्दर है. का कारने से क्या सकता है. बुराकित्मती से अब साइन्स हर फिक्ससोकी यानी विकास और दरीन राख दोनों भितकर हिस्ते से कादमी को बता रहे हैं कि बुदा है, और बुदा जितना

का भार इन्सानी भाईचारे पर बार करती हैं तो वह जहर और इस सब के लिये बातक बन जाती हैं. भाज दुनिया में नैशनशिज्म ज्याद्य हिस्सा ले रहे हैं. राष्ट्रीयता एक हद के अन्दर अच्छी वीध ा बिसानियत के खिलाफ बुरे से बुरे पांप बाज इन अज्बों के संस्कृती है. पर जब राष्ट्रायता इनसानियत के खिलाफ जाती है, स्मान्यत पैदा होगी. इन तहरीकों में नई पौध के लोग ही साम पर किये और कराए जा रहे हैं. पाष्ट्रीयता या क्रीमीयत के पाक जजाों की यही बुरी गत बन रही कास्त्रका यानी इन्सानी क्रीम की एकता के खयाल की जगाना है. प्राचीके बल रही हैं जिनकी रारच लोगों में राष्ट्रीयता या प्राचीके की जगह धन्तरोराष्ट्रीयता, इन्टर नैशनलिकम, या कई बरस से यूरोप के बहुत से गुल्कों में इस तरह की नई श्राने की नसलों में ज्यादह ऊँ वे सदाचार और ऊ वी की जगह धन्तरीराष्ट्रीयता, इन्टर नैशनलिकम, या

क्रार्य करता, हँसी छड़ाना और छतसे नकरत पैदा करना, सरकाट, करना क्रांस अपने पड़ांसी इनसानों के साथ बदसवाकी के इस नारे में स्कूबों भौर कालिजों की पढ़ाई का ढंग बदला जाने. बुरोप के समझदार लोग इस बात का जतन कर रहे हैं कि केंद्र बाह्य क्रमी संवैद्ध करना, या सर कन्यें और

> THE WAY OF A CONTROL OF SHEET AND WAY TO SHEET AND THE SHE かんできんのかんかんかんできる کا لیکال کوراد اینے بروس الساوں سے فوت بیدا کرنا و اس کا طف いっていって

खर्ब बर्म एक, सब क्रीम एक, सारा इनसानी समाज एक, यही हमारे सुख से रहने का एक मंत्र हैं. ह्मा तरह सब धर्मों को अन्दर्श अन्द्रों बातों और सब धर्म बालों हिथियारों के। बढ़ाने वा घटाने से नहीं. धार्मिक तालीम भी त्रागर हैं आष्ट्रेड अप्लेड कामों के भिलाकर, सब के एक सी तालीम दी हाने तो मतुष्य जाति के लिये बरकत साबित हो सकतो है. हैंगागों से जड़ाई मिटे तब ही दुनिया से लड़ाई मिट सकती है प्रस्य होनी चाहिये. सब घर्मों के उन बड़े बड़े योधाफों श्रीर के फैसाने वालों का उजागर करना चाहिये. लोगों के दिलों और विश्वानी की राखीम से निकास विथा जाते. इनकी जगह चुन चुन क्साए और सब की सेवा के भाव का फैलाना तालीम की खास र बौर जलाकर नाम कमाया, हमें दुनिया भर में शान्ति और ् सब की धारको बाच्छी बातों के। निनाना, सबसे प्रेम, मेल लाणीं की वारीकें करने की जगह जिन्होंने दूसरों के। मारकाट

🕻 जो नमकीन चाहें उनके लिये नमकीन, जो मिठाई बाहें उनके किये मिटाई, जो भाचार स्वटाई वाहें उनके लिये भाचार स्वटाई, फता बाहें चनके लिये फड़ा, एक दूसरे की बाह और पसन्व अमेर शुद्ध हवा की सब का जरूरत है. इन के बिना किसी बि हम एक दूसरे के सर क्यों फोड़ें, हाँ, साफ नाज, निरमल भगवान की दुनिया में सब के लिये सब तरह के खाने मौजूद शना इजम नहीं हो सकता और न बदन को लग ह सह है जिलाने जिला सब बर्म नेकार, सब रास्ते राज्या.

ヨグラストアファイス

المعرب وحوال لنك وه جنادى اعمل ريكي المديجيت كي وه

لیم بھی آگر وی طرح سب معرموں کی ایکنی ایکنی یافی اور سنب رم دالل سے دیتے ایکنے کاموں کو گارہ سب کہ ایک سی دیم دی دمیا تو ختی جاتی سے کئے زکرت کاری اور کمنی ہی۔ سب دعوم ایک اپنی العالمان كي تعيم س تكال ريا عام س ول كي بكر يشي بي كرمب ك وي المدر والمدان على المدر المدر والمدر والمدان المدر والمدر والم مين ونيا بمر مي خانق اور بريم مجلات مالال كواجاك دحرموں کے بین بڑے بڑے یادحاؤں احد وجیتائیں کی کرنے کی میکر جنموں نے دومروں کو مارکاٹ کر احد طاکر تا

विश्व वर्क बहुत ज्यादा आर्जून क्रांगों की शहरी किन्य्सी.
विश्व को सुक्त शानित का मिलवानेट कर रेते हैं चौर क्रांकों का सेक्यों को बच्चे ह्यारों कोटे बड़े सरकारी नौकरों का हर वर्क्त क्रांकों बांसे वयाहज बना देते हैं. क्सी तरह बहुत क्रांका नवाहज है चौर काव्यमी को तरह तरह के बहुमों, रीत रिवाजों क्रांक्यों मिलवा है चौर काव्यमी को तरह तरह के बहुमों, रीत रिवाजों क्रांक्यों मानवाचों का सुक्ता चौर मूट चौर बरवाही का मिलवा के साथ है। स्वावती की साथ के साथ की मी काति या क्यावती जुरी होती हैं. सवाहें चौर कल्यान हमेशा चौरात की राह वम्द्र तीन के रास्ते पर हैं.

इसीक्षिये हुन ने अपने धर्म का नाम ही 'मिक्सम पतिपदा' थानी अप का रास्ता हुना. यही बात किसी न किसी राज्यों में सब धर्मों

कही गई है. चीन के महात्मा कन्नमून्ये की एक बसे पुस्तक का नाम बीन का बासूल' है.

संस्कृत की एक मराहूर कहावत है— भीच के रास्ते पर चस्रना चाहिये, किसी बात में भी अपि इसी करनी चाहिये.

शीकुत्य ने गीतारे में कहा है— 'व क्यांवा आने वाले को योग से फायदा हो सकता है, न स्थान में आने बाते को, में क्यांदा सोने वाले को और न स्थान में को को को को यह से साले पिये, हमेंगा

ودوال مودل بات كرف ين يا كاكرف ين كن ين الكفولة

DON TO TO 1 to 1 1 1 5 -

مهامیارت بن کلیا کار ... مجدوار وه او جن ساخت فاق قرم برموک این کوس ا مینها مجت کوس فه ده تاموش

क्यानिक का करना है-

मी नहीं करता." 'बिद्धान बादमी बात करने में या काम करने में किसी में

के से बढ़ बढ़ कर बातें करे या बेदा बहस करे तो बह खामीरा शकर सन से, सह से ब्लीर कोई जवाब न दे." महामारत में लिखा है-"समक्दार वह है जिससे जब

ह्यान में जिला है—

'क्स रहमान के सच्चे बन्दे बह हैं जो जाजची के साथ कुक कर घरतों पर चलते हैं, और जन जाहिल लोग उनमें कुछ ब्बाटी सीधी बात करते हैं तो वह जवाब देते हैं 'सलाम," (३४-६३)

षानी भरते ही रहे। तो पानी खाया जायगा. कुल्हाड़ी की धार तेब है। बाने के बाद भी उसे सान पर धिसते ही रहो तो धार खत्म बीनी महात्मा लाबोल्बे ने कहा है.... भरे हुए बरतन में الله ميمي ان كري إلى الدرب مالي وك الا مع ما (04-AB) .

ریشی ہے، میں کے اور کھل جات نہ دے !! خران می کھی ہو۔ مرکس رجال کے سیج بندے وہ میں جو عافزی کے رائع

جين مهامًا الأترب ف ك 19- يعرب وحد يان يل

الله معرف می دید و یان منافع ما یک بخدادی کی دهار تر بهرمای این در به این منافع می در بهرمای در به در بهرمای در بهر

الله الله وحن كى الى " الما المورث من عمل الى ما كود" المراجع الى من عمل الى ما كود"

किसी बात में भी कति न करो." THE PART OF

क्यात्यं ने विका है-

रहता है. ब्यति हर बात में लानत है, और सब से ज्यादा को बीच की राष्ट्र से चलता है वही टिकता है और क्रायम

बहरा कर देता है. ज्यादा ससाले सवाद को मार डालते हैं.

हा जायतो. ज्यादा रोरानी अंधा कर देती है. ज्यादा शोर

न की कति"

44 %

बाबः या बहुत रारीन होने से बोरी करते बग् बौर तेरे नाम पर क्षा का सामा दे. ऐसा न हो बहुत बन मिलने से मैं तुके के हैं है । हुके न बहुत प्रतीब बना न मालदार. हुके मेरी

इसारी जात्मा जौर इसारे विवेक (क्रमीर जौर जक्कता) ने जो हों क्र नहीं पक्षता वह हत से बड़कर अपने बदन और आत्मा दोनों को काना: इसका मतला है जैसे कृत्रत करती है वैसे करना ! वानी क्षांक करता है. देवसाओं की नक्स करने के मानी हैं . इत्रत पर आधान का रिान्तो धर्म कहता है— का धावनी बीच के इन्साफ के रात्ते (संयम या पतदात) हैं बनके अन्दर रहना" ('बापान'—हनाखो निताबे)

क्षर का सरकार है—किसी एक ही राय के न विषटना, सब के मन्दर सब का रखना. ्रुत के बर्म का नाम है "मिन्स्स पतिपदा" जैन धर्म का नास भ्यानेकान्तवाद " पहले फिक्करे का सतलब है—वीच का रास्ता,

को कोरियों के खेंचती और ढीला करती है, तब सोने जैसा क्षा भाग पर नार बार सोच कर भाखीर में सचाई की पाता है." क्ष्मबन निकासती है, वैसे हां सममस्यार खादमी हर सवास के दोनों "जिस तरह म्बालिन मेहनत के साथ बारी बारी दोनों तरफ

THE REAL PROPERTY.

भारती न बड़ी, तबहुब बाझाह हर से बड़ने बाले के व्यार

> でがら

ما یادم حنو حمر کما و سے دسم یا احتدال اس اس کے دائے دستی کا احتدال اس کے دائے دستی کا احتدال اس کے دائے دستی کا احتدال کا در کما دور کا دور

ما دور دیما (مع) اور حقل) نے و مدی اسم دی این ال ما دور دیما (مع) ال - (نازو توسع) ما دور دیما (مع) الم مج " ختم بی بدا میں دھوم کا الم سید میرے کا مطاب ہوسے کی ماتھ ایک اور دیمین کا بی ہور دیمین کی ہور دیمین کی ہور دیمین کا بی ہور دیمین کی ہور دیمین کی

علی جودورادی بر سوال که دوون بیلول یو بار باد می آن می می میان کو با رای (ارت بند سوری) . حران می می ای ایک راند مد سه برعت دا می باد

कार के पत्र विकासकर का करना है— आमी में मलाई चेतवहल में रहती है!"

के बेपरवादी न हो, सेस्ती हो पर किसी की वेजा रिकायत न हो, करें जाने की कान हो पर खुद गरकी न हो!" क्ष करने की बादत हो पर काम के। टालने की बादत न हो, बीरज न हो, टड़वा (श्लेक्साम) हो चिद न हो, सीच समम्ब कर हैं। इन हो कमबोरी न हो, इन्साफ हो बवले का स्वयाल न हो, हों इन्म न हो, बतुराई हो दयाबाची न हो, मिठास हो जुराा-जीनमें बहादुरी हो, जन्दबाजी न हो, अहतियात हो बुचित्री र पंताबुन (क्टाबर की तील) हासिल करने की कोरिएरा

हतराच्यो नहीं, भक्त बनो पर कट्टर नहीं, घन कमाच्यो पर किसी से नहीं, नहातुर हो पर सींग न होंको, खदार हो पर क्षयता खर्च न हों, ग्रन को पर बिना देखे माले नहीं, निकर होकर बोलो पर कठार बबन ्रिक्रों, सोस्ती करें। पर खुरे लेगों से नहीं, लड़ों पर अपने दोस्तों सन्याय करके नहीं, खुरा रहो छूलो नहीं, मीठा बोबी पर बन कर पर तथास्त्रनी (हठवर्मी) नहीं, नेक बनो पर अपनी नेकी पर मार्थ हों। पर बेरेतबारों से नहीं, अपना अता बेतो पर हों के हमसान पहुँचा कर नहीं, सलाह तो पर मूलों से नहीं, का की वारीक करो पर अपने नेक कामों की नहीं, साफ सुबरे का बहुती नहीं, समार बाली बीचें लाखों पर वन्दुकरती के का हों। अपने की हमकत करों पर उस पर प्रमुख म करों, बहासारत, शान्ति एवं, अध्याय ७० में जिला है—'वार्मिक बतो

المسم كامون من مجاليل اعتدال من مريق إلو" مر مام ك رك مدت يو-

المعالمة المعالمة المعالمة المعادية بي يتعادية والمعادة

का का का है। इसमें के बुद्ध त्ले खुद्धान्त ने थे, क्ले पर केलेंड की, नारावणी बाहिर करो पर पिना काफी के की, नगवान की पूजा करो पर विचाया करके की." इस स्थाया के वे। यहता होते हैं, समझन्तारों होनों के। समक्रवर

हिन्दू मुस्टिम एकता

पंडित सुन्तरखाख के

बार सेकबर को करोंने

सेन्द्रस क्रमीक्षिकेटी बोर्ड न्या क्रियर
की त्वाव पर न्याक्षियर में दिये.
की त्वाव की क्रीयत सिक्त बारह थाने.
साथ नागरी और वर्द्र दोनों क्षित्वावटों में मिल सकती है

अनेकट 'न्या दिन्द"
अनेकट 'न्या दिन्द"

नारह फरवरी

(को मधुकर लेर्)

नेहरे पर को दया और माकी के भाव थे बसने सूरज पर भी असर बाब बार्जों में ही ब्रिपा है. नाराज था-पर आज वह हमें हमदर्दी से देख रहा है. गाँधी जी के केया और बह उत्ते से सांस होने के बजाय हतना रारमिन्दा है कि अपनी बेबकूणी से स्तो दिया, वह भी शरमिन्दा है. इकतीस जनवरी का सूरज ,गुस्से से लाल था. एक बाप अपने बेटे की बेजा हरकतों से क्रा से ही सूरज नहीं निकलता है...शायह उसे भी हमारी नेव-है; हम इसकी पूजा करते हैं और आज जब हमने अपना एक हीरा हिसेयों पर शर्म था रही हैं. सूरज हमारे मुल्क में देवता माना जाता धास सहात्मा गाँची की सृत्यु हुए तेरह दिन हो चुके हैं. आज

भूता. पिझले दिनों मुल्क ने रंज मनाया पर चाज हसके सामने एक और यह सबाज चठता है कि बागे क्या होगा, हमें बागे क्या करना गाँथी की हमें राष्ट्र दिलाते थे; हमें सहारा देते थे. उनकी सोने के परक्त सवाल था गया है. भाज हर हिन्दुत्तानी के बेहरे पर एक सबस्था जिला है—'भागे क्या होगा, हमें भागे क्या करना आब सुल्क व्यनाथ हो गया है; उसकी हालत यतीमों सी हो गयी है का ?" यह समास हमें चाज परेशान कर रहा है. एक हैवान ने थाब पूरे मुल्क में वकसोस कौर विन्ता की लहर केली हुई है. मंत्र इत्या "इंसानियत" के क्वनाना ही है) इनारी क्रीम

می پیما کرتے ہیں اور آئے جب ہم نے اینا ایک برا ابنی بوقل سے لال معدوا ، وہ مجی خریکہ پر اکتیں جنون کا مورج تھتے ہے لال محدوا ، وہ مجی خریکہ پر اکتیں جنون کے الان تھا۔ یہ آئ محد ایک آپ اپنے بینے کی لیے ما پر کا تدمی ہی کے جرب یہ پر پر وہا دو ممانی کے مجماد تھ اس نے سوستے یہ مجی افری اور وہ تھتے PARTICION OF THE PRINT OF THE PARTIES OF THE PARTIE سے ال ہونے کے بجائے اتنا خرندہ ہی کہائی بادلان ہی پھیٹا ہی۔
ج ہورے ماک میں افسوس الد مینتاک کر بھیل ہی ہی ہی۔
ج ہورے ماک میں افسوس الد مینتاک کر بھیل ہی ہی۔
میں میں جی بیل دا ہ دکھائے تھے ؟ جیں سمالا دیتے تھے ۔ کان کو میں کہا ہی اس کی حالت بیتیوں می ہی ہی ہی ہی کی مماحا کا فدی کی مرتبر ایوے تیرہ دن او میک ایل - کری میں میں کا مرتبر ایوے تیرہ دن او میک ایل - کری میں میں میں میں ایک اور سنانہ کرنے کی بیم اس میں میں دورتا آنا جاتا ہی ایم اس میرم کرد کا میں میں دورتا آنا جاتا ہی ایم اس معلى على آرى بدنيان كرم إي ايك عوال

मार्क सन् अर

भीकाना चाचाद के राष्ट्र याद चाते हैं-- 'गाँची जी का सकर सत्म पान ही शुष्ट एक बापड़ न्यक्ति ने शुक्तते पृष्ठा — 'बाबू अब गाँची प्रव होगा था नहीं ?" मैं क्षेचने बगा कि ब्या हमने गाँची राज ह्म इबंड के हमें मिदाना ही पड़ेगा. जिस तबारीख में वह ज़िला नमा संदेश दे रही, नई रोशनी दिखा रही है और इस नई राह पर क्षा पर क्रीन का सफर जाब शुरू हुआ है," गाँबी जी ने अपने बबाने से ही क्रीम बच सकती हैं. हम व्यपने राष्ट्रियता के। न रता दिसारा में थे. मुक्ते ऐसा महतूस हुआ कि यह बारह फरवरी हमें निचार मेरे दिसाश में बढ़ते ही गये. ऐसे विचार हर आदमी के कर डाला. धनकी यह करवानी तभो कामयाब होगी जब इस से स्मिरी कीम, हमारा अल्ड अपने में नई जिन्दगी महस्स करे. थे हुन न दे सकी. यह एक ऐसा सत्य है जो मानना ही पढ़ेगा, सुके स्माया. क्रीम ने गाँची जी से बहुत पाया पर बदले में गाँची जी को वह करवरी के इस गाँधी जी की काया के श्रान्तिस प्रवास कर न्यह एक श्रासिट कर्तक हमारे माथे पर लग गया है पर श्रव कि १८ क्रिये सारी ! क्रीम चड़प उठी और इसने कराह कर पर इसके आगे इसे बहुत कुछ करना है, इसी दिन से इसे ा की है.. वह वर्ष करबट कैसी होगी ? वह तबारीख कैसी प्रकास के सिये, अक्क के सिये, इंसानियत के लिये क्रारवान त्रकारीक बहबानी पड़ेगी. और एक तुका क़दम चठाना पड़ेगा. ो ने इमें एक ठोकर सारी हैं चौर इससे इमें जातना है. शास्त्र "इसने (बनी इसने) अपने स्कृतिता की हत्था का ह हर जार्मी का एक समस्या हो गर्बी है. गाँधी जी की

ار ای ایک ایس او می تون می ادر ای نے کوری اور ای کے کوری اور اس کے کوری کے کوری کے کوری کے کوری کے کوری کے کوری میں کی ایک سے اوری اور کا دیوی کی کاری کا دیا کے کوری کے کوری کا کے کوری کے کوری کے کوری کا دیا کہ کا دیا کہ ک میں کاری کا دی اور ایس سے ایک میں میان اور اس کے کاری کا دیا کہ کاری کا دیا کہ کاری کا دیا کہ کاری کا دیا کہ ک というないではないであると いで、北京はいいながながられるからいはない العلی کامنونتم بواردم کامنواب فردی ۱۰ ایو بهاندی می این کارون مواید کاری کاری ایسانت کے لئے وال ر من کاندی بی توقید زرجال بر ایک الیا ما چریکا . مجم موانا آزاد کرمنید یاد آت بی –

出る。

है) अपने राष्ट्र पिया के क्सूंबों का माना और दुनिया के नई राष्ट्र हिसाबी."—हमने चव तक गाँधी जो की मृत्यु पर मातम मनाया. P HOLE A हमें इसी नई राष्ट्र पर चलना पड़ेगा चौर इसीमें देश की, दुनिया हैसा है कि हमने गाँची जी के किर से पा लिया और यह हमारे ह सोशते ने कि इसने गॉमी के जो दिया पर जाज ऐसा महसूस " उन्नीम बह भी विका बाये— 'इन्हीं क्षेगों ने (हम केगों में केते हमें नहें यह विका रहे हैं. हमारी बातमा कहती है कि

मारियों बढ़ गबी हैं. हमने देखा कि हैवानियत की "प्राहरीसी हवा" की. इसके साथ ही अके पिछले दिनों पूरे देश में मणी सार-कार में रहेगा. इस किये हम ऐसा कुछ न करें जो उसकी शान के जिलाप ने 'श्रु'सानिवत" को पीठ में ह्या मोंक दिया पर चन इसारा या "दुमारा मुरू शानदार था, नेता भी शानदार था. वह इसारे दिखे क्षकतीस बीर गुस्से के कारण गाँची जी के संदेश को मूल गर्ने है, भिरंट है, चजेव हैं. इसके लाग ही मेरे कानों में गूँजने सगा-कंक्षन है और बसे दुनिया की कोई ताझ्य नहीं मार सकती. वह बागर न्याद था गर्वी. मैं सोचने लगा कि यह हमारी रासती रही कि इन ्र इचरत मोहण्यम्, बुद्ध की तरह व्यथना काम किया चौर चले गर्थे हो आया है कि इस दुनिया को दिला है कि 'इ'सानियत' हे साम ही मैं सोचने बगा कि गाँधी जी एक व्यवतार थे. उन्होंने में तान यहा था कि गाँची जी की सत्यु से हमारे देशकी जिन्से-हान बेता भी बीपित हैं; इजरत मोहम्मर भीर जुद्ध मी बिंगत के अधिक क्षेत्र, कहें विकास का जनान देखने बाब को तो

ide divine bout to make out القال " اي بن سري من المناطق - ايس الأن عادام

मा का भ

इस से इसे निराम्य नहीं होना चाहिये. हम अपना जिन्दगी में, "I Have no God to serve but truth." क्षेत्र की समम्ब था; भगवान को समन्त्र या और इस्रोतिय छन्दोंने प्राच्या होगा. हमारे राष्ट्रियता ने ग्रहन्तत और सेवा को अपनी क्रमा बनी है; उसमें हमने गाँधा जा का खा । द्या पर हमारे बर में बाग बना दी है पर हमें ही इस बाग के कारती आस में खेबा चौर ग्रहन्वत के। चपनाना पड़गा. हम शत्य क्ष्यंती का सक्क्षद बनाया. उसने इ सान की पूजा को सगवान की ने सूर्य प्रवास पड़ेगा चारे पूरी दुनिया हा क्यों न हमारा हुआन्य से मर मिदा पर अपनी राह न छोड़ी, ग्रुफे बसका एक आना. पद नोष्पासासी गया; डसने डपबास किये; गासियाँ सह the whole world." हमारे बापू का वावन उनके इस की सार्वकता त्रनायित करता है, हमारे बापू ने, हमारे नेता ने ing an au ... will not be a traitor to God to भूते भारपाला के नामने के विषे सत्य का गंब झाटा में झगा कि हमारे सुक्क में इ'सानियत और इंबानियत की जो प्रमुक्ती है कि बवि धार भी इस बन्दें स समझ सके वो भी मित आयेगा , गुस्ता और नफरत इन दा राष्ट्रधा सम्बन्ध न सके चरीर इसीबिये इसने उन्हें सो दिया, पर भी धर्म के भिन्ने मरे कहाने हमें 'हंसानियत' बा ति हमें सेवा और अहमात का संदेश दिया. इस In marcall & lack & gare &

عايد اللاي على الدي المؤلك ول على المؤلك المؤلك in the interest of the second الله المحتمدين مجمد و سيط ادو إي لنه ايم نه المحتمدين محد و ايم اي ايم ايم المحتمدين محد و ايم و ايم ايم المحتمدين مانتی مینا نه مینی اور سیدا که این زندگی کا مقصد بنایی آس نے استان می درخامی میکوان می درجا کمنا. وه واکعال می ایس نے ایوان سیمی انجالیان سیس اور انت میں مرحا پر این راه زیموی " Will not be a treater - Ut st of it & it & الله الله المعول أن يمن سيوا الارتحمت كاستدلين وما . أكا الله المنظمين المنظران كو تجدا تقا الد إلى الي المنفول في المنظمين المنظمي معين سنيدكى داه برطن يؤيران طائب بيدى ونوايي كيل نه بهدا معين سنيدكى داه برطن يؤيران كي سال سنيد كاكن جيوا يزين ا الله المن مي يم ف كلندي ي كوكمو ديا ير إلى سي بين زاش كنين بينا الله الميم . يمي إلى زندكي مين ابي فيم مين ميوا المديحتين كوايرنا إليكا. これにとれてないができにからいないかいのできいたの

श्रीर इ सानियत का नाम ही धर्म है, मजहब है मि पकता पैदा कर के दुनिया के दिखाना पड़ेगा कि सुह्ज्बत हमी में बह राहीद भी हुए मुल्क में पाहरीली हवा केली हुई ह सुल्क के। तबाह कर रही है. बबोद कर रही है. हमें सब संग सभी के इमने इफना दिया. गाँची जी ने दुनिया के सामने धमन्द्रीम, गीता-कुरान का रखने का पुष्य-कार्य किया का से था हुना बह हर ह सान के लिये एक शर्म दे पान नीर रहींस के नास पर गीताचीर कुरान के वह किया गया जन कि चासलिवत यह है कि रास-रहीय,

बनाना ही पड़ेगा. भारतवर्ष की एक एक मोपड़ी में कपड़ा श्रौर क्षा अभी भी गाँची-राज, राम-राज्य बनाने में कामयाब नहीं हुए िह्मने गाँकी जी की विष्णा की पर अब हमें 'गाँकी राजा पुष्टिया पर इस बदनधीय जाज भी इ सान के। इ सान नहीं सममते काँबी बा सबदूरों और किसानों के प्राया है, सारत के कोपड़ों के क्षि नहुँचाना पड़ेगा. जो काम हमारी क्रीम गाँधी जी के जीवन शिखा थे. गाँधी जीने इसे इसान को इसान सममने का पाठ अबते का रहे हैं. गाँधी जी की सत्यु से अनाथ हो मुल्क रो रहा है. है किये अपना फर्क पूरा किया पर अब हमें उनके बिये अपना अपना बरना है. हमें दुनिया के बताना है कि गाँधी जी ने कि पूरा न कर सकी वह उसे अपन पूरे करने हैं. गाँधी जी ने इस अपनी इंसानियत खो बैठे हैं. आपसी फूट, मनड़े रोख के जिला दिया और झीन दुनिया के जिला देगी। सिंबा कारत, केर और दिया का केन्द्र बनी हैं

ما ایک ندسی می روز ای می وه تنمه می ای ای کا ایک ای کا ایک ای کا ایک اور ای می وه تنمه می ای کا ایک کار ایک کا ایک کارائی کا ایک کار ایک کا ایک کا ایک کا ایک کا ایک کا ایک کار کار ایک کا ایک کار کار ایک ک ع دلما میں وہدی ہے۔ اس میں انسان کو انسان کمیں تھے۔ ایم ایمی جمایا پریم دلفید اور اور بتانے میں کامیاب نہیں ہوئے ہیں۔ ایم میں کا زمی دلری دلم داور بتانے میں کامیاب نہیں ہوئے ہیں۔ ایم المناعی می کا ایکنالی بر اب بین "کاری ادع" زانای ایمنال میمادت دوس کی ایک ایک جو تری میں کرمو ادر کھانا کہنے! ایمنالی ایمنالی ا میمادی وم کاری می کے جون کال میں لیمنا کو کار کال میں اس کا میں اس کا سے اب ہو۔ اوم دوں جہم سمی نام پر کیتنا اور قرآن سے نام ہمریہ میں ہی جب اس کا میں ہم ہے ہیں جب کر استحال کا استحال کی استحال کی استحال کے استحال کی استح الله مع الماري و من المراج عن ونيا كورتا ما وكر كانتها من الاستان مردور المناس معرف المسال مواتسان محد كا ما محمد المناس محدد المناس محدد المناس محدد المناس معمد المناس محدد The Contraction of the State of Jest of the Being stone

गाँको की का सपना पूरा होगा. पूरे मुल्क को मुखी और तरक्की काम बानमर बन रहा है. हैबानियत का जो बहर मरा बा मिता की जो जहें थीं, धाज वे सब फूट रही हैं घौर घपनी बिया इसे स्रत्म करना ही पड़ेगा. हिन्द में केवल इंसान ही रहेंगे बनायेंगे, नई दुनिया बनायेंगे. जिस जहर ने हमारे बापू को खीन बहु रोशनी खरूर चमकेमी. यह अमर क्योति हमारे दिलों में सदा में कर यह सोच रहे हैं कि दुनिया में अवकार का गया है पर श्वमकती रहेगी और हमें प्रेम, शान्ति और समता का पाठ पढ़ाती बारा हिन्द अब "नवा दिन्द" होगा जिसमें केवल इंसान रहेंगे पता में इंसिनियत को जला देना चाहती हैं. इस यह न होने देंगे रहिनी. यही पाठ हम दुनिया की पढ़ायेंगे. महत्सा गाँधी के। हम किसे की क्योत कमी नहीं बुमती. हम बाज अपने राष्ट्र पिता को हें दिनिया के सहस्वत और सेवा का पाठ पढ़ायेंगे. हम नया अद्ब स्थार का गला काट रहा है. इ सानियत सिर चुन रही हैं. आते हैं इसी इस का पाने के लिये इसे गाँकी यात बनाना होगा क्षेत्र होने आज उनकी स्मृति में आँसू बहाने का अधिकार है पर क्रिके जीवन में न अपना सके पर खब हमें इस लायक बनना है बा देश बनाना पढ़ेगा. गाँधी जी ने हमें जो राह दिलाई है हमें हम उन्हें अपना नेता कह सकें. इनके चरणों में प्राणाम कर पर बब्बना पड़ेगा. उनका बिखदान हमें 'नई रोशनी' दिखायेगा. अपना नेता कर धनके बरागों में प्रधास करने के हम हक्करार THE PERSON WHEN THE PARTY AND PARTY

رد کارون در ام کرس این این کارون در ما کرس این کارون در ما کرس این کارون در ما کرس کارون کارون کارون کارون کار ما می کارون کا

على عبان كاللاكات ما يى انسانيت مرفعن مهى يى ايو انسان المده فرودى

कार निया स्थाप दिन ही गाँकी भी की चान से बती कार होगा. यह नारह करवरी हमें हसीकिने बार-बार बह रही -- इसम बनो ! इसान बनो !! इसान बनो !!!" मोट- बेबाक का ऐसा कवाल है कि महात्मा गाँकी की इस बालिकत चाँर बेरहती मरी हत्या ने "नया हिन्न" चाँर क्सके बेबाकों विन्येवारी बढ़ा ही है जाँर क्से बिरबास है कि वे क्से पूरी तरह

超到

(v.th)

श्रा! क्द क न बनी होती

श्रीमती पूर्व बद

क्रांचित कर रहे ने. हमारे मकान के चारों तरफ वर्फ व मी हुई बी क्रांचित कर रहे ने. हमारे मकान के चारों तरफ वर्फ व मी हुई बी क्रांचित क्रांचित पर हलके हलके वावल जाने हुए बे. हमारे वक्ष्मे पृष्ठ क्रांचित क्रांचित कर के पढ़ेंगी ?" एकाएक मेरे पिता कमरे में क्यांचे. धनका चेहरा बरास था. उन्होंने कहा—''रोडियो ने बसी बसी क्यांचित मंगानक खबर सुनाई है." हमने बेताबी से पृष्ठा—'क्यांच्यां हवांचित कर सुनाई है." हमने बेताबी से पृष्ठा—'क्यांच्यांच्यांचित्र कर सुनाई बी सार हाले गये.

में दिन्दुस्तानियों को बताना पाइती हैं कि उनके देश से इचारों सींध दूर एक पमेरिकन भीरत भीर उसके खानदान के नथदीक सुन्दी भी को मींव के ह्या मानी हैं ? हमने हत्या का प्रा हाल सुन अपने देशवासियों की सेवा की, कत्व कर दिये गये. हमारे सोलह करस के लड़के ने घाँकों में घाँस मरते हुए कहा 'कारा ! किसी को सन्दुक बनाना भीर बलाना न भाता!"

हमारे घर के सोगों में से किसी ने भी गान्दी जी को नहीं देखा स. जन हम दिन्युत्तान में जाते थे तो वे हमेरा। जेत में होते थे. पर स्था कर कर बानते वे. हमारे बच्चे महात्मा जी को तस्तीरों को स्थार कर हम तरह परिचानने सागे वे जैसे वे हमारे घर ही में स्थारी हमारे क्यांक्षित के संसार की बन बन्द मिली सुनी

ではなりとしている。

ひれらこういい

是一年

बाहर इतिच्यों में से ने को जिस बात को सही समकती हैं बसी

भीष) पर बाब बीत शुरू की कि महात्मा जी की जिन्दगी । बनी रहती हैं- इसने बनकी मीत की खबर सुनकर इस विषय मानी वे और चनकी सीत का क्या असर होगा.

स्थिके बाद खामोशी भी र डरासी से हम अपने अपने कामों पर की, बर इस बात के लिये हमें हिन्दुस्तान पर तरस बाता है कि इसके ही एक पूरा ने गाँधी जी की मौत के बाट खनार दिया. हास्था जो का बिंदुस्तानी होना हमारे क्रिये गर्वे या करन की जात

दिखाने हुए कहा-- 'कुछ पता नहीं. क्यों मारा गया.'' इस किसान अस्यूमी हैं. फिर डन्हें क्यों मार डाला गया ?" मैंने अपना सिर ाया जैसे हचरत ईसा को." ने ब्याह भर कर कहा—''में समकता हूँ कि उन्हें उसी तरह भारा -- "संसार में सभी सोगों का यही विचार था कि गान्धी जी नेक सारे देश में कोन गॉन्धी को किस तरह चाहते हैं. एक बन्टे के ार । सड़क पर एक वेहासी हुके भिला, उसने हुके रोक कर पूजा दिन्दुस्तानियों के अवंभा होगा अगर वह आकर वह देखें

निर्दे बीर घटना गान्धी ली की हत्या से नहीं मिलती. खपने देश-शासियों के हावी शहीय होना गान्धी सी की शहादत के। बीर इसी बना देता है. चिके हमारे घर में ही गान्धी की का शोक क्स किसान ने सब कहा. ईसा मसीह की हत्या के सिवा वा नवा, सारे अमेरिका विक सारी दुनिया में जिन लोगों के कि मी की, के बन्धा शोक मना रहे हैं. बहु रहे

ومن میں اوک کا دمی کوئس طرح جا ہے۔ ہیں۔ ایک محفظ ا موسنس میں ایک دمیان محص ال اس سے بھی دی کر اوجھا۔ موسنس میں مجھی لوگوں کا بھی وجاد تھا ترکا دمی جی جا کہا موسنس میں مجھرتے میں میں ماداکیا "میں کسان سے آپھی موسے کیا۔ مجھرتے میں میں ماداکیا "میں کسان سے آپھی

क्षा करा। बद्धान बजी होती सामें सन् 'हट कुष्णिक से विद्या हुए जम कि उनका जसर और अमाब

करनी ही होतो है. इस खायाल के लोग कहते हैं कि वह यह नहीं कारते कि कोई चन पर हुकुमत करे और नयों कि हम हूसरों से कारता है इसलिये राज करते का हक हमें ही है. पर हम कारता और कनके साथियों के इस हिन्दकीय (नवारिये) का अक्षर पड़ा. में बाहती हूँ कि हिन्दुस्तान में हर मर्व और कि बनके अरुक को क्या चाहमियत या महत्व है. दिन्दुस्तान किन्दुस्तान ही नहीं बक्कि इस से ज्यादा है. चर्चित चौर हुन्से नान में वह बात जमा सक् कि इस मामले में दूसरों के कार राष्ट्र संसार में राज करने के लिये पैदा हुए हैं. हमें बताया नान्धी जी ने जो केशिश जीर जतन किये बनका इस पर है कि मजबूत कीर ताक्षतवर क्रीमों के। किसी पर हुकूमत चाहिये. ऐसे लेगों की दर्ज़ील यह है कि कुछ मजबूत जीर हों. क्रीमों के बीच बच्छे हंग से मनदों के निपटाने के ब्बी की नई राक्ति के मान ब्रिया. इससे हिन्दुस्तान की बहुत कुष्टित पैदा हो रही थी और लोगों के महसूस होते लगा बा सिरह के दूसरे लोग कहते हैं कि सारी क्रीमों के। आचार नहीं क्रा मन्दी जो कहते हैं वह ठीक है. हमारे अखवारों ने इस्सी की. अमेरिका नसियों के विलों में गान्धी जी की बहु कर रहे थे. बमेरिकनों के विक्ष में छन्होंने बड़ी जगह 🌓 दिन हुए इस अमेरिकनों में गान्धी जी के बारे में दिल-

الما المستوا المستوات الما المستوات الما المستوات المستو

का को की कारा। करते हैं जहाँ क्रीमें एक तूसरे पर राज करते के लिये भाषाय होती हैं. हमारे नषदीक हिन्दुस्तान के मारी भाषाओं का सुबूत हैं. हम हिन्दुस्तान की खबरों के किये हर रोख भाषाओं को बड़ी बेचैनी से देखते हैं, यह देखने किये कि चित्रक ने हिन्दुस्तान में जिस खून की होत्ती के महिष्य-शायी था पेशीनगोई की थी क्या वह सचग्रच

विवटाय वहीं कर सकतीं ? क्या सक्तीं स्वान्ति के साथ अपने मनाकों का विवटाय वहीं कर सकतीं ? क्या सक्तीं स्वान्य स्वान्ते यहां विवटाय वहीं कर सकतीं ? क्या सक्तीं स्वान्य स्वान्ते ये कि सोगं शाम्यी क्षा स्वान्य की की क्या शास्त्र स्वान्य सकती ये कि सोगं शास्त्र की क्षा का का सकता है. हम सोचते ये कि सतुष्य जीवन स्वान्य की की हार वा जीत ? हस सवात्व का जवाव हिन्दुस्तान के सोगों के ध्रक्तियार में है. अगर उनकी मीत ने उन सोगों में नई राक्त्र और स्वान्य ही वहीं का रहें साक्त्र और उनकी मीत का हिन्दुस्तान के सोगों से स्वान्य स्वान्य साम्यत्रे से सह विन्युत्तान के सिथे और हमारे बिथे भी. जो उनकी मीत का हिन्दुस्तान के सिथे और हमारे विवा का रहीं साम्यत्रे से प्रस्त कर विचा या सिर्में वार्ति की बेहींसता और उनकी मीत का प्रस्त कर विचा या सिर्में सामें से स्वान्य स्वान्य सामें से सामें से स्वान्य के स्वान्य सामें से सामें से सामें से सामें से सहस्त्रिया और का से उनकी सामें से से से से से से से सामें से सामें से सहस्त्रिया और समें से सामें से सामें से सहस्त्रिया और समें से सामें सामें

मार्च सन् '४८ مومات کی ہمنا کورے ہیں جہاں قدیں ایک دوم یہ ید دل کوئے کے الحال کا میں ہمائی کے لوج اللہ کا میں ہمائی کے لائے اللہ کا میں ہمائی کے لائے اللہ کا ہمائی کی جون کے لیے ہم روز نبایا کا کو یوی ہے ہیں ، یہ ویسے کا لائے کو یوی سے ہمائی کی جونے مائی کے ایک ویری کے ایک کی جونے مائی کے ایک کی جونے مائی کے ایک کی جونے مائی کے ایک کی جونے مائی کی جونے مائی کی جونے مائی کے ایک کی جونے مائی کی جونے کی جونے مائی کی جونے مائی کی جونے ک

المان المراح المان الما

क्या बहुड न बनी होती

अपूर बहुत कम हो जावगी स्सिक्ष देना पड़ गया तथा फिर पच्छिम की नवरों में हिन्दुस्तान क बोदी ज्यादा नहीं जानते बल्कि इस कारन जानते हैं कि ्रिन्दुत्तान में भाषसी मतमेद इतना बढ़ गया कि भाषती क्ष्मको क्षमसमन्त्री, बोरवता चौर ईपानदारी पर पूरा विश्वास है. से काम न करने के कारननहरू के अपने मीजूदा चोहरे क्षिम में नेहरू के लोग दूसरे हिन्दुस्तानी नेताकों की

कि मुक्ते इस बात का थोड़ा सांज्ञान है कि हिन्दुत्तान क्या डुक किंगे, में अमेरिकन की दैसियत से वह बात नहीं कह रही हूँ तमेर की मेंट न बड़ा दिया. र सकता है। व सिर्फ अपने देश में बल्कि दुनिया के तेता के रूप विन्युत्तान के विसे यह बड़ा भाष्ट्रा मौका है, बागर उसके ,समम्बार हिन्दुस्तानी ऐसी रासती करने से पहले कई बार रे बुझे बाबे छोटे भाषुमियों के असर में आकर अपने का आपसी हिनी अपने धनसे अच्छे आयमी के अनुम पर बले और

हते हैं और इतसे बाह्या भी मेरे ये राज्य हिन्दुःतानियों के बिये चेतावनी की हैंसियंत भी

Ch Chication

M. S. CONSTRUCT CONSTRUCTION OF THE CONSTRUCTI

महसूद गंजनवी

र्पं० सुन्दरताल

कार्मणइ युनिवर्षिटी से श्रेक तिमाही श्रुद् रिसाला निकलता इ. विषयं हाल में 'करबन्दाने क्रीयसे' नाम की श्रेक कविता क्रपी इ. विषयं मानी हैं 'क्रीय के सपूर्तों से'. 'क्रीय' से यहाँ मतलब इसकामान क्रीय से हैं. श्रुस कविता का श्रेक रोर यह है:

'गूँजनी हैं फिर फिबाओं में सदाकों सोमनाब किर किसी शंचनी से कोक्षी शंजननी पैदा करो.'

बानी इवा के अन्वर फिर से सोमनाव की आवाब गूँज रही है, अिसलियों फिर कोची महसूद सबनवी किसी रावज़ी से वैद्या

बाहिर है कि कविका चिशारी जलवारों की भित खबर की बरक है कि सोमनाय के सन्दर की मरन्यत की तबकी हो रही है. नहमूद राजनवी सोमनाय तक पहुँचा था वा नहीं जीर कराने वहाँ ज्वा किया चीर क्या नहीं किया, यह जोक जातन सवाल है. पर बुंक कहें बिना नहीं रह सकते कि जिन लाजिनों को पढ़ कर हमें हुआ हुआ.

ध्यमें सदगृह राष्ट्रनथी के सोमनाय खाने पर राक्त जाहिर किया अब पाठकों को बिसे पड़कर अपरज होगा. पर ब्रितिहास में बिस तथा के अपरांत असी मदे पड़े हैं. प्रवास बरस पहते कीत

Constitution of the state of th

ब्रम वहाँ जिस मराहर हमहोके बारे में महाराष्ट्र के माने हुन्दे ब्रिह्मन को चिन्धामिय विनायक वैद्यकी राज रेते हैं. अपनी विद्या क्रियों कितान 'हिस्टरी आफ मिजीबज हिन्दू जिस्डिया' में वह

"वदिक्रस्मती से जिस हमने का, जो महसूद का सबसे कहा कारनामा था, धूतनी के लिखे जिसिहास में कोणी बयान की मिन्नता, गो चुतनी १०२६ थी० वक यानी जिस पटना के आह सान बाद तक जिन्दा था. ररीट्रिपीन ने अपनी किताब और मो हो सी बरस बाद बिखी. असमें मी सोमनाथ के हमने की पिन बरस बाद बिखी गणी. जुसमें मी सोमनाथ के हमने की की जिल नहीं. जिस हमने का सबसे पहला चिक जिल असमें के निर्मात नहीं. जिस हमने का सबसे पहला चिक जिल असमें के निर्मात ने जिल असमें मी सोमनाथ के हमने का की जिल नहीं. जिस हमने का सबसे पहला चिक जिल असमें के निर्मात ने किताब (१२०० भी०) में मिन्नता है जीर जुसके असमें के निर्मात से किताब रेड जान में अन्तरिक्षण के सोमने विद्या का सुक्ता के असमें के निर्मात कर का मुक्ताब कर का सोम का साम का साम का सुक्ताब कर का सुक्ताब कर का साम क

الماري ا

Company of the control of the contro

A VENER

ということには、これのでは、これには、これのでは、これのでは、これのでは、これのでは、これのでは、これのでは、これのでは、これのでは、これのでは、これのでは、これのでは、これのでは、これのでは、これの

विका है अपने भी गुजरात के अपने, जिससे जिससी बड़ी के बाद का जिससे मो से को राजाओं ही के तहक-महक के जिसा में आजी, कहीं कोकी जिक नहीं जाता. जब तक किसी प्रिकालिक या क्रुतक के अन्दर जिस मुसीबत की तरफ कहीं जिसाम भी नहीं सिला. जिन हालतों में हमें शक होने लगता किया भी या नहीं, जहाँ पहुँचने के लिको बसे अनेक बहुत वे रेगित्तान को पार करना पड़ा होगा."

फिर भी भी चिन्ताणि विनायक वैदा की राय है कि महसूद के झोमलाथ पर हसला करने में कुछ न कुछ सचाकी है. बिसके लिखे चुनकी बलील यह है :

"हिन्दू लेक अपने अक थितने नदे देवता और जितने कई राज्य के अपर जितनी नदी मुलीबत को यूं ही नयान न अतंते. जिन लेककों ने, घटना के कथी सी बरस नार ही सही, जिस बटना का जिक किया है जुनके सामते कुछ न कुछ मुख्यानों के जिससे नया जरूर रहे होंगे. यह कम मुख्याने होती है कि जुनहोंने छोक बिलकुक फोरजी कहानी नहीं की हो."

जिसके बाद जी वैद्य ने जिस्स जातीर के बयान का अंग्रेखी जाता दिया है. यही बयान बढ़ा-चढ़ा कर बाद की किताकों में वाता जा है. यह जिस्स बाद्य बयान को देने के पहले भी जी वैद्य ने

بهت بیشی دیک سیان و یاد کرنا برا اولانا" جر بیمی خری جنسامی دنایت دیدیتی داشت بود برای داشت بود که مود می شودنا تقریر حکر برخ مین تجدید میمه سیان بود این میم می شودنا تقریر حکر برخ مین تجدید میمه سیان بود این میم

William Barrier W.

हिंच आपे, पर सहसूर ने यह कह कर जितकार कर दिया हुमार खावाना बिपा वा, जाधाणों ने करोड़ों रूपये जुसबे क्षेत्र महसूद को देने का बादा किया. महसूद के सेनापतिया हिर का है. जितिहास-बेसक जिलियट (२-४७६) के हिस्से में कों भी अंग ये ही नहीं. न श्रुसके अन्दर के खजानों का क्यी खिक किया है, क्यों कि मृति ठीस थी और श्रुसके सि रंग भरे जाने पर अपनी गय देते हुन्ने लिखा है कि-ने का कोची बिक नहीं किया. सब वह है कि अस मूर्ति सिसे पहले के मुसलमान लेखकों ने मूर्ति के खांग-अंग किये मुसे सलाह दी कि रूपये ले लिये जावें और मृति को कीव का, बुलकरोरा बनकर नहीं. यह सारा क्रिसा चगर क्रयाक्षत के वित बुतरीकन बन कर खड़ा होना 'पसन्य ार्ध-क्रेक्षक फरिरता का मन गढ़न्त नहीं है तो किसी भी विका है-कि सामनाब की मूर्ति के धान्यर श्राची नहीं हो सकते थे. फरिश्ताने विवाद्यक विना श्रीवाना के पोतियों और साता के विषे अधाने का चीर ज्यादा बढ़ा मर्बाहबी जातृती साबित कर वर पर विते हैं कि यह घटना बढ़ा-बढ़ा बोद दिये, सामकर जिसलियो वह किस्सा-बिसे श्रितिहास-बेला थी, जिस पर भी बाद के लेखकों ने भौर ज्यादा रंग दिया. शुन्होंने

The state of the s

भाष के लिको वही सब से बच्छा है, तो महसूद ने यह बाहता था, पर जब श्रुसके बचीरों ने श्रुसे समम्क्राया कि श्रुपसान का गुल्क ब्यापको अपने पिता से मिला है और आदे बहां की सोने की खानों को देखकर महसूद वहीं रहना भीर थालिर सहसूर ने खुदा से दुष्पा मांगी तक क्से पानी हरा वह किस्सा कि कोची हिन्दू महसूद को धोला देकर किस्ता गह विचा था.' वह किस्सा साफ गण है, क्यों वि इसी देंसे रेगिस्तानी रास्ते से ले गया, जहाँ पानी नहीं था; होंसेबाब का बिंग ज़रूर ठोस पत्थर का रहा होगा. जिसी क्ल झंड़ दिया. ये सब किस्से सख्ये नहीं साने जा सकते." धका. श्रेसे हो यह किस्सा कि गुजरात की हरियाली मार्च वस् अद

अपने बाला जानता है कि श्रुस जमाने के ज्यादातर मुसलमान केलक अपने जिन बादराहों के कारनामे बयान करते थे, श्रुनके अस्पिर गिराने, बुत वोड़ने, लोगों को ज्ञबरदस्ती मुसलमाने बनाने में बीदें गये हैं, भीर शी बैच ने खुद भिन्न असीर के बवात को भी श्रारा थय नहीं माना है. यह अके आम बीत है और हर जितिहास धैय के क्रिस्तों को खूब बड़ा-बड़ा कर जिसते थे, राक्षि शुनके को भी भूठा बतस्राया है. वे सब जिल्ला बासीर के बयान में बाद ष्ट्राहं में जिल्लाम का बोरा ह्यूब चमके. महसूब के सोमनाब विषयी तरह भी वैच ने सोमनाथ के इन्द्र और चाब्द किस्सों का किस्सा भगर सब भी हो-भीर भुसकी सबाबी व्याय नका शक है—तो मां को पटक-मटक की

مرحة لي معاول كو ديمور محود وين ربنا جابتا مغا، ير اس مى وزيون نه م من مجيما لم مواسان كا مك J 81 JA مار مان فرسل الماري على ما الماري الماري

Transcond and and the second معيد يميونا يغرم طاكا احترار ارم ج<u>و</u>

कि नियह सबना पाहते हैं. मी वैध का कहना है कि : न इस की बैच ही के शब्दों में महसूद राष्ट्रमती के बरित्र पर

अध्य बद्धाने की बह पूरी कोशिय करता था. लुटेरों और ते हैं और क्रीमें की किस्मतों को बदल बालते हैं. खुसके सब्बों में हम शहरों और मन्दिरों की ब्रुट और योदायों के हैं और बिना किसी हर के क्राफले जा-वा सकते थे. जुसने बाहुकों को दबा कर श्रुसने व्यापारियों की रहा की शीर क्रुप्रसाम से लाहीर वरू और साहीर से खुरासान तक बेरोक-हर दूर के शन्तों की संक्षां पर जिस तरह जमन रखा कि श्रीदेर दी प्रत की परह , जुसमें ग्रेर मामूली गुख थे. जुसमें श्रीफ चौर क्रावसिवत थी, जो बहुत क्या में होती है. ब तरह के स्रोग दुनिया के चितिहास में नये जुन पैदा कर अबा देने से नहीं सिमका. यह त्रक अब्बा बादशाह क्रमी पैदा करती है. अकबर या शिवाजी नेपोक्षियम व्यक्तिबार में पकड़ा गया, तो महसूद बेटे को भी मौत । भौर भुतका दास बनाया जाना तो पढ़ते हैं, पर भी भौरत पर या श्रुतकी शिज्यत पर हमले श्र भच्छा हाकिस था. बहनी प्रजा की सुराहाली को हर नहीं शुनते. महसूद जिल्लाफ पसंद था. अन्याय से चिरानी अवरत्स्त नकरतः भी कि जब श्रुसका अपना प्रत् सचरुच श्रुन महापुरुषों में से था, जिन्हे प्रकृति कार पान्ते प्राप्त कार्य मेरे और जिल पाननी कर

الم الدر المالة مع المالة الم ا كردية إلى الدر فرون كل منون كو بدل ا ومرسول من او اس مراء سر او على الدر والما مع علون عمل الم حموال الدر مندول كا وعلى الدران الا واس بنا

大学 ないない かんかい かんかい かんかい

माने सम् %

जिस तरह की हत्थाचें बंगेफ लॉ घोर तैमूरने की, महसूद ने सिया था धौर भीरान के जिन बादशाहों का फिरदौसी ने अपने फिरदीसी की बन से खून मदद की. महसूद सुमा था, फिरदीसी कांसेज खोला. शुसमें बड़ी-बड़ा तनखाई देकर प्रोफेसर रखे. क्सी नहीं की. विद्या को बढ़ाने और विद्वानों को सरद देने में वह के प्रचने गदराहों का सच्चा ब्रिविहास जिल्लाने के जिल्ला श्रुसने क्षियानियों को राज की तरफ से मुक्त खाना दिया जाता था. कीरान रा साव जाती क्यं जर्ब करता था. शुक्त अर्क बहुत बड़ा शहनामें? में हाल जिला और चुनकी खुन तारीकें की, वे जाग पूजा करने बाले पारसी थे. महसूर ने भरबी खबान की परवाह में सार्च करता था. वह जालिम नहीं था. बेबसों और बेगुनाहों की निरायनी रसी कि कोषी गवर्नर बापनी प्रजापर अन्याय क्षेत्र कोची किसी को घोला न दे. खुसने पक्की सड़कों और इते 🕦 चिन्साक करता था. उसके ब्राफसर यह देखने के लिखे मुकर्रर हुने बाखारों से राहरों की शोभा बढ़ान्त्री. बह हर साल लगभग के का की दुकानवार इलके बाट या छोटे नाप काम में न लाबे, वेषधा वेवाओं भौर क्षमीर से क्षमीर स्रोगों के बीच वह बराबर ह कर सके. महमूद प्रतिकों का सच्चा पालन हार था के साख दीनार त्राम सोगों के भने के कामों और दान-पुरुष इंगीराची साथा चीर क्योराची साहित्य को बढ़ाया. महसूद के अ नेक इसपा रवन भवाबकनी था, जिसने महसूद ही की न्कृति वाहित्य, संस्कृत क्यांन श्रीर संस्कृत विकाणो बानों के पूरा परिश्त माना जाता है.

Comment of the control of the contro این تعرور نے عولی زبان کی برداد ترکر اریانی تجاشا اور اور این میرور کے دربازگا ایک دوم رس این امرون کا این میروری میروری این مشترک رسترک مشکرت دی مادی و المديد المراس المديد المديد المراس

भी सुद भपना रोबनामका सिखता था, जो साहित्य की निगाइ में बोक भवती बोक है, गियन का वह कहना वितञ्जल ठीक है कि अहमूद दुनिया के बड़े से बड़े बादराहों में से था. चादमी की क्रिके के कवियों का जनकट रहता था. जिस बात में महमूत का हैसियत से महमूद बड़ा संबमी और खुदार था." आवृह के ब्रवार में जीर भी बहुत से नामी विद्वानों जीर जूने क्या वा सकता है. महसूर के राज का चिन्तजाम बहुत चच्छा पक्षा हाल के अकरर और पिछले जमाने के विक्रमादित्य से ्र बुद बिद्धान था भीर शबर की तरह लड़ाओं के दिनों में

मी बैच का यह मी कहना दें कि :

बानते, चौर जिन किवाड़ों का अक्ष्मानिस्तान की लड़ाई के बाद सन के गया था, भाजकत के भितिहास के बिद्धान सच्चा नहीं १८४३ में खंत्रेज लाये थे, वे जागरे के किले में निकम्से पड़े हैं." "बह क्रिस्सा, कि महसूद सोमनाय के बन्दन के किवाद राजनी

सरपार जुसने दिन्द्रसाल में की, जुसी तरह की जावार, खुराशान, अपने धर्म पर क्रायम रहे. श्रुसके श्रेक हिन्दू सेनापित का नाम वित्रक था. विज्ञक बोर खुसके हिन्दू सिप्हियों की मदद से महसूद यहमूर का काकी घन मिल गया, श्रुसने मन्दिर को तोवने की जगह हिन्दुस्तान के इमलों में जहाँ कहीं पुजारियों या श्रुनके भक्तों से ने अपने बतन के कन्नी मुसलमान बादशाहीं को जीता श्रुसके इस्स्की शिकाबात की मुल्कों को जीतने के लिको जिस तरह की महसूर राज्यनवी की सेना में काफी हिन्दू थे, जो जालिर तक

をかいととなったんといっている 100 m

المراد و المراد المراد

18. Scholing of opening on the 1 gap of معنو فروق مي سياي ملى بنده بي ، ١٤٠٤ من من من الم

वह सब होंगे हुन्ने भी महसूद राषनबी ने अपने हिन्दुत्सान के हमलों में मन्दिरों को तोहा और कहा जाता है कि बहुत सो—अक्षर लागकी के केदियों को— खनरदस्ती सुसलमान बनाया. अक्षर या शिषाबी ने किसी दूसरे दीनवाले के साथ जिसस तरह का बरताब नहीं किया. यह कर्क कस कक्ष नहीं या. हमने जो कुछ अपर लिखा है, वह सिर्फ दो बातें दिखाने के लिये. इसने जो कुछ अपर लिखा है, वह सिर्फ दो बातें दिखाने के लिये. अक यह कि जिलहास की सन बनादिये. दूसरी यह कि जादमी के स्वभाव में सम्मान बाद में कियों के पीछे अच्छाजियों को हमें च्यां-का-त्यों सम्मान का स्वर्ध में छियों होती हैं. हमें भितिहास को वहां शान्ति, होंगियारी, हमदर्श और घीरज के साथ ने ने वाकर पढ़ना और सम्मान बाहिये, तभी हम सवाधी तक पहुँच सकते हैं और विद्वास से नाम ने ने सम्मान से नाम ने नाम ने सम्मान से नाम ने सम्मान से नाम ने सम्मान से नाम ने स्वर्ध सकते हैं.

बड़ी बाजिजी के साथ हमारा यह भी दाबा है कि मजहब के अमबों में किसी के साथ किसी तरह को भी खबरदस्तो . कुरान के हुक्म और बिख्लाम के पैग्नवर की मिसल दोनों के खिलाफ है. कुरान का साफ हुक्म है कि — "मजहब के मामले में कोषोी खबरदस्ती नहीं होनी चाहिये (२-१५६)." जो लोग अके निराकार औरवर के सिबा दूसरे देवी-देवताकों या मूर्तियों को एजते हैं, अनके बार में कुरान में असलमानों को हुक्म है कि — "बल्लाह के सिवा किस (देवी-देवताकों, मूर्तिकों बरोरह) की वे पूजा करते हैं, अनके कुरा मह कहों (६-१००४)." जो कुरान दूसरों के बुतों को बुरा कहने किस कि बिखाबत कहीं देल, वह बुक्ट तोइने की जिलाजत कैसे

#F '%

साम और मीठे शब्दों में समम्बन्धो और अनुसे बहस करो, तो बाबा न रहा था, मेश्न्मर सहन जिन मुसलमानों के दूसरे श्वाफो बार सदीने से आकर मक्के की यात्रा की, श्रुस बहत भी काने के ३६० जुत सब काने के अन्दर मीजूद से और गुहम्मद साहब या मिठास के साथ करो (१६-१२४)." मुहम्मद साहब की सारी की साफ विदायत है कि दूसरे मखहन बालों को ''सममदारी के नहीं किया जा सकता. चपने विचारों को फैलाने के लियों कुरान हुआ था. सुहन्भर साहब बुतपरस्ती के खिलाफ मे और अपदेश चिन्दगी चिन्हीं चुसूलों पर चल कर बीती. चपने मिरान के ग्रुक वे सबता हैं ? डुरान का श्रेष भिक्रता भी श्रिमके खिलाफ नकत होते थे. पर कभी खेक बार भी श्रुन्होंने न किसी बुत के हाथ लगाया. बब्ता बा, ज्यादातर काबे में ही नमाज पढ़ते वे. काबा दुतों से भरा बह श्रुप बक्त, जब सारे मक्के में श्रेक भी श्रुन बुतों की पूजा करने शुहर्ने साहब ने ख़ुद काने के सब कुत तुड़वाकर फिकवाये. पर सा निरा दिया. जिस्साम में बुतिशकनी की जिजाबत भी है जिसने कुछ बरलों के अन्दर ही सारे मक्के को पैग़म्बर के क़द्मों पर के तरह बरस के धान्दर वह बराबर सक्के में में. जब कभी बन ही, जिससे किसी बुत की बेचिकवती समकी जाती या जिससे बुनके दो हजार साथियों में से किसी ने कोची बात भी चैसी नहीं किसी पुराने स्वयालवासे का दिल दुसता. यही वह रवादारी यी, । श्रुसकी तौदीन की और न किसी मुसलमान को बिस्सकी मंजाबात दी. बिन तेरह बरसों के बाद भी जब खुन्होंने दूसरी

CALLED SE CONSTRUE DE LOS DELOS DE LOS DELOS DE LOS DELOS DE LOS DELOS الله المحالية المحالية الله الله الله الله المحالية المحالية المحالية الله المحالية الله المحالية المحالية الم الله أو والل أن الجازي و المراحدة المراجعة ا الله على الموادل الموادل بعد الموادل بديارا الله الموادل بديارا الله الموادل بديارا الموادل المو قيال عليه لا ول ما شهران ای تین الیق ای مجی ماتی یا جس سے کر اور میں ماتی ایس سے کر

1

विश्वे सम्बं मेखते शक्त बयाया को ठीक यही हुक्म दिया गया था। श्रीक मितालें देकर हम जिस लेख को लम्मा नहीं करना चाहते महसूद में अमेक गुणों के होते हुन्ये मी धर्म के मामले में खबर-क्सी न जिस्साम की निगाह से जायज थी और न जिन्सानियत की निगाह से। इस चाहते हैं कि हम दुनिया के सब महापुरुषों के गुलों को ही बलानें। अनुकी कमजीरियों को जहाँ तक हो सके, मुखें। श्रुट्टे रिसालें के भोडिटरने ने जिस छोटी सी कविता को आपने में अपनी जिम्मेबारी का पास नहीं रखा और न देश की अपायकल की फिजाका ही खयाल रखा है. हमें अपने देश की गुरिकलों को हल करना है, तो जिससे कहीं ज्यादा श्राहतियात और समम्बरारी से काम लेना होगा और जिससे कहीं ज्यादा श्राहतियात और देश के दिशों का खयाल रखना होगा.

('इरिजन सेषक' से)

Control of Control of the Control of

からみんご

देस निर्देगी तेरी गोली चली कहां ?

थात बाँसुयों से तर हैं दुक्षिया भारत माँ का जाँचल बिदा क्लेबा सपूत का अमता की झाती गई बहुता दुक्षियारों और असहायों का बाँह गहैया नहीं रहा. हाय द्वाय द्ववी नैया वह बोर ख़ेवैया नहीं रहा कौन चहिन्सा की मीठी मीठी तान सुनायेगा ? **ब**रे निहंबी नर पिशाच क्यों गोद मेरी सूनी करदो ! क्नों मेरी समता की क्यारी निर्मम त्रिशूलों से मरही ! होन बह संबद्ध समय प्रेम की मधुर रागनी गायेगा ? हाब हाथ वह बीर सपूत वह गाँची व्यारा किवर गया ? सरुबी बात कहेगा कीन ऋष तलबार की धारों पर ? बुले बाल का काके पड़ाई बाज दुहाई देती है. बाह मेरा साबसा मेरी कॉसों का तारा कियर गया ! भारत माँ की काह कान में साफ सुनाई देवी है. कीन बहायेगा काँसू भ्रम अत्याचार के मारों पर ? देख निर्देधी गोली तेरी चली कहाँ और लगी कहाँ 🎨 । मेरा रक्षिम जांचल चौर बाली पर यह लास निर्दा भाई श्रासी राम नगरी

いっとうのできるが、

Control of the contro

त्राख़िरी सहारा

(बडन सालिहा भाविद हुसैन)

神のかの

रूप और अन्दरता का नमूना, ख्वस्रतां और निचाकत की भूरत, रंगीनियों की दुनिया, कृदरतं की सब से सुन्दर रचना, दुनिया के बनाने बाले की सब से हसीन कारीगरी का नमूना. ऐसे ऐसे कितने ही सुन्दर नामों से मैं पुकारी जाती हैं.

में इंसान के जन्म देती हैं, इंसान के पालती हैं, इंसानियत को संमालती हैं........मेरी ही हस्ती से दुनिया कायम है, मेरी ही बाए से दुनिया के बड़े से बड़े बाएमी की ख्वियां सामने बाई हैं! सुकरात भीर बक्तवादन, ईसा बौर बुद, कृष्य और मोहन्मद, हसेन और अली,लंकन और गींथी, एकबाल और टैगोर मेरी ही बाबों के फल, सेरे ही बात के फूल, मेरी ही मेहनत का समर (फल) हैं!

में हव्या हूँ, मरियम हूँ, हाजरा हूँ, खुरैजा हूँ, फातमा हूँ, जैनव हूँ, राविया बसरा हूँ.

मैं कौराल्या हूँ, सीता हूँ, सावित्री हूँ, राकुन्तला हूँ....... न्रावहां हैं खेडुलानिसा हूँ,.......में बांद बीबी हूँ, फांसी की रानी हूँ, में करत्राणा हूँ, में सरोबिजी हूँ !!

मं कोरत हैं !!

इनिया की स्वासे क्यासा बाही जाने बाबी, व्यारी, सुन्दर,

The Contraction of the Contracti

Court Carling in Country of the Second Country of the Country of t

Candidated with the control of the c

वित्र, और शक हत्ती! दुनिया की सब से ज्यादा मजबूस---- सताई हुई, दुलियारी करि आफत की मारी इस्ती!!

में सुराकित्मत, कर्च पहचानने वाली, धर्म की रखवाली करने सामी, ईमान की रामा जलाने वाली, और इंसानियत की रसा

में ब्रुप्स से महरूम, जिहालत की माती, बोम्बें से दुवी, बेकस, क्योंट बेबस हस्सी हूँ.

संसार के सिरअन्हार, दुनिया के खाबिक ने मेरे लिये मां हा पाक भौर पवित्र हवी चुना !

दुनिया के अभागे इंसानों ने मुके उस पवित्र ज्ञासन से खींच र अपनी क्ष्मिस के नापाक तख्स पर गिरा दिया !! मैं औरत हूँ......

हुंसत का सब से सुन्दर राह्कार...... इंसान का सब से मध्वस्म शिकार...... चौरत !!!

大学 女子 不知

ह्यारों बरस से मैं सर्द के हाथों खुल्स और सितम, विक्रत और गुलामी की बिन्दगी बिताने पर मजबूर हूँ!

मान सन् क्ष

100

द्धिया से चेत्रवर, सिर्फ मर्द की खलील लॉडी और उसके सितम का रिकार बनी रही!

बाबी ""मगर आम तौर पर यह बाबाब इतनी घीमी होती कि इसका कोई जिक्र के क्राबिल इसर त पड़ता!! दुनिया के खमीर । बात्सा) पर और उसके अमल (ज्योहार) पर आशिष चठती, मेरी बढ़ाई और पवित्रता हलके से राब्दों में मानी कहीं कहीं, कमं कमी, मेरी हिमायत में कोई कमबोरसी

की जिन्दगी के बाद मेरी दुनिया में एक इनक्रलाब आया! साढ़े तेरह सौ बरस हुए....... अरब के रेगिस्तान में एक भीर फिर हजारों बरस की जिल्लत और मुसीबत

💃 इ बान पैदा डुकाऐसा इंसान जिसने सारी दुनिया के इंसानों के े सहते बांबों भौर कसकोरों की हिसायत के बिये अपना मंडा जंबा क्षियार और अवार्ष का बीड़ा चठा खिया; जिसने दुनिया के सारे जुल्म कें घरासी दर्जा भीर मुक्तम या स्थान क्या है. संब से अंचे वृजें पर बिठाया और दुनिया को दिला दिया कि औरत ्युके ह'सानियत के सारे हक विये मुक्ते इज्जात और सन्मान के गुंबामी, गुरीवत भौर बेबसी की जिन्दगी से निजात दिलाई...... किया धार जिसने अमे-श्रीरत को-जिल्लत, जिहालत,

इनिया के जुन्म सहने बालों की मदद के साथ सुम पर भी क्षाना बना प्रदेशन किया जिसके बोक से मेरा सिर हमेरा। कुका हाँ! दुनिया के सब से बड़े रहबर हजरत मोहम्मद ने सारी

कि आहो अहो, केरे केरो, दुनिया एस परे राहुमा की

のたったいでいたれん

をカイントである

ويا عد مدور مرد در ك ويل ويدى الد أس يح سم كا

हाबंद किर पाबत् बानवरों की सी हो गई!! क्षे बिद्दाबत के धन्धेरे में डबेल दिया गया चौर मेरी विधानी संबद्ध के बन्धनों में जक्दते बले गए-कन्होंने मेरे सारे सारे अधिकार किर मार सिथे. मेरी इज्यत खत्म हो गई ्बर दिया. वह उस दालीम की रुद्ध से दूर होते गए **फौर** रस्मी म को समक्ती गई, मेरी हासत सुभरती गई. सेकिन भरते के बाद व्यारे बीर खुद उसी रहनुमा के मानने , बसी रहदर के नाम लेने बालों ने ही बक्की वालीम को मूलना

माइक्वत बार ककतारो, त्याग बार क्रुरवानी के चरचे सारी दुनिया कराबंद अन गए और जिसका सीना ईमान को रोशनी से बगमगा के कि हुए हैविसकी बातमत परवरी बार पविमत भर्म हो यो दिन्दुत्ताल बाबा. दिन्दुत्तान की बौरत को देखो, जिसकी मीर भगर भाज तुम मेरी सबसे बब्तर हालत देखना चाहते

बर निक्से बौर भारतवर्ष का नाम दुनिया में जंबा किया। जिलको गोव से सूरमा, बलो, ऋषि, बुजुर्ग और महात्मा पत

वाचा के बहुतम है ह्या, रोशमा, तन्दुरुत्ता, इत्म और अमल-दुनियां की सब अच्छी भीर बेबस इस्ता, मर्द की खींडी बार दीबारी में केंद्र है. भीर बह.....ह-दुस्तान की भौरत-दुनिया की स्वसे लाचार

हों यहाँ भी एक्का दुक्का क्रमकोर जीर भीनी बादाजें कभी

> مع ما ما ما المعنى الم The real of secret of the

A CONTRACTOR OF THE STATE OF TH معران کی میری سب می بدندهای و بین جاری برد میریان کی میریان می میری کرده این میری میری این این میرین میری میروزان سی میری سامل میری می میری این میری این میری

की करोकों धीरतें वही सखब्रमी, गुलामी, वेबसी और जिहालत को बिन्यूसी विवासी रही. बीरवों की हास्तव सुधरी भीमगर फिर भी जासतौर पर सुल्क सग गंबा---क्यका असर किसी होटे से इलके में हुचा भीकृष्ठ हासम वेसका तक्प चठा, बील पक्। मेरी हालव सुधारने में

्डिओ क्वे प्यारे होते हैं. और सब में होनहार होने के लब्धन ्षिया है.....पहले भी कभी अन्दाबा नहीं हुचा. सुने तो अपने नवर माते हैं भौरत ने एक सपूर्व को जन्म दिया. एक कमजोर वच्चे को. मैं इस बक्त नहीं जानती भी कि मैंने कितना बड़ा इन्सान पैदा बौर फिर पिक्कली सदी जेंमैं ने.......हिन्दुस्तानी

बेबस सोगों की दियायत का बीड़ा डठा लिया. नरह वस बचने ने दुनिया के सारे जुन्म यहने बालों , गुलामों और बड़ा शेकर दुनिया के दूसरे सुधारकों और रहतुमाधां की

्रमधने गांच सुधार का काम किया, **उसने ज्यादा से ज्यादा लोगों** में कालीम केलाने की कोशिश की, उसने देश में आपस में प्रेम और संख्वा रहबर, सच्चा रहतुमा ! उसने इतने बहुत से अच्छे अच्छे कास किये जिनको गिनाना भी सुरिकल है. उसने देश की गुलामी की बानतः से निकाला, इसने अधूतों की बिगड़ी दशा को सुधारा, हमा पैरा करने की कोरिशा में अपनी ज्ञान तक बलियान कर दी हाँ, मेरा वह बच्चा एक गुक्रमक घौर पूरन इन्सान बना क्सने द्वनिया में श्रमन श्रीर शान्ति कायम करने के लिये एक विवार किया का के कही कि एक मुले हुए हरिकार-

Control of the contro

The first of the second of the A Windows Control of the Control of

इस्तेमात करने का तरीक्ष फिर से याद दिलाना चौर उस इथि धार से अपने हर दुस्तन को नीचा दिला कर उसकी नहाई का धार्माता—अपमतरमदुदः उसके इस्तेमाल का गुर वा दुराई का खाल मलाई से देना, खुल्म का जवाद दया से देना, नफरत का खाल मुहञ्जात से देना. बब्ला होने के बजाब गाफ कर देना. इन अपीर उसकी सारी बिन्दगी उसकी तिल्योग भर करता रहा. धीर उसकी सारी बिन्दगी उसकी तिल्योग और अस्तूलों का जीता

श्रीर यही श्रमन श्रीर ग्रान्ति का देवता इ साफ का साथी, सण्बाई का पुत्रारो, गरीवों, मखबूमों श्रीर वेकसों का सहारा, श्रही प्रेम श्रीर द्या का श्रवतार मेरी हिमाबत श्रीर सुधार के बिचे श्रह खना हुशा-

मीर भगह मोहन्तत का बचीरा चसके दिला में किया हुआ है अनी कैसाने से रोक सकती है. अपना नहीं सकता, क्यों कि सम और करवारत, आकी और द्वा पूरी तरह अपना ले. बससे ज्यादा और कोई वसे समक और रे बोरत ही अपने बजबों के दुनिया में खुल्म करने और बद-ह श्रीरत को भी मई के साथ इवियार ब्लाने चाहियें, वे भी खतरनाक ग्रनती करते हैं. दुनिया में सच्ची राग्नित सिर्फ सी सरत में हो सकती है कि श्रीरत शहिंसा के श्रमुलों को इसने बितने मान्दोलन बलाये, जितने तहरीकों के बलाया, ोखा था अप अरिकत नहीं हैं. बसने कहा, "जो लोग यह कहते हैं घ कास रोटी कमाना है और औरत का रोटी बांटना. खगर महं बर अमिकन केशिया की, क्स आनी ने दुनिया के यह भी समग्राया र बनाती है. और उसका यह कर्ष किसी तरह महं के काम से ि जुदरत ने मर्द बौर घौरत के काम खलग खलग बांट विगे हैं. मर्द है हिफाखत के जिसे हिषयार छठाता है तो भौरत इस घर को अका दर्जा और उसके कर्ज समकाय और इसके सुधार की हर श्वाने भीर इंसान के पैदा करने वाली है." वसने भौरत के भी ह खोर बरवारत की वेबी, अहिंदा की तसबीर, ह वानियत का बाद है जैसे क्यका गीहर." क्सने कहा—"बीत्व स्थान की सुन्त के बानी और गर्नार दे बीर डन क्षा में पत्तक बतार रेस्तेदार. वह भी जपने काम का रास्ता जुनने में क्सी क्रम

ाई जीरत को साथ रता. उसे हर किस्म के काम करने का हीसका

ह दिया. जाताही की जंग में भी जो रत एक बहादुर सिपादी

a make in which the four is الدائن مي جمعاري الري مواهد Service of the contract of the راد برمانت، معالى الله ويا الد القاه م The down state in 8 the with the

याचे सन् %

की क्षय बतके खाम साम यही....... उसके बामम में भौरतों प्रतीयों को चिन्यगी से निकासना चौर इल्म-व-श्रमल की रोरानी से गांबी के नाम वे नराहर हुचा. भूमकाबर इञ्चल के साम जिन्दगी निताने का गुर सिखाना था. मैं ने श्चपन में इसका नाम मोहन दास करम चन्द् रत्ना था. बड़ा होकर यह होरिस्ट की. उसने व्यपनी बीबी की-एक चौरत की-को यादगार हुआ ने भीर उसका सुधार करने की जानान से, क़ज़न से हर तरह स्थम की बसका मक्रसद भी दिन्दुस्तानी जारत को विहालत जीर । यदों से कम न थी, उसने भौरत को सीचा रास्ता

बोबर, शायर, अदीव (साहित्यकार) बस्रो, बुबुर्ग, राजदात्री-किसी चीर देश में भी न की गई बी-हां, सहेतेरह सी बरस केंकिन मेरे लिये जो इन्ह इस दुवले पत्रले कमकोर से इंसान ने (अतिष्यमि) गांधी की बहौसत हिन्दुस्तान में मुनाई दी. षहते जो श्राबाक भरब के रेगिस्तान में ठठी थी उसकी बाजगरत केंगिश इसने को, बैसी ब्याज तक इस देश में किसी ने न की बी-बिन्दुरतान में बहुत बड़े बड़े आहसी हुए, ऋषि, मुनि, महात्मा. , मेरी हिमायत और अलाई व सुधार की जैसी खबरदरत

कि क्षेत्री राषीम चसर बहर करती है, उनका काम सकत ति हैं बनाव नकतार पूरा होता है जगर यह बहरी नहीं कि असम्बा सकते हैं, अनरदस्ती मनवा तो नहीं सकते. इसमें राष ब्रेकिन दुनिया के रहतुमा और सुधारक अपनी बात बता सकते 1 10 mm

137 Jet (8 8 01 - 5 0) 20 Jet (30 50) می می سیان ساؤے تروسویوں ملے جاکواز موس می دیکستان میں ایمی میں ارکفت اربی دھوں میں میں بدول بہتران مال کا میکن دنیا کے دیکا اور شدھاری این بات ستا سکتے ہیں مع من وردي من ويمن كالم الرس من من من ومعلما الحل من في مين من الله الم موال داس كوم جند ان نے این بیری کی۔ ایک جورت کی۔ یو بازگار خام کی اس کا ان اسے میں ایک جورت کی۔ یو بازگار خام کی اس کا ان استخد بھی میں اس کا ان ان موجود کے ساتھ زندگی سے لکا ان کا موجود کے ساتھ زندگی جائے کا الرواس مر مراجع رون مرابع مرا of white of the wife of a final work أوى سادًا

सम्बद्ध को क्रमूस करते की सलाहियत होती है भाग्ये और बहरे म क्षम वेल सकते हैं न सुन सकते हैं.

महात्मा गांधी ने अपनी सारी जिन्दगी तज दी थी. किसके किये ! सुल्क को गुलामी से निकाबने के बिये, सुल्क वालों में पकता पैदा करने के बिये, देश को एक रखने के लिये, जुल्म और विसा, नफरत और दुरमनी को मिटाकर अमन और सलामती की दुनिया बसाने के लिये—औरतं को इज्बत. सुख और शान्ति की विन्दगी की दौलत बखराने के लिये!

लेकिन देखने में क्या आया ? क्या आरहा है ??

देखते देखते हिन्दुस्तान में एकता की जगह फूट बढ़ी, मोहज्बत की जगह नफरत पैदा हुई, देश एक रहने की जगह से हिस्सी में बट गया, और अवादी मिक्सी तो उसे पाकर अक्सर लोग बहुशी अवाद या गया— बल्कि कनसे भी बरतर अहिंसा की जगह अक्स और है वानियत का दौर दौरा हो गया. भाई भाई का दुरमन बंब गया. इंसान इंसानको काटने लगा—अरती माता हजारों अल्मों से बूर, पर्द से ज्याकुल, रार्म से अुकी हुई, खुन में नहाई बेबसी से अपने कपूतों की यह बहिशयाना हरकतें देख रही थी.

श्रीर वस वक्त रान्ति का देवता किहिंसा का पुजारी इसानियत का दोस्त यह सब खूनी नज्जारे अपनी जांखों से देख रहा था. उसका खिंचा और दिसाय, वह और जिस्स दूर्व में हुने हुए वे. वहरात और पामक पन के उस राक्षान में जहां इन्सानियत हुन रही थी वसकी वर्षका जांचा राक्षान में जहां इन्सानियत हुन रही थी वसकी वर्षका वर्षकान में पढ़ने वाकों के लिये रोरानी के सीनार

Les Constitutes de la constitute de la c

می دوران کی زندگی کی دورت مختف کے گئے! میں دوران کی زندگی کی دوران کی جگر میون بری بخت کی ایسان میں ایسان کی جگر میون بری بخت کی میں میں اور میں ایسا میں دوران کی و در ایسان میں میں اور میران کی میان کی ایسان میں میں اور میران کی میان کی اور میران کی میان کی دوران کی دوران کی میان کی دوران کی میان کی دوران کی دور روان ایا برادوں زخوں سے بکر، ورد سے ویکی، خرا سے ایک ورد سے ویکی، خرا سے بھی ورد سے ویکی، خرا سے بھی اور سے بھی اور سے ایک سے میدول کی ایک سے

क्ष ब्रंगन्य इन्यान की बात निराशा और नाषम्मीदी के हा टाइ अवेरे में कमीद का दिया बनकर बसक रही थी शुक्त बदनसीच का-जीरत का-सहारा भी उस वक्त सिक बेबर, बेबरन, बेसहारा, सताय हुए और मुसीबत के मारों के

सुन्से ज्यादा दुःस- जिस्स और रुद्द दोनों का दुस किसे सहना विश्वस हुए, काप जानते हैं चसका सब से बड़ा शिकार कीन हुआ।? प्रमाधिन को क्या मिला ? कि में जो हरवानियां और कोशियों मैंने की वीं उसका फल सुक त्रवर्त करने का मौक्रा मिला—कौर इसका फल जाबादी की . देश में. जो भगदे फसाद, खून खराबी, और जो जुल्म और की बात बी. हिन्दुस्तान को बाजादी मिला....मर्द को मनमानी

के तहें हैं -- मौर मुक्ते कोई सहारा नवर नहीं आता..... सिर्फ एक मा !-अके!-बीत का-इरकी आवाब सुनाई दे रही हैं.... "जब तुम अपनी इञ्चत और इसान न बचा सको तो जान पर खेल जामा" गृह नोषाखबी है......मेरा इज्जात चौर ईमान पर इमले

क्रेड जाती का बदला , खुद मुक्तरे से रहें हैं......बहाँ भी में ही सताई का बड़वों के पेट भरने का सद्दारा, उनकी पिचा का मंबार....... का की बां की बाती से दुंच की बारों की जगह जान की नदियां हरी गोंद से बच्चे झीनकर मेरी जांखों के सामने चीर डाले गए.... ्यह बिहार है.....मेरे देश के यह बहादुर स्रामा...मेरी की और यहां भी सुके ही बरबाद किया जा रहा है......मेरी THE PARTY OF THE P

> الله على المندسيان تو الأعلى على المرادي كل جو من ان ترتش كرت كا الله على المرادي كل جو الميال المرادي كل جو الميال المرادي المرادي كل جو الميال المرادي المر サウン South to Son of and the service of t 12001

Control of the Contro م فالملل الدرس المرات الدراكان بدسط العدي الدركان مدي الدركان الدركان مدي الدركان الدركان مدي الدركان

विषय है पंजाव सीमूश दुनिया का रात्रवर सबसे बहरी विषय वहाँ, भेरे पास वह लक्ष्य नहीं, मेरी चावाच में वह ताकत वहाँ कि मैं उन शैतानी हरकतों का थोड़ा सा हिस्सा भी नयान कर सक्ष्य को वहां की गई हैं खास तीर से मेरे साथ—जीतत

मर्च का मुल्क प्यार हाता है—श्रोरत को श्रपना शहर क्ससे कहीं श्रमां प्याप हाता हैं जहां वह श्रपनी सारी जिन्दगी निताती हैं—बही क्या हीत्या होता हैं जहां वह श्रपनी सारी जिन्दगी निताती हैं—बही क्या हीत्या होता हैं जीर मुफे मेरे नतन से, राहर से निकाला ग्या, पर दर की ठोकरें खाने के लिये…… मेरे बाप भाइयों का मेरी श्रांखों के सामने सार डाला गया शौर का से कर सकी——मेरे प्यारे शीहर को करता करके मुके सोहा-

مالا وروا ای مهال در این سادی دختی جاتی اور مهایس دیا جوتی یک در در می موری موری کمان کے اثر سے انگالیا ، مور می موری میری موری کموری کمان کے لئے

ایا آیا، در دری تعوی کمیلی کلانے کا گئے۔ ایر بھائیوں کو میری آگھوں کے سامنے اور محرسی سیرے بارے خوہ کو یک کرے

かっていいいいんしょうしょいいい

می مانت بی می می تا بین است می بهتان میت اور این است می بهتان میت این میت مورد ما بياد الا الاستان الدين المان یا سے جو تحاد اور مسب سے تعبیا نک حقد ۔ میرے ول میں ایک ت میں دمیرے باس وہ افظ میں ، میرکا آواز میں وہ طاقت میں وی میں ترمین کا تحدوا ساحقہ بھی بیان کوسکوں ہو کھال کی مين بي - سامن طور سے مرے مائھ عدت كا مائد

स्थान क्षत्रां को मेंसे इस वनता थांका कर करिता स्थान क्षत्रांका को मेंसे इस वनता थांका के सामने की क्या गया की सबसे कारों कोट—सबसे बड़ा स्था क्या क्या मेरा बाल्या पर इस बावादा के बाद ह्या क्या केरी इक्या पर महं का बंगबी करि रोतानी इसवा

के संबंध है, दुनिया में हर जगह चार हमेरा। इस न इस बंद ब्युंगर जार बुर बाग होत हैं- जिनके नचहाक चौरत ब्रिकान है जनको चलींक रीतानी खहिरों पूरी करने का बारत का पवित्रता चार पाकावगी से बेसबर उसका मोह-बार असका बकाहारों से हनकार करने बाले बहशी जानवर से

Comment of the control of the contro

المان المان المورد من المورد المان المورد ا

की हाजा बेचस और लाचार बनाया ??—इतना मजबूर कि बह वनी बावर भी बहरी और शैतान महीं से न बचा सके ?

करने वाली वेबक्क भौरत—दुनिया में ऐसी वाते हुआ ही करती है, बनको इस जोर भौर तेजी से रिकायत क्या ? क्या झौरत बुरी नहीं होती ? बदबलन नहीं होती ? जालिस नहीं होती ? पर जीरत को सो शोक होता है अर्द पर दोष लगाने का. जपने को सजब्दस मचाह छोटी सी बात को बढ़ाने बाली थोड़े को ज्यादा महसूस आप सोच रहे हैं कि यह तो औरत है. जजबात में बहने वाली

सकते बेक्नि में--बोरत--अपनी बात के सबूत में आप को ऐसे इकारों बाक्रवात सुन। सकती हैं, लाखों ऐसे भयानक नज्जारे दिखा दुबाप, अपने असीर (आत्मा) की खटक सहै. और अपने ऐरा को र्ष्ट तहप बढ़े, स्मार में जानती हुँ, महं इस किस्म की बात बराब करे. चाप कहेंगे कि खासकाह, आखिर हम तुनकर करेंगे ही
क्या हम कर ही क्या सकते हैं—मगर बरा—बरा थोड़ी
हैं के बिये रुक बाइए — दो बार घटनाएं महं की हैंबानियत
बाद रीयानी की सुनये जाइये — बीसबीं सदी के मुहज्ज्जब कह क्षेत्रना पसन्य नहीं किया करते...कीन ऐसी बाते सुनकर अपना विक हां चाप यह सोच रहे होंगे, मर्वे हैं न ! आप नहीं महसूस कर क्या है कि आपके रॉगर्ट करे हो जायं, आप का विल कांप जाय, बाबे गर्द की देंचानियत के जिस्से......

ध यक्तिन है-वह देशो सैक्य़ों महीं का एक गिरोह Towner, street, see on the last of the street

> است انتا سے میں اور العاد بنایا ؟ ؟ — وتنا مجود کر وہ ای اکرد می وحتی اور شیطال مردوں سے زیجا سط ؟ آب سموج میں اور قرصانے والی تعوام کو زادہ محسوس وامخواہ مجودی سی بات کو جرصانے والی تعوام کو زادہ محسوس کرف وال بے وقت عورت و تیا میں الیسی باتیں ہوا ہی کئی ہیں۔ ان کی اِس دُور اور ترزی سے خرکایت کیا جمائ عمدت نجری نمیں ہوتی ؟ جرائ میس ہوتی ؟ طائم نمیس ہوتی ؟ پر عورت کو قرض ہوتا ہی دو یہ دوش لگائے کا ایتے کو مطلوم سنانے کا

المان می می می دی این کارودی در ای نین کموی این می کارودی در ای نین کموی این کارودی در ای نین کموی کارودی در ای نین کارودی در این کارودی کارو

書品は बोहरूमा को अपने गन्दे होठों से अपना रस्त कहने बाते थाव हार से इंसानिवत का कोई मारा, दिल में रायकत का कोई बर्या भी भौरत को नंगा करके नाचते कूरते गंदी गालियाँ बकते हुए सड़क पर मोहन्मद--वीरत पर सबसे बड़ा यहसान करने वाले सी है—यह इस्साम का नाम अपनाम करने बाले मुसलमान कि बाबा होगा. कि यह बहरी मर्द, भौरतों के एक गिरोह को, सी न्याही, बूढ़ी भीर जवान भीरतों को जिनके बदन पर से है तो भाष के लिये इस नज्जारे का स्वयंत करना भी रह के हक विकाने बाबे, उसकी इञ्चत और सन्मान बढ़ाने बाबे-का एक एक तार खींच लिया गया है, चयने घेरे के अन्दर हैं......जीरत की—जो उनकी मों है, बहन है,

वह अस्तसर है वहाँ भी वही नज्बारा देख सो और यहाँ भी मुक्ते जुल्म और सितम का निशाना बनाया जा रहा है से ले रहा है. वहाँ भी भेरी नेइऊबती की गई, सुके बरबाद किया गया हैसा बदला है ? कैसा इन्तकाम है ?? र दाई गई क्सका बदला अध्वसर का मदं जुद सकराबक्ष पिंडी में जो बर्ताब ग्रुक्त खे किया गया, जो मुसीबत मुक

अंदीक भीर इज्जववार भीरतों को नंगी करके सबकों, गलियों भीर कारों में शुभाषा जा रहा है. भीर मरों का बेरा बनके बारों तरफ कर सीता साकियों के पुजारी, वह बिन्युसानी जीरत की मई अपनी हक्स के लिये कैसे कैसे नाम ईजाद करता है!..... 7 1 1 1 1 1 1

> ان المحال المحا Wer usi

आन करने पर तुले हैं, जिस की इज्जात और हकों के लिये गान्धी के पुकारी-- भाषनी हो भाँ बहिनों की यह दुर्गत बना रहे हैं--- बह को पहने आसे यह गुरु नानक के नाम लेवा, यह कृष्ण धार बुद गान्बी के जैकारे लगाने वाले उस भौरत की हर बेहज्ज्वती और अप-धी ने जिन्दगी भर प्रचार किया.

····· श्रांखें नहीं फूटों, सूरतें नहीं बिगड़ गईं, क्या धौरत का बदला इत्रत भी नहीं से सकती ? भीर भासमान छन मदौं पर नहीं दृदा, धरती ने छन्हें नहीं निगक्का

भीय इन 'सुजादितों' का हाथ सबसे पहले उठता है. औरत को सरक इन पर बार बार बढ़ाइयाँ होती हैं, बाबे होते हैं.... हिन्दू बीर सिखाँ के.... गुसलमानों के.. हर फरीक दूसरे के सदौं को मारता बिन्या छोड़ दिया जाता है-रहम खाकर ? मजबूर और कमकोर स्ममकर ? जी नहीं. मजबूरों और कमसोरों पर तो इन बहादुर 👊 अपने प्यारों के सामने इस दुनिया से बढ़ जाय, बसे अक्सर किन्द्रा रक्ता जाता है....अपनी हबस के लिये, अपनी नापाद करी खुरानसीकी और जिसकी सबूसे बड़ी बादक यह होती है कि है, बच्चों को सारता है....और ब्यौरत को - बाह !- जिसकी सबसे धे पिख्यमी पंजाब की तरफ पिछ्यमी पंजाब से पूर्वी पंजाब की मान पनाहगुर्खानों के कैन्य : : यह क़ाफ़ले जा रहे हैंपूर्वी पंजाब ्यों को पूरा करने के लिये. और इन सैकड़ों हजारों दरिन्दों के वह कैन्य हैं....हिन्दू और सिक्ख शरणार्थियों के कैन्य....मुसल-रित का इतना वस भी नहीं कि गर ही जाव जाह

\$4.3×4.

میں دور میں اس اور ماکھ کے بیم کیوا، نوکون اور بیم این اور مال میٹوں کی نے میرت کا رج اور اور بیر مان کرنے پر کے دور میں کی جزت اور حول کے لئے کا دی جی

ان علیمان کا باغیرس سے سیا بھتا ہی جون کو زعو معدالی ای سیا ہوں کے لئے ابنی نایاکہ خواہنوں کو فیدا کرنے معدالی ای سیکوطی ہزائعل دیکوں کے سامنے محدت کا اتنا ないでいっていていいまり 10万一人という

भी पर है. कसबोर की हिमायत इनका पहला कर्च है! 🖦 बन्द क्रीजी बेठे हैं. देश की दिकाखत की जिम्मेदारी इनके

क्षारे हाथ भी इस 'माल' बावा !" क्यों साई. इस तो अपना क्रिस्सा सुना चुके-इम बताची. बरा सुनिये इनकी बातें—

कियाँ पकड़ साये जिसने भी दखत दिया उसे नतीजा भुगतना महाँ हाँ, हमने भी मौक्रे से खूब फायदा डठाया. एक विन हम बाँची झाबी गये चौर शरनार्थी कैम्प से पाँच कुचाँरी खूबस्रत लड़-

"धार क्या झड़कियाँ थीं वह भी, सुन्दरता की सूर्तियाँ. मास्मि-

"सबसुष कितनी ट्यारी. कितनी सुन्दर थीं बह. आब तक ऐसी

रितं का करी साब न हुचा था." 'आरे अन कहाँ हैं वह लड़कियाँ ? जरा हम भी देखते उनको." 'हाँ यार, धन्य धन्टे खूब कटे धनके साध."

"क्या सतस्र ?"

'बह मामला तो खतम हुआ."

"श्ररे बार, शहसक हो तुमः जब हमारा काम निकल चुका तब पिर हम धनको क्या करते विकार का खतरा ही बा. शोर मचार्सी वो करते क्रम वाते."

اری سوی اور این مفاطعت کی دیتے داری این کے داری ای این میں میں ہی ۔ آج و این احمد سیاجے ۔ آج این کا میں این کے این کے داری این کا میں کردا ہے گاری اور کا میں ای آخى سمارا

"いいしまっくびよう

الدواعن ووتر سب بادا کا تکاریکات بعیر ایم ان که مناز کا خود این تحد مجان از این از این بیشن مات . مها هاین جوز کست ان سکونست و آمام مه اور صیب ساماتی .

मार का अपने स्थाप करें। अपने जो तो तोपार ही जिसके

सने हैं सभी आपने यह तो छुना ही नहीं कि दिल्ली में गुमपर क्या बीती, पानीपत में क्या बीती, लाहीर में, क्यातसर में, आक्रव्यर में, रावक्षियों में, रियासती में हिन्दू, सिख, गुसलमान रियासतों में कीर दूसरे कीर सैकड़ों गाँव और क्रव्यों में मैंने क्या कुछ सहा, वह सब आप सुन नहीं सकतो....में सुना भी कहीं सकती

المعالي المراس المراس

का तम होता यहा और हो यह है, सगर देश के समीर पर, काई मेर सोमें के दिसों पर कोई जाँच न जाई. यब भी उसी वे कार्यों, कीर बेहवाई के साथ सोम चपनी दिसानियों, जपनी हम्मदीहों, कपने देशोहरारत में पड़े हैं. सिनेमा और विदेटर उसी क्षात्रायर कार्यावार, रिसाले (पत्रिकार्य) जौर किताने विता रहे हैं. कार्यों हैं. जान भी माटं के पुजारी और कार्टिस्ट उसी तपह जौरत कार्ये हम्मदी हैं. जान भी जाटं के पुजारी और कार्टिस्ट उसी तपह जौरत कार्ये कार्ट के मरकज जीरत—की को हुएगत हुई हैं उससे कार्ये के मरकज जीरत—की को हुएगत हुई हैं उससे कार्ये के मरकज जीरत कार्यों देता कार्यों विता यहाँ कार्यों विता पर कोई बोट नहीं पहती ज्या भी खोग कार्यने वसीर, कार्यों विता पर बाँच नहीं कार्यों देते, कार्यने दिल को देस नहीं

क्न-जिस कहत यह बहरत है कि हर काम, हर बात, हर देखांचरंगी को मुंला कर अपने दिल में दर्द मौर पहाबास (अनुमूति) देखांने कोत लोग अपने जानकर और पागल बनने बाले माहवों की देखांने की तकाफी था आवश्चित के लिये ही तम, मन, धन, से उस कुल कोई. अमार्गिम औरत को मुसीबत दूर करने की कोशिया करते. कोई भी, जब कि करकार का, जनता का, मदब का, मार्ट का, हर क्षित को हर कोई के कह फर्ज था कि वह मुरी तालत के साब का क्षित के कि करकार का, जनता का, मदब का, मार्ट का, हर

المراج والمراج المراج المراج

कार सहस्य गान्यों ने. हिन्दुतानी वर्ष के पांग्लपन और रौतानी कराई में के जिलाफ इस अखरी से जावाज न इठाई होती और करते नकरत न आहिर की होती तो जाज में यह कहती हूं कि मिन्दुतान के मर्दे को दुनिया में मुँह विलाने के लिये जगह न रहती में कहती कि मर्द इस काविल ही नहीं कि कोई जौरत इससे बात करे. उससे वास्ता रक्ते वा इसकी जारा में इज्जात करे.

सेकिन एस मदं— बुराई से हमेशा लड़ते रहने बाले बहादुर मदं ने नेरे गुस्से कौर शक्त को बीमा कर दिया. मैंने देला कि बिस काल के लोगों ने हुने सताया एसी जात का एक व्यादमी मेरे किने सब कुछ करने को तैयार हैं जो मेरी हिमायत पर तुल गया कि किसने मेरी मुसीबत दूर करने का वहर कर लिया हैं

کاذرا می جوت کمت است می است و الت دائے دیا ہے والے میکادر مرد است کا سے میکار دیا ہے والے میکادر مرد است کا ایک اور است کے میکار دیا ہے وہ میکا میں است کا ایک اور است کے میکار میں است کا ایک اور است کے میکار میں است کے میکار میں است کے میکار میں است کے میکار میں اور است کے میکار میں اور است کی اور است کے میکار میں اور است کی میکار میں اور است کی اور است کی میکار میں اور است کی کرد است کی اور است کی کرد است کی اور است کی کرد است کی اور است کی اور است کی کرد است کرد است کی کرد است کرد است کی کرد است کرد است کرد است کرد است کرد است کرد ا

का पुष्पारी, असन और शान्ति का देवता बल बसा और मैं किर बेबस और बेसहारा रह गई—

चुन्द्री हैं—बह रहतुमा जो दुनिया को मेरा दर्जा समका रहा था, सच्चाई की सातिर राहींब हो गया-बंह प्रकेषी चाबाच जो मेरी हिमायत में चठ रही थी खामोरा हो

इसके लिये जिसको इस प्रमाने में सब से गहरी बोट लगी है, जिसका चतों पर अमल करने का दावा करने वाले—यह गांधी के पुत्रारी— बिस्म और वह बन्मों से चूर चूर है, जो दर्द और तक्रलीफ के समुन्दर में डुर्वाक्यों का रही हैं....... तबाही और बरबादी के संबंद में फंसी हुई है...क्या करते हैं ? औरत के सिये...... क्या **9**70 # ?? बह करोड़ों इन्सान महात्मा गांधी के लिये आंसू बहाने वाले माननं बाले, धनके अथकारे लगाने बाले, उनकी तालीम भौर हिंदा-—राष्ट्र पिता की दवा और मोहक्बत के गुन गाने बाले, उनकी बड़ाई जौर जब-जब में सोच रही हूंवेस रही हूं कि 🕏

> الم يتجادى، اس الله شائق كل دليرًا على بسا الله عي 34035

میم بیان اور برمهاد ده می -- ایم بها می ماموش ر وه ایمل کرواز جو فری جایت میں امام بها می ماموش کھا دیں ہیں۔۔۔۔۔ تیا ہی اور بربادی کے بعنور میں بھنی میں ہیں۔ کیا کرتے ہیں ، عدت کے گئے۔۔۔۔۔ کیا کرتے

महात्मा गान्धी

ह्यातुल्ला भन्धारी

पक बादमी ने जैसे ही गांधीं जी की मौत की सबर सुनी, वह गिर पड़ा और मर गया. यह वाकिया हिन्दुस्तान में एक जगह नहीं कई जगह इचा. कितना प्रेमी था हिन्दुस्तान महात्मा का !!—— कनके राहीद होने पर रंज और राम का एक तूकान उबल पड़ा. जिस शहर को देखो, यह मालूल होता था जैसे हर हर जगह रामी है। गई है. मकानो में सजाटा, सड़कों गिलयों में सन्नाटा, हर हर अहल्ले में सन्नाटा, क्या हिन्दू क्या मुसलमान, क्या सिख और क्या ईल रोता हुआ और आल्बों पर ताले लगे हुए थे, अन्दर से दिल रोता हुआ और आल्बों की ज्वान से करियाद करता हुआ—वह हाल था सारे हिन्दुस्तान का!

महात्मा ने यह प्रेम सिर्फ सेवा के खरिये हासिल किया था. बह सेवा करते रहे. लाग उनके दोवाने होते गये. लोंगों के ग्रेम से छनकी ताकत बढ़ती गई. इस ताकत को काम में लाकर वह और ज्यादा सेवा करते गये. और ताकत बढ़ी. उन्होंने ओर सेवा की. इस सेवा के जादू से उन्होंने चालीस करोड़ इन्सानों का दिल मोह जिया

धुनिया के बड़े सुधारकों की किरमत में लिखा है अपने आयंभियों के हाथ से मारा जाना. हजारत हैसा को उनकी कौंम ने फॉसो पर बढ़ाया. कुरैश ने हजारत मोहन्मद पर हमले किये. वह

Subliv

دميات الله انعاري)

ماہ سے ہندہ سنان کا استوا کے درفیے ماصل کو کھا۔
وہ سیوا کرتے رہے ۔ کول ان کا دوات ہوئے گئے ۔ ووں کے استوا کرتے رہے ۔ اور ماقت کرتی این کا وہ اور میوالی ۔
ور سیوا کرتے ہے ۔ اور طاقت ڈھی اکھوال نے اور میوالی ۔
ور سیوا کے جادو سے انہوں نے جائیں کروات افل کا دل موہ لیا ۔
ور سیوا کے جادو سے انہوں نے جائیں کروات افل کا دل موہ لیا ۔
ور سیوا کے جادو سے انہوں نے جائیں کروات افل کا دل موہ لیا ۔
ور سیوا کے جادو سے انہوں نے جائیں کروات افل کا دل کو ان کی در ان

समाजी मौब है। जाती है. एक हिन्दुश्तानी ने क्रस्ल किया। लेकिन ऐसी बुरी घटनाएँ सुधारकों सन् १९४८ में यह दास्तान यों दोहराई गई कि महात्सा गांधी को बह बन्दर से क्या हैं. इससे उनकी एखालाक़ी (नैतिक) श्रोर की सुवार की ताकत जमाने में इलचल भचा देती है. हवा का रुख बच गये तो उनके बजाय इत्तरत इमाम हुसेन का क़त्ल किया सान करने वाले के। सार डालते हैं. जब लोग घपने खिलाफ जसाधत भाक्षिर अपनी मौत इस तरह मोल लेते हैं कि घपने सबसे बड़े एह-भौर बुराई के भनासिर (तत्व) सड़ते हैं और हारते हें और के सिरान के। कमचोर करने की जगह पूरा कर जाती हैं. सुधारकों के। इतना बड़ा पाप करते देखते हैं तब उनके दिल समक्त लेते हैं कि बदल जाता है. तारीस के भारे युड़ जाते हैं. ऋदायत (पुराने पन)

हजरत इसाम हुसैन के क्रल का यह असर हुआ वा कि जो बद्ध लिये ताकि दुनिया को गुँइ दिला सकें. बतु समैया की से जुदा हो गईं. उन्होंने अपने और अपनी जगहों के नाम तक क्रवीले इसमें शरीक थे, शर्मिन्दगी के मारे बनकी शाखें एक दूसरे पर बैठने से सिर्फ इस कारन इन्कार कर दिया कि यह तस्त ऐसे सलतनत की पोषीरान इतनी गिर गई कि एक शहखादे ने तख्त नापाई काम कर चुका है. इजाज बिन यूसुफ के हद से बढ़े हुए खुल्म और उसक बिन श्रन्दुल श्रवीच का खबरदस्त इन्साफ और जारन सशतनत इस तरह जाम हुई जैसे क्समें कोई ताजत ही बेह्तरीन इन्तवास भी सक्ततनत की इज्वात न बना सका. इसी

الای می اور ای کے می سیمون و با میں کو ایل کی ایک بھی اور اس کے میں کے میں اور اس کا ان سیم کو ایک بھی ایک بھی اور اس کا ان میں کا ان میں کو ایک کی میں کا اور اس کار اس کا اور معرب سے میں ہوئیں ، معوں نے دیتے اور اپنی علمی کے مطابق کے مطابق کے مطابق کا مطابق کا مطابق کا مطابق کا مطابق ک کی مجدور این کا بھی کہ ایک خبر اور سے کے خوت کر سطیعت کے مطابق کا کہ کا ایک میں ایک میں ایک کا ایک کار ایک کا ایک عروی عبدامخرید کا زیروست اضاف امد بهتری اتفام عی موجه می سودی در ترام کا و ای کامل سلطندی وسی اتفام می 19 8 25. VI

المراول إلى أن عن كولي المقت إلى نه مي والما

असे मा दी नहीं। किटकार सहते और **उनका साम्राज तो इस तरह खत्म होता** मान संजिये कि श्रावादी की सड़ाई में महात्मा मरन ब्रत से वा किसी चोट से स्नत्म हो जाते तो अंगरेज पीईयों तक दुनिया की श्रंगतेशों ने हिन्दुग्तान झोड़कर बहुत दूर अन्तेशी दिलाई

अं नकरत ने दिलों पर ऐसा क्रमचा बसा लिया था कि महात्सा की भाष न थे—बह नाहक की तरक थे. तश्रास्तुब (पह्मपात) और बात में हमकी बकरत से ज्यादा नेकी नखर जाती थी इसिल्बे है—इसिबेथे सारा बोक इस तरफ है—बुराई मिट गई और नेकी और बदी की तराजू में बदी का पल्ला भारी था. अब अहात्मा हिन्दुस्तान को किरक़ा बराना एकता का तोहफा मिल गया धुनते सब थे पर अमल की तरफ मन नहीं अकता था. की भारी शक्तियत हिमालय का बजन लेकर दूसरे पल्ले पर बैठ गई सामने था गया. सामने तेा पहले भी था. लेकिन इक की तरफ हमारे सट्टी सोने को पाक करती हैं. इक खौर नाहक हमारी खाँली के इसने हमारे दिलों की गन्यगी से इस तरह पाक कर दिया है जैसे सहात्मा का बलिदान उनकी विदाई का बाखिरी तोहका है.

जहाँ बहुत से कमाल ये बहाँ एक कमाल यह भी था कि नह,कोई शुपई विश्वकृत साफ सामने बाजाती थी तब वह क़द्म स्ठाते बे. बोबों सें, बिखाबट से, अंगब से, दलीलों से, यहाँ तक कि जब भी क्रदंग डठाने से पहले मसले के। बहुत साफ कर देते थे. अपने साफ जाहिर है जैसे गर्मियों में बमकता हुआ सूरज. महात्मा में महत्सा की जान क्यों गई? बजह और सबब उसी तरह

س متم بعيات و الكرزيترميون ك دُنياك بيوكاد مين ال الكرنيدس في بندستان جيوزكر ليت معدائدتني وتفائل - ان مع کا تادی ک الوال میں ماتا مرد برت سے یا کسی ج RABAM.

يَالُ بِاللَّمِان ما يَن اللَّهُ اللَّهُ مِن وه قدم إنهارة على.

मार्चे सम् '४८

श्राज सबं जानते हैं कि गान्धी जी की जान इस वजह से

गई कि वह हिन्दुस्तान के हिन्दुओं से कहते ये कि मुसलमान

्बोड़ी तादाद में हैं. इनका न सताको और पाकिस्तान के मुसलमानी से कहते थे कि वहाँ के हिन्दू थोड़ी तादाद में हैं, उनकी तंग न

करो. धनके बलिदान का पूरा बोक्त इस पत्ले पर है. यों समक सो कि आसमान और खमीन ने बेहतरीन लाल रोशनाई से यह

करमान लिल दिया है कि हिन्दुस्तान भौर पाकिस्तान की धरती

पर अब फिरक्राबाराना रंगे न होगे—मुमकिन है कि दो बार अगह झोटी मोटी घटनायें हो जायं. मुमकिन है कि पाकिस्तान

अ बम बूट चुका है. वह अपना कास करके रहेगा. अब जो दंगे हा) का दिल जरा देर में पसीजे. लेकिन ऐटम बम बल्कि महा ऐटम डनके पूरी बरेब्द जड़ाई की लम्बी जिन्दगी की बाखिरी हिचकियाँ

कोने में नेकी आजाती हैं तो फिर बह दूसरे कोनों में भी रोशनी सब्द करेगा. यह जज्जा सिर्फ हिन्दुन्तान तक नहीं रहेगा बर्लिक दुनिया के दूसरे कोनों में भी जायगा और वहाँ भी लड़ाई के बाराना एकता का काम कर रहा है, कल दिल के दूसरे कोनों को भी करने लगती है. वह पाक जज्बा, वह पवित्र भाव जो आज फिरका सममना चाहिये. जगसगायेगा, छोटे भावों के मुक्ताबले में हमेशा ऊँचे जज्बात की मुझाबले में शान्ति को ताक्रत पहुँचायेगा. रहे गान्धी का पयास इन्सानी दिल का भी अजीव हाल है. अगर उसके किसी एक

کی صب جائے ہیں کر کا زحی کی جان اِس دحر سے کئی موجہ جندستان کی جندول سے مکتے تھے کومسلال کھوڑی

न मानी जिसका नतीजा यह हुन्ना कि कुदरत ने यह दियों का हुनू-मत से महरूम कर दिया, जीर जाज तक वह कहीं हुकूमत न रेगिस्तान में रास्ता भटकती रही लेकिन फिर भी मूसा का कहना श्रीर जो जी में श्राता वही करतीं. यहाँ तक कि चालीस बरस तक सीधा रास्ता बतलाते रहे लेकिन वह क्रीम उनकी एक न सुनती ऐसं। मौत पर कैसे सम हो, जिस मौत ने एक मुल्क की सारी डसके साथ मूसा जैसा रहनुमा था. हज्बरत मूसा हज्रार डनको मौत पर हम जिस क़दर भी वावैला करें, जिस क़दर भी रोवें-पीटें सन्न करना चाहिये. वेशक सिवाय इसके दूसरा चारा नहीं. लेकिन मंभदार में छोड़ दिया हो. यहू दियों की क्रीम जब मिस्न से चली तो भाशाक्यों का खात्मा कर दिया हो. एक क्रौम के द्रिया के वीच जिस क़दर भी श्रापना सिर धुने, वह कम है. लोग कहते हैं कि हत के मौंके पर मोसिया ब्लोम ने कहा था कि दुनिया के ज्ञान्ड्दा स्तान की एखलाक़ी (नैतिक) मौत तो जरूर है. दुनिया के अभन श्रमन और शान्ति की जाशाएँ गांधी जी से लगी हुई हैं. ऐसी भौर शान्ति की मौत है. सुलह भौर एकता की मौत है. श्रमी उनके महात्मा गांघी की मौत मुल्क की मौत है. कम से कम हिन्दु-

)

सुन्छ के आबादी दिलाने के बाद गांधी जी का जिन सुसीबतों

ही भाँधेरा है. भवानक समुन्दर बीच में है. न कोई कराती है न ने इस दिये की रोरानी की भी बुका दिया. अब चारों तरफ अँधेरा साये हुए रास्ते की छोड़कर दूसरा रास्ता पकड़ने का नतीना क्या हुआ. दिया और इस तरह उनके। बराबर तकलीक पहुँचाते रहे. यह सब ष्पपना रास्ता पकड़ा, बनकी चील पुकार पर जरा भी ध्यान न का सामना करना पड़ा और जिस तरह हम सबने मिल कर उनका है कि , क्ष्यरत ने हमार गुनाहों से तंग आकर यह फैसला कर लिया शायद इसके। सहा रास्ता मिल जाय. लेकिन हमारी अभागी क्रीम का एक दिया टिमटिमा रहा था जिसको रोशनी में आशा थी कि मिलने के बन्द महीने बाद हमने देख लिया कि गांधी जो के बत-हाला ही की घटनाएँ हैं और सब लोग उनसे वाक्रिक हैं. आखादी **ब्रह्नान माना और** उनके बतलाये हुए सीधे रास्ते की छोड़कर हो कि यह दियों की क्रीम की तरह हमारी क्रीम का भी हुकूगत से हमारे सामने एक भवानक समुन्दर ज्ञागवा. हर तरफ जन्धेरा ही सांबित कर दिया कि हम हुकूमत करने के क़ाबिल नहीं हैं. आज कराती खेने बाला. अब इसार देश के सामने मुश्किलों और भन्घेरा था. किसी तरक केाई रास्ता न था. सिर्फ गांधी जो की रोशनी से बन्द दिन पहले दुनिया हम पर हँसती थी. आब दुनिया हम ह्मेशा के लिये महरूम कर दे. हमने बन्द महीनों में दुनिया पर कठिनाइयों का समुन्दर लहरें भार रहा है. क्या कहीं ऐसा तो नहीं पर लानत मेजती है.

)

क्या इतिहास फिर से देहराया तो नहीं जावना ! सुक्रगत कौर राज्य तबरेज के। अपनी सच्चाई के कारन चहर का व्याखा

The state of the s

पह सबक्र कहीं दोहराया न जाये. मॉंगनी चाहिये और उस बक़्त से थरीना चाहिये कि तारीख का अन्य बहमनी राज का खात्मा हो गया. सरमद के। श्रीरंगचेव ने क़त्स हे सामने हम सबको बाजिजी के साथ अपने . इस्रों की माफी कराया, थोबे ही अरसे बाद सुराल सलतनत बाक़ी न रही. ृंखुदा इक्सिन के बहननी राज ने सैयद मौला के। क्रत्ल किया और बहुत थीना पदा था. मंसूर के। भव्याधिया सखतनत ने क़तल किया. किर धन्नासिया समातनम पर क्या गुजरी, यह सब को मान्स है.

सभ्यता का दुरामन सममने बगे. चन बोगों के मुंह पर हिन्दू **यत क्या थी. हिन्दू पड़े लिले को**गों में एक अपच्छी सासी तादाद दोस्त हैं. वह किसी के दुरामन नहीं हो सकते. लेकिन मुसलमानों बन कोगों की पैदा हो गई जो उनका हिन्दू संस्कृति और हिन्दू ने एक न सुनी. अब बक्त गुजरने पर उनके। पता चला कि असिले. बन्द उनकी समम्बाते रहे, अपना सिर धुनते रहे और मुसलमानों से कडते रहे कि वह ऐसा न सममें. गांघी जी इन्सानियत के **डनको च**पना दुरामन नम्बर एक सममते रहे. हममें से *डुख* हर श्रव रोने से क्या होता है. वक्रत निकल गया. बीस वरस तक वह सुससमान धनके लिये बेचैन और बेताब होकर रो रहे हैं, लेकिन थरूर करना चाहते हैं लेकिन मेरा कहा नहीं सुनना चाहते. आज बसी हाला ही में छन्होंने सुम्म से कहा था कि हिन्दू मेरी पूजा तो से चौर बनको मायूसी से बाक्तिक है, जो इस तरफ बनको थी. अपने दिस की बातें कह दिया करते थे, वह उनकी दिली तकलीफ जो लोग गांची जी से ऋरीब ये चौर जिनसे कभी कभी बह

می ری اور سافن سی معن ری اور سافن سی معین ری اور سافن سی مرا اوربک زیب نے قتل کرایا ، تقویرے ہی جرمی بعد مل ملطنت باق نہ رہی . ضائح سامت ہم سب م عالجکا مینا چرا تھا مقعور کو حیاب ملطنت نے قبل کما بھر جیا مطنت برکماکودی، برسب کوملوم ہو۔ کمین سے مبئی ال مطنت برگاکو قبل کما امد بہت جلد بہنی دارہ کا خاتمہ ہی می می یادی سے واقعت ہیں ہو اِس طرف مان کو تھی ۔ اِ میاں بھی میں منصوں نے مجھ سے کہا تھا کہ ہندہ میری اِب حوصرتونا جاہتے ہیں میں مرا کہا نہیں کنڈنا جاہتے ۔ آپھی سل حوصرتونا جاہتے ہیں میں اور استان ہوکو رو رہے تھی ، اِس مے ساتھ اپنے قصوروں کی معانی انگئی جاہئے اور اس معیم انا جاہئے کہ ارتح کا یہ سبق کمیں دہرایا نہ جا مع کوک کا قدمی ہی سے زیب تھے اور بن ہے ہی اپنے ول کی باقی کہ دیا کوئے تھے ، وہ ان کی دل تکلیف

And the property of the second of the second

का खत्म कर दें और भूल आयें. तंग नजरी (संकुचित दृष्टि) आपार्री के मिलने से पहले लगे रहते थे. आपस के छोटे छोटे मगड़ों है. जब हमारे पास जबाहर लाल, सरदार पटेल, अबुलकलाम अंक के बेड़े की दूबने से बचाने के लिये सबसे पहली राते यह बंदे हो के इसारे यह चार नेता आपस में एक होकर काम करें वैसे कांग्रेस आन्दोलन के जमाने में किया करते थे. तीसरी रात कितन रार्भनाक है, और हमारा सिर कितना नीचा करने बाला बाबी से हिन्दुत्तान के बापस देकर चली आई. हमारे लिये यह बयान बेरकार के पास हिन्दुस्तान की श्रमानत थी जिसको वह बड़ी यह है कि कांग्रेस बाले अपने सामने के बातरे का समक्तें जोर देशा की सेवा में उसी तरह तन, मन, धन से लग जायें जैसा कि भाषाद और राजेन्द्रप्रसाद की जाने रह गई हैं. लगर हम इन जाने निष्यस दिया है. इसके फहने से यह मतलब है कि हमके। आगे बाब में कहा कि गांधी जी की जान तीस बरस तक अंगरेज हम्म गांबी की और अवाहर वाल का मरना डालने के विशे किये होसियार रहना चाहिये. अभी एक अंगरेज ने अपने हिफाजत न कर सके ते। हमारा बेड़ा चरूर ही हुव जायगा. हुन बार बानों की पूरी तरह पर हिफाबत की बाय, दूसरी राते

नीर हुकूमत का साथ नहीं हो सकता. अन्त की यह समक सेना चाहिये कि अपनी बहुत सी बुराइयों

ایما ایمی ایک انگرزے این بیان میں کا کرکا ندمی بی کی میں ایک انگرزے این بیان میں کا کرکا ندمی بی کی میں ایک انگرز مرکا رکے بیان میں کا کرکا ندمی بی کی میں انگرز مرکا رکے باس میدستان کی امانت میں انگرز مرکا رکے بیان میں انگرز مرکا رکا کہ اندر بھا کی مرکز میں انگرز مرکا رکا کہ اندر بھا کی مرکز میں انگرز مرکا رکا کہ اندر بھا کی مرکز میں انگرز مرکز میں انگرز مرکز میں انگرز میں انگرز مرکز میں انگرز میں الله الحزب الماري على الأن مولد قبل الإن المولد الله المراد المر ماندی می امد جا ایران کرموا ڈالٹے کے لئے تکال دیا ہے۔ ماندی می امد جائے کے لئے تکال دیا ہوتیاں دیا الما کا کارے یہ جار میں اکہ میں ایک ہوکا کا ہیں جیسے اللہ کا کا ہیں جیسے کا کوئی ایک ہوگا کا ہیں جیسے کا کاری کا کا تکریس المدل کے ذائے میں کیا کوئے تھے۔ میری مواج ہو ہو کا کا تکریس والے اپنے سامنے کے مطوع کو مجھیں اور ولیں می مسیودا میں اس طرح تن ، من ، دھی سے مک حامی حیسیاکو کاڈادی م طف سے میل ملک رہت تھے بہلیں کے جوٹے جوٹے جوٹے اور اللہ المائه مين بوسكتا.

मावजूर इस वनत मुल्क का गांधी जी के रास्ते पर चलकर मिस ही बचा सकता है। भगर कांग्रेस नाकाम रही तो सुल्क केंद्र शिया है। कार्या के दूसने से बड़ी बचा सकता.

الله کور مجد لوزا جا کوران ایت می دائیوں کے باویو اس موجوع وی تے دائیے پر حل کوالکورس کی بجائے تی ہجا میں انکام روی فریک ماکون کودہ اس معنی کو ڈو نے سے

इसके बार श्रकतर मुलाकात होती रही. यहाँ तक कि जब बह में वहाँ एक मुक्तवमें को पैरबों कर रहा था. फिर आर्था से के मीके पर देखा जब कि वह एक फर्कार के रूप में थे. श्रुमें डनपर बहुत तरस आया. एक दम से जी चाहा कि पतबून में पाता करते थे। मेरे खिरये से उन्होंने हिन्दुस्तान से क़ुरान की हुए बे, मैं उस वक्त पढ़ रहा था. वह फ़ाक केट और टाप हैट तीन महीने तक रोजाना मुलाकात होती रही, उस बक्त एक जिल्द मंगवाई थी. फिर इसके बाद मैंने उनके। सन् १८१६ की बे बौर बाली माई मेरे यहाँ ठहरे हुए थे. बाली माइयों ने मुके पटना में सन् १९२१ में काये तो मि० मजहकल इक के यहाँ ठहरे १८१८ में बाँकी पुर में मिला जब वह मि. मजहरूल हफ़ के मेहमान आहीं श्राया. उन्होंने गांधी जी के सामने यह मामला रक्ला. गांधी साल समकाया कि मैं बैरिस्टरी छोड़ दूं. लेकिन मेरी समक ही में कैरिस्टरी खोड़ दी. इसके बाद से गांधी जी का बहुत साथ रहा और हुसमा दें तो में बेरिस्टरी छोड़ दूँ. उन्होंने कहा कि में लोगों को जो से मैंने कहा कि मेरी समक्त में नहीं बाता. सेकिन अगर बाप प्रोतिस बोर वे भौर मुल्क के काम में बग बाबाे. मैंने कौरन नियार बन्पारन जाने के लिये बाये थे. फिर मोती हारी में दो श्राम तीर पर हुक्म नहीं दिया करता, लेकिन आपको हुक्म देता हूँ कि ो इंस मन्द्रह सराफियाँ थीं, वह बनका देहं. फिर मैं बनसे सन् भाषी जी से मेरी पहली मुलाकात सन् १९०६ ईं में लन्दन क्षिक बहुता गया. ब्ह्न श्रुक्त पर खास बहुरवाना को अबर रखते हुई थी, उस बक्त वह बेस्ट मिनिस्टर पैलेस होटल में ठहरे

المان می سے بری بیلی المان موجادہ میں ایک سے بری بیلی المان موجادہ میں ایک سے بری بیلی المان میں ہوئے ہیں ایک و مان میں میں اور فراک کو اسر مانی ہوئے ہیں کہ ایک بیلید میکوال میں ایک بیلید میکوال می مان اوی می دوین میست می دوزانه القالت بهول مهی به می این می و این می می دوزانه القالت بهول مهی به می این می ای این وال ایک مقدم می بردی کوریا تھا۔ می این میل می در این می می ایک می در این می می ایک می در این می ایک می می این همیرم اور نے تھے ، می می می می می در ایک اور می ایک می ایک می در این می می ایک می در این می ایک می در این می در این می می ایک می در این می می ایک می در این می در این می در این می در این می می ایک می در این می می ایک می در این می الله الله المستوع الديد من تقد هي أن يرميت تركيدايا. ايك المستوي المال المتوال المتوا

THE PROPERTY.

से ज्यादा काम मैं लगे रहते हुए भी बह हर राख्स के निजी मामले इस लिये उनका चिक्र मुक्त से बहुत किया करते. गई. मैंने सबूत देने शुरू किये कि यह मेरा काम न था. उन्होंने शुरूव्यत भी ब्लीर चूंकि सुके भी जवाहर लाल से बहुत लगाव था शुक्ते स्वतं बिखा स्पीर खका हुए कि तुमने सबूत क्यों पेश किया. इन्सान में ही हो सकती हैं. जवाहर लाल से बनको बहुत ज्यादा कांत्रेस बर्किंग कमेटी का एक राज जाहिर हो गया. बतसे किसी ने पुर्वारा इनकार मेरे लिये काफी था. सबूत पेश करने के मानी तो क्चनने के लिये बक्त निकालते और सलाह मशविदा हेते. वह एक ऐसे यह हुए कि सुक्ते तुम पर भरोसा नहीं. वह बातें रौर मामूबी सममने भौर उनको माक्ष कर होने में वह खरा भी देर न करते. बोस्त थे कि जिन्त्गी भर दोली निभाते. इन्सानी कमजोरियों को वें यहाँ तक कि सुके बापने खान्यान का एक मेन्बर समझने बरो बे तकसील का यह मौका नहीं. दो वाक्रेजात तो ऐसे हुए जिससे सुमे ब्ह दिया कि शाय इसेंने जाहिर किया होगा. सुके इसकी खबर हो बन किसी पर भरोसा करते ते। पूरा भरोसा करते. एक मौक्रे पर बर्क़ीन हो गया कि वह वड़े . खुदा रसीदा फक़ीर झौर साघू थे. हद मेरे साथ ऐसे ऐसे बाक्नेबात (बत्नाएँ) पेरा ब्याये जिनकी

्युक्तिम एकता के बिचे रक्ता. चालियी नत भी इसी काम के किये राज्या. इससे भी धनके दिल को तसल्ली नहीं हुई, वहाँ तक का मसला उन्होंने उठाया. सन् १९२४ में पहला जत दिन्दू की गान्धी जी के। धुन थी बह हिन्दू मुस्लिम एकता थी. जिलाकत मुल्क की आजादी हासिल करने से बहुत ज्यादा जिस बात

المنسائي و مقرس حد حاقان توالي الاستامي من مي قين المناكر وه وس معادمية هيراند ما حويق معاط سين كي المدهم المن بلي الدمها معنوده ديت وه اي الميد دوست مي كر المن بلي الدمها معنوده ديت وه اي الميد دوست مي كر موی می ده در می دیر ترکت سرسی برخود را کرتے قبل ایک داری ای میں میں در ایک دریا کا ایک در معنادا الكارمير، لك كانى تما. تبون ميش كوف مي من قور يوري كر مجيم هم يم يوساس . ين ياتي مؤسمولي انسان مي اي يوسي هيده جاليم الل سندين و مبت زياده محسد عني الدين ين اي يوسي هي جاليمال من من كان تقال سكان كان كوم توسيم مين الدين مي جاليمال من من كان تقال سكان كان كوم توسيم مين الدين مع المامة المن المنه ما قان المعتمالي يين اك عف ومرت موحد الي حاقات المعتمالي يين اكثرين ك مع ایک کے لئے مکا۔ آئری برت میں اِنی کام سے اِنی کام سے اِنی کام سے کی اُنیان کا دل موسلی ایس جن اُنیان کا ملک می آزادی ماصل کرے سے بہت قرادہ میں یات مالادی می کومیس تنی اور بسلم ایک تنی منافت معملہ محمول نے ایمالی سلامیلہ میں بہلا برت بہد CAT SO

क्षा तलाकी का सिर्क एक खरिया है और वह यह है कि बनकी कि अपनी जान सी हिन्दू मुस्सिम एकता के लिये दे दी-काश! मेरे ्ह्य हिन्दू सुसलयानों. ने बनकी किन्दगी में बनकी यह सबसे प्यारी मुसलमान हममजहब इसको अब भी समके वह मुक्तते अक्तर कहा करते वे कि मैं तो स्वर्ग में भी मुसलमानों के बरीर जाने से इनकार कर दूँगा. कारा ! मेरे हिन्दू हम बतन, जो बाज उनके लिंबे रीते हैं बीर बेचैन हैं इसके। बब भी समर्के और उनकी बालिरी न मानेंगे तो यक्कीन जानिये कि हम मिट बार्येंगे. कहा, देर सबेर इसे सच साबित किया. आगर हम उनका कहा सहे तो भी इसकी तलाकी (पूर्ति) नहीं हो सकती. इसकी हिन्दुस्तान इस हावसे (दुर्घटना) पर हमेशा खून के आँसू रोता ख्यादिश-हिन्दू ग्रुसलिम एकता-को पूरा कर दिलायें. और अगर थारगार उनके लिये दूसरी नहीं हो सकती. जो कुछ भी उन्होंने इस खबाहिरा के हम पूरा करें. हम डनकी यादगार क्रायम करना भौर हिदायत के पूरी करके उनकी आत्मा के द्धारा करवें. अगर इच्छा पूरी न की तो हम उनके मरने के बाद उनकी इसे ख्वादिश क्रायम करें और उन पर अमल करें. इससे बड़ी और अच्छों हिन्दू मुसलिम एकता होगी. बरातेंकि हम सनको अपने दिलों में बाहते हैं. उनकी सबसे अच्छी यादगार सच्चाई बहिंसा और

मैं चास तौर पर मुसीबत के बक्क्त रोबा नहीं करता,

after jes unftra er at ering agi und.

unter den annen unftrand process.

unter den den annen en unter de la companya della companya

ان جائی میں بندو سل ایک کے دلا دے دی کائی اور کا اور کائی کا اور The total of the But were می بید تلاق کا صرف ایک درو بردان ده یه برکرم ان کی این خابی این خابی می بردان می این خابی می بردان کی این خابی میچه برخور کردن برکرم ان کی یا تکار خابیم مردن جاری این اولی . از طبید میچه این یا تکار سخان اینسا امد جاشد سلم ایک اولی . از طبید

बबन की किन्न कर नाहों मुसीबत जाने बाकी है, तेरी बरवादियों के महाविरे हैं जास्मानों, में. व समम्क्रीगे तो मिट जाजीगे ए हिन्दोस्ता वालों, में. जुम्हारी दास्ता तक भी न होगी दास्तानों में, जहाँ तक ख़ुर छनका ताल्लुक है, वह तो जामर हो गये. एनकी सकमील (पूर्णता) की, वहाँ छनके शिवस्थत (ज्यकित्व) की सकमील (पूर्णता) की, वहाँ छनके शिवस्था के हमेशा के लिये बिन्दा सम्मान का पूरा न कर सकी शायद उनकी मीत उसे पूरा कर हे. सुक्तरात, हज्जरत हेसा, हमाम हमेन और दुनिया के दूसरे वह बहे शहीदों की बिन्दगी से हमें सबक मिन्नता है.

'नया हिन्द' का गांधी नम्बर

हम चाहते हैं कि 'नया हिन्द' का अगता नम्बर गान्धी नन्बर हो. इस नम्बर में महात्मा गान्धी के अस्तों, उनकी वालीम उनके बीबन का हाल, रारख गान्धी जी और गान्धी वाद के बारे में ज्यादा से उचादा जानकारी बढ़ाने वाला मसाला हम अपने पढ़ने वालों को मेंट करें। अगर अप्रैस का अंक निकसने में देर हुई तो हम कार्मेल भीर महे का 'नया हिन्द' मिलाकर गान्धी। अंक निकालंगे

می ایت وی کردنیای کا تدمی تعسید ای مایای کاری کی اور کا این کی کناری کا کاری کردنی کردنی

ज्यांच्यों न बापू की नींद च्या गई हैं (भारे शमीम किरहानी) मी बढ के बावे हैं बज्में हुचा से,

सभी कर के बाये हैं बज्मे दुष्पा से,
स्थान के क्षिये ली लगा कर . खुदा से.
स्थान बाती हैं रुद्धानियत सी किया से,
स्थानी बात्सा राज्यी पा गई हैं. जगायो
बो हैं बाज दिल्ली तो बंगाल में कल.
सदा कीम रखती हैं बापू ने बेक्ल.
सवप किन्दगी की सकं पा गई हैं. जग

तक्प किन्दगी की सकू पा गई है. जगाको... हुदारा! न बोलो यह मन्दूस बोली. बुदारा! न बोलो यह मन्दूस बोली. बुदारा! न बोलो यह मन्दूस बोली. बिहा कीन मारेगा बापू को गोली. बिहा को सुँ से खेलेगा होली.

सभी के हैं प्यार इस अप्रजीके बतन से, किरंगों ने जेलों में रक्खा जतन से. बतन पर वह इरवान हैं जानो-तन-से,

4 - 34 - 314 - 441. 410 - 5171. 45 - 216

14.60=W. 167. 05.

العدم المراك ومن العالم من المراك ال

स्वास स्वास्ता मारेगा पिसीको राज से ?

अवस ! मारे हिन्दे शारमा गई हैं. जगायो--
प्र के मंडे के गादा है उसने !

किसके दिले का चजाड़ा है उसने !
का अवस क्या बिगाड़ा है उसने !
का अवस क्या बिगाड़ा है उसने !

समी डठके ख़ुद वह विठाएगा सबको. लतीकों से पेहम हँसाएगा सबको. स्थासत के नुकते बताएगा सबको. नई रोशनो फिर दिखाएगा सबके. दिखों पर यह खुसमत सी क्यों छा गई हैं। जगाफो....

भी सिन्ध बाबरस नम तक रहा है, जे बिक्स में पंजाब राम तक रहा है, भी बारधा दस-बदम तक रहा है, भी रास्ता आश्रम तक रहा है, आग्रिय को रस्ते में नींद आ गई है, जगाओ वह सोएगा क्यों जो है सबको जगता...... कभी मीठा सपना नहीं उसको माता.

गरीवान = कुर्ते का गला. श्वम्न = शान्ति. खतीकों = चुटकुर्लो. [म = बराबर. तुकते = बारीक्रियां. श्रुलमत = श्रंघेरा. बाचरमेनम = बी बांबों से.

ن تاریخ کا کار ان = زنانق مطبقوں = میشکلوں - بیم = کیک میمیان ملت = ازمیل اجتماع = مجازاکموں سے बगामी न भाप के तींद था गई है. सर्थ सन् '४८

ज्यासी, यह क्यों बाल बिखरा गई है! जगाम्मी... क्ट्रेगा, न श्राँसू बहा देश माता. हर आबाद भारत का है जन्म दाता,

मे एक बात कुरचाँ, तो इक बात गीता, केसमगर तो हारे वा मजलूम जीता. मीने वे मजबूमियत झा गई है. बगाम्बो.... ्रह्म अपना स्राता बहु स्तून अपना पोता, ही पे मरता बतन हो पे जीता.

बिता खुल्म की, जिससे थरी गई है. जगाओ बाह हफ्त के लिये तन के बाइजाने वाला, निहत्था हुकूमत से जंड़ जाने बाता. नियाँ को बरह रन में गढ़ जाने वाला, बसाने की धुन में डज़क् जाने बाला

"सूरज" जो धरती की सेबा को चट्टें, इस्ती, बचाने जो दुनिया को चहु, बाद्त जो सेवी पै बरला का बहु किरतीं जो तुकाँ में काम जा गई है. जगाओं सामी जो दुसियों की रचा के चहु, बह सुक्ररातो इसाकी जुरकात भी उसमें, श्री कुम्न कौतम की शकतत भी क्समें,

ガララウス オナラーサイ منان ي عرف ان مي توجات والله مرى كريش كويرك بحفظت بجي المن من

ده آزاد میارت کا ای بناؤر الوكونيد الكي اي

بان دران الحدال المائيا اكمعاتا ويدفن إيابيا 1 Ct. Ct. 17 18

शुक्तमा के दिल की हरारत भी उसमें.
हिमा क्रिक्त है दर की हिम्मत भी उसमें,
क्रिक्त है से वहां के हिम्मत भी उसमें,
क्रिक्त है से ने हामन भरेगा,
क्रिक्त है सर पे क्यों कर धरेगा.
क्रिक्त है से पर हा गई है. जगाचो….
क्रिक्त भी खुद मीत पर हा गई है. जगाचो….
क्रिक्त धरमन वहां का निशां सो रहा है.
क्रिक्त क्रिक्त वहां का निशां सो रहा है.
क्रिक्त से क्या सहर मुक्त विला गई है.

हम्मे हेर्र = हेर्र (श्रली) के लड़के. तराइदुद = हिंसा. हवास = बिन्दगी. वहरे कं = बहता समुन्दर. श्रज्मे जवां = निवरादा. सहर = सुबह. रहें

Selvent Company of the company of th

الله عدد عدد (مل) عرف مند عرافال- فالدار ما عاد-

हमारी राय

इसलाम घौर जिहाद-

कारिस लगए गए ये और पर्ने बांटे गए ये जितमें मुसलमानें के बिहाद करने के लिये कहा गया था. करामीर के जपर जिन कार्बोद कराव के लिये कहा गया था. करामीर के जपर जिन कार्बोद कार्बो ने हमला किया उन्होंने भी अपने हमले का 'जिहाद' शब्द जगह जगह 'क्षमें युद्ध' के माने में आया है, यानी वह, युद्ध का बाद. एक मामूली मुसलमान को निगाह में जिहाद शब्द का सम्बंध मार काट या हथियार उठाने से हैं. अब हमें बह राज्द किन मानों में आया है.

जिहाद अरबी 'जेहद' से निकला है। जसके माने केशिश करना है. इमाम रागिब ने अपनी किताब 'ताज बल अरूस' में क्रिप्टाइ के ये माने दिये हैं—'अपनी हद दरजे की ताक़त लगाकर क्रिप्टी ऐसी बीच को, जो ठीक नहीं है, ठीक करने की केशिश क्रिप्टी, 'मिरचा अबुल कचल ने अपनी 'रागिबुल कुरान,' में आहाद क्रिप्टी यो सिखा अबुल कचल ने अपनी 'रागिबुल कुरान,' में आहाद क्रिप्टीचंहद बर्ग का मराहर किकरा है जिसका मतबाब पूरे दिल

कुरान में अगह अगह 'जिहाद की सबीलक्लाह' जाया है. ब्रिडिक मानी हैं 'अल्लाह की राह में केशिश करना.' इसलाम के शुरू 'के दिनों में क़ुरेश के जुल्मों से जपने मजहब चौर जान की बचाने के लिये भरव के जो मुसलमान अपना वतन छोड़कर क्षारा थाना इथियापिया चल गए य उनक इस काम को क्रुरान की कारलाह की राह में अपनी जान और अपने माल से जिहाब करना' कहा गया है (८--५२, ७४, ७५). इस्रा थानी इथियोपिया चले गए थे उनके इस काम की

चुरुमों की बिना किसी तरह का बदला लिये "शान्ति भौर सब स्त्राई से दें" (२३-८६ बरोरा). इजाखत मी नहीं दी गई थी. बल्कि हुक्स था कि अपने दुरमनों के बास्ता न था. इस वक्ष्य तक मुसलमानों को हथियार इसने की हं साब" नरदारत करें भौर जहाँ तक बन पड़े "बुराई का बदला इस जिहाद का किसी तरह के भी हथियारों या लड़ाई से कोई

किसी के इथियार डठाने की इजाजत दी गई कौर न कभी किसी किसी तरह का के हैं बारता हथियारों की लड़ाई से नहीं है. उन निवार खार असम्बासनों के खिलाफ जिनका इन धायतों में चिक्र है न कर्मा समभा बुमा कर अपनी तरफ बाना. यहाँ भी जिहाद शब्द से दुष्टारा साथ नहीं दे रहे हैं उन सब के साथ 'जिहाद' जारी रक्सो . शुं शुं अप समान हो चुके ये और फिर भी सच्चे और साफ विश्व से विषा है कि जिन क्षोगों ने क्षभी वक तुम्हारी बात नहीं मानी बा (१९--०३, १-६६). यहाँ जिहाद के साफ मानी हैं--प्रेम के साथ कुरान में खुद मोहन्मद साहब को घरलाह ने कई जगह हुक्स

> می این میان اور ایت مال کے جواک میں اللہ می ا (LO-168168-A)

اس جاد کا سی طرح کے بھی بھیاروں یا اوال سے کوئی اس کا اوال سے کوئی اس کا ایس جات کے بھی بھیاروں یا اوال سے کوئی کے اس کا ایس کا ایس کا بھی اس کے بھی اور میر کے بھی کا بھی کا بھی کا بھی اس کا بھی کا علی از ۱۹۰ سهم وفرو) . وی در می ود محد صاحب فران نه کی مگر مکر دیا ایوکر می این استمهای موجه کا الله مع المحل مع معماري بان بين مان يا وسلال موجع

مور میرسی سے اور مان دل سے تعالیا باخد بنیں دے رہے اور مان دل سے تعالیا باخد بنیں دے رہے اور مان دل سے تعالیا باخد بنیں دے رہے اور اور مان دل سے تعالی دلمعی و اور نہ سے کی طرح کا کوئی داسط بھیا در اور سے میں اور فرد سے کسی طرح کا کوئی داسط بھیا در اور سے میں اور فرد سے کسی طرح کا کوئی داسط بھیا در اور سے میں اور فرد سے کسی طرح کا کوئی داسط بھیا در اور سے میں اور فرد سے کسی طرح کا اور زر در کسی کسی اور فرد سے کسی در کسی اور زر در کسی اور زر سے میں کا در اور سے میں کسی کے میں در اور سے میں کا در اور سے میں در اور سے میں کا در اور سے میں کسی کے میں در اور سے میں در اور

मान सम् अ

हमारी राय

और अबूहय्यान इस आयत में जिहाद शब्द के यही माने करते शहीं थां. क़ुरान के सब टीकाकार जैसे वैजावी, इमाम असीठरीन भी. भार काट या इषियार बठाने का उस वक्ष्त कोई सवाल ही कि 'स्त्रोगों के साथ क़रान के जरिये 'जिहाद कवीर' यानी कंबरहरत जिहाद करो." (२५-५२). यह झायत मक्के में उत्तरी कोरिारा की जाथ वह सिर्फ जिहाद ही नहीं बल्कि 'बड़ा जिहाद' है. बुह्मों के होते हुए और डन्हें बरदारत करते हुए अपने धर्म पर श्रुक्षीवर्ते सहना, इन सब चीचों को 'श्रान्ताह की राह में जिहाह' है--यानो समम्भवुमा कर प्रेम से सच्चाई को फैलाने की जो भी तरह के कामों का, जैसे रतजारे रखना, रातों को नमार्ज पढ़ना बहुत में आपने नक्त पर काबू पाने की जिहादे अकबर, 'यानी' 'सबसे से बड़ा जिहाद अपने नक्स पर काबू पाना वानी अपने गुस्से बद्धा जिहाद' कहा गया है इसलाम में आज तक मज़हब के इस भीर अपनी खबाहिशों का जीतना है. "इसलाम की तमाम किताबों हैं नया है. मोहम्मद साहब की एक मर्राहर हदीस है कि-"सब क्षरीयों को खाना खिलाना, यतीमों को पालना, दुखियों और श्रंथम रहना भी जिहाद कहा गया है (१६-११०). दान देना, अंबर्ष्ट रोंके रखना, क्षन बेना बग्नेरा 'मुलाहिवा' कहा जाता है. हरूरत मन्दों की मद्द करना और किसी अच्छे काम के लिये एक और जगह अल्लाह ने मोहन्मद साहब को हुक्स दिया

新田の大 中間 中田市 田田田 田田田 四十二 ् अहाँ तक जिहार का क्रुपान के साथ तल्लुक है. नीचे बिली

> موان وقت مولا معال بي مين تعا. قرآن نے مب ويلام معلمه معنادی، ام ایرالدی اور الوحیان بی ایت می جاد ومدام المراسع من المراس 17. BASS 17.2

Comment of the commen

The second of th

सित की सकाई में को भी कोरिश या मेहनत की जाने वह क़ुरान आ है. वर्ष के मामले में, या लोगों की सेवा करने में, या अपने के मुताबिक्त जिहाद है. की शिक्सर प्रकार का बादनी के फिली वरत का कोई बारता

बालन सिर्फ लड़ने या द्दियार उठाने से हैं. जिहाद राज्य इस्तेमाल क्या गया. (२) सारे डियान में किसी एक ऐसी जगह भी जहाँ साकसाक

 मैं निगंह में जँवा करें. पर किसी भी मजहब को उस मजहब से सुना नहीं करते वह एक दरले तक उस मजहब की दुनिया गंबा है जिसके साक माने सहना हैं (२-१८०, ४-७४, ४-६१ बरोरा) माने के दोते. बहुत बहुत्वी श्चियलानों के चाहिये कि अगर होसकता हो तो. इस पाक बाहर का कोई चादमी नीचा नहीं कर सकता. लाखों चादमियों की हैं इंसकी जिम्मेकारी सिर्फ युसलमानों ही के ऊपर है. नेक और सच्चे निगाह में जिहाद राब्द के साथ जो एक नाखुरागवार माने जुड़े हुये इत्तेमाल नहीं किया गया बल्कि सिर्फ 'क्रेताल' शब्द इस्तेमाल किया कहीं और जब कभी इसका जिक्क आया है वहाँ जिहाद राज्य कुम्प जिहार को राजकाजी या दूसरे गन्दे और गलत काम में बसीटे के सिये हथियार उठाने या लड़ने की इजाजत दी गई है पर जहाँ हो सकता है कि जो लोग किसी खास मजहब का मानंने का (३) क़ुरान के बन्दर खास हालंतों में बपने धर्म के बचाव

او جہاں ہتھیار محفات یا دوئے سے سی عرع کا کئی واسعہ میں ہو۔ دھم سے ممالے میں، یا دکوں کی سیواکرنے میں ویا اپنے دل می معفال میں ہو بھی کوسٹس یا تحت کی جادے وہ فرآن سے

على فرن الأع يا بعنيار بمفات سي يو. جماد منيد استمال ملاق مادی و این میمی ایک این بگری جان صاف میان

اما وان کے ایک فاص عاملاں میں اینے دھوم کھیا کہ اس اس وار ان کے ایک فاص مارت دی کی ایج برمیان میں اس اس کا دی اور کی اطارت دی کی ایج برمیان میں اس اس اس میں اس کا دی آج دواں میاد سند استعال میں کا اور اس

الم من الأ مع - 8 مع مع - الا) . من من كو لمت كا وهول سين المخطاع الا أن من من كو لمت كا وهول سين المخطاع الم المرح وه إي ورع بما أس منها و ومناك تلاه من المخطاع المن المعالم المن المناكس منها من من وياد من مع من المخطاع المناكس いかららいかいはちれるができる

िकिया है कि नीचे लिखी किस्मों के जानवर खाने के लिये बा इसरे काम के लिये न कारे जान-सी पंजाब की पाकिस्तानी सरकार ने हाल में यह हुक्स पक्तितान में गोहबी पर रोक धाम

(१) बद सब नर या भादा जानबर जिनकी डमर तीन साल से

में हो और को खेवी के काम के काबिल हों.

(२) बह सब नर जानवर जिनकी उमर तीन और दस माल के

सांस के बीच में हो और जो बच्चा देने या तूम देने के क्राबिल (३) वह सब मादा आनवर जिनकी उसर तीन चौर दस

र दिया है, फिर भी बेखबान ज्ञानवरों की दिकाजत की पाकिस्तान सरकार ने यह हुक्स अपनी जरूरत से मजबूर का की तरफ भी एक कदम कह सकते हैं एक ठीक क्रवस है. इसे असली और साइन्टिफेक

सुन्दर लाल

کی جویتی سال سے کم بھنہ میں اور دس سال سے ر مده مالارس

78-8-7

मार्च बन् %

दिन्दुमों से सरकार की वकादारी को क्रसमें ली जावें बेता है और अर्जीव बात यह है कि जो लोग इस तरह अपनी और उदार तजबीयों का कामयाब नहीं होने देते. दोनों तरफ कर बोर देते हैं कि हिन्द में मुसलमानों से और पाकिस्तान में ही सरकार के। नीचा दिखाते हैं वही इस बात पर भी सब से बढ़ रिकाबस है कि इनके बहुत से अफसर चौर नौकर इनकी अच्छी जनता का भी एक बड़ा हिस्सा इस नाकरमानी को बढ़ावा हिन्य सरकार चौर पाकिस्तान सरकार दोनों के इस समय यह

में बहां के मुसलमानों का अपने हिन्दू और सिख भाइयों के साथ होना चाहिये. दोनों तरफ के दिल अभी चोटिले हैं. हमें घाव की अरेक्से रहने के बजाय उसे भर जाने का मौक़ा देना चाहिये और अन्दर से शैरियत के पर्दे का हटाना और फिर बे लाग सेवा से बार बार क्रसमें खाने का कहना नहीं है. इस तरह की बात ेशन सवा वाने देते रहना, इन्हें पाकिस्तान और 'दोनेशन' के और प्रेम से दूसरे के दिल को जीतना है. यही बतीब पाकिस्तान बना सेने का रास्ता पहले अपने दिल को साफ करना आँव हुस सामने में सब के अपनी अपनी सरकार का पूरा साथ के हमें सोना देती हैं न कायदा पहुँचा सकती है. किसी के। अपना स्था की याद विसाते रहना, इन पर शक्त करते रहना, और इन दिन्दुस्तान में मुसलमानों को बकादार बनाए रखने का तरीक्रा

Sub lis

العادیجوزوں کو کامیاب میں ہوئے دیتے۔ دولوں طون کی صفا اور کی ایک واصفہ اس افزاق کو فرصاوا دیتا ہجو اور تجسب ان مافزاق کو فرصاوا دیتا ہجو اور تجسب ان میں میں کام کرو کرو کیا دیکا دی ایک ہوں کا ایک ہوں کی ہوں کا ایک ہوں کی ہوں کی ہوں کا ایک ہور کا ایک ہوں کا ایک ہور کا ایک ہوں کا ایک ہور کا ایک ہور کا ایک ہو

مان و محاسن ہوری موجی باتین نہیں سوکھا دی ہی اور اس میں اور موجی باتین نہیں سوکھا دی ہی اور اس میں اور اس میں اس میں موسی سے موسی کے در اس موجی اور اس میں میں میں اور اس میں اس میں اور اس میں المريدة ويتوكيما عالمت محرما في المائة ويا مائة ويا مائة

नाम अर ज्यान

लेखक---पंडत सुन्द रलाल

तालीम को बतलाया ग या है. देकर भिनती जुनती बुनियादी सवाइयों को बगान किया गया है. एकता को दिलाया गया है और सब धर्मों की किताबों से हवाले दे

लिखावटों में अलग अनग मिल सकतो है. पीने तीन सी सके की सुन्दर द्दासिन करना चाहें उन्हें इस किताब को जरूर पढ़ना चाहिये. तर जुमा दिया गया है. यह भी बताया गया है कि ज़ुरान में जेहाद. जिल्द बंधी किताब की क्रीमत सिर्फ ढाई क्यए. डाक खर्चे अलग. श्रीर इसलाम दोनों की इन दो श्रामर पुरनकों की सच्ची जानकारी भाकेश्त, श्राखेरत, जश्रत, जहमन, कार्किर वर्षेरा कितं कहा गया है. किताब श्रासान हिन्दुस्तानी खबान में, नागरी और उर्दू दोनों جو لوگ سب دهورن کی ایکٹ کو سمجینا چاهیں یا هندو | बो लोग सब धर्मों की एकता को समझना चाहें था हिन्दू धर्म

ليكهك - يندن سندر لال

دے دے کو سلتی جلتی بنیدس سچائیوں کو دیاں کیا گیا ہے۔ قط के बाद गोता के निले जाने के वक्त की इस देश की | 'سامے بعد گیتا کے اکھے جائے کی اس دیش کی حالت ' اسکے بعد گیتا کے اکھے جائے کی اس دیش کی حالت ' اسکے بعد گیتا کے اکھے جائے کی اس دیش کی حالت ' اسکے بعد گیتا کے اکھے جائے کے وقت کی اس دیش کی حالت ' اسکے بعد گیتا کے اکھے جائے کہ اس دیش کی حالت ' اسکے بعد گیتا کے اکھے جائے ہوں ہے۔ اسکے بعد گیتا کے اکھے جائے کی اس دیش کی حالت ' اسکے بعد گیتا کے اکسی جائے ہوں کیا ہے۔ اس دیش کی حالت ' اسکے بعد گیتا کے اکسی جائے ہوں کی حالت ' سے دیش کی حالت کی اس دیش کی حالت کی اس دیش کی حالت ' سے دیش کی حالت کی اس دیش کی حالت کی اس دیش کی حالت کی حالت کی اس دیش کی دیش کی حالت کی اس دیش کی حالت کی دیش کی وس كتاب ك شروع سين دنيا ك سب بر يو الله الله الله عنه عنه عنه عنه الله عنه عنه الله عنه الله عنه الله عنه الله کی ایکاتا کو دکھایا گیا ہے اور ۔۔۔ دھوموں کی کتابوں سے حوالے

کتاب دستمانی زبان سی ناگهی اور اوهو دوفون ر هدوم اور اسلام دونوں کی ان دو اس یستکوں کی ۔ بھی جانگاری لکھاوتوں میں الک الک مل سکتی ہے. پوٹے تین ۔و صفحے کی سند جلد ہدہمی کتاب کی قیدت صرف تعالی روبیہ ۔ قاک خرچ الک ١٩ - بائر. لا باغ الماد د هاعل كوفا چاهين انهين اس كتاب او ضوور اوته ا چاهمي. جهنم' کافر وغيوه کسے کہا کيا ہے۔

Printer—Bishambhar Nath, Vishwavani Press, South Malaka, Allahabad

४८ बाई का बारा, इलाहाबाद मनेजर "नया हिन्द"

Publisher-Bishambhar Nath for Hindustani Culture Societ's 48 Bai ka Bagh, Allahabad.

- करना जिसमें सब हिन्दुस्तानी शामिल हो. (१) एक ऐसी हिन्दुस्तानी कलचर का बड़ाना, कैनाना और प्रचार
- (२) एकता फैलाने के लिये किनाबी, अप्रवाहों, रिसाली बग्नेरह
- धर्मों, जातो, विरादरियो श्रीर फ़िक्कों में श्रापस का मेल बढ़ाना (ः) पड़ाई वरो, किनाव वरों, सभात्रों, कानक्रोन्मों, लेक्चरों से सब

नदवी, मि॰ मंज़र श्राली मोज़्जा. श्री वी० जी॰ खेर, मि॰ दस॰ के० रुद्रा, गं० विशासर नाथ. हा । स्ययदमहसूद, मि० अन्दुल मजीद एनाजा, मौननी स्थयद सुलेमान गर्वानं ग वाडी के श्रीर मेन्द्रर हा० भगवानदासः सेकेटरीपं० सुन्दरलालः लज्ञान्दी - हा० तागचन्द. भगवानदास और डा० अन्द्रन हक गवनित बाडो के प्रमीचन्द्र --सीसहरी के प्रेमीडेन्ट--सर तेज बहादुर समू; बाइस प्रेसीडेन्ट

सोसाइटी की बन्बड शाख का दफ्र

बम्बई शाख को मैनेजिंग कमेटी के मेम्बर

केली, श्री एम० एच० पकवासा, श्रीमती हंसा महता, सय्यद अवतुत्त्या बेलवी, भि० के∘ वी० शाह.

सेक टरी हिन्दुस्तानी कलचर मांसाइटी ४= बाई का बाग, इलाहाबाद.

هندرستاني كليجر سوسائتي

(۱) ایک ایسی هندستانی کلچر کا برهانا" پیتیالاند او رپوچار کو با جس میں سب هندستانی شامل هون و (۱) ایکتنا پیتیلائے کے لئیے کتابوں اخدرون رسالوں وغیرا کا (۱)

(۲) پترهنگی گیوون گلاب گیوون سبهاؤن کانفونسون ککھووں سے سب دھو،ون جانون برادریون اور فرقون میں آپس کا سیل بوهنا ،

<u>:</u>

ھ، رودرا ، يىدى يشمينو قاتبه .

बहीगर वाहिबा विल्डिङ्ग. ५१ महारमा गान्धी राइ, क्षांट बरबई.

ہاائگیر واقیا راتدیک اور الہ اللہ ہو الل

سددر لان سکویقوی هفدسته ای کلچو سوساکتی ا معرفاقی کا بهانی الله آباده .

नीय--धार्च हो के मेन्बरों का "्या दिन्त अंधि मालावण मा मन







March day others in



हिन्दुरतानी कलचर सोसाइटी का परचा

एडीटर—

बाराच≠र, भगवानदीन, मुचक्कार हसन, विश्व∙भ≀नाय, सुन्दरनान

अप्रेल ११४८

ः १ — हमारा राय	र०—श्रुष्ठ सिताबं	म एकता का पैरास्वर - डा० मेहदी हुनेन	•	:	:	:	५ - मा० सुहस्मर मिया मन्तुर अन्सारी-माई रतन लाल	प्र गान्धा जो म्रोर कस्तूरबा—भाई जीठ रामचन्द्रन	र—ा समुद्धा का सगम—पंडित सुन्दर लाल	\$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$	र 	१ - चस शा न्त के (कितता) - भाई मुजफ्कर शःह नहाँपुरी २: ६	•या किससे
40 40 40	.W 49 6	w. m 92	She	94	AL SA	AU (1)		\$\$ \$\$	200	. K		3:5	स्य

कीमत--हिन्दुस्तान मे छै रुपया साल, बाहर दस रूपया साल, एक परचा दस आन.

में रजर

'नया हिंद'

४-, बाई का बारा, इलाहाबाद

رد نيا مند "

هنداستانی کلچو سوسائتی کا پرچا

تارا چدد' بهكوان دين مظفر دسن بهميور فاقهه سندر الل

أيريل ١٩٣٨

AP.

TV1	۱۹۹۰ - هندو مسلم ایکتا کا پیغمبر – قاکتو مهدی حسین ۱۹۷۰ - ۱۹۷۰ - ۱۹۷۰ - ۱۹۷۰ - ۱۹۷۰ - ۱۹۷۰ - ۱۹۷۰ - ۱۹۷۰ - ۱۹۳۰ - ۱۹۷۰ - ۱۹۳۰ - ۱۹۷۰ - ۱۹۳۰ - ۱۳۳۰ -		Ç	م-دو سمندروں کا سنگم - پڻڌنت سفدر لال اور چندر ن الام ما- کاندھی جی اور کسٽوروبا - بھائی جی - رام چندر ن الام مارید جی اور کسٽوروبا - بھائی جی - رام چندر ن الام	چان ډوری رساند هويدي
ا ا سعماری رائے	9 - هادو مسلم ایکتا کا پیر 1 - کیبیء کتابین -	٧- مين نثى دلى گيا اور و	۵-مولادا محدد میان منصور ۹- پیار کی قیو (کهانی) -	 ۲ مرسده و سمندرون کا سنگم - پفتمنت سندر لال ۳ کاندهی جی اور کستموریا - بهائی جی - و 	ا آس شانتی کے (کورٹنا) - ا مسہاقما کاندھی کی جیوقہ

ایک پرچا دس آنے -

قيمت-هندستان مين چهه روييه سال ٔ باهو دس روزيه سال

ۇ اھنى منيجر

alsials & as & fire

श्रप्रेल '४८

नस्बर ४

जात आदमी, प्रेम धमें हैं, हिन्दुस्तानी बोली, नया हिन्द' पहुँचेगा घर घर लिये प्रेम की भोली.

उस शान्ति के उपदेशक का उपदेश है क्या प्यारा प्यारा

(भावे मुजफकर साहच शाहजहाँपूरी)

जो देख नहीं सकता था कभी इन्साँ से ये इन्साँ का भगड़ा ज्रो देख नहीं सकताथा कभी चोली से ये दामों का भगड़ा जो देखं नहीं सकताथा कभी हिन्दू से मुसलमाँ का भगड़ा कहता था वह हर हिन्दू हुसलिम भारत की है आँखों का तारा बस शान्ति के डपरेशक का डपटेश हैं क्या त्यारा प्यारा

أى خانى كى ئىدلىك ما يدى دوكا بالديلا أس شائن كم أيدليث مع أيدين الركيارا كمتا عما وه مرجدوم عمارت ك يواعمون كاعاما بجائ متغوصا حب شاهجال ليدى)

बर्मेब सन् '४८

डसको भी यही चिन्ता हर दम मिट जाय न इनकी हरियाली हिन्दू मुसलिम सिन्स इंसाई सब एक बमन की हैं डाली बिबिदान इसी से देकर अपना डठ गया भारत का मालो भाव इसती हर तलवार बने और फूल बने हर अंगारा

शुरत में दिये हैं हम सब को अजादी की देवी ने दर्शन इन हाथों की शोभा के लिये बन जाएं अब दोनों कंगन बह भारत साता के हाथों से दूटे गुलाभी के बन्धन आप देखो गुलामी का फन्दा फिर पड़ने न पाय दोबारा इस रान्ति व्याप्त डस शान्ति

जब प्रीत के सागर से घठ कर हर खोर घटा का जाएगी भारााचों की कोंचल फूटेगी और प्रेसलता लहराएगी काकारा से मोती बरसेंगे धरती सोना बन जाएगी हर एक के मन के सोते से फूटेगी अस्त की धारा

श्रीर कृत का रोगी कोई भी भारत माता का लाल न हो धन बानों की इठ धर्मी से बाब कोई मनुष कंगाल न हो बोरों की साहकारी से बंगाल के ऐशा काल न हो इस देश का बर बर स्वर्ग बने बूढ़े न मिले एक दुस्तियार। षस रान्तिवारा

بنده معلم سیکه عیسان سب ایک چین کی چی والی . اس کونتی بی چینتا بر دم مث جائے نہ ان کی ہمال بنیدان وسی سے دہے کہ اپنا ابھائیا مجارت ہم مالی اب والی ہم سکوار نے اور مجول سے ہر انگارا اب والی مر مودد استانی استانی استانی این استانی این استانی این استانی این استانی این استانی این استان این

یدت میں دستے ہیں ہم سب کو ازلوی کی دفیق نے دیشن وہ بھارت مانا کے باتھوں سے قوطے خان می کم بندھن ان پائٹوں کی متوبھا کے لئے بن مائیں آب دونوں کئن

اب دیمیوخلای کا بھندا بھر پڑے نہ یا ہے دوبارا اس شانتی جس کرسے اٹھی کرم آمد کھٹا بھا جا گئی جب بریت کے ساکرسے اٹھی کرم آمد کھٹا بھا جا گئی اکاش سے مول برس کے دعمق موٹا بن ص انے کی امرت کی دھالا

می وانوں کی مخفاد حوی ہے اب بوئی منٹی کوکال نہ ہو جدول کی سا ہوکاری ہے بھال کے ایسا کال نہ ہو اور چیوت کا روکی کوئی بھی بھارت اماکا قال نہ ہو اس دیش کا محم محم سملک ہے ڈھونڈھے نہ کے ایک تھمیا أس شائق

महात्मा गांधी की जीवनी

JAJGEB FL

मेह्नव्यास पड़ा. इनकी बुनियादी तालीम राजकेट में हुई पर इंद्रेन्स पास करने के पहले ही इनके पिता चल बसे और फिर माँ और अप दोनों हो थाँ. इंट्रेन्स के बाद कुछ दिन इन्होंने भाव इनकी माँने ही इन्हें बड़े जतन से पाल पोस कर बड़ा किया केट, बीकानेर वर्षेग्रह कई दियासतों में दीवान रहे. इनका नाम नगर में तालीम पाई पर इनके लोगों ने वालीम के लिये इन्हें साल की उम्र में ये विलायत के लिये रवाना हो गये। बड़ों ने बारिस्टरी पास करना ही ठीक समभ्य और सिर्फ सत्तरह चपनी माँ के बारे में गांधी जी जनसर कहा करते ये कि वह मेरी बिलायत भेजना तथ किया. यह खुद डाकुरी पढ़ना चाहते थे पर इनके [भाई गणेरा प्रबाद द्विवेदी] महात्मा गांबी की पैदायश २ आफूबर, सन् १८६९ के। रियासत पोरबंदर में हुई थी. वह करमचंद गांधी बक्त पोरबंदर के दीवान ये और बाद में राज-के सब से छोटे केटे थे. उनके पिता इस

کی عمر میں ہے دلایت کے لئے دواز ہو تکئے۔
مجا خدمی جی کی متنادی تیمو سال کی ہی عمر میں ہوتی گئی۔
ولایت میں ان کی بال ان کو ولایت جیمی کے خلان تھیں۔
ولایت میں گذشت ہوجاتا ہی۔ یہ آن کی ایک زجلی۔ اول (بعالی تین براده درده در) ماتا می دری کاریدائن سراکتور مولاهای در است بادرندری

क्षेत्रके बड़े सम्बंधियों ने इन्हें बिलायत भेज ही दिया. तो भी बलते बिलायत मे नांघी जी की शादी तेरह साल की ही उसर में हो चुकी इनकी माँ इनकी विलायत भेजने के खिलाफ थीं। **बनका ख्याल या कि बिलयात जाने से धरम** नष्ट हो जाता है. पर उनकी एक न चली. और ال سے بھے بھیدوں نے اکفیل والدی کا کا دیا۔ آری ملے

महात्मा गांची की जीवनी धप्रेत सन् '४८

शारिस्टरी पढ़ने लगे और बक्त पर उसकी सनद हासिल की. शक्ति रहते तक ये थियासीकी और ईसाई सजहवों की तक बड़ी सचाई के साथ पूरा किया. वह करोब चार साल इक्कलेंड में रहे. लंदन यूनिवसिटों के अंडर मेजुयेट होकर ये इनरटेंपुल में गोरत ऋौर पराई झौरत से परहेज, झौर गाधो जी ने इन सीनों के। ऋत चलते इनकी ने मां ने इनं से तीन वायदे ले लिये थे चौर वह ये शराव

अपि विसाउन्ट से, इनके व्यक्ति। और प्रेम के भाव और भी मज-इनके दिल पर बहुत पहले से असर कर चुका था. विलायत में वियासोकी और ईसाई धर्म गुरुकों के व्याख्यान से, खासकर सरमन में जन्म होने को वज्रह से सब जोवों पर दया और व्यहिंसा का साब मजलिसों में धकसर शिरकत किया करते थे. बैच्याव (जैन) घर

. अपनी तालीम पूरी कर जब ये भारत लौटे तो पता चला कि इसी यह घटना तो पहले ही हो हुका थी पर इनके बीच इनकी माता भो सुरलोक मिधार चुकी थीं.

जात से निकाल दिया. हालाँकि जारक आते ही बाजायदा शुद्धि बरोपह की रसम भी पूरी की गई थी. इनकी बिराद्री के धर्माचार्यों ने इनको विलायत जाने के श्रपराध में दुल हुआ श्रीर घर श्राने पर दूसरी मुर्सावत यह सामने बाई कि भेजना ठीक नहीं समक्ता था. इन्हें अपनी माता के। खेाकर अपार लोगों ने इसकी खबर इनके पास विलायत

इस काम में इनकें। धाच्छी सफलता नहीं मिख यही इन्होंने वकालत का सिलसिला जमाने की कोशिश की **पर**

> تھے۔ ولنسنو رہیں) تھریں جنم ہوت کی دھ سے سب جوں ہون اور اہنسا کا بھائے ان کے دل پر رہت کیلے سے افز کر تکا تھا۔ ولایں میں تھیاسونی اور طیسائی دھم کورو وُں کے ویکھیاں ہے۔ کی خاص کر مرس کان دی اؤزی سے ، ان کے اہنسا اور پر کم کے بھا و اور بھی مضبوط ہوئے۔ مودت بمی وی تجان می ماحته دیائیا. وه قریبه جار سال انگلینیه می ایرمود انتخاب با انتخابی می ایرمود انتخاب با ایرمود انتخاب با ایرمود انتخاب با ایرمود انتخاب با ایرمود با انتخاب با ایرمود با انتخاب با انتخاب با ایرمود با انتخاب خراب المحفت الديدان مورت عيدين الدين الديكة الديكاندي في إن ينون من ال كال عن وعد عد ك الله الا والح 128 Carlin

ال مو ال يو الحق سيمل منين. بل دال

दंक्सिम थी. संजोग से इन्हीं दिनों इन्हें पोरबंदर की एक श्रयंता सन् '४८

 से, जिस के एक पंच गांधी जो ख़ुद थे. पर इस लंबी पैरवी बहुत सं ऐसे दर्दनाक श्रीर शर्मनाक तजरबे हुये जिनका के दौरान में इन्हें बहां के गोर हाकिमों के साथ के शुक्रदमा श्रर्से तक चला, पर संज्ञोग कुछ ऐसे श्राये कि पूरे बीस साल तक रन्हें बाफ़्रीका में रहना पड़ा. जिस मुक़रमे की पैरवी के कार्फ़ोक़ा जाने का मौक़ा भिला और वह तुरंत चले गये. वह बह मुकदमा किसी तरह तय हुआ पर कचहरी के बाहर पंचायत लाम में दिलचरपी पैदा हुई जो आगे बढ़ती हो गई. आखिरकार इनके मबिकल मुसलमान ये और इनको सोहबत से ही इन्हें इस लियं गयं थे बह प्रेटोरिया नाम के जिले में महीनों चलता रहा सर फट गया था श्रीर लात घूंसें की चोट से उन्हें अंदरूनी टिकाऊ असर इनके भावुक हृदय पर पड़े बिना नहीं रह संका सुपरिटेंडें-र की बोबी बीच में न पड़ती तो गुस्से से अंधो गोरा पड़ी. एक बार तो यहां तक नौबत आई कि अगर पुलीस कई बार इनके ऊपर हमले तक हुए, उनकी जान स्वतरे में दौरान में उन्हें बहुत सं तबरबे ऐसे हुये जिनसे उन्हें मास्त्रम हो जनता उन्दें जान से भार डालती. तो भी ढेलों की मार से डनका बोट पहुंची थी. इस सब की बजह यह थी कि उस युक्कदमें के हर बहा हुणा था कि एक बिन्द्रस्ताची जानवर से भी बहतर समन्त हैं. तोरे काले का मेदभाव और क़ौसी बनंड इन गोरों में इस गया कि वहां के गोरे, हिन्दुस्तानियों पर कितनी ज्यादितयां करते दम्पनी के एक मुक़द्में की पैरवी के लिये दक्सिन

او قالتی قریمی و صیلوں کی مار سے ان کا مرجیت اسی جان ہے اور اس کا مرجیت این تھا اور اس کا مرجیت این تھا اور اس کا مرجیت این تھا اور اس کا مورون یوٹ بنجی تھی ۔ اس میں میں مورون یوٹ بنجی تھی ۔ اس میں میں مورون یوٹ بنجی تھی اس کا تھی کہ دیاں کے توریخ سے بھریت میں مورون ہوگیا کہ دیاں کے توریخ سے بھریت مورون ہوگیا کہ دیاں کے توریخ سے بھریت کا مانا جمید میا واورون کھنے کا ایک میں مورون کا میں مورون کھنے کے توریخ کا میں مورون کھنے کے توریخ کا میں مورون کھنے کا مورون کھنے کے توریخ کے توریخ کا میں مورون کھنے کے توریخ کا میں مورون کھنے کے توریخ ک مین افراقه می ایک کمینی کے ایک مقدے کی پروی کے لئے مقدم کا ور میں اور ایک کمینی کے ایک مقدے کی پروی کے لئے کا میں اور ایک کمینی کے ایک مقدمے کی پروی کے لئے کہ ایک کمینی اسلام کی ایک کمینی اسلام کی کہ کا اور وہ کوزن کیا گئے۔ وہ مقدم کا اور وہ کوزن کیا گئے۔ وہ مقدم کی بروی کے لئے کہ ایک کمینی اور ان کے کہا گئے کہ ایک مسلول کا اور ان کی مسلول کی کا اور ان کی مسلول کا اور ان کی مسلول کی کا اور ان کی مسلول کا اور ان کی کی کا اور ان کا اور ان کی کا اور ان کا اور ان کا اور ان کی کا اور ان کی کا اور ان کی کا اور ان کا کا اور ان کا کا اور ان کا اور ان کا کا اور ان کا کا اور ان کا کا اور ان کا کا 47 125 Bigs

ان مديدل مي اس هدرتها إوا تفاريك مندسال ما فديم بيري

काता वा व्यरि पग पर उसे व्यपसान कीर तौहीनी का सामना करना पड़ता था. गोरों कीर बिन्दुस्तानियों के व्यक्षग क़ान्न थे. इन बुराइयों के दूर करने के खिये गांकी जी अक्सर सभाकों में व्यक्तियान वर्णोर दिया करने वे जिससे वहां के गोरे इनके जानी दुरसन हो गये थे. वह मुक़द्मा खतम होने के बाद जब वह हिन्दुस्तान के खिये हुये तो वहां के लोगों ने इन्हें रोक लिया, अपनी सुनवाई काने और अपने उपर किये जाने वाले जुल्मों की रोक सम करने लिये. इस काम के लिये वह इनकी एक तनखाह भी मुक़र्रेर कर देना वाहते थे, पर गांधी जी

भा सकरर कर इना बहत थे. पर गांधी जी नेटाल कांग्रेस ने यह मंजूर नहीं किया. फिर इनके खर्च के

लिये यह इन्तजाम हुआ कि हिन्दुत्तानी कम्पनियां जम्म कर गहने मामलात इन्हों के सपुद किया करें, तब से य वहां जम कर रहने लगे और मई १८९४ में इन्होंने नेटाल इंडियन कांग्रेस कात्मम की. साथ ही वहां के हिंदुस्तानियों में सामाजिक सुधार का काम भी जोरों से वाल किया. रहन सहन सकाई तबदुक्तां, तालांम बगैरह में इनकी तरक्की के उपाय सुभवये. १८९६ में ये कुछ दिनों के लिये हिंदुस्तान आये थे और नेटाल के रहने वाले हिंदुस्तानियों पर किये जाने वाले अत्यावारों पर यहां के लोगों का व्यान सिवने के लिये देश में धूम त्रूम कर बहुत से लेकवर दिये और कहां खोटों छोटों कितायों निकालों. इन तक्करीरों की गालव और व्यक्ति खोटों छोटों कितायों निकालों. इन तक्करीरों की गालव और व्यक्ति खोटों हिंदाल के गोरों की मेंजी गई जिससे वह गांबी जो के जानी हुरमन हो गये और इसी का नतीजा वा कि जब धूम नेटाल कोटों से जावाज पर समका हुणा

تفاكرم بعدة تونال لوت وجازيرس أزع بئ أن يرتسله إوا

चौर सड़ंड पर ही डनडी खाल खींच ली गई होती, अगर उस गोरे पुलिस अफसर की बीबी ने इन्हें न बचाया होता. भग्नेत सन् '४८

करना इनका काम था. जिस लगन भीर बहादुरी से इस दुकड़ी पूर्ण हिंदुस्तानी वहां अमेकों के साथे में रहते हैं और उनके भान सतरे में बाल कर बायलों का डठाना और डनकी सेवा जतन बौर , खुद गांधों जी इस में शरीक थे. लड़ाई के मोचों पर अपनी हुआ। चौर गांची जी ने वहां के हिंदुस्तानियों के। यह राय दी कि में अंगरेजों का द्दाथ बटॉयें. उन्होंने बड़ी कोशिश से हिंदुस्तानियों की, एक टुकड़ी तैयार की जिसने लड़ाई के मोर्चों पर बड़ी दिलेरी का बराबर के हक चाहते हैं इस लिये उनका कर्य है कि इस मुसीबत गई और इसमें के कड़्यों के। बहादुरी के तमरो दिय गय ने काम किया था उसके लिये सरकारों तौर पर इसको तारीफ की काम किया. यह टुकड़ी खासकर एमबुलेंस का काम कर रही थी इसी बटना के बाद ही सन १८६६ बाला बुकर युद्ध शुरू

बे, परं कुछ ही सहीनों बाद आफ़ीका से फिर इनकी बुलाहट आर्रे होगा पर छनके साथ किर बही बर्तीब होने लगे जो इन्धानिवत का दिला पर्रीजे और हिंदुस्तान बालों के शाथ उनका बतोब अच्छा के वार्सिटियर पर उनके रुख में कोई तन्हीली नहीं हुई. बही पंबलेंस कार १९०१ में गांधी जी बम्बई लीटे और वहीं टिक जाना चाहते जी ने उम्मीद की थी कि उस लड़ाई के बाद अंग्रेजों की इतनी सबद करने के बाद भी हिंदुस्तानियो बात यह भी कि बुश्वर युद्ध में अंग्रेजों सब जुल्म किर ज्यों के त्यों दोहराय जाने

> بدلین آفری کی ف و نعین نه جایا ہوتا .
> اس معنا کے بعد ہی سوامیار وال میصرفرہ ہوا اور اور مول ید وی ان کی کھال عینی لی کئی ہوتی ، اگر اس کورے 39.50 EN 1816

مندستاتی دبال انگریزوں سے سائے میں دہتے ہیں اور آن سے مراب میں دہتے ہیں اور آن سے مراب میں دہتے ہیں اور آن سے مراب میں ایک مان کا فرض ہوکر اِس معیست میں انگروں نے وی کوئشش سے متاوستا ہوں التدعی می نے وہاں کے مہندستانیوں کو یہ دائے دی کہ چوں کہ

के लिये बेराफ उनका रुख बदला हुआ नचर श्राया था. इन बातों से गांधी जी का साथा ठनका. बुझरों को हार के बाद के बाहर कहे जा सकते हैं. हाँ जब तक लड़ाई बाल रही तब तक ट्रांसबाल में हिंदुस्तानियों की हालत पहले से भी स्तराब हा गई थी. बह फिर अफ्रीका लौटे और ट्रांसवाल के

भोगीनियन ह दियन की सियासी हालत सुधारने में लग गर्वे जाहन्सवर्ग नाम के शहर में डटकर हिंदुस्तानियों ·इंडियन श्रोपीनियन: नाम का एक श्र**खबार**

नामकी एक संस्था वहां क्रायम की. इसी बीच मशहूर अंग्रेजी **डन्होंने निका**लना शुरू किया और 'ब्रिटिश इ'डियन एसोसियशन' लेखक रस्किन के 'बनटु दिलास्ट' नाम की

और निहायत सीधे साहे रहन सहन के पुजारी किताब निकली जिसका अबदंश्त असर इनके विल पर पड़ा श्रौर तभी से वे सादी जिन्दगी

रस्किन का

हो गर्थ. क्षीतिक्स नाम के स्थान पर इन्हेंने इसी मकसद से एक भौर संस्था क्रायम की.

ं विरोधी नीति के सिलाफ लड़ाई लड़ते रहे. वहाँ 'ध्लेफ ऐक्ट की फिर सदुद की. इन्होंने घायलों का ढोने की एक टुकड़ी क्रायम काम किया. पर इन वार्तों का कुछ भी असर अंग्रेजों पर न हुआ। की और , खुद अपनी जान खतरे में डाल कर घायलों का उठाने का और १९०१ से लेकर १९१३ तक ये लगातार अमेजों को हिंदुस्तानी-बगावत खड़ी करदी और इस में भी इन्होंने जी खोलकर अंगेरेजों इसके इक्ष ही दिनों बाद अंग्रेजों के खिलाफ जुल लोगों ने

> کا اتضا تحفیکا افادون کی بارسے بعد ٹواکندوال میں ہندستانیوں کی اس بعد کا کندوال میں ہندستانیوں کی حالت کا کا ا حالت میلے سے بھی خواب اولونی تھی۔ وہ بھر افزانیہ کو مطے اور الانسال کے جانب دیکس نام سے خبریں و مطے مر انڈین افغانین میں میں ساتیوں کی سایسی حالت میم حالت میں حا A STATE OF THE STA 95.6 G. 18 18 18 18 18 (464)

اور ۱۹۰۱ سے مراوان کے لیا اور اگریوں کی بھوا کام کیا۔ پر اِن اِلان کا تھے بی الا انگریزمل پر ت اواء

क्षा कार्य १४ अत्र महात्मा जोषी की जीवनी अप्रत सर् थेट

(कार्बा कार्नेन) नाम का पंक कार्नेन या जिस के मुताबिक हर हों, जिन्हें रजिस्तार शादों के रजिस्टर पर दर्ज कर चुका हो, वही जानी जरूरी करार दी गई भी. एक दूसरे कानून से एशियायी लागों के लिये द्रांसवाल में घुसने पर राक लगा दा गई. एक तासरा बाबिरा हिन्दुस्तानी (काला) की डॅगलियों की अलामत (निशानी) ली से मराहूर हुआ जिसके फल से अपने बहुत से साथियों के साथ एक झान्दोलन शुरू किया जो आगे बल कर सत्यामह' के नाम क्रानून और पास हुआ था जिससे कि धिक ईसाइयों को शादियां पर तीन पाँड का एक टैक्स देना पड़ताथा. गांधी जी इनक टैक्स के खिलाफ भूख इड़ताल शुरू की. इन समों के भर्ती होने गांधी जी के। जेल जाना पड़ा. इसके बाद नेटाला मजदूरों ने एक खास जायच कारार दो जाने लगीं. इन सभों के विराध में गांधी जी ने जुलूस निकाल कर सबके आगं आगं चल रहे थे. वह इन से अलग क्षगी. इस खोकनाक जुल्म का असर हिंदुस्तान पर भी पड़ा श्रीर यह कर काम करने के लिये मजबूर किया गया, बहुतों का गोलियाँ भी करके निरम्तार कर लिये गये और बाक़ी सब के। के इं भार मार मुक्तरत हुआ, खाँर गांधा जी सय झाँर लीडरों के, बिना किसी रात इसके विराध में एक आदिलन शुरू हुआ. सारे हिंदुस्तान में इसकी स्मद्र को मजबूर होकर घुटने टेकने पड़े. एक जांच कमीरान हाडिंग में इस जुल्म के खिलाफ एक जारदार बयान दिया. जनरल हुना को 'गांधी-सद्भा पेन्ट' के नाम से मशहूर है. हिंदुस्तानियो के रिक्षा कर दिये गये. इसके बाद १९१४ में वह मशहूर समग्रीता जह सं सनसनी फैल गई था. उस बक्त के बाइसराय लाडे

(হৈছত

में लिया जाने लगा था. थी ही, सारी दुनिया में जनका नाम एक क्राविल लीडर की राकल स्रीर देश प्रेम की धाक स्नफ़्रीका स्रीर हिंदुस्तान में ने जम गई के साथ विताकर घर लोटे. इस वक्त तक उनको लगन, सचाई गीषी जी श्रपनी जिंदगी का एक भाग दक्खिन अफ़्रीका में कामयानी सिये हिंदुस्तानियों की सामाजिक सतह जेंची हो गई. इस तरह ३ पींड टैक्स वाला क्रानून रद कर दिया गया. हिंदुस्तानी शादियां नाथवा और कानूनी समी गई और कम से कम उस बक्त के की कास शिकावते रक्षा कर दी गईं: वह 'हाला क़ानून' और महात्मा गांघी की जीवनी अप्रेल सन् '४=

हिन्दुस्तान में स्व०. गोखले को गांधी जो राजनीति में अपना गुरु मानतेथे. इसी रवाना हो गये और पहले महायुद्ध के शुरू होने बीच उन्होंने पुना कि वह इक्कलैएड में सख्त बीमार हैं, ज्योर वह तुरंत इक्कलेएड के लिये

देखने के मिलेगी. हिन्दुस्तान की सरकार ने उन्हें कैसरे-हिन्द' सोने का समसा देकर उनकी ऋड़ की चौर जनता ने एक वावाच से उन्हें सगते ही जो शानदार स्वागत जनका हुआ जसको मिसाल कमा ही पर सजबूर किये गये. हिस्दुस्तान की समूची जनता के दिला में उनके हो चला था. लिहाजा सन् १८१४ के शुरू में वह हिन्दुस्तान लौटने लिये जगह बन चुकी थी और अपोलो बंदर में उनके जहाजके न कर जो सफत मेहनत की थी उसका खुरा अग्सर अन्न महसूस भर्ती में जुट गये. पर काम्नीका में डब्होंने अपनी तन्दुकरती की परवा व्यच्छे हो रहे थे भीर गांबी जी तुरंत वहां एक एंबुलेंस कार का के इन्छ ही पहले वहां पहुंचे. गोखले जी धीरे धीरे

> واقا تفافین مده و یا تمیا- بهندستان شاویان حایز دور قافی مای تین اور اور ای می می این از در می این ایستانیون می سیاحی اوشی این از در کا آیا - میماک و حسی افرایی بین کا تا این از در کا گاری این کا گاری میماک اور این اور این اور این اور این این کا گاری میماک اور این کا گاری کا گاری میماک اور این کا گاری ک كى خاص فىكائيس مى كردى كىي . وه اكالا قانون اور ما يعليب DEGGESSON

مونے کا فخو دیے کم ان کی قل کی اور جنتا نے ایک کا واز سے اٹھیں

20 m. . . . ?

बंप्रत सन् '४८

सबदूरों को बहुत सी शिकायतें थीं. वहां के खकसरों ने उन्हें नोटिस क्टोने बिहारके चंपारन जिले का दौरा किया. वहां के नील गोदामां के साबरमती में अपना सत्याग्रह आश्रम कायम किया, १६१७ में 'महास्मा' की पदवीदी. उन्होंने सारे देश का एक दौरा किया और देकर तुरंत बापस जाने के। कहा पर उन्होंने इनकार कर दिया श्रीर बांच कमीरान तैनात किया चौर उसके एक मेंबर गांधी जी भी बनाये डन पर मुझद्मा चला. पर विहार सरकार ने बीच में पड़ कर एक

गये. कमीशन की रिपोर्ट मखद्रों के मुक्सिक हुई.

आंदोलन चलाये जिनमें उन्हें कामयाबी हुई, अहमदाबाद की मिलों के मचहूरों के ऋगड़े को लेकर गांधी जी ने अपना श्रमची को लकाई में इसके बाद मजदूरों की हालत सुधारने के लिये गांधी जी ने कई उन्होंने एक आंरोलन चलाया. फसल नहीं हुई थी, कैरा चिले के मचदूरों और किशनों का पत्त लेकर पहला अनशन ब्रत (उपबास) किया. उसी साल बार सकाल पड़ा था. श्रीर गांधी जी की राय से

तक चलती रही और आखिर में सरकार का सुलह करनी पड़ी. १९९८ को कटवा कर लगान बसूल करना शुरू किया. यह लड़ाई एक असे किसानों ने यह दरखबास्त दो कि इस साल लगान माक्र किया जाय पर दिया. अक्तसरोंने किसानों केमवेशीयों को पकड़ लियाश्रीरखड़ी कसलों यह दरखास्त नामंजूर होने पर किसानों ने लगान देने से इनकार कर シャールレーレーン देहली बुलाये गये. यह सरकार को लड़ाई में मदद में बार कानफरेंस में भाग लेने के लिये गांधी जो

محمول نے ایک اندون علایا ۔ فسل نہیں ہون متی اکھوراکل لا است دی اور می اندون علایا ۔ فسل نہیں ہون متی اکھوراکل لا اور می اور می اندون سے کہا وں نے یہ درخواست انتظار کر اس سال میکان میاف کر یہ ہوئی اور میوسی فسلوں کو توالم کم کان دھوی فسلوں کو توالم کم کان دھوی فسلوں کو توالم کم کان دھوی کر توالم کم کان دور کا ایک موجب سک جلتی دی اور کا ایک موجب سک کی اور کا ایک موجب سک جلتی دی کا اور کا کان کی کان کے کان کی اور کان کے کان کی کان کے کان کی کی کے کان کے کان کے کی کی کی کان کے کان کے کان کے کان کے کان کے کان کے کان ک مئ اعدمن علیا ہے جی میں انھیں کامیانی ہوئی۔ ایک یادی فون کے مزمدہ کے گائی کا ایک ایک ایک کا ایک کا ایک کا ایک ک کے جوائی میں انگون کی ایک ہوئے کو سے کہا تھے جی کے ایک سیال کراضلے کے والی میں انگراضلے کے ایک سال کراضلے کے م مدد کے مزدور میں اور کی اور کی گئی کے مردور میں اور کی اور کی گئی گئی گئی گئی گئی ہے گئی گئی ہے گئی گئی گئی گ مهامًا الى يدوى وي المحول في رائد وليش كا أيك دُولة كما الدرائق الم والأين المنيون ل

व्ययंत सन् '४८

बह एक बहुत बड़ा ससविदा मि० मांटेगू के पास भेज चुके थे. इस पहले कांग्रेस-लीग की सुधारों के लिये मिलीजुली मांग के पच में भर्ती करने में लग गये. खाध कर कैरा चिले में उन्होंने बहुत जबदेश्त रिकृटिंग की. इस समय के

हैं. गांधी जी सान गये और तब से वह लगातार और आखिर तक बकरी का दूध सेवन करते रहे. ने बन्हें दूध पीने की राथ दो. मगर किसी बजह से उन्होंने दूध पीना पर इस बेहद मेहनत से उनकी तन्दुरुस्ती टूट गई और डाक्टरों ने उन्हें यह समक्षाया कि व्यापने गाय के दूध से छोड़ रक्ताथा. पर उनकी स्त्रीश्री मती कस्तूरवा परहेर्चाक्या है, वकरी का दूध तो पी सकते

३० जनवरी का नाथूराम बिनायक गोडसे नाम के एक हिन्दू की चलाई सन् १९१८ तीम बरस तक वह आजादों की लड़ाई जड़ते रहे. सन् १९१२ से गांधी जी की जीवनी में जिसका अंत १९४८ की हुई गोली खाकर मरने के साथ हुआ, लगातार

इस पहले महायुद्ध में लाखों हिन्दुरतानी अंगरेजों के खिये काम सारे हिन्दुस्तान ने अपना धन जन दे कर अगरेजों की मदद की युद्ध में जांम जो की जी खोल कर मदद की और उनकी सलाह से गांघीजो ने अफ़ीका के बुश्वर धुद्ध और जूल युद्ध में और फिर जर्मेनी समूचा जनता के विरोध पर भी यह बिल पास कर दिया गया. श्रीये, सारा देश कंगाल हो गया. पर इसकी कड़ के तौर पर अंग्रेजो बदनाम कानून के पास किये जाने के साथ हुई. हिन्दुरुगन की . इस लड़ाई की शुरुष्टात 'रौलट बिल' नाम के

SE SCELLE

م ين ما داول كلكال إليا ، يراس كا حد مع مود يراكليون جہ ہوتی کرتی کا دود صرمیون کرتے رہے ۔ مواقعہ سے کا تدمی می جون میں میں کا انت مہرا ا معرجودی کو القوار مراک کو سے امری ایک اند کا بادا میں ایک اور معرجودی کو القوار مراک کے ساتھ ہوا الکا ارسی برس می دو

किये बिना काम न चलेगा श्रीर यह उन्हों ने श्रपनी चिंदगी में कर के ने क्या किया—रौलट ऐक्ट स्नौर जलियान बाला बारा. बस इसके बाद से गांधी जी ने तय कर लिया कि इसे देश के। अंग्रेजों से बरी

करने में हम सचाई झौर कहिंसा से काम लेंगे और किसी की जान माल पर हमला न करेंगे, उसी साल २८ करवरी को यह हलकनामा निकाली जिसका सार्यश यह था कि वह (रौलट) बिल कागर कानून श्रोडायर नाम के एक श्रॅगरेज की जी अकसर ने जालियाँ वाले बात में सेकड़ों हिन्द, मुसलमानों तिलों को चिरवाकर, एक कवार में में बहुत बहुत लिखा, झौर घूम घूम कर बहुत से ज्याल्यान दिये. एक के नीचे खड़े होकर इस शपथ को दुहराते और उस दिन पूरी हड़ताज निकला. इसके बारे में गांधी जी ने यंग इन्डिया' नाम के बाखबार होही गई, लास कर पंजाब कीर असतसर में. नतीजा वह हुआ श्रीर क्रीम ने मांधी जी का साथ दिया. पर श्रहिंसा पर इतना जोर सनाई जाती घाँर प्रार्थना की जाती, घाँर जुल्म निकाले जाते. देश कि डायर नाम के उस जमाने के पंजाबी गवर्नर के हुकुम से माहकेल विये जाने पर भी जुलातों में कई जगह हुल्लड़वाची और मार कार सत्यामह दिन' मुक्तरेर किया गया. उस दिन सब कोग क्रीमी भड़े र करवरी की करेंने और इसके साथ हो ऐसे और कानूनों को उन्होंने सबसे पहले सारी कौम के लिये एक शपथ (इलक) रापथ तोड़ेंगे -जिन्हें हमारी कमेटी इस लायक समकेंग श्रीर साथ हो हम यह एलान करते हैं कि ऐसा बना दिया गया तो हम उसके मानने से इनकार

بان من مسيرون بندويم الله سيمون ويمواكر ايك تفادي

کام نہ جانکا اور یہ اکھوں نے اپنی زندگی میں کرتے ہی دکھا دیا۔ "انکوں نے سب سے کیلئے سادی قوم کے لکے ایک جینتھ (مکف) "کال میں کا ساؤلٹی یہ تھا کر وہ (رولٹ) بل اگر ڈالڈن بنا دیا گیا گو اور امرتسرین، بیخه بر بواکر فرایر نام سے آپ زمانے کے بیجان کھند مسلم سے ماقیکیل اوڈاپر نام سے ایک انگرز فرجی افسرے جلیان والے اللاندهاي في في كرايا كد إلى وليش كو الكريزون س برى كي بنا ف كيا كياسدوك أيك اورجليان والا بأخ . لي إى م بعد س

हंटर कमेटी की रिपोर्ट बहुत मुलायम लक्ष्यों में निकर्ला, जिसमें कौक्री अफसरों के जल्मों के। एक हद तक ढांक तोप देने की की शिश पर पहुँचे कि अब इनसे और बड़े पैमाने पर मोर्चा लेना होगा. तकरीरें हुईं जनसे घौर भी निराशा हुई. महात्मा गांधी इस नतीजे कसेटी' के नाम से सशहूर हैं. दोनों ने खलग अलग जांच की को गई थी. और विकायत की पार्ली मेन्ट में इस मामले पर जो कमेटी क्रायम की चौर एक सरकारी कमीटी भी क्रायम हुई जो हंटर जालियां वाले वास की करतृत की जाँच के लिये कांग्रेस ने एक अपनी बरोरह, जिन्हें खोज खोज कर ऋँगरेज सरकार ने सूर्ला पर चढ़वादिया. नौजवान काबू के वाहर हा गये जैसे भगतसिंह, चंद्रशेखर बाखाद पहुँची. तो सारी क्रीम भाषे से बाहर हो गई. गांधी जी ने वापनी पूरी ताक्रत लगाकर किसी तरह जनता को क्राबू में किया. फिर भी बहुत से खरे करका कर गोलियों से डड़वा विया. भारराल-का लगा दिवा गया का उपबास किया स्रीर सत्यामह सांदालन फिलहाल बंद कर दिवा था. गांधी जी कोइससे बेहर तकलीक हुई और उन्होंने तीन दिन पर जब इस हत्याकांड और करलेखास की खबरें सार देश में

मुसंबिम दुनिया का संसीका भी था. उस वक्त मोलाना राहित चली च्हूली व खिलाफत दिया. इस वंदत वह तुर्की साम्राज के भविष्य को आक्षाभंग (बा अदब हुक्स उद्नी) बाले मराहर आंदोलन के लिये बाझदब हुक्स हिन्दू सुसलमान दोनों ने एक होकर उनका साथ इसके बाद से महात्मा गांधी ने बहुत बड़े पैमाने पर सिवनय लेकर बहुत परीशान हो रहे बे. तुर्की का सुलतान जनता को तैयार करना शुरू किया और इसमें

بادب مح عددی و نیارگرنا خردع کیا اور اس می میشد ومسالان ودفن بادب مح عددی و نیارگیری کا ساتھ دیا۔ اس وقت وہ کمک خلافت سامراج سے مجدشتہ کوئے کہت پرلیشان ہورے

يقى بركى كاسلطان كم دنيا كاظيف مي كافيارس وقت مولانا متوكت على

429.50 9.50

كمور مرواكم موليون ست الدواديا . ارشل لا تكاديا كما تحا بكاندى بى

षप्रेंब सन् '४८

रहती. अब गांधी जी ने अपने असहयाग आन्दोलन का हो गई जैसी कि पहले कभी नथी. काश कि यह एकता क्रायम प्रोजास देश के सामने रक्त्वा. यह १ श्रागस्त १९२० से बाह्य किया ही किया. इस का कल यह हुआ कि हिन्दू-मुसलमानों में ऐसी एकत मान कर खिलाकत में हाथ बंटाने की राथ दो और हिन्दुओं ने ऐसा व शुरुभाद व्यक्ती जो 'बाली बंधु' के नाम से मशहूर वे, जिजाफत **षांदोलन चला रहे थे.** गांधी जी नेहिन्दुओं को **थ**पना निज्ञी ऋांदोलन

स्यात पेरा किया गया था कि श्रामा यह स्रांत्रोलन चालू किया जाय जिसके सभापति लाला जाजपत राय बनाय गये चौर इस में यही जाना तब पावा. कीमें स की एक गेर मामूली बैठक कलकत्ते में हुई

गांधी ने यह प्रस्ताव पेश किया था डसके प्रस्ताव का सारांश यह बा कि चूंकि बंगरेजी सरकार ने मुसलमानों के साथ बेइंसाकी की है और या नहीं. महात्मा गांघी की राय बहुमत से मान लो गई. खुद महात्मा

नहीं है ताकि इस तरह के जुल्म ब्राइन्दा न हो सकें. स्वराज हासिल पंजाब हत्याकांड के लिये जिम्मेदार जाकतरों का सजा नहीं दी इस क्षिये अपन स्वराज को झोड़ कर हमारे वास और कोई दूसरा रास्ता

विदेशी बीजों (क्षास कर कपड़ों) का वायकाट. सरकारी कचहेरियों

करने के क्षिये पहला प्रोमाम जो उन्होंने देश के सामने रखा वह बा

रखना, सरकारी जितानों को बापम करना स्कूलों, कालेजों बरोरह से कोई सरोकार न

कांके सी जेताओं से अर गयुं, यक नेता जोत जाने के प्रश्ले अपनी देना बरोरह. आंशेलन बोरों के साथ चल पड़ा. देखते देखते जेल कार्न बनाने बाली धारा सभात्रों से स्तीक।

> یں ہاتھ بڑا نے کی دائے دی اور وسکدوفل رے الیا ہی کیا۔ اِس کا یا برت د مهامانی دعی کا جونی و تحدیلی جو ملی بندهود کے نام سے متبور تھے، خلاف افدو کن چلارم تھے ، کاندھی جی نے مہدوؤں کو ایزائی اعدی بان کو خلافت

می کاف کر یہ ایستا قائم دمین ان کا مدی ہی سے ایت امریق اقدون کا معمول ولتی کے سامنے رکھا۔ یہ ارائیست ۱۹۰۰ سے

عالومی جانا ملے آیا ، کا گویس کی ایک خرمحدل بیشک کلکتے میں

مول جس کے بیمنائی قال لائیت ملے بنا نے کئے اور اِس میں کی

مول جس کی ملت مورت سے ماں ل می ، خود مما تا کا ندی سے کا کا مدھی کی ملت مورت سے ماں ل می ، خود مما تا کا ندی سے کا کرستاہ میشی کی ایمنائی میں مرابع نے انعمانی کی ہوار بجا بہتا کا بھی کرما د نے مسلمانوں می مرابع نے انعمانی کی ہوار بجا بہتا کا بھی

جل كالمليسي فيناأن س معرك . أيد نينا جل ما ف كعبطائي जाह पिन्ह कर सहस्या गांधी की जीवनी अप्रेस सन् केट जाता था खीर हम्मद से काम करने वाला दूसरा नेता नामजद कर जाता था खीर हम्मद से काम करने ने वे नेता वन गये जिनके हाथ में जाज आजार हिन्द की बीरा होरे हैं. इसे जादोलने की खास शते चहिसा थी. महास्मा गांधी की सख्त ताकीर थी कि वाहे लादी चार्ज, गोली चार्ज, कुछ खा हो, जसह्यका हाथ न चठावे. अजीव लड़ाई थी. एक तरफ बर्ता- खोर को छो, जसह्यका हाथ न चठावे. अजीव लड़ाई थी. एक तरफ बर्ता- खोर को घर भर काट हो हो गई. जसी नेता पर इतना जोर देने पर भर यह आंदोलन अहिसासक न रह सका, यानी को जा कर काट हो हो गई. उसी मौक पर इत्तक वाच बीर पर काट हो हो गई. उसी मौक पर इत्तक साथ थे. जनका जहाज जब बंवई के बंदर पर लगा ता गांधी जी ने विलायती के कपदों की एक विराट (बहुत बड़ी) होली चनको अग्रवानी में. जवाबाई, पर इस मौके पर बंवई में दंगा हो गया और फिर मोरखपुर चिले के वीरीवीरा गांव में बढ़े पैमाने पर बुट-मार और जाग्यनी हो गई.

गांधी बी के इन बेतों से फिर बेहद तकलांफ हुई. उन्होंने सेमफ लिया कि जिस तरह का संत्याग्रह और असहयोग वह चाहते हैं उनके लिये अभी देश तैयार नहीं है. उन्होंने इसे अपनी हिमा-अपनी असम के शुद्ध करने के लिये ए दिन का उपवास भी किया. 'अपनी असम के शुद्ध करने के लिये ए दिन का उपवास भी किया. 'इ मार्च १९२२ को वह सांबरमती आश्रम में शिरशतार कर लिये 'गर्थ और उन्हें ६ बेरस की केंद्र अख्या दी गई. वह सन् २४ की जन

الما المحدي موان الول سر محراس المحدث الوق المحول المحدث المحدث

बहाँ उनके। एपेंडिसाइटिय का अपरेशन हुआ विसको बाद वह रिहा कर दिये गये.

इन दिनें हिन्दू मुसलमानें में ना इराफाकी बहुत बढ़ रही थी और इस के लिये तरशा के तौर पर उन्होंने दिल्ली में पहला लंबा उपवास किया. उसी साल कांग्रेस के वह सभापति बनाये गय. गांभी जी को जब पका गकीन हो गया कि देश व्यहिंसा के साथ सत्यापह को लड़ाई के लिये सभा तैयार नहीं है ता उन्होंने उसे मुलतवी कर रचनात्मक कामों की तरक ध्यान देना ग्रुक किया. कांग्रेस की एक पार्टी कौंसिलों में शिरकत करना चाहती थी और, ने खादी के प्रचार, नशास्त्रोरों बन्द कराने ब हसी तरह के स्पीर और भीर खुआ क्र दूरकर 'प्रकृत कहलाने बाले लोगों को हालत सुधार रने को स्पार गांभी जी ने सब से ज्यादा ध्यान दिया.

सन् १९२७ में मशहूर साइसन कमीशन हिन्दुस्तान में आया. इसका मकस्त था कात्नी सुवारों की अगली क्रिस्त हिन्दु-स्तान के देना. इसमें हिन्दुस्तानी कोई नहीं था साइसन कमीशन इस लिये, यह सकेंद्र कमीशन' (All white commission) के नाम से मशहूर या बदनाम

देश में बरोजना बहुत फैल गई-श्रीर जनता में जातीयता श्रीर देश-प्रेम की भावना दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ चली. १६२८ में यह हुआ। आरीर सारे देश ने इसका वायकाट कर दिया. इसके आने से मानामा हिन्दा तक कार्या की कार्या के बता रहता न वह निर्माण वह निर्

The state of the s

ان وق م دور المؤل المواق المواق المؤل المواق الموا

वर्षेत सन् १४८

नीचे बागयं झौर पूरी तैयारी के साथ फिर से झसहयाग आंदोलन कौंसिल पसेम्बली बर्गरह से बाहर झाकर महात्मा गांधी के मोडे के हर फिर से बांदोलन जारो किया. कांग्रेस फिर एक होगई. सब लोग थगले साल कांग्रेस ने पूरी स्वतन्त्रता वानी पूरो व्याखादी की मांग पेश बही हुआ जे। होना था, यानी कांग्रेस की मांग दुकरा दी गई और स्टेटस नहीं मिलता तो कांग्रेस फिर बांदोलन जारी कर देगी. पर श्रीर यह आहिर कर दिया गया कि इस बीच झगर डेामीनियन डपनिवेशी स्वराज की मांग पेश की ब्यौर सो भी साल भर के खंदर.

भीर हैंचारों भाइसियों से जेल भर गये. इस मीके पर लंदन में पहली तक के लिये तक्करबन्द रक्त्रों जाने लगे. पर आंदोलन चलता रहा इसके पहले हो वह गिरफतार कर लिये गयेखीर एक खनिश्चित समय बालो नमक के सरकारी गोद्दाम पर धावा बेलाने का नेटिस दिया पर बायसराय के। पहले ही वे विया गया था. इस के बाद उन्हों ने घरसाने श्रीर इस तरह क्रान्न तोड़ने का रस्म पूरी की इस काम का नोटिस बन्होंने बाक्षायदा सबुन्दर के किनार से अपने हाथ से नमक **उठाया** सावरमते काश्रम से समुद्रटत को तरक नमक निकालने के। चले. वह रिट्रें के १२ मार्च १९३० में महात्मा गांधी इन्छ चुने हुये भक्तों के साथ मार्च' के नाम से मशहूर हैं. एक महीने का पैदल सकर कर वह दांडी पहुंचे और ६ अप्रैल का नमक पर से सरकार का अकेला कब्जा या एका-धिकार ताड़ना चाहते थे. उनकी यह यात्रा 'दांडी

राजंड टेबुल कानफरेंस हुई और वह तय हुआ कि जगली गालमेंज

میندینی مواج کی بانک پیش کی هدمونجی سال ہم کے انعد-احدیثظام کودیا گیا کہ اِس بیج آگر فورشین اسٹیٹس میں طنا

انعان الم سے متود ہو۔ ایک مین کا بیال مو کو منطق اور اس میں کا بیال مو کو کا تعدد کا بیال مو کو کا تعدد کا بیال مو کا تعدد کا کا تاریخ کا بیال مو کا تعدد کا بیال مو کا تعدد کا تاریخ کا کا تعدد کا تاریخ کا تاری وسمع يد لندن في سيل الفيري لل كالقراش العلى احديد المع الماكم اللي الله

भ्रप्रेल सन् '४८

सप्नू और डा० जयकर ने इसमें खास तीर से भाग लिया. २६ नाम का बह मशहूर समभौता हो गया जिसके मुताबिक कांग्रेस ने **बांदो**लन उठा लिया ब्बौर सरकार ने द्रमन नीति के। बन्द करने का जनवरी सन ३१ के। गांधी जी झोड़ं दिये गये और गांधी-कारविन कानफ्रेन्स में हिन्दुन्तानी प्रतिनिधि भी रक्से जायें. सर तेज बहादुर

आंन्दोलन चाल करने के लिये उन्होंने बाइसराय से मिलकर कुझ कांग्रेसी नेता जेल में भी भेजे जा चुके थे. पर फिर से नहीं जा रही थीं. शिकायतें दोनों तरफ से थीं श्रीर इसी बीच लौटे तो उन्हें पता चला कि गांधी-ब्रारविन समम्मीते की शर्ते वरती बह जेल में भेज दिये गये सामला तय कर लेना चाहा था, लेकिन वाइसराय ने मिलने से इन-पड़ा. लंदन में बहुत से जैंग उनके भक्त हो गये. अन् ३२ में जब बह कार कर दिया. यहाँ तक नहीं, आंदोलन शुरू करने के पहले ही गोलमेच सभा इसके कुछ दिन बाद गांधी जी दूसरी गोलमेज सभा में लंदन गये. कायदा नहीं हुआ। मगर उनके लंदन में रहने की गोलसेख कानफ्रेन्स में भाग लेने से कोई खास बजह से वहाँ के लोगों पर उनका बढ़ा आसर वह कांग्रेस के प्रतिनिधि के तौर पर गये पर डनके

मुस्समान, भौर हिंदू:मधूतों में सदा के लिये फूट बाल देने के साहब ने सारे खुराकात की जड़ वह कम्यूनल अवार्ड बाला कानून कम ताबाद बालों के हितों की रचा के लिये पास किया. हिन्दू-वह जेल में ही ये जब कि बर्तानिया के बड़े बजीर मैंकडोनेल

> کانفرنس بین برندستان بدتی ندهی بی ریک بیلی مربع بهادربرد افد واکم جیکر نے اس بی خاص طورے بھاک کیا۔ ۱۹ جنوری مراسکہ کو کاندھی می مجود دیا کو میں ان سے ساک کیا۔ ۱۹ جنوری مراسکہ مجھوٹا ہوئیا جس کے مطابق کا کمیس نے اندول مجھا یا اور مرکام نے اور اندول مجھا یا اور مرکام نے اور اندول مرکام م كو كاندهي عي جود وك الله الدركاندهي الطيعانام كا وه مخبور

اس کے مجمد دن جمد کاندی ی دومری کول نے جما میں دونوں کے انتخاب کے انتخاب کی دومری کول نے جما میں دونوں کا انتخاب کے انتخاب کی انتخاب کی

مین والدیاری نے ملے می انکار مروبا اس می ہمیں الدی الدی ترویح مدے کئے۔
موج مرت می جلے جی وہ میل میں جمع دی گئے۔
موج میں جی جی جی میں مدید مطالب می جن وہ میوں اوارڈ وال تا ہوں میں مراسی مراسی میں موال میں مراسی میں موال میں موال میں موال میں موال دی میں موال میں موال دی میں موال میں موال میں موال میں موال دی میں موال دی میں موال میں موال دی میں موال موال میں موال میں موال میں موال میں موال میں موال میں موال موال میں موال میں موال موال میں موال میں موال موال میں موال موال میں موال موال میں موال میں موال میں موال موال میں موال میں موال میں موال میں موال میں موال موال میں موال موال میں موال میں موال میں موال میں موال میں موال میں موال موال میں موا

THE WAY

डठा लिया. धीरे घीर वह राजर्नति से बलग भी हो गये. गांधी जी इसके बाद रिहा कर दिये गये और उन्होंने सांदोलन हिंदुमों ने हरिजनों को मंदिरों बरोरा में जाने से रोक डठा ली. पूना में सभा कर हरिजनों को हिंदुओं के अंदर शुमार किया और सरकार ने जम इसे मान लिया तभी उन्होंने उपवास तोड़ा. स्रातमा कर देने को ठानी. पर कांग्रेस झौर हरिजनों के नेताधों.ने गुजरा स्त्रीर उन्होंने जेल में ही डपशास करके सपती जिन्दगी का के लिये यह तजवीज थी. गांधी जी को यह सुन कर बेहद सदमा व्यलग साने गय. हिंदुकों का बहुमत और उनकी ताकत तोड़ने लिये यह बेडोड़ शैतानी चाल थी. ६ करोड़ श्रक्त हिंदुओं से

स्तीका देने पर मजबूर हुय। ओ इनकी राय के खिलाफ कांग्रेस के सभापति बना लिये गये थे था यह तब बखूबी साबित हो गया जब कि सुभाश चंद्र बोस गई. कांग्रेस में श्रीर उसके बाहर बनका श्रसर कितना ज्यारा तन्दीर्ली की खरूरत हुई तब उन्हीं की राय माननी खरूरी समभी अपनी बजारतें क्रायम की. मी. पो. को बजारत में जब एक **डनकी राय से कांग्रेस ने नय विधान के मुताबिक स्**वां में फिर सवाल बाजाता था तो जनक सिवा दूसरा नहीं सुलक्षा पाता था. बंद कर दिया था पर खास मीकों पर उनको राय के जिना कांग्रेस का कोई काम न चलता था. जब कभी कोई खास उलफन त्रर हालाँकि गांधी जी ने ज्ञाम तौर से राजनीति में हिस्सा लेना

समम्बीया हुआ। या जिसकी रातें वह (राजकोट के राजा) सन् १९३९ में राजकोट के राजा और सरदार पटेल में एंक

مجویته می . گازهی می تو بیمن کمر نے عدر معدم تردا اور بھول نے اس کا تام کا کار میں بھا کم مرکزیوں کے میں اور سرکا اور موال یں دیکوت کے اباط اور مرواد بیٹی یں ایک مجوی اوا تھا۔ میں کی فرطبی وہ (راجوٹ کے راج) عام میں ، سی بی کی تعدیارت میں جب ایک بیدی کی صورت ماری سے انجنس کی ماری مائی ضروسی جبی کئی کا کاری میں اور میں سے باہم میں کا افراکتنا زیادہ تھا یہ سب بجد کی ابت بادی جن کو سوجیات جذب ہوں، جو ان کی والے کے مال ب کا کاری انغوں نے ایواس قرفا، متعدول نے ہرجوں کو مندروں وقیرہ میں جانے سے روس اٹھالی کا دھی جی اس سے بعد رہاکردئے میں کفوں رائے یہ بے چوٹر نشیطانی جال تھی۔ ہو کوپٹر اچھوت ہتعاول سے الکت اپنے کئے۔ ہندوئل کا موضق اعدادان کی طاقت توڑتے کے گئے ج 了一种的人的 我不知道的 مهاتا كاندعى كي جيوني

महात्मा गांधी की जीवनी जात्रील सन् '४८

पूरी नहीं कर रहे थे और इसी मामले को राजकोट बाला लेकर गाँची जी ने फिर उपवास करके जान अपवास देने की ठानी. वाइसराथ के बीच-बचाब करने पर ही यह उपवास उन्होंने तोड़ा. मामला फिडरल कोर्ट के बड़े जज्ञ के सुपुद किया गया और उन्होंने गांघी जी के सुकाफिक फैसला किया. पर इस फैसले से गांघी जी को सिर्फ इस लिये तसल्ली नहीं हुई कि इसे उन्होंने अपनी जान

भनसूख कर दिया।

श्रूष की दूसरी बड़ी लड़ाई श्रुरु होने के साथ ही गांघी जी

श्रूष की फिर राजनीति के मैदान में उत्तरना पड़ा. लड़ाई के मक्कसद

(War sims) के मामले को लेकर कांग्रेस ने

देने की बमकी देकर हासिल किया था और इसमें हिंसा

(बोर, बनरवृस्ती) भा गई थी. लिहाचा उन्होंने यह फैसला

हसरा महायुद्ध बचारतों से स्तीका है दिया. बतोनिया हस लड़ाई में भी हिंदुस्तानियों से उमी मदद की उम्मीद करता था जो उसे पहली में मिली थी. पर लड़ाई जीतने के बाद हिंदुस्तानियों के साथ अमेची सरकार जिस तरह जीतने के बाद हिंदुस्तानियों के साथ अमेची सरकार जिस तरह पेश आई थी उसकी याद अभी तरोताचा थी. रौलट एक्ट. जील-वाला बात, भगतिसह वर्गेरह की फांसी को हिंदुस्तान कमी नहीं भूल सकता था. हिंदुस्तान के लाखों बहादुर नौजवान खेत रहे. सारा देश दाने दाने का मुहताज हो गया, पर इस बेमिसाल बकादारी के एवज में क्या इनाम हिंदुस्तान को मिला ? कांमेस को इस इन्हा इन्हा देने की कोसिस जिस यह अभी सर म

المحلوث ملا المحلوب الموسى ال

لدوب في دوري برى الوال حروج او س س ما تل بي المول مي متصد يو المال مي متصد المول المال مي متصد المول المول

دوسامایم ن دوایق سے استفادے دیا۔ برطانیہ اس دوال میں میں جندستانیوں سے مسی

पर अभेजों का यह मंजूर नहीं था. किर भी तरह तरह के लीडरी से अलग हा गये. बन्होंने क्यांदोलन को फिर मुल्तवां कर दिया और खुद कांग्रेस की श्रीर सिर्फ बही जेला खाय. तो मी १६४१ तक सैकड़ों. हजारों की तादाद में खास खास लोग जेल चलेगये. गांधी जी को स्ताराथा कि कहीं फिर न दंगा कसाद हो जाय. इस ख्याल से श्विलाक प्रवार करने का हक जायज करार दिया जाना चाहिये, खास कांग्रेसी को गांधी जी इजाजत हैं सिर्फ वही सत्यामह करे सत्यामह शुरू किया. पर इस बार यह नई वात रही कि जिस लड़ाई में भेज ही दिया. इसी मौके पर एक बार फिर कांग्रेस की बीडरी गांघी जी का अपने हाथ में लेनी पड़ी. उन्होंने फिर लालच रेकर उन्होंने इस सुल्क से बेसुमार जवानों को भर्ती कर तोषों की ख़ुराक बनने के लिये भारत झब तैयार नहीं था. गांधी ज इस बात पर अन् हुये थे कि आहिं मा के तरीकों से लड़ाई के ठीक जबाब न मिलने पर कांग्रेस ने स्तीका हे दिया. जमेनी की मानें ? इसके जीतने से उनका क्या कायदा होगा ? इन बार्तों का हैं ? बह किस मामले को हल करने के लिये तड़ाई लड़ रही है ? हिंदुस्तानी इसमें क्यों शरीक हों ? वह इस लड़ाई को क्यों अपनी सद्द देने से पहिले यह पूछा कि नंगेच सरकार के सकसद क्या ख़तम कर रंने की कोशिश. इन वजहों से कांग्रेस ने आता करार देकर कांग्रेस को और क्रीमी एकाई को सदा के लिये बस सके. दूसरी कोशिश वी वह कम्यूनल एवाई और हरिजनों को

फिर जब जागन लड़ाई में क्रा और अमे जो व अमरोकियों

يمرجب جايان الزائ عي كوها احد الكريزها وامريجيون

قراد دسکو کا تکریس کو اعد قدی اکلان کو سال کے مطر متم کردیے ک کوکشتش، إل وجول سے کا تکریس نے معدد سے سے اپیلے یہ ایجیا الماسك. ودميري كالشنش مي ده كميدل اطارة اور برينون كو الك

षकों भी. फिर से समम्बीता करने के लिये विलायत के मराहर को कोई भाग न लेना जातियः जनकी राय थी कि सार्प हिंदुस्तानी क्षगाये उन्हीं की बजह से सममौता न हो सका. जो हो, किप्स साहब बापन गये. आजाद हिंद के नेता जी सुभारा बोस कई हबाई महले हाने लगे थे. उधर सुभाश बोस की आजाह हिंद कीज बर्मो में कांग्रेखों के सिलाक लड़ रही थी. अजीब जी नहरू जी सरदार जा क्येंग्रह खास खास लीडगें से न्यूड खूड कार्ते हुई, पर आखिरकार, सब केशर! कोई समभीता न हो सका. कुछ लोगों का एयाल है कि जिल्ला साहब ने जो अड़ंग चुके थे. यह बहुत से सुभावने प्रस्ताव लेकर यहां पहुँचे. गांधी राजनीति के पंडित सर स्टेकोड किप्स साइज तरारीफ लाये. यही भार रेबियो पर से यह राथ दे चुके ये कि समझौते में कांगे स बह हजात थे जो रूस को खंबे जों के हमराह करने में कामशब नियों का सड़ना उनका फर्क हैं. कलाकत्ते तक जापानियों के करने था रहा है चौर अपने घर बार को रहा के लिये ही हिंदुस्ता-चारहा है. चर्म जों का कहनाथा कि वह हिंदुस्तान का मटियामेट करें. जापान का कहना था कि वह हिंदुरतान को ज्ञाचाह करने **बेना चाहि**ये ताकि यह त्रयमी खड़ाई समक्ष कर. दिलो जान स किसी तरह मान कर, इन्हें ख़ुरा कर लड़ाई के लिये नैगार कर तब अंगे जो ने यह महसूस किया कि हिंदुस्तान की रातें। को को बेहर नुक्रसान पहुँचाता हुआ। बसी तक फतह करता हुआ। भावा व्यपनी ज्ञान साला की पूरा ताकत लगा कर दुश्मन का मुकाबला थे और इनको चाल अगर न चलती तो अभेज खतसहो

こうしていることのできることになっているというできることできることできます。 アイングラインのはいかない

यहाल्य गांधी की जीवनी

चत्रल सन् '४८

नहीं लेना चाहते थे. जी ने ठाक नहीं सममा. बह हिंसा या मार कृष्टि करके आजादी की बाहर निकाल कर सबी आजादी हासिल करें, पर इसको गांधी काष्याएं हिंद कीज का साथ है कीर एक फूक में यहां से कंजे जो

बाला नारा बुलांद कर बड़े खोटों से फिर से आंदोलन शुरू कर 'भारत झोड़ो" की बैठक बंबई में हुई जिसमें यह तय पाया इसकी जगह पर उन्होंने "किट इरिडया" या "भारत छोड़ोग कि कांग्रेस की मोर से गांधी जी बाइसराय दिया। सन् १६४२ में कांग्रेस की एक मार्क

आतास सब लोडरों को पकड़ कर जेल में ठूंस दिया यह आजादी के लिये गांची जो की आखिरी लड़ाई थी जा काम-सुकाबला करने को तैयार नहीं थी. उन्होंने तुरंत गांघी जी और सास सन शुरू किया जाय. पर अपने च सरकार कोई दूसरे आंदोलन का ज्ञागर ज्ञाजादी नहीं मिलती है तो बड़े पैमाने पर ज्ञासहयोग कोंदो-से इस सामले पर बात चीत करें ऋीर इसके फल से भारत को

लिसः बीकी सुसलसान्से के अन्तर बहुत बहु झैसकी पर मार काल हुई जिसकी पुषल मची जिसकी मिसाल सन् १८५७ बाली आजारी की पहली "अगस्त सन् पर नेताचों के पकड़ जाने के साथ ही सार देश में वह ज्यल खलवा कहते हैं) से ही दी जा सकती है. सार देश में बहुत जगह दंगे हो गये और देश के सभी बारिंदे इस लड़ाई में रारीक हा गये. सिवाय मुस-लड़ाई (जिसे श्रंगेज सिपाही न्यूटिनी' या

> المود الله وي ما سائف وي اور أي بعديك ين بمال ع ひだひびふをとい こうこ

الکرزوں کو بار کال کری اوادی حاصل کری و پر اس کو کو کر کے کر کے کا کہ اور کا حاصل کری و پر اس کو کا کہ کو کر کے کا کہ اور کا حاصل کری و پر اس کا کہ ک

سول يرسولون سرايون سى برت يوسيرات يرماد كال يول يول يول

खास लाडगें को जेल के अन्दर बंद कर दिया घार हजारा श्रादिमयों निहायत बेरहमों के साथ इस आंदोलन को दबाया और सब खास थी, पर जनता ने डनके इस फैसले का नहीं साना सरकार ने सारी जिन्मोदारी अंग्रेज सरकार कांग्रेस के ऊपर रखना चाहर्ता नगर के किले में बंद किये गये थे. इस उपवास के मौक्ने पर में नचार बंद रखे गयं थे. नेहरू जी वरीरह बाक़ी वड़ नेता ऋहमतृ दिन का उपवास किया. उन दिनों वह आरा। स्नाँ साहब के महल को उनके सिपाहियों ने ग≀ली से उड़ा दिया. गांव के गांव जला **दिये गये. इन वातों से दुखी हांकर गांधी** जी ने जेल में २१

इन दोनों बातों का कितना सदमा गांधी जी पर गुजरा होगा, ४ **करवरो सन् १९४४ में इनकी खी-**-माता करतूरवा भी स्वग सिधारी सेक्रेटरी) थे झौर जिन्हें यह श्रपने पुत्र के समान मानते थे. फिर पहले तो महादेव देसाई चल बसे जा इनके खास मुंशी (प्राइवेट क़ैद की ही हालत में गांधी जी को हो सख्त सदमे गुजरे.

श्रागे बात चीत हो सकती है.

अपना वह अगस्त सन् ४२ वाला आंदोलन वापस ले ले तभी क्तिये भी तैयार नहीं थी. डसका कहना यह था कि कांग्रेस पहले क्ख दुहराने का मौक्रा मिल सके. पर सरकार दो में से एक के

सारी दुनिया ने अप्रेकों पर द्वाव डाला कि गांधों ज़ी तुग्नत

ब्रोड़ दिये जांये, पर उसने नहीं माना. उनको जान खतर में थी. जनता की मांग यह थी कि या ता सरकार एक खास श्रदालत

में कांग्रेस के ऊपर मुक्तद्रमा दायर कर या गांधा जो वर्गेरह को

द्युरंत रिहा कर दें जिससे इस बदलों हुई हालत में उन्हें ऋपना

ال دولول بالون كا تتناصدم كا تدى في بد كروا المكاه

महात्मा गांधी की जीवनी

जो बिना किसी शत के छाड़ दिये गये. उनकी तंदुकरती बहुत खराव हो चलो थी चौर इसी वजह से वह छोड़े गये. इसके बाद इसका श्रंदाका करता कठिन है. खेर, ता ६ मई. १८४४ में गांधी अप्रेल सन् '४८

शिमका कान्फरेन्स 'शिमला कान्फरेन्स' हुई जिसमें फिर से वही फिर सभी नेता छोड़ दिये गये खौर वह मशहूर

बह श्रइंगा डाल दिया जिसकी बजह से यह कान्यरेन्स भी कांसयाब न हुई. पर अंग्रेंच सरकार मानो आचादी हेने ही पर तुल सब पबड़े डठांय गयं. जिन्ना सहब ने फिर गई थी. केबिनेट मिशन नाम से तीन भले अंग्रेख

केविनेट मिशन लार्ड पेथिक लारेंस, एलंगजेंडर और तीसरे 'बही' किएस साहब फिर ब्याये ब्रोर तीन महीने

बाहते थे जिसे इस मिशन ने रद कर दिया था. पर दंश का से इसे भी पूरी कामयावा नहीं मित्ती. जिन्ना साहव पाकिस्तान लगातार बैठकें होती रहीं. पर जिन्ना साहब के श्रङ्गों की वज्ञह

और अनकी जगह लार्ड माउन्ट बेटन बाइसराय होकर आये जो स्तान हो ही जाय. लार्ड बेबेल यकायक वापस बुला लिय गये बटबारा कुछ इस तरह का बना दिया था कि इक्लोकत में पाकि-

ने गांघी जी से राय लिये बिना ही मान लिया. इसमें हिंदु तारीखा के एक दिन पहले तक गांधी जी ने कहा था कि बँटवारे नई तजनीज तैयार की जिसे नेहरू सरकार और कुपलानी जी स्ताम-पाकिस्तान इन दो हिस्सों में देश बांट दिया गया था. इस इन्होंने फिर से कोशिश को भौर एक महीने के अंदर हो एक

ال كا اندازه كرنا كلفن الحريد المناياء مى مهم الا اين كا فدهى جي المعطى الحريد المناياء مى المهم المعطى الحريد المناياء مى المهم المناياء مى المناياء 12. 8 C. C. C. S. S. C. C.

जी को बेहद सदमा हुआ और दिर्-मुसलमान की एकहि के लिय अपनी पूरी जान लड़ा होने को बह तैयार हुये, वह कई महीने देते रहे. किर बिहार आहे के का बह तैयार हुये, वह कई महीने देते रहे. किर बिहार आहे हिस्-का काम सीपा गया. इन्होंने कुछ इस तरकीय से सरहद की लाइने देते रहे. फिर बिहार क्योर फिर बलकता में एक क्यरों तक टिके रहे. खोचों जिससे आयेदिन मागड़े होतेही रहेंगे. इन बातों से गांधी-१५ व्यवस्य सम् ४८ को बाकायदा हिन्दुस्तान और पाकिस्तान के ज्लकता, नोश्राखालो वर्तरह का तरह दंगे न हों. पर इससे नेहरू जी बरौरह ने इस किये इसे मान लिया था कि जिससे को हिंदुस्तान खौर पाकिस्तान की सरहद बनाने बार रेडक्लिक साहब नाम के एक अंग्रेज खोर झमी तक होते ही जा रहे हैं. बंदबार के कहीं बड़े पैसाने पर दंगे बंटवारे के बाद हुथे

ميداد الغول في إله م كالماس عيده علية م جي إلهاس ك ذيه الخاذجى بى جنده اورکھيول كابدكرلينے سے منع كرتے تھے۔ احدائ مما عے كا كر 32. 56. 500

हिंग हान कर रहा था. गांधी जा हिन्दू और सिखों के। बदला लेने

्सरहृद से लेकर दिल्ली तक सारा उत्तरी हिन्दुस्तान सार काट से

में बहुत बड़े पैमाने पर मार काट हो गई. गांधी जी दिल्ली पहुँचे. बहुत बड़े पैमाने पर जलसे हुये. पर उसके कुछ ही दिनों बाद पंजाब

१५ बगस्त सन् ४८ विधान सभा के सभापति बाब राजेद्र प्रसाद

त्राजादों मिली. नेहरू जी ने और

जो वरीरह ने बाक्तयदा बार्ज लिया. सारे देश में

से मना करते थे. झीर इसी मामले को लेकर एक बार उन्होंने

डपबास भी किया इससे पहले वह कलकत्ते में भी डपवास के करिय

हिन्दू सुसलमानों में मेल मिलाप करा चुके थे-

कहते थे कि सुमलसान चाहे जो करें उन्हें तो काई रोकने वाला नहीं है श्रीर हिन्दुश्रः के। यह रोक रेते हैं. श्रपनी जान की वाजी लगा कर. कर सकता था. पर भीतर ही भीतर लोग इनके खिलाफ हो रहे थे. वह था. कोई खुल्लम खुझा इनके खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत नहीं सरते के इच्छे ही दिन पहले दिल्ली की प्राथना सभा में एक नौ पर दिल्ली में हिन्दु-सिखों का एक दल बदले के लिये जुला हुआ जवान ने हथगोला फेंक कर उनकी जान लेने की

माना कि उनकी हिकाजत के खयाल से प्रार्थना मभा में आने वालों कर दिया गया था पर गाँघी जी ने सरकार की इस बात को नहीं की तलायी ल लीजाया कर. ३० जनवरी केशिश की थी जिमे पकड़ लियागया था. इस घटना के बाद पुलंस का इन्तजाम और सख्त

तक किसी एक आदमी के मरने पर इतना अकसोस नहीं जाहिर डमर इस बक्त दर्श से इछ महीने कम थी. नाथूराम केंद्र है, अभी फूल ईलाहाबाद लाया जाकर संगम में बहाया गया. दुनिया में आज उसपर गुक्कदमा नहीं चलाया जा रहा है. १२ करवरी को उनका क्या गया। (सेठ धनश्यामदास बिङ्ला की कोठी. दिल्ली) में रहते थे श्रौर उनकी श्रीर सारी दुनिया रंज में इन गई. उन दिनों वह बिड्ला भवन लेली उसी दिन यह खबर सारी दुनिया में चिजली की तरह फैल गई नास के एक सराठी नौजवान ने उनकी गोर्ला मानकर उनकी जान आखिर ३० जनवरी की शास का नाथू गम विनायक गोडसे

一人をはいかかりかいから

والول مي علايتي سندي ميا ممس : المعود م دا ي مود ين مام مي المعرد م دا ي مود ين مام مي المعرد م دا ي مان مي مي المود ي ما مي و دي المود ي مام مي و دي المود ي مام مي و دي المود ي مي مي اور اس مادي و مي مي اور اس مي افده، مند، ظارى تى

दो समुन्दरों का संगम

دوسمندول كاستو

(.पंडित सुन्दर लाल)

दारा शिकाह ने अपनी अनमोल किताब भजमे-उल-वहरैन में हिन्दुस्तान की सर जमीन पर हिन्दू धर्म और इसलाम दोनों के मेल की मिसाल दो समुन्दरों के संगम सं दो हैं. सजमे-उल-वहरैन के मानी हैं दो समुन्दरों का संगम. इन दोनों धर्मों में से पहले हम हिन्दू धर्म पर एक निगाह डालते हैं.

हिन्दू धर्म क्या है. यह सवाल अनेक बार उठ चुका हे. हिन्दुओं को किसी सम्बह्न कितान में हिन्दू शब्द नहीं मिलता जिसे हम हिन्दू धर्म कहते हें वह आज कल के मानी में कोई अलग धर्म या सम्प्रदाय या मज्जहन नहीं है. जो नैप्तन किसी तरह का भी गोशत खाना पाप सममता है वह जतना हो हिन्दू है जितना वह शाक जिसके धर्म की रस्ने विना मांस के पूरी नहीं हो सकती. हर बीख में ईश्वर का देखने वाला बेदान्ती नैसा ही हिन्दू है जितना वह शाक को न मानने वाला बारवाक का अनुयायी. हिन्दुओं की धर्म पुस्तकों में इस धर्म के अगर कहीं कोई नाम दिया गया है तो इसे सिर्फ भानव धर्म यानी मनुष्य का धर्म या अनह वे जन्म दायतं ही कहा गया है. धर्म शब्द भी एक एसा शब्द है जिसका शायत किसी ह्यरी बोलों में ठीक ठीक जल्या नहीं हो सकता. मनु महाराज ने धर्म को कोई आदमी भी इनकार नहीं कर सकता. मनु महाराज ने किसी धर्म का कोई आदमी भी इनकार नहीं कर सकता. धर्म की कोई आदमी भी इनकार नहीं कर सकता. धर्म

The second of the second

مح کسی وهرم کا کوئی آدی یکی انکار تنین کرسکتا- دهم

الانتكوه ف این انتها کتاب محی ای مین می مهندستان می مهندستان می مهند ستان می مهند می میند می مهند می میند می مهند می میند می مینال دو تمنده می مینی ای مین می مینال دو تمنده می مینی بر به شده و هم می او می مینی مینی مینی مینی ای و در مینده می مینی ای و و تمنده می مینی ای و در مینده می مینی مینی ای و در مینده می مینی مینی ای مینده ای مینده می مینی مینی ای مینده مین ای مینده ای می

यो समुन्दरों का संगम

मिल सकती हैं. इसीलिये दाराशिकाह ने हिन्दू धर्म की मिसाल एक ऐसे समुन्दर से दी है जिसमें बहुत सी नदियां आदार मिल सब सम्प्रदायों. सब मजहबों और सब तरह के विचारों की जगह या किरका है. हिन्दू धर्म सब धर्मों का मेल या समन्वय है. धर्म के बारे में हिन्दू धर्म एक ऐसी उदार निगाह का नाम है जिसमें तो मानने या अपनाने से इनकार नहीं कर सकता. सच यह है कि हिन्दू धर्म कोई झलग धर्म है हो नहीं, न वह कोई सम्प्रदाय या येंग सूत्र, किसी दूसरे धर्म बाला झगर ठीक टीक समफ ले के वह दस लक्त्य यह हैं....धीरज. चेमा, (माफ करना), दम हिन्दू धर्म की ऊँवों से ऊँवों उपज का जैसे उपनिषद्, गीता, समकदारी, जानकारी, सचाई. और गुस्सा न करना. इसी तरह (खुदी की मारना), चोरी न करना. सफाई, इन्द्रियों पर काबू,

बार बार क़ुरान से पहले के सब मजहनों को इसलाम और उनके मानने वालों के मुसलिम या मुसलमान कहा गया है (२२--छोड़ देना है. सुसलिम के मानी हैं— वह आदमी जिसने अपने शब्द के मानी अपने की 'अर्पण करना' या दूसरे की सर्ची पर ने नहीं माना (५—४८ इ.तौरा). यह है भा कुद्रती बात, क्योंकि को ईश्वर की सरजी पर छोड़ रक्खा हो' (३—१९ वरोरा) क़ुरान मे माना है उतने साक शब्दों में शायद किसी दूसरी मजहबी किताब इसलाम ही दुनिया के मजहबों में सबसे हाल का है. इसलाम में क़ुरात ने अपने सं पहले के सब बड़े बड़े मजहबों की सचाई की अब हम इसलाम पर एक निगाह डालें. जितने साफ राब्दों

کے وہ وس کنتن یہ ہیں۔ وحصیریء کتا، (معاف کرنا)، حم رخودی کو مارنا)، چوری دکرنا، صفاق، ایمدیوں پر قابو، مجدداری

اوی این اور عصر ترکیا ای کا بنده وهم کا اونی اونی اونی کا با کا بی کا اونی کا با کا بی کا

कुरान का पैराम कोई नया पैराम नहीं है. श्रीत कुरान में कोई

ऐसी बीब नहीं कही गई जो पहले के रसूलों को न कही गई हो

में बहू भी बताया गया है कि क़ुरान झरबी में क्यों उतरा— 'तिक या पहले की कितानों में न मिलती है। (४१-- ४३) कई आयतों सब कुरान हैं भौर उनके उपदेशों पर सवाई से आमल करने

थानी कुरान के मुताबिक बेव, गीता. जिन्द श्रवस्ता. श्रीर इन्जील

वों समुन्दरों का संगम

बर्मेल सन् '४८

७८). कुरान की शिकायत सिर्फ यह है कि उन पिछले मजहबों के सानने बाले अपनी किताबें और अपने महापुरुषों के बताए असली रास्त से हट गय. खुद कुरान शब्द के मानी हैं. 'वह चीज शब्द 'कुरान दोनों के एक ही मानी हैं. कुरान में अपने से पहले जो ऐस्नान को जाने या पढ़ी जाने' यहूरी लंग आपनी सजहनी की धार्मिक किताबों का भी 'कुरान' नाम दिण गया है. (१४---११) किताब के 'कराह' कहा करते थे. इबरानी शब्द क़राह और अरबी

बह अरब स्नेग जो अपने साथ जुल्म करते हैं आसानी से और श्रीर 'श्राल्लाह ने जे। भी रसूल भेजा है उसने श्रापने ही लोगों **बाच्छ्रो तरह समक सकें" (४६—१२, ५१—४४, ४२—७ वरोरा)** 449) (84一岁) की बोली में डपदेश दिया है ताकि लोग भाष्ट्री तरह समम

बैठ गए हैं जनसे तुम्हारा कोई सरोकार नहीं" (६—१६०) जी अपने अपने अलग अलग मजहब या गिरोह बना कर नीने की भायतें हमारी बात के। और साफ कर देती हैं-"सचसुच जिन लागों ने दीन के दुकड़े दुकड़े कर डाले और

این کا میم اید این می بازگروان این ما بازی می با نازه ایل می این حالی این اور این کا می این حالی این اور این کا می این می بازگروان این می باز می درمول بھیجا ہوئی سے اپنے ہی فولاں کی بولی میں آبدلش دیا ہج تاکہ فوک اچنی طرح بچھ سکیں " (مہاسم) : پیچے کی ائیس بھاری بات کو اور صاف کردئی ہیں۔ "میچی بی جی گولاں نے دین کے موالے ترکیب کردالے اور جو ان این الک الک مذہب یا کودہ بنا کر بیٹھ کے میں ان سے متھا دا کون سرکام نیس (۱۲-۱۷). دو محتدرون كالمسل

जनत में नहीं जो सकता, यह सब इन लोगों के फूट बहम हैं. में नहीं जा सकता, ईसाई कहते हैं कि सिवाय ईसाई के कोई किताबों से) सबूब निकास कर दिखाचा. **इन** से कहें कि अपगर तुम सक्षे हो तो (अपनी ही मजहबी "यहूदी कहते हैं कि सिवाय यहूदियों के और केई जनत

न किसी तरह का राम होगा" (२—१११. ११२.). अध्यने रव से फल मिलेगा. उमे न किसी बात वाडर है और पर कोड़ दिया है ब्यौर जे। दूसरों के साथ नेकी करता है उसे ं 'नहीं, जिस किसी ने अपने आप का अल्लाह की मरर्जा

तुम्हें समका देगा" (५--४c). स्रोट कर जाना है. तब जिन बातों में तुममें करक है वह अल्लाह एक दूसरे से बढ़ने की केाशिश करा. सब का अल्लाह ही के पास (इन करकों में न पड़ कर) दूसरों की भलाई के कामों में भल्लाह चाहता ता तुम सबके। एक ही फिरक्का (एक ही रीत जिसका जा तरीका बता दिया है उसी में उसके। परखे. इसिलये विवाज के मागने वाले) वनारेता. पर ऋझाह चाहता था कि मिनहाज (रीत-रिवाज श्रीर पूजा के तरीके) बना दिये हैं. **"श्र**ण्लाह नेहर एक के लिये श्रलग श्रलग राग्न और

११७) दूसरा यह कि कोई आदमी सिफ इसलिय कि उसका भक्तीदा ठीक था अपने बुरे कामों के बुर नतीजों से नहीं बच सकेगा आड़ मी की जो नेक काम करेगा सिर्फ उसके रालत अफ़ीड़ों यानी रालत मानतात्रों की वजह से सजा नहीं दो जायगी. (११---कुरान में दो बातें साफ कहां गई हैं. एक यह कि किसी

> "میوی کمتے میں کر موائے میودیوں کے اور کوئی جنت میں میں جاسکتا، حیسان کی کھٹے ہیں کر سوائے عیسان کے کھٹا جنت میں میں منیں جاسکتا، میں سال کمتے ہیں کو سوائے عیسان کے کھٹا جنت میں میں منیں جاسکتا، یہ سب ان فویل کے جھوٹے وہم ہیں۔ ان میں کہو کہ ان کم میتے ہو کہ دائی ہی مدیمی کتابوں سے بوت ان کھٹا کر دھی گو، کے او کہ دائی ہی مدیمی کتابوں سے بوت دوممندون كاستكم

ورمنیں، حیں کئی ہے اپنے آپ کو انتدکی رضی میں میں است ا اور و دوموں کے ساتھ کا کرتا ہوگا، (اس الا ا کا الا)، می بات کا توریو اور زمسی طرح کا بخر ہمگا، (اس الا ا کا الا)، و الند نے ہم ایک سے لئے ہما الک شرع اور میں استہ جا ہے، اور بنا دیتا ۔ یر النڈ جا میتا تھا کہ جس کو جو طریقہ بتا دیا ہو اسی بنا دیتا ۔ یر النڈ جا میتا تھا کہ جس کو جو طریقہ بتا دیا ہو اسی بن اس کو ایک جماموں میں ایک دومرے سے پڑھنے کی کوشنی کی مجمالائی سے کا موں میں ایک دومرے سے پڑھنے کی کوشنی مدد. س مو الله یی سے یاس فرق مو مانا یو سب بین بالف میں ترق ہو وہ اللہ بھتیں بھیادے گا اور ہو ۔ (۵) ۔ میں قرق ہو وہ اللہ بھتیں بھیادے گا اور ہو ۔ (۵) ۔ وہ اللہ بھتیں میں ایک ہو کہ کسی مردی ہوں ایک ہو کہ کسی مردی کو جو نیگ کام کرے گا صون اس کے خطاعتیں وں کینی فلط بانعاؤن کی وجه سے سزا تئیں دی جاکے۔ (۱۱۱-۱۱۱) دومرا یہ کر کوئی آدی مرف اِس کے کراس کا عقیدہ مقیک متعالیت جرے کاموں کے مہرے تیجوں سے نیس نکا تناکا۔

भतक्षच 'शिकं' यानी दूसरे देवी देवताओं की पूजा से हैं. कुरान भादमी को खाना देता है. ऐसे लोगं ही एक दूसरे को सत्र करने में अपने रिश्तेदारों को, यतीमों को, और मिट्टी में लोटते हुये रारीब बताया गया है जो 'गुलामोंको बाजाद करता है और भूक के दिनों में एक जगह सच्चा 'मोमिन' यानी ईमान वाला उस आदमी को साफ ज़िस्तता है कि पहली आयत में 'रालत अक़ीरें' से खास (२६--२). कुरान का मशहूर और माना हुआ टीकाकार वैचावी भौर दूसरों पर दया करने की सलाह देते हैं." (६०−१२ से

" आतों को सिवा इसके और कुछ हुकुम नहीं दिया गया कि इबह पाक दिला से अल्लाह की इवादत करें, सच्चे और ईमानदार रहें, बल्बाह से दुआ मांगते रहें, और गरीबों को दान दें. यही 'री-नुत्त क्रयमह' बानी बासली बौर पक्का दीन है" (६८-५).

सिलाते" (१०७-१ से ७). इत्रान ऐसे लोगों का 'दीन का अटलाने ष्ट्रा गया है जो " यतीम का सताते हैं और गरीकों को खाना नहीं बाले" कहता है. क्रुरान में डन बोगों की ''नमाख को ढोंग और जफसोस की चीज्र"

पासा ने बहुत से पुराने टीकाकारों का हवाला देते हुए अपनी करिश्ते, और क्रियामत हर मुसलमान के लिये जरूरी है कि दुनिया में पाँच चीचें गिनाई गई हैं -- बझाह, सब रसूल, सब धर्म पुस्तकें, का बराबर आदर करे. तुर्की के मशहूर कालिस महसूद गुहतार के सब रसूलों क्यौर सब ईरबरी किताबों को माने खौर सब तो फिर मुसलमान के लिये क्या मानना जरूरी हैं ? कुरान

ست بمت سے بُدائے فیکا دوں کا حالہ ویت ہوئے اپن

फिताब 'बिजडम बाफ दि कुरान' में लिखा है कि कुरान में जिन्हें फरिरते कहा गया है वह सिर्फ ब्यादमी के बन्दर के वह ठजहान या कुकाब हैं जो उसे नेक कामों की तरफ ले जाते हैं. रही क्रयामत वाह खगह कहा गया है कि इस चिन्दगी से बाहर की बीजों का बन्दाजा इस भांख, नाक. कान ब्यार इस इनसानी दिगा। की सूफ की चीजों से नहीं करना चाहिये (बुखारी). फ्रयामत का मतलब हिन्दुकों के कर्म सिद्धान की तरह यही है कि हर बादमी को अपने अच्छे या बुरे कामों के अच्छे या बुरे नतीजों को भुगतना पढ़ेगा.

इस तरह कुरान का इसलाम कोई अलग अनोखा सम्भदाय-नहीं है. बह सब पिछले धर्मों का संगम या समन्वय है. मजहब की हैसियन से कुरान का मजहब सब से सीधा छोर सरल मजहब की है. इसलाम के इसी पहल, का सामने रख कर शम्स तबरंज की तरह सैकड़ों आजाद तिबयत सूफी यह कह गए हैं कि हम न मुसलमान हैं न ईसाई. न यहूदी और न पारसी बगेरा. दूसर शब्दों में यही बात मौलाना जलालुहीन रूमी ने यूं कही है—

'त् ही मेरे आहंकार और शाकर का हलाज है.

'त् ही मुक्ते अन्दर की राह दिलाने बाला अफलानून और मेर जिस्स को ठीक रखने बाला वैद्य जालीन्स है.

'वेद, जिस्स को ठीक रखने बाला वैद्य जालीन्स है.

'वेद, जिन्द अवस्ता, कुरान और इन्जील.

ایم کاست و معدون کاستم ایم اور دران می کارور ایم ایم کارور این می کارور این ایم کارور این این ایم کارور این این ایم کارور این این کارور کار

"काबा और बुतस्थाना और पारिसयों का आतिशकरा.

ंमरे दिशा ने इन सब को अपना लिया है.

"क्यों कि मेरे लिये अप सिवा इश्क के आरे कोई खुदा ही नहीं है."

सूकी साहित्य से इस तरह के सैकड़ों क़ौल नक़ल किये जा

अगर हिन्दू और असलमान सचमुच अपनी आजकल की तंग खयालियों। से अपर उठ कर उपनिषदों, गीता, कुरान, कबीर और नानक, जलालुकीन हमी और शम्स तबरेज की असलों हिन्यतों पर अपनी जिन्दगी को डाल सकते हैं और उन्हीं की को एक ऐसा हरा भरा नाग बना सकते हैं जिसमें रीत रिवाज का रंग बिरंगापन भी नाग की खुबसूर्ता को कम करने की जगह उसे और सुन्दर और शानदार ही बनाएगा. 'दोनों:समुन्दरों के तंगम' से दाराशिकाह का यही मतलब है. यह संगम ही हक है. यही हमारे लिये और दुनिया के लिये सलामती का रास्ता है.

میمبراه رئین خاند اور بادسیوں کا انتشکدہ و استان اور کوئی خدا ہی اور کوئی خدا ہی التشکیدہ و ایک اور کوئی خدا ہی ایک میں ہوتا گئے اور کوئی خدا ہی میں ہوتا ہی میں ہوتا ہے اور کوئی خدا ہی میں ہوتا ہے اس طرح کے سیکووں قول نقل کیے اس طرح کے سیکووں قول نقل کھے اس میں ہوتا ہے اور کوئی خدا ہے اور کوئی کے دور کے دور کوئی کے دور کوئی کے دور کے دور کوئی کے دور ک

गांधी जी और कस्तूरबा

(भाई जी० राम चन्द्रत)

जी पर था. बोकिन सत्यामह-त्राश्रम में एक प्रांनी ऐसा भी था जो हाथ से खाना बनाना और सब का ख़ुद ही खिलाना पड़ता था. बच्चों पोतों झौर क़रीब बीस भाग्रम बासियों के लिये खुद श्रपने डन्हीं की पक्की हकूमत थी. पर, वे वारी छोटी सी बूढ़ी ·बा' के कन्बों 'बा' का हिस्सा था जार जिसमें रसोई घर भी शामिल था. उस पर इस निवम का पालन न करता था. यह प्रानी सक्। उनके पास कि लोगों के जितना विरवास अपने अपर था उससे ज्यादा गांधी पर वह सब जिम्मेदारी बहुत थी. उन्हें अपने महान पति, अपने रहने बाल्सी बनकी घर्मपत्नों श्री कस्तूरवा थीं. गांधी कुटिया में जो इप भी लोग गांधी जी की किसी बात का विरोध न करते थे, क्यों-राय भाषात् रस्तने का वह रोकते नथे, मगर प्राचात् राय रस्तते क्यों उनके साथ अधिक से अधिक रहने स्नाते ये वह ज्यादा से ज्यादा **डनके शासन के पावन्य होते जाते थे. लोगों** के अपनी गांबी जी श्रपने सजबूत इराहे के लिये मशहूर थे. लोग ज्यों

पर इस बटबारे के श्रनुसार इस रसेई में क्षरीब बीस श्राव्रम-वासियों का भोजन कराना होता था. बा' श्रपनी रसोई में सिर्फ जपरी निगरानी हो नहीं किया करती थीं, बल्कि ख़ुद ही असल खाने पीने का प्रबन्ध अलग ज्ञलग कई रसे हें घरों में होता था. वैसे बाश्रम में करीब दो सौ लोग रहा करते थे और इनके

كاندى في اوركستوريا

बप्रेंब सन् '४⊏

भी निराला था. हाँ यह बात जरूर थी कि उनके नीचे काम करना उन दिनों बह बहुत मेहनत किया करती थीं. उनके काम का ढंग मोजन बनाया करती थीं. हालाँकि उनके इस काम में मदद करने साथ क्यां न हा पाता था. रखती बीं. झौर झालस या सापरबाडी करने वाले का गुजारा उनके किया करती थीं. साथ काम करने बालों से भी वह ऐसी ही उन्मीद थीं. चौर खुद भी समय की पूरी, पावन्दी के साथ खथक मेहनत हॅंसी खेल न था. वह अपने सहकारियों से बहुत इटकर काम लेती बाले भी रहा करते थे मगर ज्यादा बोक्त बन्हीं पर रहा करता था

. इस बालक का उन्होंने भी बधाई दी. गांधी जी अपनी पाकरााला रसा गया था. इसे काम जरा कठित माजूम पड़ा फिर भी उसने राजनीति स की 'राजनीति' से भी खतने ही परिचित्त थे जितने कि देश की तरकारी करकी क्योर 'बा' के भी उससे पूरा सन्तोष हो गया. बापू पाकराला के कामों में दखल न देते हुए भी निगाह पूरी रखते थे. एक बार त्रावस्कार का एक लड़का 'बा' के साथ रसीई में

३२४

भा, चक्सर बहुत ऐसे सेहमान आ बाया करते ये जिनकी केहि बाशा न होती थी. ऐसे मेहमान भी जलग-जलग रसेाइयों में बदुत देखि पड़ आया करते. क्योंकि न्याय 'वा' के पक्ष में हाता. बा में बिरोध पैदा हो जाया करता. ऐसे मीक्नों पर बापू थोड़े बांट विये बाया करते थे. मगर न के हिस्से में सदा ही दूसरों बाश्रम में जो उन दिनों देश की राजनैतिक राजधानी बना हुआ लेकिन एक भागला ऐसा था जिस पर कभी-कभी बापू और

بان دے ما اکرے تھ کر ا کے تعدیں ساہی دعول

مجوی بنایا کرتی تقیمی به حالال کرمان سے اس کام میں مد کرنے اس کا میں مد کرنے اس کا اس کا میں مد کرنے اس کا می ما کرتے تھا۔

اللہ دفیل وہ میت حست کر آبادہ ادھی کرمان سے سے کام کو اسکا کہتے ہیں قرار تھی کرمان سے سے کام کون کم کون سے کھی قرالا تھا۔ ہاں یہ بات صور تھی کرمان سے بیت وظام کام بستی کھیمیں۔ اور خد بھی سے کی فوری ایان سے مین وہ الیسی ہی ہویا گئے۔

میمیں: اور اس یالا بیدالا کونے والوں سے مین وہ الیسی ہی ہویا گئے۔

میمیں: اور اس یالا بیدالا کونے والوں سے مین وہ الیسی ہی ہویا گئے۔ می وی ساق دی کاندسی تی این باک مثالای داج نی است می اید اور "ا ایک بار تراوی ایک اوطا دباری ساختد ارمول میں ایک اور میمائی ایک اولا ایک میمائی ایک اولا ایک میمائی ایک اولا ایک میمائی ایک ایک ایک ایک میمائی ایک میمائی ایک میمائی ایک میمائی ایک میمائی ایک میمائی میمائی ایک كا مدي اي اور مسور يا

नेवा दिन्द गांबी जी और करत्रका जरेल सन् '४८ से इच्चादा मेहमान पड़ते थे. ऐसे ही मौकों पर जब बिना किसा पहले से खबर के बहुत से मेहमानों का बाफ उन-पर था जाता तब ही, किसी समय वह बिगइ उठतीं. सा भी सब के सामने नहीं, अकेले में, गांब: जी ऐसे मौकों पर बड़ी दानता दिखाने थीर बहुत से काम लेते थे, बिल हैं ऐसे मौकों पर बा से थोड़ा बहुत

, जाकर पड़ रही. गांधां जी रसिंह घर में पहुँचे और उस लड़के का - चुकी थीं. शायद कुछ तिबयत भा भारी थी. वह ऋपने कसरे में इशार से बुलाया, क्योंकि वह भी जाने वाला ही था. उससे गुँधां, वा को तभी बुलाना जब उनकी चरूरत हो और हुए बोले-- "उन्हें कष्ट न पहुँचात्रो, इसुम का बुला लाचा, आग रेखों, धन्हें खिजाना मत. श्रागर वा सुक्ष पर सका न हुई तो तुन्हें हैं. उनके लिये दापहर के भाजन का प्रबन्ध होना है. लड़के ने एक बंटे के अन्दर हा बहुत से मेहमान जाने वाले हैं- सामूली लेटा है, उनके आराम में काई विश्न न पड़े और यह भी कहा कि बह धारे से कान में बोले कि बगल बाल कमरे में हा बा घर भी बन्द किया जा चुका था. वा जैसा कि रवाभाविक था, थक साथ काम करने वाल भोजन वर्गात करके निषट चुके थे. रसेाई इनाम मिलेगा." ज्रसामा मौर साग भार्जाकाट कर रोटी बनाने के लिये माटा बाके कमरे की चार ज्यों ही देखा, बापू क्रोठों पर उंगली रखते मेहमान नहीं--खास महमान जिनमें पंडित मोतीलाल नेहरू भी एक दिन ऐसी ही एक घटना हुई. दोपहर के वा और उनके

يمي بلانا حب أن كي مزورت بد الله ديموه المفيل مجانات

اكرنا محدير خفانه دوش وتعميس انعام علاق

مع که دویر کریمون کا رمزیع بونا یک ویک نے اس کا کری کی آور جون ہی دیما ، آلی اونظوں یہ انکی دیمی دولے کی اور جون ہی دیما ، آلی اونظوں یہ انکی دیمی دولے اور بجرگ جماجی کا شمر دولی نینا نے سم کو الاز ایک جلائے اور میماجی کا شمر دولی نینا نے سم کی گئی ایا مود عموا یا مو

منين - خاص ممان جي ين مينلت مولي الل مرو مجي ا

ے زیادہ ممان پڑتے تھے۔ ایسے ہی موقعل پرجب بناکسی كامدى في اور سموريا

उस लड़के की शकल किसी भोले साखिशी की तरह हा रही थी. वह थोड़ा घवरा भी रहा था कि कहीं ऐसा न हो कि वा जाग उठें और उसे उनकी डांट सुननी पड़े.

. के बाद झाटा भी गूंधा जा चुका था और तत्र वदकिस्मती से एक में किया था; इस्तुम ब्लीर उस लड़के ने सब हाल बता दिया. "संगर जो कुछ दिलाई पड़ा उससे वह भींचक्की सी रह गई और पूछने लगीं, ''यह सब क्या है। रहा है ?'' उन्होंने यह सवाल जरा तीर्खा आवाज तो हम तुन्हें बुलात." वा की खंगरेजी जरा गड़बड़ ही थी और उसी तुमने सुके क्यों न बुलाया" वानें पूछा क्या तुम यह समभते श्रीर ऐसा सेाचकर वह रसोई घर के अन्दर दौड़ कर गईं. उन्हें वहाँ विया. वह समर्थों कि शायद आश्रम की विल्ली रसे हि घर में हुसी है का दरबाजा खाला. जाग जलाई गई और साग सब्जी वर्गेरह काटने साबते हा कि तुम बहुत ज्यादा काम कर सकते हो और मैं थोड़ा हा कि मैं यह कांचिल काम करने के नाक्ताविल हूं ?" तरतर्रा कंकनाती हुई जमीन पर गिर पड़ी. श्रावाज ने वा का जगा no extra work." (तुम भी तो काफी बक गए वे एसा क्यों तरह इस बालक का गुजराती भी कम बाजी थी. अस्कराती हुई बह बड़के ने फिर सफाई देन हुए कहा, "नहीं वा जब सब तैयार हो जाता सा ज्यादा काम भी नहीं कर सकती.) अपना निरालो अंगरेको में बालीं. "You also tired much. Why you think you can work more and I can do इस्रुम और उस बालक ने धार से चुप चाप रसोई घर

नमके बार धारी बातें बाकायता होसी रही. वा जानती थीं

اس کے بعد ساری یا تی انتاعدہ اول میں۔ یا جاتی عیں

يوكر من زياده كام كريك إد اورين كفوراسازياده كا يعي تنيل كريكن). اس دوری کا تعلیمی عبولے سازتی کی طرح اود ہی گئی۔ وہ مخود العبر بھی رہاتھا کہ کمیں ایسا نہ ہوکہ یا جاک مجھیں كا مدعى في اورنستوريا

नवा हिन्द गांधी खों बीर कर्त्रावा धप्रैल सन् '४८ कि यह सब प्रवन्ध गांधी जी ने ही कराया था. रात को जब सब मेहमान जा चुके और प्रधना भी समाप्त हो गई तो वा एकाएक बापू के पास पहुँचीं. इनकी आंखों में विनोद चमक रहा था और वह गांधी जी के सामने खड़ी थीं.

"आपने उनसे मेरे बिना अकेले काम करने के लिये क्यों कहा था ? क्या आप मुक्ते विलंकुल आलसी समकते हैं ? "

बापू ने भी उसी तरह सचाक्र भर स्वर में जवाब दिया, ''क्या जुम नहीं कानतीं वा! ऐसे मौको पर सुके तुम से डर लगने कराता है''

('गांधी गाथा' से)

(- (Lie / C: 8")

मी० सुहम्मद मियाँ मन्सूर अन्सारी (भाई रतन लाल बंसल)

हजारत मौलाना खबेदुक्का साहब सिन्धी की तरह मौलाना ग्रहम्मद मिकों साहब मंसूर कंसारी भी बलीउक्काहो संगठन के उस आन्दोलन से ताल्खुक रखते हैं, जो बलीउल्लाही जमात के क्कटे इमाम शेख उल-हिन्द मौलाना महसूदुल हसन साहब ने सन् १९१४ की पिछली बढ़ी लड़ाई के बन्त शुरु किया था और सरकारो क्रमाजों व रौलट कमेटी की रिपोंट में जिसको 'सिल्कन लेटर्स कान्सग्रेस.' यानी 'रेशभी खतों को साज्जिश' के बनोखे और रंगीन नाम से पुकारा गया है. रौलट कमेटी को रिपोंट में इस तहरोक का हीरो मौठ ग्रहम्मद मिशों साहब को हो बताया गया है.

मीलाना मुहन्मद मियाँ साहब इस पुराने इन्क्रलाबी संगठन से अपने बचपन में ही परिचित हो चुके थे क्योंकि इस संगठन के पाँचवें हमाम मी० मुहन्मद क्रासिम साहब उन के सगे नाना थे. मराहूर है कि जब मीलाना मुहन्मद क्रासिम साहब ने अपनी बेटी यानी मीलाना मुहन्मद क्रियों साहब को माँ को शादो की यो तब उनके पास राादी में खर्च करने और दहेज में देने के लिके एक पैसा मी नहीं था. खेकिन इस बात का न तो उनको कुछ भी रंज था और म इससे उनको कोई विक्कत ही महसूस हुई. दहेज के बक्त उन्होंने अपनी कुछ किताब अपनी प्यारी बेटी के हाथों में देने हुथे कहा था कि सेरी दीलत तो बड़ी है और मैं क्यीद करता हूँ कि अगर ते इसकी

● 対数数 され、ちばないと前、ちれたら、ちゃららいはれる。

हन्या । इन्यान । स्थान अक्ष्मद सम्यासम्बद्ध अन्सारी अप्रैल सन् १४८ अन्द्र अरोगी; तो द्वांसे संबधु व इस दौलत से ही सबा सुख और आरोज नसीव होगा. बेटों ने भी बिना किसी हिचक के इस नायाव दौलांत को सेकर आँखों से लगा लिया.

क्यां जा सकता है कि अपने नाना और अपनी माँ की यहां भावनाएँ मौलाना मुहम्भद भियाँ साहब को भी विरासत में भिलीं जिसकी बजह से वह हमेशा दुनियाबी लालचों से बचे रहे और देशमिक का राह में आने वाली तमाम मुसीवर्ते खुशी खुशी भेलते रहे.

मौलाना ग्रहस्मद मियाँ साहब के पिना मी० झब्दुल्ला असारा जालागढ़ यूर्नाबर्सिटी में मजहबा तालाम के महकमें के निष्मिय थे और उस मराहूर खानदान से ताल्लुक रखते थे, जिसका सिखसिला बादशाह औरगंजिब के जमाने में होने बुाले मराहूर सुक्तों ककीर शाह अबुल मजाला से मिलता है. कहा जाता है कि अस जमाने में जब कि चारों तरफ तंग दिली का दोर दौरा बा और इसलाम को इस शक्त में दिनया के मामने पेश किया जा रहा था, जिससे दूसरे मजहब के लाग उससे डरने लगे थे, तब शाह अबुल मजाला ने अपने उपदेशों में प्रेम और मुहज्बत को धारा बहाकर इस्लाम की बहुत बड़ी सेवा की थो. इस तरह मी० मुहम्मद सियाँ साहब के। फ़िक़ेंबाराना तंगदिली के खिलाफ लड़ने जौर अगेपसी प्रेम का प्रचार करने के जजबबात भी खानदानी विरासत में मिले थे.

अपने सुल्क की गुलामी आरेर अंग्रेजी राज की वर्वरीयत से भी मौलाना मन्सूर अपने हैं।श संभालने से पहिले ही वाकिक हो

المبرا والما العدود العدد الي الي الما المبرا المب

.क्बीर उसके पिछले इतिहास का भी पड़ा श्रीर समका. इसके मचहूबी तालीम के साथ साथ ज्ञापने बली उल्लाहो तहरीक के उसूलों नाते मीलांना के एक ऋरीं बी बुजुर्ग होते ये और जिनकी बादशाह बाद आप मौलाना महमूदुलहसन की इन्क्रलाबी कौंसिल के मीकाना क्रांसिम साहब ने किस तरह हिस्सा लिया था और चुके थे. सन १८५७ की मराहर आजादी की लढ़ाई में उनके नाना में पूरे बार शोर से हिस्सा लेने लगे. एक खास मेरबर बना लिये गये और मुल्क का आजारो के काम लिये भेज दिये गये. रही सही कमी बाब यहाँ पूरी हो गई और सुनने के। मिली थीं. इसके बाद जब होश संभाला, तो आप देव-से राहीर हुए थे. इसकी कहानियां मौलाना के बचपन से ही **उठानी पड़ी थीं, सय्यद हसन असवारी साहब, जो ननिहाल के** ध्यकी बडिं से उनके। ध्वीर उनके खानदान का कैसी कैसी तकलीकी मन्द सदरसे में मौलाना महसूद्ध हतन साहब के पास पढ़ने के नया हिन्द मों अहम्मद मियाँ मन्सर बन्सारी अप्रैल सन् '४८ के दरबार में बहुत बड़ी इऊ अत थी. किस तरह अक्नरेजों की गोलियों

सन् १६१४ में जब यूरोप में लड़ाई छिड़ी और मौलाना महमूदुलहसन साहब, इस मौक़ से कायदा उठाने के लिये हिन्दुस्तान की
आखादी की लड़ाई में दूसरे मुल्कों की मदद लेने के विचार से मक्के
के लिये वले तो मौलाना मुहम्मद मियाँ साहब भी उनके साथ थे. यह
यात्रा भी ऐसी अनोली थी. जिसमें पग-पग पर गिरक्तारी का या
किसी भी और मुस्बित के आजाने का खतरा था, पर देशभक्तों
का यह दल किसी न किसी तरह हिन्दुस्तान से निकल ही

المن المنون كا مي ول كسى فر مى طرح بمندسة الله من الله المالة

این مرح می از مرح می از این منون از ادی کی اوان می وی این مرح می از ادی کی اوان می وی وی از ادی کی اوان می از ادی کی اوان می از ادی کی اوان می از ادی کی اور از کی

नवा हिन्द में ते मुहस्मव मियाँ मन्त्र भन्सारी अप्रेक सन् '४८

साइन सिन्धी को दे दे, जिससे बहु भी खपना काम शुरू कर दें पहुंच कर इस तमाम काम की रिपोर मौलाना उमेदुक्ला ग़ालिब पारा। के खत का ही किसी शखस के खरिये काजाव क्षमीलों में पहुँचा दिया जाय झौर फिर इसके बाद वही शखस काबुल इन्तबार कर रहे थे. इस लिये फैसला यह किया गया कि फिलहाल क्षबोलों के लिये इसी तरह का खत हासिल करलें. लेकिन मदीना बह मदीना के गबर्नेर बसरी पाशा की मार्फत टर्की के लड़ाई के महकमे के बबार जानंबर पारा से भी मुलाक़ात कर के बनसे भी जाजाइ महमूदुलहसन साहब और उनके साथी मदीना पहुँचे, क्रिसमें कि को काबुल रवाना कर चुके थे. जो वहाँ पर मौलाना के हुक्स का हिन्दुस्तान छोड़ने से बहुत पहिसे ही मौलाना उमेदुक्षा साहब सिन्धी दूसरी तरफ हालत यह थो कि मौलाना महसूदुलहसन साहब पहुंचने पर इन्ह ऐसी बलकर्ने पैदा होगईं. जिससे मालूम हुन्ना कि चर्मा अनवर पारा। से मुलाकात होने में काकी दिन लग सकते हैं पूरी पूरी मदद करेगी. इस खत को हासिल करने के बाद मौलाना डंकी की हक्सत की तरफ से यह यक्कीन दिलाया गया नाम से किया गया है. इस खत में त्राजाद क़बोलों को महसूदुं बंताहसन साहब को सदद हेंगे, तो टर्की की सरकार उनकी था कि अगर वह हिन्दुस्तान की भाषादी की लड़ाई में मौलाना गत्रनरं राक्तिब पारासे मुखाक्षात को चौर हिन्दुस्तान की उत्तर पच्छिम किया जिसका विक रौलट कमेटी की रिपोट में 'गालिव नामा' के की सर्द्रष् पर बसने बाले झाजाद क़बीलों के नाम एक खत हासिल मका पहुँच कर मीलाना महमुदुलहसन साहब ने हजाज के

می والا عودا کمین مامی کو مدد دی گی از وی کا کا کراوای کا میکاوای میدو کرسائی . اس تعالی مامی کرت کی میکاوای میدو کراوای کا میکاوای میدو کرسائی میز از این میامی میز از این می میز از این می میز از این میروی از این میروی از این میروی از این میروی کرده این می از این میروی کرده این میزان میزان میزان میزان میزان میزان میروا کمین این میزان میزان میزان میزان میزان میروا کمین این میزان میروا کمین این میزان میزان میزان میزان میروا کمین این میزان میروا کمین این میزان میزان میزان میزان میزان میزان میزان میزان میروا کمین میزان کر بینج کر مولانا محدوالمسن صاحب نے جائے کے کارز خان یافتا سے الماقات کی احد میشدسان کا آتر مجتمع کی جھے ہم مدھ محمیقی کی رہدے جی منی اس ایر کے علم سے کیا گیا ہی۔ دومی محمیقی کی رہدے جی منی اس ایر کے علم سے کیا گیا ہی۔ اس خط جی آزاد جیلیں کو وکی کی حکومت کی طوت سے ہی۔ اس خط جی آزاد جیلیں کو وکی کی حکومت کی طوت سے ہی۔ صاحبه سندهی کودے دے، جس سے دو می اینا کا کرع کوئی۔ نيامهت مولانا محدميان منعمد العمادى

नया हिन्द मौ० मुहन्मद मियाँ मन्पूर श्रन्सारी श्रप्रेल सन् ४८

यह फैसला तो कर लिया गया, पर सवाल यह था कि यह काम धींपा किसे जाय ? बहुत देर सोचने विचारने के बाद आलिर मौलाना महस्मुदुलहसन साहब ने फैसला किया कि यह काम सिफं मौलाना महस्मद मियाँ साहब ही पूरा कर सकते हैं. उन्होंने मौलाना महस्मद मियाँ साहब से यह बात कही, और मौलाना ने खुशी खुशी इस काम की पूरा करने का भार अपने सर ले लिया. इस काम में जो खतरे थे, उनसे मुहस्मद मियाँ साहब बेखवर नहीं थे. बहु जानते थे कि खास हमारे ही क्राफिले में डुख अंग्रेजों के खुफिया भी बल रहे हैं. जो हिन्दुस्तान का किनारा पड़ने से पहिले ही यह तमाम बातें हिन्दुस्तान की हकूमत तक पहुँचा देंगे, किरमी उन्होंने इसकी कोई परवाह नहीं की और उस खत के लेकर हिन्दुस्तान बल दिये.

मीलाना ग्रहम्मद सियाँ साहब 'गालिब नामा' के साथ हिन्दुस्तान आये. अंत्रेख हकूमत को भी इसकी खबर लग कुकी थी, इस लिये खनको फर्साने के लिये पूरा जाल विक्षा लिया गया था. पर मौलाना ने ऐसी होशियारी से काम किया कि वह तमाम जाल विद्धा का विद्धा रह गया और मौलाना पूरे हिन्दुस्तान का पार करके सरहद के आजाद क्रजीलों में जा पहुँचे. हतना ही नहीं, बह रास्ते में 'गालिब नामा' को बहुत सी कापियाँ भी बाँटते गये, जिससे गुल्क के लोग भी जान जाय कि हिन्दु-स्तान का अजादी के जिये इस तरह का कोशिश की जा रही है और बह भी उस मौक़ के लिये अभी से तरवारी गुरू कर दें.

'ताबिब नामा' बेकर मौबाना हुएम्मन मियाँ साहब हाची अध्यक्त

की बौर कई लड़ाइयों में भा हिस्सा लिया, लेकिन इसके बाद बह काबुल के लिये चल दिये. क्योंकि काबुल के रप्रह अमीर हर्वाबुल्ला साहब के नाम भी उनके पास कुछ स्नत थे. जो को बहुत सी बातें तो पहले से हो जानते थे. क्योंकि वह सन् मियाँ साहब ने भी हाजी साहब के काम में बहुत बड़ी मदद भौर इस में उनको कामयाची भी काफी हुई. मौलाना मुह्र∓मद् बाहिद साहब (हाजी तुरँगवाई) के पास पहुंचे. उनके सामने थी कि काबुल की सरकार से वह काफी मदद हाभिल कर लेंगे. **बतको अर्मार तक पहुँचाने थे और जिनके सहारे उनको उन्मीद** श्रमेषों के लाथ सरहद पर लड़ाई भी शुरू कर दी थी साहब से अपना ताल्लुक कायम कर चुके थे. इसां लिये करोंने १८०८ से ही देवबन्द मदासे और मौलाना महमूदुलहसन भौर भी जोर शोर से अपनी की जो की भर्ती शुक्र कर दी धालिब नामा' पाने के बाद हाजी ऋजल बाहिद साहब ने चपनी पूरी स्क्रीम रक्खी. हाजी क्रजल वाहिद साहब इस स्क्रीम

नया हिन्दः धो॰ मुहत्मव भिन्नां सम्सूरः बन्सारां अभेक सन् १४८

ने उसमें बहुत बड़ा हिस्सा लिया. यह हकूमत इसलिये बनाई गई लेकर हिन्दुस्तान में अभेजी हकूमत के किलाफ लड़ाई शुरू थां, जिससे इसके खरियं टर्की, अफग़ानिस्तान धौर जर्मनी से मद्द आरर्जा आजाद हकूमत बनाई, गई तो मौलाना मुहस्मक् मियाँ साहब मौलाना उबेदुल्ला ने इड्डा ही दिन बाद जब हिन्दुस्तान की पहलो मौलाता उबेदुल्ला साहबके साथ मिल कर काम करने लगे हबीबुल्ला साहब के पास वह स्रत पहुँचा दिये. वह श्रीर मौलाना मुहम्मद भियाँ साहब ने काबुल पहुंच कर अमीर مع یامی وه خطا میخادی. ده اور موال غیب ان که صاحب مع مانته فی که کم کرنے کلے موالا عبد النگر نے عجد ہی دن بحد میں ہندستان کی کمی علیفی عکوت برنا لگارا کہ مواان محد میال صاحب نے اس میں میت بوا حضر کیا ۔ رسکوت اس کے بینا ل کمی نے اس میں میں اس می ذرایع دی ، اختا ابستان اور جرنی سے مدد

الريندسان بن القريري مكومت مع خلات الال توع

مولانا محرمیان میاه ب نے بھی جامی میاف سے بھی میں ہوت وزی مدد کی اور کمی کولائیل میں بھی حصر کیا ای کیلی اس سے بعد وہ کالی سم ملا میل دھی کرد کالی سے شاہ امر جیسات مہام سے نام بھی ان کے یاس کھی خط تھے ، یوان کوامر بک میام نے تھے اور جن سے مہار سے ان کوامید کئی کر کابل کی سکا مع ہی دکوئی مدرمے اور ملانا محود الحسن صاحب سے اپنا معلق قام مرحکے تھے۔ اس کے اکھوں نے انگرزوں سے ساتھ مرحد مر افرائی نبی خروع کردی تھی۔ وخالب نامر ایسے سے بعد ماجی خوتی واحد صاحب نے اور نبی زور متور سے اپنی فوجل کی مجرتی مزوع کردی اور اِس میں اُل کوکا میائی مجی کاتی اون مع وه کانی مد حاصل کمیں گے . مولانا محد میاں صاحب نے کا بل سے کم ایر جلیب النگری واعد صاحب (حاجی قرنگ زن) کے پاس میتیے ، ان می سامن ابنی فودی اسکیم ایمی . حاجی فعنل واحد صاحب اس اسلیم کی برت نمی باجی واسلے سے ای جانتے تھے ، کیوں کہ وہ سکاللہ مولانا تحدمنان تضور الصادى

आकर उनका गद्दां से अलग कर देना चाहत थे, मौलाना हबीबुल्ला के झ टे भाई नसरुला खाँ साहब भी, जो बक्तगानिस्तान और अमार हवाबुल्ला के वह इतने ज्यादा खिलाक हो गय कि नहीं की, इस लिये यह हकूमत कोई खास काम नहीं कर सको बुह्न्सर् मियाँ साहब के हामी थे. इसका नतीजा यह हुआ कि रहा था उसमें उन्होंने खुल जाम हिस्सा लेना शुरू कर दिया. नतीजा मौलाना मुहस्मद मियाँ साहब के दिल की इसमे इतना धका लगा कर दी जाय. लेकिन अमीर हबीबुल्ला ने इस काम में कोई मदद से माँगी, ता अमीर ने उनका फौरन इजावत दे दी. लेकिन अमीर मुहन्मद मिथाँ साहब को गिरक्तार करने की इजाजत अमीर यह हुआ कि स्थमार उनसे नाराज हो गये और जब अप्रेजों ने काबुल का जा संगठन श्रमीर को तखत से उतारने की काशिश कर इस हुकम की खबर जैसे ही नसरुल्ला लाँ का मिली अप्रेज लाख सर पटकने पर भी मौलाना को गिरफ्तार न कर सके चुपचाप श्रकग़ानिस्तान के डत्तरी पहाड़ी में पहुँचा दिया और इन्होंने अपनी मोटर के अरिय मौलाना मुहम्मद मियाँ. साहब का s सबसे बड़े बजीर थे **जो**र अमीर की अंग्रेज परस्ती से तंग

मुहंत्मार मियाँ साहण को कार्युक्त की एतः नह रकूमत मे जायुक क्योर कामानुझा खाँ काबुल के तखत पर बैठे. तब मौलाना कर मौलाना बुख्तारा की हर में पहुंचे कौर एक दिन सरहदी स्मके इन्हा ही दिन बाद जब असीर हबीबुझा करला कर दिये गय **महरदारों की भाँखें बचा कर चुपचाप बुस्नारा में दाखिल हो गये.** श्रक्ताानिस्ताम के उत्तरी पहाड़ों से २३ दिन तक पैटल चल

افغالت سان می اقری مالایل سے مہم ون می بیل می رمولانا مخالولی طریق مینی اور آیک دن مرمولی مرم داروں کی انھیں مجامر جیت جا ہے بھالا میں ماطی اور اس مرموس کی دن نیمہ میت امیر جیت اللہ میں مولیانا اور ایان ادنار خال کا ایم سخت میں میں میں میں مولانا معم میلی صاحب کو کال کی ایمی منی مقومی میں مولانا مد حال و عي إسون المنافستان مع أن معاميم وعيب جاب إنفافستان مع فيا ديا أور المين الكوم علين يرمي و ایرے ان مرسد خال صاحب می ، و می ایم نوری انگری ایری ایری ایری ایری انگری ایری انگری ایری انگری ایری انگری ایری حدميال معودالماري اری مهالامل میں ہی ہے د مولانا کو گرفتار زکرنسکا افغالت ستان کرم آ

बापस बुका किया. मौलाना खुरी खुरी कावुल बापस धाये और धिकातान के राजकात को चलाने में धर्मीर धर्मानुल्ला काँ की सवद करने लगे. सेकिन अपने देश की ध्यावादों का वह नहीं सूल सके. इसका नतीका यह हुआ कि कुछ ही दिनों में धर्मानुल्ला खाँ ने हिन्दुस्तान पर हमला कर दिया. यह हमला मौलाना मुहन्मद मियाँ लाह व धौर मोलाना उबंदुल्ला सिन्धा लाह ब किया गया था और सरहद का वह पूरा स्गठन, जिसकों कमान हाजी तुरंगजई के हाथ में थी. इस वक्षत भी धर्मात को पूरी मदद कर रहा था. लेकिन हवाई जहाज धरोरह न होने से ध्यातगान को जे उथादा धांग न बढ़ सकीं. और ध्याता धांग न बढ़ सकीं. धर्मा लीट गया. इस तरह मौलाना का एक बार किर संयूसी का धांमना करना पड़ा. लेकिन इस पर भी वह हिम्मत हार कर बैठ नहीं गये और उन्होंने धराने कास को जारी रखने का हो कैसला किया.

श्रवा दिन्द भी० श्रद्धमप् निर्वो सन्स्र धन्सारी अञ्चल सन् ४८

अफरागिस्तान की यह लड़ाई खत्म हने के बाद मौलाना खबेदुल्जा सिन्थों को काबुल छोड़कर चला जाना पड़ा. मौलाना मुहम्मद मियाँ साहब के लिये यह भो एक बहुत बड़ा सदमा था क्यों कि पिछले दिसयों बरसों से दोनों एक दूसरे के कन्य से कन्या मिला कर देश को अजादी की लड़ाई लड़ रहे थे. मुसीबतों से भरी हुई न जाने कितनी चिक्यों दोनों ने साथ साथ बिताई थो और जब कि नाकामयां और निराशा ने उनके दिलों पर च.ट की थी तब उन्होंने लड़ा दूसरे को तसल्का शी थी. लेकिन आज, जबकि अपने मुल्क में

دالين كل ليا. مولانا توقع توقئ كالم والين المريم اهد افغالت تان محدميال منعبير العنادى イント

वया हिन्द मौ० बुहम्मद मियाँ मन्सूर बन्सारी अप्रेल सन् थट

खौटने के दर्बाचे उनके लिये बन्द हो चुके थे. तब वह करीब करीब हमेशा के लिये ही बिछुड़ रहे थे. पर देशभक्ति की राह में क्या नहीं सहना पड़ता. मौलाना ने यह भी सहा झौर एक दिन अपने दिल पर पत्थर रख कर अपने इस प्यारे दोस्त को विदा

इसके बाद मोलाना मुहम्मद मियाँ साहब झंकोरा में अकतान दूरावास के एक बंद आकसर बना कर भेजे गये. वहीं आपने काकी दिनों तक काम किया. लेकिन एक दिन आप अपने कुछ और सिथियों के साथ रूस के जंगलों में गिरक्तार कर लिये गये. वहाँ आपको करीब तीन महाने तक ताशक्रन्द के जेल खाने में रहना पढ़ा. इसके बाद अपका मुक़दमा हुआ, जिसमें आपको फांसी की सखा मुना हो गई, लेकिन ताशक्रन्द के एक बढ़े अकसर सरदार अबदुल रसूल पर आपकी शिख़कात्व का इतना असर पढ़ा कि अपको दिहाई के लिये पूरी तरह कीशिश की. इसका नतीं वाद हुआ कि आप रिहा कर दिये गये. इस तरह आप एक बार किर फाँसी के तरहते पर चढ़ते बढ़ेते बवे.

ताशक्रन्द का जेल से रिहा होने के बाद आप अफ गानिस्तान बापस लौटे. लेकिन जल्दो ही एक राजनैतिक मिशन पर अफगान सरकार ने आपका रूस भेज दिया. जहाँ आप लेनिन व रूस के दूसरे बड़े बड़े लीडरों से मिले. इसके बाद आप अंकोरा के अफ गान दूतावास में सबसे बड़े अफसर बना कर भेज गये. इस अमने में समरना को फतह पर अंकोरा में जो जल्सा हुआ था

इसी जुमाने में जाप काजिम इंटी बक़र पाराा, जमाल पाराा, रजफ़ कोर आती शकरोंबे बगेरह टकी के बड़ बड़ नेताओं के सम्पर्क में आवे. इतिकाक से यह सभी नेता उस पार्टी के थे. जो अस्तका कमाल के खिलाक थी. इसलिय मुस्तका कमाल से आपकी कभी नहीं निम सकी.

ः मौलानां गिरंप्रतार कर लिये गये और उनको फाँसी का हुक्म सुना कर दिया. इसका नतीजा वहीं हुआ जो हाना चिहयेथा. यानी साहब आनते थे कि बच्चा सक्का की किसो भा तरह की भट़द करना पर्लियामेन्ट का प्रेसीडेन्ट बनाना चाहा. लेकिन मुहस्मद मियाँ श्रंप्रेजों को सदद देना है. इसिलिये उन्होंने प्रेसीडेन्ट बनना नामज़र हो. इस लिये उसने मौलाना मुहम्मद भियाँ साहब का श्रक्तग्रान पर अपसर हो अपौर जिनमें राजकाज चलाने की भी कावितयत बाहताथा कि उसे इस्त्र ऐसे लोग मिल जायें. जिनका श्राम लोगों ने अपनी इक्सत क्रायम कर ली. अंग्रेजों की पालिसी क्या क्या इसके बार ही श्रक्तशानिस्तान में एक तृक्षान उठा और बच्चा सङ्गक्ता जब तक अक्तरातिस्तान के तखत पर अमानुला खाँ गहे. लेकिन की हैसियत से बैठ कर हकूमत कर रहा था. बच्चा सक्का था. जब कि एक सामूली डाकू काबुल के तख्त पर बादशाह कर सकती है, उसका वह एक हैरत में डाल देने वाला नमूना करते रहे झौर फिर उसके बाद आपका एजूकेशन के महकसे में निस्तान के सियासी महकमे में एक बड़े श्रकसर की हैसियत में काम डाइरेक्टर का पद दे दिया गया. जिस पर श्राप उस जमाने तक रहे. अंकोरा से बापस आने के बाद आप कुछ दिनों नक आकशा

ایم و ما می این معمد انسان کا با ایم و می ایم و

नया हिन्द मींठ मुहम्मद मियाँ मन्सूर अन्सारी अप्रैल सन् '४८ विया गया एक बार फिर मौलाना के सर पर फाँसी का रस्सा भूलाने लागा, लेकिन मौलाना एसी आसानी से फाँसी पर बढ़बाने बाले जीव हाते. तो अभी तक न जाने कितनी बार फाँसी पर बढ़बाने बाले जीव उन्होंने एक बार फिर जुगुत लगाई, पहरेदारों का मिलाया और एक उत्होंने एक बार फिर जुगुत लगाई, पहरेदारों का मिलाया और एक उत्हा का बुपवाप केंदलाने की दीबाल लॉब कर सरहदों इलाक की तरफ वल दिय. क्योंकि इस इलाक में आपकी पुरानी जान पहिचान की, खिपते बिपाने आप 'बाजाइ' आ। पहुँचे और बहाँ तब तक रहे. वि तक बड़वा सबता को हकुमत बिल्कुल ही स्रस्म न हो गई.

इसके बाद आप फिर काबुल लोट गय. इस तरह हमारे देश के इस देशभक्त मपून ने ऋपने हेश की सियासन के साथ साथ दूसरे दूसरे सुल्कों की सियासन में भी पूरा

न जाने कितने बड़ बड़े इंकलाब उन्होंने अपनी आखों से देखे थे. सन् १८१५ में जब अरब में अजादी की लड़ाई चल रही थी, तब आप अरब में थे के बाद जब अफगानिस्तान में अप्रेजों के असर और उनके अधिकारों के जिलाफ इन्कलाब उठा. तो उसमें आपने जास हिस्सा लिया और मुसीबतें भेलीं. फिर जब बुलरा में क्रान्ति की हिस्सा लिया और मुसीबतें भेलीं. फिर जब बुलरा में क्रान्ति की अपने साम मुलगी. तो आप वहीं थे. रूप की मशहूर लाल क्रान्ति के बक्त आप ताराकंद, मास्को, बाकू. बातूस और निष्कस में घूस रहे थे. सम १६२१-२२ में जब तुकीं से जिलाफत हटी और तुकीं का नया

जनम हुन्या. तो त्राप वहां माजूद थः इसी तरह न जाने कितने मुल्कां के कान्तकारी नेतात्रों में से भी कापके ताल्तकात थे. ट्रिपोझीटेनियाके मराहुर कान्तिकारी नेता रोख

این می از م

प्रकार पार पार अहरपर समसूर अन्यारा अप्रत सन् '४८ अहं सर् समूरी, मिक्स की आजादी की लढ़ाई के हीरो अल्लामा अहुक्ल अपीय चलेशी और कुंदरतान की आजादी के लिक्स अपना सब कुछ हाँव पर लगा देने बाले शेल महसूद सईद कुंदी भापके खास दोस्तों में से थे. इसी तरह हिन्दुरताव के बीसियों जिलाबतन देशभक्तों को आपसे मदद मिलती रहती थी. मिसाल के लिये जब आप अक्रोरा के द्वावास में थे, तब मौलाना अब्दुल हमान सहब अस्ततसरो और मौलाना मौला बख्य साहब नगीनवो सहीतों तक आपके मेहमान रहे. अमल बात तो यह हि कोई भी ऐसा शख्स, जो देशभक्त हो आपके लिये सगे भाई की तरह त्यारा हो जाता था.

सन् १-३७ में जब हिन्दोस्तान के सूत्रों में काँप्रेस सरकारें बनीं, तब बापसे भी कहा गया कि बाप जिटिश हक्कमत से हिन्दुस्ताब बीटने की हजाजत साँगें, लेकिन बापको यह गवारों नहीं था कि जिस हक्कमत से बाप जिन्दगी भर लड़ते रहे, उसी के सामवे बाद कुक रियायतों के लिये हाथ फैलायें. न आप उस हिन्दुस्तान में बीटने के लिये ही तच्यार थे, जिसकी सरकारी इमारतों पर अब भी यूनीयन जैक लहरा रहा था. आपका कहना या कि मैं तो उसी हिन्दुस्तान में लीटूंगा, जो पूरी तरह आजाद होगा.

लेकिन मीलाना को यह दिन नेखना नसीब न हो अका और शृत अनवरी सन् १९५६ को अपने बतन की आचादी की माला जपते जपते वह हमेशा के लियं इस दुनिया से चल दिये.

कीन जानता है कि जब उनकी पलकें हमेशा के लिये गुँद रही होगी, तब उनके दिल में क्या क्या जरमान उठ रहे थे. शायद एक

الما الما الله المواد المواد المحاد المواد المحاد المواد المحاد المواد المحاد المحاد

बार तो उनके। अपने बतन की याद आईही होगी. जिसके लिये उन्होंने अपना सब कुछ दाँव पर लगा दिया था और जिससे वह पिछले तीस साल से खुदा रहे थे. पर इसके साथ ही उनके सामने हिन्दुस्तान में बल रहे हिन्दू मुसलमानों के बहिशायाना कराड़ों की तस्वीर भी तो धूमी होगी और तब शायद उनको इससे तसल्ली ही मिली होगी कि आज वह हिन्दुस्तान में नहीं हैं और अपने इस आकिरी बक्त में, कम से कम उनके कानों में. किसी मुसलमान के हाथों मारे जाने बाले किसी हिन्दू था किसी हिन्दू के हाथों मारे जाने की बीख तो नहीं आ रही है.

नया हिन्द मी० मुहन्मद मियाँ मन्सूर अन्सारी अपने सन् १४८

मौलाना का नाम हिन्दुस्तान की अभ्बादी की लड़ाई के इतिहास में इमेशा अमर रहेगा.

'हिन्दू मुस्लिम एकता'
पंडित सुन्दरलाल के
बार लैंकचर जो उन्होंने
सेन्द्रल कन्छीलियेटरी बोर्ड ग्वा क्यिर
की दाबत पर ग्वालियर में दिये.
सौ सके की किताब की कीमत सिर्फ़ बारह आने.
किताब नागरी चौर उर्दू दोनों किलाबटों में मिल सकती है

४८ बाई का बारा, इलाहाबार

ن بیده ف ین و شام این این این این اول کے اتماس میں وران کو ایم متدستان کی آزادی کی اول کے اتماس میں ویستند امر رہائی۔

है. की एक चौर भी वजह थी. वह यह कि उनका इकलौता बेटा करीम 🔷 वहीं को मिट्टो स्वीर हवा में खेल-कूर कर वह बड़े हुये थे. सुहब्बत भरी-पूरी उमर में बहीं उनसे हमेशा के लिये विद्धड़ा था. उसकी याद में डन्होंने गाँव के बाहर एक छोटी-सी थादगार बनबादी थी. सो **लक्ष्य निकले. हाथ डठाने की बात तो दूर रही. बच्चों के गुरू होने** कर खालें. क्या मजाल कि मौलवीं साहब के मुहसे एक भी तेज साथ उनका सब्दक बड़ा ही धानक्षा था. बच्चे कैसी ही गोबती क्यों न होती थी. मौलवी साहब का बोल बड़ा मीठा था श्रौर बच्चों के कर लं जाने में उन्हें बड़ा मजा त्राता था और सुरी कौर तीझ-त्यौहार पर उनके लिये बढ़िया-बढ़िया पकवान बना बे. दौड़कर उनका चिलम भर लागा लेत से साग-सब्जी ले जाना एक सदरसा खोल दिया श्रीर बड़ प्यार से बचों का पढ़ाने लगे. बचों करें 'मौलवा साहव' कह कर पुकारते थे. ढाई-तीन हचार की ऋावादी को उस गाँव से बड़ी सुहब्बत थी. उनका जन्म वहीं हुआ। था और **विज्ञली. न राकाखाना श्रीर रेल कार्सो दूर: फिर भी मौलवी साहब** से मौलवी साहब को बहुत प्यार था श्रीर बच्चे भी उन्हें बहुत चाहते की बस्तीथी. जिसमें कोई खास॰ बात न बी – न पकी सड़क, स नहर की अकसरी से जब उन्हें छुट्टी मिली तो डन्होंने उसी गाँव में वैसे उनका नाम तो था रहमतउल्ला खाँ; लेकिन खोटे-बड़े सब (भाई यशपाल जैन की. ए.. एत-एत. की.)

المجان ار زمتا خار اور دی موس دور: میم می مولی ما مر موس موس می این کا به وی موس مولی می مولی ما در میمی مولی می موس موس کا اور میمی موسی این کار مرکوری می موس می مو دم الن اختی بال جین بی ارب ، ایلی ال بی ای ایسی التو حال ایکی ال بی ای ایسی ایسی التو حال ایکی تصویر می بیور م مسب انتخیس ومولوی معاصراً کهر ایکارت میمی وصائی تین مزاد می سب انتخیس ومولوی معاصراً کهر ایکارت میمی وصائی تین مزاد می بلامقیا تک اور بین کے ساتھ ان کا سوک بوا ہی اچھا تھا ۔ کے میسی جی طبع کیوں نرکوائس ، کیا مجال کہ مودی صاحب کے مند سے ایک می تیز فعظ تک باتھ اٹھائے کی آئ تو دورد ہی بیجوں کے کو د ہوئے さいい

बाघे से ज्यादा गांव साथ गया था. डनका घराना बड़ा अच्छा था और जब करीस की मौत हुई बी. की बजह से सारा गांब उन्हें ब्रादर की निगाह से देखता था. वैसे भी

तरह सकद हो गय. गुजरे भीर मौलवी साहच के सिर श्रीर दाढ़ी-मूँछों के बाल सन की गांव के बाशिन्यों के एक हिस्सा बन गये. कुछ श्रीर बरस इसी तरह ही रहा. दुख आदिमयों को नजदीक लाता है. सौलवी साहब भी उस बनबादी. चोट पर चोट लगी; पर मौलबी साहब का सद्रसा चलता इदें भरे दिल से एक छोटी-सी यादगार कातमा बेगम के लिय मी चल वर्सी त्रीर करीम की यादगार के नज़रीक ही मोलवी साहब ने धीरे-धीरे बरसों बीत गये. इस बीच मौलवी साहब की बीवी भी

ही शर्मनाक बार्वे मजार आने लगीं. शहरों का आग की लपटें देहातों में दूसरे की जान लेने पर उतारू हो गये. जिधर देखां, उधर बब्बता जा रहा है. इससे उन्हें बरा भी फिकर नहीं हुई. उसी प्यार भी पहुँचीं भीर मौतर्षा साहब ने देखा कि उनके गाँव का रुख भी तरफ सार-काट और लूट-पाट के बेरहमी भरे नज्जारे दिखाई बार सहत्वत से बच्चों को पढ़ाते रहे और गाँव वालों के साथ पेश किया ऐसी विगड़ी कि वे दुरमन बन गंग और एक देने अपने. हर जगह असीक छा गया. कल तक जो दोस्त थे, श्रचानक मुल्क में साम्प्रदायिकता की आग भड़क उठी. हर

बे कि बुलिया का लड़का आया और बंदगी करके खड़ा हो गया. एक रोज मीलकी संहिब खा-पोकर चारपाई पर बैठे हुनका पी रहे

> یا ہوں سے سالا کا فیل ایمنیں اور کی نگاہ سے دکیتا تھا۔ ولیے می اس کا محواظ بڑا ایمنا تھا اور جب مرکم کی موت ہوئی تھی ادھے ے زیادہ کالی ساتھ کیا تھا۔ ا

مر من سے محافل کا ترقیمی بداتا جارہا ہے۔ اس سے ہمیں درا می مکو ہمیں ہوتی۔ اس بیار اور محت سے بیٹوں کو ڈیٹھاتے رہے اور کا فیلی والوں سے سے بیٹر اسٹر اسے مسیمی میں اس بھو اور الوں سے اس بھو ان کرنے محمول اور سے محتول الوں سے مح

भ्रमेल सन् 'क्षद

मौलूबो साहब ने सहज भाव से पूछा. "क्या है बेटा, देवो ?" देवी के मुँह से एकदम बाल नहीं निकला. तब मौलवी साहब ने फिर कहा, "कहा बेटे कथा बात हैं?"

देशी अब अपने को रोक न रख सका और फूट-फूट कर रोने लगा. मोलवो साहब अवरज में भर रह गये. हुक्के का एक तरफ सरकाकर इन्होंने देशी को अपनो तरफ खींच लिया और पाठथपथपात हैं बेले, ''इतना दुखो हाने का क्या बात हैं, बेले ?''

देर तक देवी की हिचकी बंधा रहा. संभला तो वंला 'मौलवी ताइब, काप यहां से चले जाइये.''

साइव, भाप बहां से चले जाइवे."
"क्यों बेटे?" मीलवां साइब ने बिना किसी घबराइट बा

"मैं व्यापके हाथ जोड़ता हूँ मौलवो साहब, व्याप अभ्ज हो चले जाइबे. यहां क व्यासार अच्छे दिखाई नहीं दे रहे हैं. हवा ऐसी विगड़ी है कि किसी का किसी के एतबार नहीं रहा. में आपसे क्या कहूँ... कहते शरम व्याती है.... व्याज हरी, लीला, पंचम सलाह कर रहे थे...."

''क्या सलाह कर रहे ^{हु}'' देवी के रुक जाने पर मौलवी साह्ब प्रह्मा

"मौलवी साहब, जबान नहीं खुलती" कहते थे कि एक दिन रात की मौलवी साहब के घर पर धावा बोल दो और उन्हें...."

आगो देवी के कुछ कहने की जरूरत नथी. मौलवी साहब संब समक्त गये. जनके बूढ़े चेहरे पर जरा भी शिकन नहीं आहे और जन्होंने हँसते हथे कहा. 'बेटा. इसमें हैंगन होने की कारण

श्रप्रल सन् '४८

है। तुम लागों का मेरी चरूरत नहीं है, तुम सुके नहीं चाहत हो ता हुँ, तुन्हारां , खुशां में मेरी अपना खुशां है. गिरधारी से कह देना मुक्ते हा अपना फिकर क्या हा ! बार सुना, मै तुमसे दिल सं कहता नहीं. जान्या बेटे, चेन स साम्रा. तुन्हार मोलवा साहत्र का एक कि रात का क्या, में ता दिन में हा हाजिर हूँ. उस डरने का जरूरत द्न वंस भा)

जने इक्ट दूर साथ चलंग, जिससे रास्ते मंकाइ इक्ट कहन सके कं पेर पड़ता हूँ मालवा साहब, आप चल जाइय हम चार-छः साहब पर इसका चरा भा आसर नथा. जस द्वा का बात बड़ा फिर बरूरा सामान भा ता साथ में ल जाना हागा. जिन्दगा क्रामतो मामूला-सा ह. अपने का संमाल कर दवा किर बाला----में आप सहरूवत हा सहरूवत बांटा है। वहां कुछ हाना कोई अच्छा बात बोच है मिलंबा साहब, श्वार जहां श्वापने सारी जिन्दगो द्वा का जा अवंदर सं डमड़ा आ रहा था; लेकिन मौलवी

श्राच्छाः बुरा बनाता है. में पूछता हूँ बटा, जहाँ एतबार नहीं, जहाँ सुहञ्चत नहीं, बहाँ जीने से क्या फायदा! बेटा, में सुहज्बत का भा बदलता रहता है. जो आज अच्छा है, कीन कह सकता है कि थोड़ा गंभार हाकर कहा-- 'बन्नत के साथ हमार अच्छ-बुर का नाप को मैंने तुम लोगों की मुह्ज्बत में भूल जाने की कोशिश की थी कल भी वह श्रच्छा रहेगा? श्रपती चरूरत के मुताबिक श्रादमा भू (बा हूँ) बहां मुक्ते जिन्दा रखर्ता हैं. करीम श्रौर कातमा की याद • अच्छा बुरा इस दुनिया में क्या है बटा !» मोलवा साहब ने

رواعم وكون كويري مرورت تنين روتم مي تنين حايث ووق معيم إي وين عريون بوادو عندا من حري من ول ستمامنا إمل

(D) N)

प्यार की नीव

भप्रेल सन् '४८

इधर की श्रास गई ते। फिर मुक्ते बन्हों दोनों के पाम जाने में क्यों इस होना चाहिए."

यह कहते कहते मौलवी साहब की आँखें गीली हो आहें :

देबी ने बाद में बहुतेरी मिन्नत की, लेकिन मौलवी साहब जाने के लिए राज्यी नहीं हुए. उन्होंने साफ कह दिया कि देवों बेटे. असीबत से डर कर कायर भागते हैं और जिसकी जिंदगी को इमारत प्वार की नीव पर खड़ी हुई हैं. जसे डरने की जारा भी जिरुत नहीं हैं.

देवी चला गया भौर मौलवी लाहब चारपाई पर लेट गये. उनके मन में डर रत्ती भर नहीं था; पर करीम भौर कातमा की याद से छन्हें थोड़ो बचैनी हो झाई थी. वह सोचने लगे कि यह सब है क्या ? आदमी का प्यार क्या एक खुलखुला है, जो जरा-सी देर में फूट जाता है. उसकी जड़ें इतनी कमजोर हैं कि हवों के एक हलके मोंके से खबड़ जातो हैं ? नकरत लेकर हम कहाँ पहुँचेंगे ? इस मारकाट और दुश्मनी का क्या नतीजा निकलेगा ? हम लोग अपने को तबाह कर लेंगे. या अल्लाह!

मौलबी साहब के मुँह से एक लम्बी श्राह निकर्ना श्रीर एक छन में इस गाँव की इनकी सारो जिन्दगी इनकी श्राँखों के सामने शूम गई. सोचा-विचारी में इन्हें इस रात देर तक नींद नहीं श्राई.

अगला दिन चैन से बीता. मौलबी साहब का मदरसा लगा और शास को हर दिन की तरह बच्चे अपने-अपने घर चले गये.

रात को देर तक मौलबी साहब ग्रहम्मद साहब की जीवनी बढ़ते रहे. प्रसंग था कि ग्रहम्मद साहब एक पेड़ के नीचे सो रहे हैं.

الملاون عين سے بيتا ، مولئ صادب كا مدرس الكا اور تما كا اور تما ك

चठता है भौर चठा-का-चठा हो रह जाता है ! यह क्या ! सो रहे हैं. उन के चेहरे पर मुक्तराहट खेल रही हैं. आदमी का हाथ के लिए न्यान से तलवार खॉबता है. हजरत मुहम्मद बेफिकरी से है भीर उन्हें यों भकेला पाकर ख़ुश हो उठता है और उन्हें मारने सुनसान जगह है. उनसे बैर मानने वाला एक ब्राइमी उभर श्राता अपरे, यह कौन सी ताकृत है, जो उसका हाथ थाम

भर्मेल सन् '४८

🧢 रक्खें तो दुनिया पक हैं. फिर किसी के किमी से डरने की जरूरत पड़ीं....वह मुह्ब्वत का बासर था . आदमी आपना दिल साफ ही क्या हो ? झौर सच तो यह हैं कि दुरमन ख़ुद झादमी के भीतर मौलवी साहब की श्राँखों की कोरों से दो बूँदें इथर-उथर टपक

सर्गा. हजरत महम्मद के प्रसंग से वह बहुत बेचैन है। उठे थे. साबने लग बर्ता उन्होंने बुक्ता दी झौर चारशई पर लेट कर जाने क्याक्या रात काफी बीत चुको थी; लेकिन मौलवी साहब की आँख नहीं

में मीलबी साहब को पहचानते देर न लगी कि आगे गिरधारी है एक के बाद एक करके तीन ऋादमी झन्दर घुस ऋाये. चाँद की रोशनो हो मिनट बाद ही वह देखते क्या हैं कि घीरेसे दरवाचा खुला और चाप लेटे रहे कि देखें क्या हैं! ब्राहट होकर खामोशी छा गई; लेकिन आ रहा है. मौताबी साहब ने फिर भी कुछ नहीं कहा. ज्यों के त्यों **बह धोरे-धीरे क्रहम बढ़ाता उनकी चारपाई की तरफ बढ़ा चला** इतने में दरवाचे पर थोड़ा-सा खटका माल्स हुआ. वह चुप

19. Cy

وہ وحیرے وحیرے بیتم بیصرتا ان کی جاریان کی وق برخصابا

नथा हिन्द प्यार की नीब अप्रेल सन् '४८ कोटे रहे. गिरधारी चारपाई से कोई दो गज की दूरों पर कक गया और इंशारा करते ही साथी ने उसे कोई चीज दे दो. गिरधारी एक- कदम और अभी बढ़ा.

मौल नी साहब ने देखा कि उसके दोनों साथियों से एक पंचम अपार दूमरा लीला है. इन तीनों को उन्होंने ही पढ़ाया था.

गिरधारी देर तक वहीं खड़ा रहा . वह न आगो बढ़ता था, न पीछे हटता था . बुत की तरह खड़ा था . बसे इस हालत में मौलबी साहब देर तक न देख सके . बोले,—"बेटा गिरधारी. क्या सोब रहे हो ? आगो क्यों नहीं बढ़ते ?"

गिरधारी को काटो तो खून नहीं!

मौलवी साहब उठकर बैठ गयं. वोले,—"बेटा, आते क्यों नहीं ? तुम्हें जो करना हैं, शीक से करलो . मैं तुम्हें रोकूं या कुछ भी कहूँ तो अल्लाह सुक्ते दोखला में भी जगह न दे! अरे पंचम और खिला, तुम लोग इतनी दूर क्यो खड़े हो ? आगो आओ बेटा और गिरधारी की मदद करो ."

गिरधारी और उसके दोनों साथी सन्न खड़े थे. गिरधारी सोचता था कि धरती फट जाय तो बह उसमें समा जाय, या श्वास-मान दूट पड़े तो बह उसके नीचे दब जाय! हाय राम, उसने किया क्या ! तब्बे बरस के प्यार भर अपने मौलबी साहब का जुरा करने की बात सोचने से पहले बह मर क्यों नहीं गया! उसके भयंकर जुर्म के एवज में भी उस फरिरते के मुँह से प्यार की बोली ही निकल रही है. हाय, बह कैसा नीच है! कैसा पार्थी है!

میں بائتھیں بوکرنا ہو، تون سے کودین بھیں دکوں یا تھ بھی بوں وائٹ کھے دوز نے موجی جگرز دے ارے تم اور کیا اتم فون افٹی دور کمیوں کھیٹ ہے دول ساتھی من کوٹ تھے کو دھاری کردھن کیا کہ دھولی تھیٹ جائے ہو اس سے دائم اس نے ایا آسان کردھن کیا ہے ودھ اس سے بیار تھوے اپنے والم اس نے ایا آسان کی بات سوجنے سے میلے وہ مرکبوں نہیں کیا اس نے کیا کی بات سوجنے سے میلے وہ مرکبوں نہیں کیا اس سے جھینکر دوم کی بات سوجنے سے میلے وہ مرکبوں نہیں کیا اس سے جھینکر دوم کی بات سوجنے سے میلے وہ مرکبوں نہیں کیا اس سے جھینکر دوم کی بات سوجنے سے میلے وہ مرکبوں نہیں کیا اس سے جھینکر دوم کا جوتی میں بھی اس جھے کے مرتب سے بیار کی بولی ای بی

व्यार की नीव

त्रप्रेंत सन् 'क्ट

लेकिन बेटा, सच कहता हूँ, मुक्ते तुमसे कोई शिकायत नहीं है. में खेले थे और मैंने तुन्हें अपना हो करीम मान कर पढ़ाया था; इंसान को ऋपना फर्ज पूरा करना चाहिए. मैंने जो किया वह मेरा ''बेटा गिरधारी, सुभे तो वह दिन याद त्राता है जब तुम मेरी गोद क्कचेथा, बेटे, तुम मेरे अजीज हो, प्यारे हो झौर बैसा मान कर मेरे दिल से तुम्हारे लिये सदा ब्यसीस ही निकलेगी ." मौलवी साहब ने बड़े ही सरल और सिघे भाव से कहा-

दूध—सी चाँदनी में मौलवी साहब का चेहरा चमक उठा

थ गया . पंचम ऋौर लीला भी चारपाई के नजदीक आकर बैठ गये. कर हुक्के पर से चिलम उठा कर भरने के लिए बरोसी की तरफ बढ़ गिरधारी ने हाथ की चीज एक तरफ केंक दी खौर आगे बढ़ मौलबी साहब ने उन दोनों की पीठ थपथपाई श्रौर देखा कि

बरोसी के पास बैठा गिरधारी बार-बार अपनी आँखें पोंछ रहा

مع اور می من مختی اینا ای کریم مان کر پیرسایا تھا! کیلن بیایا کریم مان کر پیرسایا تھا! کیلن بیایا کہ کہتا ہوں ایک کریم مان کر پیرسایا تھا! کیلن بیایا کہتا ہوں ایک سے کول مشکل سے کہتا ہوں اور فرض تھا۔ بیٹے این فرض بیاری میں ایو اور دیب مان کرمیرے ول سے کہا ہوں کریم کے دل سے کہا ہوں کا میں کا کہ میرے دل میں کہتا ہوں کے دل سے کہا ہوں کریم کے دل سے کہا ہوں کے دل میں کہتا ہوں کے دل سے کہا ہوں کیا ہے۔ " بینا کودهاری، نیچه نو هه دن یاد اما اور سید هے بھاؤیں کہا۔ " بینا کودهاری، نیچه نو هه دن یاد اما اورجہ تو میری کود میں کھیلے مقارے کے سا اسی ای نظری"

دوده. ی جاندن میں مودی صامب کا جره جگ اتھا۔ کودھاری نے اکتری چیز ایک طرف مجینیک دی دور یروی کے اِس بیٹھا کردھاری بار بار این کا کھیں پونچر ماما

ニーニ人グダクンニーー

में नई दिल्ली गया और रोया!

(भाई गु० म०)

पिक्क मार्च में में नई दिल्ली गया. मेरे दिल में बड़ी डमंगें बीर कमीदें थीं. क्यों कि मैं अपने आखाद मुक्क की राजधानी देखने जा रहा था. वहां मुक्के नए हिन्दू की एक भलक खतर मिल्लेगी देसा मुक्के बार बार लगा.

सगर बहां पहुँचने पर ही मुक्ते ऐसा महसूख हुआ कि मैं बारों रिक आग के रोलों से जैसे बिरा हुआ हूँ. गला बुदने लगा. दें बिल में वर्ष होने लगा.

Les viel Louis Co.

المرويل النفي بمري على دليا عمون بواكرين علاول الن المرويل النفي بمري علي موا يوا بون الحاليات الله على درد

Control of the contro

में नई दिली गया और रोथा! अर्जल सन् '४८

होता है वह देखा. आप अपना केई भी काम बरार रिशवत और पोशाक पहनने बाले भाइयों के साथ जो बेपरवाही का सब्द्रक रोया जब कि मैंने सरकारों दक्ष्तरों में सोधा सादी अपनी देशी रुसवाह के नहीं करा सकत

दांगे बाले १ और ७ रुपए की बात करने लगे, आगर कोई पूछ कि बस में गाड़। क्यों न सफरकिया गया तो उसका जवाब यह है. कि पहले लोंगे तो काइं २५) रुपए से कम पर जाने का तैयार न हुआ. और से दुसरी जगह जाने के लिये कितना फासला काटना पड़ता है तें बस हर जगह दिल्लो में जाती नहीं और दिल्ली में एक जगह टैक्सी बालों से पूछा कि वह कनाट सरकस से जाने का क्या किराया आदमी जो करौलवारा में रहता था, बससे मिलन के लिये सीचे सादे रारीब लागों का चमड़ा हो उधड़ लेते हैं. एक बोमार तरह का बाद चल रही हैं. टांगे बाल और टैक्सी (माटर बाले) तो डनसे ता सर चकराने लगता है! बहुतो सबको बखूबी माद्भ हैही. और नई दिल्ही के रास्ते? सरकारी दक्तरों में इस किस्म की ब्रुट और शहर में दूसरी

उसे एक ख़ुराका घर नहीं तो खोलाका घर तो जरूर ही राना चारिय ने एक टकसाल (पैसा बनाने का कारखाना) बना रखा है. श्रगरचे कटवानी पड़ती हैं. क्यों कि ऋस्पताल के। वहां के कास करने वालों अस्पताल में भी यहां हाल है. इलाज करवाना हा ता जेव

हो गया है जैसे जेब में किसी केंदी से मिलना. पहले बह हमारे भाषादी के बाद अंबने लोडरों से मिलना तो ऐसा ग्रुरिक्स

معطرجب كم ين سنة مركادي وترون إلى سيدهي سادي اي ديني ことの これの でんない 1 19

न्या दिन्द में नई दिली गया और रोया! अप्रेल सन् 'अट्र प्रेम के केरी वे अप कह पुलिस के केरी हैं! दिन रात और जहां भी यह जाते हैं बस पहरा ही लगा रहता है.

नई दिल्लों के रहने बालों के बड़ बड़े सकान जितमें सिर्फ सीन या बार आहमी रहते हैं और पुरानी दिल्ली जहां एक एक छोटा बांबेरी केठिरी में पाँच से दस सक लाग रहते हैं. इन दोनों के बीच का फर्क देख कर दिल जल चठता है,

श्न सब बातों के कारन में जितने दिन नई दिल्लों में रहा एक मी दिन एसा न था जब में न राया हूँ. हा सकता है, कि इसकी तह में गांधा जी का रार मीजूदगां का दुख भो रहा हो क्योंकि पहले एक दा बार जब भो में नह दिल्ला गया तो गांधां जो के द्रांन का पक दा बार जब मो में नह दिल्ला गया तो गांधां जो के द्रांन का मौका मुक्ते हर एक बार मिला, क्यों कि उनका दिल जोर द्रवार वा हमेशा ही खुका रहता था. काश कि हमार सरकारा द्रानरों में काम करने वाल आर बाका लाग भा जागा दिल आरे द्रावाता. जब ता नह दिल्ला स्वराजस्थान नहीं बिल्क स्वायंस्थान बनी हुई है.

एक जमाना था जब हिन्दुस्तान में ''दिल्ली अभा दूर है'' का नारा धुनने में आता था. इसके बाद ''दिल्ली चलां' का नारा धुनने में आया ओर अब जब दिल्ली पहुंच गए है तो उसका मौजूदा हाखात देखकर दिल बार वार पुकार उठता है ''दिल्ली से दूर चला'' बात यह है कि नई दिल्ला में अब तक न तो सरकारा रवेया बदला है और नहीं लागों का चाल चलन. आजादी एक पवित्र चीच हैं. उसका ख्याल ही आभी तक लोगों के। सही तौर पर नहीं

ام مند میں میں وق کی آور دویا! ایریا کو المد المت المت وقت کھے! وق والت میں وقت کھے اور وہال میں وقت کھے اور وہال میں وقت کھے اور وہال میں وقت کھی اور وہال میں اور وہال وہال ایک ایک کھی میں اور وہال وہال ایک ایک کھی میں اور وہال وہال ایک ایک کھی وہال ایک ایک کھی میں اور وہال وہال ایک ایک کھی وہال ایک ایک کھی وہال ایک ایک کھی میں اور وہال وہال میں اور وہال وہال میں اور وہال وہال میں اور وہال وہال میں اور وہال میں اور

आया. क्यों कि अगर आया होता तो सब से पहले तो हुकू गत चलाने वालों के दिल ही बदल जाते. मगर दिल तो अब तक पहले की तरह श्रार मुदों नहीं तो बिल्कुल सड़े हुए तो हैं ही. में नई दिली गया और रोया! अप्रैल सन् '४८

मेरी दिली दुआ है. यह कह कर मैं वहां से अपने छोटे से गांव को फिर बापस चला श्राया. **प्राधित में भ्रभु सुम्मे नई** दिल्ली से हमेशा दूरही रखिये!' ऐसी

पढ़ने वालों से

के और इससे 'नया हिन्द' के प्रेमियों का 'नया हिन्द' के इन्तजार में बड़ी तकलीक होती हैं. हम 'नैयहिन्द' के प्रेमियों के। इसका कारन बतला देना चाहते हैं. आजकल बाजार में काराज से माक्री चाहते हैं. इलाहाशद के करीय करीय सभी प्रेसों का यही हाल हैं. हम जतन यह कठिनाई उसी प्रेस में नहीं हैं, जहाँ 'नया हिन्द' झपता है बल्कि क्षेते हैं और इससे काम का इन्तज़ाम बहुत गड़बड़ हो जाता है, पर प्रेस के मज़दूर मामूली माँगों के लिये हड़ताल का सहारा ले और प्रेसों में काम करने वालों की बड़ी कमी हो गई है. आम तौर जब तक हम सफल न हा सकें, तब तक हम 'नया हिन्द' के प्रेमियों कर रहे हैं कि 'नयाहिन्द' के फिर बक्त पर निकालने लगें पर इधर कई मही ने से 'नया हिन्द' बक्त पर नहीं निकल रहा है

> الله المع معرواي علاما

يرطعن والول

الموية بعماما يور يركفونان أي يورك من من من اور جهال نياميد ارحمی مینے سے نیا میں وقت پر کئیں بھی رہا ہو اور اس سے ونیا میں کئے برمیوں مو ونیا میندہ سے انتظار میں جری محلیف میوتی ہو ہم نیا میند سے برمیوں کو اس کا کامان تلادینا حاسبتے یں۔ آرج کل بازار میں کا غذ اور برلیوں میں کا کرنے حالیں کی بڑی کی ہوئی ہو۔ تم طور پر برلیں کے مزدود معولی ماعل سے اپنے بڑیال کا سادار کے گئے تیں اور اس سے کام کا انتظام بست چھیتا پو بلد ازام ادک قرب جب بھی برمیوں کا بی علی ہی۔ بم مین کردہے ہی کر دنیاب کا دیکھر وت یہ نکافے کئیں بر میں بھی بم جھی نہ جھ کھیں. تب بھی ہم میا ہزند کے بکھیل

सबसे अलग

(भाइ अब्दुल हलीम अन्सारी)

' गांधी एक उनवान है, हर क़लम और हर जवान क लिय. करा शीर्षक है. हर भाषा झौर लेखक के लिय-गांधी एक सुर्खी है. गांधी या बापू वर्तमान काल का एक दिल. लुभावना जोर दिल-

आत्मिक शब्द के गहरं नाहर संदेश खोर ऊँचे-ऊँचे खादशों का. पत्र श्रीर हर समाचार ज्यादा से ज्यादा प्रचार कर रहा है, इस हर शायर श्रीर हर कवि श्रीर हर लेखक, हर कला-वन्त. हर

क तभाम संपादको श्रोर प्रचारकों ने उस मित्रता श्रोर दोस्ती के दोषी, ें, इस एकता और प्रेम के मुजरिम को हसरत भरी मौत पर दुख भरे लेस लिसे. काले-काले जिन पर बार्डर लगे और अन्दर उनके डज्ज्वल डज्ज्वल जोहर खुले. कोई शक और शुक्ट नहीं कि दिली लगन और तड़प के साथ

के लिए मातम का दिन था." माडन्टबेटेन ने सच कहा श्रौर ठीक कहा "३० जनवरी सारी दुनिया सारी दुनिया में मातम मनाया गया—हिन्दुस्तान के गवर्नर जेनरल माहात्मा गांधा की अचानक मोत पर न सिक हिन्दुस्तान बिक

संदेश में दंदे था, तड़प थी, चसक थी, कसक थी. रेडियो ने अपनी हुई श्रावाच में दिल हिला देने वाला असर था. उसके दुःख भरे चिल्लाया श्रीर इतना रोवा-पीटा है कि उसकी भरोई हुई श्रीर थरोई डस दिन महात्मा गांधी की मौत पर दिल्ली रेडियो इतना चीखा-

> رمان عبدالحلیم الصاری) و کمیا ذیا اور ق کاندهی یا یا دورتمان کال کا ایک دل انجها دیا اور تک شریخی پوسی ایک عنوان پوسی ملے اور در زبان سے میعا مرخی پوسی ایک عنوان پوسی طم اور در زبان سے میعا برشاع اور در موی دور پر تشکیل میر کلادیت ایر پیر が下

می دن مهارا کا ندعی کی موت پر دکی ریڈ کو استاریخا مالا یا اور اتنا رویا بیشا ہو کرمس کی معرال ہولی اور تعرال مول کواز میں دل بلادیت والا افریخا کرس سے محمد معرب میں رین میں درو تھا، توپ تھی، جگ تھی کمک کی منطق ای محنيا ك ملح ما ون تحالاً

फैलाया होगा जिनको लगातार भाग-दौड़ से मारी दुनिया में खल-शोक पूर्ण सदेश' दुनिया के पर्दे-पर्दे और चप्पे-चप्पे पर कभी न कभी न बोला होगा. श्रीर किजा पर दौड़ने बाली लहरों ने इतना मण्डल) होलनाक हो गया. बर्ली मच गई श्रीर कायनात (सृष्टि) का सारा माहोल (वायु सारी डमर में किसी एक इन्मान पर इतना लम्बा चौड़ा बयान

पहल कमा न मुक पड़ होंग. दुनिया के सारे भंडे एक नंगे और निहत्ये इन्सान पर इससे

र्ने रिम की सेवा में खिराजे आफ़ीइत (अख़ांजिलि) न पेश किया हागा. ब्बौर जनता के द्रवार में हाजिर होकर शहनशाहियत ने शाही मुज-शाही सबारी में जा कर जगह-जगह कभी इतने आँसू न बहाय होंगे साथ! लेकिन वह चुप था. ऐ. व चुप जैसे उसने उस रोज चुप का ब्रत सन्मुल यह सारे के सार श्रक्तीदत के फूत लिये खड़े थे-श्रदन के को जात्मा, जन्दर ही बन्दर हॅंस रही थी. वही हॅसमुख ज्ञात्मा जिसके िकया होगा. लेकिन उसके मातम पर यानी आपनी जीत पर भहारमा एक्ता का काम कर के रहा और शहादत का जाम भी के रहा. वह बेशुमार भीड़ इन्द्रा थी. उसकी श्ररथी पर बड़ो से बड़ी हस्ती मौजूद रख छोड़ा हो. तभी तो वह कुछ नहीं बोल रहा था—डसकी 'चिता' पर थी श्रीर उसकी 'श्रिस्थ प्रवाह' पर जहाँ तक निगाह डालो इन्सानों का क्रीर बात का सच्चा था. क्रापना बात पर उसने जान दे दी पर श्रथाह समुन्दर ठाठें मारता दिखाई देता था—वह धुन का पक्का अंग्रेज़ ने गांधी जैसे बाती पर इससे पहले कभी भी मातम न सामराज के सबसे भारी दुशमन पर खुद सामराज शाही ने

ديمًا تفأ - وه وصن كاليكا اور بأت كاسيًا كفا. اين بأت يراس في مان دے دی پر ایکتا کا کا کرے رہا در شادت کا جا گیا کہ رہا۔ وہ

काम डसका 'राज काम' है. मिलाप स्थान उसका 'राजचाट' है और सरकब उसका 'उत्तम संगम' है. भग्नेंब सन् '४८

नंगा फ़्क़ीर समक्ता. सारी दुनिया पर उसका असर हैं—चर्चिल कब लंगोटा वाला जिसको तूने हक़ीर (तुच्छ) समका. जिसको वर्विल ने ताजदारों के ताज लूरे. तखत लूरे. श्राजाद कारों के बक्त फेरे, बख्त लेकिन उसी ढाँचे ने साम्राज शाही के ढाँचे बदले, पाँसे बदले. इससे बेसबर है ? (भाग) फेरे—हाँ, हाँ; वही भारत का पाला खौर वही एक सभी देख रहे थे कि वहाँ (राजधाट) पर महज एक ढाँचा था.

🗴 के खुत (सूर्ति) तोड़े. कट्टर पंथियों के महल तोड़े. पुराने रीत रिवाज वोड़े. जीते जी जिसने मरमर के बुत तोड़े चौर मरकर जिसने साषिश के मरकब तोड़े. हिन्द के दुशमनों की हिम्मतें तोड़ीं उनके यही वह सूक्षी पतली हिंडुयों का इन्सान था जिसने सोने चाँदी

कबूल कर चुका है. श्रव जो घोरे-धीरे और रार्मा-रार्मा कर श्रपना फंडा हैं—श्रोर बड़े से बड़ा वीर, देर हुई उसके हाथ पर अपनी हार प्रेम को तलबार का घायल हो चुका है और डसका लोहा मान चुका मी बतारता जा रहा है **डसको श्रा**हिंसा पर ईसान ला चुका है. बड़े से बड़ा सालार उसकी थीर हेट (अंग्रेजी टोपी) भी फेंक चुका है. बड़े से बड़ा काफिर थौर सामराजकारी इस लंगोटी वाले के त्रागे घुटने टेक चुका है. सत भीर क्रविलियत का क्रायल हो चुका है. बड़े से बड़ा श्रत्याचारी दुनिया का बड़े से बड़ा ड़िक्डेटर झौर विचार वान उसकी सिया-

مى محتارتا حاربا اي

مراز این کا وج قر سنگی ہی ۔ منتعی دیکھ ملیم منتق کر دیاں دارج کھاٹ پر بحض ایک ڈھائی کھا کیلن مہی دھائے کے مہ سامراج شاہی سے دھائیے بیسے بالنے مسک تا جدالعدں کے تاج وقت کھنے کو کا دول کے وقت کھئے ، يام! سي كا دماج كام الي المنان اس كا راج كمات الوادد يى دوموكمى يملى بلون كاالنان كفاجي مف مون حاندى بخت (مجعاًک) بھیرے ۔۔ ہاں؛ ہاں؛ وہی مجعارت کا بالا اور وہی ایک انگوٹی والا میں کو قد شنے مقبر (بھتر) مجعا میں کو چرمل نے نرکا فقیر بھیا۔ ساری ونیا پر اس کا افر ای۔ چرمیل کپ اس سے پے فرایح ؟ 4.00

गाँधी! भारत माता का वह सपूत था और महान सपूत; जिसकी मौत पर देश-देश और मुल्क-मुल्क से रंग-रंग की जवानों में और नये-नये खयालों में पैग़ाम आये, सोगवार भारत की सेवा में और दुखी माता की गोदी में .

गुणा गाय. बस माल्स हुआ कि वह एक कामयाब इन्सान था . बतार दिया गया. कुछ भी हो लेकिन कहने में यह बात आरती ही है कि दुशमनों ने उसपर फूल बरसाये श्रोर मुखालिकों ने उसके विचारों का इज्हार किया ता किसा ने उम बुलदं नजर इन्सान के लिये अपनी तंग नजरी का सबूत दिया. अगर पैताम देना एक रस्म सममेगी. एकबाल के मुताल्लिक आज तक यही कहा जाता है कि बाज के बाज समभना खरा जल्दी है.--गांधी के बाने वाली सदी भौर दिलों को जीतने बाला—िफर भी मेरा ख्याल यह है कि इसको थीतो वह अन्दाकर दो गई. अत्रगर एक बोक्त था तो वह सरसे "एक बाल को समकता मुशकिल है"—टैगीर के बारे में भी बाख भी लोग एक बाल श्रीर टैगीर के न जान सके तो एक दिन में गांधी कोगों का यही खयाल हैं.—भला जब इतना खमाना बीत जाने पर भौर श्रच्छे से श्रच्छे श्रदाबान खूबसूरती के इस गंगा जमुनी बारे था . बड़े से बड़ा बिदेशी दिसारा उसको सममते में घोखा खा गये पक ऐसा जामा (कपड़ा) था, हिन्दु सुसक्तिम जिसका ताना-बाना चलता-फिरता एक तिलिस्मी संसार था और अचरज भरा बह एक को कैसे जाना जा अकता है ? जब कि वह एक श्रमली इन्सान था चिन्दा मोत्रम्मा (पहेली) था-मेरे नवदीक गाँधी चिन्दिगी का किसी ने खुले दिल श्रोर दिली हमदर्दी के साथ उसपर श्रपने

. . . .

महान सपून के गुए। गान सच यह है देवी सरोजिनी ही वतला जौहरी उसकी कर क़ीमत बता सकेगा . वह एक अनमोल मोती था श्रापने रंगकां एक ही जौहर था, रतन था, जवाहर लाल नामी मौलाना श्राज्याद से पूछे या मिसेज सरोजिनों नायह से पूछे ? बह जिसकी श्रावताव श्रजाद नामी खेवेंग ही जान सकेगा, श्रौर उस साहात्सा गांधी क्या थं ! इसका कोई पंडित नेहरू से पूछे

' इज्जात हासिल हुई थी, सेठ छोटानी की कोठी में. इस्लिये में अपने ं तजरबे को बिना पर कह सकता हूँ कि जो महात्मा जी से नहीं मिला मैं जन दिनों बन्बई में श्रार्टकी तालीम पारहा था. उन्हीं दिनों हैं श्रीर जो उनकी राशनी के घर तक नहीं पहुँचा है वह उनको सुके मीलाना मोहम्मद अली के साथ महात्मा जी से मिलने की समक भी नहीं सकता और न देख सकता है जैसा कि चाहिये ? सन् १६२० में जब खिलाकत आन्दोलन जोरों पर चालू था,

शिष्ठाचार. सक्षा त्याग ऋौर बुलंद मेयार यह वह गुण थे जो सुषरा रहन-सहन और लुभावने बचन. खूबसूरत एखलाक-सुन्दर दिल का मोह लेने थे--बनकी मीठी **बबान और प्रेमो भाव, उनकी सादी जिन्दिगी**,

साहस-शब्दों में इसका जाहिर करना मुराकिल है. **डनके पास बैठ कर कितनी शान्ति मिलती यो त्रोर कितना**

की हैं जिसने अपने धर्म की इज्जात के साथ-साथ दूसरे के धर्म की मैं जानता हूँ कि महात्मा गांधी ने हमेशा उस शखस की इज्ज्ञत

ك يوس نه اي موم ك ويت كسالفسالفرود ع الح

مانا اندا سے یو تھے یا میر مرحتی تا یو سے یو یہ اپنے اس مرحتی تا یو سے یو یہ اس مرحتی تا یو اس مرحتی تا یو سے یو یہ اس مرحتی تا یو اس مرحتی ترحتی ترح

भला चाहने बाला-इसिलियं दुनिया के सब धर्मी और सब क्रीमों भी संगंभ था बह जा इड्ड भी था लेकिन मुक्ते उसकी जा श्रदा यह इहना सच है कि वह जिस तरह क़ोमों का संगम था धर्मी का ने उसकी इजजत की यानी क्षीम के 'कार्र' को आदर दिया—इसलिये गाये . श्रपर्ना-व्यपनी दुखा कौर प्राथेंता में उसकी श्रात्मा का शान्ति यही सबब है कि श्रव हर धर्म उनकी इज्जात भीर उनके उसूल की है. यही सबब या कि वह हर धर्म और तहत्त्रीब के रत्तक थे. इज्यत को है और अपनी तहचीब और अपने कलचर की हिफाजत सेवक पर ध्यपने-घ्रपने द्रवाचे खोले श्रीर उसको पसंद के भजन की हिकाबत कर रहा है--हर गुरूढ़ार और धर्मशाल ने उस धर्म नियत का खादिम था . इसिलियं में उस इन्सानियत के सेवक की बह चूँकि सब धर्मीं की इज्जत करने वाला था और सब क्रींमों का डसका न्योता गया . जग-जग स्रोर चच-चर्च उसका चर्चा फैला . **का तोह्**का सेजा. गरचांक मंदिर-मंदिर और मसजिद-मसजिद सबसे ज्यादा भाई और मेरे दिल कों लगां वह यह है कि वह इन्सा-तौर पर और अपने जिम्मे एक सेवा सममकर-लेकिन सबसे सेवा में अपना हार्दिक नजाराना पेरा करता हूं. अद्धांजिल के

बह महात्मा जी की हस्ती थी. श्रौर सबसे बड़ा तुककान जो क्रीम ने डठाया वह बही गीहर था जिसका जौहर श्रव खुला. **आजार्दा पाकर जो चोज सबसे भारी और** क्रीमतो क्रोम ने **खोई**

गांधी नामी मोती को खोकर द्यगर हिन्द ने बाजादी पाई तो

این این وخا اور این تغییب اور این ملحری مخاطب کی ہی۔ ہی سب کھا کہ وہ ہم حصر اور این ملحری مخاطب کی ہی۔ ہی سب کا کہ دار این ملک اور این ملحری مخاطب کی مخاطب کی دیا ہی ساتھ کو شاک سے اس حصم میوں کی این حصم میوں این این وخا اور اس کی اسال کو شاکن کی مختلے ہی این حصم میوں این این وخا اور اس کی اس کی اسال کو شاکن بی مختلے ہی این این وخا اور اس کی اس کی اسال کو شاکن این مختلے ہیں۔

کزادی باکر جو چیز سب سے بھاری اور قیتی قوم نے کھوئی وہ مہاتھا جی کی سبتی تھی اور سب سے بڑا نقصان جو قوم نے اکٹھایا وہ و ای کوم کھا میں کا جوم اب کھلا۔ كاندسى ناى موتى كو كموكد أكد مند ف كازدى يان قو

मोती क्रीमती था ऋौर सारे भंडार पर वह एक दाना भारी था . इस क्रीमत पर वह बहुत भारी पड़ी--सारी आजादी से वह एक

माहात्मा जी न रहे—अचरज कैसा ? महात्मा गांधी चल बसे. ताज्जुब क्या ?

क्सोंका बाबा जिसकी नजर में वह सकदे और बूढ़ा दरखत न गिरना ही था . कल नहीं भाज. जब पक गया , तब गिर गया ! बदा--जब फर्स फूल लाया तो मुखालिफ हवा का एक तंत्र गांधी एक दरख्त था, जा भारत भूमि में उगा, बढ़ा ऋौर परवान श्राजादीं का फल था. पक गया. गिर गया. ऋास्तिर उसको

 थे, जैसे कोई अन्दरुनी सम्बंध था. मालूम हुआ सब भएडों क जब वह गिरा है तो उसी आन दुनिया के सारे अस्ट अंक पड़े से इसका ताक्लुक था और सब रंगां को उसका पेंग्राम था . सद्दात्मा गांची! रुद्धानियत (आध्यात्मिकता) का भएडा था

भाया आखिर यह कि उसको उड़ा डाला.

बसे दारा दार देखा. लेकिन हाथ, जब वह रूड़ानियत का भंडा गिरा है तो हमने

गांधी ! ऋहिंसा का देवता था.

वोड़ा—गोया हिंसा की दुनिया से ऋहिंसा ने मुँह मोड़ा. राषांब, राषांब ! अहिंसा पर गोली चली, अहिंसा जलमी हुई. अहिंसा ने दस

इन्सान और हैवान के स्नून का रचक श्रपने हो खून में लक्षपथ. गांधी ! रहस श्रौर तरस की नाजुक सूरत था

दिल उसका फूल जैसा हृदय उसका शोश जैसा.

اس دیمت یر وه بهت محماری پڑی - ساری آزادی سے وه ایک مولی قیمتی تھا اور سارے محمنڈار بروه ایک دانهاری تھا. مماتا کا زهی چل لیسے ، تحبّ کیا ؟

ما قالاً وها روها من (ارهما منا) كا جمنة الحاجب وه كرا إرقه

ایت پر کول جلی ایت ایت ایتی ہوئی۔ ایت نے دم تھا۔
کویا پنساکی دنیا سے ایتسائے تمند موٹا۔ السّان الدجوان سُر فون كاركشُ اليني بي فان مِن لحقويهم. الماندمي المتساكا وفينا كفا.

गया. पंखड़ी पंखड़ी बिखर गई. वह रंगीन गुलदस्ता फिरक्राबारी की जहरीली हवा से लड़

चूर चूर हो गया. बह रंगीन शीशा एक अप्तयाचारी के हाथ से टूट गया और

वह कि अहिंसा का बन्धन टूट गया और भारत की गोड़ी में खून की नहरें फूट पड़ी. एक शैतानी सैलाब आया और विनाशकारी शोला! आखिर

 श्रीर नए नए पूल श्रावी जो नए नए फल लावी. कर दिया गथा. अपन नई नई शाखें आयेंगो. नई नई कलियाँ खिलेंगी गोधा एक दरख्त था, तनेदार और बजादार, जो कलम

में इसने प्रेम की खेती की. बन बन में इसने माहत्वत की बरखा की जिसने प्रेम के जाम पिलाय. जिसने श्राबाही का नशा चढ़ाया. गोंधी बार था, प्रेस का. दाना था, सनसंहिनों का. सन सन गोधी ! साक्षी था प्रेम और आजादां के मधुशाल का

साकि भारत का बालक बालक खाय आरेर जिन्दगी उसकी शांति पाय. खतन न किये. यहाँ तक कि उसने आजादी की डाली तैयार को क्या गांघी कोई देवता था ? डसने हिन्द के चमन को पुरबहार बनाने के लिये क्या क्या

्या और श्राकादी का वह सेवा था. नहीं नहीं! वह करमचन्द का बटा था. मकसह उसका सेवा

लियास जिसका खादी था. नाम का जो गांधी था.

गांधी माली था आजारी के बारा का.

نیا جست و ده رکسین طحد ست و قروادی کی زهری بود سے لوم کیا۔ منگھطری شیمیری بھیمری . منگھطری شیمیری بھیمری . وہ رکسین شینتہ ایک اتیاجادی کے انتقاب میت کوشاکیا اور جور ہوگیا۔ ای ضیطانی سیلاب آیا اور وناشن کاری شعکد ایموی م اینسامی مندمین فوشنی اور معیارت کی تودی میں خان کی نهری جیوش ویں . محلاندھی ایک ورخت تھا ہے دار اور وضح دار، جو ظرم دیا گی . اب زمی نئی شناخیں سائم کی کی نمی محلیاں عبلیم کی اوا نئے نیم

معول أين كريون في الأيم كالانتي كل. الأيل كل. الأيل كل. الأيل الأيل كل. الأيل الأيل كل. الأيل ا اس نے بدیم کا عین کی . بن بن بن اس نے جیت کی برکھائی۔

کے کا خوبی: کساتی تھا پرتم اور اوری سے مصطفالے کا بھی کے مام بال نے جس کے اداوی کا نشہ بیٹھیا۔

میم کے جام بال نے جس کے اداوی کا نشہ بیٹھیا۔

اس نے بیند سے جس کے اداوی کے باتے کا سے کے لئے کیا کیا جس کے اداوی کے داری کا والی سے اداوی کے اداوی کا والی سیاری کا والی سیاری کا داری کی والی سیاری ساکر مجمعات کا ایک سیاری کی والی سیاری سیاری کی میں اور و زندگی اس کی داری کا دا

مين منين! وه كرم چند كا مينا كف مقصد أس كا يوافقا افد آزادی کا ده مجوه کفا-

راس جن کا کمادی تھا۔ نام كا يوكاندهي لهنا.

बर्येल सन् '४८

श्रमेख का वह बातो था.

करान्य में वह अजबूत चट्टान था. देखने में जो इलका फुलका इन्सान था मगर हिम्मत और

पड़ते थे, कॉप डठते थे, बिलख जाते थे. बही गाँधी जी. जो खून आरीर आता के नाम से चीख

उक्त उक्त सबने देखा, श्वाग में वह जल रहे बे—३१ जनवरी सबने देखा, खून में वह लोट रहे थे—३० जनवरी.

दोस्तों ने उसको झाग में जलाया. दुश्मनों ने जिसको खून

खून से हिंसा जन्मे लेती है, व्यहिंसा के करन से एक भेद यह जुला कि व्यहिंसा के

भाप में एक रंगीन वात है. कुछ दिन बाद उस आवाज का जॉबना पड़ेगा चौर उसकी एक-एक बात का नापना पड़ेगा. **खून का** कतरा क़तरा पुकार रहा हैं ''हिंसा हिंसा !'' उसकी हर गरम कान लगा कर मुनां और जरा गहरा ध्यान दो! महात्मा के

था श्रीर धाकाश उसका जाम श्रीर प्याला था. जैसे .वह हिमालय डजले-डजले सुथरे-सुथर. जलथल जलथल; वह वरकानी यह रूहानी. बरक पाश! बैसे यह हिमालय खादी पाश! दोनों सकेंद्र सकेंद्र बह हिन्दुस्तान का हिमालय था. जो रुहानियत का प्यासा इसलिय यह .बाजमत (महानता) में बढ़ चढ़ कर था

बेशक घीरज श्रौर हिम्मत का परवत और भारत की शान

معنى من جوالما ملكانان الماكرية اور كرادير من الكريز كا وه ما في تحا.

وہ معبوط دیتان تھا۔ دیکائندی ہی ، ہون اور آگ کے ام سے بیج برتے ہے ، کان انجھنے تھے ، بلکھ جاتے تھے ۔ سب نے دیکھا ، میں وہ جل رہے تھے ۔ سر خودی ۔ سب نے دیکھا ، میک میں وہ جل رہے تھے ۔ سر خودی ۔

مي كا جام اوريباله تقا. جي ده بهاله يرف فيتن اولي يه بهاله كمادي يوني الماله تقريد بهاله كمادي يوني الماله وه مندستان کا به لر تقاء بوروائيت کا بياسا تھا اور الائن مل تقل مل تقل! ده يرقاني يد روفاني.

بفيتك وهيري اهديمت كالجدبت ادرجعارت كن شان الدر إس ك يه معلت زمانا) س برم عرام كا

अप्रेल सन् '४८

जीहर था ? गुलाम खाक की. इन हिंडुयों में किस बला की जान थी खौर क्या गांघी नामी सूरत एक मूरत थी काली मिट्टो की त्रौर भारत की गांघी महात्मा एक ढाँचा था, इन्सानी हिंड्ड्यों का.

वहरां। इन्सान सभ्य इन्सान बन सकता है. है कीमिया है. इस कीमियाई असर से सारा हिन्दुस्तान सोने की तुम स्नाली राख न सममो चौर न स्नाली स्नाकं समफो---च्चगर हैं जो जीवन की हर्ड़ी से तप तथा कर तुम्हारे हाथ लगा है. इसको कान बन सकता है और इसके एखलाक़ी (नैतिक) जौहर से इसकी सही कद्र क्रीमत जाना तो श्रकसीर हैं श्रकसीर हैं. कीसिया लेकिन आज न वह हिंदुयों हैं न वह जात, पर वह जोहर वाक़ी

ی مست. مست ایک و صانحی محقا ، ان فی تبدیل کا ۔ محاندهی مای صورت ایس مورت محق کالی مجان محلی اور محارت محاندهی کالی صورت ایس مورت محق کالی مجان محق اور محارت ی جو اور اس مے اخلاقی د نیتک) جوہرے وسنی دنسان پیم سبھیر انسان بن مکٹا ہو۔

हिन्दू-सुसिलिम एकता का पैगम्बर और शहीद (बा० मेहदी हुसैन, कलकत्ता यूनिवर्षिटी)

कोशिश के बावजूर उनका हमलावर से बर्ला लेने से मना करना पैग़न्बर गोली का शिकार हुआ है, रोवा हूँ. महात्मा गान्धी हिन्दू के मानने बाले को गीली से उनकी शहादत या बिलदान-एसे श्रीर भाक्तिर में प्राथना सभा में शामिल होते बक्त , जुद उनके धर्म स्तान दोनों डुमीनियनों के हिन्दू ग्रुसंखमान उनके। ऋपना बराबर 🐠 सान दोनों के दिलों के खीता है और आज हिन्दुतान और पाकि-सुधारक कवीर साहवही की तरह महात्मा गान्धो ने भी हिन्दू मुसल-मुसलिम एकता के वैसे हो पैगम्बर थं जैसे बोच के जमाने में का बराबर ध्यान करके, जिसमें हिन्दू मुसल्लेम एकता का यह गये. भौर लाखों भाइमियों ने श्राँस् बहाये हैं. में खुद उन हालतों वाक्रेमात हैं जिनसे बालिम से बालिम इन्सानों के दिल भा पिचल कवीर साहब श्रौर गुरु नानक हुए हैं, चौदहबों सदी के महान गये . बहुतों के। बेहद रंज ऋोर गुस्से से चक्कर ऋागथे. बहुतरे कर या उन पर खुल्लम खुल्ला हमला करके उनका करना करने की बेहोश हो गय, कई के दिल की हरकत बन्द हा जाने से वह सर विरवास, उनकी साक चौर बरहारत करने की खासियत. बस केंक की जाति के लोगों की हिकाचत. श्रहिंसा पर उनका खबरदस्त देश की आजादी के लिये उनका बार बार बत रखना, कम तादाद महात्मा गान्धो की ऊँची क्रूरवानियाँ—डनके सुनहरे कारनामे,

एक शानदार मक्तवरा बनाने बाले हैं. महात्मा गान्धी ऐसे नाजुक श्रीर गुरु नानक दोनों से ज्यादा विराध करने वालों का सामना करना श्रीर कठिन खमाने में पैदा हुए जिसके कारन उनकी कबीर साहब उनकी राख के। जामा मसजिद के सामने दक्त किया और वहाँ श्रीर हिन्द .की दूसरी निद्धों में बहाया गया श्रीर मुसलमानों ने उनकी हर्दियों के बारे में कहा जाता है कि बह गुजाब का फूल तरह कबीर साहब के मुद्दों शरीर के। हिन्दुओं ने जलाया था और करने बाला श्रीर हिकाजत करने वाला भा समभत थे. जिस मुसलमान वरोरा सर्भा किरकों के रहतुषा माने जाते हैं. श्र<u>ौ</u>र पड़ा श्रीर दोनों से ज्यादा तकलीक भागनी पड़ी. इसी लिये जनका किया था उसी तरह महात्मा गान्धा के पवित्र फूलों का तिबेनी बन गई थीं श्रीर उन फूलों के मुसलमानों ने श्रपने ढंग से दशन तो बनके। श्रापना प्यारा रहेनुसा हो नहीं बल्कि श्रापना पहसान हिन्दुस्तान के कम तादाद मुसलमान श्रौर पाकिस्तान के हिन्दू रहनुमा मानते हैं . पन्द्रहवीं सदी के हिन्दू मुसलिम एकता के . खुद बुलायेंगे भीर बड़ी मुराकिलों के बाद जो आजादी मिली है के सारंने और उनका नाश करने से बचें, नहीं तो अपनी बरबादी तामीरी ब कलचर को तरङको के कामों में लगे रह≉र ऋपने भाइयों पैगन्बर गुरु नानक से भी ज्यादा महात्मा गान्धी हिन्दू, सिख, है कि आपस में हर हाल में सुलह और शान्ति कायम रक्से और किसी का लिहाज किये बिना सबके लिये एक सा है. उन्होंने सन्देश भी सार इन्सानों के लिये---जात रंग और नस्त---हिन्दुस्तान ऋौर पाकिस्तान के तमाम असने वालों को हिदायत की हिन्दू-मुसलिम एकता का पैराम्बर अप्रैल सन् '४८

नया हिन्द हिन्दू-मुसलिम एकता का पैग़म्बर अप्रैल सन् '४८ उसको बहुत जल्द खोदेंगे. उनका भ्रुन्देश इस बड़े द्वीप के सारे बासियों के लिये हैं बलिक मारो दुनिया के लोगों के नाम है. यह सन्देश उस. शान्ति, अहिंसा आर किरकाबाराना एकता को तरफ रहित्रमाई करता है जिसके जरिये उन्होंने आखिरकार हिन्दुस्तान को विदेशियों की गुलामी और साम्राजी लूट खसोट से बनाने में कामयाबी हासिल की हैं.

कासयाबी हासिल की हैं.
लाखों आदिमियों ने सहातमा गान्धों का अद्धांजिल भेट की है
और तरह तरह की उनकी यदिगार कायम करना चाहों हैं. कुछ
लोगों ने हजरत ईसा से उनका युकाबला किया है और दूसरों ने
उनकी शह द का दरजा दिया है. मैं यह महसूस करता हूँ कि
महात्मा गान्धी की जिन्दगी. उनके कारनामे और उनकी मीत
देवताओं का सी जरूर थी. मुक्तका पूरा विश्वास है कि इन्सानियत
को जो सेवायें उन्होंने की है और सच्चाई व आहिसा के लिये
करों जो त्याग और जो कुरवानियों की हैं वह उन पर किसी
भी पतराज करने बाले पर यह साबित करने के लिये काफी हैं
कि महात्मा गान्धी एक सच्चे शहीद थे और एक सच्चे शहीद ही
की तरह उनके खून से एक मिशन पैदा होगा जिसका मक्त्रयद
होगा— हिन्द व पाकिस्तान में कम ताड़ाद बालों की हिफाजत हां
और हिन्द, मुसलमान और दूसर फिरकों में आपस में मह भाई
के से सम्बन्ध पैदा हो.

यह एक पुरानी कहावत है कि 'शहीद का खून मिशन का बीज बोता है.' भौर मेरे विचार में मौजूदा हालत में भी यह बात खतनी ही सकवी साबित होगी जितनी कि पिछले जमाने की दूसरी हालतों में हुई है.

مرے وجاری موددہ حالت میں بھی یہ بات آئی ہی تابت اول حتن کر ملے زمانے کی دومری حالتوں میں ہوائرہ

ایم سند کا محدون ایم و ن کا مندلیق و بی بوسه های کا بر ایم ای و بر ایم ایم ایک کا بینیم با با بینی کا مندلیق و بی بوسه های کا بر ایم کا

कुन्न कितावें

जीवन के पहेंब्र्——िलिखने वाले श्री श्रमृतराय, सफे १८६, क्रीमत दो रूपए, लिखावट नागरी, पता–हिन्दुस्तानी पज़्लिशिंग हाउस. इलाहावाद.

यह किताव श्री अपस्तराय की नेईस कहानियों का एक छोटा साँ गुच्छा है.

"चुधा विचित्र," 'प्रोफेसर सहिव" और 'श्रारेफे" कहानियां अच्छी हैं. 'पित पत्नी" और 'फीका काराज्ञ" होनों कहानियाँ आशिकाना माशूकाना प्रेम के दक्षियान्सी क्रिस्मों की तरह हैं जिनका आदर्श छोटा और ग्रन्ता है. "उइतिंग सह राह नहीं." और 'प्रेम = अप्रेम इयरियां" कहानियों में भी वहीं गन्दा प्रेम महकता है. 'मकस्थल" में सेखक ने कलंजी वाले के अपनी और से गाली हैं पुलिखा हैं 'चोखें ने उस हरामस्कीर से कितना ही कहा कि एक गुर्वो भी रख है, पर ससुरा न माना ता न माना में भगवान जलदी हो पूछे" यह ठांक नहां है. जां कुछ भी कहना हो, कहानी के पाजों से ही कहलाना ज्यादा ठीक लगता है क्योंकि इसका सम्बन्ध सिर्फ उन्हीं से होता है न कि कहानी लिखने वाले में

"प्रशन" एक सफा की बहुत छोटी कहानी होते हुए भी पूर्रा और पच्छी है.

सभी कहानियों के लिखने का ढंग क़रीब क़रीब एक सा है और

می کماینوں کے مجھے کا جھٹا کہ فریب فریب ایک سا ہوالد

وری اور ایسی پر

बह भी ऐसा कि उसमें मन को अपनी श्रोर खींचने की ताकृत करोब क्ररीय नहीं के बराबर है.

इसकी सारी कमो दूसरी केशिश में पूरी हो जायगी. की केशिशों का पहला नमूना है इसिलये हमें पूरी आशा है कि किताब की खबान आसान हिन्दी हैं. यह किताब भी असृतराय

कालय, श्रमीनुहौला पाके. लखनऊ. सक्षे ७२, क्रामत एक रूपया. लिखावट नागरी. पता–संस्कृत पुस्त– क्लकते का क्रत्लेश्वाम—लिखने वाले श्रो ब्रजेन्द्र नाथ गोड़

मुहरवर्दी ने आपने इन्छ आरेर साथियों की मर्जी के खिला क कलकते सन् १८४६ को 'आल इन्डिया मुस्लिम लोग' ने यह कैं नला किया सुहरवर्दी श्रोर उस वक्त के बंगाल के गवर्नर सर फ़ोडरिक बरोज भी दिललाया है कि यह सब जो कुछ भो हुआ. साफ साफ से कलकता में लूट-पाट और करते आम शुरु हुआ. लेखक में 'बाम बूट्टो, का ऐलान किया श्रीर उसी १६ श्रगस्त, ४६ की सुबह का कहना है कि इसकी सारी जिन्मेदारी लीग पर है. उन्होंने यह नेरानल कांग्रेस' का हकूमत की बागडोर सौंप दी जाय. लोगी नेता यह थी कि बृटिश सरकार को इस पालिसी से कि 'ऋाल इन्डिया कि १६ श्रास्त सन् ४६ के। सीधी कारावाई दिन ' (Direct-खिलाफ होगये. १६ अगस्त ४६ के। बंगान के बर्चार आजम Action Day) मनाया जाय. इस कैंसले की सबसे खास बजह की साजिश से हुन्ना. शहर भरमें खुले त्राम लूट हुई. हजारों जैसा कि इस किताब का पढ़ने से मालूम होगा, २८ जुलाई

تام ند ده مجی الیها کر این میں میں کو این الله میں میں طاقت قریب

قریب منیں سے برابر ہی۔ متناب کی زبان مسمئان مندی ہی۔ یہ کتاب متری امرت ملے ك محت شدن كا يما محدر إو إس الح ين إين الذا إو ال مادی کی دومری توسیسی میں فوری دوجا کے کی ترسیسی برساد

كى سازش س يوا. ترجع مي تقيله عاكوت يول المرادول

श्रप्रेल सन् '४८

गया, लड़ कियाँ भगाई गईं, उनका धर्म बदला गया. आग की खुले आम लाज लूटो गई और फिर उन्हें बेरहमी से मार डाला आदिसियों का . खून हुआ, बच्चे बेदर्दी के साथ चीर चीर कर फेंक लगाई गई श्रीर लोगों के। श्राग में भोंक दिया गया, खौलत पानी विष गए, सांगों के। पेड़ों पर लटकाया गया, श्रोरतों श्रोर लड़िकेयों हुचा लीगी मिनिस्टरी की ब्रॉबॉ के सामने. किताब से मौद्भ होता में डबाला गया, छतों से नीचे फेंक दिया गया, मकानात बरबाद हिषयार भी दिये गए. पुलिस के सामने सब कुछ होता था और वह बन्दूकों, गोला बारूद, मोटरें, पेट्रांल और तरह तरह के दूसर सरकार की तरफ से खूट मार करने का सामान जैसे मशीनगत. गुन्डों की डकसाया, बाहर से गुन्डे बुलाए गए. उन्हें लोगा किये गये स्पीर स्वरबों रुपयों का तुकसान हुआ और यह सब मुंह केर लेती थी. सदद मांगने पर भी लोगों के। सरकार की तरफ से मद्द नहीं दी गई छौर सबसे मजे की बात तो यह है कि वहाँ साहेब ने कहा था "हमारा फगड़ा श्रंम जों से है." के खून खराने में एक भी श्रंप्रेज नहीं मारा गया. हालांकि जिन्ना ृष्कि लोगी नेताओं ने स्नाग बरसाने वाली जवान में लेक्चर दे दे कर

लड़िकयाँ इसमें से सेडिलें पसन्द कर रही थीं. एक क्रव में अंगरेज लड़िकयां और ज़ड़के उस समय टेनिस खेल रहे थे. जब कि सी गच के फासले पर कल्ले आम है। रहा था जम एक जूते की दूकान लूरो जा रही थी तो कुछ यूरोपियन

मैतों ते. जितमें कल यरोपियन और ऐंग्लो इंडियन

بعلین میون نے من ب ایم وروش اور الکیلو ایمی

12

साजेंन्ट भी थे. खुद ब्रुट के माल से अपनी जेवें भरी. लीगी गुन्हों ने हिन्दु कों और गैर लीगी गुसललानों का बिलकुल सफाया ही कर देन में कोई कोर कसर बाका नहां रक्खी. लेलक ने इस किताब को खुक खास अखबारों जैसे बंगला गुगान्तर, भारत, कृषक, अंगरेकी स्टेटसमैन, लीडर, पायोनियर, असृतवाजार पत्रिका, हिस्दुस्तान टाइम्स, न्लिट्ज. नेशनल हेरालड, बाम्बे क्रानिकल. फ्रो. शेस जनल, हिन्दू, नेशनल काल, प्रताप, हिन्दुस्तान, और साथ ही साथ श्रीमती इलासेन, वाई० के० मेन। और किम किस्टिन के स्वसूनों की बुनियाद पर लिखा है.

कुछ खास अखबारों ने सुहरवर्दी की जनता का रात्र नम्बर एक कहकर बंगाल की लीगी सरकार और वहां की पुलिस की ही किलकते के खून ख़रावे का जिम्मेदार ठहराया है. दुनिया के मराहूर पत्रकार लुई किशर ने भो कलकत्ते के दंगे का दोषी लीग के। ही

कलकते के दंगे से जानकारी हासिल करने के लिय किताब ज़ने लायक है.

—गनेश प्रसाद सर् बयालीस का विद्राह— लिखने वाले भ्रं गोविन्द सहाय एम० एल० ए० पार्ली मेंटरी सेकेटरी, यू० पी० गवरमेंन्ट, भूमिका लिखने बाले भ्रं जयप्रकाशनारायन, लिखावट नागरी, सफे ३४३. क्रीमत साढ़े झः क्रपय, पता-नवयुग साहित्य सदन, इन्दौर.

'क्रिप्स मिशन' के नाकामयाब होने के बाद जब हमारे मुल्क के बहुत से बड़े बड़े लीडर नाउम्मीद हो रहे थे, हिम्भत हार रहे

श्रप्रेंत सन् 'क्ष्ट

यो आपीर ठीक ठीक यह नहीं समभ्यापा रहेथे कि अब आपी क्या करना चाहिये, गांधी जी ने क्रान्ति का नारा लगाया श्रौर नई जान पैदा कर दी. ठीक ऐसे ही समय कई ज्योतिषियों ने होंगी श्रीर ९ श्रगस्त के। सब नेता गिरफ्तार हो गए. बस लोग "करेंगे या मरेंगे" के जादू भरे पैगाम की सुना कर लोगों में तारीख है. पागल हो उटे. उसका नतीजा हुन्ना मुल्क भर में एक बहुत एलान किया कि १३ से २३ अगस्त तक स्नौकनाक तक्दीलियां जीरदार विद्रोह. यह किताब उसी विद्रोह की एक जोशीली

के उस बड़े बिद्रोह के बारे में हमें सच्ची जानकारी हासिल कराने क्रिके की केशिश की हैं. किस तरह लोगों ने बृटिश नौकरशाही का मुझाबला करने और उसे पूरी तरह बरबाद करने के लिये बड़ी से बड़ी कुर्बोनियाँ की छौर किस तरह मुल्क के हजारों मर्दों हुए, इस किताब में रुफाई के साथ बयान किये गए हैं. यू. पी. सी. पी. में आष्टी और चिमूर में जो सौफ़नाक जुल्म हुए उन सब श्रीर भौरतों, बच्चों भौर बूढ़ों पर दिल के। कॅपा देने बाले जुल्स में बिलया. बंगाल में मिदनापुर, बम्बई के सूबे में सितारा श्रीर रियासत और उड़ीसा में तालचर रियासत के लोगों ने जो बहादुरी का सनसनीखेज बयान इस किताब में पढ़ने के लायक है; मैसूर दिखाई उसकी मांकी भी हमें इस किताब में दिखाई देती हैं. लेखक ने इस किताब के। १९ ऋध्यायों में बांट कर सन् ४२

साल नेहरू, मोलाना अबुलकलाम आजाद, सरदार पटेल और ' इस किताब में बम्बई में ट आगस्त सन् ४२ को दी हुई जवाहर-

جود میں جوجوفتاک علم دورے ان سب کا سنسن فیزیبیان اس نتاب میں بڑھنے سے لالق پڑا فیسود ریاست اور افرار میں سائح زیاست مے کووں نے جو مبادری دکھان اس کی چھاکی جو ہیں اس کتاب میں کھائی تیجہ فست سريم مدي يولي جالال می مدنالد مجنئ کے صوبے میں سازاوری کی بی بہتری اور مرده مولاتا الوالكلام أزاده كسددار بنيل اور اس كتاب من ميني من مراه

धंप्रेत सन् '४८

गांघी जी की जोशीली स्पीचें दी हुई हैं जिसमें ''भारत छोड़ो"

बाला प्रस्ताव पेश करते हुए नेहरू जी ने कहा ''हम अंग्रेजों हमें ही आग की लपटों में अुलसना होगां. अब तो हम आग में कूद श्रीर श्रमरीक्षनों से कहीं ज्ञगहा जानते हैं कि गुलामी क्या चीज है ?

बौर हिन्दू मुस्लिम कैसले पर कहते हैं—'जो लोग हिन्दू मुस्लिम बादों पर कैसे यक्तीन करें जब कि घोखों का ताँता लगा हुआ है" पड़े हैं. या तो कामयाब होकर निकलेंग या उसी में जल कर भस्म हो जागी.' जिसमें सरकार के भूठे बादों पर पटेल कहते हैं—'हम

जी ने कहा- 'या तो कांग्रेस देश को आजाद करेगी या खुद फना विया गया है बिक्क जिसमें कीलें ठोंक दी गई हैं." और जिसमें गांधी लीगका दरवाचा खटखटाते जो हमारे लिये न केवल बन्द कर कैसले की बातें कह कर शोर गुल मचा रहे हैं. श्रच्छा होता कि वह

जान पड़ते हैं." बौर रूस का लाल बिट्रोह सभी कई बातों में इसके सामने फोके लेखक निस्तता हैं—"सन् १८५७ का ग़दर. फ्रांसीसी राजविद्रोह हो जायगी. करेंगे या मरेंगे."

रास्ता दिखाया." मारत को बुनियाद शुरू हुई ऋौर उसकी भियासत को एक नया सानी नहीं रखता. सन् ४२ ने देश की काया पलट कर दी, एक नए "जिस पैमाने पर ४२ की क्रान्ति हुई थी वह इतिहास में अपना इस किताब की भूमिका में जयप्रकाश नारायन जी लिखते हैं—

समभते के लिये यह किताब सचमुच श्रच्छी हैं. हिन्दुस्तान की बिद्रोह के बारे में जानकारी हासिल करने श्रौर उसके भेद को

الله و المول بند موديا كميا يو بلد مين مها كيلين علون وي كالي الله وي الما يوبي من كيل الله يوبي الله يوب م ہوجائیں کا پھوس میں مرکار سے بھو بھے وعدوں میٹر ہیں ۔ "مہم وعدوں پر میسے نقین میں حب س محرفرد" والا يرس و ملتى كرت له و سه نهروى سال كما " يم الكريزون اور امركينون سي كمين زياده مات بن كرطالي كاليج محرود المركينون سي كمين زياده مات بن كرطالي كاليج اللاندهي في كي ويوسيل المستطيق دي اول أي من من "محملات 10 Ac 40 to 1 E. A. O. 16 A. على مرسم يدى ين - "يم دعدول ير ين در ينيل مك ين - "يم دعدول ير ين دهوهول كل ان الكا بها ايو، اور ين من - " جو لأك مندوسكم و يمن القطا بوتاكر دو ليك بو الله زيمغ ل بند كروياك يو

عدوم - س مان ورت میں الا اس کتاب کی مجدمیکا میں مے کہائی الین می الحقے ہیں۔ اس کتاب کی مجدمیکا میں مے کہائی الیاس میں ایتا تائی 000 موجس بیمائے یہ مزم کی کرانتی ہوئی تھی وہ انتہاں میں نمیں مکھتا ، سلنکیہ نے دلنی کی کایا بات کودی ایک کی منیا دینرورع ہوئی اور اس کی سائٹ کوائی نیا ارستہ كويجه في لي يركناب وي جانطون والكيف

आचादी चाहने वाले हर एक आदमी को यह किताब पढ़नी नया हिन्द कुछ किताबें

सूबों के सन् ४२ के बिद्रांह के दायरों के नक्षरों दिये गये हैं. किताब की छपाई बरुकी है. दाम कुछ ज्यादा है. किताब के शुरू में शंकर का एक कार्टन है और आखिर में

—गनेश प्रसाद

लिखाबट उद् . क्रीमत एक रुपया चार आने, पता-नरायन दत्त सहगत ऐन्ड सन्स, बुकसेतर लाहौरी गेट, लाहौर. तुत्के जिन्दगी—लिखने वाले श्री काशी राम चावला, सफे ३२०,

भी कई किताबें उर्दे और अंग्रेजी में खप चुकी हैं. इस किताब में इनके १४ मजमून हैं. हर मजमून जिन्दगा के उन खास पहलुओं ही जिन्दगी अमनो ईमान के साथ बीत सकती है, अच्छी रोशनी है और कहीं कहीं बड़े बड़े लोगों के ख्यालात को हुबहू रख दिया डालता है, हर मजमून से जिन्दगी के लिये काकी सबक मिलता है पर, जिनपर जिन्हमी का दारोमदार है और जिनकी बुनियाद पर इस किताब की तैय्यारी के लिये लेखक ने बहुत से लिटरेचर को पढ़ा हैं. जगह जगह पर बड़े बड़े शायरों और लेखकों जैसे वेस्टर फील्ड सचतुच क्या है, ताक़त किस तरह पैदा करती चाहिये और अपनी मीर, भौर दारा के चुने हुए शेर भौर बोल दिये हुए हैं. ''जुत्के भाजम, श्रह्मदी, जकर, स्नलील. सादी, मौलाना रूम, श्रक्वर रिकान, पहसान दानिश, जौक्र, निश्तर. शादें, सक्षज्वल, हाली जिन्दगी रूपा है" नाम के मज्रमून में समकावा गया है कि ताक्रत काशी राम जी चाबला एक विद्वात लेखक हैं. इनकी और

انادی جاہتے والے برایک آدی کو برمتاب برصی جاہدے ۔ بتاب کے خودع میں مشکر کا ایک کا رفین پی اور آخو میں معوون سے ایر ایر میں دائردن سے افلیق دیے گئے میں

يج مي كيا ير، طاقت كس طرئ ييداكوني علي الدد ابني

भप्रेंब सन् '४८

"जो लोग दौलत का इस्तेमाल नहीं जानते उनको न तो वह जिन्दगी में **घ**पनी ही ताकतं पर भरोसा करें". 'दौलत का लुस्क" में लिखा है-लिखा हैं— जो लोग इस दुनिया में जन्नत के मजे लेना चाहते हैं बह अपनी घरेल जिन्दगी को ज्यादा से ज्यादा खुशतुमा बनायें." बैन लेने देती है और न मरते बक्त". "रिश्तेदारी का लुक्त" में इसी में एक शेर हैं— तमाम काम मेहनत ही से सर अंजाम पाते मैं. हमें वाजिक हैं कि का जुरक" में लिखा है--मेहनत में बड़ी बरकत है. दुनिया में में कम खर्ची और साइगी से रहने की नसीहत की गई हैं. 'भेहनत ज्यादा तन्दुरुस्त हैं और हिंदुस्तान सब में पीछे हैं, 'सादगी का लुत्क'' सब ताकर्तों से बाच्छी ताकत रूहानी ताकत है" 'सेहत का लुरक" महाराय लिखते हैं 'विना ताकत के जिन्हांगी का लुटक नहीं देकर यह दिलाय। हैं कि झास्ट्रेलिया और न्यूचीलेन्ड के लोग सबसे केहरिस्त दी हैं. जिसमें दुनिया भर के मुल्कों की आबादी का क्यौरा में तन्दुरुती बनाए रखने की तरकींबों को कताया है और एक **अस्**लों पर स**था** रास्ता दिखाने की कोशिश करते हुए लेखक अपनी बुराइयों को किस तरह दूर करना चाहिये. जुझ बुनियादी

''प्रेम का लुत्क" में लेखक का ही एक रोर है... सुहज्जत छोड़ कर बाहम जो आपस ही में लड़ते हैं. उन्हें बरबादियां झाती हैं यूँ ही घर बिगड़ते हैं

राम, कृष्ण, बुद्ध, इंसा सुहम्मद, गुरु नानक, द्यानन्द, है जिसमें यह दिखाया है कि मजहबी-पेशवाओं जैसे "सुहन्यत . खुदा है , सुहन्त, न होता . खुदा गर सुहन्यत न होती." "सोसायरी का जुल्क" में एक शबल दी हुई

مخت فعلا پر خدا پر مخت ، ز بوتا م ما کر مخت د بولی به «موسائع کا ملف »می ایک خول دی بول بو چی می به دلمسایا گیا بچر که د بی میتوافل جیسی بار مرخد می می مدار محمد مرم بایک ، د از بد اید محتت جھودی یا ہم جو آلیں ہی میں اورت ہیں، مخصی پر بادیاں ان ہیں اوں پر کھر عوائے ہیں. «پریم کا تعلق او میں تعلیم کا پی ایک شعر ہو۔ «محت خدا ہی خدت ، نہ ہوتا مساکی محتت لين ديني ايو اور ندمرت وقت! در رخته داري كالطف والي كليا ا الرساع الى اس موزيا مي معتقت مي درت لينا جا بيتي اي وه ايتي تعربي الرساع مي ايتي تعربي الرساع مي الرساع این مرائین کوکس می دورکونا جا سے کیٹر نیبادی امولوں پر سیجا این مرائین کوکستش کرتے ہوئے لیکھک مماشیہ تلجیتے ہیں۔ استر دکھانے کی کوکستش کرتے ہوئے لیکھک مماشیہ تلجیتے ہیں۔ "بناطاقت کے زندگی کا تطف میں، سب طاقوں سے افتی طاقت مدحاني هاقت إرَّ: " "معمت كا نكلت" من تنكتي بنا

श्रप्रल सन् '४८

जिन्दगी का नुसखा" देकर लेखक ने बताया है कि इन्सान कैसे बरतरत के स्वयालात जिन्दगी के बारे में क्या थे. मास्तिर में "लुत्के करते हुये किताब खत्स की गई है. चिन्द्रगी का सचा डठा सकता हैं. उसके बाद ख़ुदा का शुक्रिया श्रदा

इसे आसानी से समक्त सकता है. हिन्दी आदब से जानकारी रख डर्ू या हिन्दुस्तानी में रख सकें तो लोगों की भलाई के साथ-साथ कर लेखक महाशय अगर अपने विचार लोगों के सामने आसान माषा का भो भला हो जायगा. किताब की जवान मुश्किल उर्दू है. श्रच्छी उर्दू जातने वाला ही

—गनेश प्रसाव

'नया हिन्द' का 'गान्धी नम्बर'

में 'नयाहिन्द' का गान्धी नम्बर निकाल सकें. पर जैसा ठोस ससाला हम गान्धी नन्त्रर में देना चाहते थे, वह बक्त, की कमी के नम्बर निकालने का विचार छोड़ दिया है. कारन जमान हं। सका श्रीर इसी लिये श्रमो जल्दी हमने गान्धी पिछले महीने हमने आशा बाहिर को थी कि शायद हम अप्रैल

बार्येगां तब हम 'नया हिन्द' के चरिय अपने पढ़ने वालों के एक महीना पहले खबर कर देंगे. गान्धा नम्बर निकालने की जब हमारी तैयारियाँ पूरी हो

یہ است کے خیالات ذعرک کی بارے میں کیا تھے۔ کومیں "کلفت زندن کا منبعد" وسے کو لیکھٹ نے بتایا ہوکہ انسان کیسے زنگل زندن کا منبعد" وسے کو لیکھٹ نے بتایا ہوکہ انسان کیسے زنگل كا مزا الما سكتا إلى أس ك بعد ضاكا شكريه اداكرت إلوف

متاب ختم کی تنی ہی۔ کتاب کی زبان منتعل اردو پی۔ اچتی اردو جانے والا ہی اسے مسانی سے مجھ سکتا ہی۔ ہندی ادب سے میان کاری رکھ کو نیکھ مما ختیہ اکم اپنے وجاد فولوں سے سامنے اسان اردو یا ہندستانی میں رکھ سکیں تو اوکوں کی مجلالی سے سامند میساختا کا بھی · Bic fest the

تخيش يساد

られるとはないい

(071)

میما مین دم نوان اگام کا متی که تناید ایم ایدل می مزاید کا ان می ایدا می مزاید کا ان می ایدا کا در ای کا ان می ایدا کا در ای کا ان می ایدا کا در ای کا در ای کا در ای کا در ای کا در ایدا کا د

हमारी राय

देखी की बोली

दायित्व बंद गया है.' दोनों धारें आखीर तक इसी तरह आलग 'बुराइयों' की जगह 'बिद्यतों' का रखना चरुरी समक्ता गया. यह तरफ 'कितान' की जगह 'देहिसीं' 'सहायक' की जगह 'मुश्राविन' ख्दू मे हैं 'आज़ादी मिलने के बाद कांग्रेस की जिम्मेवारियां बहुत सिक कुछ मिसालें हैं. बढ़ गई हैं.' हिन्दी में स्वतंत्रता प्राप्ति के परचात् कांग्रेस का उत्तर-'खाजाने' की जगह 'केष' 'याद' की जगह 'स्मरन' ऐसे ही दूसरी है' की जगह 'संचालन कर रहीं हैं,' 'मजदूरों' की जगह 'श्रम जीवियों' ·बारेगीनिखेशन' जैसे कई अंगरेकी शब्द दोनों के। मंजूर हैं, पर अलग बही हैं. अपोल, कार्म, रिलीक यहाँ तक कि ऐडमिनिस्ट्रेशन ज्दू मान लिया गया **है जौर** 'दिल्ली' हिन्दी. पहला ही फिक्करा 'इसलिय', की जगह, 'झतः' 'महकमें' की जगह 'विभाग' 'चला रहां थौर 'कमेटी' दोनों अंग्रेजी शब्द दोनों में खप सकते हैं. पर 'सूबा, ब्यौर खर्दू के। इसलग इसलग रखने की केशिश की गई है. 'कांग्रेस' हेन्दी में या प्रान्ताय खर्दू में नहीं खप सकता. शायद देहली **इमा**री निगाह से गुजरी. पढ़ने से ऐसा मालूम होता है कि हिन्दी अपील, सफोब काराज पर छपी, एक तरफ नागरी दूसरी तरफ उट्टी विल्ली स्वा कांग्रेस कमेटी की तरफ से चन्दे के लिये एक

हम कहां जा रहे हैं? सैकड़ों बरस से दिल्ली वाले हिन्दू मुसलमान दोनों अपने शहर के दिल्ली भी कहते हैं और देहली

क नमूना दिखाया है. दिल्ली की बोली इस तरह बिगड़े और यहां का कांग्रेस कमेटी भी, जो अभो तक मेल का नमूना है. इस बात में दो राहें चलाबे इसे देख कर हमें और भी दुख हुआ। होता है कि बालग बालग बलने की घुन में थोड़ा बहुत दोनों तरह एक दूसरे से बोलते हैं बैसी ही प्यारी मिली जुली जबान उस्ताद खोक ने 'दिल्ली की गींलयां' बांधा है. फिर क्या अब हम भी. हर हिन्दू और हर हिन्दी बाला देहली समक्षता श्रीर बोलना है, दोनों क्यों नहीं लिख सकते ? इस अपील के। पढ़ने से माख्स बापने शहरों के नास भी बद्दें हिन्दी से बालग बालग क्लेंगे? कम कांग्रेस कमेंटियों से हमें प्रार्थना करने का हक हैं कि वह दोनों कांग्रेस ने इस कारे में अपना ठहराव अभी बदला नहीं है. कम से या दो नामों में से अवता अवता बटबारा कर लेंगे ? हम जिस में इस फूट की चाल के। रोकना चाहिये. इससे हमारी जवान सुधरेगी दोनों के। समक्तना और अपनाना चाहिये. हमें जबान के सामले बीचें और भो कांग्रेस कमेटियों की तरफ से निकल रही हैं. हमने की जाबान सदी कौर बेसहाबरा होता जा रही है. इस तरह की से वह सचमुच क्रीमी ज्ञवान बनेगी. फूट की राहें कम होंगी श्रीर संबरेगी, चमकेगी, ज्यादा मालामाल होगी. बिगड़ेगी नहीं. इसी ही जनान में निकालें. दोनों तरफ के थोड़े बहुत नए शब्दों की भो लिखावटों के। श्रपनाए रहें, पर जो **चीज निकालें दोनों एक**

—सुन्दर लाल

A)

रोड़ा-सा प्रायम्बित

श्राक्तूबर महीने में लाहौर में खौर उसके आसपास डा० गुरुबख्श-राय नाम के एक भाई भगाई हुई हिन्दू बहनों को मुस्लिम घरों से निकालने का काम कर रहे थे. उन्होंने मुक्तसे कहा खौर मैंने ,खुद भी देखा कि इस नेक काम में उन्हें सबसे ज्यादा मदद उन मुस्लिम घरों के आस पास रहने वाले नेक दिल मुस्तामान मदों खोर औरतों से मिल रही थो. इस मदद के बिना यह बहुत हो कठिन होता.

बार गुरुविखाराय खुद वह नक और उदार बादमा हैं. जब बन्हें एक फेहरिस उन अगाई हुई मुस्लिम बहनों का दी गई जो बम्दिसर में और उसके आसपास हिन्दू घरों में बन्दें हैं. तो डार मुरुविखाराय ने यह कह कर उन्हें खुद जाकर निकाल लाने की हामा भरी कि—"जब में मुनता हूं कि कोई मुस्लिमा किया निकाल लाने की हामा सर्वा कि—"जब में मुनता हूं कि कोई मुस्लिमान किया है. पर जब में यह भुनता हूं कि कोई हिन्दू या सिक्ख किसा मुस्लिमाम लड़की को भगा ले गया, तो मुस्ते दुःख भी हाता है और राम भी आती है." बब दोनों तरक को सरकारों ने मिलकर इस नेक काम को हिन्दू सिक्ख या मुस्लिम बहने या बच्चे हैं उनका धर्म है कि वे उन्हें खुद जके रिश्तदारों या निकालने वालों के हवाले कर दें. एसे हा सब हिन्दू सिक्खों, मुस्लिमानों और सिक्खों का फजे हैं कि इस काम के करने हिन्दों, के इन नवह समत के वालों के हवाले कर दें. एसे हा सब हिन्दों के इन नवह समत के करने

यह थाड़ा सा प्रायांश्चत होगा. जल्दी से जल्दी उन्हें मुसलमानों के सुपुर्द कर दें. हमारे गुनाहों का इन्हें हिंदुओं श्रीर सिक्सों के हवाले कर दें श्रीर जिन हिंदुओं या सिक्सों ने मसजिन्दों पर क्रञ्जा कर लिया है जनका फर्जा है कि मानों ने क़ब्बा जमा लिया है उनका फर्च है कि जल्दी से जल्दी इसी तरह हिन्दू मन्दिरों या सिकख गुरूद्वारों पर जिन मुसल-

(हरिजन सेव ह से)

हरिजनों से व्यवहार

लोकपरिपद्द दिल्लों के स्थागनाईजिंग इन्सपेक्टर श्री वेंकटराव के श्वभी तक नीचे लिखे श्रन्याय जारी हैं--से पता चलता है कि वहाँ की देशी रियासतों में हरिजनों के साथ के क़रीव हरिजनों के दस्तखत या चाँगूठे की निशान हैं. इस खत पास इसी १० दिसम्बर का लिखा एक खत भाया है, जिस पर सौ शिमला पहाड़ का एक देशों रियासन से फुत हिन्द देशों राज्य

जाता है ता डंगर का मालिक ख़ुद उसे खूने में खूत मानता है. श्रोर हरिजनों को जबरदस्ती उसे ले. जाकर गाड़ना पड़ता है. श—जब किसी उँची जात के किसी हिन्दू का केाई डंगर मर

कथा कहने या कोई यज्ञ कराने नहीं जाता. र—कोई **ब्राह्मण किसी ह**रिजन के यहाँ सत्यनारायण की

या स्त्री के। जबरहस्ती ले जाना कोई जुमें नहीं समक्ता जाता. ३--किसी जँची जात वाले के लिये किसी हरिजन की लड़की

> دی طح پمندو مندروں یا سکھ کرودواروں پرین مسکانین نے مقب والی ہی۔ ان کا فرض ہوکہ جلدی سے جلدی ، بخسید میں ان کھوں میں دوروں پرین مسکانین نے میں دوروں پرین میں دوروں پریندوں یا سمھوں کے موالے کردی اور دین پہندوں یا سمھوں نے مسیدوں پر مقب کردی ۔ سے جلدی مجمعی مسلی فوں سے میروکردی ۔ بھارے کنا ہوں کا ہر حکوم کا ہو جلوگو اس بریا ہیں ہیں ہروکردی ۔ بھارے کنا ہوں کا ہر العازى درات

(ハランカン アン

میخون سے می و با است سے می میں دنیں اور کی دائیں ہے ۔ اور میں است سے می میں دنیں اور کی دائیں است کا میں میں دنیں اس کے دنیں اس کے دنیا ہے ۔ اور میں است کے میں میں اس کے دنیا ہے کہ دیاں کی دنیں اس کے است کی دنیا ہے گئے ۔ اور میں است کی میں میں میں کے اس کے میں اس کے است کے میں اس کے میں اس کے است کے میں اس کے میں اس کے است کے میں اس کے است کے میں اس کے است کے میں اس کے میں اس کے است کے اس کے است کے اس کوزیردسی م سے مائر کافیا پڑتا ہ۔ اوکوئی برا کان کسی الرین مے میاں ستیہ ناماین کی کھا کھے یاکون کیسی کوانے ہمیں جاتا۔ سرسی کو زمرہ جات والے کے لئے کسی مرکبین کی اطالی ! سرسی کو زمرہ جی اے جاتا اول جرم ہمیں تھیا جاتا۔

बप्रैंश सन् '४८

४--केाई हरिजन हिन्दू तरीक़े से कन्यादान करके अपनो सद्दकी की शादी नहीं कर सकता.

१—सरकारी श्रक्तसरों के दौरे के बक्त दूध. लकड़ी, घास और हर तरह की बेगार हरिजनों से ली जाती है. ऊँची जात बालों से बह चीजों नहीं ली जातीं. इन चीजों की श्रगर कोई क्रीमत कोई श्रक्तमत केई श्रक्तमत केई श्रक्तमत है. तो जेलदार या नम्बरदार ले लेने हैं. हरिजनों की नहीं गिलती.

६—खमीन की जा मालगुआरी डाँची जात वालों से ली जाती हैं बतनी ही अमीन की मालगुआरी हरिजनों से बसकी दुगनी और तिगुनी ली जाती हैं. इस पर भी हरिजनों के। अमीन का मौरूसी कुकदार नहीं माना जाता.

७—जो हरिजन इस तरह के अत्थावारों पर एतराज करते हैं उस पर भूठे मुक्तदमे बलाये जाते हैं.

इनसे भी ज्यादा श्वकसोस की शिकायत यह है कि—

ट—रियासतों के प्रकासण्डलों में ऊँची जात बाले लोग हरिजनों
को प्रजासण्डल के मेन्बर न हीं बनने देते. श्रीर श्वगर बनने भी देतें
हैं, तो उन्हें चुनाव वरीरह में बराबरी के हक नही देते.

हो सकता है कि इनमें से कई शिकायतें कुछ रियासतों या कुछ जगहों के बारे में ठीक हों श्रीर दूसरी रियासतों या जगहों के बारे में ठीक नहों. जिस रियासत की खास शिकायत बाई हैं उसका नाम हम देना नहीं चाहते. एक श्रियोग (Theog) रियासत की बाबत यह भी खबर मिली है कि वहाँ के राजा हरिजनों की इन शिकायतों के दर करने की कोशिया कर रहे हैं. उन्होंने इसका एलान भी कर

ی متادی میں مرسی المعدد طبقے سے متیادان کرے اپنی وکی کی متادی میں مرسیا

المن الم محم ونا نهن على الكافري لا الموالي الماست كا الماست كا الماست كا الماست كا الماستون كا الموسلة كا الموسلة كا الماست كا الموسلة م مور كرن كا كوشش كررب ين . " كفول ف إس كا اعلائقي

भ्रप्रेत सन् '४८

अब तक हम सब लुजा-बूत और ऊँच-नीच के इस फरक को जड़ से कल्याया नासुमकिन हैं. मिटाने की कोशिश न करेंगे त^क तक हमारा चौर इस देश का को ऊँची जात का समभने वालों के जिये बड़ी ही लज्जा की बात है. विया. जहाँ झौर जिस दरजे तक भी यह शिकायतें समीहों वहाँ झपने

('हरिजन सेवक' से)

—सुन्दरलाल

के शमेंनाक दंगों से भी हमें यही सबक़ मिलता है कि ज्ञापसी भगड़ों सवालों को हल करने का सबसे कारगर तरीका नहीं हैं. हमारे यहाँ को इल करने का तरीका हिंसा नहीं है. सारा संसार इस बबरेता से संसार उस दिन की बाट जोह रहा है जिस दिन पूरा हिन्दुस्तान बिना कुछ पाया है, हिंसा के अयंकर चक्कर से नहीं निकल पा रहा है जब रहा है. अभी तो हिन्दुस्तान भी, जिसने आहिंसा से इतना ध्यान इधर जा रहा है कि हिंसा या मारकाट मुल्कों मुल्कों के बीच के कींज श्रीर हिषयारों के. भीतर और बाहर से श्रपना पूरी तरह भौर श्रसली सेवा होगी. क्रीर खपने ऊपर भरोसे की हैं. हम सब का इसके लिये पूरी कोरिया को दूर करने के लिये सबसे ज्यादा जरूरत अपने अन्दर की सफाई बरोर काम न चल सकना हमारे लिये लज्जा की चीज हैं. इस कमी बचाब कर सके. श्राजाद हिन्दुस्तान में फौजों और हथियारों के बौर मदद करनी चाहिये हिन्दुस्तान के लिये यही दुनिया की सच्ची पिक्कली दोनों जंगों से दुनिया से बहुत के सोचने बालों का

(हरिजन सेवक' से)

بدي وسير الد مدركان جاج ، مندستان مل كي ي دسياك

يتي اور اصل سيوا بولي.

(からずいきか)

كويا جهان اورجس درج مك جي يتركايس في بول ويال ايت كوافي مات کا تھے والوں کے لئے ڈی پی کمائی بات ہو جب بھٹ ہم مسب چھوا چھوت اور امری بڑھ کے اِس فرق کو ڈرسے مٹانے کی کوشٹھی ذکری گئے تب کس بھاڈ اور اِس دلٹن کا کلیان :اکلن ہی۔ -ندرال (الرين سيوك س

بھیلی ددنوں منکوں سے ڈیا کے بہت سے موجے والوں کا دھیان واقعم جارئی ہوکہ ہنسایا کارکاف مکوں مکوں کے بچے کے موالوں کو حل کونے کا سب سے کارگر طراقہ نہیں ہی ہوارے میاں کے ذہزاک دکوں سے بھی ہیں ہی مین من ایجار الیہ جھاؤوں کوحل کرنے کا طراقہ

मज़हबी गिरोहबन्दी से ख़तरा

बालों की एक कान्फरेन्स में कुछ बड़े काम की बातें कही हैं. उन्होंने श्रमरीका जाते हुए शेल धन्डुल्ला ने बम्बई में बहां के खखबार

प्र मजहर्या गिरोह बन्दी से लड़ना चाहिये. पाकिस्तान में हम मुसलिम राज की बात सुनते हैं. यहाँ दूसरी तरकहम दूसरी तरह के मजहबी रहना है. हमें न सिक मुसलिम गिर्गेहक हैं। में बल्कि हर तरह की क्रायम कर रहा है, वैसी ही आपको करनी चाहिये ." गिरोह बन्शे से लड़ने की जिस तरह को मिसाल इस वक्त कशमीर रह कर उनकी जान, माल स्त्रीर स्नाबरू के। कोई स्नतरा नहों. सज्जहबी को यह भरोसा दिलाना बहुत मुशक्तिल हो जायगा कि श्राप के साथ मुहब्बत कायम नहीं रख सकते तो मेरे लिये कशमीर के मुसलमानो सदद आप यह। कर सकते हैं कि हिन्दुस्तान में अलग-अलग सजहब शे**ल अन्**दुल्ला स पूछा गया कि इस बक्त हम कश्मीर की कैसे महद राज की आधार्चे सुन रहे हैं. हमने इरादा कर लिया है कि मजहबी दो-क्रोम वाले असून से लड़ते रहे हैं...... क्योंकि हमें यक्कीन है कि बालों में मेल-मिलाप क्रायम रखें. अगर आप हिन्दुस्तान में मेल कर सकते हैं. उन्होंने जवाब दिया—"कश्मीर की सबसे ज्यादह गिरोहबन्दी चाहे किसी भी रूप में हो, हम उसे मिटा कर छोड़ेगें." इस मुल्क में हिन्दू . मुसलिम, पारसी श्रीर ईसाई सबको मिल कर "करमार में हम मचहवी गिरोहवन्दी से और जिल्ला साहब के کی سیاست زیاده مدد بی می کویکت بی کرمیکدستان میں الگ الگ مذیرت والوں میں میگ مان وائیم رکھیں اگر آپ میمکرستان میں میں گفت تنائیم نہیں مجھ سکتے تو میرہے میں میک گفتی سے مسابانوں مو میں مجھودسا وال اور آپرو کو کون خطرہ نہیں: مذہ بی مودہ بندی

، سے اولے کی جیں طرح کی مشال اِس وقت کشمیر ظائم کور ا ایک

ديني اي آپ کو کرن جا ہے۔ "

وموسیم میں اور دیات میں اور دیات صاص کے دو اور دیات میں میدور مسلم راج کی اور میس کے میں رہیں تقین اور بیاں نہ اور سرم کروہ بدی اور عیس کے مس کو کی رہیا اور بیاں نہ اور سرم کروہ بدی میں بیاری اور عیس کے مس کو کی رہیا اور بیاں نہ اور سرم کروہ بدی ماری کا جات کہ میں کوچہ بیاں دوس کی اور ہم اسم اور سرم کا بی کر مدی کروہ بیاں کا اوار سرمی میں دوس میں ہو، ہم نے اور اس اور سرم کا بی کر مدی کروہ بیاں کا اوار سرمی میں دوس میں ہو، ہم نے اور اس انتھیم کی میں عدد کرتاہے میں ، انتھیں نے جواب دیا سازہ کرتھیم انتھیم کی میسے عدد کرتاہے میں ، انتھیں نے جواب دیا سازہ کرتھیم مذی کی وہ بہتری سے حطرہ امریکا جائے ہوئے تیج عبداللہ نے بنبی یں وہاں کے اقبار دالوں کی ایک کا نفرنس میں مجھ بڑے کام کی باتیں ہی ہیں . 21.5.4 1.25 W C Ush!

घ्यापारियों से लेन देन करते थे. अब, जब तक हम फिर एसे हैं और न हमें इसमें कामयार्था हा सकती हैं. नदारी के साथ बनसे हिन्दुस्तान के साथ नाता जोड़ने की कह सकते में निश्चिन्त होकर आ जा सकें और रह क्षकें. तब तक न हम ईमा-**डनके बीच की सरहद पर और अमृतसर, दिल्जी जैसे शहरों** हालात न पेदा कर दें कि जिनसे यह कशमीरी मुसलमान हमार और हिन्दुस्तान से बाहर के देशों में भो उनकी इन बोजों की बड़ी क़र्र अपने व्यापार के लियं अमृतसर आया जाया करते थे और वहां के हैं. आजकल के दंगा स पहले यह लाग इनक दलाल या दूकानदार करते हैं. असपनी इन चीजों को बेच कर ही वह गुजारा करते हैं. नहीं हो सकता कि हिन्दुस्तान में हिन्दू फिरक्रापरस्ती या सिख फिर-हम यक्कीन दिला दें कि उनका भला हिन्दुस्तान के साथ रहने में है देश में रोख श्रब्दुल्ला के शब्दों से बहुत कुछ सीख सकते हैं. यह कशर्मीर के लोग बहुत कर गरोब या बीच के दरजे के कारोगर होते क्रापरस्ता का बालबाला रह झीर कशमीर की सुसलिम जनता को दोनों तरफ़ की मजमबी गिरोहबन्दी से लड़ना पड़ रहा हैं. हम इस हैं. बह लकड़ी की खुदाई का काम झौर ऊन का काम बहुत झच्छा हमें मालूम हैं कि ख़ुद कशमीर के अन्दर शेख अब्दुल्ला को

न पाने, पर हाल में कुछ ईरानी बन्बई में मार डॉले गए. इस पर कि हिन्द सरकार के साथ दोस्ती से रहे और इसमें कभो फ़रक पड़ने था. इसने गान्धी जी से कहा कि ईरान की सरकार बहुत चाहती है बन्बाई की सरकार श्रीर दिल्ली की सरकार ने जो कुछ किया, उससे श्रभी उस दिन ईरान का एलची गान्धी जो से मिलने श्राया

میں ان ان ان ان خروں کو بھی ان کی ان خزوں کی بڑی تعدد ہے۔ ان ان ان کان خروں کو بھی ان کی ان خزوں کی بڑی تعدد ہے۔ ان ان میں موجوں میں بھی ان کی ان خزوں کی بڑی تعدد ہے۔ ان میں دیں کمرتے تھی ان میں بھی اور دہاں کے ویا املی میں ان کی بھی اور دہاں کے ویا املی میں ان کی بھی اور دہاں کے ویا املی میں ان کی بھی اور ان کی بھی ان کی بھی اور ان کی بھی کی اس کے ان کی بھی کی ان کی بھی کی ان کی بھی کی ان کی بھی کی کردی کم میں کہ ان کی بھی میں ان کی بھی کی کردی کم میں کی کردی کم میں کہ ان کی بھی میں ان کی کہ کہ کی کہ کہ کہ کی کہ کی کہ کی کہ کی کہ کی کہ کہ کی کہ کہ کہ کی کہ کہ کی کہ کہ کی کہ کی کہ کی کہ کہ کی کہ کہ کی کہ کہ کی کہ کی کہ کہ کی کہ کہ کہ کی کہ کہ کہ کی کہ کہ کہ کی کہ کی کہ کی کہ کی کہ کہ کہ کی کہ ای معلی این معلی ای منده میم سی اندر نیج عبدان کوده و این معلی این کوده بندی سی اندر این عبدان کوده و این مین می این مین کام این مین می مین این کام این مین این مین کام مین این کام این مین کام مین این کام مین کام کام مین کام کام کام کام کام کام کام کام ک ころでかり はからい

नप्रव सन् १८

सबरें. बढ़ा बढ़ा कर हैरान पहुंचती रहती हैं छहें सुन सुन कर सिस स्थापारी पूरी शान्ति और मेलजाल के साथ रहते हैं. वक्रीन विलामा कि अभी तक ईरान के अन्दर हिन्दू, मुस्तिम और र्रान के कुछ सोग सड़क जाते हैं. ईरानी एलची ने गान्धी जी का हेराल की पूरी तसल्ली हो ंगई, फिर भी हिन्दुस्तान के दंगों की जो

बाहर की सभ्य दुनिया को हो सुंह दिखाने के क़ाबिल नहीं हा सकते, बिन्क डरं है कि अपनी तंग दिली से ऐसी हालते पैदा कर दें फलने फूलने के बराबर के मोक़े न देगें, तब तक न केवल हम नाम पर गिरोहक्क्दी को स्तरम न कर लेंगे, जब तक तक पहुँच सकते हैं. जब तक हम हिन्दुस्तान में मजहब के सब मजहबां के लोगों का बरावर की आजारी हुमें यह समकता होगा कि नेकी का रास्ता, सब े दान धर्म का रास्ता, जिनसे मुक्क के अन्दर और बाहर हमार खतर बेहद बढ़ जायें. रास्ता ही दुनियबी सलामती और बढ़ौती का सबसे अच्छा फरफ़ के सबके साथ न्याय का रास्ता, प्रेम और सबकी भलाई का डदारता भीर रवादारी का रास्ता, बिना जात पात या महजाब क इन बातों से पता चलता है कि हमारी गलतियों के नतीजे कहां

—सन्दरलाल

ت نام براگرده بعدی و سم سری ساسه بخطئ بیمو کنے می فرایو کے موجو نه دیں گئے ، ش بی نه کمیل ہم بابری بھیر فرایو کی منہ دکھانے کو قابل نمیں ہوسے ، بکرور ہوکہ ابن سک ول سے الیمی مالتیں بیدامودیں جن سے ملک ابن سک ول سے الیمی مالتیں بیدامودیں جن سے ملک مع برته علت اور برس می میندستان می مین چه میکند دین جب بیل ایم مندستان می مین مید میر شرکیس می مید می این می غرب بڑھا چڑھاکہ ایمان ہیجتی رہی ہیں ہھیں س س می ہ ایران سے چھوک جوٹ جانے ہیں. ایمانی ایکی نے کا ندعی جی بحرفین دانیا کہ ابھی سک ایران سے اعمد مہندہ کیسلم اور رکھ دیا یاری پوری شائق اورمیل جول کے ساتھ رہے ہیں۔
ال بالوں سے بہتہ جات اور کا اس علمیوں کے شیعے
کمان سمی میچھ سکتے ہیں۔ جب سمی ہم مہندستان میں میہا۔
کمان سمی برگزوہ بندی کو ختر زکریں کے محت سک بو سمید نے دنمد اور باہم ہمارے خطرے کے دین دھرم کا داستہ، یہ مجھنا پڑکا کہ نیک کا داستہ، سے دین دھرم کا داستہ، ایدان کی لیدی نسلی ہوئی المحیر بھی ہمندستان کے دنگوں کی چھ ادامتا اور رواطری کا داسته، بناخات یات یا کذمیب فرق بم مس می ساتھ نیائے کا داسته و نریم اور مس مجلان کا داسته ای دنیوی سلائی اور فرنسوی کا مس

'गीता श्रोर कुरान"

लेखक-पांडत सुन्दरलाल

देकर मिनतो जुनतो बुनियादी सवाइयों को बयान किया गया है. ور ایکتا کو دکھایا گیا ہے اور سب دھر ہوں کی کتابوں سے حوالے | एकता को दिखाया गया है ब्रोर सब धर्मों को किताबों से हवाले दे اس تتاب کے شروع سیں دنیا کے سب بڑے بڑے دھرموں | इस किताब के ग्रुक में दुनिया के सब बड़े बड़े घमों की

तालीम को बतलाया ग या है.

हासिल करना चार्ह उन्हें इस किनाब को चहर पड़ना चाहिये. भौर इसलाम दोनों को इन दी अमर पुरतकों की सच्ची जानकारी चाकिंग्त, वाखेरत, जमत, जहमन, काकिर चग्नैरा किस कहा गया है. جو لوك سب دهومرن كي ايكتا كو سمجهنا چاهيي يا هندو | इं या हिन्दू धर्म ا الله عندو الله عندو الله عندو الله عندو भिंदा में . कुरान से पहले की बारब की हालत, कुरान के. کو سین قرآن سے پہلے عرب کی حالت قرآن کے بڑی اور

लिखावटों में घलग धनग मिन सकतो है. पीने तीन सी सक्ते की सुन्दर जिल्ह बंधो किताब की कीमत सिर्फ ढाई कपर, डाक खर्च अलग. किताब आसान हिन्दुस्तानो कवान में, नागरो श्रोर उर्दू दोनों ८८ बाई का बारा, इनाहाबाद | الداؤر ال मैतेजर "नया हिन्द"

ليكهك - يندن سندر لال سيتا ارو قوان"

جہنم' کافر وغیوہ کسے کہا گیا ہے۔

دهوم اور اسلام دونوں کی ان دو اسر یستکوں کی ۔ بھی جانگاری احاصل کرفا چاھگے۔ نتاب دستانی زبان سی ناگری اور آردو دوفوںر لکھاوگوں میں الگ الگ مل سکتی ہے، پرنے تین سو صفحے کی سند جلد بددهی کتاب کی قید ت صرف تعاتی روبیه - تاک خرچ الک

Publisher—Bishambhar Nath for Hindustani Culture Societ's 48 Bai ka Bagh, Allahabad. Prin'er—Bishambhar Nath, Vishwavani Press, South Malaka, Allahabad

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटो

करना बिसमें सब हिन्दुस्तानी शामिल हो. (१) एक येसी रिन्युत्तानी कलचर का बढ़ाना, कैलाना और प्रचार

(२) एकता केशाने के लिये कितानों, अलगरों, रिसालों वर्षे रह

क्यों, बातो, विराइरियो और फ़िक़ों में आपस का मेल बढ़ाना. (३) पढ़ाई बरों, किताब बरों, सभाग्रों, कानफरेन्सों, सेन्चरों से सब

नदवी, मि॰ संभर भाली सोकृता, भी बी० बी॰ खेर, मि॰ एउ॰ के० घडा, डा॰ अगवानदातः, सेकेटरीपं॰ सुन्दरलालः, ख़ज़ान्नी—डा॰ ताराचन्द. गवनिंग बाह्री के झौर मेम्बर बा॰ सम्बानदास और बा॰ ब्रन्टुल हुक गवर्निंग बाडी के प्रेसीडेस्ट-हा • स्पद्महमूद, मि • अन्दुल मजीद स्त्राजा, मौलवी स्प्यद सुलेमान रं- विशमर नाय. सोसारटी के प्रेतीबेन्द-सर तेज बहादुर स्प्रः वाहस प्रेसीबेन्द-

सोसाइटी की बन्बई शाख का रुक्रर

बम्बई शास्त्र की मैनेजिंग कमेटी के संस्वर--बहाँगीर वाबिया विस्तिङ्ग, ५१ महातमा गान्धी रोड, फोट बम्बर्ट

डेब़ी, भी एम॰ एच॰ पक्रवासा, शीमती हंसा मेहता, सम्पद अबहुस्ता बंबनी, मि॰ के॰ नी॰ याह. श्री बी॰ बी॰ खेर, श्रीमती सोफ़िया बाडिबा, प्रिन्सपत ए ए ॰ ए॰

मेम्बरी के क्रायदों के लिए लिखिए.

सेक टरी दिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी ४८ बारे का बाग्, रलाहाबाद-सुन्दर लाल,

هندرستاني كليجو سوسائتي

(۱) ایک ایسی مندستانی کلیور کا برهانا، پهیلانا او رپر هار کونا جس میں سب هندستانی شامل هوں - (۱) ایکتا پهیلائے کے لئے کتابوں اخباروں رسالوں وغیرہ کا

(۲) پترهائی گهرون کتاب گهرون سبهاؤن کانفرنسون کلهرون سے سب دهوسون جاتون براداریون اور فرقوں سی آپس کا میل پوهانا .

المجابة من عنوسائتی کے پریسیتانت — سوتیج بہادر سپرو؛ وائس پریسیتانت — موتیج بہادر سپرو؛ وائس پریسیتانت — دائل عبدالسعی؛ محرفنگ باقی کے پریسیتانت ، قاکتر بہکران داس؛ سکریتری یفقی ہے میدر لال: خزافجی — قاکتر تارا چند ،

محربنگ باتی کے اور مبیو —
قاکتو سیدہ معمود، مستو عبدالمجید خواجہ مولوی سید سلیان ، ا

له' رودرا' پئلت بشبهر ذاتهه .

سوسائتی کی بعیقی شاخ کا دفتر۔ جہافکیو واقیا الملانگ، او سہاتیا گاندھی روق فورہ بیبی۔ بمبقی شاخ کی منیجنگ کمیتی کے سبو۔۔۔ شوی ٹی ۔ جی ۔ کھیو شویدتی صوفیاواتیا، پونسپل اے۔۔ اے - اے فیضی شری یم - پیچ - پکواسا' شریعتی هفسا مید عہداللہ ہریلو ی مسٹر کے سوی - شاہ مسبوی کے قاعدوں کے لئے لکھٹے ۔

سندر لال سکویلوی هندستانی کلچر سوسائدی ۱۹۸۰ باکی کا یاخ، اله آبان

فيون سموسائلم كم معده من كه دونيا هله ١٠ ام

केन केवल के के के का की की अंकल किया है। की मार मोमाना की मा

Carrent Carren

षाहमी, त्रेम धर्म है, हिन्दुस्तानी बोबी.

در المراجع الم

वतन यतीम होगया!

(आई मिलाब 'साबिर' जडनरावारी)
विद्या की जाँवियों चलों, इसव की विजवियों तियाँ.
व्यान की जीवियों चलों, यह किसकी हिंदुनों तियाँ ।
व्यान की जीवियों चलों, वस किसकी हिंदुनों तियाँ ।
व्यान की जीवियों चलों, वस्त की पस्तियों तियाँ ।
व्यान की जीवियों चलों, वस्त को पस्तियों तियाँ ।
व्यान के स्तियां करें वहाँ वहाँ तियाँ ।

The contraction of the contracti

का, मन्ताह. सुरू = शान्ति. ं मारियाँ जसा, बतन की शास जल जिस्स रह गया, बतन की जॉ निकल गई बह हमा चली, बसन का दिल मसला गई. कार्चा = झकता, शुनार = मूल. नासुदा = प्रसाः सोग्बार - दुली, शांक में स्वा. वर्ने :-रमा दुवी थी, इसलिये अचल गा बतन बतीम हो गया, बतन बतीम हो गया रतन यतीम हो गर्बा, बतन बर्तीम हो गया-बतनयतीस हो गया, बतन यतीम हो गया. वह सोगवार व्यव सिखायगा ? तुन्हें सुनायगा ? भूब चलायगा ? विन स्टायमा बह श्रासरा. बतन बतीम हो गया.

गांधी जी की याद में—

बे इसे पक हिन्दुस्तानी ही के हाथों ने हमसे खीन लिया. आखिर हे सामने हिन्दुत्तान की सबसे बड़ी देन समक्कर पेश कर सकते श्व इमारे बीच नहीं रहा. रामं का मौका है कि जिसे इस दुनिया संभानतर्राष्ट्रीय पाप से हम अपने हाथ कैसे वो सकते हैं ? इन्स-त्त्रीतन्त्रर भौर अवतार भी आगर नहीं होते. खुदा के अन्त्रे और सा के साथ ओ नह जुल्य हुया है इस ही बिन्मेवारी से दिन्दु-। कैसे शांति भिल सकती है जिलको इतिहास एक पैरान्वर और ने बाबिर एक दिन मर जाते हैं. नगर इस क्रीम की बास्मा ल अपने के कैसे बचा सकता है ! वैसे यह सभी जानते हैं किरी जो जात नहीं रहे. पडवीस सी सात की सबत) को जन्म दिवा था पर अफसोय है कि वह व्यक्तित हर ठहरानेगी ? इसमें शक नहीं कि अब तक गांधी जी के सूनी पर चढ़ाने या गोली सारने के लिये हे बाद हिन्दुस्तान की बात्मा ने एक ऐसे व्यक्तिन निसारे और जब बहु मरे तो एक राजदार मीत मरे और त्व तक अन्द्रीने एक शानदार और बड़ी इत्वत की क्रमा ताम प्रतिहास के वर्त से वर्त इत्याली कार-बा० राम प्रताप बहादुर) सगावार

बाना जब वह हमारे बीच मीजूह के. के केरी थे। इसने गांबी बी के उस बक्त नहीं समन्त्र और पर्-

पता है. बिगना ही हम चरने पतालाई वा नैतिक पार करेंद्र विवासी जुने पर विचार करते हैं बदना ही हमारी चारमा के केंद्रे बम्बुर से चीट बगती हैंकीर इमारे दिखा के रंज पहुँचता है. फिर भी हम देसा कुछ करने पर चपने के मजबूर पते हैं जो चत पेकारी के फिर से हमारे बीच में से चारे जो चर्चा करत तक ही कर इन बार बार क्षेत्रवते हैं सगर किसी नतीचे पर पहुँचते नही ्रांसरी चत्रस चौर समक हमके किसी सही नतीजे पर नहीं पहुँ-वब इस कानेवासी चीदियों से करेंगे कि इसने गांधी सी की राख के नेस चौर बहुना के पवित्र संगम में वदते हेला था ? परेशान अपनी होगा कि सब हम बूढ़े हो बावेंगे, हमारे सर के बाल सकेंद्र हे। बार्चेने चीर इसारी जॉबों की रोरानी धुँ नती भौरफीकी वह जायती सि क्या करें ! क्या हमारी वसल्ली के ज़िये इतना ही

नेती सरव सोच निकातने के लिये अपने विमागों पर बोर दालवा जैना होते हैं. इस लोग तो यह सोचते हैं कि गांधी जी की अमरबनाने दें जिसके सुताबिक शांधी जो की बाद में हम कोई ऐसी बादगार. इस वर्ध जनता क्षेत्रुल कर से कि वह विचार हमारे क्रीमी जोबन का हमेशा के लिये एक जिंग बन जाये. दूसरा गिरोह कोई किये वह अपने जीवन भर जान्दोलन करते रहे, एक सिरे से हां एक यह उंग होगा कि चनके उन सारे विचारों के। जिनके हमारे बीच इस बक्त तीन तरह के विचार थाम तौर से

> The second services موج لي ويم ع كاندي في كو أن وت مين مجا الديوانا

میں وہ ہارت بھی موجد تھے۔ میں کری کری جمیا ہاری استال کے لئے اپنا ایک کانی جوگاہ موج میں ہم اور عقد ہوجائیں گئے ، ہارے سر می اور سے بوجا میں میں بھد ہادی انصوں کی دوستی وصد می اور سے موج میں میں کی مذافعہ و اور مینا کے اور سی میں مورث وقیعا میں میں میں کی مذافعہ و اور مینا کے اور مینا کے اور سی میں مورث وقیعا

د المؤل يرتند والزاري بن معطالي كاندى في كالم ول أي إلا ایف جون مع اندون کرتے رہے، ایک برے سے آس کا عفت ایک کمرے کو وہ وجار ہمارے قری جون کا پیٹنے کے لئے ایک انگ جی جانگی . دومرافودہ کی الیما صورت سوج کا لئے کے لئے ایٹ

महें सन् '४८

क्षांचम कर सकें वो हमेशा के बिथे धानेबाली सन्तानों के रास्ते के बहुन्दर के मीनार की तरह रोरानी दिलाती रहे. साथ साथ

जिन्दाने बहुत ही बेरहमी से एकाएक उस चरारा के। हमारे बीच का सोम भी हैं जो सन स्नोगों के ऐसी कड़ी सवायें देना चाहते हैं,

बड़ते रहे, हमारे समाजी जीवन से सदा के लिएखतम हो लागे. कहने से हुना दिया, यह सोचकर कि ऐसा एखलाकी या नैतिक भौर सियासी टिक्किय (नवरिया), जिसके जिलाक गांधी जी हमेरा।

का सरातान यह कि इन लोगों का मतलन भी नदला लेना या दुरमनो साधना नहीं है, विन्क यह लोग भी सुधार ही करना बाहते हैं.

निसकी मन्द से हम उन वीनों कामों में कामवानी शासिल कर सकें जिनका जिक इसने अभी किया. सगर अपने इस हौसले में मौजूबा तूकान दन जाय और बक्तती गुस्सा खतम हो जाय तो एक ऐसी जीती जागती संस्था हो जो इन तीनों नजरियों के श्रमली हम कोई ऐसी बादगार कायम करें जो पत्थर की मूर्ति होने की जगह इन तीनों नवरियों के मित्रकर कोई ऐसा रूप धारण करता चाहिये इस तब ही कामयाब हो सकते हैं जब कि गांघी जी की याद में में प्रक बहुत ही इन्क्रज़ाबी विचार के आदमी थे, कमी भी ऐसा पुराना विचार गांबी जी को, जो हर सूरत से और हर मानी इत्य दे सके. पत्थर की यादगार बनाना बहुत पुराना विचार है क्रमके सुम्बन और संसाह के सुताबिक करत्या की वादगार कारम वसन्य ने भा सकताथा. यही कारण है जो करतूर वा के मरने के बाव ऐसी हालत में होना क्या चाहिये ! होना यह चाहिये कि जब THE PART OF THE PARTY OF THE PARTY OF

ورسی می از این مین کرد این می این از این می این از این مین کرد و این کرد و این کرد و این ای الم توسیس و بینته سے لئے آئے والی سننان کے دائت میں مستندہ سے میتبادی طرح دوستی دکھاتی ہے۔ ماکھ ساتھ وہ کا کست کی ایس میں ایک دائیں دنیا جا ہے ہیں گئی مزاحی دنیا جا ہے ہیں گئی من دیا جا ہے ہیں گئی میں جواج کے ایس میں بی میں بی میں جواج کر السیا اظائی آئی دنیا ہے۔ اور سیاسی میں میں جواج کو ہمارے - Ushallara

-0.18.0. R. R.

बेहाबन, बीमारी, गुस्सा, नकरत झीर डर को निकासकर उन्हें इस काम क्रो पूरा कर सकें जिसे वह खुद पूरा न कर सके. इस मिटी हुई और तबाह जनवा के बीच से किस तरह रारोबी, गंदगी होंने और इनके बाद कुछ भौर. बाद में जो ट्रस्ट क्रायम करेंगे उसके सामने पहले यही मक्रधद त्रांत्रक्री और सुधार के सही रास्ते पर लगा दिया जाय. इस उनकी **डन्डें** वनको जिन्दगी में बहुत हो त्यारे थे. इसलिये इस बक्त हमें र्गांची भी के उन ऊँचे विचारों भीर नवरियों के याद रस्नना है जो सताई हुई और अज़कूर बेजवान जनता की वह अपने दिल में धनसे बड़ी जगह देते थे. उनकी बेचैन आत्मा हमेशा इस खयाल सबसे ज्यादा व्यारी थीं. जैसा कि हम जानते हैं, हिन्दुस्तान की एक ऐसा ट्रस्ट क़ायम करना है जिसको मदद से हम गांघी जो के से परेशान रहती थी कि सिंदियों के जुल्म और बेपरवाही के कारण श्रायम करते बक् हमें इसका ध्यान रखना है कि उन्हें कीन चीचे इसिबेथे गांबी जी के लिये. यादगार क्रायम करते समय हमें

का हीसला इसने किया था. पर जब क्रीम के सामने इस अच्छे काम के बिये हमने हाथ फैजाये तो जनता ने हमारी आशाओं बाइगार के बास्ते हम कम से कम पच्चासी करोड़ का निशाना अपने सामने रखकर थागे बढ़ेंगे. ऐसी हालत में हम दरअसल से भी ज्यादा मदद की. हाँ क़ौम के इस सबसे बड़े रहतुमा की इससे भी नदी रक्षम इन्हां कर सकेंगे और इस सिलसिले में हमें करतूर ना ट्रस्ट के बाली पच्चासी लाख रूपये इक्ट्रा करने

استوں کا درجہ اوتحا کر ناتھا۔

اس لے کا مذعبی میں کے لئے اگار قائم کوئے سے ہیں اور کھا کہ اور انطابی کو یاد بھنا ہو اور کھالیں کو یاد بھن آن کی ذمان میں بہت ہی سیارے تھے ۔ اس کے اس کی اس کے ا مرت وقت المین اس کا دھیات مکھنا ہی تراکفیں کون تزین سب میں ذیارہ میں اس کا دھیات مکھنا ہی تراکفیں کون تزین سب سا کہ ہم جانتہ ہیں۔ ہندستان کی سب سا کہ ہم جانتہ ہیں۔ ہندستان کی سب سا کہ ہم جانتہ ہیں۔ ہندستان کی سب سا کہ ہم جانتہ ہوں تھی کہ صدیوں کی سے میں اس جانگی ہے کا دور سے پرداری سے کا دور سے بھی اور سے برداری سے کا دور ہے تھا کی برداری سے کا دور ہے تھا ہی ہے۔ اس کی دور ہے تھا ہی ہوں کے جو کردست ہے کہ کردس کے اس سے در کی دور ہے تھا ہی ہوں کے جو کردست ہے کہ کردس کے دور ہے تھا ہی ہی مقصد ہوں کے جو کردست ہے کہ کردس کے دور ہے تھا ہی ہے۔ اس سے میان کی اور سے برداری سے کہ کردس کے دور ہے تھا ہی ہی مقصد ہوں کے دور ہے تھا ہی ہوں کے دور ہے تھا ہے دور ہے تھا ہی ہوں کے دور ہے تھا ہے دور ہے تھا ہ

गांधी जी की याद में-मई सन् '80

दिन्द्रस्तान की जनता के साथ साथ हिन्द सरकार से भी कुछ कम भारमंबे नहीं हैं. हिन्द सरकार को चाहिये कि वह बागले इस बनता की सलाई के लिये जो कुझ खर्च करनेवाला है उसका ज्यादा **itधों में तास्रीम, तन्दुक्तता और नजदूरों के मुहक्तों की** तरफ से हिस्सा इसा समय गांभी यादगार ट्रस्ट के वास्ते देने का ऐस्रान कर . बा आहिर है कि इस समय हिन्द सरकार इन मुहकमों की

खमप तो जो रक्ष्म चागे बलकर देनी है बसका सिर्फ ऐलान ही करना काको होगा. इसी तरह सूबों की सरकार भी इन्हीं मदों में करेगी. इसलिये अगले दस बरसों का औसत लगाकर हमारी सर-बकरी नहीं कि पूरी रक्षम बाभी बालग कर दी जाय बल्कि इस कार अभी यह पैलान कर सकती है कि इस पूरी रक्षम का इतना तुरभ से जो खर्च कर रही है उससे ज्यादा ही बगले बरसों में खर्च हेस्सा बहु गोधी यादगार ट्रस्ट को देना चाहती हैं. इसके लिये यह

श्चरू हो सकती है और जाहिर है कि जब सरकार ऐसा काम तरह हमारी पूंजी सरकारी मदद से कम से कम पचास करोड़ से ब्रनता को सलाई के लिये जो रुपये सर्व करनेवाली हैं बनका एक मुनासिक दिस्सा गांघी यादगार ट्रस्ट के लिये दे सकती हैं. इस बिना किसी खोर या किसी तरह की खबरदस्ती के वसूल कर सकेंगे. बसूब कर सकेंगे. हमारा यह भी विखास है कि यह रक्तम हम 🗲 कि गांधी जी का यादगार में सौ करोड़ से ज्यादा रक्ष्म हम करेगी या काम करने का इरादा करेगी तो क्रोम के ऊपर इसका बहुत मध्या असर पड़ेगा. फिर हम श्रासानी से यह श्रारा। कर सकते

ने की बातातनी गांधी जी के जीवन में कहीं जगह नहीं रखते

ہمیدمتان کی جنتا کے ساتھ ساتھ ہمدم کار ملے بھی کچھ کم ہمت میں تمیں ہیں۔ ہمدم کار کوجا ہے کہ دہ ایک دی برتوں ہی تعکیما تنمیستی احد مزدوروں کے تحکموں کی طوت سے جنتا کی تعمال کا تعلیم، تنمیستی اور مزدوروں سے سمدن ن م

کو این سے میتد مرکار ان محکموں کی طرف سے بو فردہ کو مدای اور اس کے ایک دری مرکار ایکی یہ اعلال کوستی آج کہ دری مرکار ایکی یہ اعلال کوستی آج کہ ر کا ندمی یادگار در سے کے واسط دیے کا اعلان کردے : یہ تا ہر ہ زور ادر زبدی کا کاندی جی تے جون میں کس مگر انس رکھے

ऐसा काम नहीं कर सकते जो धनके जीवन और उनके कामों के बे. इसिक्किये आज उनके न यहने पर भी उनके नाम पर हम कोई

े से इसारे जिये यह बरूरी होगा कि दूसरी पहतियाती काररबाई अस्य तथा के द्रस्त व्यामतीर से कम से कम इस देश में ज्यादा कमियाय नहीं रहे हैं. इसलिये इस खतरे को दूर करने के दूराहे होगा कि वह पूरी क्रीम को उस रुहानी (जाध्यात्मिक) जीर शारंदिक (जिसमानी) शान्ति जीर भाइवारे जीर भवाई के पस्ति वर के बसे जिस पर गांधी जी इस क्रीम को बलाना वाहते जै. क्रेकिन इस सिकसिकों में यह बात याद रखने की है कि के भवावा इस शुरू से ही सरकार और उसके कुछ तुमाइन्दों को का काम करेंगे तो बह सारी खराबियाँ आप से आप हर हो कार्बेसी को जाम सीर पर सरकारी कार्मों में पैदा हो जाती है. हरेंद्र की पालिसी और बसके कामों के साथ मिलाये रक्सें. इस-निये दिन्द सरकार के तालीम, तन्दुवत्ती और मजदूरों के मंत्रियाँ इसरी संस्थाय काम करें जो लोगों को मुक्त या थोड़े खर्च पर केंग संरक्षार के प्रविनिधि और जनता के प्रतिनिधि मिलकर द्रस्ट डियादा से डवादा फायदा पहुँचार्ये. इन संस्थाच्यों का काम रारीब ने इस्ट का सुस्तकिक या स्थायों मेन्बर बना देना खरूरी होगा. और दुखी सीगों के दुख दर्द में हाथ बटाने के अवसावा यह भी बिरे से दूसरे सिरे तक स्कूल, हरपताल, छोट बड़े दवाखाने शौर वो हमारा दूभरा काम यह होगा कि उसके नीचे हम देश के एक **१स तरह जब हम एक बहुत हो शानदार द्रस्ट क्रायम कर लेंगे**

تھے. ایس لیا کرج ان کے ذریت بدیمی ان کے نام پرہم کمانی الیسا کام منیں کوئیکتے ہو ان کے جیون اور ان کے کامیں کے خلاف ہو: اس طرح جب ہم ایک ابس ہی بنتا نیار فرسٹ قائیم کمریس کے قو ہمارا دوم اکام یہ ہوگا کہ کوس کے بیاج ان فرسٹ قائیم کمریس کے قو دوم ہم مرک بیسی اسکول اسپیشال اچھوٹے بڑے دواخا کے اعد and board

शामद यहाँ इस बाब पर चोर देना चरूरी नहीं कि इस पैमाने कर बाह आपनी तरह का एसा तजरना होगा जिसकी मिसाल हुनिया के दूसरे दिस्सों में बूँढ़ने से चासानी से नहीं मिख सकेगी. सई सन् %द

संस्थाओं के साथ बोड़ना चाहते हैं, तो वह लोग देश में जितने सन्दिरों, मसजिदों बीर गिरजों को चाहें, गान्धी जी के नाम कर आरे निरवां की कोई कमी नहीं है. इसलिये बगर इक लोग ऐसे नहीं अुनाना चाहिये. उनकी यद में मन्दिर बनाना शायद उतन क्षे नामुनाधिक होगा जितना मसजिद या गिरजा बनाना. इसके जनाका जैसा कि हमें मालूप है, इस देश में मन्दिरों, मसजिदों सार इसवस करते बक्त हमें इस बात को एक पत्न के निये भी यक हिन्दू बराने में वैदा हुए थे. इसलिये गान्धी जी की कोई याद-शांची जी हर हैवियत और हर होट से हिन्दुस्तानी के सकते हैं. ऐसा करने पर किसा को भी कुछ पतराज नहीं हो सकता. हमके अलावा अगर वह हिन्दू भी थे तो सिर्फ इस कारण कि वह की इस असमियत को नहीं अलाना है कि दरअसल . जो खबाहमखबाह गांधी जी का नाम कुछ खालिस मजहबी झगर यह सब करते आर्थेर सोचते बक्त हमें एक पक्ष के जिये

क्रिये इस वक्षत जो इक्ष भी जोड़ा चौर जमा किया जा सकता है वैसा भी किसी ऐसे काम में नहीं लगने देना चाहिये जो इस क्रीम बो भी इस समय गान्धी जी के नाम पर देसकते हैं, उसमें से एक के मूकों भौर प्यासों की तक्षदीर बताने में काम न था अके. इस विकं पह काम में जाता चाहिले जीर सिर्क पक सक्तवह ने कहने का सतलब यह कि हम ग्रारीब और मुक्तलिस बिन्दुस्तानी,

とうとうというできることのと

الله میان این بات برخدر دیرا خزدی تعین کی این بیمان بر رو این مجه ایسا بخرر ایرکا میس کی مثال دنیاسی ددمرسه معقول می مجمعة عضر سے آسانی سے منین مل مشکل کی لئے بمی محر پرمس کی تے ادر سویتے وقت ہیں ایک بل سے لئے بمی 一けれるはままり

U.C. Mer Contract of the Williams إین اصلیت کو منیں مجوفا ہو کہ دراس کے علاوہ اگر وہ استدہ اور استدہ کا درہ استدہ کا درہ استدہ کا درہ استدہ کا درہ استدہ کی استداد کی استدہ کی استدہ کی استدہ کی استدہ کی استدہ کی استدہ کی استداد کی استدہ کی استدہ کی استدہ کی استدہ کی استدہ کی استدہ کی استداد کی استدہ کی استدہ کی استدامات کی استدہ کی کر استدہ کی

गांभी औं की बाद में-- मई सब 'क्ष्ट

ने इस अमारो देश की सियासी आजादी हासिल करने में न लगा ंसे कह सकते हैं कि बगर बपने जीवन का ज्यादा हिस्सा छन्हों युन गान हुए बसके आधार पर हम आज कुछ हिन्मत कितने प्यारे थे. बल्कि दुमिया के कीने कीने से जिस तरह उनके के बाद यह माल्सम हुआ कि उनके सिद्धान्त दुनिया में सब को के असूलों और भावरों का हिन्दुस्तान में ही नहीं बल्कि आगर बिये इस्तेमाब होना चाहिये. और वह मक्कसद होगा गान्धी जी हो सके तो सारी दुनिया में प्रचार करना. हमें गान्धी जी के भरने

है कि इस दुनिया को यह बतायें कि इन्सानी तरक्षकी के लिये भार राह्मा खुराङ्गरी का राह्मा है. ब्याब बबकि ऐटम बम एक के नैतिक (पक्षलाक़ी) सन्देश को दुनिया भर में पहुँचाने की इक्त और कतना, बहुत घट गया है, इस बात की सखत अरूरत किये. जिनके कारन थीद धर्म चीन, जपान, तिब्बत, स्थाम, बरमा से कम बड़े बड़े देशों में ऐसी संस्थायें कायम करें जो गान्धी जी कोरिश करें. आज जबकि मौजूदा राजकाजी जुग में आदमी की हमें बाहिये कि हम अगर दुनिया के हर हिस्से में नहीं तो कम बौर बाका जैसे देशों में जमर धर्म साबित हुआ. इसी तरह जाज सहात्मा बुढ के मरते पर इस देश ने दुनिया के दूर इर देशों

को दुनिया के कोने कोने में पहुँचा सकते हैं.

स्थानी सोच समक कर इरादा कर लें तो उनकी जिन्हगी के पैगाम

विचा होता तो भाज वह मीजूदा युग के सब से बड़े रहतुमा की

शिसमत से दुनिया से बठते. फिर भी खगर आज भी हम हिन्दु-

می میر بیت سے کوسکت بی کہ ایک جون کا ذیادہ صفر ایکوں نے اس ایک ولی کی سیامی آزادی مال کرتے میں دکتا دیا ہوتا ہے وہ موجودہ کی سی سے جرب وہاکا میں سی میں ادادہ کرفی ہے اس کا کہائے میں اور اس کے میں اور کو ہوتا کے میں میں میں ادادہ کرفی ہے اس کا مندی کے دنیا کے دور دور میا تا میرے میں میں میں اور اس دیتی نے دنیا کے دور دور میا تا میرے میں میں میں اور اس دیتی نے دنیا کی دور دور میا تا میرے میں میں میں کا مال فردھ دھی میں، میابال است اس اس کوئی کوئے سے جس ملی ان سے کئی کا ملی جو ہمت سے کم سیکتے ہیں کہ ا مہنوں نے اِس ایکا کے دلیق کی م بعياري اين المدين سرهان دنیایی

وشش کری. کری می که موجده وای کای دیک می افا کی حوالف و این آن کی از این بات کی ست خودت وکر میم و یا کویر سب میں که انسانی ترقی کے لیک مورسی میں میں موستی کا داستہ ہی ۔ ان جب که ایم بم ایک دهم خیاب اوا ای طری آن

गांबी जी की याद में— मई सन् '४८

मुँह फाइ वेटा है, इस बीच की सखत चरूरत है कि दुनिया को (तहस्त्रीय) और संन्कृति (तमर्न) को निगल जाने के लिये भयानक खूनी वरिन्दे या हिंसक जन्तु की तरह इन्सान की सभ्यता हम सुब, शान्ति और अहिंसा का सन्देश दें.

पहले इस तरह के आन्दोलन किसी खास धम का सन्देश लेकर ही बाहर गये. अकसर मजहबी असर के आयम होने के बाद देश पर सिवाडी क्रव्या भी हो गया. पर हमस्त्रोगों के सामने इस तरह का कोई मक्तसद या हौसला नहीं है. इसिलिये कि गान्धी जी ने हमकी केाई ऐसा नया मजहब ही नहीं दिया जिसका प्रचार करके हम सियासी या साम्राजी हौसले वो इसका खतरा नहीं है कि हमारी कोशिश दूसरे देशों के लोगों है कि भार कोई इस तरह का अन्तर्राष्ट्रीय आन्दोलन हम शुरू करें के विलों में किशी तरह का शक पैदा करे. इसमें शक नहीं कि बॉब सकें. शसल में गान्धी जी की बड़ाई भी इसी में श्री. दुनिया में एक के बाद दूसरे पैग्न-बर ज्योर एक के बाद दूसरे अवतार आये धीर क्ररीब क्ररीब समों ने अपने से पहलें जाने वाले को बिन्दा रखने के जिये प्राने धर्मों की चच्चाहर्से के जोर जिन्हों ने हर धर्म, हर बवतार और हर पैसम्बर के सन्देश के की बातों को काटा लेकिन गान्धी जी अकेले ऐसे रहतुमा ब करूरत नहीं थी. बल्कि इस बात की कारूरत थी कि इन्सानियत यह साफ साफ देख लिया था कि दुनिया के। किसी नये धर्म की सच माना और किसी की बात के। नहीं काटा. गान्धी जी ने इस सिलसिले में हमारे लिये जो सन्तीय की चीच है वह यह

كالمنافق كم الم يمان وموس كا الجابول كا تدر

में सर् अ

बहाँ से और साक करने की कोरिया की. जहाँ जरूरत समम्बे वहाँ कहीं कहीं रंग भी गहरा कर दिया पर इससे ज्यादा और कुछ नहीं. हाँ गान्धों जी के इस दस्वीरों को रेलाकों जीर लकीरों को ही यहाँ श्वात सहस्मद और दूसरों ने श्वलग श्वलग तस्वीरें बनाई थीं रेकर किन्दा रक्ता आय. बहाँ महात्मा बुद्ध, हवात ईसा,

भारितर में एक विकात पैदा हो सकती है. सवाल हो सकता

शक नहीं कि बाझ दुनिया की नवारों में हिन्दुस्तान बिलकुल इसारी मब्द करने के किये बहुत जरूद तैयार हो जायेंगे. इसमें है कि इस देश के परीच कोग कहाँ से इतना धन कुछा कर सकते हैं जिसकी मदद से इतना शानदार चौर बड़े पैमाने पर हे बरार इस हिम्मत करके सही रास्ते पर मजबूत करम चठार्थे में बैसों की कमी इसे बागो बढ़ने से नहीं रोकेगी. इसे आराा कि इस सहीं इंग से काम शुरू करेंगे तो समसदार और मान्त्रोक्तन शुरू किया जा सके. पर मेरा निजी विचार यह है िविचारों के सोग दुनिया के क़रीब क़रीब हर ें हिस्से से

पिछारा धारे गिरा हुआ है. दुनिया की बड़ी क्रामें। में इस बारा इसकी गिलती भी नहीं है. पर मेरी समक्ष में यह एक मेसा मीक्रा था गया है खबकि हम क्रापनी खोई हुई इज्यात निक सके पूरा विश्वास है कि जगर इस जपने इस्म भीर शान फिर से दुनिया की नवारों में क्रायम कर सकते हैं. पस्ते पर ध्यमें तो दुविया हमें बकेला नहीं छोड़ेगी.

स्माराती का एक पश्चा बह भी होगा कि इस तरह का कान्द्रोसन षष हम इस तरह कमर कस कर जागे महें में तो इसमें

> من د نده المعا جائے ، جاں ماتا بدہ ، حق سیسی احق

ردیا پریس سے زیادہ اور پھر س

کی مدم سے اِتنا خان ماد اور بڑے ہوائے ہر الدوار لیا جاسکا برمرائجی دجارے الاک اگرائم ایمت کر مانو میں ایک دقت بیدا ہوسکتی او بموال ایک دینی می عزیب ایک کمال سے ایستا دھی ایکھا

میں میں دو کے لی۔ ہیں اس اور موم می و سال کے ورب اور اللہ دیتے وجاروں کے لاک ونیا کے ورب اللہ معنی کے است جالد تیا د ہوجائیں۔
مر میں سے ہماری مدد کرنے کے ایم سے جالد تیا د ہوجائیں۔

Constitution of the state of th

गांची जी की याद में--महें सन् 'क्ट

दुनिया में हमारे किये उससे कहीं ज्वादा नेकनामी पैदा कर

सकेना जितनी हमारे राजकाजी सफीरों या दूतों की कोरिया से होगी. पर यह संच तभी सुमकिन होगा जब कि हम काफी चदार से काम सं चौर कोटे कोटे किरों होर मूल मुलेगों में

स्पर्राष्ट्रीय या और जिसके सिद्धान्त धौर आदर्श सारी दुनिया को न सोई. जिस बादमी का व्यक्तित्व (राख्टियत) वे बंबकी यादगार हिन्दुस्तान के क़ौमी दावरों तक मह-रक्सी जा सकती. इसलिये गाल्भी जी के लिये

जन्म दिया. इसिक्षेचे धनको एक अन्तर्रोष्ट्रीय यादगार क्रायम हुने इस बाव पर नाथ है कि हिन्दुस्तान ने उन्हें बापनी धरती पर क्षमय हमें वह याद रक्षना पड़ेगा कि गान्धी जी सिर्फ हिन्दुस्तान ने की नहीं बक्ति सारी दुनिया की सम्पत्ति थे. यह जरूर है कि जो भी यादगार आयम करनी है उसे कोई रूप देते

में हम ध्यपनी पुरानी क्रज़ें खोद कर दुनिया के सामने ध्यपने पिछले इतते समय इम धनजाने तौर पर धपनी क्रीम में एक खुद्दारी का भाष भी पैदा कर सकेंगे. आज तक अपनी बढ़ाई के सबूत

शुग को पेश करते रहे. शायद इस क्षीम की आत्मा पर यह भाव श्राबा हुजा था कि जूँ कि इसका मीजूरा युग दुनिया को डुब्ड दे नहीं सकता था, इसकिये यहाँ के रहने बासे अपनी पुरानी बड़ाई सिर अंबे बरके बह सबते हैं कि हमारे पास भी दुनिया को भास हमारे आमने एक ऐसा मौका जा गया है जब कि हम भारते की कहानियाँ दुनिया को सुनाते रहे. लेकिन महात्मा गाँधी के कारन

> - cest & ce coit

ملے ملے ہیں ہوئی یادگار ظائم کرنی او اسے کوئی دوپ دیتے سے ہیں یہ یاد رکھنا چڑہا کا کا ندھی جی حرف ہمنوستان ای کی جس میل مسادی کونیا کی سمینتی تھے۔ یہ خود اوکر ایس اس がずれていかられているでするかん

हेन्दुस्तानी कलचर और संगीत

(११) (भाई गणेरा प्रसाद द्विबेदी)

पिछले लेख में हमने वासित खाँ के बड़े बेटे चलियुहम्मद् खाँ कि वे ब्रह्मियाँ का हाल लिखा था, चव इनके मंभले भाई युहुम्मद् अबी खाँ का हाल लिखना है. ये सेनी घराने के चािलारी रवािवये के इन्हों के साब रवाव का खंत हुआ . यह वािसत खाँ के दूसरे बेटे थे. इनकी पैत्यरा सन् १८२८ में हुई चार ६४ बरस की लन्बी तम्म पाकर सन् १९२८ में यह परलेक सिधारे. इनका गाना बजाना खाँच सुने समफे हुये बहुत से संगीतरिसक धारे इनका गाना बजाना खाँच सुने समफे हुये बहुत से संगीतरिसक धारे इनके कई गुनी शािवर्ष का नवाब हािसद अजी खाँ रामपुर के बेटे चार वाल जानते हैं. इनके खात शािवर्ष थे पिस धावात खाँच साहब ने इन्हें रामपुर के हों सो सकेटरी (गृहसचिव या बचीरे दरवार) का खाहदा देकर इन्हें रामपुर में ही खुला लिया था . इनके दो चार मशहूर शािवर्ष थे पंत्र खिन्दुस्तानी न्युधिक नाम का संगीत का वह बड़ा कालेज खाली साक कि ताने बजाने की सालिय का सह बड़ा कालेज खाली का कि ताने बजाने की सालिय का सह बड़ा कालेज खाली साक की कि ताने बजाने की सालिय का सह बड़ा कालेज खाली साक सालिय का सालिय का सवसे

ويديان في الاستناء

المجلس المحتاج المحتا

बड़ा कांब्रेज माना जाता है. इसमें वालीम देने के लिये श्ररू में तो क्रोज खोजकर घरानेदार खानदानी गुनी ही रक्खे गये पर हमें दुख है कि भागे चलकर वह बात न रह गई.

महन से ही सिल जुकी थी - भुपद और रवाव में यह महिर थे. सक्कपन कीर नीजवानी में इन्हें कसरत और कुरती का मी खूज गाहिर थे. विश्वाद्या गथा था. नियम से रोजाना बरिजया तो यह जात तक करते गये. लाठी और बाँदा पटा भी यह निहायत ज्यञ्जा खोलते थे. वन्दुक्सी ज्याला दर्जे की रही. लगातार पाँच पाँच घंटे यह रियाज किया कोई वि. जत नहीं होती थी.

पर इनका मिखाख अपने बड़े माई बड़कू मियाँ से बिलकुल असाग था. बह रईस और शाही ति बगत के ये पर यह निहायत साथा रहन सहन पसंद करते थे. बड़कू मियाँ के साथ हर बक् दस पँच मुसाहिब आर संगीतरिक बने ही रहते थे. अकेले में उनका जी घबराता था, पर यह सोहबत से ही घबराते थे. एकंत-साथना में ही इनको आनन्द आता था. पिछले दिनों तो यह पूरे फल्लीर ही हो गये थे. घन दौलत के पीछे यह कभी नहीं पड़े और इसके लोभ से कभी किसी दरबार में नहीं गये. गिद्धौर दग्बार में ही यह व्यादा सर्दे इनका पहला जलसा जब गिद्धौर में हुआ तब राजा साहब वर्षे प्रकार कपने मेंट करने संगे, इन्होंने बहकह कर इन्हार

الا الحراك الما ما ما الا المواد الما الما المواد المواد

میں اور ستا ہی طبست سے تھے یہ بر نہایت سادہ لیکن ہور نیا میں اور ستا ہی طبست سے تھے یہ بر نہایت سادہ لیکن ہور اپنے میں سے بی فیرائے تھے ۔ اکا نت سادھتا میں بی ان کا بی میں اور میں سے بی فیرائے تھے ۔ اکا نت سادھتا میں بی ان کا بی ابر ہو میں سے بی فیرائے تھے ۔ اکا نت سادھتا میں بی ان کو انتہا ہو تھے میں بیسی جے اور اس کے لیجے سے میں ہی دیار میں تیں اور اس کے بھی دیاد میں ہی یہ زیادہ تر جو ان کا بہلا ملہ جر بی توصید میں ہوا ت دلیا میں مادسی ہی ہی ترادہ تر جو ان کا بہلا ملہ جر بی توصید میں ہوا ت دلیا میں مادمیں ہی ہی ترادہ تر جو بین کا بہلا ملہ جر بی توصید میں ہوا ت دلیا

महत्त्र में भी रहे, पर गिद्धीर में ही इनका मन रम पया. लोगों की बड़ी अहर में भी रहे, पर गिद्धीर में ही इनका मन रम पया. लोगों की बड़ी महीने बुमधान कर फिर वहीं पहुंच जाते थे माँ तो यह गया, नेपाल, बनारस और रामपुर और कुछ दिन लख-शनके निरस्रोभ होने का उनके **अपर बहुत बड़ा असर पड़ा और** बागते हैं.' उन्होंने हंसों की एक टोली इनके यहाँ भिजवा ही, पर मा बिसमें हंस के बहुत से बोटे छोटे बच्चे तैर रहे थे. इन्होंने इस नत करूँ पापको ^{को} महस की बायदरी के बीच एक बहुत बड़ा होच किर इन्होंने बड़ी कोशिश से अपने दरबार में इन्हें रख ही जिया हेर जनकी स्रोर देखा और फिर कहा, 'बस इन्हें ही देवो, बड़े सच्छे **मप्रनी** फिन्दगी का सबसे बड़ा भाग इन्होंने गिद्धौर में ही बिताया. के गे.' राजा साहब ने परीराान होकर पूछा, "तो बाखिर क्या खिदा-कर रिया कि, 'क्या रास्ते में जान से मरबाइयेगा ! घर जाते बक्त सब ब्रुट

धेरों भारास में दोनों हाथ से जुटा रहे थे. पर जितना वह भियाँ बुजुर्गों की कमाई हुई बेशुभार वीलत खेरात में और अपने यहे. बालीम इनकी गया में ही हुई. फिर जब पिता के धार्षना और रियाफ में ही रहते थे. जब तक बड़कू मियाँ की हुइसे ने च्यनी ही जामबुनी भी चनको हो जाती थी. मुहन्मद अलो हों इन सब मामलों से विसकुत बरी थे. वह अपना चलग **प्राक्षों से छनका मनामोटाव हो गया तो तल्लुका छोटे भाई रियासत** अर्गबास के बाद बड़कू मियाँ की फैयाची के कारन गया और टिकरी ्रश्चरू में यह जारने पिता और जपने भाइयों के साथ गया में ही के हबाले कर यह दोनों भाई नेपाल चले गये. बढ़कू

محد على خال إن سب منالموں سے بائل يرى تھے. وہ ايا الگ

سادها ادد دیامی بن ہی دہتے تھے۔جب یک چکومیاں کی

وی آب که و ادا کا با در دری کونیا از او او او کا وی خدا از او او کا وی خدا بر کا وی کا وی کا برت ای کا وی کا وی کا وی کا برت ای کا وی کا کا با در دری کا کا کا برت کا وی کا وی رویا کرد می داست میں جان سے مواقع کا المحرجات وقت سب فالمستد بمنان كج المسطيت محاصف

तन्तुस्त्रवी टीक रही तबतक न तो यह आम अखसों में ही प्रगट होते चे न किसी को तालीम ही देते थे. कोई इनके पास जाता तो कह देते 'मई मुक्ते माफ करो, मैं तो खुद ध्यमी तालीम में हूँ, माई साहब के पास जायो,'

ने पर इसमें तंत्र की सारी खूबियाँ वह सुनाते थे. यह सभी लोग ्रभग सात माठ सास बहाँ रहे. इस बोच बहुत पीक्षा खुड़ाने पर भी ्थवा के दो शौकीन पंडों को इन्हें शार्गिड बनाना हो पड़ा, जिनमें से एक गया में इस ष्यमाने में संगीत का बहुत शीक बढ़ा. पर धारुसोस है भीर हिन्दुस्तान में भपने कन के सब से बड़े बरतार माने जाते हैं बड़ें साई की बहाँपहुँचा कर एक बार फिर गया लौट आयेथे, और लग-बजाने का शायद ही किसी ने शौक्र किया हो. या यह भी हो सकता **इन्हीं हुतुमान दास जी के पुत्र सोनी जी थे जो बजाते तो हारमोनियम** बाल- गवा में हेंड़ी जी और हनुमान दास बहुत बड़े गुनी हो गये हैं वें मराहूर इसराजिये कन्हेंया खात हैंड़ी जी और दूसरे थे बिहारी हैं कि सेनियों ने इन बीजों की तालीम इन्हें देना ही ठीक न समम्ब श्रीक्रकिया; या बहुत हुन्ना तो इसरार, ध्रुपद गाने, या बीन. रवाब बे. इसी घराने के बंद्रिका दूबे नाम के एक इसराजिये बाभी भी है श्चरून्मद असी सॉ की तामीम से या सोहन्त से इस दर्जे को पहुंचे कि ज्यादासर सोगों ने हारमोनियम बजाने चौर दुसरी गाने का ही , नेपाब में अपनी साधना और रियाज में खलल पड़ते देखकर यह

श्रंपेषी श्रष्ट्रमत की एक देन हारमोनियम नाम का बाजा भी है. बह पाजा हिंदुस्तान का नहीं हैं,ना हिंदुस्तानीसंगीत की सुविधों चौर

معامی مے یاس جائے: میان کو وہاں بینجا کرایک بارجوس کوٹ ہے تھے، اور لک بھی ک معان انھرسال وہال رہے، اس بچھ بہت بھیا چھڑانے رہمی ہی مات انھرسال وہال رہے، اس بچھ بہت بھیا چھڑانے رہمی ہی مي اومكنا إورينيول في إن جرول كالعلم الفيل ديا إي تفيك

दिन्तुत्तानी क्लबर कीर संगीत मई वर् 'क्ष्ट

नाने की संगव या गाने यदि करने में इससे बहुत मदद मिलती है. पर खारेगी के मुकाबने में इस मानी में भी इसकी कोई हत्ती वाले कार्य कार्य के स्थान को करें हत्ती है. पालाप, ग्रयद भीर खयाल गाने वाले वाले किसी हद तक होती है. पालाप, ग्रयद भीर खयाल गाने वाले श्रमके सिये बगह नहीं थी . कोई सीखने वाला या इन्तहान देने बाबा इससे मद्द नहीं से सकता था. जबसों में भागर कोई सवा-क्षर है. विद्वालान ने करोड़ों क्षये विदेशी दारमोनियम की रीड ब मने की संगत या गाने यह करने में इससे बहुत मदद मिलती है. पर गीत निकल सकती हैं, पर राग की पूरी राकत कभी नहीं आती धुर्दे जिन पर भालाप वो कवई नहीं बज सकती. गवनोड़े, ताने रंघसे काम बेना पाप समकते हैं. बिलायत से बाई हुई बहुत सी ह्सचे किसी हर तक होती है. चालाप, भ्रुपर चौर ख़याल गाने वाले शरीकियाँ इस पर चदा ही हो सकती हैं. इसमें सब बंधे चौर क्रायम बार्यपरा शारमंतियम को होली बखाई गई की रेडिको ियं इमारी संस्कृति चौर क्या को बदशकत बनाने में कामयाब हुई विषय का इस्तेमाक्ष हुआ था, पर चय बिलकुत बंद हो गया र्रमोनियम के खिलांक बर्वर्स्त प्रोपेगैंडा किया. मैरिस कालेज में र्वे साहब की मेरखा (वहरीक) से इनके शागिर्व भातसंबे जी ने जिसे अपनी असती संगीत-कता को भूत बसे थे, पर मुहत्मद्थात मा इरमोनियम बेकर बैठता तो बोग या तो चट कर चल देते है हारनोनियम का नम्बर संगीत कता के सित्तसित्ते में सब से होंच पठ था चला है. रेडियो में ग्रुक में कुछ बिन हार-र आयान खरीरने के किये विसायत को दिये, और इपके करते. नतीया यह हुमा कि इसका बलन अब معاد او او او الفراس متا او الدور ا

الديكيان إس يرادا إي إوسى اي -إس مين سب بند سے هد في الم اين جن يراكاب تو قطى منيں بي سكتى . من وقة م ايان ميں اين من اير اگ ك ايدي شكل مي منين آتى . كاف مى سنگت يا كاف يا دكر في اين سے بهت مدد متى اي . ير رازكى مي مقاط مين اين منى ميں جن ايس كري من مين من ما من كر سيك كاف الم مری کاری میں اِس کے رہے والا اِس میں ویس کے ارمائی کا میں اِس فرا اور کران کا میں اِس فرا

साल काठ बरस गया में रहने के बाद ग्रुश्मद बली लां साल का मराहर सेता है जीर इस में झूमने गये थे. यह हिन्दु-स्मान का मराहर सेता है जीर इस में खास तीर से वोड़ों का बाबार खगता है जीर कनकी नुमाबरा होती है. बड़ी बड़ी रियासतों से बोड़ों के रोड़िन इसमें काते हैं. गिढ़ीर के दीवान साहब बोड़े खरीवने की सत्त्व से आये हुये थे. इसी मौक पर उन्हें खाँ साहब को गाना बजाना श्रुतने का इसकाड़ हुआ था. सुनकर वह अरतने ख़ुरा कस बक्त खाँ साहब को करहें कि उन्हें कि साहब की कमर ४% बरस की यो बीर तब से लेकर बगमा ४००—०५ बरस को उमर तक बह गिढ़ीर में रहे. बीच बीच में रामपुर बगेरह चत्ने आते पर इस रियासत से बनका संबंध जंत

इनके बने माई जब बहुत बूढ़े हो गये तो नेपाल छोड़ कर अनारस बने बाये थे. नेपाल की सरदी यह बर्गरत न कर सके. किर अंत तक यह काशीराज के दूरबार में ही रहे. इनके इंतकाल के बाद मुहम्मद अली लाँ के काशीराज ने बड़े आगह से मुलाबा. बस समय महाराज ईश्वरी नारायण सिंह काशी के राज़ा बे तथा संगीत और साहित्य के बहुत बड़े अभी थे. इन्होंने खाँ साहब की इतनी कर की कि इन्हें कई बरस तक वहां रह बाना पड़ा. काशीनरेश ने लिखा पढ़ी कर के.गिद्धौर के राजा साहब के इसके लिये राजी कर लिया था.

الما المراد المنتون مي اوي المنتان مي مو تن المن من ما من المنتان المنتون الم

शुरू करते हैं जो भियाँ तानसेन के गुरू थे और इसलिये अपने बनों की रोकी का इन्तकाम करा दिया था . रामनगरा (काशीराज थारों में खूब खूब सामना हुआ करता था. पशुपति की बीनकार में आर इनकी बीन में कुछ ऐसी बातें थीं जो सबसे सामने हैं) में खाँ साहब का जो अच्छा लगा. बनारस में कबोर चौरा पसन्द नहीं था . राज। साहब से खास तौर पर कह कर इन्होंने बन बाने के बाद २--४ के छोड़ कर सब के जवाब हो गया. बड़ी मैना नया दिन्दः दिन्दुरताची कलचर और संगीत निरासी थीं. यह लोग अपना धराना स्वामी हरिदास से षोते शिव सेवड व पशुपति सेवड हिन्दुओं में बोटो के गुनी थे. गाना सुनकर सुश होते थे. पर खां साहन को किसी की रोटी मारना बार का चित्र है कि जेठ की दोपहरी में सांसाहब ने रबाब पर में मशहूर बे. यह बालाप, घुपद, बौर खयात दीनों में महिरथे और धी राजधानी जो गंगा के पूर्वी किनारे पर शहर बनार्स के ठीक इन स्रोगों का स्रीर खाँ साहब का नेपाल स्रीर बनारस दोनों ही दर क्रेनिये इनके गुन की कद्र करते थे. इनके बेटे रामसेवक मित्र और 🕻 जिन में प्रसिद्ध और मनोहर मिश्र नामके हो भाई हिन्दुस्तान भर राजा साहन की भौर किसी का गाना बजाना अच्छा हो नहीं 'इंशबनी सारंग' नाम का राग इतना सुदर बजायां कि तब से खास थे. पर इन साहुन के सब बड़ा मानते थे भौर गुरू के समान बाहर करते थे. इन्होंने खेख सोगों के बढ़ां तालीम भी दी. एक नासकी एक गायिका बहुत सराहुर थी और खां साहब भी इसका हराने सगा. इनके यहाँ क्ररीच २०० गायिकाएँ नौकर थीं, पर इनके हे रहते बाले कुछ कथक और माझण गुनी वड़े क्राविल हो गये महें सन् '४८

बराने की सेनियों से बड़ा और पुराना मानते हैं. जो हो, पर श्वना इस जानते हैं कि सेनिये इस घराने की इज्जत जरूर

भीर गवैथों की पूरी संगत की तो इनकी कर करनी के द्वी पड़ी . इनका दावा था कि बीन की सारी कैकियत ये अपने , बाको पर बजा सकते थे पर सारंगी की सब बातें बीन पर निका-श्रताबा दुमरी व गाने व हर तरह की धुनों की बहार भी सुनाई महराज भौर गौरी रांकर सिन्न नाम के दो सारंगियों ने जब तन्त्र शायंद ही के हें हो सकता था हालाँकि वीनकार खौर रवाविये पहुँचे हुये गुनी से जिनको बराबरी करने वाला हिन्दुस्तान में झारंगी और तबले के बहुत छोटी चीज सममते हैं पर सिया भौर भ्रुपद्र अंग का पूरा आलाप सारंगी पर सुनाया और इसके हैं. जब कहां गाने बजाने की बैठक भन्ने वरों में होती है तो सारं-तो मने घटों में खूब जगह मिली, पर माख्य नहीं सारंगी ने क्या गाने की संगत वो इससे अच्छी और किसी बाजे से हो ही नहीं पढ़े किस्ते शरीक घरानों में श्रमी तक यह नहीं श्रपनाया जा रहा है. आना पैरमुमकिन है. सुर की संजाबट, ठहराब, और मिठास इसूर किया है कि शरीकों के संगीत प्रेमी लड़के इससे दूर मागते तक ही है. तबले का भी यही हाल था. इन्ह्र बरस पहले तक तबले के। निया बाबार से मुसाना होता है. इस बाने के हमें जरही से जल्दी ध्योष्ट्रध्येन ध्योष्ट्रध्येन होता है हम अपने के हमें जरही से जल्दी ध्योष्ट्रध्येन ध्योष्ट्रध्येन होता है. इस बाने के हमें जरही से जल्दी ध्योष्ट्रध्येन ध्योष्ट्रध्येन होता है. प्रकृती. य**ह वाजा अ**भी तक बाजारू,पेरोबर, बाड़ी कथक या मीरासियों शौरह के सानी में सारंगी बेजोड़ बाजा है और न माल्स क्यों इनके आसावा बनारस में कुछ सारंगी और तबले के इतने

المد معالی و تراسی ای برخی ای ای برخی ای ای ای برخی ای ای برخی ای ای برخی ای معرارة مو مينيون من وا اور وانا مات اين و او اير ان المهاية المعرارة المعر مندسان كو اورستيت

वयनांना होगा, चगर हम हिन्दुस्तानी गाने को सबी वालीम लेना

मासूली था. अपने वालिंद की सारी विद्या उन्होंने बहुत थोड़े बुष्कु में दी श्रीसेल कर ली. तब हैदर अली साहब ने बड़ी अरिशय से सुहम्मद अला खाँ साहब को गिद्धौर से बुलाया. ्में खबाब न पड़े. खन्मन साहब का दिमारा और संगीत-अं**म** शै साएव से बहुत सी बीचें याद कर तीं. आगे वक्ष कर यही खाँ साहब साँ साहब फिर निद्धौर सीट गये, पर डुल ही सालों बाब इन्हें फिर के सबसे बड़े शागिर्व मशहूर हुये. उनकी सालीम पूरी कर बार्शरत कुछ, इतने ऊँचे दर्जे की की कि वेखते वेखते उन्होंने ख का वालीम बेना शुरू किया. अन्मन साहब की प्रतिमा,सुक बूक बारे बिना न रह सके. डन्होंने बाक्रायदा शागिर्द बना कर झम्मन साहब सहबद्धारे भिंस सम्मादत आती क्षाँ उर्क छन्मन साहब के ासपुर ब्रोटना पड़ा - अध्यदानर इरवार की व्यावोहना से दूर अपनी
 अपनी रियासत विस्तिशी में ही रखते थे, ताकि उनकी तालीम बाहते थे. नवाब साहब ने कुछ ऐसा बाग्नह किया कि खाँ साहब गरे बत्ती गये. उन दिनों रामपुर के नवाब हैंदर ब्बती क्वॉं साहब ब्वपने ती जान से संगीत की **दालीम दे रहे थे. ख़**म्मन साहब के ह आ बाह्य से खम्मन साह्य की तालीम पूरी करवान त्रा बनारस एक लम्बे बसे तक रह कर खाँ साहब किर गिद्धौर

रिर असी खाँ साहन के रागिर्द में भीर खुर भी पहुँचे हुने गुनी हैंपर श्राबी के बाद हासिंद श्राबी खाँ साहब नवाव हुये. ये

Joseph John

ادنانا المحالا الكريم وعدسان كانت كريم المخطون ما مي موهو مود و اين المحالا المحالا الكريم وعدسان كانت كريم و كان ما مي موهو و و يا الله المحالا المح あったり تع میں سے بڑے میں کود متہور ہوئے ۔ بان کا قلیم لیری کا خان میں کھیجید کو بھائے ، یہ چھر ہی سالوں جد اخیس کھر درم کور اوٹ با میں مد علی سے بعد حامد علی خان صاحب اواب ہوئے وزیر علی خال صاحب کے متاکود تھے اور عد می مینے ہوئے

बोट भी पनती थी. इनके बास शागित झन्पन साहप ने पचीर को गुमियां को श्वद्धा करता चाहते ये . बखीर चली खाँ बीनकार तो राष्ट्रांस के कप में दरवार में थे ही पर मुहस्मद चली के बिना इन्हें कीर कृष रायल रहता था, पर कन के मानी में दोनों में बेहद बाग पूर पहुँ ने. बां सहन का सिन उस बक्त सत्तर के ऊपर जा रहा जयादा बाहते वे. हालाँकि बुढ़ाये के कारण वह अब शिखीर छोड़ अंथित अपूरी सी लगती थी. झन्मन साहब को दरबार में बुला शीर मुहम्मद शाह रॅंगीले के दरबार से ही दी जासकती थी. मुह-नाती होते थे) की बीन की संकार से रामपुर दरबार में आजीब को नौजवानों में ही हो सकती थी. नवाब बहादुर ने इनसे भी इन्हें से बाने को पहुंचे तो यह मजबूर हो गये. गिद्धीर नरेश ने **भर धर्डी जाता नहीं बाहते थे पर क्षम्मन साहब सुद जब तिद्धीर** कोई भौताए नहीं भी पर खम्मन साहब को वह जीलाए से भी क्षाने का भार खरमन सहाब को ही सींपा गया. खां साहब को के अपने दरबार में बिन्दुस्तान के सब बोटी श्रासिरी प्रतिनिधि थे. इन दोनों महाच् गुनियों में बड़ा प्रेम भी बा न्मर अली और बचीर खाँ यह दोनों तानसेन और मिक्की सिंह के रैनिक पैदा हुई जिसकी मिसाल संगीत के मानी में श्रकवरी दरवार श्रासीन सी. इनके रवाव ध्वीर वजीर कॉ साहब (को रिरते में इनके बा, पर बह जवानों के से सुर्ख व सफोद थे. झॉल में वह चमक बी होते नहें. काखिरकार खाँ साहब को लेकर ख्रम्मन साहब राम-कुन्मन साहब की बेहद खातिर की, लगभग महीने भर तक जलसे ि सिया था. रारच कि निजीरे से खाँ सहाव किर बुलाये गये. हिन्दुस्तानी कलचर और संगीत महें सन् 'भ्रद

وه آب گذمود بخش که این مانا نین مایت نظر دهیمن صاب خد می مختمود بخش که این مان نوی و ترجید بوست خشودری ن مین ماحری که خال مام و که میمی کمینی مین بود و در این مال میامی مامین این وقت میزیمی و در جار اینکا ایر دو خوان می میامی مامین این وقت میزیمی و در جیمی مو و دوان می الل معین المدموی سنگه ک آخری میگانگانگ آن دونوں ممافی تبون میں بڑا پریم میں بھی اور فوب سنل میں رہتا تھا ایرفن مک منی میں م دربارے ای دی جاسکتی تھی جیمنل اور وزیر علی خال پروونل ويات الله وزيرتنال صام رجه دينت مي الله كان الات تھے) کی بین کی جینکار سے دلم لید درباریں عجیب روتی پیملاا عین کی مثال سکیت سے معنی میں اگری دربار ادر محدث ہ رکھ الله وه اولاد سر عبى زياده جائب على حالان ريرها . وه أب كة حود مجملة كم ليس جانا نيس بهائبت على يري

सेना हिन्दू हिन्दुलानी कल कर कीर संगीत मई सन् 'अट साहब को बाकिर तक नहीं माना. वह कहते वे ये तो हमारे वालिए के सामिर्व हैं. पर वो इत दोनों उत्तादों में कोई मेद माब नकर नहीं काता था. कापना में हुँसी मजाक भी खूब खूब होते थें.

बरसात में रवाव अच्छी नहीं बोलती. इसको लेकर वसीर खाँ साहब जाक्सर वावा (सुहम्मद जाली खाँ साहब को बजीर खाँ जाका ही कहा करते थे. कुछ मिलाज से जातिर से सभी लोग उन्हें बावा ही कहा करते थे. कुछ मिलाज में कक्कीराना कांत्राज्य भी सेसा था जिसकी बजह से यह जिताब महें ठीक ही लगता था. नवाव बहादुर भी इन्हें वावा ही कह कर खावा को चिद्धाते—'बरखा में तीनों गये—तेली, उतंद, रवाव, कुछीर खाँ साहब को खाटकसी थी पर जाहिरा वह कुछ केंद्र नहीं सक्की थे.

महात्मा गांधी के बलिदान से सबक

लेखक—पंडित सुन्दर खाल साम्प्रदायकता यानी फिरक़ा परस्ती की बीमारी पर राजकाजी, मचादपी और इतिहासी पहला, से विचार और असका हलाज, जिसने आखार में देश पिता महात्मी गांधी तक को हमारे बीच में न रहने दिया!

मैनेजर 'नया हिन्दु' ४८ बाई का बारा. इलाहाबाद. किया दिन्दी चौर उर्दू लिखावटों में अलग अलग मिल

میارسد میمن ادا. وہ کہتے تھے لیے او ہارے والد کے فتا کو مام کو کؤیک میں ادا. وہ کہتے تھے لیے او ہارے والد کے فتا کو این پرلیل اِن دولوں کوستادوں میں کوئی مجید تھا و لط نہیں کا مدا ترک

مها تما کا ندمی کے پیلی دان سے میں ایک میں اور اتھای ہیلو ماہر دائیل این وقریت کا بیماری بردائی کا با ماتھ کا جس کا برائیل ہیلو معرفی اور ایس کا میں نے آخریں دلیق بیتا مراتھ کا تنصی تک کو ہوائے۔ میں میں جن کا اور اور وکھی ولوں ما انگ الک انگ کی ہے۔ نیا جہ ندا ہے۔

महात्मा गान्धा

दुनिया की बजीब रारीब हस्ती

भाई मेहर ग्रहम्मद खाँ 'शहाब' मालियर केटलबी)
कहने को गाँची जी लगभग अस्सी बरस इस दुनिया में रहे,
लेकिन ध्यान से देखिये तो ऐसा लगता है कि वह विज्ञली की
वरह बसके और पलक अपकाते चाँलों से भोमला हो गये—

स्त्राच था जो कुछ कि देखा जो सुना चक्रसाना था.

برميك وكن مانتا يؤري

الم الله المديد المراد

وياك من الما الدونيا

दुनिया कब से हैं, और कब तक रहेगी ? कोन जानता है. पर तारीख (इतिहास) ने बताया है और दुनिया ने एक बार नहीं बार बार देखा है कि इस दुनिया में जब कभी भूठ और बुराई के अधेरे ने फैलकर दिलों को डाँप लिया है, सबाई के बाँद मुराज एक के बाद एक, लगातार यहाँ, बहाँ, कहीं नकहीं बमकते रहे हैं. कुरान में कहा गया है—'भगवान् अपने से अदा और प्रेम रखने बालों के दोसा और सहायक हैं. वह हमेरा। खनको घोर अधेरों में से निकाल कर यक्कीन और सबाई के उजाले की तरफ ले बाया करते हैं."

यही बजाला कभी किसी नाम से बाहिर हुआ कभी किसी नाम से बाहिर हुआ कभी किसी नाम से बाहिर हुआ कभी बर्र के क्य में अकट हुआ कभी तारों, बाँद और सूरज के रूप में. जिस तरह बर्रे (क्य) से लेकर सूरज तक रोशनी के बाहिर होने के रूप अलग अलग और दरने जुवा जुवा और कोटे बड़े हैं बसी तरह इस

مها می مین از میا کا مدی کا می می از مین از

وفائ وقعان لیا جواسخان کے باند امد سورے ایک کے بعد ایک الکا اللہ بھال ، وان بیا کہ ایک کے بعد ایک کا بیان میں اور میان اور میں بیا ہوں کا بیان کی میں اور میں KIOSATO JA

The state of the state of

होंग इमेशा खोड़े रहे हैं बौर आज भी उनकी गिनती कुछ बड़ी की गहरी क्षेषेरी गुकाकों को सैर करके कुदरत के ख़िये हुये खाकानों की कपनाने की कोशिश करने लगे. हाँ, उन्होंने खरें को भायदा छताया ध्वीर जरें से सूरज तक एक ही जोत देखां श्रीर इस हमेशा से ध्वीर हमेशा तक रहने बाली रोशनी में अपने दिल रुशामी (भाष्यात्मिक) रोशानी के जाहिर होने के दरजे जुदा जुदा श्रीर नाम जलग भलग हैं. बेखबर लागों को जब भी और जहाँ भी देखा, नामों की ही पूजा करते देखा और नामों ही के भेद पर सड़ते फाड़ते भीर गुरंबम गुल्या होते पाया भीर इसी के। उन्हों ने अपने ईमान का कमाल समका. पर आँखों वालों ने रोशनी से खाक में नहीं मिलाया घौर सूरज पर धूल नहीं बाली. लेकिन ऐसे महात्मा नांची महं सन् '४८

पर माबाम हुआ कि वह आत्मान के सूरज की तरह अकेता ही पंदिनना, बरखा कातना नहीं तो खदर पहिनना, सत्यामह करना का प्लान भी किया. कितनों ने इसकी बोली बोलना, उसके से कपड़े धीर 'महिंसा' का नारा लगाना शुरू कर दिया. पर मौका आने द्धना. करोड़ों ने उसके प्रेम और बाहिंसा के बतलाये हुए रास्ते परचलने पर एक चादमी—अजीव रारीव खादमी—जिस्म के लिहाज से आया था, अकेसा रहा जीर अकेता ही इस दुनिया से सिधार करोड़ों ने ही चसके डोंठों से उसकी नमें और सधुर आवाज के। धूमता फिरता रहा. बोलता चालता रहा. उसको करोड़ों ने देखा, छोटा सा भावसी, पैदा हुआ. भस्सी बरस तक इसी जमीन पर जाज भी हिन्दुस्तान की इस पुरानी धर्म और ज्ञान की घरती

the sale for the sail to the sail of the

जब बकर किसी शानदार सुबह के दर्शन करायेगी. चारों तरफ शक्त भन हर सरफ अंबेरा ही अंबेरा है पर वक्तीन है कि वह अंबेरी बाई निराशा में से चरूर कोई बाशा की किश्न चमकेती.

श्रांसाबारन बादमी है. लक्ष्मों के प्रजारी भीर रवायतों (परम्पराश्रो) बाते नहीं कही जिनसे जाहिर हो कि वह कोई ग्रेर मामूली या पैरान्यर या खुदा का बेटा हूँ. उसने कभी धापने बारे में ऐसी कोई के बन्दे आज सीच रहे हैं और बेताब हैं कि इस बड़ी शहादत आते सिंध बैठा है कि इस अजीव हस्ती के। क्या नाम या खिताब पुष्करें. हर बादमी अपने अपने खिताबों और मजहबी नामों के दे जैसे सनके नज़दीक आभी वह इप बात का महुताज ही है कि था महाबिलिदान के बाद खुदा के इस बन्दे के। किस नाम से अगुबान या भगवान का ब्यवतार या खुरा का पैताम लाने वाल हैं, मैं ऋषि या मुनि हूँ, या छोटा मोटा या किसी भी दरजे का अब तक खनका मजहबी सरकार से खते कोई रूहानी या ईमानी श्विता न मिल जाय वह बेचारा कहीं का न रहेगा. इंस बजीब रारीव काव्सी ने कभी नहीं कहा कि मैं महात्मा

जाने की चरुरत नहीं. कुछ लोग ऐसे भी नचर त्राते हैं कि उसकी ्षिता पर सच्चाई की उस ऊर्चा चेटी पर पहुँच गया है कि पिछली (चरित्र) की रोशनी से रोनक पाती हैं. वह सबाई, प्रेम और सारी सबाइयाँ उसकी जिन्दगी और ऊँचे और बेलाग किरदार किसी कॅंची जगह पर बैठाकर उसके नाम की पूजा था इसके परहे व्यक्तिंथा का वह सूरज है जिसको किसो श्रीर चरारा से दिलाये हालांकि गांधी अपनी जिन्दगी के चमकते दमकते कारनामों की

کیا . اب ہر طف اندھے ای اندھے ایک دیسی کا یہ بدلقین او کہ یہ اندھے کی اندھے کی اندھے کی اندوں طرف تھالی المحت طرف تھالی

روایون (برمیراؤن) کے بندے آئے ہوئ دی بن اور کابا بن کو اِس فیری شہادت یا مہا بلیدان کے بعد فعدا کے اِس منہی نامین کے کھی تے لئے بیٹھا پوکر اس عیب مہتی ہوتی کو کہا عام یا خطاب دے میں اُن کے مزدیک ابھی وہ اس بات کا میتا نے بی پوکر میں میں اُن کی خدای مہمار سے اِسے کا میتا نے بی پوکر میں میں اُن کی خدای مہمار سے اِسے کا میتا نے بی پوکر میں میں اُن کی خدای مہمار سے اِسے م اوقار یا خدا کا بینام الدن والا بنگام یا خناکا بین میل آن منابعی این بارس میل الین کون بات نمین می مین س ظاهر او کروه کون طرمعهل یا اسا دجادان ادی این گفتان کے مجاری اود المان میں سے صور کون آنا کی کرن جگائی۔ اس جیب عزمید ادی سے جھی نہیں کہا کرمیں مائی ہول، یں الدین کا کرمیں مائی ہول، یں الدین کا کرمیں مائی ہول، یں الدین الدین کا میکوان

में अपनी इच्छाओं की पूजा शुरू करदें और राज्दों के खेल से उसे इतना ऊँचा या नीचा करदें कि उसके कारनामों की जिन्दगी पैदा करने वासी रोशनी आँसों से अंभल और दिल की गहराइयों से दूर हो जाय.

खोगों में सदा से यह चादत रही है कि जिस किसी से तक रत करते हैं उसे हतना गिराते हैं कि मामूली चादमी का दरजा मी नहीं देना चाहते चौर जब किसी से मुहल्बत करने पर चाते हैं तो ज़ुदा बनाकर सातवें जासमान की चाखिरी चोटी पर वॉ केस देते हैं कि जाम लोगों के लिये उसकी शिख्ययत (ज्यक्तित्व) में चादमीयत के लिहाज से जमसा चौर किरदार की कोई खूबी 'खुबाई जलवा' वा 'ईरवरी शक्ति' वनकर गारत चौर हुई से वने हुए चादमियों के लिये इ-सानियत या मानवता का ऐसा माउन्ट एवरेस्ट बन जाय कि पहले तो कोई उसकी तरफ जाने की हिन्मत ही न करे चौर जो करे तो हिन्मत हार कर अविश्वास के वर्क चौर कर कौर विश्वास कर कोर कर कौर कर कौर वहानी अविश्वार के गढ़ों में गिरकर निकन्मे पन की वाटियों में दफन हो जाब.

शांब कर गान्धी जी की यादगार मनाने के लिए किसी न किसी रंग और किसी न किसी रूप में कहीं न कहीं सभायें और वससे होते हो रहते हैं जिनमें लोग अपनी-अपनी तबीयत के युताबिक अपने अपने खवाल जाहिर करते हैं. जलवार पढ़िये या भाषण युनिये अकसर लोगों की बातें युनकर दिल बदास होकर रह जाता है, और कंदीं कोटी मोटी मजलिसों में दिल और दिमागं व रुद्ध सवाई और

महें सम् '४८

बहुत ज़हीन (प्रतिभाशाली) थे, न उन्होंने दुनिया को नया सन्देश पर आपने ऐसी आवार्षें भी ज़रूर सुनी होंगी कि गान्धी जी न बे जो उनसे पहले के लोग कह गये थे. उनकी पालिसी भी हमेशा विया न कनका कोई नया फलसफा है. वह वही चन्द बातें कहते शुक्ष्यत की कहानी गिजा (भोजन) भी पा जाते हैं. ऐसे ही मौज़ों किया वरारा बरोरा. क्क नहीं रही. हाँ, ज्याबिरी बन्त में उन्होंने पूरी सबाई से काम

वह दक्षित सम्मीका में सच्चाई के लिये 'जेहाद' कर रहे थे, उस डन्हों ने तीन बातों पर बास खोर दिया है-(१) हिन्दू मिलाम स्तान के लिये बाहते थे. और बातों के झलावा उस किताब में किताब में उन्होंने उस स्वराज की तसवीर खींची है जो वह हिन्दु-बालों की हकूमत की जगह अपनी या अपनों की हकूमत कायम रवराज' गान्धी जी की खोटी सी मराहूर किताब है जो करोंने सम् १६०८ में गुजराती में उस बन्नत लिखी थी जब कि करना. इस किताब का खात्मा इस पैरे पर हुआ है-एकता, (२) कूत झात का खात्मा, और (३) हिन्दुस्तान में बाहर ऐसी बातों के जवाब में कहा जा सकता है कि 'हिन्द-

की तसदीक (पुष्टि) करती हैं कि अब से मेरी जिन्दगी इस और ऐसे स्वरांक के हासिल करने के लिये बक्क (समर्पण) होचुकी हैं". हुँ, इस तरह इसे खोल कर बयान करडूँ. मेरी आत्मा इस बात ष्मब षाप इस फिक्नरे की रोशनी मैं सन् १९०८ से सन् १९४८ "मैंने जपर कोशिश की हैं कि स्वराज को जिस तरह में समका

सक के गान्धों जी के कारनामें पर नकर बालिये तो आएको गांब्स

یم میں ہے اواذی می خود رمنی ایون کا رکا خص ی ندیت ذای ا زیرتی میمانشالی) تھے، زائفوں نے ونیا می سیسا سندلیش دیا زان کا کوئی نیا علسفہ ای وہ وہی چند باتیں کہتے تھے جو میں سے میلے سے وک کر سے تھے۔ ان کی یافیسی می ہمیشہ کیک منیں مہی ڈائوی دقت میں انھوں نے فیدی میجان سے کام کمیا نامهند محبّت کی روحانی فقدا دمجوری بھی پاجائے ہیں۔ الیے ہی موتھا

وهراه وهره . امی باقدن سے جاب میں کہا جاسکتا ہوکر و ہند سواری کا ندی ہا ؟ کی جون سی ستور کتاب ہو ہو اکتفوں نے سنت کہ میں کولاق میں ا اس وقت کلمی جی جب کہ وہ دھن افرایت میں سخان کے لیا ؟ جہاد کررہ سے تھے ، اس کتاب میں انتخوں نے اس سوداری کی تقویر ! کی جھنبور ہی جو وہ میکدستان سے لئے جاہتے تھے ۔ اور باقین سے طاوہ

کا خاتمہ اِس بیزے پر ہیا ایو۔
"میں نے اور کو سفت کی ایک کو درائے کو جس طی میں سمجھا
اور اس طرح اِسے محول کر بیان کردوں۔ میری زدگی اِس اِس
اِس طرح اِسے محول کر بیان کردوں۔ میری زدگی اِس اور
ایس سوران کے حاصل کرنے کے فتح وقع (میران) ہوجی ایوائی ایو

是 田 光

रोगा कि 'दिन्य-स्वराख' में छन्दोंने जो इब जिला, अपनी वारी कि बन्दोंने बपती जान भी बपने पैदा करने वाले के दरबार में एक पता इन पाक और पवित्र कादरों के लिये खर्च दुका वहाँ तक बिन्त्नी में बह उस पर अमल करते रहे. चनकी बिन्त्रती का एक

कर दूसरों के लिये नहीं ओड़ दिया बल्कि इसको सच्चाई आदी भौर सीधी सादी कही हैं पर जो इन्नु भी कहा है उसे कह और ईमानदारी से करके दिखाने के किये तन-मन-धन हो नहीं से नहीं बती. और जैसी भी बती है या बन कर बिगढ़ गई है उसका अपना जीवन भी उसी में लगा दिया भीर तब कुछ , कुरवान कर शुषरना भी बगर। युमकिन हैं तो उन्हों लोगों के खरिये जिन्होंने बातें बौर करें इस भी नहीं. क्योंकि दुनिया कामों से बनी है, सिर्फ बातों बक्कसमन्दों, फिलाएकरों घरीर बड़ी बड़ी बातें करने बालों या नये नये देने को बापना धर्म भीर संबद्द समस्त्र स्वयान पेरा करने बालों की अरूरत नहीं जो कहें तो बहुत कुछ हुनिया में चक्रवसन्यों की कमी नहीं. पर दुनिया बालों को ऐसे

मानसर अपने जीवन के बिके चुन बिये वे-जैसा कि ऊपर कहा गया है, गान्धी जी ने कम से कम तीन

- (१) दिन्दुस्तान से विदेशी राज का खात्मा.
- (२) जात पात या खुषा झात का सात्मा.
- (र) दिन्द् असलमानों या हिन्दुस्तान में बसने बाली सब क्रीमों

बीर इन मझसरों के पाने के ब्रियं उन्हों ने तीन चीयों को

رف والمل کی خودت نیں ہوئیں قربت مجھ اور کری تھے۔ بی اور اس کی خودت نیں ہوئیں قربت کی مادن کا میں اس کی اور اس کا میدھارتا ہی از کھی اور سے بی اور اس کا میدھارتا ہی از کھی اور سیدھی اور میروں سے ایش چھوٹی اور سیدھی میں اور اس کے ذریعے جھوں نے ایش چھوٹی اور سیدھی میں اور اس کی دومروں سے ایش میں کا دیا اور اس کی دومروں سے ایش میں کا دیا اور اس کی دومروں سے ایش میں کا دیا اور اس کی دومروں سے ایک میں کا دیا اور اس کی دومروں سے ایک میں کی دیا ہو گئی گئی ہے۔ کا دور اس کی دومروں سے ایک میں کا دیا اور اس کی دومروں سے ایک میں کا دیا اور اس کی دومروں سے ایک میں کا دیا اور اس کی دومروں سے ایک میں کا دیا ہوں کی میں ایک میں ایک میون کھی اس کی دومروں سے ایک میں دومروں سے ایک دومروں سے ایک دومروں سے ایک دومروں سے دومروں سے ایک دومروں سے ابی میان می آیت بیدا کرے دائے کے درباری بیش کردی . مح نیا میں مقل مندوں کی کم نہیں . پر کونیا والاں کو الیے مقالم یک اللہ اللہ کا اللہ مقالم یک اللہ اللہ اللہ اللہ اللہ مقالم بیش فاللہ میں اور بڑی بڑی باتیں کرنے والدل یا سے نے خوال بیش GARKW.

مب کچھ قربان کردیے کو اینا مغرم اور غرب کچھا ۔ خصب کر اوپر کہا کئیا چڑا کا ندھی ہی ہے کم سے کم تین مقعب کہ اپنے میران کے لئے چڑی دائے کھے ۔ (۱) جندستان سے دولنجی ماج کا خاتمہ ۔

(١) مات يات يا محمدا محدت كا فالمتر.

اور أن مقصدول مع ياف ك لا المفيل في يورل كو رم) مندوساقل يا يندسان ين لين والى سب قومون

महें सन् '४८

नरताब करने की अपना मजहब और धर्म समस्ते थे और अपने बेह्म की खूनी यह थी कि वह अपने से दुरामनी करने वाले को भी कमी अपना दुरामन नहीं सममते थे और उससे भी प्रेम का काम में कार कहीं भी छन्हें थोड़ी हिंसा या बुराई दिलाई दो तो ज्याद्रतियों के खिलाफ इसी हथियार से जेहाद करते थे. उनके विदेशियों का गुलाम था वहाँ दूसरी तरफ इसके कापने घर में बह बहाँ क्रवम रोक देते और साफ साफ राज्दों में कह देते कि इस **कर्ने वहाँ** दुनिया ही श्रीर दिलाई दी. हिन्दुस्तान जहाँ एक तरफ वसबुद (भार्षेसा) या जाती इत्वानी अपने हिम्बार बनावा था---(१) सच्चाई, (२) प्रेम और (३) अर्म भाव इसाज बतातेथे. जब षह भाग्नोका में ये ते वहाँ के गोरों की ब्बीर प्रश्नाबाइनो (नैतिक) रोगों का ब्याब्रिटी ब्वीर काम-बीर बाहिसा को प्रेस का जीहर, बीर बहादुरी का ऊँबा क्यून. इन तीनों चीचों के वह दुनिया के तमाम समार्ज कींन, धर्म धौर देशभक्ति का नाम क्रक्तिवार कर जिया था. वहीं की भूस निकासने वाले और बोली बोलने बासे तो बहुत ये और हा फूट पड़ी हुई थी. यहाँ के रहने वालों में ज्ञापस में एक दूसरे में यह भूल नवर चाती है. गांधी जी ने इक्खिन चफ्रीका से बापस वर्ष है कि सबहर और बर्ग के साम से कौन सी बेहन्साकी है ताने वाता कोई न था. खुर गरबी चौर स्वार्ध ने मजहब जौर ब्नको बापस में भिलाने बाला और एक दूसरे की बच्छाह्यों भाकर बन से हिन्दुस्तान के लिये स्वराज्य की ज़र्ड़ाई ग्रुरू की तो गान्धी की सच्चाई को खुदा समकते बे, प्रेम को ईमान

> الما يعمل بناياتها - (١) عَالَ الرابيم الد (م) عدم ليقد · Carpiela

الناسان و الناسان و الناسان المناسان المناسان الدائي المناسان الدائي المناسان المنا میان دُنیا ہی اور مکمالی دی۔ مندستان میاں ایک طرف مدلیتیوں کا مار مکمالی دی۔ مندستان میاں ایک طرف میں ہی میلیتیوں کا میں میکا دہاں دوری طرف اس کے اپنے طویل میں ایک میرے دالوں میں ایک میرے دالوں میں ایک دورے کی اله کارس می عامد داد اور ایک دورے کی ایتحاسان الله ایک دورے کی ایتحاسان الله ایک دورے کی ایتحاسان الله ایک دور الله کاران میل میروش اور سازی کاری میل اور الله ایک دور الله د جب سے جندستان کے لئے مدامیر کا دوال مردع کی و محقیں

مع می سیدا معرایا. دومرون سے حق قریب ما تلے تھ کو دولو کا می کی احد کا تقی ہی اور وہ ایسی دیا جائے اس کا بہت کا کون کو کم سے کم شیال آسا تھا. بیان خدا سے ایسے ایسی خطائی کا می بام میے ہوئے کھی امیاس سے ہوئے تھے ، مکان سے ہوئے می بام میے ہوئے ہوئے مقی قرستان احد مرصوب سے ہوئے ہے می بام میں محربے ہوئے مقی قرستان احد مرصوب سے ہوئے ہے جراک نام کے متعدمانیں نے دومرے نام کے متعدمانیوں یہ مختلم مختل کردینے کو ما ہزین سمجھا، بکد این ایسی وکروں کو خدیں، مجتلم مختل کردینے کو ما ہزین سروں سے میں وس مالکتے تھے کو دوکلا

माना चौर कहा जाता था. मुगर बरा से बहाने पर जिन्दा आदमी को निगल जाना और दूसरे जानदारों को सुखा सुखा कर मार भी भरी हुई दिलाई दे जाती थी. जीव हत्या को पाप तो जरूत आ, बिलों में एक दूसरे से सफाई न थीं कहीं कहीं नफरत की जाग न सिक्के बुरा नहीं समक्षा जाता था बल्कि कमाल खयाल किया जाता पेट सर सेना और मौका मिले तो दूसरे कमजोरों के गले में जंगली बासकर ज़िन्द्रनी की रोटी का क्रांट से क्रोटासा निवाला निकाल लेना कम से कम था. इस लिये हर जगह यह दिखाई देता था कि अपना जिनमें मेल मिलाप, रिश्ता नाता और दूसरों से मिल बैठने का सम्बन्ध बेग्रुमार खोटी क्रोटी पकाइयों स्वीर समाजों में बटी हुई थी, किया आता था. देश की सारी आवादी एक बड़ी एकाई की जगह बासीस करोड़ । जनता बत्ती थी जिनमें शायद नाम की एकाई की जगह चौर काई एकाई न मानी जाती थी. न इसका लिहाज इरबर वा खुदा की नहीं बालीस करोड़ खुदाओं की मानने बाली षेसी लगता था कि इस देववाओं की भारतवर्ष नाम की बस्ती में एक सरघट बटे हुए थे रारच जीना और सरना सब बटा हुआ था और हुये थे, सकान बटे हुये थे, पूजा बर बटे हुये थे, क्रज़स्तान ब्लीर था. यहाँ लुदा बटे हुये थे, खुदाओं के नाम बटे हुये थे, लिवास बटे सब माँगते थे मगर दूसरों का भी कुछ और कोई हक है और वह हमें देना षडिये इसका बहुत लागों को कम से कम खयाल आता ऐसी हरकतों के। महजाब, धर्म की सेवा ठहराया. दूसरों से हक तो जो एक नाम के हिन्दुस्तानियों ने दूसरे नाम के हिन्दुस्तानियों पर बुल्लम बुल्ला कर देने के। जायज ही नहीं समस्ता, बल्कि अपनी

الا اور کا اول تکال دے جاتی ہی جو ہتیا کہ باب و طور ان اور کی جاتا تھا۔ گر ذرا سے جماعے پر نیدہ اوی کا تکل جانا اور دوسرے جانداروں کو تکفی منگھے کر ار

रत के त्रकान बठा करते थे. हाजात यह हो रही थी कि जो हम अध्येत हैं उसे हर किसी को सच्चा ही समक्षना चाहिये क्योंकि से अपने अपने धर्म की किसी ऊँबी सच्चाई पर लोगों के उतना बही सन है भौर जो इसके खिलाफ कहता है उसमें सकवाई नाम जाता था भौर सामने वाले के इन्हें और हो सममने दिया जाता न हिन्दू और न किसी और मजहब का नाम लेवा. जितना मजहब नाम को न रही थी. घोखे बाजी चौर मन्कारी को बक्तत की पुकार था. गयहब मयहब, और धर्म धर्म सभी पुरुतते थे मगर मयहब कींदर भौर गुन खतम कर दिये थे. भाम तौर पर नचर की बुजन्दी इस्ता प्राप नहीं समन्त्र जाता था. सन्त्री गुलामी ने मदीनगी के बॉक सकते ये उनमें कितनों ही के दिलों में राम व गुस्सा और नक-हो कम यक्कीन आप. जो था वह भी वस नाम का. कहते मुँह से राज्य कुछ निकलते ये और उनका भवलब .खुद और समभा हुबी किताबों की ऊँची ऊँची तकसीरों या टीकाओं की कोई कमी न प्रचारक. नई नई मजहबी जमा मतें और धार्मिक संस्थावें कार्यम कोई तक्षसीर करने बाला था न टीकाकार, न तबलीत करने बाला त थी मगर उनकी बड़ी बातों पर श्रमल करके दिखाने बाला न .खुद को सही तौर पर मानने बालों का नमूना हुँ हे न मिलता था. सक धी तबस्रीराया धर्मे के प्रचार का ढोल पीटा जाता था, श्रमती सिद्दाच ने भी नहीं हो सकती. इस मुसीबत से न मुसलमान बचा हुआ था । कर जिन्दगी का बलत बताया हुआ था. जो बोल में वनकी चननें चत्रती छिरियां यों स्रोर जो न । बे ब्रीर करते कुछ. दिलाते कुछ बे करेर देते थे उन्हें.

الما المراد الم بنايا بهاتها عول اسكة تقال كارزائي التي تقوال تقن موزول مكة تقال

b

मा, बन्द दिन की सेर के बाद पछताता वा और घवरा कर भागता करते या समाज बनाने या दूसरों को बपने वर्स में होने का वजना अंगार्थ कि देने एक भीर बोरा सभी में था पर बो भी किसी नवे गिरोह में बाजाता के बिपात था. दीन धर्म के जोशीले प्रचारक बातों बातों में हवाई भा, सा फिर वहीं रह कर बढ़ बोबे पन के साथ अपनी कमियो विना कर विज्ञाने बाता कोई न था. इसिके थाव नई बातें बहने और रंगीन सपने देखने और ो या अन्तरी विताय की भी बरुरत न थी क्योंकि यह सब बीचे । बहुत बनाते से पर समती तौर पर सुख शान्ति का चिरौंदा है और सिर्फ इस बात की बरूरत थी कि इन किताबों में बाई हुई

आहें कर, कोई बालप, कोई बाग बगाय, कोई तालुक, कोई अध्यक्त और कोई सफरत बसे इस सक्बे रास्ते से इटा न सके आ आम कर जुकने के नार सबसे बड़ी बरुता इस बात की बी कि कोई खुरा का बन्दा इन छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी तिनी कर बाबी से साबी सुरत में दुनिया के सामने बाया आय और फिर प्रात से मीजूर है और इसमें कुछ बटाने बढ़ाने की खरूरत ने थी. हां असिक और कुनियादी संचाहर्यों के रवायतों (परम्पराओं), रिवाओं, दिमांस्य प्रमुख भाषनी जगह से इट आया प्रा बस खावा का बन्दा देखाने की कोई बरूरत मं थी. किसी नये संबद्द या धर्म और संब ात कहिंगियों और सूटे बहसों के परने से निकाल कर, झान फटक अप असकर भौर पार हो कर दिसादे. द्विनेया की कोई ताक्षत विचित्रवाहट के निबर होकर मखबूत और संमक्षे हुए क़ल्मों सच्याइयों के रास्ते पर, जो सदा से हैं और बदा रहेंगी,

के कोली भीर बास इन्सानों के प्रेस चौर दुनिया के मुख शान्ति हुस्कराता, विना भाद किये भाषना कर्षे पूरा करके उसी गोद में क्रिक हैंसते हुए बेहरे से खुले सीने पर गोली खाये और हँसता, हिम्बत के बिये अगर उसके गोली भी कानी परे तो बिना क्ष प्रशास भी इन सच्चाह्यों से न हटे भीर भपनी सच्चाई

'शुक्तिब' शीराची ने भाषने एक शेर में कहा है-हबारत ईसा ने किया था और लोग भी कर सकते हैं." ंधागर पवित्रता का दूत मदद करे तो जो **इस**

हो बाने बाले बपने सीने से बहते हुए लहू की एक एक बूँ ए से साबित करिया कि खुदा के बच्छे बन्दे और सब्दाई के पुजारी ऐसे होते हैं. इन्सानियत का वर्स बही है और सबहवों के बन्दर की कह को एक सममने बालों का यही बमें होता है. वह बपने सिवे हुआ नहीं बाहा करते. चाम लोग जिनको शैर समम्ब करते हैं बाह उनकी भी अपना ही सममते हैं. उनकी नवर में अपने और रोट का सवाल ही नहीं होता. वह तो सव वातों को सवाई और किसी सबाई के बादिर करने के लिए छोटी मोटी चीज का क्या क्रीरची की खरी और ऊ'ची कसीटी पर कस कर देखा करते हैं. गन्धी बी के जीवन में नवार बाता है. उन्हों ने गोबियों से बबर्न वाका शक है कि यह पांच और शानदार नम्ता हमको

क्षियारों से जेराय करके पिन्दुलान का निरंशी राज से निरात मीची जी ने कहा या कि वह अवस तराबहुद या महिसा के स्रवाल है, वह अपनी जान तक क़ुरवान कर विशा करते हैं षस बंबा बाब जिस गोंबु से बावा था.

विकासेंगे. याद रक्षिये, 'हिन्दुस्तान छेाड़ दो' का नारा उन्होंने सन् ४२ साझत या आस्मिक बल है. आज तक तो यह रोर सिर्फ शायरी पुजारी के आगे इथियार बाल दिये. दुनिया ने यह भी देख लिया तो इसको सिर्फ नया रूप देकर दोहराया था. और १५ असस्त के में सहीं बल्फि सम् १९०८ में 'हिन्द स्वराज' में लगाया था. सन् ४२ में हानिया ने देख क्रिया कि अंग्रेकों ने जाप ही आप इस अहिंसा के कि ऐटम बम से बड़ी ताक्रत भी दुनिया में है जिसका नाम रूहानी

भर गांधी जी ने वापने वासत से दिला दिया कि यह शायरी श्स संदगी ये कौन न सर जाय ए . खुदा

स्था सच्चाई के मान शिया था स्थका उनकी इतना फल ज़रूर मिला कि पिता सबे भिने चौर खुत बहाये बुतका देश चाच रोश नहीं सक्बी बात है. नाम के तौर पर अपनाथा थां. इस लिये उन्होंने जिल हुन तक कोई शक नहीं कि गांबी जी की स्त्रीब में ऐसे बहादुर सिपाहियों की क्रमके श्वाम का हिस्सा नहीं था. डन्होंने काहिंसा के पाकिसी बा , खुद गांघी जी थे. बाड़ी सिपादी, जो तादाद में इन्न कम न ये बल्कि संबाद बहुत थोड़ी थी. और जो थी भी उनमें सबसे बड़े बहादुर राक्रत का मुकाबला अहिंसा से किया जा सकता है. लेकिन इसमें लेग में जिनका ईमान और धर्म यह था कि दुनिया की हर सूटी महुत ज्यादा थे, वह किंहा पर विश्वास न रखते वे क्योंकि यह 'हिन्दुस्तान झेव्ह दो' की लड़ाई में गांधी जी के साथ एक तो वह

می مین بکد سنده می و بند مورای می انگارتها را ایر می و با انتخاری می و بند مورای می انگارتها این از می انتخاری می و با انتخاری می و با انتخاری می و با انتخاری انتخاری می و با انتخاری انتخاری انتخاری انتخاری می و با انتخاری انتخاری می و با انتخاری انتخاری انتخاری انتخاری انتخاری انتخاری انتخاری انتخاری می و با انتخاری می انتخاری انتخاری می انتخا

الدي الله المد المع من المواجع المواجع

مجل فرود فاكريا لرف مجوع الدخال بهائ أن كا دين اكواده

87 'F

वो रवा कहें, घीर करें तो क्या करें, ? गान्धी जी के रास्ते पर बसने के अने तो मीत सामने हैं और पासिसी पर बसें तो क़र्म नहीं े करों, भान्दर से दिश के अति है का यह कररामा देखने के बावजूद हैरान और परेशान है कि कहें अथा. पर चुंकि धनमें से बहुतों के अहिंसा पर पूरा विश्वास न था, सोंग जो झहिंचा को सिर्फ एक पालिसी के रूप में मानते ने, उनमें इसिसरे जान तीर पर जलग जलग सूरतों जीर नवे नवे रूपों में भी बागे. इस का नतीजा बह हुचा कि चालियी इन्तिहान में से अफसर कुछ का कुछ सोचने, कहने, बिसने वहाँ तक कि करने गीबी जो ने राहारते इनरा या महा नित्रात का रतजा पाकर एक अभिसी बहुतने लगी. पर गांधी जी इस मैदान में अकेले सड़े रहे. वा द्धनिया हमेरा। राफ वा ईप्यों करेगी. चौर वाकी दुनिया चाहिंसा कभी न मिटने बाली जिन्दगी पाली है, ऐसी जिन्दगी जिस पर

ं बे. पर किस तरह ? क्या बोर से भीर बबरहरती ? नहीं, क्योंकि दिन्द्रमों से देशरे शक्त्में के विकास नकता बढ़ते गते बोर बज श्रीतिलों की मेम्बरियां और शाबदं बन्द आदमियों के बिने कुछ रक्षमें पर मजबूर नहीं कर सकती. हरिजनों का नाम ले लेकर पक तो दिन्सा धनके बसूत के खिलाफ, बी, दूसरे नकसियाती बा मनीबैशानिक तीर पर हमें माल्स है कि कोई ताकत ज़बरहस्ती किसी एक को दूसरे से ग्रहत्वत भरे मेख जोल बौर भेद भाव न क्षेत्री मोटी नौकरियां सूँदने बाबे हरिजमों के लीवर जैंपी जात व स्थान के माथे से कृत झात के कर्तक के टीके को उतार देना बाहते दूसरी चीच वह थी कि वह हिन्दू-वर्गे, हिन्दू समाज या हिन्दु-

المراسطان بن يجد مران كالانكان والمالك المالك

कार के लोकी की जुए हरियन उनकर उनके किये और जांगते तो. ब्लंबर बाम आप करते बारे बीट यह बोग जो उनके शास बाते हैं ब्लंबर मी यही बचक पढ़ाने बार्ग किया करते जिसके कारन त्याहीं के काबूत समन्य बाला है. तुम भी किया करते जिसके करने तुमके पता बने कि यह काम कितना बकरी है बीर इसके करने

काँ और अकूलें को कानूनी तौर पर चलग करते. चगर ऐसा हो जाता हो रागेन की कानूनी तौर पर चलग करते. चगर ऐसा हो अता हो रागेन वौर असीवत का भार हरिजन सदा चक्कत हो देखा. गान्यी जी जेख में ते. हुन्होंने इसके जिलाफ जेल में बैठे जेशद ग्रुक किया चौर सन् ३२ में बरवदा मन्दिर हो में हरि-कालों को हत बरवादी से बचाने के जिले अपनी जान की वाबी जाता में से अकना पढ़ा कीर हरिजनों के महे इमदरों को जिला पढ़ा और कानूनी तौर पर मान लिया गया कि अक्कत हिन्दू समाज का एक भाग या पिछाड़ा हुआ हिरदा के और उनके हिन्दू समाज का एक भाग या पिछाड़ा हुआ हिरदा के और उनके

अपने जीवन की आंखिरी साँस तक गांधी जी हरिजन और नाहाख के मेर का मिटाने के लिये ऊँची जात के पत्थर दिनों को मिषकारों, नमीते और चनके पुराने कमाने से बले भाते हुए खुल्म और बेइ-बाको पर चनके शमीते रहे. उन्हीं की तालीम का नतीजा है कि बिन्दुस्तानने यहभी देख किया कि एक माजाख संवक्ती की राषी पढ़ जम्म के हरिजन से हुई और इस पर न कोई सनातनी बिं-क्या के किसी बने दिन्दु बीवर के जावाज उठाने की दिन्मत

Control of Control of

می کام کمتنا خرددی ای اور این سے دے واس دیں سے اور ایسیولل اور ایسی سے باک وہ متعددوں اور ایسیولل کا متنا کا دہ متعددوں اور ایسیولل کا متنا کا دہ متنا کا الله الرقان مما الصوت إلى ديانا بماندى مي ميل من تقر المعن في الم در ایوا صفر او اید ان ک انسان می دی این جو این چنده کی

भेद तो क्या शायद यह नाम भी क्रोगों को बाद न रहें. ब बा राख्यात है अंत जो बह होगा कि नक्षण और हरिजन

असलमान और मुसलमान वादराहों की तरक से हिन्दू लड़ते रहे मृत सच्चे किसों से हिन्दुत्तान गृंच रहा है. मुसलमान बावे और न्दों का योगन जूनों के बच्चों से पाक हो. लेकिन मतलबी और गांबों में बैत की बंसी बजाया करते थे. किसी जमाने में किसी है. कीमें सड़ा करती मीं फोर हिन्दू श्रुसलमान शहरों, करने जीर सुरार्थ सोगों का चुरा हो कि क्ट्होंने 'सहाबो और कान निकासो' को पासिसी पर चसाने वालों के बहकाने में चाकर गुससमान कोई सरकार नहीं दिखाई जा सकती कि उसका चौर उसके कारि-किसी बार्स्साह वा उसके कारिन्दों से मूर्वें भी हुई . बाज मी ऐसी जंसरी बजारे हुवे वहाँ चाये. हाँ, गुस्तवस्थान विजेताचाँ (कालेहाँ) के के सामने रक्ष दी. उनके समय में मजहब के कार कम होते थे. हर भीन के चपनाया भीर भपनी बहुत सी चीचें यहां के लोगों बही बस गये. बन्होंने हिन्दुस्तान को अपना देश बनाया, यहां की भारतारों को हर कही सभी मूल का विशेष तो पीन समर धिक्रवरों में ब्यापंस में लड़ाई खरूर होती थी लेकिन यह नहीं था कि म बन्दि में दिन्दू मुसंबंधान के नाम से मंगड़े होते हों. हिन्दू-हिन्दू र सर्वा के तो शायद कोई जानता भी नहीं जो इसलामी देशों र जुसब्सान-जुसब्सान और चन्छर हिन्दू राजाओं की तरफरो वीसरी बीच हिन्दू मुस्तिम एकता थी. छन मुसलमान फकोरो किया और ज'ब-नीब के भेद मिटाने के संदेश की मधुर

المخ وشده ما مافل ك طرف عدمهان الدمهان بادشاول ك ون

हर बात के बुरे-बुरे रूप में पेश किया और शन्दी कहानियाँ के केश केश कर दिन्हूं गुपलमानों में दुरामता का वह खुनियाद धारी जिसका नतीया इसारे सामने हैं.

बार के जुटबाने के लिए लांकों बावाचें डठतो थी. एक इंसाफ की श्रीर बरबारी से बचा सकते थे. पर ऐसा नहीं हुन्ना. एक सब्बो बार किये जाते थे. सक्वाई दब जाती थी और भूट पनपता दिलाई शात को मिलवामेट करने के लिये हजारों छल्टे सीघे तरोक्ने चारित-चौर न होता तो दोनों के चगुना चाम जनता के। इस ग्लतफहमी बिद कम कर रहा था. धार्लिए क्रिये विचारों ने शब्दों का रूप पंत्रसा सा. उसमें गुलती दोनों का थी. दोनों हो तरफ हटधर्मी और केंद्र नहीं कर सकता कि बसने पाप नहीं किया. सबके हाब बादी में न ग्रुसलमानों ने कमी का न दिन्दुओं ने चौर न सिक्खों ने कार और तबारी वह बरवायों को स्रात कांकितबार करने लंदी. बर-बारक किया, दिल की बात मुंह पर बाई और मुंह की बात मार-भागरचे यह विसक्षत संस्था बात है कि भगर दोनों के दिलों में

बंबा न बेगुनाह, एक आग थी जो बारें तरफ लगी हुई वो और कारिकार से बिल कोनों के जान बुक्तनी चाहिये की बह जान म्ह्री हुई. पिन्द्रम, वालों के जुल्मों का बद्दा पूर्व के बेगुनाह में ब क्ष्यां बचा न बूढ़ा, न क्रारित बची न मद, न गुनहगार कून में रंगे हुये हैं. सबके वासन बज्बों से धूप-छाँव बने हुये हैं. कुछ भी ही, पेरा के दो दुक्के हो गये. नकरत इस पर भी कम 🕏 निर्दो ब लोगों से बिया गया. इस मारकट और तबाहो व बरवारी क्षेत्रों से ब्लिया गया. और पूरव वालों की मूख का बदला पच्छिम

stee stee

احت سید سر است است است مقار آس مین علقی درون کی تھی۔ درون اور است میں درون کی تھی۔ درون کی بات کی خوردن کا درون ہون کی بات کی بات متر پر ایک اور شری بات کی بات کا مربون کا دون میں اور اور کا بات متر پر ایک اور شری بات کی بات کی بات کا مربون کا دون میں اور اور کا بات کی بات کی بات کی بات کا میں اور کا بات کی بات کی بات میں اور کا بات کی بات کا میں اور کا بات کی المذمك الراس في إن منهى كما سب مي المقرقان عي المتكار اس في المتكار اس في المتكار اس في المتكار اس في المتكار المتحد المواد المتحد الم مندومسلان میں وشن کی دہ نیاد وال میں کا تیجہ ہا۔ مہ سلمت ہی۔
اکھیے یہ بابعل ہی بات ہی راکر ددول سے دلوں میں ہور نہ ہوتا ہو ددولاں سے دلوں میں ہور نہ ہوتا ہو ددولاں سے دلوں میں ہور نہ ہوتا ہو ددولاں سے بھا سکتے تھے۔
میر الیہ تیمیں ہوا ۔ ایک تیمی بات کو چیلا نے سے کے لئے فاکھوں ہوا زی الما ميد مع طبق اختار ك مات تع . تجال دب مال من ادر

इन्धान की इस सब्दाई से दुली थे वह इस बाग को बुकाने के बिये हर अगह पहुंचे, हर खतरे में कूदे और जो भी कर सकते थे क्षगाने में सब के भागे नजर भाये. जे। सच्चे दिल से इन्सान

न मसजिव बची न मंदिर भौर न गुरुद्वारा. जालिमों ने

से मेंह बाँक जिये. के बड़े-बड़े धर्मों ने अपने मानने वालों की करतूतों के कारन रामें श्रय' कहीं 'इसलाम जिन्दाबार' श्रीर 'श्रन्लाहो श्रकवर' श्रीर कहीं धर्म स्थानें की तोड़ कर, जलाकर और नापाक करके कहीं 'धर्म की बौर इसी ने जागे बढ़कर हिन्दू मुसलमान और सिख सभी को बाह् गुरू की फतेह" का नारा लगाया चौर हिन्दुस्तान में बसने वालें। इस मुसीबत के बक्त भी यही एक खुदा का बन्दा या जो आगे बढ़ा

سا جا کا زعی

कार श्वा न काग बड़कर हिन्दू मुसलमान कार ासका सभी का किर प्रीक्ष कार हिन्दू मुसलमान कार ासका सभी का किर प्रीक्ष कर किर हिन्दू मुसलमान कार ासका समें का किर हिन्दू का मन्द्र का निर्मा कर याद दिलावा कार किर हिन्दू को सम्भान करें। इस्ता न कर याद दिलावा कार हिन्दू को काम पर हिन्दू के नाम पर हुदा के नोम पर हुदा के नाम पर हुदा के नाम पर हुदा के नाम पर हुद्दा के नाम पर हुदा के नाम कहा हुदा के नाम पर हुदा के नाम पर हुदा के नाम पर हुदा के नाम पर हुदा के नाम के हुदा के नाम पर हुदा के नाम हुदा के नाम पर हुदा اس معیدت کے وقت میں ایک خداکا بندہ تھا ج م ایک چیوا اور اس فرائے پڑھاکہ ہندہ مسال اور سیکھ مجھی کو ان کا جی میں میں ایس کی سیکھی میں کو اس کا میں میں کا ان کا

आहम का बदका किसी बेगुनाह से न लो क्योंकि यह किसी भी गये हों, जाली भीर पाक कर दो. उस काम के लिए जिसके जिये प्रेस संदेश था ? . खुका के घरों को, चाहे वह किसी भी नाम से बनाये होची कि क्या यही वर्स हैं ? युसबसानी ! सोची कि क्या बही हानून में घच्छी बात नहीं. विकास कार्य के हैं, उन पर जाबरदस्ती का क्रन्या छोड़ दो. किसी के इसकाम है ? धारैर सिक्सो ! सोबो कि क्या सच्चे गुरुघों का यही

ें इस्त हिस्सों में फूट पड़ी थी. उस समय उन्हों ने २२ दिन का उपवास किया था धौर करा था कि हिन्दू मुसलमानों में पकता पैदा करने ं में शैर मुख्लिमों के। खतम किया गया था. वहाँ का क्रिस्सा तो शायद पहले ही खतम हो चुका था. पर यहाँ अब इसका बदला इस में खतम कर दिया जायेगा. उसी वरह जिस तरह पच्छिमी पंजाब और इब, वह न पाकिस्तान के हिन्दुओं पर जुल्म पसन्द **कोई** न रहे. लेकिन गांधी जी, जो हिन्दू घर में पैदा तो हुये थे लेकिन राष्ट्र क्रिया जायेगा कि वह लोग मिट भी जाँग और रोने बाला भी बिगड़ गई थी कि ऐसा लगता था जैसे मुसलमानों के। दिन्दुस्तान पहले हन्यान था थाए में हिन्दू, मुसलमान, सिक्स, ईसाई या बिमका धर्म इन्सानियत का धर्म भौर जिनको नवार में हर इन्सान सन् ४७ के बार्खिर और सन् ४८ के शुरू में यह हालत इतनी के बिए जगर सुके बान भी देनी पड़े तो मैं ,खुशी से जान "दे दूंगा. धर्ष ४८ की जनवरी ही में कही थी ? नहीं, सन् २२ में भी ी. अब इस बड़ी बरबादी के ग्रुकाबते में छोटी बरबादी हिन्दुस्तान के बोकिन क्या यह बात गांधी जी ने सन् ४० के झाखिर और

اور ساختی اسوج کرمی سیخترکدون کا میں ریم مندیش مکھا ؟

ام کی کھوں کو ا جاہے وہ کسی کی ام سے بنائے سے ہوں کا اس کا اور سات کی اور سات کی کا وی سات کی کروں کی گھوں کا جان کی گھوں کی گھوں کی گھوں کی گھوں کی گھوں کی گھوں کے میں کا وی کا المادی کی گھوں کی گھوں کی گھوں کی گھوں کی گھوں کی گھوں کے میں کا وی کا المادی کی گھوں کی گھوں کے میں کا وی کا المادی کی گھوں کے میں کا وی کا وی کا المادی کی گھوں کے میں کا وی کارون کا وی کارون کا وی کا وی کا وی کارون کا وی کا وی کارون کا وی کا وی کا وی ک موع يريا بي معلم لا وسلاد مديد يريا بي اسلام يو و

مق میں جن کا دھرم انسانیت کا دھرم اور جن کی نظریں ہر انسان میل انسان مخل بعد کیں ابتدہ مسکائی اسلمیا عیسان یا اور مجھر اور زیاکستان کے ابتدوماں پر طرح ابستہ قعد توشاید نیک بی خر بودیا تھا۔ پر بیان اب این کا بدلا اِس طرح میا جا سے کی ریون میں جا ئیں اور دو نے والا بی کول مز رہے میکی کا زمی ہی، جہتدہ کھریں بیدا تو اوسے

महास्मा गांची महे सन् '४८ ~

काम के किये दुनिया में भेजा ही था. वहीं थे जिन्होंने सन् १८९३ आपने चारों तरफ बुराई ही बुराई देखकर भी अपनी नेक आवाज अब अच्छाई बुराईयों के नीचे दब सी गई थी और ऐसा लगता था ने अनमरी सन् ४: के शुरू में इस जहर को दूर करने के लिये दिस्यों में फैल कर दोनों को तबाही के गड्डे में गिरा रहा था, इन्हीं खन् १९०८ में हिन्दू बुसलमानों को एक कर देने का चडम (संकल्प) में कमकोरों की हिमायत का बोदा डठाया था, वही थे जिन्होंने क्ठाते रहे. और अब हम देख रहे हैं कि जैसे ईरवर ने उनको इसी कैसे अब बुराई के अंधेरे में भलाई की रोशनी पनप ही न सकेगी, करते वे न हिन्दुस्तान के गुससमानों पर, बह ऐसे नाजुक समयमें भी से सारे हिन्दुस्तान में हलचल मच गई और देहली में सब लोगों मरन जत रक्ता. लोगों ने देखा कि किस तरह उनकी इस क़ुरवानी धारध कर किया वा और बरबादी का खहर हिन्दुस्तान के दोनों अपनी ज्ञान की बाजी लगावी थी. अब, जब कि फर्ज ने भयानक रूप किया था. वहीं ये जिन्होंने सन् १९२२ में इसी मक्ससद के लिये खहर का वह त्थाला जो मुसलमानों के लिये था पूरे का पूरा खुवा के चस्र त्यारे बंदे ने इंसते हुथे पी लिया और इस तरह, सद्माई, प्रेम, लगी और मुलह व शांति का काम श्राच्छी तरह होने लगा. मगर ने धनकी राउँ मानने का पलान किया. भड़कती हुई जाग ठंडी होने का रूप बारण किया कौर मुसलमानों की जान बवाने के लिये बहर सारे बदन में फैला हुन्ना था. उसने सिमट कर तीन गोलियों श्रीर श्रांदिस की रावत रेने वाली श्रावाज हमेशा के सिथे खामीरा

میشده مسلمانون کو ایک توسیند می عزم (مشکلیت) که بختا. وای مخصول نے میزوالد میں ای مخصد می ایک این بختا. وای مخصول نے این جان کی ایس ویٹ کے مجبوبائک دور دھارن کولیا ہے گئے اور کا ایک کا دور دھارن کولیا ہے گئے اور کا ایک کا دی میسین کے دونوں مختوں میں جینین کے دونوں میں میں میں کی دونوں کے دونوں کے دونوں کے دونوں کے دونوں میں کی کردونوں کے دونوں

4

बई सन् '४८

हैं को इल्जाम न दिया जाय. पुराने वावों को कुरेदा और खुजाया न बाय क्योंकि कुरेदने से बाब भरते नहीं, हरे होते हैं. हर एक दूसरों की मुल कोजने के बजाय अपनी भूकों को खोजने की कि पुरानी बातों को अुलाने की कोशिश की जाय भौर एक दूसरे शांति क्रायम करने झौर इमेशा शांति से रहने के लिये यही गुर है कि यह बह बला है जो सुलमती हुई बातों को उलमा देती है. अब या धर्म के मामलों के सुलकाने में कोई दखल न दिया जाय. क्यों-काम लिया जाब, इन्साफ से काम लिया जाय चौर हिंसा को दुनिया की साँग करने से ज्यादा जरूरी यह है कि हर हाल में सच्चाई से की बराबरी और शांति कायस करने के लिये या अपने अधिकारों सच्चाई एक हैं, तमाम इन्सान एक हैं. सच्चाई, बादमी बादमी मिलता है ? यही कि तमाम धर्मों और मचहवां की बुनियादी गांधी जी की इस बड़ी राहादत वा बिल्दान से हमें क्या सबक्र

इस अभागी दुनिया को जीना है और इज्यात आवरू के साथ जीना है तो हर हाल में सज्याई और सिर्फ सबाई से काम लेना होगा. हर मामले की बुनियाद इन्साफ इसदर्श करना होगी. कोई मसजिद में बाता है तो जरूर जाथ मगर श्रीर ग्रैर का फरक नहीं किया जायेगा. सब जानदारों से प्रेम श्रीर भौर ईसानदारी पर रखनी होगी और इन्सफ में अपने पैताम और काम अवतारों, पैतन्बरों, ऋषियों और विलयों के संदेशों और उनके काम की जान और रुद्ध था. अगर इस रोशनी में देखें तो हमें माखून होगा कि गांधी जी का

تهم انسان ایک بل سیخان اوی آدی کاری کی برابری اور فنائی قایم کرنے کے لئے یا ایتے ادھ کاروں کی مائل کرنے سے زیادہ خودی یہ پی ملتا وي مين كر تمام وهرمل اور مد ميون كى شيادى سيال الي ايك كاندى فى كى دى جى خيادت يا بليدان سى يى كيا سى اس روستى من وتميس قريس سلم إيكا كركاندس على كا CIPEL LITE

से मनवाने की ही कोशिश करो. इस वहस में भी न पड़ो कि दूसरों का इबादत करते 🐔 झगरचे उस इबादत या पूजा के स्थान का दंग ग़लत और तुम्हारा ही ढंग सबसे अच्छा हैं. उन तमाम मतभेदों पहचानी जाबानमें नहीं हैं. कोई गुरुद्वारेमें जाता है तो खुशी से जाय को बर्दारत करो जो दूसरों में पाये जाते हैं. लिबास दादी और बोटी को ही असिल धर्म न समम्मो. अपने तरीकों की हुसरों के ढंग पर नाक भीं न चढ़ाब्यो और न भपने तरीक़ों के। दूसरों पुकारो, वह एक ही है. अपने अपने ढंग से उसकी पूजा करो और नाम से पुकारो, किसी भी मकान में पुकारो, किसी भी खबान में सगर मसजिंद को भी .खुदा का ही घर समके. .खुदा को किसी भी जाता भौर वहां की पूजा में जो कुछ पढ़ा जाता है वह हमारी जानी मसिबंद नहीं है और वहां ,खुदा बल्लाह के नाम से याद नहीं किया डसे फेंसबा करना होगा कि मंदिर में जाने वाले भी खुदा की ही محت میں و اکرمیر امن عبادت یا بوجائے استفان کا نام سی نئیں پی اور وہاں ضا استد سے نام سے یا دہنیں کیا جاتا اور وہاں جے فیصلہ کونا ہوگا کہ مندرین جانے والے بی مدائی ہی عباق

جول کو بی اصل دھوم نہ مجبو۔ اپنے طریقوں کی خوبی پر ایزائی تہیں۔ دومروں کو تکشکراؤ نہیں کمپیوں کر جن الیسی باقدں پر اجلیو سے م اتنا ہی دومروں کو اپنے سے دور کردو سے۔ محمد ایس چنر الیسی او حس میں دو رئیں نمیں ہوسکتیں. اور وہ ہی ہر آدمی سے ساتھ مجلان ، انصاف اور محتت ، ہر انسان سے ساتھ مجلان سے بیش آناجائے. مسی سے بادنصانی تعین کرن جاہیے اور سب سے محتت بحرا برتائی معلى موسيش كره. المتحال جاء ده جون إلا يا بلان من مواجه على سينان كرو. معلى سيم سنولي امد

जितना ऐसी बातों पर डलभोगे डतना ही दूसरों के अपने

्राष्ट्री पर इतराष्ट्रों नहीं, दूसरों के ठुकराष्ट्रों नहीं. क्योंकि

करने की कोशिश करो. हर सच्चाई चाहे वह छोटी हो या बड़ी

वो. आपस में जो भेद हों बनके। मोहब्बत और सच्चाई से दूर

करना चाहिये. हमेशा श्रपने हक्त से ज्यादा दूसरों के हक्त पर ध्यान

से बेइन्साफी नहीं करनी चाडिये और सबसे मोहज्बत भरा बतीब

मोहब्बत. हर इन्सान के साथ भलाई से पेश श्राना चाहिये. किसी सकतों. और वह है हर आवमी के साथ भलाई, इन्साफ और से दूर कर दोगे. सगर एक चीचा ऐसी हैं जिसमें दो रायें नहीं हो

चसको भापने श्रमल से साबित करो. सुशक्ति से सुशक्ति **जौर**

नाजुक से नाजुक मौक़े पर भी सबाई और इन्साफ का दामन हाथ से न छोड़ो. कोई भी सबाई हो, उसे बाहर छोर अन्दर क़बूल करो. कोई भी बुराई हो, उसको बाहर से ज्यादा अद्दर से छोड़ने की कोसिश करो, और अन्दर से ज्यादा बाहरसे. कमचोरी और बर से महीं बल्क अपने दिल से. सबाई पर अमल करने में धांचली से ममा न लो. अपने और रोर के काम के परत्वने केलिये पक कसौटी मम्बहब की रूह है. दूसरों की अूलों को अपने लियेनमूना न बनाओ, अपनी जिन्दरी, अपने धर्म अपने मम्बहब या यक्कीन के अनुसार अपनी जिन्दरी, अपने धर्म अपने मम्बहब या यक्कीन के अनुसार अपनी जिन्दरी, अपने धर्म अपना फंब अदा करता हुआ सच्चाई पर जान दे दे वह क्या हन्द है, बही सच्चा मुसलमान है, वही सच्चा सिक्स है, सबा ईसाई या सबा पारसी है. और जो स्त्र याद को भूल जायेगा वह अपने हाथ से अपने धर्म के मने पर ख़री फेरेगा.

मैं सममता हूँ, गांधीमत ही नहीं कोई मत और मजहब भी अगर खिन्दा रह सकता है तो धर्म के इसी खीहर को अपने तमाम बोल और काम में बरतने से और इसके बरतने में जहाँ जहाँ और जितनी खितनी कमी और कमजोरी हमारे कामों में जायेगी बतना ही हम सबाई, धर्म, ईमान या खुदासे दूर होंगे. और इसी सक्वाई से दूरी का बाम गुमराही है.

مناس سائل موقع برمی سجان اور انساف کا دامن با کھنے اور سے بازی سے بازی موقع برمی سجان اور انساف کا دامن با کھنے اور کا کا برہ انسان کا دامن با کھنے اور کا برہ انسان کا دامن با کھنے اور کا برہ انسان کا دام ہے باہر اور انسان کا دور کا کا برہ کا ہے باہر اور انسان کا دور کا در کا کا برہ کا ہے باہد وی در کا کا برہ کا ہے باہد وی در کا دور کا

چھری بھیرے گا۔ میں جھیٹا ہوں اکا ذھی سے ہی تہیں کولٹ مت اور نہیں جی اگر ذعمہ رہ سکتا ہو کہ دھم کے ای جہر کو دینے تام بول اور کام میں برت سے احد اس کے برت میں جہاں جہاں اور طبنی حتیٰ می اور کم: وری ہمارے کاموں میں آئے کی امتیٰ ہی ہم سجال ا دھم م ایجان یا ضا سے دحد ہوں سے اور اس سجال کے اس ودری کا نام گر اہی ہی۔

तीसरी लड़ाई के बादल

(भाई पन० ए० जिनाइ)

अपना-अपना हिस्सा बाँट लेने का काम हो सर्तम हुआ है. विसाई पड़ने लगे हैं. अप्तां तो दुशमन की तिक्का बोटी करके बो कंबा मिला कर दुरामन से लड़ रही थीं श्रव किस तरह समक में आध्या कि किर से लड़ाई के काले-काले बादल दूर मंडलाते दुनिया ने आग और अंगारों की बरला से छुटकारा पाया है और अनुष्टें क्यों ? फिर यह भी हैं कि जून सन् ४५ की फरेको कान-फ्रोन्स को अभी ज्यादा दिन नहीं बीते, जहाँ बैठ कर मिली जुली बाता है कि बाब दुनिया में तीसरी लड़ाई क्यों ? बामी-झमी तो डन पर बभी नई खाल ञाती जा रही है. बड़ी-बड़ी ताक़तें कल ही फिर इस लड़ाई की आग में गिर जाने से जिनके बदन अुलसे हैं दुनिया में झाग श्रीर झंगारों की बरखा न होगी. लोगों के दिलों का दुनिया को बेकिकरी होने लगी कौर भरोसा होने लगा कि आव क्षीमों के बाटर में सबने मिलकर मिली जुली क्षीमों की एक सभा तरफ इंचियारों पर कंद्रोल होगा तो दूसरी तरफ भाग भौर बारूद से क्तिये लड़ाई से बचाना होगा. यू० एन० झो० के बनने के बाद तो प्रतान किया था कि यू० पन० झो० का काम दुनिया को हमेशा के यू० एन० आं० की बुनियाद बाली थी और इंके की चोट दुनिया में डर भिटेगा, दुनिया में मुख और शांति का बोल बाला होगा. एक तीसरी सड़ाई का खयाल आते ही सब ही के गुँह से निकल

من المان ال

बार्बे जंगी सामान पर पाबन्दी लग जायेगी. यू एन० झो० झब केसी क्रीम के अधिकारों का खून न होने देगी. है दिस्मतें टूट जायेंगी. हथियारों और तबाही फैलाने

हैं, भीर सक्त सकत होते ही हर एक अपनी-अपनी धातें सक्त बूत 🕶 दुरामन को हराया श्रीर लड़ाई जीती, श्राज उनके मन साफ नहीं वाझतें थाल्टा में एक कानफ़ न्स में इकट्टा थीं और जिन सबने मिल-देर भन्ने ही लगे. इसके कई कारन हैं. पहला ते। यहां है कि जिस करने की तरफ ज्यादा जुटा हुआ है. यू० एन० को० के लोगों ही में समय हिटलर को तोपें दूर योरप में गरज रहीं थीं और बड़ी-बड़ी कर तीसरी लड़ाई में फोंक दिया जायेगा. तीसरी लड़ाई होगी चाहे इर रही हैं और नथ नए रूप में, भेस बदल कर दुनिया के सामने हैं भौर जिस तरह झाज यह ताक़तें श्रपनी-श्रपनी दीवारें मजबूत हो रही है जौर जो किले बंदियाँ और मोर्चा-बन्दियाँ ज्ञाज हो रही बह अपनी आँखें बन्द करना नहीं चाहते. इन तोगों का यही साथ साथ बूमती हैं और जो इब्बु आजकल दुनिया में हा रहा है उससे भीर जो यह भी जानते हैं कि दुनिया का गोता कितनी तेज चाल खुव इस्रतिलाफ या मतभेव है और बागर खुझम-खुझा कम है तो **थां** रही हैं इससे यही जान पड़ता है कि दुनिया के। फिर एक भयं-किस तरह घूम सकते हैं. इन लोगों की आँखें दुनिया के गोले के से अपनी कीलो पर घूमता है और इस गोले पर बसने वाले किस दिमारां शाज की दुनिया में जो मामले हो रहे हैं, उन पर सोचते हैं हिंस है कि ब्याज दुनिया की बड़ी-बड़ी ताक्रतों में जो खींचातानी यह सब इन्छ सोचने के बाद दुनिया में वह लोग भी हैं जिनके

مسلين روالوں كى يمتين لوث جائيں كى بہتياروں اور تباہى ميلان

احد محد جا بندیان آرج موری بن اور میں طرح آرج یہ طاقتیں ایک اور میں طرح آرج یہ طاقتیں ایک اور میں اور میں ایک روپ یں اصحبیس ایک دلیا کہ وہ ایک اور اس سے میں جان طرح ایک تیم میں اور ري كون زياده منا يوا يو لي اين إه رير ولول اي ي

्र बह करक स्रोर संदेह बढ़ता ही जा रहा है. बड़ी ताक़तें लड़ाई ्की चापस की कानफ्र न्सें श्रभी तक चाल ही हैं लेकिन कानफ्र न्सो के बाद दुनिया की मालिक बन बैठने के धुंधले खयालों और सुनहरे सर्पनों में मगन हो रही हैं. बड़ी ताक़तें बाहती हैं कि अफ्रसर हासिल हों. प्रच्छिमी योरप और बीच पूरव के देशों में इस करक का बढ़ना और कीयम रहना लड़ाई के आने की एक सेंड अमरीका के डालरों के बल पर बीच पूरव और रोम सागर के देशों में जो बाज मजबूती कर रहा है और यह में कुरसी के आमने सामने बैठ कर एक दूसरे की शुबह की नजरों ही से बेबता है. एक की दूसरे की सच्चाई पर भरोसा नहीं है. शाहनशाही निजाम को जड़ से खोद कर फेंक देने वार्ली की बुनियारे बाल ही चुका है. स्नाज बीच पूरव के देश और पूंजी के नरों में मस्त होकर अपने समुन्दरों से हजारों मील अपने हर तरह के बता पर उनके पास वाली छोटी या कमजोर सान्यवादी व्यवस्था है. लड़ाई के खतम होते ही बड़ी ताकृत शाही निषाम (व्यवस्था) है स्त्रीर दूसरी तरफ साम्राजी स्त्रीर रोस सागर दुनिया के बड़े ख़तरे की जगहें बनी हुई हैं. इन्न-दूर पशिया में पहुँच कर चीन और शांत सागर पर क्लिबेन्दियों बोरप, बीच पूरब चौर रोम सागर पर डेारे डाल रहा है. अमरीका इंगर्लेन्ड इसी चालंबाची पर तुला हुआ है. रूस बलकान, बीच क्षीमें बनकी सुद्री में हों कौर इस तरह नाकाबन्दी के लिये दूसरे निशानी हैं, दूसरे दुनिया में बाज एक तरफ तो साम्राजी या शाहन-शन्दर-शन्दर यह फरक श्रीर दिलों का मैल बदता ही जा रहा है

ای اور دومری طون ساوای اور سترست ای نقام که ویوست که که وی برای اور سترست که وی برای برای که وی بر فیرب الدردم ساکرے دلیتوں میں ج کان معیومی کرر اور الدیت الا باق على المان اغد اندری فرق اور دلوں کا ئیل پڑھتا ہی جاریا ہیں۔ اِس فرق ملا پھونا اور قائم دہرا الوائ سے کانے کی ایک نستانی ہی وہرم محافظ میں کرچ ایک طون توسامراجی یا شہنشا ہی نظام (دلوستھا) シャ アンシング

बिसकुत सतम किया लाय कीर जमनी की चार दुकड़ों में बांट कर हकुमत की जाय से किन जैसे ही जमनी से फैसिडम और का रूप के बोती है. जम न क्रीम सदा के लिए मिट नहीं सकती का सब से बड़ा अधान है. लोगों के इस बात से रोका जा रहा इसामें के केयले भौर लोहे पर निगड़ी हुई है और सब यही चाइते हैं कि अपने अपने हिस्सों में अर्मन कोगों के। अपने रंग हिरले आये हैं वहाँ दूसरा हाल है. वहाँ अपने अपने माली फायवे ताकतें अपने बैरी जर्म नी के इतना कुचल देना बाहती हैं कि उरह नहीं से भारती आँसे क्यों हटायेगा जबकि रूस के भगते अमेंनी अगर विसकुल सिट न सके तो इतना कमजोर जरूर हो जान कि कोई सटका न रहे, और वहाँ की कीमती पैदाबार और खानों विभाजा रहा है पर बरतानिया और बमरीका के बाँटे में जो रियासतों में यही मुक्तबला हो रहा है. पिछले दिनों पोट्सबस में रंग दिया जाय. लेकिन दवी हुई बिन्गारी भी कमी-कभी ज्वाला के भाग में बाया है वहाँ की हकूमत में तो जम नी लोगों को हिस्सा संत्र बादी हुकूमत बनाई आय. अब अमें नी का जो हिस्सा रूस साधीइज्य विसक्तम भिट जायें ता जर्म नी में जमहूरी या सोक-चीवन का सहारा यही देश हो सकते हैं. योरप की खोटी-छोटी करिया है तरी है कि इस को यहाँ से इटाया आय तो इस इस जर्मनी ही लड़ाई का कारन होगा. योरप की छोटी-खेटी रियासते िक कहीं उस हिस्सों में रूसी कम्यूनिक्स न कैल जाय. बड़ी ो पीसते पर क्रन्या जमा रहे. फ़्रान्स की नीयत जम नी के उपजाऊ

موست اورا او کرروس کو میاں سے مطابا جا کے قدروس Jol 6 019 500

स्ताविचा, बत्तगेरिया, रामानिया, बत्तवानियां और श्रीस के ि सगर बक्त बाबे तो बचने दुरामन जर्मनी से भी काम ले. इस ्यत और श्रन्ती कम्युनिज्म का जामने सामने नहीं तो जन्दर से शुन्कार करते हैं." पार्कियानेन्टके एक दूसरे टोरी मेम्बर सर बासस क्रमरीका भौर इंगर्लैंड के रूस से विरोध का यही कारन है. रूसी क्षिये बड़ी बड़ी ठाक़ती के पैरों पर गिरा रहा है. साहनसाह. क्ष दूसरे के खिलाफ सामाजी वाकत अन्तर-अन्तर भड़का रही कर रहा है भौर बाहता है कि कसी कन्युनिजम के खिलाफ इन्युनिष्म के खिलाफ इंगलैन्ड बीच योरप के देशों की पूरी मदद है और इन रियासतों का आपस का बेर इन्हें अपनी सदद के विका था था. हिन्दुस्तान के पहले के सेकेंद्ररी बाफ स्टेट मि० क्षाह हमें इंगलैंड के इस नेताओं की बह बातें याद चाती हैं जो हमेरा। बड़ाई का सबब रही हैं. पोलैन्ड, बाकेत्लोवेकिया योगी-सिवाफ भिदा है". फिर पर्लियामेन्ट के एक टोरी मेम्बर मि एमरी ने कहा था कि "हम किसी ऐसी पालिसी पर चलने की करीने इस बक्त कही थीं जब कन्युनिज्य के खिलाफ हिटलर जोर मेन्ट के बह लोग बड़ी बेब कूफी करते हैं जो इस बात से इन्कार हिटतार भौर गोयरिंग जैसे. इन्सानों की सच्चाई भौर साफ दिली क्योरली बाक्सटर ने कहा था कि 'कमी-कभी इस इस पार्लिया-हिम्मत नहीं कर सकते जो हमें जर्मनी, इटली और जापान के करते है कि नेरानल सोरालिक्स में कीई भक्खाई नहीं है या न्दिर भरपूर मुकाबला हो रहा हैं. चमरीका और इंगलेन्ड के धड़का तीसरी बहाई के बादल

اور شامنشاوی اور دوی کمیوندم کا کسند که دول این الله الله الدور می کمیوندم کا کسند که دول این الله الله الدور می کمیوندم کا این المکینه این کا این المکینه این که این که این که که کمین جب کمین که کمی پھیشہ لوال کا میں رہی ہیں. لولدیڈ ، زاکوسلومی ، لوکوسلوما بھیریا، رہا میا ، ادابات اور تولیں تو ایک دومرے سے خلاف ساملی طاقت ایمد اعد معوما رہی ہی۔ اور اِل ریاستوں کا ایس کا ہیر ایفیس ایمی مدد سے کئے رفزی بڑی طاقتوں سے بیروں بر کو زیا the first in " first on I went to have the ی یراسوں سے اس وقت کی تعین جب کیونرہ الر زود وکھا رہا تھا۔ ہندستان کے کیا کے سا ایسٹ مسلم ایمری شاکھا تھا کہ "ہمکمنی الیسی یاد

तीसारी लड़ाई के बाद्ब

पूरी तरह ईमानदार और सच्चे हैं." यक्रसर है. दिटलर को यौका की जिये, मुक्ते इतसीनान है हिटलर शा—"श्रमन श्रीर इन्साफ तो हिटलर की पालिसी का श्रसल मूर ने वो सबसे बढ़ बढ़कर हिटलर की वारीफ की थी. उन्होंने कहा महें सन् '४८

नहीं हैं और न हटने की पूरी डम्मीद है. इंग्लेंड अमरीका के अभेजी भीजें पड़ी हैं तो रूस भी क़रीब है. मिल से अंग्रेज हटे इसरी तरफ रूची पार्टियों में सुकाबता है. जर्मनी और प्रीस मे रोमान्त्रिया, बत्तगोरिया, श्रालबानिया में एक तरफ साम्राज्जी श्रोत नाता भौर भी सम्बन्त कर लिया है. यह सन होने पर भी ग्रीस रियासत ट्रान्सर्जाहन को श्राचादी देकर इंगलैंड ने उससे श्रापना करह बन पड़े ह गलैंड अपना नाता और भी मजबूत करना चाहता में तेल के परामे चवलते हैं और इन्हों देशों में तीसरी लड़ाई के षारों तरक से थिया हुआ मुल्क यह जाता है और सारी दुनिया से असर जमाता जा रहा है, अपैर अगर अमरीका इन देशों को अपने हाथ में रजना चाहता है तो रूस कब चुपका बेठेगा. इस बिये कि बागर रूस ऐसा नहीं करता तो वह बाज दुनिया में किये मर्जनूती से काम हो रहा है. बीच पूरव के देशों से जिस हर सामत की मदद को तैयार है. घगर हो सके तो पर मड़े हुये जर्मनी की भी मदद करेगा. पीस, टर्की और सऊदी चरब गुल्कों को अमरीका ने अभी क्रजी दिया है. इन्हीं देशों में इक्तलैंड अपना े. यह किसी बल पर हो या लालच देकर, जैसे वहाँ की छोटी सी हर जाता है. पूरवी रोमसागर, वीच पूरव और दूर पूरव के नेशों भाव यह तो खुली हुई बात है कि इंगलैंड रूस के खिलाफ

> کھا۔"امین اور الف ان فو ہملاکی العینی کا اصل معقد ہے۔ میکو کو موقع دیکے، تھے اطعینان ہے ہمتادیدی کے ایکانیار اور سے ہیں،" اب یہ وکھائی ہول آت ہوکہ انگلینڈ روس کے خلاف ہمائیں مدئے وئب سے جمع طیفتر ہٹلوک تولیت کاتھی، ہفوں نے کما

میں بر اور اور اور میر انگلینڈ نے میں ایات یمی بل یہ ہویا لانچ دے کر، جلے دبان کی میرون سے اپنا دوائن جارون کو موزادی دے کر انگلینڈ نے میں سے اپنا دوائن جارون کو موزادی دے کر انگلینڈ نے کر می کرفیس ا بيت منين إن اور زيتن ك يوى أميد يكر والتلويد امريد الكريزي فرجين برس إن إن لا روس مي ترب الا عد مانا او بمی مضوط کرنی ای بر سب بوت بر بمی دومان، بگریا، دلیان می ایک طن سامرای ا طون روسی باریون میں مقابر ای جرس اماسی

महंसन् 'क्ट

्र में इंग्लैंड के पास क्सकी फीज ५ लाख थी पर सन् ४६ में (दूसरी बाबरों के बत पर अपनी फौजी ताकत बढ़ा ही रहा है. सन् ३६ संदर्भ के बाद) इंगलैन्ड के पास २० लाख कीज थी. सन् ३८

करता था और आज कल वह एक अरब १६ करोड़ ३० लाख पार्कियामेन्ट की मजबूर पार्टी के एक मेम्बर मि० जिलियाकस बीं इसपनी फीजों पर स्नर्च कर रहा है. इसी बारे में इस साल ३१ में ह गलैन्ड अपनी कीजों पर ३५ करोड़ २० लाख पाँड खर्च

्र करते तो क्यों अपनी माली हैंसियत से बाहर पहले से तीन गुनी ने इंगलेन्ड के बड़े वर्जार मि० ऐटली से पार्लियामेन्ट में पूछा था कि "अगर हम श्रमरीका या रूस से लड़ाई होने का खयाल नहीं "आहं सवाता हर इस अल्क से पूछा जा सकता है जिसके पास कौज रस रहें हैं?" भि० ऐटली ने गोल मोल शब्दों में जवाब दिया—

्रिबिगार बन्द कीजें रहती हैं." यह सब डुख जो हो रहा

डसे आठ साल पचास हजार डालर की सदद दी है और दूसरा श्रीर दूसरे समुन्दरों पर श्रपनी ही ताकत क्रायम रखना बारों तरफ से घेर बालने की दीवारें उठा रहे हैं और रोमसागर जंगी सामान भी दिया है. अमरीकी कौते बीन में रखने के अलावा चता करने की ग्रुपत दस बरस भीर बढ़ा दी है, पर भभी तक बीन हवाई भीर समुन्दरी सममीते भी हुये हैं. अमरीका ने बीन के क़ब बाहते हैं, पर रूस की भी इन समुन्दरों और देशों में श्रमत दखत रखने की श्राज जरूरत है. श्रमरीका ने चीन में श्रद्धा बना लिया है सड़ाई की तैबारी के मन्सूबे हैं. अमरीका और इंग्लैंड रूस को यह सब कुछ जो हो रहा है, ताज्जुब की बात नहीं है. यही

المناسية مي باس مي ورج هافت بيما اي مها يجر المسيد مي الدمري المناسية مي اس ورمي المناسية مي الدمري المناسية مي اس ورمي المناسية مي اس ورمي المناسية مي اس و المناسية ال 1 10 1 10 1 1°C

پر این ہی طاقت قایم رکھنا جا ہت ہیں ، پر روں کو کھی اِن بمندلا اور دکیتوں میں عل خال دھنے کی آج حزودت ہی۔ امریکہ نےجین میں اقدا بنالیا ہی سے محل الکھر بچاس ہزار ڈالوکی حدد دی ہی اور دومواجلی مدامان مجی دیا یک امریکی فدجیں جین یں رکھنے کے علاق فرف ادا كرف ك متت در يت العد تعادى يوريد الى سك مين

SECORE.

कादा चस रहा है, च्यांग काई रोक की अपने देश से हजारों मील ्र अमरीका में सड़प होने के ढंग बीच ऐशियाई देशों में भी दिखाई ्रक देश दूसरे देश के लोगों की आवार्ष सुन सकता है. रूस और बीन और रूस ज्यादा दूर नहीं हैं. दोनों देश इतनी ही दूर हैं कि म एक तरफ क्योमिन्टांग और दूसरी तरफ कन्युनिस्ट पार्टी कारिया भी कगड़ों के जुटा हुमा है. मंचूरिया ऊपरी हिस्से में एक भार। ्यहा है और किले बंदी हो रही हैं. मंगोलिया में मनाड़े चल रहे हैं. ं आपान, की हर चीज के भिटा रहा है पर यह न भूल जाना चाहिये किर राग बसापा है. दू मैन ने भाषण में चोर देकर कहा- "दुनिया हैरान पर जमा ही हुमा है. दूर ऐशियाई किनारे पर बढ़ने से मालूम अंगी हैसियत रखता है. जापान में अमरीका का जेनरक मैंकायर निया कर २५ लाख जापानियों के ख़ून में अपने हाथ रंगे हैं. यह वेते हैं.. असरीका ईरान की खाड़ी पर आँखें जमा सकता है तो रूस बूर बैठे हुये श्रमरीका पर अधेसा है तो कन्युनिस्ट पार्टी जानती है कि असरीका की आजादी के दिन तकरीर करते हुए हु सैन ने और वातों अन् ५५ में जापान के द्वीप हिरोशिमा पर बमरीका ने ऐटम बम क्रीम की रगों में रीड़ता हुआ ब्लून कोई नहीं बदल सकता. अगस्त में असनचैन बड़ी हर तक इस बात पर कायम रहेगा कि क्रीमों में अमरीका की अमन पंसदी का बड़ा सबूत है. इस साल जुलाई में द्दोता द कि व्यमरीका समुन्दरी दीवार शांत सागर के सहारे-सहारे बना कितनी तर की होती हैं, और यू० एन० ओ० के इन्सानी हक्रोंकी हिका-कि अपीन की हर बीज के तो मिटाया जा सकता है पर जापानी । **श्राच साथ श्रमन प**संदी श्रौर दुनिया की सलामती की ठीकेदारी का میرواک الایا ہے۔ فروین نے میماش میں دور وسے کا کہ قومل میں میں امن میں بوی مدیک اِس بات یہ قائم رہے کا کہ قومل میں منتنى ترقی بول بوا اور يو. اين. او. سے السان حقوں ك حقافت ي المكرن كله على كوست ما والمرائع في المرائع في المرائع والمرائع でいるかはいないというないないないというないというないので

बारी का खुला हुआ ढोंग रचाता रहा था. अमराका ने हिरोशिमा ्रजीर नागासाकी पर ऐटेम बम गिरा कर दुनिया में जो ढिंढोरा पीटा अत पर भी शांति का दारमदार होगा." का लून-लूब दाबा करता रहा था चौर दुनिया के समन की तरफ हैं वह वह साबित करने के लिये हैं कि अमरीका दुनिया में अब तरक्षची भौर ईजारें खतम नहीं हो जातीं. साईन्स तो बड़ी तेजी से के जमाने में ऐडम बम या कासमिक रेज पर ही बाकर साइन्स की हुआ. गहराई से देखने से यह सच्ची और ठोस बात सामने आ . आरेर इसे इस्तेमाल करने का कीबी तरीका अभी तक दरियाक्त नहीं बस अभी तक सिर्फ एक मनोवैद्यानिक या नफसियाती हथियार है सबकी जानें ले सकता है. पर यह बात तो खुलो हुई है कि कि ऐटम सरक्रको करती बा रही है और न मालूस कौन-कौन नित नई आती है कि आज कल के साइन्स की उन्नति और नित नई ईजावों बड़ा खतरा हो सकती हैं ?" मि० स्टालिन ने कहा—"मैं ऐटम नहीं कर सकते इसलिये कि पेटम बस इस काम के जिये किसी तरह वस को इतनी शहम बीच नहीं सममता जितना कि दूसरे राजनीति स्वालिन भी यही कहते हैं. पिछले साल एक मशहूर अख गरी जुमाइन्दे ऐटम बस लड़ाई और असन का फैसला नहीं कर सकेगा. भिव ने दूसरे सवालों के अक्षावा यह भी सवाल किया कि 'क्या आप <u>ईबाई</u> और साइन्स के बमत्कार दुनिया के सामने काते रहेंगे को यक्कीन है कि ऐटम बस पर अमरीका की ठेकेदारी अमन के लिये जानने बाले खयाल करते हैं. बह सङ्गई का फैसला ऐटम बम से इसी तरह हिटलर सन् ३७ से ३९ तक दुनिया की मुलह और शांति

4. By what by of it of the

المعلق المواد معنی المواد المعنی المورد المدید المورد الم مین جاری او امد زمعلی مین میں مت نئی ایجا دیں اور مائنس میں علی کا دور ان میں میں کہا ہے۔ انتخابی اور مائنس کے میں میں کہتے ہیں۔ میں کہتے ہیں مرفرامعالی نے کہا۔ "میں ایم بمرکو این اہم جرمیں کھیں جنا کد دومرسه دائ میں جانت والے خیال کرتے ہیں . وہ دوال کا جیملہ いりのかとなりのとなるのとういろん این می الدست سے وہ سک ونیاک ملح اور شائق کا بھیں جب دوون کرتا رہا تھا اللہ وتیا کے دس کی طوف داری کا

Note South South

है वह सारे ऐसियाई देश चाज एकता की लड़ीमें बंधने के लिए क़द्म वहां रहे हैं. इझलैन्ड की ब्रिटिश शाही चाव तलवारों के बल पर बाँट सेने की किक में हैं वह एक सपना ही रहेगा. ऐशियाई देशों में अब आजादी की हलचल बढ़ती ही जा रही है. बरसों से जिन ताकत इस्तेमाल करने के बजाय क्षिक धमकाने और हराने 'संयुन्दरों पर क्रब्सा जमाने की जगह बड़ी ताक्षतों के हर एक पेशियाई देशों का रौर कैमा ने एक दूसरे से ऋलग—थलग रक्सा क़ीसों के हकों की उचित रचा हो. दूर देशों और दुनिया के सारे कि अमरीका और इंगलैन्ड जो सारी दुनिया का दो हिस्सों में ताक्रते दूसरों के। धापने पैरों तले कुचलने का काम बन्द करहें. की छोटी-छोटी रियासतों के। एक लड़ी में बाँधा जाय की चीच कपट लेने और दबा लेने का स्वयाल छोड़ना होगा. योरप क्रायम नहीं रह सकती. दुनिया अब अमन चाहती है और दुनिया होल पीटा जा रहा हैं." अगर हम दुनिया की तारीक देखें ते। कई से ही काम निकल जाता है. जो कुछ भी हो, पर कहना पड़ेगा में जमन सुख और शान्ति उसी बक् हो सकती है जब बड़ी-बड़ी अगह हमें यह बात मिलती है कि कभी-कभी हथियार और एक बड़े मेता ने कहा था—"यह कमजोर क्रीमों का हराने के लिये पिछले बरस जब बीकनी में तजरबे हो रहे थे तो हमारे देश के

हैं. समरीका झौर इंग्लैन्ड इंडोनेशिया जैसे मुल्क की जंगी पोची-आ रहा है. सुद्रो भर बचों की पीठ पर बड़ी ताक़तों की भारी मदद आज इंडोनेरिया की था जादी के आंदोलन के। हर तरह कुचला

می بجائے مون دھکانے اور قدارہ سے ای کا بکل جاتا ہی۔

افغیل و میٹوں میں اس از اوی کا کورٹ بی اور انگلینیڈ جرار کائیل ایک اور کے اور انگلینیڈ جرار کائیل ایک اور کی اور انگلینیڈ جرار کائیل ایک میٹوں میں اس از اوی کا بھیل فرصی ہی جاری ہی۔

افغیل و میٹوں میں اس از اوی کا بھیل فرصی ہی جاری ہی۔

افغیل و میٹوں میں اس از اوی کا بھیل فرصی و تی اس ایک دومرس کی اور اس اس کی اور و سارے ایک اس اس کی اور و سارے ایک اس اس کی اور و سارے ایک اس و تستی ہی و و مرس کی کاروں کے ایک اس کا کہ اس کا کہ اس کا کہ اور و سارے ایک اور و سارے ایک اس کی اور و سارے ایک اس کا کہ اس کا کہ اس کا کہ اس کے لئے کا کا می و تستی ہی و بی طاقتی ہی ہوئی ہی كانى نعين الأنا محلط برس من بن مي تجربي بوري تفرق كالمدر ولي مى ايك بؤر اين ان كما القلاسي كزور ودي كالحوارات كم لل چعول بینا جارا ای المریم دنیا کاساری دیکی جگیر ایس به بات می ایوکریمی جنی بینتیاراه طاقت استهال کرک

श्रम खूर सममते हैं. आज उप इंडोनेशिया में अपने बता पर क्षां क्षर रहा है, एसकी पीठ पर दूसरें। का हाथ है जो अपने क्षांबर के लिए इंडोनेशिया के अपनी सुद्धी में जकड़ रखना चाहते हैं. क्कांबा में अंग्रेजी फीजें अपनी संगीनें जनता के सीने पर जमाने को सुकी हुई हैं. बमों की आजादी एक धोका है. अपना उल्ला सीधा कार्य के लिए हिन्दुस्तान की हजारों बरस की एकता को कुचल दिया

सन्दर्भ भी अब इंगलिन्ड के आज रुस का बड़ा धड़का है.
सन्दर्भ १८०७ में अब इंगलिस्तान और फ़्रांस में लड़ाई हुई तो अमेओं के रूस भीर नेपोलियन नापोट के भूत ने सताना शुरू किया. अमे कों ने अपनी सारी वाकत सरहरी इलाकों में भरी.
आपनी हिन्दुस्तान की नई हकूसत की हिफाजत के मनस्त्रे बाँधे.
अध्यानिस्तान, और ईरोन के बादशाहों से मेल मिलाप करके
अपनी मण्डूसी कर ली. सन्दर्भत की हिफाजत के मनस्त्रे बाँधे.
असे हेशों में बढ़ रहा था तो अफसानिस्तान के अमीर शेरअली को
स्मा ही लालन बढ़ाया आ रहा है. दुनिया में अमन नाहिय तो
लाखन बन्द करना होगा. अमरीका और इक्नलेन्ड को परिश्वा के
देशों से बोरिया निस्तर बाँधना होगा. पश्चित कहरू ने दुनिया से
असन और शान्ति के लिए बेन्डर विल्डी की "एक. दुनिया" पर
बार दिया आ और आज दुनिया में अमन की गरेन्टी. तभी होगी
क्रम कि दुनिया पढ़ हो जाल. दिया के देशों में मिलाप और

तीयरी बड़ाई के दादत

पशिषाई कानफ्र नेस में कर चुकी है उन्हें धव धपने धमसा से उसे जिस संग्रह अपनी बातों से जापस के मेल और एकता का प्रचार पक्ता के लिये आज तड़प पैदा है। रही है और एशियाई क्रीमें

पजाब हमें क्या सिखाता

(दा हालत के। ठीक तरह से सममते में इस बयान से बड़ी कित सुन्दरलाल जी ने, महात्मा गांधी जी

किताब उद्बें भौर नागरी दोनों लिखावटों में मिल सकती हैं। मैनेजर 'नया हिन्द्'

بالمددد ادر ناكري وولان محماولون مي مل سكتي ايو قيمت عين اس بان ع يدى مدد على.

(भाई. रतनलाख बंसल)
विन्दुस्तान के उन सैकड़ों हजारों देश भक्तों में, जो देश की आबारी के लिये अपना घरवार छोड़ कर विदेश गये और फिर अतिकी अपने बतन को न लीट सके, मीलाना मुहन्मद बरकतुल्जा-साहब भूपाली के नाम और काम की वरवा हमेशा की जाती रहेगी और बतन को भलाई के लिये काम करने वाले लोग हमेशा उनकी जिन्दानी के हालात से रोशनी और हिन्मत पाते रहेंगे.

इसकी बजह यह है कि मौलाना बरकतुल्ला साहब ने जिस भागे मे बेराभिक्त की राह में क़दम रक्खा, उस प्रमाने में हालाँकि बहुत से लोग मुल्क की आजादी के लिये कोशिश कर रहे थे और इसके लिये निहायत विलेशी के साथ तरह तरह की तकलीकें सह रहे में, लेकिन उनमें से ज्यादातर लोगों की सियासत महज्ज जज्जाती यी. "हिन्दुस्तान हमारा, हमारे पुरुखों का देश हैं, इसकी तहबीब और इसका पुराना इतिहास बहुत शानदार हैं लेकिन गुलाम होने की बजह से इसकी पुरानी इज्जात धूल में मिल कानी चाहिए." उस बक़त अक्सर देशभकों के खायालात ऐसे ही होते थे. इसके जालाबा एक बात यह भी उनमें थी कि चूंकि उनकी देशभक्ति अपने पिछले शानदार जमाने की याद और उसे फिर से देशभक्ति अपने पिछले शानदार जमाने की याद और उसे फिर से

بولانا برکت استرصاص محویال

روسی اور بخت یاست دی دو از کرت ارت مام نے جی بات اس می اور بخت یاست دی دو از کرت ارت مام نے جی بات اس کا دو از کا دو کا دو از کا دو از کا دو از کا دو کا دو

सीं अहम्मद बरकतुमा

महें सम् 'क्ष

देशमक सुगलों जैसा राज 'बाहते थे, तो हिन्दू देशमक राजपूतों

जैसा ना मरहटों जैसा. इन दोनों से हालाँकि कोई श्रापसी सन शुरान नहीं या श्रीर न इन दोनों में फिरकापरस्ती ही थी, फिर भी

अपने इन खयालात की बजह से दोनों एक दूसरे के नजदीक न आ

धने यही बजह है कि सन् १८६८ से सन् १९१४ तक इस हिन्दु-

राम के दिन्दू और ग्रसलमान इन्किलाबियों को साक-साफ अलग,

भक्त सकों में पाते हैं, उस बन्त वेबबन्द का मदरसा भगर मुसल-

सान इन्क्रिसावियों की गढ़ था, तो सहाराष्ट्र और बंगाल हिन्दू इनिक्र-खानियों के गर्द से. लेकिन न तो महाराष्ट्र चौर बंगाल के दिन्द

सर्रसा रेवन्त्र के कान्तिकारियों में किसी हिन्दू का जिक मिलता है. िकला वियों में किसी मुसलमान का नाम वाया जाता है और न

र्षंचायती राज की बात इन लोगों के दिमारा में नहीं थी . लिहाखा इसकी बबह सिक बह यो कि उस बन्नत जमहरियत ग्रानी

नहीं की . हालाँकि जब कमी मौका आया, तब इन देशभक्तों ने निर्धे ने कभी एक खाथ मिलकर काम करने की खरूरत ही महसूस रिष्टु सिसाम एकता की पूरी कोशिश की . मिसाल के लिये

पेरा किया जा सकता है, जो उन्होंने सन् १९०५ में विया था और हाँकी रशीद अहमह साहब गंगोही का बह करावा इस सिलसिले में

'श्रुत्सिम अंजुमन' में, जो सिर्फ असमानों की जमात है, शरीक दिन्दू संसंखरीलों की मिली जुली जमात हैं, लेकिन कर सच्यद की जिसमें ग्रुसलमानों से कहा गया था कि वह कॉमेंसमें शामिल हों, जो

बेकिन इसी बामाने में मीबाना बरकतुल्ला साहब मूपाली ह

きんと

出京の一年の一日の一年の一年の一年の

لیکن زقه مهادر مراسر الله ایمال میم منده انقایدن میں مسی سال مي يات ين اس وقت داوند كا مدر اكر سلان اقتلابين كالوراناء و مهادمز اور بكال مند واتعا بيون ميكوم

الله من مساون ك جاءت بيء تريد د بدن

میکن ای زمان یں مولانا یرکت انتد مام جمویال اے

के अब क्षीम और उनका मुल्क मोटा और मजबूत होता जा रहा है े इंतन बिशाल होता हुचा इतना ग्रश्ब क्यों है. बन्होंने इस पर जै भीर करना शुरू किया चौर किर इस नतीजे पर पहुंचे कि हिन्दु-न्यूपास के रहने बाले थे और आपके पिता रियासत के एक बड़े परंद हिन्दुस्तान का सन पी रही है, जिसका नतीजा यह है कि इस नैदान में चाकर इस बड़ी कमी को पूरा कर दिया . मौबाना ्साइन भरी जवानी में विलायत पहुंचे. लेकिन वह विलायत पहुँचकर 'हिन्दुस्तान पर अपंत्रे कों' का क्रन्या है. आंग्रेची हकूतत जॉक की बार्कि ह गर्लैंख पहुँचते ही उनके दिल में यह सवात उठा कि इ गर्लैंख तालीम पाने के लिये विलायत मेजा. इस तरह मीलवी बरकतुल्ला अबंकि हमारा देश दिनों दिन कमचोर और वीमार पड़ता सरकारी अकसर थे. उन्होंने अपने लड़के को ऊँची से ऊँची दूसरे हिन्दुस्तानी विद्यार्थियों की तरह रास रंग में नहीं हुन गये बैसा कोटा सुरू इतना . खुराहास क्यों है और मेरा देश हिन्दुस्तान स्तान की दिला को कँपा देने वाली यह रारीबी सिक इसिलेये हैं वि

मोबाना दिन्दुस्तान श्रागवे और इन्होंने भूपाल से एक श्रवचार अपर पड़ा. लेकिन कुछ ही दिनों बाद वह बनकी नरम नीति से जब का बड़ा जोर था. "हिन्दुस्तान की माली हालत केसे बिगड़ी ?" इस गये और उनका अकाम तिलक की पार्टी की तरफ हो गया. इसके बाद इसिलिये शुरू ग्रें मौलाना बरकतुल्ला साहब पर उनका बहुत मध्रमून पर उनके बड़े खोरहार जानकारी से भरे हुए लेक्चर होते थे उस जमाने में महाराष्ट्र के मशहूर नेता श्री गोपाल कृष्ण गोसले

مولانا محدمركت امتا

الملادمین دفون دن کردد امد بهار واتا جار با یک اگرال بوش کلیما این زمان می مهادم می مهادم می مشهونینا خری کمیال بوش کلیمین کا وا زمد محل میموستان کی قال حالت کیسے کوئی می آوس معنون بریان سے بوع دوردارمانکاری سے موے وہے کا کورے تھا،
اس کے خود کا خروع میں مولانا کرت ارتد صاحب پر ان کامیت
میدائیں کھی ہی دون بعد دہ ان کی نری فیق سے اوب کار میدائیں کھی ہی دون بعد دہ ان کی نری فیق سے اوب کار معد ان کا جھیلاؤ تاک کی یارق کی مون ہوتی، اسس کے جعد in a color with a little rate was

मने बन '४८

दया. उस अमाने में, जब कि विलायत हो

किये भारी दर्दे था और वह उसके जिये भारी से भारी कुर्वोती करने कैंसबा किया. इससे बाहिर होता है कि मौलाना की देराअकि महब दिखावटी नहीं थी. डनके दिल में सचमुच अपने मुल्क के **मीलाना** ने इस तरफ न जाकर श्रपने सुन्क की खिद्मत करने का आमा बहुत बड़ी बाल समभी जाती थी और विलायत के पास स्रोमों को बड़ी से बड़ी नौकरियाँ भिलना बेहद आसाम आ, में भी बागा पीछा नहीं सोबते थे.

बाने लगी. मीलान समम गये कि बाब वह देश में रह, कर बपने ं गरंभ विचारों को अथावा दिन : तक सरकार बदोरत नहीं कर सकी. 'इस्सामिक फेटरनिटी' के नाम से एक अस्ताबार निकालना शुरू और बहाँ की एक बूनिवर्सिटी में प्रोक्तेसर हो गये. यहाँ से उन्होंने जियालात का प्रचार नहीं कर सकेंगे. इस लिये वह जापान पहुँचे मौसाना का यह भारतवार इन्द्र दिनों तक चला, लेकिन उसके

धिक इसी में हैं कि वह हिन्दुओं के साथ मिल कर अंग्रेज हकूमत से मीखांना बरकतुल्ला साहब का कहना था कि मुसलमानों की भलाई था, बिनसे हिन्दू मुसलमानों में फूट पड़ जाने का अन्देशा था. यह श्रत्वार सर सब्बद की उन हलचलों की मुखालकत करता

में बाधा पड़ते देखी, तो उसने जापान सरकार पर इसके खिलाफ इस अखवार की वजह से जब अंग्रेज हुकूमत ने अपने काम

محادی قربان کرنے میں میں کا بھی نیس موجے تھے۔
موانا کا یہ اضاد کھ دوں تک جال ایکن اس می کم کم کم اس کے دواخت میں کہی ۔ اضاد کھ دواخت میں کہی ۔ اضاد کھ دواخت میں کہی ۔ اضاد کھ اور دوانا کے دواخت میں کہی اس کے دواخت کی ۔ موانا کھ کہا کہ کہا اور موانا کے دواخل کی اس کے دور دہاں کی ایس وقت کہا تھے کہ اس کے دور دہاں کی ایس وقت کہا تھا ۔
میکم کے دوائے کہا اور محانا ہے کہاں کے دو حانا کی میں اور دہاں کی اور دہاں کی اور دہاں کے دوانا کے د رئی بات بھی جات تھی اور واات کے یاں لوکوں کو بڑی سے بڑی افتے کھی جات تھی اور واات کے یاں لوکوں کو بڑی سے بڑی کا کہ ایت کھی کی مذمن کرنے کا فیصلہ کیا۔ اِس سے ظاہر ہوتا ہو کہ کوااتا کی ولیٹ تھیکتی تھی دکھا ول نہیں تھی ۔ اُن کے دل میں چی جی کی ولیٹ تھیکتی تھی دکھا ول نہیں تھی ۔ اُن کے دل میں چی جی جی اپنے کا کہ کہ جھاری ورد تھا اور وہ اُس سے لئے بھاری سے ایک جھاری سے در تھا اور وہ اُس سے لئے بھاری سے در تھا اور وہ اُس سے لئے بھاری سے در تھا اور وہ اُس سے لئے بھاری سے در بھا در تھا اور میں اُس کے لئے بھاری سے در تھا اور وہ اُس سے لئے بھاری سے ایک بھاری سے در بھا در بھا اور دہ اُس سے لئے بھاری سے در بھا در بھا اور دہ اُس سے لئے بھاری سے در بھا در بھا در اُس سے لئے بھاری سے در بھا در بھاری سے بكان فروع كرديا أس ناف من دجن كر واليت إدانا ميت تيام مند مولانا محد يؤت الله

مون ایم می او که وه متدووں کے ساتھ مل کو الکریز

كا ين بادها يحرة رقين ، قواس مة جايان مركاديد إس عظان

कार (बाई करने के जिये जोर डाला. इसका नतीजा यह हुआ कि

भीबाना कॉम स को भी कुछ ज्यादा काम की चीज नहीं सममते थे, लेकिन उनका खयाल था कि यह देश का एक मिला जुला प्लेट-्र नेताओं के बहुकावे में आंकर आज इस बात पर बहुस करने में अपना पुराना काम शुरू कर विया. लेकिन जनको यह देख कर इस बन्नत् काँमें स की जो नरम पालिसी थी, उसकी वजह से ्बसन नहीं छोड़ा था. वह जापान से सीधे अमरीका पहुँचे और वही कापान से बल बिये. जिस यूनिबर्सिटी में मौलाना प्रोकेसर थे, उसके त्तरो हुए हैं कि कांमें स में मिलना बाहिये या नहीं. हालाँकि बड़ी तकलीफ होती थी कि चनके मुल्क के मुसलमान कुछ स्वार्थी जापास की हकूमत ने उस अधानार को बन्द कर दिया. जालाबार फार्म है, जिसका असर हकूमत पर भी इस्त न इस्त पड़ता ही है. मुन्तिश्वस नहीं पहिते थे कि मौलाना यूनिवर्सिटी को छोड़ जायें, इस सिलसिले में मौलाना ने २१ करवरी सन् १६०५ को एक खत के कब्दू होते ही मौलाना ने भी अपना बोरिया बिस्तर संभाला और इसिक्षण डक्षका कुछ हिरना यहाँ दिया जाता है. खत कारसी में था, मौबाना इसरत मूहानी साइब को लिखा था. यह ख़त मौबाना क्षेकिन मौलाना ने लड़के पढ़ाने श्रीर पेट पालने के लिये श्रापना की इस बन्नत की विचार-बारा को पूरी तरह जाहिर करता है,

کادروانی کرے کے لئے زور ڈالل. اِس کا بھریر ہوا کرجایان کی حکومت نے اُس اخبار کو بند کردیا۔ اخبار کے بند ہوتے ی حدمت سے اس احبار ہ بعد ردیا ۔ رب سے اور ای مطانا نے بھی اینا اوریا ابتر سبتھالا اور مایان سے جل دئے۔ جس او تورسی میں مولانا پروفیسر تھے ، اس سے ختطم

है, उसका खँगेकी राजुं मा मैंने देला. बहेद खुशी हुई.

पुरते हिन्दू ये और हिन्दुस्तानो ये. इसलिए कुछ मजहबी सत होता है. असलियत तो यह है कि ज्यादावर मुसलमानों के भेष बनका बासली एकता को खारम नहीं कर सकते. इसके अलावा इस बक्रत देश में ज्याम तबाही फैली हुई है. हिन्दु-असिम पकता की सबसे बड़ी चरूरत इसलिय भी है कि बन सकती है, देराओम और हमजिन्स (दोनों का हिन्दुस्तानी) सबसे पहिली बात, जो हिन्दू-मुस्लिम एकता के लिये द्ततील

हाससमान भी. इस हावसे (दुर्घटना) की भयंकरता तब समक्त में अस्ती है, जब हम इस तावाद का मुकाबला हरान की आवादी से करें, जो सिर्फ डेंद्र करोड़ है. पिछले इस बरसों में ऋरीब दो करोड़ इन्सान अूख से मर है हैं. श्रीर इन रारीबी के मारे हुए लोगों में हिन्दू भी बोबीर

भासिर यह रारीनी कहाँ से आई ?

किंद्रातान पहुँचेंगी, या वो करटम-ड्युटो लगाई ही न आय श्रीर वा बरंसी फोसवो संयेगी स्वीर इंगलैंड की बनी हुई चीजों पर जो पार्किंगामेन्ट ने यह क्षातून बनावा कि हिस्दुस्तान की बनो हुई ्री सरी के बाखिर बौर १९वीं सदी के शुरू में इंगलैंड की जार सगाई भी साय, तो बहुत कम और हिन्दुस्तान की हकूमत चीके क्या हं गलींड आवेंगी, तो वन पर करटम-ड्यूटी करोब सत्तर बबाकर बिन्दुलान को तमाम कारोगरी को धूल में मिला दिया. ानों के सांखिकों ने मशीनों के जरिये कपड़ा, द्यियार, बरतन वरौरा (१) जिस बन्नत से जिटिश हकूमत क्रायम दुई, अंग्रेजी कार-

والما يم يرت الله

الموالكان بني ما ي الأسبك م الله جندستان كي علوت

हिन्दुसान में इंगलैंड की चीचें सस्ती होते की वजह से खूब विकते सर्गी इसीबिये घीरे घीरे हिन्दुस्तान की तमाम कारीगरी जड़ से सान की कारीगरी दूसरे मुल्कों में गाइक नहीं पा सकी श्रीर शपने आतम हो गई और हिन्दुस्तान, जो अपने पुराने जमाने से कला कीराल का घर समका जाता था, सिर्फ एक खेती बाड़ी का उलक का खर्च चलाने के खयाल से लगाई जाय. यही वजह है कि हिन्दु

तैयार होने वाली चीजों को अंग्रेज पूंजी पति बहुत सस्ता खरीव कर दूसरे सुक्कों में महागा बेचते हैं. बन कर रह गया हूसरी बजह यह है कि हिन्दुस्तान की तमाम डपज और यहाँ

तांसरी बजह यह है कि हिन्दुरतान में खेती नए तरीकों से नहीं

पूँजी पतियों से लिये हुये क्रवं का सूद चुकाने के लिये और प्रेराने क्ष्या हिन्दुस्तान की बजारत पर खर्च करने के लिये, इंगलैंड के अमेज नौकरों की पेन्शन देने के लिये हर लाल विलायत अंज भी थी क्जह यह है कि हिन्दुलान की हकूमत क्ररीब तीस करोड़

दिये जाते हैं और छोटी छोटो नौकरियाँ हो हिन्दुस्तानियों को पाँचवीं वजह यह है कि सब बड़े बड़े श्रोहरे सिर्फ श्रंम जो को

इन्तहान देने के लिये हिन्दुस्तानियों को इंगलैंड जाने के लिये. मझ-बूर कर दिया गया है. ख्रदी बजह यह है कि क़ातून श्रीर इंडियन सिविल सर्विस के

> الله وهو مه وهو مه الما الله والمن الما الله الله والمن الله وهو مه الله والمن الله وهو من الله الله والمن الله والله والمن الله وا ا دی جان کے خیال سے لگان ماے کی در ایک ہمیان ماہ میں درمرے عموں میں کا کم سین باسی اور ایم بیشان مولانا تحديدكمت التد

کوشلی ہیں۔ جیٹی وجہ یہ چوکہ خالون احد انڈین مول مرکس کے انتخال دینے سے کئے جندستانیوں کو انگلینڈ مآنے کے مطا Sulve

मैंने बहुत मुख्तसर, यानी किसी बड़े डेर में एक मुट्टी की तरह, इसिलिये बबान किये हैं, जिससे उन लोगों को, जो काँमेस से दूर रहना बाहते हैं, नसीहत हासिल हो. हैं भौर जिनसे पूरे हिन्दुस्तान की बरबादी हो रही है. यह जुकसान यह बोदे से जुकसान हैं, जो हमारी बरबादी के बसली कारन

सेंदान में नामवरी की गेंद अपने हिन्दू भाइयों से आगे निकाल ले आर्थे, तो बह इसलाम की बहुत बड़ी खिद्मत करेंगे." श्रार गुसलमान काँगे स में शामिल होकर इस क्यामकरा के

 सिर्फ बज्बाती नहीं थी, बल्कि अपने लाखों करोड़ों देश भाइयों की तकसीकें और रारीबी ही उनको इस मैदान में सींब यह खत बताता है कि मौलाना बरकतुक्षा साहब की सियासत

रहे, जिन पर ग्रव्र पार्टी का हर एक मेन्बर पूरी तरह यक्षीन रखता ं. नबदोक देशभक्तों की एक अलग क्रीस थी, जिसमें हिन्दू, असलसान, बा भौर उनकी बात सान लेता था. के बेताच्यें में फूट पड़ी, तब तब मौलाना ही एक बकेले ऐसे बात्मी जनको सर आँखों पर बैठाया और आगे चलकर जब जब राष्ट्र पार्टी सिक्स वरोरा का कोई भेवही नहीं था. रादरपार्टी के सिक्स भाइयोंने भी मौलाना को उसमें शामिल होना जरूरी मालूम हुआ, क्योंकि उनके बता देना अरूरी है कि गब्र पार्टी के तमाम नेता सिक्ख थे, लेकिन संगठक हुआ. तो मौलाना उसमें शामिल हो गये. यहाँ पर यह इसके बाद सन् १८१०-११ में जब बमरीका में राद्र पार्टी का

सन् १६१४ में जब खूरोप में बड़ी लड़ाई शुरू हुई तो मौलाना

मई सन् '%

पर इसका कर दिया जाय. यहीं पर मौलाना बरकतुल्ला साहब की बीरत अर्मनी पहुँचे और वहाँ से जो 'इन्डो-जर्मन-टर्किश' मिशन आबाद हकूमत में शामिल हो गये, जो इन लोगों ने बनाई थी. इस मियाँ साहब के साथ हुई और वह हिन्दुस्तान की चस आरची हुए जक्ष्मानिस्तान था गये. यह मिशन इसलियं श्राया था, जिससे हरकार में मौलाना बरकतुल्ला साहब की हैसियत सबसे बड़े बजीर बान पहिचान मौबाना डबेदुक्षा साहब सिन्धी चौर मौलाना ग्रहन्मद कि अक्सानिस्तान की सरकार को अपनी तरफ मिला कर हिन्दुस्तान बकतानिस्तान के लिए चला, उसके एक मेन्बर बन कर टर्की होते

वैसे की तंगी की बजह से आखिर मौलाना को इसे बन्द कर का मंशा भो हिन्दुस्तान के युसलगानों को अंग्रेजों के युकाबले में बे. इसिलिए आप रूस से लौट कर जर्मनी आ गये और वहाँ से ऐसी भी थीं, बिनसे खाप रूस के नचरिये से इत्तिफ़ाक़ नहीं करते पढ़े, जिससे भाषको एक नई रोशनी मिली. लेकिन बहुत सी बाते इस की हकूमत और इन्यूनिज्य की बाबत पूरे हालात समके और इसे किये अड़ाई खतम होने पर मौलाना रूस चले गये. वहाँ च्यापने स्रदाकर देनाथा. यह अलाबार कुछ दिनों तक चला, लेकिन रुपये आद्धा इसलाह' नाम का एक आखारा निकालने लगे. इस आखारा र्बाम ज परस्त पालिसी की वजह से कुछ ज्यादा काम न कर सकी, हैं थीं. जैसा कि सभी जानते हैं कि यह हकूमत श्राफारानिस्तान की

फरवरी सन् १९७० में बब अधेरध में 'ऐन्टी इन्पीरिवक्षिजम

مهلة ؟ محمل بكرت المنته

المدى مولاد ين من مروسين التي الميرية

दुनिया के उमाइन्हें आये थे और हिन्दुरतात की कांग्रेस की तरफ से इसमें पंज जबाहर लाल नेहरू ने हिस्सा किया था, उसी वक्त आपकी मुलाकात नेहरू जी से भी हुई थी कानमें स्म हुई तो आपने उसमें ग्रहर पार्टी के सरकारी समाइन्दें की हैंसियत से हिस्सा लिया. इस कानफ न्स में तमाम विसका चिक नेहरू जी ने अपनी मशहूर किताब भेरी कहानी, में बहुत बच्छे सक्यों में किया है.

खाबाना इजलास हुआ, जिसमें आपको बहुत इसरार के साथ खुकाया गया. उस बक्त आपकी सेहत ऐसी नहीं थी कि आप थी. कहा जाता है कि यह तक़रीर मौलाना की सबसे श्राच्छी श्रीर प्रवास का जोरा कौर दर्द था. बहुत से लोग तो इस तकरीर की सबसे ज्यादा कामयाब तक्ररीर थी, जिसके एक एक लक्ष्य में बिटिश हकूमत के खिलाफ बराबर लोहा लेते रहने की अपील की धन कर रोने लगे थे. . इस कानम नेस के बाद ही सान मान्सिसका में रादर पार्टी का हर की यात्रा कर सकें. फिर भी आप इनकार न कर सके नाखिरी तकरीर थी, जिसमें छापने अपने साथियों से वहुँचे. इस इजलास में होने वाली तक्ररीर ही आपकी

में डनकी जिस हालत में रहना पड़ा, उसकी कहानी खाज भी बूसरे सुरु में भागते दौड़ते बिताये थे. उस बमाने ं पेष्ट पार्टी के इजलास के बाद ही आप बीमार पड़ गये. उस स्त आपकी स्मर पैंसठ बरस की थी, जिसके क़रीब इ बरस आपने जिलावतनी की हालत में एक सुल्क

10 C 1. 7. 1. 15.

المن كا نونس ك بعد ي سا مرابلات انظمل تحال

महें संब '४८

की हिम्मत कायम रह सकती है. लेकिन मौलाना जिसे भी मिले श्रीर प्रस्थार से पत्थर दिला को पिचला सकती है. पास में पैसा नहीं, रहने संगमाना और घीरज बँधाना मौलाना का ही काम था. वह कमी अपनी मुसीपतों की बात खबान पर भी नहीं लाते थे और अपने भीर परेशानियों की कडुवाहट की वजह से आपस में लड़ते थे, भीर अब भी मिले, हॅसते हुए ही मिले. जब उनके और साथी इन मुसीबतो का जैस और साथियों में भी जापसी छूट भला इस हालत में किस क दूसरे पर हुरे से बुरे इलबाम लगाने लगते थे, तब उनके। हर एक साथी की मुसीबत मुनने के लिये हमेशा तैयार रहते थे बही बजह भी कि हर एक हल्के में वह बड़ी हज्जात को निगाह से । ठिकाना नहीं, बिसकुस बेगाना सुल्क, खंत्रेची हकूमत के जासूस

दिन भी बिना रांचा रक्से रहे हों. किर भी श्रीर शायद इसीलिये बह बह किसी को भी कभी भाक नहीं कर सकते थे. हिन्दु-प्रसद्धमानों की एकता पर दिल से यक्नीन रखते थे और उनकी होती थो. बाबजूद इसके कि वह तमाम यूरोप शूम आये थे एकं वक्त भी नसाज छोड़ी हो झौर शायद ही किसी रसजान में एक **डनका विश्वास दिनों दिन पका ही होता गया. शायद हो कमो डन्होंने** भौर इस में भी काफी दिनों तक रहे थे, ख़ुदा और मजहब पर न्यों कि बनकी हर बात कुछ रूशनियत का रंग लिय आपसी फूट से इतनी नकरत और चिंद थी कि सिर्फ इस बारे में कुछ सोग उनका पिछड़े हुए खरालों का समकते थे,

अपनी क्स काबिनी बीमारी के बक्त भी बनकी गरीमी की

المعارم برای سطح می دوری خزت کی نگاه سے دی مات کا المعارم برای می جیمیاری موری میان کا وسے دی مات کا ایک ایک کا ایک بات می مدهان می ایک در ایک می ایک در ایک کا ایک می دور سام میدوری می ایا اس میری ایک می ایکوری نے ایک وقت ایک دور کا ایک اور شام ایک می ایکوری نے ایک وقت ایک می ترقیموری میدور شامه ایک می ایکوری می ایک در ایک ایک د ار سائع میشر دل کو تکعملاسکتی ہی۔ یاس میں بیسر نہیں اوج معلمانا نہیں ، یا مکل ریکا نہ ملک ، انگریزی حکومت کے جاموبوں معیماً اود سائعتیوں میں میں آئیسی مجوٹ ۔ معیلا اِس جالت میں بهانا اور معیری بندهانا مولانا کا پلی کام تھا . وہ مجی اپنی میکٹوں کی بات زبان پرنجی تہیں لائے کتھ اور اپنے ہرایک انتخاص کی مصیبت سکتے کے لئے ہمیشہ تیار دیتے تھے . ہی وہ میں کی دھت قائم رہ سمتی ہو۔ لیس مولانا ہے تھی کے اور میں ان صیدیو میں مدہ است مرست ہی ہے۔ جب ان کے اور ساتھی ان صیدیو اور برلینا نیوں کی موما ہے کی وجہ سے البس میں ان تے تھے ان اور ایک اومرے پر کرے سے کرے الزام لکانے لکتے تھے ان ان کو منا دوزه دیگه رب یون جمر جمی اور شایدای کنا ده بهکه میلانون می این بر دل سے بیش رفعه کنه اور آن تو کابسی میرونوسی این فرن اور پیروسی که مرت زین ایسے می ده می میرونوسی میان میس کرساند کی در من زین ایسے می ده می Supposite Security

出の子

फिर भी बनके चेहरे और गुरुकराइट खीमी नहीं जा सकी चौर ४ जनवरी ११२८ को जब उन्होंने हमेशा के लिए अपनी जाँकें बन्द क्रतींबर के सामें पर एक मेख तक नहीं थी और दवा था डाक्टर का करलीं, तब भी अनके चेहरे पर वहां मुस्कराहट बनी रही. की लंडाई का यह सुरमा अपनी आखिरी रातें विता रहा था. लेकिन वो चिक्र करना ही ऋषूल है. इस हालत में हमारे देश की बाजादी राबत वह वी कि केनका विस्तर एक होटी सी कोठरी में था, जिसमें

बीब बिन्दगी मेरे बतन के काम बाई. जाज इस बिन्गगी से बिदा बेते समय बहाँ मुक्ते वह बाकसोस है कि मैं बापनी कोशियों में • इरवा रहा. मेरी यह खनरदस्त खुराकित्मत। थी कि मेरी यह ना सुन्द की किस्मत बनके हाथों में सींप कर जा रहा हूँ." को सच्चे हैं, बहादुर हैं, जाँ बाज हैं. मैं इत्सीनान के साथ अपने श्रुरें की मदद करने के लिये चाज जालों चादसी चारो बढ़ रहे हैं मैं ईमानदारी के साथ अपने बतन की जाखादी के लिये कोरिशा भ्यवान रहा, नहीं सुक्ते इस बात की भी तसल्ली है कि मेरे बाद मेरे मरते बन्नत छन्दोंने चपने साथियों से कहा थाः 'तमाम जिन्दगी

रसके बाद तो सिर्फ उनकी याद ही बाक़ी रह गई. यह उस राहीय के बाखिरी सक्य थे जो इस दुनिया ने सुने,

अनार वह पान होते, तो या तो पाकिस्तान के किसी जेल में होते, फिर संयक्ष चाता है कि उनका बाज न होना भी बच्छा ही है.क्योंकि भी होते और श्राचार हिन्दुन्तान में डुख दिन ही बिता लेते. लेकिन मासूम होनेपर कमी-कमी दिलमें खयाल होता है कि काश वह आज मीजानां मुहम्मदं बरकतुल्ला की जिन्दर्गा के यह तमाम हाजात

المن رسی کرمان کا دستر کیک چیوی می کافعری میں تھا ہ میں والے میں کا دور کا کا دور کیک چیوی می کافعری میں تھا ہ میں کا دور کا کا کا میرس کی اور دوا یا والی کا در اس کی مارسی دیش کی آزادی کا دور کا دور کا کا دور کار کا دور کار کا دور کا

يَع زبونا بعي الصِّابي بي كيميل كراكوه كان بوق الويا لوياكستان كام يل من بو

महं सन् '४८

में बीती होती. इस बिये यह अच्छा ही हैं कि चाज वह ऐसी जगह है, वहाँ असे बकादारी का हलक उठाने के लिये कह कर हम राज करते और उनकी बकादारीपर कोई ऐसे साहब शक जाहिर करते निषर भाते, जिनकी पूरो उमर ब्रिटिश हकूमत के तलवे सहलाने **इनका भाषमान नहीं कर सकते. हाय रे बदक्किमत हिन्दुस्ता**न ! दाते तो धनके इसी मुल्क के बच्चे धनके हिन्दुस्तान में रहने पर एत-प्रसंकी नकरत बर्दारत नहीं कर सकते थे. और अगर वह हिन्दुस्तानमें न्योंकि वे हिन्दू मुस्सिम एकता के हामी थे कौर यह वरवादी व बा-

सौ सक्षे की किताब की क्षीमत सिक्षे बारह जाने. किताब बागरी भौर डहूँ दोनों खिखावटों में मिल सकती है सेन्द्रल कन्सीलियेटरी बोर्क ग्वािक्वयर हिन्दू गुस्लम एकता की दाबत पर ग्वालियर में दिये. बार लेकबर जो उन्होंने पांचत सुन्दरखाल के ४८ बाई का बाग, इत्राहाबाद मेंबर 'नवा हिन्दें

> ن دہتے تو اُن کے اِس مگ کے بی ان کے ہندمتان میں میٹ یہ اختراض کرتے اور اُن کی مفاداسی برکون الیے صاحب این کرورے مخدوسلم ایکتا کے حای تھے اور یہ بربادی و ایس کی تعرت برداشت میں کرسکتے تھے۔ اور اگروہ میں مسان مرتے نظرا تے ایمن کی فیدی عربیش مکومت کے الانے میں بیتی ہوتی واس کے یہ انتظامی ہوکرائ ر بیں ، جہاں کان سے وفاداری کا ملف انتھانے کے مران کا ایکان نہیں کرسکتے ۔ ہائے رہے ماقسست

أمنين فمنول منسيروي وردكواري ذعرك بركاليري دخ كتاب تأكرى العد أيدود دوفي عمادتين من مل سكتي وي. موصفى كاكتاب كى قيت صرف باره آك .

(शार बजाहत जली संदिलवी)

े सात के भन्दर ही भन्दर तुम्हारे चाँद सा बेटा होगा." उसकी जेब में तीन रूपये थे. उसने घर पहुँचते ही पक्का खोल विया क्षुम बड़े पीर की नियाब करके ताबी इमरतियाँ खालें तो फिर एक हूँ. आब यक आंदमी ने बताया है कि बगर तीन दिन शासको हम श्रीर बीबी से कहने लगा--''देखना श्रभी तुन्हारा मुँह मीठा करता ं रमचानी का जी चाह रहाथा कि वहरामेगर्मताची इसरतियाँ खारो

असीवन एक बंबा किये चारपाई से खदमल निकाल रही थी. मिया की बातें सुनकर वह खिलखिलाती हुई रामीगई, बोली-''तुमको बस ऐसी ही बार्वे जाती है,"

बेटे की बड़ी बाह थी, खड़मल आड़ना भूल गई और बल्दी से अपनी रमजानी अंगोझा लेकर बाजार बला गया और नसीवन, जिसे

चुली हुई साड़ी निकाल कर मुँह हाथ धोने लगी. कि ग्रुसलमानों ने देहली खीर कानपूर से चाक खीर ख़ुरियाँ मँगाई है बाबा है इस सिलसिले में जितने मुँह ये उतनी बातें. कोई कहता बिना लाईसेन्स की बन्दूकों भौर रिवालवरों का एक ढेर जमा है. कारता कि बसने खुद अपनी आँखों से देखा है कि हिन्दुओं के पास और धनको जहर के पानी में बुमाकर तेज किया जा रहा है. कोई शहर में कई दिन से खबरें गर्भ थीं कि हिन्दू-मुस्लिम बंगा होने

グラフェ

معلاق نے دہل امد کا تورے جاقہ اور محمریاں متکان آئیں۔
امد ان کو ذہر کے بان میں محمار تر کی جارا ہے۔ کان کتا
المد ایس سے عود این آتھوں سے دیت اور کر ہندووں کے یاں بنا الاستس كى بندوقول اور روالورول كا ايك دُعير في يرى

का भी कि बाद भी को बक्रीन था कि भव दो तीन दिन के अन्दर विशा था. अपनी हैसियत के सताबिक कोई आदमी भी अपनी अविका लिखवाया या और अपने मकान के दरवाचे पर चिपका हैकायती काररवाई से शाफिल नहीं था. १० कोठी पर दो नये, बंदूक्षचियों का पहरा लगाया गया था उसी दिन रमंचानी ने भी दस पैसे देकर मसजिद के मौतवी साहव से एक की कैसे बचावें. कुम स्रोग काम लोगों की इस वेचैती कौर परेशानी नहीं या कि कास्तिर क्यों ? जिस दिन साला गोवरधन दास की **इर बाबेयें, का राग अलापने लगते. ज्याम लोग उनकी सूरत देखते** क्षेत्र कर रख देंगे. इस किस्म की तैकड़ों बफ़बाहें वह रही थीं. बाम वस्य इता है और वह किसी रोज रात में शहर पर टूट पड़ेगा. कोई िशाहर में भी हंगा हो जायगां. लेकिन यह किसी को भी मालूम ही कॉप जाते. शहर में हर घड़ी डर और वहशत बढ़ती जाती क्रीरन अपनी बहादुरी और, अगर दंगा हुआ तो वह क्या क्या इषर जबर अकड़ते फिरते और जहाँ कहीं दो चार आदमी देखते बोग बन्दाये हुने थे. उनकी समक में न जाता कि क्या करें और कोई कहता कि शहर के बाहर पंजाबी सुसलमानों का एक लशकर है दिन गहने ही वानों में बड़ा न्यूनी फसाद हुआ। था और उसके हुं जाने बासी मुसीबत से अपने आप को और अपने साथ बालों हिमी और सरे हुने बोगों की बारों अब तक हरपतान में लाई जा ह्या कि दिन्दुओं ने श्रास पांस के देहातों से हवारों भादमी बुलाकर प्यारक्से हैं, जो मौका मिलते ही एक एक मुसलमान की खोपड़ी इस भी बे. बह मूकों पर ताब दिये, लाठियां पर तेल लगाये

رى خائلى كادروال سى قائل مى الما ガスで

बना. रमबानी रूपये पहले ही फेक चुका था. इसने जबराम से बेंकर बयराम के बढ़े हुये हाथों से दोना से लिया और चलता रमवासी ने जयराम हलबाई के यहाँ से वो रूपये की सेर मर इमरिक्षा तीलवाई लेकिन इसके पहले कि दोना उसके हाथों में पहुँचता, रमेश बहलबान आ गया और उसने रमजानी को घक्का बिगड़ कर कहा-"लाको मेरी इमरतियाँ सुके दो !"

के में तील चुका. अब में क्या जातू ?" विषका सा रह गयाथा, कहने लगा—"इसरतियाँ लो जाकर पहलवान जयराम, जो रमेरा के एकाएकी दीना चनक ले जाने से भी-

े से निकल कर एक भरपूर लहु रमजानी के सिर पर मारा . वह त्योरा देणबाई ने गांबी दी, रमजानी ने गुरसे में बाकर उसके मिद्राइन कर बसीन पर गिर पड़ा धौर उसके सर से खून का एक जीवारा अरे दो भाल बठा कर चमीन पर फॅक दिये. जयराम के लड़के ने दूकान अब इतनी ही सी बात पर बातबढ़ गई. रमवानी ने आस्तीने चढ़ाई, में कहा- 'हिन्दुकों ने एक मुसलमान को मार हाला." 🜇 निकला. इस गड़बड़ में बीस पच्चीस तमाशाई जमा हो गये. एक

हिन्दू सड़का खड़ा था. एक मुसलमान ने उसके जोर से लात मारी जीर वह नाली में जा गिरा. बूसरे ने कहा-हाँ सार बाला, तो फिर क्या ?" पास ही एक

नारपंतकवीर, अल्लाहो अन्बर! जय जय महादेव! मारो, मारो! केना! पकड़ना . लाठियों से लाठियाँ खड़कने लगीं और लोग एक दूसरे से लपट पड़े . सारे शहर में हवा चढ़ गई कि 'चल गई ?' भौर सममुच शहर में इधर उधर चलने लगी, गली और क्ने

رمعتانی نے بحریم مغوال کے میاں سے دورویئے کی مجھ الکا اللہ میں اللہ میں اللہ کے میاں سے دورویئے کی مجھ اللہ اللہ میں اللہ میں اللہ میں اللہ اللہ میں اللہ اللہ میں ا

बहाँ मोबे और मासूम बच्चे खेतते फिरते थे, लड़ाई का मैदान बन बाले लोग अपने अपने घरों में घुस रहे और मैदान बिलाइन ही गये. दंगा शुरू हो चुका था और अब धसे रोकता कीन ! भीर मरं आचो ! दीन की इज्बत ! धर्म की लाज ! शांति चाहने नारंप तक्षीर, अल्खाही अकबर, जय जय महादेव! भारो

सदाक और खूनी गुंडों और लुटेरों के हाथ में मा गया. दैवानियत

आपनी कामवाबी पर हॅंस रही थी और इन्सानियत जापना मुँह

ब्रियाने की जगह दूँढ रही थी!

बौहर दिलाने का खूब-खूब मौका मिला. लाठियाँ चल रही थीं, खूरे अने का रहे थे, दरबाजे तोड़े जा रहे थे, दुकानें खूटी जा रही थीं, क्यादा गई तो हिन्दू और मुसलमान गुंडों के पण्डीस पण्डीस वीस के किये जैसे मुँह माँगी सुराद था . गलियाँ और अधेश और काम पर से लौटते हुये थके हारे मजदूर! गुंडों को अपनी बहादुरी के मकान जलाये जा रहे थे और फिर बीख पुकार, भगदड़, औरतों का माजूम होते थे. सड़कें सुनसान थीं और गलियों में गुंडाशाही थी. हां नौराहों पर पुलिस के दो चार सिपाहो भी दिखाई देते लेकिन इतनी हुये सामानों के पास धायल बड़ी बेबसी से कराह रहे थे. जब रात बाजारों में कहीं कहीं लाशें पड़ी थीं या दूकानों के खूटे और फुँके बड़ी मारवाड़ श्रीर लूट खसोट के बीच वह एक मज़ाक की चीज़ धोना, बच्चनें का बिलखना और नारए तकबीर और जय जय महादेव! श्रीर खून के तुकान में हूब चुका था. बड़ी बड़ी सड़कों श्रीर खंड़ाई के मैदान का नजारा डसके सामने हेच था. सारा शहर जाग शास होते ही दंग और भी बढ़ गया. अधेरा दंग करने वालों

> وهوم کی لاج ا شاخی جا بخدی مهادیی ا ماد داد. مرحانی ا دین کنظرت ا دهوم کی لاج ا شاخی جا بهت والے لوگ ایت ایش کھول میں میں اس دیجه اور میدان یا مکل ہی لواکو اور خال کنڈون اور کیروں سے ایمنا تبتہ جیسیا نے کی جگر وجھونڈھ دہی تھی۔ عام المعراد الد معموم مي ميت عبرة عقالال كاميدان بن كفي . ومكا موم موجا عما الله المائي روتا كون!

دی چی مڑی اور جدا ہوں پر ہوئیں مے دوجید سال بی بی دخیان فرائی میں دخیان ہے دخیان میں دھیا ہوں پر ہوئیں میں دوجید سال بی بی دخیان اور اور فرائی میں اور کاروں میں کرنے اور کاروں میں کرنے اور کی میں اور کاروں میں کرنے اور کی اور میں کاروں میں کرنے اور کی میں اور کاروں میں کرنے کی اور کی کاروں میں کاروں کی اور کی کاروں کی اور کی کے اور کی کے اور کی کاروں کی اور کی کاروں کی کاروں کی کاروں کی کاروں کی کاروں کی کے اور کی کھی کاروں کی کاروں کی گئی ہوں کی گئی ہوں کی کاروں کی گئی ہوں گئی ہوں کی گئی ہوں کئی ہوں کی گئی ہوں گئی ہوں کی گئی ہوں گئی ہوئی ہوں گئی ہوں منام اور من ایک ولکا اور می واحد کیا. اقتصرا دانگا کرنے والوں کے منام کرنے کے والوں کے منام کرنے کا اور می واحد کیا. اقتصرا اور کا کرنے والوں کے اس کو سے وقت کا اس کا میں مادری کے جو رکھانے کا اس کو بھر دی مادری کے جو رکھانے کا اس کو بھر دی مادری کھیں، مکان کا میں موجود کے مادے کا اس کا میں مادری کھیں، مکان کا میں موجود کے مادے کا اس کا میں مادری کھیں، مکان کا میں موجود کے مادری کھیں، مکان کا میں موجود کا میں میں موجود کا میں موجود کا میں موجود کا میں مکان کا میں موجود کے مادری کھیں، موجود کی مادری کھیں، موجود کا میں میں موجود کی مادری کا میں موجود کی میں موجود کی ہے۔ کا میں موجود کی میں موجود کی ہے۔ کا میں موجود کی میں موجود کی ہے۔ کا میں موجود کی ہوئی ہے۔ کا میں موجود کی ہے۔ کا میں موجود کی ہے۔ کا موجود کی ہے۔ کا میں موجود کی ہے۔ کی ہے۔ کا میں موجود کی ہے۔ کا میں موجود کی ہے۔ کی ہے۔

वीस के गिरोह बाकायदा घरों पर द्वापे सारने सगे. मास श्वसवाब

बन गया था. बच्चों की टाँगे पकद कर बनका सर दीवार पर दे तेषी के साथ खतम किया जाता....... इंसान की इन्सानियत खतम अरितों को थोड़ी बहुत रौतानी खेड़छाड़ के बाद एक सरफ एक्ड्रा शे कुकी भी. और सिदयों से सोई हुई उसकी हैवानियत अपनी असकी शक्स में जाग डठी थी. बह जानवरों से मी ज्यादा भयानक **कर किया** जाता. क्याठ दस सांत की लड़की तक का शुमार जवान भौरतों में किया जाता. बच्चों को जवान झीर बूढ़े मदों से ज्यादा भीरतों को तो सबर डालने की कोशिश की जाती सेकिन जवान की तरह केवारी घर में बैठने वाली कौरतें भी बाटी जा रही थीं. शूढ़ी

بھالی اور دوشعہ مرحص سے ذیادہ تیزی کے مائٹ ختم کیا جاتا۔۔۔۔
انسان کی انسانیت جتم ہوئی تھی۔ اور صدیق سے ممانا ہون اس کے دیا ہے۔ اور صدیق سے ممانا ہون اس کے دیا ہے۔ اور صدیق سے محانا دیا ہے۔ اور میں کار کام میں کیوکر ان کام دولوار رہے کے مائٹ ہے۔ اور میں موروں کا محتی کیوکر ان کام دولوار رہے کے مائٹ ہے۔ اور میں موروں کا کو مقتلے ہے تا جاتا ہے۔ اس کی اور میں سے میں اور میں سے میں دوم کا اور میں اور میں سے میں دوم کا اور میں اور میں سے میں دوم کا اور میں سے دوم کا اور میں سے میں دوم کا اور میں سے دوم کا اور میں سے میں دوم کا اور میں سے میں دوم کا اور میں سے میں دوم کا اور میں سے دوم کی اور میں سے دوم کی اور میں سے دوم کی دوم کی دوم کی ہے دوم کی ہے دوم کی ہے دوم کی دوم کی ہے دوم ک

े पंजित रिषरांकर के बड़े दो तक्ले मकान के पास ही बदस कपर थी. बीस साख से पंडित जी के यहाँ बही तरकारी देता था. दुष्णत भी भौर वह छारा दिने वहीं रहते. बदल हर रोज सर्केट से चार कुष्णके की कोठरी थी. पंडित जी की बजाजे में कपके की बहुत मराहर बाः रूपये की तरकारी और फल लेकर राष्ट्र में फेरी से बेचता. इसीतरह डमझी सारी डमर बीत गई थी और अब डसकी डमर साठ साल से बदस् के कोई संतान नहीं थी. तीन लड़कियाँ हुई यीं लेकिन जिन्दा

नेंगा कर दिया जाता-श्रीर यह तब कुछ धर्म श्रीर मचहब के

है सारी जातीं. चीरतों के। इनके बाप, पति चौर बच्चों के सामने

नेपूरी से हुरे मोंक दिये जाते, दम तोड़ते जवानों के सीने पर ई ट

गयां रोते विकाविकाते, हाब जोड़ते इन्सानों के सीने में बड़ी ही

सम पर था!—धर्म का बोलबाला और अधर्म का मुँहकाला!

अवार जाता. बूढ़ी चौरतों को कोठे पर से तीने बकेल दिया

महें सन 'क्ष्ट

ऐसा पर्च गये थे कि उसके आने से पहले ही उसकी कोठरी के गोद के किलाये हुये वे, और उसी के हायों श्रमरूद, केले, संतरे बेते न टक्ते. पंडित जी रूखे भिजाज के चादमी थे. वह बदल को कभी सामने पकट्टा हो जाते और जब तक उपसे खाने के लिये कुछ ले न किसाकर इन लड़कों को खाँसी लगाते हो. अब ओ तुमने किसी मुंहन लगाते आरीर घर में जब किसी बच्चे को खाँसी आरती तो बच्चों के लिये सहर कुछ न कुछ साता. और यह बच्चे भी कुछ सारियल और कमरलें ला ला कर पत्ने बढ़े थे. वह सब उसकी क्ष भी नहीं बची बीबी भी गर जुकी भी बौर बहुत बरसे से बह कौरन बर्त् को ही बॉटते---''यह तुम आमरूद और कमरखें खिला बंब्ब, बाबा' कहते. बंदल, जब राम को बापस झाता तो उन केला ही रहता. पंडित जो के सब लड़के और लड़कियाँ उसकी

किस्सा रहता और आखिर में इस पर सममौता हो जाता कि कोई क्ष्मका या सदस्वी पंडित जी के सामने खांसेगा नहीं और बदस् मताबर का शब को कीचें देता रहेगा. बरुब भूट मूट युं ह बनाने लगता और कहता—"लाट साहब के पतेल्य सब उसे चिड़ार्ती--"बद्ब वाचा डॉटे गये! बद्ब चाचा डॉटे गये!!" अड़के और लड़कियाँ उसकी खुशासद करने लगते. बड़ी देर तक यह क्किप कर सुनर्ती भौर जब पंडित जी चले जाते तो बदल् के पास ध्याकर की कसम, अब कभी तुम लोगों को कोई चीच नहीं दूंगा." इस पर पंडित जी जन बर्द्ध को डाँटते तो सब लड़के और सड़कियाँ छिप-

बच्चे को कुछ बिलाया तो सुमते बुरा कोई न होगा."

من من برمان من مندن فی عامات و ماوی برمان ایک بھی ہمیں بنی یزی عی میں میں اور بہت ہوہ سے وہ ایا ا کلی پہتا۔ بنگت ہی سے موجہ اور دئیں مما کا کور کے کھالئے کورٹے تھے، اور ای سے ماتھوں اردد اکیل استرے انامیل طور کومٹیس کھا کھا کہ سے فرجھ تھے۔ وہ سب ممس کو مدلو میا جا مرکفیں تھیا کھیار ای دوکوں کو کھی سی لکائے ہو۔ آپ جو ای کئی تھی کو چھی کھیل یا تہ تھی سے کہا کول نہ ہوگا۔ ا میڈی جی میں مدلو کو دافتہ قرسب اوک اور لوکمیاں تھیں アンションのできると

ज्यादा व्यासी ही. वह उसको जपनी बेटी की तरह समस्ता. सब ्रभापने पांस से अपने बिये कोई कपड़ा न बनबाना पड़ता. एक बार बह बड़ी मेहनत से बद्ध के लिये दुक्त कर देती और बद्द को कहा-"राजकुमारी का ज्याह होने बाला है. बेटी बनाया है तो अब क्रमा देवी को भी बदल, से हमदर्दी थी. एक दिन उन्होंने बदल, से कुमारी न उसकी बड़ी देखभाल भौर सेवा की. पंडित जी की पत्नी बंबुद्ध बीमार हुआ बाँर आठ दिन चारपाई पर पड़ा रहा तो राज-कुछ खर्च भी करो." मानता. राजकुमारी करा बड़ी हुई तो वह बद्दू का श्रीर ज्यादा शास खेला करती, और उसकी हर एक चीच का अपने को सालिक बेती और कभी कभी जब उससे स्वका होती तो उसके लिपट जाती सममती. उसकी डलिया में से जो चीच चाहती बेघड़क निकाल भी ने भाता. राजकुमारी भी उससे बहुत हिली हुई थी. घंटों उसके ब्बीर उसकी दादी खूब नोचती. बदख उसकी किसी बात को बुरा न बड़नों में उसी को सबसे ज्यादा बाहता और उसी के लिये सबसे प्रयास करने लगी. घर में जो कोई भी घटछी चीच पकती वह बदल मुच्छी चीचें लाता. फलों के अलावा अकतर उसके लिये खिलौते । क्रिये बरूर थेलग निकास कर रख लेती. पंडित जी के पुराने कपबे

कान बनवा द्वा. " ही का है. उसके लिये खर्च करना क्या मुशक्ति है. मैं उसकी सीने के बब्बू ने जबाब दिया-- भेरे पास तो जो कुझ मी है, राजकुमारी

सर्वे होगा." ्रिया देवी ने सुँह बना कर कहा--"कंगन बनवाने में बहुत

> الما المرائع المرائع المور المرائع می الاثر می سے المادہ می المرائع المور المرائع می المرائع المور المرائع می المرائع نياه بيلدى مى دور ان يو زي يى كارى تاي 700

مديا دلوى ن مند بناكر كا يمكن بنوائ ين بست في وكلاً!

बब्द नेपरवाही से बोला-"हूँ ! इससे आपको क्या मतलब ?

क् में जान, और मेरी बेटी." बब्बू के कई सौ रुपये राजकुमारी के पास जमा थे.

प्रितन्त्री का सकान बचाजे के पिछवाड़ नरायनटोले में था. उस

मोहल्ले में अधिक तर हिन्दुओं के बर थे.

सुक हो गई. बड़ा ही अथानक समा था. दस पन्द्रह घर खटे गये भवानक बाबाचें भी बाने लगीं. हर तरक मारधाड़ और लूट मार अभीर डक्के रहने वालों को बड़ी ही बेरहमी के साथ मीत के बाट स्तार दिया गया. सात बाठ घरों में, जहाँ दरवाजे नहीं तोड़े जा सके, पेट्रोल खिड़क कर जाग लगा दी गई जीर देखते ही देखते जाग का रोना और बड़चें का चिल्लाना और लोगों की चीख पुकार की बारूबर से सारा मोहल्ला गूँज उठा और उसके साथ ही औरतों ह्रियार बन्द गिरोह ने उस पर हमला किया. नारएतकबीर, अल्लाहो की क्षपटें हवा से बातें करने लगीं. एक गिरोह ने पंडित शिवशंकर का मकात घेर लिया श्रौर लाठियों श्रौर बल्लमों से उनका द्रवाचा रात को स्वारह बजे के क्ररीब मुसलमानों के एक बहुत बड़े

गया तो वह पंढित जी के दरबाजे के पास जाकर खड़ा हो गया बौर बसवाइयों से हाथ जोड़ कर कहने लगा— 'यहाँ सिक्षे पंडित जी के बाल बच्चे रहते हैं, इनको सताने से कुछ नहीं मिलेगा." बद्ब अपनी कोठरी से यह सब देख रहा था-उससे न रहा

नार बनी कार से उसके एक शत्मह मारा. "त् कीत ?" कह कर एक बलवाई ने बनव् को बसीट लिया

> ملا بالديم والي سع إلا - ومون! إس س أي كوكيا مطلب مولى مى مورد ي دارى لادى كى ياس جى تھے. فالمستد المتك لاثيا ي عن جالان الد مرى يلى!

میں بھلے میں ادھک تر مندووں کے تکویتے۔ اور کو کیا رہ ہے کے خرب سلائی کے ایک بہت دئے اجمادیا کودہ نے اس مرحل کیا۔ فرق نب الشدائر سے سالا تھا کو بم جاتھا۔ معد ہمی کے ساتھ ہی عودوں کا رونا اور نیجوں کا جاتا اور اولی ينلت عي كا مكان يراد عرك مجيوالات وان لال من متا. · Bi L to sie by

الله المرادين المرادية المراد بدلد این کوهوی سے برسب دیکه رہا تھا۔ اس سے زر اکما لوہ چیکٹ جی سے دروازے کی اس جا کوھوا اوکیا اصرفعائیاں سے الفتروکر کے

किसी ने प्रथके पेहरे पर टार्च की रोशनी बाल कर कहा-" बरे 教出 和東南南日 The same and a first and at. When

सारने नाले रुक गये और नदल उठ कर सड़ा हो गया . 'अझ-हमद्दे का बच्चा बनकर चला है, हरासंवादा ! "

लवाईकों में से किसी ने कहा .

बुक कर दरकाचा गिराने वालों और दरवाक के बीच घुछ पड़ा, 'में बरबाचा नहीं तोड़ने दूँगा! नहीं तोड़ने दूँगा!!" "वेरा विसास खराब है ?" पंत्रित जी का त्रवाचा दूटने ही बाला था कि एक त्म से बहुतू

मना गैं" बर्जू ने हॉफते हुये कहा 'दिसारा खराब है तुन्हारा. बेबारी रारीक औरतों को सताने से

इस इयमबारे की भी जहत्त्वम पहुँचाको !" "मारो ! मारो साले को !"

"वह इसलाम का दुरामन है" भीड़ से लोगों ने कहा .

बेक्डी पर गिर पड़ा. कर सका. जसके सिर पर तो बाठियाँ पड़ी और वह बेसुच होकर "हटते हो या पड़ती हैं .लाठी ?" एक बलावाईने बदल से कहा. "नहीं हद् गा. मेरे जीते जी तुम नदल गत पूरी न

"इस ग्रहार का यही हम होना चाहिये था." किसी और ने 'विसंज्ञत पागल ही या साला !'' एक ने कहा ,

कीन पार क्यापार आगे बड़े और बदब को डेबड़ी से घसीट

من عرب مراس الماري كا من عرب المراس الماري كا من المراس الماري كا الماري كا المراس الماري كا المراس الماري كا المراب المراس كا المديدة المؤلكة المراس المرا

مع بدا بمدرك يجين ت كر جال يك وام زاده " بوايدل ي

منیں ہوں کا برے بیتے جی تم اللہ ان لودی رکھا۔ کے سر میدود الکھیاں برٹس اور وہ کے کمبعہ ہوکہ داورہ می برکم بیلا۔ "ایکل آکل ہی تھا ساللہ" ایک نے کہا۔ ن عار بالأم الى موجع اود مداوكو ديور عي سي معسيط "من اسلام کا دیس ای انتخاج" ایک بدان سے بدوے کی۔ "منے بدیا بدق ای الا النجاج" ایک بدان سے بدوے کی۔ وروس مقاد كايس حشر إمونا جاسية تقا الكمى الدير عركا.

मई सन् '४८

बर संबंधि के पास आब दिया. बरवाचे पर फिर लाठियाँ, बल्लम कर रचीरे बरधने बने .

बाई "आगो, मागबलो !" की चाबार्चे सुनाई दीं चौर जो मजमा "हिन्दुक्तें का मजमा का रहा है." किसी ने कहा कौर मजमे में श्रीके रिमरांकर का बकान चेरे हुये या वह एक तरफ साग अवस्था भव गई. कहीं से दो तीन बन्द्कें चलने की भी चावाचें वश्रापक पास ही से 'जय बजरंग बली' का शारे सुनाई दिया.

गहरी में फिर समाटा हा गया

भी कि बेनारे बद्दा का क्या हाल हुआ था. उसने कीरन जमीत पर ्वरवाजे से गढ़ी में निकक चाई. वह जपर की खिड़की से देख चुकी बैठकर बढ़ब्द का सर अपनी गोद में डठा लिया और अपनी सादी का पत्का नोच कर उसके मार्च से खून पॉब्रने लगी. मझमें के काते ही राजकुमारी घर वालों की आँखें बचाकर चोर

भरीई हुई धानाच में कहती जाती--'चाचा! धालें खोलो, में हूँ बद्द और बीरे कराह रहा था. राजकुमारी रोती जांती भीर

साम गैरा की बाबटेनें भी थीं. वेचारी राजकुमारी हरका वरका रह श्रमाता हुआ एक बहुत मारी मजमा गली में चुस आया. उसके "क्रव बन्नरंग बन्नी," "जय महारेवा" "हरि भोम" के नारे

نالى مى ياس دال ديا درواد مه يريم والعيان الم اود عى ين يفرت الما يمايا.

129151,

भीर को देखने बनी

"राजक्रमारी" मीड में से एक महाराय ने बढ़कर पूछा---'तुम कीन ?"

"बार वह कीन ?"

'बाबा."

चीख कर कहा. सांसटेने ऋरीव आ गई. 'मरे यह बदल है. बदल कुँजना मुसलमंटा." एक बलवाई ने

"इस बाक्सी है अभी साले में, साँस ले रहा है." किसी

चौर ने फहा.

'खतम करो, खतम करो !"

'मरो !" मींद्र में से कई लोगों ने कहा.

भरपूर बार किया बेकिन इसके पहले कि यह बार बदुख पर अगता, पार हो गया चौर वह फड़कती हुई बदब के बेसुध शरीर पर गिर राजकुमारी बीच में चा गई. बल्कम का फल डसकी छाती के छार-एक बहादुर हिन्दू ने पैतरा बदल कर बदल पर बेल्लम का

"गुचेबान दे के पीछे जान देदी. हाब हाब."

'वेधी कन्यार्थे कपने धर्म के लिये कलंक का टीका हैं! इसकी ज़िंगी हैं है है हैं हैं हैं हैं है है है है है है है

"बह जमर और यह इरक्ष बाजी ?"

"ने घरम , इरामजादी" भीड़ के लोग इसी तरह की बातें करते

معرائد می بدلد ای بدله تعرا مسلقطا! ایک بلال کے معراب کا کا بات کا کا بات کا کا بات کا کا کا بات کا کا کا بات ک معرابی کا کوانی سالے میں، سانس کے دیا ہی۔ اس کا کا بات کا ک

5. C. 1. C.

عران دے دی رہے

م ا دام دادی معرف ای ای طرح ک باش 5 1 12

मई सन् '४८

में मुसक्या रहे थे. ऐसा लगता था जैसे दुनिया के लिये उनके पास क्क पैसठ साल का मुसलमान बूढ़ा और एक चौदह साल की हिन्दू तो सारे राहर में हिन्दू-मुल्लिम दंगा हो रहा था. लेकिन एक गली में बाइकी एक दूसरे के बराब में लेटे अपनी कभी न दूटने वाली नींद मुक्ट को जब सूरज अपनी खूनी किरणें फैलाता हुआ निकला

(مناز، الرابادي)

يم صداعة معيد بس في إي اور ال مورت رام فواسي دوا

देल मेंह लोज दिलहि मेंह लोजो, इहें करीमा रामा. रब दिसा हरी को बासा, पञ्जिम श्रातह सुक्रामा, व करोब कहो किन भूठा, मूठा जो न विचारे, स्वीर योंगरा अस्वाह राम का, सो गुरु पीर हमारा --: घट एक एक कर जाने, वे दूजा केहि सरे. भौरत मर्द चपाने, राम निवासी, दुइ में ह फिनहु न फेरा. से। सब रूप तुन्हारा,

शे , जुदाय महत्रीय बसतु है, अबर मुत्रक केहि केरा,

गाँधी जी चौर कांतिकारी

(भाई जी० रामचंद्रन)

भीर दुनिया भर की बातें बहाँ की जातीं. इतने में ही वह आया सूने से हुणा वा भौर उस ज्यक्ति से शोहरत या प्रसिद्ध भी दूर अर्थी थी. बैठते ही उसने कहना शुरू किया—''हमारे प्रांत में गांधी भी बेबता की तरह नहीं पूजे खाते." के हुने मे. बह अगह हम लोगों से अक्सर थिरी रहा करती मं सौर हमारे बीच में चाकर बेठ गया. **चसका जाना एक दूसरे** हम कुछ चादमी खेचात्राम के मेहसान घर के बरामहे में

क्ष बन्दें सिर्फ एक नेता ही मानते हैं और इस समय बन्दोंने ध्य कर कर वसने यह बासर बासने बाली बुट्यो साथ सेती.

बिस पार्सिसी को स्थीकार किंवा है क्यते इस काकी असंतुष्ट

है. द्वा धर बसका काकी संसर पड़ा और यह देसकर वह जुरा बर चौर भी बहुत सी बातें करता रहा, घौर कसने बताया कि बार, से क्रम चरूरी भसनों पर बहस करने के तिये ही वह चाया

क्षिये बहुत क्षेत्र हैं." बात बहुत साक थी, मतलब यह था कि लियों भी थी. फिर वह बोबा—"हम ताक्रत पर अधिकार पा सेने र्षप् कराके सिये काफी 'क्रांतिकारी' नहीं थे. और वह स्वाराज्य "दसारे शंत में सब कन्तिकारी हैं," बसकी भाषाच में एक

الم المحمد الموال عن مان هرائي برامدان المحالي المحالية المحالية المحالية عن المواكن المحالية المحالي 19.29.30 les Vi- 79.50

ہوئی ہوئی ہے بدائت میں سب کوانت کا دی ہیں اگراں کی آوائے میں ایک کوائے میں ایک کوائے میں ایک کوائے میں ایک کوئے کی اور وہ کا کہ ایک کی کا کہ کا کہ میں ہے گئے ہوں لیا ہے۔ ایک کوئی مطلب میں تھا کہ اور وہ سوداجی میں ایک کوئی میں سکتے اور وہ سوداجی میں ایک کوئی میں سکتے اور وہ سوداجی

प्रकाने पूछा--'फ्हों भाई, बांपू के साथ कैसी निपटी ? क्या दुमने डन्हें बताया कि तुम्हारे प्रांत में लोग कैसे श्रीर अपनी तारीफ व घमएड खतम हो चुका था. तब हममें से बसंतुष्ट हैं ?" अपैर फिर बनसे शांस को प्रार्थना के मौक्रे पर हमारी मेंट हुई क्रीतिकारी महोदय क्ररीन एक घंटे तक बापू के साथ क्रटिया में केन कितना परिवर्तन हो गया था वस न्यक्ति में; सारा शोर ब दिया गयाथा. इस स्रोग बड़ी बेचैसी से इन्तवार कर रहे के बिसे बहुत ही बीसी रततार से बढ़ रहे थे. गांधीओं से मेंट करने के लिये वसे दोपहर के बाद का

भावना में इबा हुआ था. कहने लगा-''तुम जानते हो हम लोग कितने मुखे हो सकते हैं ?" इसे ताब्जुब हुआ कि बह व्यक्ति कुछ चुमा प्रार्थना की सी

गपू की इदिया में झोटा सा दिया प्रकाश केता रहा था कौर बह

ميسي أللد انتاره كلفة بعدة كوات كادى مود ع ليل - " حرف اس المانت کاری مودے قریب ایک صفت سے بہت کے ہمائی کھینٹرے میں ہمجاہر کھی سے شام کو مدارتھنا کے موقع پر ہمائی کھینٹرے مدار کھیرکھنا پرووش ہوئی تھا اس دیکتی میں ؛ سادا خور ان کے لئے اس ہی دمی دخارے یوہ دیے تھے .
کا ندمی جی سے جمعیت کرنے کے لئے اسے دومیر کے لید کا میں میں ایک محتقے کی ایو کے مماکھ کلنے۔
موان کاری مورے قریب ایک محتقے کی ایو کے مماکھ کلنے۔ کا ندھی تی ہدر کرائت کاری العد في تعرف وتعمل الما الم

रसेना चाहते हैं. धर्मे, मचहब और फिरकाबाराना सबाल पर भी डधी भावना के साथ उस बड़े काम को जारी रखना और जिन्ता के ज्यादहतर काम करने बालों में अब भी सबाई है, लगन है ही पक चच्छी बात थी. पर सारी कानकरेन्स को देखते हुए मेटे भौर इस सेवा करने को इच्छा है. इन सबका आपस में मिलना तौर पर यही सगता था कि हम सब जो वहाँ जमा दुए थे एक से ताका करने वाली और दिल को तसल्ली देने वाली थी. वह हम इस कानकरेन्स के दूसरे कमजोर पहलुओं पर कुछ नहीं कहना यह कि गान्बी जी के बीटी के बेलों में से कुछ ऐसे भी हैं जो इरजे तक बाभी एक बिना खेबैया की नाव दिखाई देता था. महात्सा गान्धी के तासीरी काम में थोड़ा बहुत विश्वास रखते हैं, इस राक्ति के साथ न सही पर उसी सबाई, इसी असूल और बहुत ही भच्छा था. एक भीर बात सुरक्ताई हुई डम्मीदों को फिर बे सरहार की कौल थे. गान्धी जी का सारा तामीरी काम बहुत **बाँ**र सलाहें होती रहीं. इसमें शक नहीं, बीच के बाँर मामूली दरजे था इसमें लगे हुए हैं, जमा हुए. कई दिन तक बहसें, बातें, लेकचर बाहते. मेहसान दारी, स्नाने पीने खौर ठहरने ठहराने का इन्तज्ञाम की एक कानकरेन्स हुई थी. देश भर के क्ररीब क्ररीब सब वह सेवक जो पिज्ञते सार्च के महीने में क्षों में रचनात्मक काम करने वालां

الجد سم فعد سن من من من من من من من ما كون والملا من ایک مالفونس بون منی و در من مجرس قرب قرب سب وه میوی جومها تا های سم تعری کام سی تعودا مهت و خواس دهی میوی جومها تا های می اور که این والم می والم که کون دن سک تعیی این يكهنا جامية أي . وهرم الديب اور فرقدوارانه سوال يدجى 2 1/5/4

श्रा के में, इनमें एक चोटी का नाम श्री विनोवा भावे का है, जिनके बात गए हैं, दूसरा नाम जिसे बहुत ही कम लोग जानते हैं हमारे स्तानी तरजुमा खुराी से 'हमारी राय' में नीचे दे रहे हैं. अरपा साहब ने जैटा आखार में जिला है हम चाहते हैं कि और भाई विनके दिल और दिमारा की सारी बनाबट में शाबद हा कोई रेशा खुदी या खहंकार का निकल सके. अप्पा साहब का पक लेख हिन्दू मुसलिम एकता पर १२ बहुत दिनों के भित्र झप्पा साहब पटबर्धन का है. झप्पा साहब बहुत ही सीधे सादे बिद्धान पर इस तरह के काम करने वाले हैं कि विसम्बर '४७ को भरहटी जवान में निकला था. हमें यह लेख भी, दिन्दू, मुसलमान यां दूसरे, इस लेख की बातों और तजवीं जो पसंद आया. झोटी मोटी किसी तकसील में करक भी हो पर इस बातकत के कामों और विचारों को बातवारों के पढ़ने वाले काफी सेल के खास खास विचार हमें इतने पसंद हैं कि इस इसका हिन्छ-पर 'नया हिन्द' की साफेत श्रपना राय जाहिर करें

28-1-85

किरी में सिंख जाने बाले हैं. चरही गरमी, हवा चीर बारिस, दिन्य भूमि की एकद्दी पाक मिट्टी से बने हैं और मरने पर बसी इस हिन्दू असंस्थानों को एक बनाया है. हमारे दोनों के जिस्म इस हिन्दू क्षुसलमान एक हैं, और आओ हम एक ही रहें! क़ुब्रत ने या कहिये ईरबर ने ही हिन्दुस्तान के रहने बाले

アハーローニ

ایم اینده مسلان ایک این اورا دا ایم ایک ای میں!
میم اینده مسلان ایک دانیور نے ای ایندستان کے دینے والے
ایم مینده مسلان کو ایک زائیور نے ای ایندستان کے دینے والے
ایم مینده مسلان کو ایک بتایا ایک بادے دونوں کے جسم
ایک میدی کی ایک ایک می سے بت ای اور مرنے بیرای
ایک میں می مانے والے ایک می سے بت ای اور مرنے بیرای ー・ヘイダイン・・ー

पास के देश भाइयों से भौर भी ज्यादा प्रेम है, बाहे वह हिन्दू हों, मुसलमान हों या ईवाई हों. वह सब मुक्ते अपने कुटुन्बी से ही मुखबमान देश भाइयों से हैं. रक्षागिरी चिले और उसके आध-सस्ती मॅदगाई, बीमारी तनदुरुत्ती और सब सुक्ष और दुख हमें क से होते हैं. हजार साझ हमें एक साथ रहते सहते हो गए. मांब्र्स होते हैं. हम सब एक ही क्रटुम्ब हैं, यह बात समकाने के किये मुक्ते चौर कोई सबूत देने की चरूरत नहीं. क्स से कम सुन्ते अपने हिन्दू देश भाइयों से जितना प्रेम हैं जतना

र्शनर की योजना के मुताबिक हम एक हैं. इसलिये मेरी सब देरा भाइयों से हाब- जाड़ कर प्रार्थना है कि ईरनर की योजना का के सान कर हम एक ही वने रहे.

बस नहीं, न हिन्दू को और न सुसलमान की. क्षेत्र ता यह साम दिलाई देता है कि बिना इसके हमारी खेरि-

भी बाकाबबा चरीके से हाने बागे. अगर यही हालत रहा दोलों तरफ की तथल्ली हो बाबेगी और मार काट, ब्रह्माट, को बिन्दुस्तान चौर पाकिस्तान में खुत्ती जंग हुए बिना नहीं रह बंग बिंद गर्दे वो इस्ते यहाँ के कम तादाद वाले न जाने क्या आवेगी, पर इसके खिलाफ बटवारे के कारन वंगे धीर मार काट और भारत संगाना भौर बहनों को बेहजबती हमेशा के लिये बन्द हो अकरी. दोनों सरफ बालों को इस बात की किक हैं कि कगर बह हूस सब को खम्मीद थी कि देश का बटबारा हो जाने पर

यह सीच कर हममें से कुछ को ऐसा भावाम होने लगता है

مستى مفكال ، يمارى تعدين اورسب سكه دور يحصابي اي about with

وموج الري سي عليه واليا معلى الوف للست ا

करने के बिये भी यहाँ के असलमानों का माल असबाब यहाँ हो त्रवह के भीवरी दुरमनों को वहाँ रहने देना घोका खाना है. इसके धीना. यहाँ वह ऋगड़े की जड़ और घर के मेरी ही रहेंगे. इस पाकिस्तान बनवाया है. पाकिस्तान ही की तरफ इनका मन लगा से बढ़ कर जोश के साथ बटवारे की माँग की थी. इन्होंने ही बाह्यि क्योंकि वहाँ के मुसलमानों ने पाकिस्तान के मुसलमानों 🕄 पूर्वी पंजाब में भौर दिल्ली में सरकारी हुन्मों भौर न्दें बहाँ से करोड़ों कथर की चपने पत्तीने की कमाई चौर माल रखना कर कन्हें पाकिस्तान भेज देना बिल्कुल इन्साफ मालूम होता **धर्मनान कोड़ कर ध्याना पड़ा है. बनके** बस जुक्रसान को पूरा चमन होता रहा है अन्तर्ते की परवाह न करते हुए भी थोड़ा या बहुत इसी स्वयांत पर - " दिन्दुत्तान के सम मुख्यमानों की शामित्तान मेज देना । पाक्सितान से भी हिन्दू और सिन्स निकाले जा रहे हैं

क्सना ही बनके खिलाफ यह राज और पनका होता है. आखिर कैसे बन सकते हैं ? पाकिस्तान के मिटाने के लिये इन लोगों को तक सुसद्धमानी इक्षाकों के यह हिन्दू और सिक्स पाकिस्तान के बहाँ की सरकार के लिये जितनी जितनी बफ़ारारी दिसाते हैं स्ताना ब्हर बिरोधी थे. अब पकाएक यह लोग पाकिस्तान के बकादार हेन्दुकों बौर सिक्सों से हैं. मुसलमान कहते हैं—" १५ व्यवस्त क्षेपी क्षिपी कोशिरों जारी ही रहेंगी." वहाँ के हिन्दू और धिक्स क्षेक यही शिकायत पाकिस्तान के गुसलमानों को वहाँ के And the second section of the second second

ر - بندسان کرمس بعسان کو اکستان بیج دینا جائے۔ میں کرمیاں کرمسانوں نے اکستان کے مسانوں سے جھری کے

of in the food of marine the te

बहाँ के दिन्दू सिक्ब निनती में बहुत कम हैं. इसलिये पाकिस्तान पायान्ता कोरिसा हुई और हो रही है. और वहाँ के मुसलमानों से हो हिन्दुकों से खाली बदना इस हिसाब से जासान भी है.

भीर दूसरी तरफ कोई ३० करोड़ हिन्दू सिक्ख हिन्दुस्तान में जमा दूमी, इस तरह चोला चलग होकर क्या यह दोनों फिरके मुख धान्ति से रह सकेंगे ? क्या इनमें चपने चपने चन्दर मेंल बना िनिकसना न पाईंगे. फिर अगड़े होंगे और जाखरी निषटारे के . असंसमानों से खाली करने का कट्टर हिन्दुमों का इरादा मौर भी पका प्रदेश र बिल्क्क्स नहीं. इसके खिलाफ पाकिस्तान का अमी जितना हों बायगा. इस तुम ही ज्यादा से ज्यादा कहर हिन्दू बनते जायंगे. ऐसा बिने सुरुषम खुल्बा लड़ाई होगी. इसके बाद दूसरे कालची और बाहिये. बनको जो बारैर ग्रुल्क देने की तजबीब होगी बसं ग्रुल्क के बिन्धुमाँ को फिर निकालना होगा. वह हिन्दू भी सुराी से **धरफ** १० डरोड़ सुसलमान सब पाकिस्तान में जमा हो जायंगे विसेगा, और श्वनी मेहनत से जो भाषायों हमने पाई है वह फिर इसाझ्य है वह उनके लिये कम पड़ेगा. उनकी तरक से यह माँग आपारी कि इसे क्योर गुल्क चाहिये ब्योर किर बोच से रास्त हुचा तो पाकिस्तान के बहुर असलमानों की दिन्दू धिकस श्रिका संक्रिक को हम दोनों पर हमला करने का बाच्छा मौत्र थियो बाल को सहाय मिलेगा बौर वह ठीक साबित हो जावगी इस बेधतबारी भौर .इस द्वार का नतीजा क्या होगा ? एक चौर पाकितान हिन्दुमों से खाली होगया तो हिन्दुस्तान को

कहर दुरमन हैं, इन दोनों में से हर एक कहता है कि इस मामले संशास हसरे ने की है, मैंने तो सिर्फ उसका जवान दिया है. इर यह काल्डा उतना ही ने अन्त है जितना यह पुरानी नहस कि चील पहले या इरस्टर पहले'. अच्छी नात तो यह है कि सबस किसी ने की हो होतों करीक की इस नारे में एक सी नह सन क्या होगा ? इसलिय कि हिन्दू शुसलागों मिलकर यह अहरा लिया है कि हम दोनों पक बूसरे के

भी भावान होगा. इसकिये हम हिन्दू भीर मुसलमान, जिन्हें भाषत में करने का शीक नहीं हैं, इसी कोशिश में का आवं. भामें पर बानी गैरियात की दिलं से मिटाने पर ही जोर वेंने के लिए एक दूसरे का समन्ते समन्त्रवें. आकर मैं कहता हूँ कि पूरे मेल के लिये) एक राय कर लेना कौर एक राय हो सकती है तो दोस्ती के लिये (और उसके भी आगे "आबड़ी बात" मैंने इसलिये कहा कि आगर दुरमनी के लिये

बिल्कुल सच है. हाल का पागलपन आज या कल , बहर उत-कि 'श्रम एक ही हैं" कितना भी आजीब लगे तो भी यह बात भमी हाल हम पर जो पामलपन सवार है उसमें यह कहना

रेगा ही. अपनी इस धर्म भूमि, सर खमीन हिन्दुस्तान ने आज तक बहुत से धर्म मयहनों का मेल करा दिया है. वैदिक धर्म और

المن مي المحكاء الى دومرت كم مؤد وين الى الى المورت الى دومرت كم مؤد الى دومرت الى دومرت كم مؤد وين الى الى المورت الى دومرت كم مؤد وين الى الى المورت المو

मेंद्र महें ते कोर केपान, त्यांते कोर माणवत, ताता कोर این این دهم معوی، مرزین جندستان کے آج کی الله بست سے دهم معوی، مرزین جندستان کے آج کی الله بست سے دهم الله الله وقع الله وشند، سالت الله میکوت ، شاک الله الله میکوت ، شاک الله

स्वारी राष

का स्थामी नारायन पन्य-जैसे पंचों के मानने बाले हिन्दू भौर पैदा हुए, हजारों बरस पहले, तलबार के जोर से नहीं, मेन जीर में राहबी और शरको की रक्से बे. शाह शरीक एड गुसलमान समय पर निकते, पर समाज की जिन्दगी में कुछ समय के बाद संदर्भा, संयोगी बरारा, बुन्रेलखंड का प्रातनाथ किरका, गुजरात कारीर ने. इस तरह इस हिन्दुचों ने इसबाम से बहुत इस दासित सरीसे फैसे हुए तो नहीं थे, पर कड़ुबेपन में कम भी नहीं थे. महानुभाव, शाक, जैन, लिंगायत बरौरा मनदाल, पन्थ भी समय बाह, आखाम के शंकरदेव, सिन्ध के शाह करीम, शाह इनायत मेहमानी की अनियाद पर ही हिन्दुस्तान में दाखित्र हुये, बढ़े, धनकी भी ठीक ठीक स्वपत्त हो गई. सब भिलकर रहते सगे. यहवी, ईमाई, ग्रुस्कमान, पारसी, बरीय मधहब भी जो दूसरे देशों में श्रीर साह बर्तीफ, उन्जैन के दृरिया साहब बरोरा की वालीस दोनों बर्मों से जुन जुनकर बनाई गई है, श्रीर उनके मानतेवाले दोनों मुसबमान दोनों हैं और उन पर दोनों बर्मों का असर है. क्वीर, ने अपने दोनों बेटों के नाम अपने गुरू शाह शरीक की यादगार श्ती ख़री रहे चौर कते फूले. हिन्दू धर्म चौर इसलाम जब एक स्मिरे से मिले तब भी होनों के माननेवालों ने जोरों के साथ धर्म तिनी चेंब, भरबरी संप्रदाब, बंगावा के रास बल्सामी, बलरामी, ों बोब बीट ग्रुपार शुरू किया. पन्द्रहवीं चौर सोबहवीं सदियों मों में हैं (बेब्बो, 'कलचरका हेरिटेज आफ इन्डिया' पर्ट, सेकेंड, बेखन हैं असि मोहन सेन) हमारे शिवाजी महाराज के शदा मासीब त से मिले जुले मजहर निक्ले. चक्कर का "दीन इलाही",

कीर भी बहुत ज्यादा शासिल कर सकते हैं. में बिन्दू बर्म का मानते-काला एक कोटा सा कादमी अपने धर्म की बढ़ाई नहीं करता, भी बहुत इस मिला होगा और मिलेगा. दिन्दू मुसलमानों के। पर शुके बिरवास है कि हिन्दू धर्म की तरफ से मुसलमानों के किया है. शास में कंबत कतार के रूप में इस हाथिस कर रहे हैं. शाखें हैं. एक ही ईरवर के अलग अलग समाओं और मुक्तों को क्षि हुथे डपदेश हैं. इसमें फरफ़ होना स्वामाविक है पर विरोध नहीं धर्म एक ही पेड़, एक ही सदामें बाती एक ही मधहते हक की बहुत कुछ हासिल किया भी है. बर्म बर्म में क्यादा नहीं है. सब ईसाएकों से भी बहुत कुछ हासिल करने लायक है चौर उन्होंने , विरोध आता है तब इस बात पर आता है कि यह मेरा धर्म है, الله المعول نه میت مجد حاصل کیا بھی او دھم دھم میں میکوا میں او سب دھم ایک ای بیٹرا ایک ایما سیام طبی ایک ای مذہب ہی کی شاخیں میں ایک ای الیتور سے ایک ایک سیامیل

होते में देर न लगेगी. धर्मे धर्मे के बुनियादी विचार एक दूसरे का मदद देनेवाले

पर मधाइन या धर्म की भाड़ में रहनेवाले आईकार यानी खुदी

के कारन पैदा होते हैं. हम सच्चे धर्मबाले बन जायें तो एकता

ही होते हैं. यह सच है कि रीत रिवाज में बहुत करक रहता है, है दिन्दू शिक्तों में भी क्रम करक नहीं हैं, करें बन बरदारत पर बुनिवारी विचारों पर खोर देना घोर रीत रिवाजों पर खोर न रेना इमें सीसाना चारिये. हिन्दू हिन्दुकों में फाक कम नहीं

منیں پر مذہب یا دھم کی ہوئی رہنے دائے اہتکار بینی تودی محالای بیدا ہوتے ہیں۔ ہم بیتے دھم دائے ہی جائے کہ ایکنا ہونے میں دئی زیالی بیدا ہوتے ہیں۔ ہم بیتے دھم دائے ہی جائے کہ ایکنا ہونے میں دئی دهم دهم کم بنیادی وجاد ایک دومرے کو مد دینے والے ایک اور میں فرق دہتا ہوا یم فیادی معامول بر زور دینا اور ریت روا بحل بر زور نه دینا بیس سختها جاست بهنده بهندول می فرق م سس دینا بیس سخته جاست بهنده بهندول می فرق م سس دینا بیس سخته می مرق نس ای بهندی بهم برماض

्रतने फूब हमारे ठाड़ुरजी के लिये कम हो जायगे, हमें भी बलन होती थी. बानी सबहब के मान्दे सबहब की बजह से नहीं

बहु हुम्हारा बर्स है. मेरी छोटी उन्न में पड़ोस के स्रोग जब अपने

रपने ठाइए भी के किये फूल ले जाते थे तब यह सोचकर वि

का गोरत खाना छोड़ दें तो भीर ही भच्छा होगा. हाँ, इसके बिथे के लिये ईसाई और हिन्दू सुकार का गोरत और सुसलमान गाय किसी के चिंद करने की खरूरत नहीं. वारत करने में ठकावंट क्या है ? और भगर दूसरे का दिल रखने हर सकते हैं तो हिन्दू अवसमान, ईसाइयों के। बापस के करक बर-

में बार बाले अगर इसारे मजहब में आ जाने तोशुद्ध करने कांचासली होती हैं. इससे चावली मतलब जापनी तालाद बढ़ाने का होता है. बर अपर से भौर शायद भूल से विखाया यह जाता है कि हम धन गर मजहबबालों की शुद्धि वा इनके। पाक करते हैं. पर सारे मेत्रसम् ही न रह जायेगा, तब बिडी पर बड़प्पन न सघेगा, बहुत केंग्र बार के लीवरों के ही मिलता है, लेकिन इसके लिये वे अपने क्रिया रहे, किसका बोल बाला हो, यही खेंचातानी है. हर एक जा तो जान साझ की हिफाजत इडिंग सबेती. हम मेल मिलाप से बिन्या रहने की नहीं ऊँचा रहने की सटपट करता है. बड़ाई का शबकात्री है. हकूमत किसके हाथ में कितनी रहे, किसका बाज विष भी यह बात और मध्यम्ती से हासिल होगी, में समझ्मालों के भड़काकर डमसे कायदा बठाते हैं. इसी वेर मजहबंबालों के बापने समझ्य में सींचने की कोरियों दिन्द् मुख्यमानों का ध्यसकी मगड़ा धर्म का नहीं, निरा

मिर्ने जेस और रोटी बेटी क्यबहार पर जितनी रीत रिवाज की ठकावट हि सिन्धुस्तान का एक प्रेम धर्म, एक समाज, एक राष्ट्र बनाना हैंस को एकता चाहते हैं वह समम्मेत की नहीं दिल की एकता है. िषय धूर होनी चाहियें. अपने अपने स्वभाव और दिलों के

मां सन् थर كيف من الكادي من إي الله الكردوم عام ول رفي ك المعيسال مرسکتے ہیں کہ مہندہ مسامان ، عیسائیمل محاکیں کے فرق برداخت

ما ميد على اور رولي بين ولو إلى يرم وحوم اليك سائ الي وخطو بنانا ما ميك ميل اور رولي بين ولو إله يرميني ويت دوان كا ركا هرم في کود جنده متحد کا گوخت اورسال کانے کا گوخت کمیانا تھیڈ وی و اور ای اچھا ہوگا۔ اِن اِس سے لئے کسی کوخندگرے کی دورت میں . جندمسالاں کا اصلی جیگوا دعوم کا متیں ، توا رائ کا می ہو۔

कुरती कंचन बादे रहें. एक सी माली हालत, एक सी तालीम चौर कान वहचान होने से विल भी मिलेंगे ही. इसमें कुछ समय लगेगा, काने हो, पर इस बीच सब पागलपन के बंचन जिनका कुछ मतलब नहीं रह गया दूर होने चाहिये चौर एकता का रास्ता खुला क्षेतन चाहिये—यही हमारा कहना है.

्य सी वासीस, भीर एक दूसरे से ऐसी जान पहचान जिससे सब ्रिन्दुकों में आत पात तोड़ने की बहरत है. तब उसी कारन से धासा असा मजहबबालों में फरक मिटाने और मेल बढ़ाने के रक्षानिरी में कांग्रेस मबन बनाने का इराबा हो रहा है. उसके जाने. पेते पर बगह जगह होने चाहियें. हत्के सांस्कृतिक यानी कलाचर के केन्द्र सगह जगह बनाए जायं ऐसे सब मबहबों की एक बराबर इज्बत करने वाले प्रचारक कीर बर--का बसन्दोलन हो ही रहा है. पर सबको एक जात करने साथ इस झूझ सोनों की संशा है कि एक हिन्द-आई-घर भी बनाया हमके साधन जुटाने वाले सब धर्म वालों को जो एक जगह लावें इसकर, कला बरीरा की कड़ और जानकारी करानेवाले सेन्टर और बिये हिन्दुस्तान के अवग अवग अमे, बंस, पंच, आपा, संस्कृति डसको चमल में लाने और फैलाने की खरूरत है. माली बराबरी, पा एक प्रेम धर्म मनाने के लिये ठीक ठींक श्रमुल तव्यार करके क्षिये कोई अङ्घन नहीं होनी चाहिये. आदमी आदमी सब बरा-श्रीन हममें आवें, शकता के अचूक साधन हैं. सबी एकता के अप विचारवान लोगों को यह बात जब ,गई है कि हिन्दू

रक्षके आसामा जो सहके सहकियों जात पात तोहकर शादी

قدرتی بندسن جاید دیں . ایک سی ول حالت ، ایک سی تعلیم اور جان بیجان ہوت ہے کہ کا کا حالت ، ایک سی تعلیم اور جان بیجا کا کا کا اس بی چیرہے ایک کا کا کا دور ہوئے جا گیا گا ہے۔ ایک ایک بندس کا کا دار سے تعلق ہونا جن کے گا ہونا جا گیا ہے۔ ایک ہانا کا دار سے تعلق جن کا گیا ہونا جا گیا ہے۔ ایک ہانا کا دار سے تعلق جن کا گیا ہونا جا گیا ہے۔ ایک ہانا کا دار سے تعلق جن کا گیا ہے۔ ایک ہانا کا دار سے تعلق جن کے سے بی ہانا کا دار سے تعلق جن کے سے بی ہانا کا دار سے تعلق جن کے سے بی ہانا کا دار سے تعلق جن کے سے بی ہانا کا دار سے تعلق جن کے سے بی ہانا کا دار سے تعلق جن کے سے بی ہانا کا دار سے تعلق جن کے سے بی ہانا کا دار سے تعلق جن کے سے بی ہانا کا دار سے تعلق جن کے سے بی ہانا کے سے بی ہوئے کے سے بی ہانا کی بی میں ہے۔ ایک ہانا کے سے بی ہوئے کی ہوئے کے سے بی ہوئے کی ہانا کے سے بی ہوئے کی ہوئے کی ہوئے کے سے بی ہوئے کے سے بی ہوئے کی ہوئے کی ہوئے کے سے بی ہوئے کی ہوئے کی ہوئے کی ہوئے کی ہوئے کے سے بی ہوئے کی ہوئے کی

是"宝"

निगाह से जिसकी इसने योजना की हैं यह भीर भी जरूरी हैं. बीर विन्मेदार लोगों की चरूरत बेसे भी है ही. उस बढ़े काम की सके बह रांत्ता सेना पड़वा है. मिले जुले ब्याह एक बढ़ती हुई समृद्धार न मिलने पर अपनी अक्तल के मुताबिक वाजी सध इच्छा रसनेवाले लड़के सड़कियों को ठीक राह बतानेवाला क सुधार जिसका हम इरादा कर चुके हैं नहीं हो सकता. ज्याह की दिसवाने की कोशिश हाथ में लेनी जरूरी है. इसके बिना वह **करने को तंक्वार हों उन्हें ठीक सलाह देकर मुनाधिक ।जोड़ीदार** ारू से रहेगी. **चसके क्रिये सलाह देने कौर राह** बतानेवाले बुजुर्ग

किसको कहाँ तक रुपते हैं, इस बारे में कीन कहाँ तक सार्थ देने को ष्ट्यार है. मेरा नाम धौर पता नीचे दिया हुआ है. की है. मेरी यह जानने की इच्छा है कि इस लेख के विचार इस केल की रारण अपने इस खयात लोगों से राय मिलाने

—बप्पा पटबधन

कनक्यली, जिला रत्नागिरी

42 - 2 - 80

كرت كوتيًا ر بول "محين محيك صلاح دري كرمناسب جيئى دالد

دلوائے کی توسنتی ہاتھ میں مینی خودری ہی ۔ اِس سے بنا وہ مطاب میں اور کا اس سے بنا وہ مطاب میں کا ایک ایک اور کے اس سے اور کا اور کے اور کا اور کا اور کے اور کا اور کے اور کا اور کا اور کا اور کے اور کا اور کے اور کا اور کے اور کا اور کے دار اور کا کی خودت و سے اور کا کا کو دار اور کا کی خودت و سے اور کی کا کو دار کا کی خودت و سے اور کا کی خودت و سے اور کا کی خودت و سے اور کی کا کو دیک کا خودت و سے کا دور کی کی خودت و سے اور کی کا کی خودت و سے اور کی کا کو دیک کا کو

می او اور می وادر کام کا مطاه سے میں کا ایم نے لیجنا رکی اور میں مزوری اور میں مزوری اور

جی اس مکھ کی خوش ایت ہم خیال لوگوں سے دائے ملائے کی ایک میں ایت ہم خیال لوگوں سے دائے ملائے کی ایک ہم کا یہ میارکس کو اس میلیسے میارکس کو اس میں کون کہاں تبک ساتھ کئے ۔ کمان میک دیستے ہیں ، اِس بارے میں کون کہاں تبک ساتھ کئے ۔ کمونٹیار ہی میرا نام اور بتر بیٹے دیا پہوا ہی۔

کفکول، ضلح د تناکری

グイーナール



293 1 BMG

attended to the

A STATE OF MARKET AS

AND SECURE AND COMPANY AND AND

TATA SERVE OF SERVE in series

ADDRESS OF THE PARTY OF THE PAR

The state of the s

日かって





		The state of the s			
		The state of the s			11.5
				The same of	
		3 4 4			
			A B B B		
				A	
				4	A A
			2 4 5	5	
4		4 4 7	7 4 5		2
			EE	28 8 8 Mark	Town Cons. Page
	45	4 3	A AL	A H	4
2		A A	4 4 4	→	3
			3 A. 3	•	#
के प्राप्त शहर है करवा सहस् के के करवा सहस् के कि करवा सहस्		4	इब बादगरं—आहे राम जो भीरत सुन्दरनान जो		## # V V
441 Bax		: A	: 4 :	•	
3-3-3	4		-	•	
	-	45 (2)	্ স	a	78 (14)
	सन्दर्भा रे १५७ 	नीत क्षेत्रीत-कार शतीय प्रसाद विकेशी ११६) ज्या विद्या प्रसाद ११३	Tau al Se aufunt auf ein aft er be-	A	44, g-x, 41a
				37	41
		an , u / / y .	44	76	
		1.5	4		,
د ا	84. 84.	1.5	4		· ·
د د		9 9 8	4		ي ي
ر سان مو		1.5	4		ور دن
وريد سال '		1.5	4		عر در
ن روید سال		1.5	4		
دمن زویده سال منهمر منهمر	847		4		
ور دس رویه سال سنجو و این هغد	847		4		
باهو دمن زویده سال منهجو و منهجو	847		4		
ال والعود ومن زوياته مسال منطقهو والمهارية	847		4		
عال او المور دمن روزيده ممال ا	847		4		
يه سال المور دس رويد سال	847		4		
ويده سال أياهو دمن وريده سال	847		4		
وروده حال المحر دمن زريات حال	03V	1.5	100		
وهو ويود حال المام ومن رويد سال	847		4		
ورود سال المور من روده سال	847		4		
ورود سان اباهر دس زرده سان	847		4		
	847		4		
	847		4		
و المراد	847		4		

अने 'क्ष्ट

बात बाइमी, त्रेम धर्म है, हिन्दुस्तानी बोली भवा हिन्दू पहुँचेना घर घर लिये प्रेस की मोली

नम्बर ६

AN COM

الله على المدار والمدار المدار ميايند بينه كا محركم لك يديم ك جول.

ए साथी !

(माई 'तखीर' बनारसी)

क्यों रोक रहा है बढ़ने दे इस प्रेमलता को बढ़ने दे, इस सूलते हैं भूता जिस पर वह तार न दृटे ए साथी! **भ्य** रान्ति वासे दाता से ज्यवहार न दृटे ए सांची! बहु काम करें हम बनों बिससे भारत के पिता का विस दटे, भाता है जो बाँच बहते है यह तर न दटे प साथी!

THE PARTY AND ASSESSED IN PROPERTY.

でがんだいり

المعن من معالمت کے بتاکا ول لائے ، معن کی مدار : لاغ بتاکا ول لائے ، ي في الله والله والله عن ولدار مد في ع الله ما الله

प्रचार महिंसा का जैसे करता है बराबर करता चल, किर रेग की जीवन नैश की पतवार न टूटे ए साथी। पूँचा है जो बुढ़े साली ने बह हार न दूटे ए साथी! इस देरे वो दूरे भाषस का व्यवहार न दूरे ए साथी! हें हरे तो दरे गए की तक्षवार न दूरे ए साथी! मॅम्ब्रीसे कहो वच वचके खरा, त्फालमी है और आँधीम्], र देश द्रोही की अब तक तलबार न टूटे ए साथी। हैन्द्र, सुल्लिम, सिख, ईसाई, बापस में रहें माई भाई, बीना हो कि सरना ए छाथी, सब साथ का बच्छा होताहै, इस बक तलक मुखसागर की सहरों से न खेला जायेगा, (म सम्ब्री सुब्ब्बर का बन्धन इस पाँर न दूरे ए साथी। रबोड की बतें तो चलकर परबोड में समभी जायंगी,

इन्सानियत का धर्म

(माई बजाइत चली संदीलवी)

की होटी छोटी विरावृरियों से पहते इस एक सब से बड़ी विरावृरी के हेसाई कहते हैं इस बक् शायब हम यह सोचना और समकना मैन्दर हैं जिसका नाम इन्सानियत है. हर इन्सान इसारा माई है. और आगर हम यह नहीं समकते तो हम अपनी बड़ी बिराइरी के ब्रिये एक कलंक हैं. बाते हैं कि इस सबसे पहले इन्सान हैं. अलग-अलग धर्मो मि जिस बक्त अपने आप को हिन्दू, युसलमान, सिक्स या

धर्म के लिये क्रम या गौरव के क्रावित नहीं हो सकता. हर मच-सकता. जो भावमी इन्सानियत के लिये क्लंक हो वह कभी अपने हुन का बुनियादी मक्ससद और कादरी सदा यही रहा है कि वह क्षमी एक धन्का दिन्दू या मुसलमान, सिक्ख या ईसाई नहीं हो इन्छानियत की तर की और तामीर कराये आपने सानने वालों को अच्छा इनसान बनाये और उनके अरिथे श्रारा एक श्रारमी एक श्राच्या इन्सान नहीं है तो वह हरिगव

दूसरे इन्सीन से नकरत करने लगे ? इन्सानों के बीच फूट और स्मयोरी या बाव ? धनकी हमहाहर्वो और मेखनोब का मेहान सर्वे और केलने की काम का और श्रीमित होता कता कान ? क्या दुनिया का कोई अवहब यह सिब्धता है कि एक इन्सान पड़ आवें ? इनके बापस के रिश्तों में मधबूती की बगह

المياسة المعدولان الله يلى على ما ميمان

النان الموادي الموادي الموادي الموادي الموادي النان الموادي ا رقبال معالت على سنديلي ١٠ السانية كاوي

न्यर संबद्ध देशा कोई मबद्द है तो ऐसे मबद्द को बन्दी से लंदी है प्रविध के संवद्ध को बन्दी से लंदी है प्रविध है स्वानियत है। बातम हो आना चादियेः इन्यानियत है क्या के की केंदा है भीर कोई मबद्द इन्यानियत से कमी केंदा क्या सकता, क्योंकि इन्यानियत ही का वृत्यरा नाम खुरा, क्यान, परमेरवर भीर गाउ है.

दर सबहर का मानने बाला समसता है कि सतका ही मकइन सबसे सक्या कीर कच्छा है. लेकिन सतने कमी यह भी धोषा
है कि सक्याई कीर कच्छाई की तराख न्या है? इन्सानियत
कीर सिफं इन्सानियत! इर सबहब कीर हर धर्म की सक्याहिया
कीर सिफं इन्सानियत! इर सबहब कीर हर धर्म की सक्याहिया
कीर सब्दाई इसी से तीली का सक्याहि कि वह इन्सानियत की
केस घर कितना मारे देता है? वह इन्सान की बीन
वाला है. वह इन्सान के सब्दाह शांति की बुनियार किसी तरह
रक्षा, यक दूसरे से इसद्वी रखना, वैसे यक दूसरे का स्थाल
कीर , कुरवानी कराना, और अपने फर्च या कर्याल्य के मानों की
किस तरह बगाता घीर बहुता है ?

किस तरह बगाता भौर बढ़ाता है?

हर अवहब के तौर तरीक़े भौर रीत रिवाब अलग अलग होते हैं. लेकिन दरअसल यह महमेद सिर्फ चाहिरी और बहुत समूली हैं. करीब करीब सब धमों की खुनियादी तालीम एक ही हैं. यानी सञ्चाहें को पहचानता और इन्धानियत को सेश करना. उसते अलग अलग हैं. लेकिन मंचित एक ही हैं. रंग जुरा के केकिन सस्वीर एक ही हैं. भावाच अलग मला माइस

ای درومل برست مید من تا ای ه بهت ای ای می بهت ای بی درومل بر ست مید من تا ای او بیت ای ای می بهت می ای ای ای می می می از در می ندا اور از این سی سیدا می ای این می ای بی ای بی ای بی ای بی ای بی ای بی بی ای بی بی بی بی بی می

त्या धोषी नहीं पहनता. हमें उस आवमी से बिलकुल नकरत नहीं हो जाती जो उन फूलों को पसंद नहीं करता जिनको नुष्ति को हिन्दुरतान में नहीं बल्कि रूस में पैदा होता है. फिर कि हम पसंद करते हैं. हम उस काइमी से कोई बैर नहीं शंसे के मानने वालों से क्यों खोट रखते हैं ? यह उनकी नासमफी बहु: ससम में नहीं चाता कि एक धमें के मानते वाले दूसरे भौर खुर भपने धर्म के साथ दुरामनी है क्री है लेकिन बोल एक ही है. इस इस चार्मी से बिल्कुल स्नक्त नहीं हो बाते जो इसारी

सरकार निकालने की कोशिश करता है. अपना मतलब निकालने बे राजा का राज खुट लेना होता तो वह ज्यपनी इस नंगी जीर नीच हबस सुद्रगरफ या स्त्रामी है. यह चच्छी मौर बुरी हर चीच से अपना दिया बाता है. इस सिबधिबे में गुके एक बड़ा दिल बरा किरसा यात्र करते हैं. जैसे पुराने कमाने में कागर एक राजा का मतलब दूसरे के ब्रिये अबहब का नाम विया जाता है उसी चरह हर दुरी से दुरी बगुद्ध सेन्बरी के एक उम्मीदवार को खपने निजी स्वार्थ के लिये दूसरे (बाल्स क) को भी धर्म का बोजा पहना देता. इस्रो तरह आत्रकत बीच के बिचे भी किसी न किसी नरह मजहब वा वर्म का नाम जोड़ विकोग इसी तरह मचहब का भी ज्यादातर राजत इस्तेमान इस खोट रखने का एक खास कारन भी है. इन्सान जन्म से ही फुलम्बी ओइ देता है. जिस तरह हर बच्डी से अच्छी पीड बार को हराना होता है तो वह कौरन बर्म और मजहब की

المسائنة كا وحي

المنافعة على أس أوي ست بالكل نفرت مين العطال حوان المنافعة على أمن أوي ست بالكل نفرت مين العطال حوان

Circle Constant Const مع مع معی بود ده این امل کری بر حزب این مطلب می این مطلب می این املک بی این می این می این می این می این می این این این این می کرد در این می می کرد در این م اللايل الله يعي الاس (الأي) كو يمي وهم المع أن كل الريم إلا مرى سم أي أميد والأكو

अन्नहत्त का नाम ले लेकर ध्यौरतों की इव्चतें खूटी गई, बूढ़ों और कुष्यों को बड़ी क्षी बेरहमी चौर बेददीं से करत किया गया. ्रास्त्रका नतीया यह हुन्या कि खता चता धरा धर्मों के मानने वाले इज्जात का सकाब है." जब यह मेरे पास आया तो मैंने डससे अब क्षांत्रमा चना उस वक यह बदमारा ब्रन्ड के हर गुसलमान के क्रेडेबारों में मचहबी भतभेड़ों को उछालने, बढ़ाने और फैलाने सममते लगे. खलग अलग धर्मों के कुछ फूटे और मक्कार अपने बीच धर्म ही को लड़ाई की जड़ और मागड़ों की बुनियाद कर कहने लगा--- "साहब, लड़की तो हिन्दू भी." इसी तरह एक नहीं येसे हकारों किरसे पेश किए जा सकते हैं, जिनमें धर्म खौर मान होते तो तुम सङ्क्षी भगाते ही क्यों ?" इस पर बह बहुत अकड़ मुस्स्तमान था." मैंने ब्हा--"हर्राग्य नहीं. बगर तुम सबसुब सुसल-बाब दुमने बड़की भगाई बी?" कहते लगा-"उस बक भी मैं यास बहु बहुता फिरा-"मेरी इज्जात बचाइये, एक ग्रसक्षमान की पूर्वा "बाई इस बक तो तुम असलमान हो लेकिन उस वक तुमक्या निरती हैं, गंदे नालों में बदल कर रह गईं और उस महासागर की साफ और पवित्र निष्याँ, जो सब एक ही महासागर में जाकर का अपने पेट भरने का बरिया बना सिया. और धीरे धीरे घंसे को भी मूख गई जहाँ जाकर वह एक दूसरे में घुन भिन्न जाती.

के होता आता भारहा है भीर इसने एक ही तरह जीने भीर गरने क्ष अपूर्ण के बीच नकरत और बेर की एक बड़ी लाई डालरी धर्म और मञ्चहन का यह रालत इस्तेमाल बाज से नहीं सिन्धों

of Color Com your on the way معرفی میں میں کی جائیں۔ معرفی اور اور اس می ایک ان طری جے اور مرت معرفی اور اور اس می ایک ان طری جے اور مرت معرفی میں میں میں اور مرت الدران ، جرب ایک اور دمور وصوب وحومی کی صاف اور ایران ، جرب ایک ای مهاسگری جارگی این اکن سے نالیل ایران ، دوگین . اور این مهاسگری میمول کنین میال جام からなっているいによいとうという العلم ایت بی دعوم ای کولوان کی جزاور جیکو در ای تبیاد کفت ایک ایک دعوش می مجد جیوک اور مکار مسکیداروں کے ایک ایک دعوش می ایک مردمات اور میالت کو ایت مرط के स्टें الاستان الموسان الموسون الدر يقون كور الموسان الموسان

ज्या सन् '४८

मा और वह इन्सानियब के ड्रुदरती बज्बे से महरूम हो कर बज्बे बज्बात का शिकार हो गये हैं:

नाम युनकर असको कुछ चलमान सी महसूस होती है. एक भौसत क्बें का बिन्दू और असबमान हिन्दुस्तान की पुरानी तारीख 📫 पाक भीर बुचुन हस्ती में कोई गुन नहीं देखता बल्कि उनका बिये बद्माम कर दिया. बाज एक हिन्दू बजमेर के ख्वाजा साहब मं संदिर तोड़ कर इसलाम चौर मुसलमान दोनों को हमेशा के बारीखा समक कर पढ़ ही नहीं सकता. उसे यह खयाल भी नहीं जाता कि डन पुराने कोगों ने, जिन्होंने धर्म को ज्ञपने निजी स्वार्थ पुराने हिन्दू या मुसलमान सचा के क्रावित ये तो उनकी सचा सी साझ पहले किसी हिन्दू शकिम ने किसी मुसलमान को करत क्षेत्रा से सदाई में जीत गया तो क्या और जगर श्रव से दो ढाई बार भाँच सी साझ पहले कोई ग्रसक्तमान बादराह किसी दिन्द क्षक ऐसे नचे सीचे में डाला जाय जो इन्सानों को सबसे पहते संबंद, पक दूसरे के बारे में रालत कहमी और नकरत की पड़ी आज़क्स के हिन्दुओं और मुसलमानों को कैसे दो जा सकती हैं ? समय जा गया है कि इन्सानों के दिलों को पुराने शक और क्षेत्र धर्म वा इसलाम से बास्ता ही क्या ! और अगर हरका दिया तो क्या ? सड़ाई भगड़े और मारकाट करने वालों को हिं बिने इस्तेमाल किया था, धर्म से ग्रहारी की थी. जगर जन से हुई मौर बसी हुई बूस से साफ कर दिया जान और उनकी ाव पक मुसलमान यह सोच भी नहीं सकता कि महमूव एक खुटेरा और सिर्फ एक खुटेरा था जिसने सोमनाथ

ای ایک مسکان برموج می میں مکتاکہ محد مولئ مجارات مرف ایک گیرائقا میں نے مومنا تقرکا منط مع المائية ع قدل جنب الدي وم المر الدي من المدرسان الدرسان الديسان المديد وي جاستي وي معرب المرادن من دون و ورادن فالمرادن و المرادن فالمرادن و المرادن في المردن و المرد المدسان می برای تاریخ و تاکیدی این این این میگار استان است میشال مین بهین این این که ان ترا استان و هوم که این مجلی این این این میشارد ازم ستانهای میگی ایک این ستانهار اور کراپ سے دو ڈھان کئو سال ہے۔ ملان کو متل کروادیا قدمیا به روان مختا سالى بادشاه كسى متدوراما ないまといいいない في والون مو بنده يا مسال من الم ころがでしてして سلال دولال いっとかいかとい

जलियानवाला बाग की कुछ यादगारे

(भाई रामजी बर)

स्वर्गीय दीनबन्धु एन्ड्यूज का सतसंग

काला। निरवारीकालजी. वह भी एक मार्च के व्यक्ति थे. इनकी वारीक में बारो कहाता. निवाच हासिक हुये. आप पंजाब के जलमी दिल पर सरहम न्लगाने बहीं टिके बे जहाँ हमारी पार्टी बी. हमारे मेहमान का नास बा किये पहले लाहीर तरारीक लाये और फिर अमृतसर. आप भी - अभृतसर बोटने पर सुके स्वर्गीय दीनवन्धु सी० पफ्त० एन्ड्रयूच के

चेहरे का बक्रया पक खूबसूरन तसबीर भी, जिसमें उनके दिल व दिसारा की भनमोल खुनियाँ कलकती याँ शास्त्रा नहीं रखते थे. इन्सान की खिदमत बनका धर्मेथा. जनके पन्यूय धाइव किसी राजनैतिक मत या मन्डली से कोई

ध्यान से कान सगाकर द्वानना पड़ता. जी यही चाहता कि उनके पास इसर करने वाली. इतनी धीमी चावाच में वह बोलवे कि हमें बड़े माप धार्ष समूती कपरे का कोट मोर पतब्रत पहनते थे. जन्म किनो नेकर बनके पतब्रत और कोट में सरो थे. चनकी बोली बड़ी नम्न , मोली और मीठी थी. दिख पर फौरन न हरें. बनकी शिंखसंयत में एक बाक्षेण शक्ति थी. इस अवसी वनह में अने दिख की बच्चाई और सकाई

الم يعد ان مع بعلون الله توث عن الله تا

CELATION. (316 x 120 cm)

ملی این دیمی اوالدی این جامها کری ک می دایس این کی صفیت می ایک کافتی نشی کلی می دامل وم می ان سے دل کی سخان اور صفان می دمی می کوید کا میٹ امد شامان میست کی تھے۔ وسلكما نفتغه ايك خلصورت تصوير يقى احبن مي ال ماحب من دای بید من باسد در سه من موسود فرد می مواد دی بنده می راید. انداوی می اید انداوی می اید می ای ای تھے۔ ان کی توقیق میں تاکے کووں کا ۔ میں دائی جیک میں یا مذال سے کول ل وحدة كل انتول خديال مبلكتا تعتين. عن كل لول يزى زم/ ميول اوريقي تعي - دل ير منطع على - إنني وهيمي أوازين وه لو لتة كر إيس مرامرتس أب مجي ديان على محم ج موركيد وين بناحلوا تدماية كاستديك

बहा हैन्स वहाने में बड़े महिर थे. उनका बताय उनके जिये प्राचीन और दुनियों की किएमत करने का पक बढ़ा पुरचसर

पंशास में छन्होंने जो इन्हा देशा और जॉन पड़ताल की उसे बड़ी सूत्री और सन्दार्श से लेखों के करिये कालवारों में कृपना दिया आकि दिन्युत्तान को पंजास के बारे में आनकारी हो और वह बखने हुल को हूर करने के लिये इन्हा करे.

मैं बन्द्रपूष साहब को शक धर क्रलम बलाते देखता था. मोजन भी कनका सीवा-सादा था. बनको प्रकृति (नेपर) से बढ़ा प्रेम था. इस सब बरामरे में रात को सीने लगे मे, क्योंकि सर्वी शुरू हो बली थी. मगर पन्द्रयुष साहब अपनी बारपाई

बारपाई बनकी बहुत पसन्द थी. बारपाई में बनको देहाती अरीमरी तथार भाती थी. घीर वसको बहु सेहत के लिये बहुत बाब्धा समस्ते थे.

मैंने पन्त्रपृत्व साहब से पूछा--"माप सरवी में कैसे खुने में सीते हैं ?" उन्होंने जवाब दिया--"ज्यों उगें सरदी बढ़ती जाती है में अपने उत्तर कन्यलों का नन्यर बढ़ाता जाता हूँ मगर जापना मूँह कभी नहीं बँकता गुन्ने चासमान के तले सोने में एक जास धानन्य जाता है."

कार्य सहित के बेहरे से अने टपकता था. बह श्राने

الدور میں جب اور تھے۔ ان کا عمران کے لا اور میں ان میں نے جوجہ وقیا اور مان کی اور ان کی اور اور کال سے میصون کے ذریعے ان اور میں جو اور اور دو اور کال سے میصون کے ذریعے ان اور میں جو اور دو

المردور المرد

4

सामा जान कर्तन किये जाप करीब ३० बरस बीत गये हैं, फिर भी जनके करिरतों जैसी नेंक, भोली जौर-नम सूरत चब भी आकसर मेरी जॉब्सों के सामने फिरती रहती है.

प्पन्नपूच साहब का मैंने गुजरानवाला के तजरबे पूरी तफसील बे धुकांचे बे. कहोंने बड़े ध्यान खौर हमदर्श से मेरी कहानी सुनी. कमी कभी जनकी चाँकों नम हो जाती और कभी उनका लाल चेहरा चौर भी वनसमा चठता.

क्योंने सुकते बाबा किया था कि वह गुजरानवाला के अपरिन्टेन्डेन्ट पुक्तिस से चहर मिलने की कोशिश करेंगे.

अवियानावाकावारा के करलेकाम का जब विक हुआ तो क्यू वाहब ने एक सबा किरवा मुनाया. कहने लगे--"मेरा क्यू आनसामों हैं को पहले की कर में नीकर था. वह मुकसे कर यह का कि अस रोब अवियानवाका बारा में कुन वहांचा गया, वह क्ष कर में काम पर हाजिर था. मरीतगन बज़वाने के बार अमर बड़े जोरा में कर में बीटा और उसने जानसामों से के बड़े परवे काम में वा आरे अगर के में वा आरे अगर में अपने कोर की सामियों के बड़े फ़ल के साब कहा--"आज मैंने दो हजार से कम का शिकार के बड़े फिया." बानसामों दूटी-कूटी जंगरेकी समस्करा था. मैंने यह सिपोर्ट बचने तकरने तकरने की पंतित मोतीबाल की नेहरू को भी के बड़े थी थी.

70

रूप से सीची ज़मीन इप्रवेदी सबसे पहला काम जो इसने किया था

ब्रुत सन् '४८

की पुरतं थीं. कहने को वह बारा था. शायद किसी खमाने में क्ष समय वह एक खेंचहर सा महाता वा जिसके वारों तरफ मकान आसीन के दर्शन करना. बाज तो उस जगह की राकल दूसरी है. बह का अक्षियानवाका बारा की राष्ट्रीरों के जून से सींची हुई सूची क्षमीन के कौर इस्त न था. एक पटा हुटा इस्तों भी था बहाँ कूल हो मगर जब हमने उसे देखा तो वहाँ सिवाय जिसमें न मासूम कितने बेगुनाह हिन्दुस्तानी चिन्सा गिर कर दक्षत हो गये थे. इसमें मर्दे, श्रीरतें, बच्चे, सब ही

नरसाई थीं, उस दिन शहर में एक मेला भी था. उस की वजह से डाकर ने धोका देकर एक पन्तिक-मीटिंग पर मशीनगत की गोलियाँ इस मीटिंग में इजारों की निन्ती में जास-पास के देहाती भी जावे कहा जाता है कि जिस दिन जलियानवाला वारा में जनरंत

मिट्टी की बीबारें वी भीर कहीं कहीं इन दीवारों में बरसाती पानी मैसून में से बाहर निकलना भुराकिल था. अहाते के बारों तरफ अवजा वीर पर घबराइट में इन नालों मे से निकतना चाहा था दीवारों क्रिक्तने के लिये छेद बने थे. लोग बब भागे तो उन्हों ने . छुरती गोली ब्लाने पर अब भीड़ तितर-बितर हुई तो लोगों को उस

क्षेत्रमें के बन्नत से स्मृत मिला मा कि इस श्रेमोर्ट के े ऐसे मीकों पर बाबिस बाबर के बिथे निशाने अच्छे थे. इसे शाम क्षेत्र से व्यापा जोग जर कर तिरे ने. च्या कारा है कि क्ष. पर

יאט פני יט

नेती का बर करने मांडा पर पत दो थी. विकाही गरंबी और बन पर से सोग बातते के 世界活

बोरा में काफी दूर तक इन गबियों में आकर बेहोरा होकर गिरे बौर इस मरे चौर इस पेते ही पढ़े रहे अविधानराका पारा के पार्री तरफ गतियाँ वी. बखमी स्रोग

वितमें करने जैसी कोई चीन बिसी नो. उनका कहना ना कि नह नगर इस को बहां के रहते बाज़ों ने बाध-बास दीवारें दिलाई हिंसानों का खन था यो इस वक्त तक मीबूर था में भारांबा के खरम होने के ६ महीने के बाद बहां गया था.

श्रमित्वन की गोबियों के काफी मिरात मौबूद बे. अवियानंबाता बारा के इद्-तिष्ट्रें के महानों की दीबारों में भी

के बर कर बोर्गों के बूरो, को यह चवराहट में छोड़कर माने बे, इताहर फिडवाबे गये थे. दम ने बोर्स ने कहा कि इसके चाम के बाद क्स बगह से

भी मेरे एक व्यवीच के बेंगले के ब्राहंग रूम में शीरो की चालसारी म को दिख्यत से तकता है. रेड नन्दे से बच्चे का खुता गुक्ते भी भिवा था जीर बह जात

एक बहादुर सी

में बार्व भी सुनी थी. बियानवासा वास के बारे में इसने बनता की बड़ी बहातुरी

का शुक्रमाना किया था. मगर सबसे पहातुर तो एक बीर कराने ग्राम में बहुत निक्र होकर बनरक बाबर को मशानगन

Alcunt.

مالان والا ان کے ارد گرد کے مکافوں کی دفواروں میں استخطاع میں کے ارد گرد کے مکافوں کی دفواروں میں استخطاع کے استخطاع میں میروزی میا کے بھا ہے کہ میں میروزی میں کے بھا ہے کہ میں میروزی کے بھار کے بھ

نة كالمن على المراجع على الإنتااور ده أن في ميرا المن الله سي على الرواعك ردم من تنيت كي الماري يس のでっている

William Commission in and in the way らずるとう

की भी. अब करे बंधा बना कि उसका परि या बेटा (सुके के बाद नहीं) मारा गया, तो बह फीरन उस नावुक बंक में बंधेर कुन परवाह किये करकेशों उस संगानक जगह पहुंची. बहार खारों कारों पड़ी थी. बख्मी बीख रहे थे, तक्य रहे थे. शाम हो बनी थी. राहर भर में समाटा था. एक हूं का बालम था. हर बगह कीजी नवार माते थे.

येसे बराबने बक्त वह बहादुर हिन्दुस्तानी स्त्री अपने सन्बंधी के पंत्य आकर बैठ गई और इस मरे या अधमरे सन्बंधी का स्थिर अपनी आँघ पर रसकर इस क्रमस्तान में रात मर अकेसी भगवान के भरोसे बैठी रही.

कहा बाता है कि रात को इत्ते बारों को का रहे वे चौर क्ष्मीय बाते भी मुर्गे को बोबें टरोल रहे थे!

सेसी बड़ी में और ऐसे हालात में वह बीर स्त्री वहां उस समय तक रही जब तक बसकी मवद को लोग न बाये.

बन्द विद्यो

हमने बित्रधानवाला बारा के बार्से तरफ के रहने बाबों से मिक्कार बधान किये से भीर वनसे बाँबों देखा हाल श्वना बा हम एक दोगन्धिले मकान में मकान बाकों से बनान के रहे थे. इस मकान के कमरे में मुक्ते एक किड़की दिलाई दी. बह

Constitution of the consti

अर विक मेर

रात अकार वाले से पूछा--''इस सिक्की के पीछे क्या है !" क्सने क्या "ललियान वाला वाता."

"बरा सोबिये. में देखूँ यहाँ से बात केसी नवर भाता है." मैंने पढ़े साबारक तौर पर कहा.

"नहीं साहर." उसने चौंकडर खकाब दिया. 'भैं नहीं सोस्ता.'' 'भ्न्यों ? क्या बात है ?'' मैंने ताब्जुब से पूछा.

महानवाले को पुरानी याद ने कौर भी बदास कर दिया. बसके बेहरे पर वर दिखाई दिया. बोला—"मैंने बस दिन से भाज तक इस किंद्रकी को नहीं खोला....मेरी हिन्मत नहीं पढ़ती...न मेरा की बाहरा है... अप समम नहीं सकते, हम लोगों ने बह रात केंसे पुषारी थी....रैकेड़ी बादमी एक साथ रात भर पीड़ा से बीखते विकास रहे... बस बसका विकास लेहिये..." मकलावाले ने कांक कर करती. ऐसा माबूम हुआ कि बसके सामने बही मंगेड़ हरस बसती हप में फिर लीट काश्वाहो.

बकात्वाले ने लिड़की न लोली. मगर मुकते न रहा गया. मैंने क्ये लोलकर एक बार फिर एस पवित्र भूमि के दर्शन किये बिलामें दिन्द, गुसलमान चौर सिक्लों का खून मिलकर बहा

१५ श्रुप की हन्तिहा

ना सी जप्तसर का चिक्र हैं. एक रोज एक हट्टाक्ट्रा, बढ़े

की हुनी हुई नार्वे हुनाई जो इसने बहुतों से हुनी थीं. फिर क्षेत्रने कापनी काप बीधी बचान की. कहने लगा—"हुके पुलीस में बिला किसी बजह के पक्क कर इवालात में बन्द कर दिया. की बार रोख ऐसे ही रक्ता. फिर हुक्तसे कहने तमे कि बगर मैं बारू क्ष्मूल करलें कि जानटर सरवपाल और जानटर किचल गोला बारू बनाने की साजिया में रारीक थे, तो पुलीस हुके

मैंने पूछा 'पोला बारुद कैंसा ?"

"बाबी सहब ! वह बाहते वे कि हमारे नेताचों के जपर बांगरेखी सल्तनत के खिलाफ बगावत का इलवाम लगा कर बन्हें बहुत सकत सवा हैं." बसने सुन्के समन्काया.

'किंद्र तुमने क्या बवाव दिवा ?" मैंने पूछा.

बह बोबा—"मैंने साफ कह दिया कि मैं अपने नेताओं के क्रिकाफ सूटा इजखाम नहीं लगा सकता, चाहे वह मुक्ते मार क्रिका इस पर क्रवोंने मुक्ते असकावा, मारा, डराया. मैंने बराबर क्रवार क्रिया."

"किर क्या हुआ ?" मैंने पूछा.

"किर वानेशर ने पुत्तीस वालों से श्राता किया तो उन्होंने बाबरवृक्षी मेरा शाब पकड़ कर एक बारपाई के पाये के नीचे इसा विवा ब्यौर उस बारपाई पर हो आइसी बढ़ कर बैठ इस्हे 199

हुमको बड़ी चेह समी होगी....तुमने केसे बरहास्त किया ?" सैने चीच में रोक कर जल्दी से पूजा.

White with a win with the wind of the wind

यहा...बानेदार इत्रसी पर बैठा तमारा। देखा रवा था और इत्रमा गुक्गुड़ा रहा था...जब ७८ने देखा कि अन्ते तक्खीक में जिन विषय वा कि वाहे जो हो, मैं चपने बेताकों पर मूटा इतकाम लगाने में हिस्सा नहीं लूँगा......मेरे हाव में बना । यह हो रहा था सगर में दांत दुना कर चुन बैठा ज्यादा हो रही है तो नोला ''अपन भी कृतूल दो."

वियों को पारपाई पर नेठने का हुक्स दिया चौर बह खुद भी प्राच्य बैठ गया" मैंने गरदन दिखाकर इनकार किया. इस पर उसने बार और आह-

" का...ऐसा खुत्म ?" मेरे मुँह से खोर से निकता.

ने फिर समले कहा कि मैं भूटा बबान दे हूँ. लेकिन मैंते ऐसा रता संबर न किया. " हैं था. में कराइने खगा. जाँसों से जाँसू निकल पड़े थे. थानेरार हिंदि बाद चारपाई पर से सब बतर गये. मेरे हाथ में सखत " बस मेही बातवा हैं कि छस बक्त मेरी क्या हालत थी.... स्मिहर ने फिर मुक्तने क्रमूलने को कहा. मेने फिर इनकार किया.

" दुसने कसाबा किया " मैंने उस बाट की तरीक की

विद्रों ने इसारे क्षिये कियनी क़ुरवानियां की हैं और इस बनको बिरों के खिलाफ सूटा इसचाम संगाने में शरीक होता. इन बा बोबा-" भाई बी ! मेरे जिये पाप था कि मैं ऐसे सुज्जन

स्मा रेते. ब्यू हुस्को न्द्री हो सक्ता था.. मगर... " कती तक को ब्यू ब्याहर बात ठंडे दिव से अपनी कवा हुन।

" क्या हुआ साई! एक क्यों गये?" मैंने धीरे से कहा.
बा ठंडी साँस लेकर बोला—" मगर इसके बाद बस बेरहम
बाक्षिम अनेदार ने सिपाहियों का हुक्म दिया कि लाल धयकता
हुआ तथा उसके हुक्के को चिला में से निकाल कर मेरी हियेली
भर रखाई."

बह सुन हम सब को एक घक्का पहुँचा. " अलता हुचा लाल तवा जनरहस्ती मेरी हयेली पर रक्सा

राथा.... खाट की खाबाच कॅंवकॅंवाने लगी खौर झॉलें नम हो गई. इसारा सब का भी बोल बन्द था. खुल्म की इन्तिहा थी.

बाट ने द्वाय बोल कर हमारे सामने रख दिया और घरि-भीरे टोकर कहा—" यह देखिये.... तबे का निशान... मैंने... इत्र प्रेर तो भीर बरदारत किया ... मगर ... बाखिर सह ... न .. संका ... तो ... सुके .. ला ... बारी ... दरजे ... भूटी गवाही ...

बाट भूट-फूटकर शर्म के मारे रोने लगा. उसका बेहर रंज ब शर्म थी कि उसको अपने प्यारे लोडरों के खिलाफ फूटा बयान

हमने उपकी पीठ पर हाथ फेरा और उसकी बहादुरी की वारीक की और बक्कीन दिलाने की कोशिश की कि उसने वह काम किया की कम इन्सान कर सकते हैं.

मार मह की कहा था की वहा यह किया .. में बर

Accepted to the state of the st

। धीर न इब्बाता तो ज्यादा घट्या होता. "

श्मारे अमृतसर के मेज़बान की तारीफ्र

में हर बक् मुस्तेव. बापकी बस बस बक् शावद ३५ बरस की होगी. टिके बे. बाप कर में छोटे थे. सगर बदन के सजबूत बार कास करने निरंघारीलाल जो के घर हो में हम लोग काफी विन अमृतसर् में विसंकरने में की थां जतनी शायद बौर किसी ने न की होगी. साने के चाप खुद बड़े रोहिंगन ये चौर मेहमानों की सातिर विसनी मदद भी गिरभारीकाक जी ने मोसीकाल जी भौर चिटी को बयानात इक्ट्रा करने और घसली बाक्रयात

धरांससा के खमाने में आपको बढ़े बढ़े तजरबे हुये थे. है जान पहचान थी. समाज के हर तबके से जाएका मेल था. क्रिं अध्वतंत्रर राहर की रिमाण से—गरीव व रहें से—काप

। बा, "सुके सबसे क्यारा सुलक्षा हुआ धोर काम में मुता धारर स्थानित से राजा करके मोतीलाल जी के पास लावे जनको जनानी मोतीलाल जी उनकी सुसीनत को कहानी मारीला के जमाने में इनके ऊपर बढ़ी बढ़ी जमारते. बाप सहर के बड़े बड़े रहेंसों से अकेले में मिलते और उनको धापके बारे में एक बार मोतीबाब जो ने वारीक करते हुथे । भर में कोई राख्य कीला है तो वह गिरधारीलाज जी हैं." जा हता अवक्रीत हो गरे ने कि मोवीवाल जी का दिल में इनके जपर बड़ी बड़ी बाहतते

> ワーク بهارم المرك ميزيان كالعرفية このこうで ざり

के किया करते हुने भी हमझे दिस्सत नहीं पड़ती थी कि अनके पास बनान देने था बनके रहान करने थाये.

गाम के अब सूरअ द्वा आता तब इन लोगों की गिरवारी संग्रा की किये तौर पर अपने साथ बोड़ा गाड़ी पर ले आते और पंडित की के साथ किसी बाग़ में तैर करने के बहाने इन देशों के से ला कर बहां इनके क्यान सुनवाते.

और न साबूम कितने धारीन मुखतिलफ देशतों के जाटों में भिराबारी बाल जो ने बुजवा कर बयान दिलवाने थे.

जितने बिन इस गिरधारी लाल जो के यहाँ रहे, वह धुवह से शास तक चपने ताँगे पर दिखाई हते. उनकी हर घड़ी यही कोसिश गड़ती कि मोबीलाल जी की जाँब-कमेटी की सदद करें. गिरधारीलाज जी का स्वभाव बड़ा उरज था. वहें प्रेम धौर समूर्वी से बाद बीट करते थे. इसारा उनका रिशता बोड़े ही बिनों की अब में भाई माई का सा हो गया था. काफी वेतक्ल्लुकी के बाती औ

पंजाब में स्रोग ज्वादातर खाने में रोटी या वराती का इस्तेमांब करते हैं. इस भी बहुत दिनों से रोटी ही खा रहे थे. मेरा और खबाहरखाल की का पावल खाने को जी पाहा. घाम तौर पर करमीरियों को पावल ज्यादा परान्द होता है. इसने दो पार बार निरुधारीकाल जी से पावल बनवाने की इच्छा चाहिर को. वह मुसक्त्राकर रह कारे और कहते "चाजी चावल क्या लाकोगे."

शासिर बार बार करने पर करों ने बाबस पकाने को जान

का सम्भा

मोबन के क्या में कीर शांतिबन जनाहरताल को भी बड़े शोक के बादित की कमीद में बैठे. बहुत दिनों के बाद पावल के शुक्राकात होने वालो थी. बाती सामने चार्च, उसमें तीन पहर प्रकार के पावल की क्रिसों थीं, किसी में होते निले थे. कोई और भिक्षा हर बना था, वह में मोठा मिका था. सब बी है साथ पदाने गये थे.

सगर साथा चावल-जो हमारी असली खनाहिरा थी-वह

भी यही दरा थी. जहाँ तक सुके याद है हम दोनों ने गिरवारो 40 464." हुने सबूती हुई. मेरे खयात में जवाहर जाता जी के मन की ी से ब्हा-- "मरे भाई सादा चावल कहां है ? बही तो

是我的我想到我们的母母!" , उन्होंने बबाव विया-'धादा चावल पंजाब में मरीकों को देते

अपी से चौर इसारी खातिर ह इज्जत के खयाल से इसे सादा क्षाने से महरूम रक्ता. इस पर इस सब ,खूब हॅंसे. गिरबारीबास जी ने बड़ी नेकती-

सगर इसरे दिन उन्हें बनवाना ही पड़ा.

एक चर्चा सिम्रत

पंचार की और क्रोटी का काम खबस होगया. हम क्रवने, चर र लीट जाने. एक खाळ बार मेरी शारी हुई.

ال من من حال من عامرال على من كالم الل عن موال من عند عامرال عن من كالم الل عن من كما - "ارت منال كالما ما ما ما كال يرساط عاول - و مادى الل موايش منى - وه

ومساطا عادل بجاب ين مرتبون

शाम का बक्त था. में दूल्हा बन रहा था. बरात रवाना होने

बाहते हैं. एक मिनट का काम है." किसी ने सुके सुबना दी, 'कांई साहब छापसे कौरन मिलना

में बाहर गया. वेबा तो हमारे च सत्तर के मेहरवान मेज-में हैरान, कीन हैं और क्या काम हैं? वह भी ऐसे मीक्रे पर.

'साला भरवारीसाल जी…..जाप कव जाये ?" मैंने

समा में भी जानी जानी स्टेशन जा रहा हूँ. मेरी भी रेज जूटने हाबिल हों, नगर उन्होंने माकी माँगी और कहा-"चरे माई मुके संबा, साक्त्रो तीजवान मिला था. मुके डसकी बारी और धाक प्रमृश्य साहब से तुन्हारा जिक्र करते हुवे कहा-'शुमे एक बबा सुपरिन्टेसबेस्ट पुलिस से मिले थे जिसने तुन्हें बन्दरमपकी दी थी. डसने सवन आया था. मुके तुमसे एक व्यक्ती बात कहनी थी. वह एन्ड्र-अभी बापस सीटना करूरी हैं. किसी करूरी काम से आनन्द कभी रामजी से मिलोगे कह देना, एन्ड्रपूज साहब इस युव साहब का पैताम है. इन्होंने मुक्तते ताकीद की वी कि जब बातचीतं बहुत पसन्द आहे. 'धन्डबूच साहब ने ग्रुकते कहा बा क्षा व्यक्तिकेट तुन्हारे करे में तुन्हारे कान गर्क जन्म मैंने उनसे बहुत इसरार किया कि हमारे मेहमान होकर बरात में बोले--"मैं जानता हूँ तुम नौशा बने हो बरात बलते बाली है

عراد المستواديان وها محاس عمال

STATE OF THE STATE

ه موينادي، وكل صاحب كي ع

क्त बर् '8

आविषत है. पहले रोप में बाना चाहता है. टकर साहर इत्र ह्या वनका" मैंने हंतकर कहा—"काँगोब को कह ख बर्ग बहते चाम मा."

रहर की स्वरेशी तुमावध में बर्शन हुवे हे. वह मेरे आमने जाकर हे हो गये भीर मुसकराते हुये कुरू कर कहाने बन्दगी की मैंने बड़े सौर से डन्हें हेखा मगर न पहबाता. कर बरसों बाद एक बार क्षी गिरधारीकाल जी के अवानक पिरपारीकाल जी से माझरी सुलाकात

राप को नहीं पहचाना." ह्या पड खमाने में बह जासे वन्द्रकता चीर मोटे वाजे ने चौर नाबिर सके पृक्षना पड़ा—"ज्ञाप अपनी तारीक कीकिये. मैंने

करने सने 'में मरते मरते बचा हूं. मेरा मेदा विश्वकृत जवान अके इनके शरीर की यह दरा। देखकर बढ़ा दुख हुआ. "मैं गिरघारी लास हूँ." छन्होंने सुसकराते हुवे बड़े प्रेम से कहा.

क्सर चाचा करता। शबें बाद फिर बनसे मिलना नहीं हुता. सगर बाद बनकी

The State of the S

من برمد بعد ایک بدخری گرمهاس الل یک سی مرسی میلین به شری بدخری این میلین این با میرسی میلین به این میلین در می میکین میلین این میلین این میلین میلین این میلین این میلین میلین این میلین میلین المن في عرف المنس فيها كرد يبينا. المسالي الري عاش الاعات

المن المعالق الرائي ولا يجاري ي الما الماري من من من من من الدمرة الدم معلى الله من " المعن في شكرت بوء فرب

على يمزيل من شاعك فرا دكه بها. على من مرحم و تاكي بون مراسه بالل جاب

रत्नाम बोर मृतिं-पूजा

of Carro

(पंडित सुन्दरकाल जी)
जिल्लाम निर्फ जिक निराकार जोरवर का मानने वाला और
मूर्ति-पूजा के खिलाफ है. बारव में जीर जुसके जानवास लोगोंको
को हाज्य थी, जुसमें मुहम्मद साहव ने देख जिया कि लोगोंकी
बाएसी जुट, जुनकी निराबट और सुनके दुखों का सबसे बड़ा
करह को जानी मानवाचाँ और राज्यत रीव-रिवाज से. जुनकी तरह
करह को जानी मानवाचाँ और राज्यत रीव-रिवाज से. जुनकी सारी
बुनर जिन बुराजियों के खिलाफ प्रचार किया और ज्यापने जपने
बागा चला देवी-देवताचों को खोड़कर सब को चर्क निराकार
अन्त्याहकी जिवायत करनेका जुमदेश दिया.

हुनिवाके मजहबी जितिहास में यह कोकी नकी बात नहीं थी.
हिंदी में दिन्दुलान के बन्दर क्वीर सहब बोर गुरु नातक, राजा
प्रमाहन राम बार स्थामी त्वानन्य ने बुले और कमी कमी करें
सम्मी में हर तरह की मुधिं-पूजा के जिलाफ खुपरेरा दिया है. गुरु
सौबन्दिसह ने बोर्राच्चेव के नाम खपने मराहर फारसी खत में
बुचिव समिमान के साथ बपने को 'बुतरिक्तन' बताचा है. खासकर
क्यूदर्शी सर्वों के बादमें देश भर में सैकड़ों सन्त-महत्साकाने मृदिधुक्क खिलाफ बिस सरह का अपदेश दिया है.

कर कुछ गरम-मियाज और कट्टर ग्रुसलमान बादराहों को करत्-को कबहसे, बहुवसे लोगोंकी निगाहमें, जिस्सामका नाम चोक क्रिय किस की चीर वेजा बुतिशक्ती के साथ जुड़ गया है.

المعروب المدارات التحديد المال المدارات والمال المدارات المدارات والمال التحديد المال المدارات والمال المدارات والمدارات والم

विकलाती से बहुत्तरे परे-सिसे मुसलमान भी श्रीते हैं, सो श्रपने इन सम्द्रमहों को श्रेसी करत्तोंकी वारीकें करते हैं और जुनपर हिंसे अपनिको क्या चाझा है और खुद मुहत्मद साहबने हमारे करते हैं. जिसबिधे इस बरा यह देखना बाहते हैं कि जिस प मिंधांब रखी है.

सौरीन करना, जिसे कोची पूजवा है, कुरानके हुक्सके खिलाक है, हैंबी-देवताओं या बुतोंकां) दूसरे लोग पूजते हैं, खुन्हें बुरा न कहो (६-१०७) ?" चिसिबिये किसी चैसी मृतिको तोइना या चुसकी हैं सूर्यियों थीं. सक्के और श्रासपास के लोग श्रुतको पूजा करते हैं सूरान में गवर्तरके जिस कामका जिक्क श्राम है, और जो ब्याकत स्ता करने मार्सो पर बाबी, बुसे 'बल्ताह की मेजी हुवी' बताया क्षांची बार्यसाहक मांतहत था. बहाँके घीसाधी गवनेरने छावेके दर बर इसका करके खुसे गिरा बेना चाहा . काबे में खुस समय सुहम्मद् साहब की पैदायराके बक्त यमनका सुवा अवीमीतियाके राज्या साफ हुरम है—"बोर बल्लाहरे सिवा जिन्हें (जिन

हरमान सार्य, जर्रो वर्ड हो सक्ता था, काबे ही के सन्दर नमाच बंगीने क्या विशास रखी हैं. पैरान्बर होने के बहुते १३ साल तक, बे. यही सकाह वह अपने सामियों को देते थे. पर कमी त्व हम बह देखें कि विश्व नारे में मुहत्मद साहब ने हमारे जुन्हींने विभारत के बन्दरके किसी बुदकी दौहीन नहीं की को करने थी. जब कभी घन्नोंने कानेका किया, और अब जब सोगोंको बुतोंकी

O TOWN TO

م الاستاك التدك موا مجعيل (بن وليما

المرادة وي بي مي المع ا المجلس من علیت می اعدی کورت کا المجلس من علیت می اعدی کرمی میت کا 大き

ही गाँठ राज्यम की .

पूजा से हटाने की कोशिया की, तो कुरानकी आज्ञा के अनुसार, बहुत

्यान्मद साध्य भौर चुनके सब साथी 'घोइराम' बाँधे हुन्ने थे, जो इण्जके सास कपड़े होते हैं. हज्जके दिनों में हथियार बाँधना भौर सम्मे दिलाको देतो थीं .तुरन्त क्रुरानमें भौड नकी कागत नाभिक्षेद्वभी—"जो लोग सका और मरवाका तवाक करें, श्रुनपर मुक्क्समान किसके . शिन दोनों पहाड़ियों के श्रूपतकी मूर्तियाँ खुली थीं कोची विश्वास नहीं है, क्योंकि वे भी अल्लाह की निरानियों **कुत अ**न्दर ये श्रोर बाहरसे दिलाओं नहीं देते ये/. पर जब सका कुरिक्समानोंने कालेका तवाक (परिक्रमा) तो कर लिया कालेके बक्कर लगाये. ३६० के ३६० ब्रुत काबेके बन्दर मौजूर थे. वीन दिन तक मुक्त्माद साहब भीर भुनके साथियोंने मक्केमे रहकर बौर भरवाकी पार्क पदादियोंकी रस्में खदा करनेका वक्तत आया, तो अमले साल अहम्भद साहब दो हजार मुसलमानोंको लेकर फिर खाये; समम्बेता हो गया कि मुसलमान भिस साल लौट जावें और फिर विकासत बाही. मुन्हें इक था . क्रुरेशसे बातचीत हुनी . यह सना है. सुस्मार साहब और भूनके सब साथी निहत्थे थे इंबर्की सब रस्में अवा कीं. खुन्होंने कार्वके चारों ०रफ सात श्राक्ते साल इंडजके दिनोंमें श्राकर तीन दिन तक सक्केमें ठहर सकें 🔅 धुन्होंने भपने और भपने साथियोंके लिखे कानेकी जियारत करनेकी १८०० सुसबसानों को लेकर सक्केकी यात्रा की . हज्ज का महोना था. मदीने चसे जानेके छह धाल के बाद मुहन्मद साहबने Ą

الما العرول أوما

خاص کیوے ہوتے ہیں۔ رج کا دفق ہیں ہتھیار باندھنائ ہی۔ محد میامی اور ان کے مس ساتھی مجھ تھے ، انعمل نے اپنے معد اپنے ساتھیں کے لئے کیے کی زیارت کرنے کی امیازت ما ہی۔ معد اپنے ساتھیں کے لئے کیے کی زیارت کرنے کی امیازت ما ہی۔ مع میں میں اور کے جو سال کے بعد محد صام نے بھر مراسلان کو لیکریج کی یا زال جی کا میں تھا بھر ماب معد ان محسب ساتھی اموام انسے ہوئے تھے ، ہو جی کے الما ي الما من المراسل كاء و وان كراليا كر المسادية مسان میکا. ان دوق بها دلوں کے امید کی مدتباں عملی تغیر اسرمانے میکان دی تغییں. فرت قرآن میں ایک می ایت نازا مون میں وکٹ صفا احد موامی فوات موں ، ان میرکول الزا میں اور اندیکر کے میں افتدی اندائیوں میں سے این الن سال هن مادي اور ميم الك سال جوس دول ين المون مي الك سال جو سادي و الأول المون ا مع جت المد محت الله بالرسى وكمان ميس ويت تفي معقاً لعدم واك ياك ميازلون ك رسي اواكرف كا وتتزي

दिवायत कर दी थी कि कोष्मी काम खेसा न करना, न कोष्मी वात था, जिसे देख भगके चन्द चरसों के धन्दर ही क्षारा मक्का (बुखारी) . चिस हिरायत पर पूरा अमल किया गया . यही श्रेसी करना, जिससे किसी पुराने खयालवाले का दिल दुखे मुसलमान हो गया. शक्रन की रवादारी थी,दूसरों का दिल न दुखे, जिसका ऋंचा स्नयाल मुसलमानों के मक्के में घुसने से पहले मुहत्मद साहब ने शुन्हें

ं तब दी गन्नी, जब सारा मक्का मुसलमान हो चुका था, जब शायद , आपनी जगह से हटाकर अलग कर दी गश्री . पर यह आशा ३६० मूर्तियों में से क्षेक क्षेक मूर्ति, मुहम्मद साहब की आज्ञा से, श्रार मर में श्रेक भी श्रादमी श्रुत मूर्तियों का पूजनेवाला ने रह व्यगती बार जब सुहरमद साहब फिर मक्सा आये, तो काबे की

सक्दी के लहें को जला देने की जिजाजत तब दी गन्नी, जब किया करते थे . दुर्फेल भूनके सरदार का नाम था . दुर्फेलं को भूस सारा क्रवीला मुसलमान हो चुका था और कोजी अब भुस लहे-को पूजनेबाला न था . बतुरीस क्रवीते के लोग पहले अके 'लकड़ी के लहे' की पूजा

ध्रवार के लिखे भेजा गया. बलते वक्तः ग्रहम्भद साहव ने श्रुसे मॉनते हैं, जब झुनमें से कोकी खुन लकड़ियों का पूजने बाला न रह जाय और सब 'खेक निराकार अल्लाह' की पूजा करने लगें, तब दिरायत की कि जिन तीन सकड़ियों के सामने वहाँ के लोग दुवाओं श्रयारा की यमन के तीन बड़े बड़े क़बीलों में जिस्लाम के

ماکنتر مومین کے تین بڑے بڑے تبدی میلوں میں اسلام کے اپنے اسلام وقت محد صاص کے اپنے اللہ میلان میں اسلام وقت محد صاص کے اپنے وقت محد صاص کے اپنے والا میلان میں ان میں اکا اور اس کے اور جانبی ان میں سلان کے کے یہ سے سے کم می مام رہاں اسلام الانجعلي لجما

जुन लकड़ियों को लेकर जला देना.

हो, भौर फिर भी पुराने पूजने बालों की रखामन्त्री से ही कैसा क्या जा सकता है. श्रुस स्रात में है, जब कि कोश्री श्रुसका पूजने वाला न रह गया पत्थर की किसी भी मूर्ति को नष्ट करने की भिजाजत सिर्फ भौर भी मिसालें दी जा सकती हैं. श्रिस्लाम के श्रन्दर लकड़ी-

 चुनके पूजा घरों की हिकाजात करें. चुनमें से कच्ची पूजाघर मूर्तियों से भरे डुझे थे झौर लोग जुन मूर्तियों की पूजा करते थे. हम फिर दोहराते हैं. भिस्लाम सिर्फ अके निराकार झीरबर को श्चसलमानों का यह कर्ज बताया है कि जिन दूसरे मजहब बालों की मदीना सरकार के साथ किसी तरह की सुलह हो गक्षी थी, भरव के हाकिस की हैसियत से सहस्मद साहब ने बार बार

साहब के श्रमल के खिलाफ हैं, भीर श्रुस महान धर्म के श्रूपर करना, जिसे कोषी दूसरा पूजता हो, .कुरान के हुक्स स्त्रीर महस्मद मानवा है. वह दूसरे बहुत से हिन्दुस्तानी और रोर-हिन्दुस्तानी सवाहवां की तरह मूर्ति-पूजा के खिलाफ है. लेकिन किसी भी पुराने ज्यमाने के मरारूर बादशाह का या आज कल के बहके हुन्ने गरम निषाज-बाले का, किसी झैसी मूर्ति को तोड़ना या अपुसकी तौद्दीन

भी बागे गये हैं. चाहिर करती हैं. अब श्रागर सूफियों की तरफ देखें तो वे श्रिससे यह है रवादारी की वह तालीम जो त्रिस्लाम की रुद्द को

जो श्राषाद स्वयांस सूक्षी बहदत-श्रुल-बजूद (श्रद्धतबाद)

من من من من من او ما من من من من من من من من او اسلاً اود مورق لي في ا

يوالذاد خيال صفى وحدت الميد وادمية وادر

्रें को मानते हैं, वे भी अपना यह जुसूल कुरान ही से सावित करते हैं. कुरान और मुहम्मद साहब की हदीसों, दोनों में भिस सरह की है। रोख मुहिबुल्लाने जवाब दिया— 'बिसका मतलब यह है कि कोची माबूद (किप्टदेव) नहीं क्षिया चल्लाह के, यानी वरक विसत्ताम की विस बुनियादी बुरारता को लेकर ही प्रेम और मिक में इवे इके जिन सूक्षियों ने मूर्ति-यूजा के बारे]में बहुत सी कैसी बार्ते भी कही हैं, जो बहुत से पक्के सुनलमानों को पसन्द दुनिया के सब बिष्टदेव बाल्लाह ही हैं.' दाराने फिर बूझा कि की चाम मुसलमानों में बड़ी श्रिज्यत हैं. दाराने रोख मुहिनुल्ला नहीं आ सकतीं. भिसाल के लिखे रोज मुहिबुरता विज्ञातावादी विया—'हाँ, हैं.' श्रिसके बाद श्रुन्होंने समकाया कि सारा सवाज 'क्या जिस्लाम से पहले के जरन की तीन मराहूर देवियाँ लात, बीचें मौजूद हैं, जिनके ये मानी किये जा सकें. मूर्ति-पूजा की बुजा और मनात भी अल्लाह हैं ?' रोख मुहिबुल्ता ने जवाब से पूछा कि 'ता विसाह चिल्तर बाह' का ठीक ठीक मतत्त्र कथा नियत चौर निगाह का है.

के, जिसे 'गुलराने राज' भी कहते हैं, बिहार और पहुँचे हुन्ने सेंसक से जब पूछा गया कि 'बुत' क्या की जा है, और जाने जा क्या चीच है, तो शुन्होंने बवाब दिया-जिसी तरह स्फूरी जयाल की मराहर किताब 'मराहरे नाज

'सबहर' (प्रतीक या निशानी) है, 'ब्रुत शक्ताह की 'बह्दत' (श्रीकता) और 'श्रिरक' का

'जनेष्य बाँचता भगवान की सेवा करने के लिक्केक्सर कसना है

کہ بات میں، وے می ابنا یہ امول قرآن ہی سے تاب کئے ہیں۔ قرآن اور می مام کی عدیوں، دونیں میں اِس کی ک چزی موجد ای ، جی کے لیے منی ککے جاسکیں . مول یوجا کی طرق اسلام کی دی خیاری ادارتا کو کے کریں پریم اور معیکتی میں المائة المدين المائد ميل إما

معقيو باندمينا بمكلوان كاسيواكرن كاليام كسب جو.

इस्लाम और मूर्ति-पूजा

-पञ्च

जून सन् '8ट

ं "जब कि दुनिया की सब बीजें श्रुसी पाक 'हस्ती' (बस्तित्व) की निशानियाँ हैं,

'तो बुत भी आखिरकार अन्हीं बीजों में से खेक हैं. ''जिस्ताम की शरका में बुत के पूजने वाले को 'काफिर' अधितक कहा गया क्योंकि

"खुसने बुत में सिवाय अपूरी सूरत के और कुछ न देखा. "दू भी अनगर बुत के अन्दर ख़िये हुन्ने 'हक्त' (सत्य) रूप भगवान को जल्दी से नहीं देखेगा,

"तो तू भी 'मुसलमान' कहलाने का हक्कदार न होगा.'' ('हरिजन सेवक' से)

हिन्दू मुस्लिम एकता' पंडित सुन्दरबाब के

चार लेकचर जो उन्होंने सेन्द्रल कन्सीलियेटरी बोर्ड ग्वा क्षियर की दावत पर ग्वालियर में दिये.

सौ सके की किताब की क्रीमत सिर्क बारह काने. किताब नागरी चौर डर्टू रोनों लिखाबटों में मिल सकती हैं

—मैंनेजर 'नया हिन्द" ४८ बार्ड का बारा, इलाहार

است کرونیا کی سی چیزی ای یک سی کال است ای الاستین ای یک سی کال استین ای یک سی کال استین میزون می سے ایک بیل ایک می اخرا در ای ایک می سی کا اور چیزی ای یک اور پی ای یک اور پی ای یک میزون می سی اور پی ای یک میزون میزون می اور پی ای یک میزون میزون

बापू के नाम पर

(भाई मधुकर खेर)

श्रव गांधी जी को हमसे विछड़े काफी समय हो गया पर धाव भी जनकी बातें चलने पर हमें जनकी याद श्रा जाती है श्रीर हम श्रापने में कुछ कभी महसूस करते हैं. एकाएक यह विश्वास नही होता कि हमारे ही बीच के एक शावसी ने उनपर गोलियाँ चलाई थीं. इसके साथ ही राष्ट्रकिव के उद्गार—

"आरे राम. कैसे इस फेलें आपनी लज्जा उसका शोक. गया हमारे ही पापों से आपना राष्ट्रियता परलोक ॥" हमारे कानों में गूजते हैं और हम पक्षताते और शर्मिन्दगी से भर असे हैं. यह लाइनें आभी हमें ठोकर मारती ही रहती हैं कि सुकुसार किं 'नजीर' की फरियाद हमारे कानों में टकराती हैं— ; "मेरे गाँधी जर्मी वालों ने तेरी कह जब कमकी

घठा कर से गये तुमको जमीं से आसमाँ बाले."

यह लाइने हमें बेताबनों देने के स्तिये काफी हैं. खुद इमारी आत्मा हमसे कहती हैं कि हमने अपनी वेबक्रफी से अपना राष्ट्र पिता गँका दिया. 'पर यह ठोकर हमें चेताबनी देती हैं कि हमें संमक्ष कर बताना पढ़ेगा नहीं तो हमारा राष्ट्र भी मिट खाया. अपने देश की झुवली और पिछड़ी हुई आत्मा को अपने अपने विखड़े हुये गष्ट्र के बापू के नाम पर जिन्दा रखना पढ़ेगा. आब देश की रखना बापू के अपनू में की ही बुनियाद पर होनी साहये. हमारे मुलक पर खो कलांक लग गया है वह तो कभी मिट

ही नहीं सकता; हमारा पछतावा भी कम नहीं हो सकता; लेकिन क्षचें पूरा कर देंगे जो बापू की तरक से हमारे जिम्मे हैं. बापूका सब स्वप्न पूरा कर दें तो हम किसी हद तक अपना वह बार इस हिन्दुस्तान को बापू के श्रमुलों के श्रनुसार बनायें, श्रार

हिन्दुस्तानी झात्मा का गिरना देखा झौर वह गिरावट इतनी बड़ी है के साथ इत्या ने इसारे देश के हर एक रहने बाले को इन्सा-नियत का चुनौती वी है. बापू के हत्यारे के रूप में इसने एक मीत बरूर बाती लेकिन उनकी इस बेरहमी और बेर्दी इन्हां भी नहीं दिया. बापू इन्सान थे इसक्षिये कभी न कभी उन्हें बेरहूमी भरी हत्या इमें यह बताती है कि हिन्दुस्तान में भारकाट की बहनियत कितनी ज्यादा तरमको कर गई है. इस हिंसा और नकरत कि हम इत्यारे को इन्सात कहते के किये तैयार नहीं हैं. यह शॉन्ति और माफी यह तीन बापू के सास गुन थे. इन्हीं गुनों के हैं कि कामी भी हममें यह भावनायें या जज्जात मौजूद हैं. प्रेम, की इवा ने इससे इसाय बापू छीन लिया लेकिन इस इतने असागे कारण इस नापू को ईसा और बुद्ध का दर्जा देते हैं. हमें नापू सक्ता करे. हमने एक हिन्दुस्तानी को तरक्की की सबसे ऊँची का बादरों क्रपने सामने रखना चाहिये, जिनकी बात्मा अब भो अपने हत्यारे के लिये यही कह रही है कि भगवान तेरा को निरते हुये भी देखा. जगरचे बापू की सहनशीलता और रबादारी बोटो तक पहुँचते देखा और इसके साथ ही हमने एक हिन्दुस्तानी बापू ने हिन्दुस्तान को बहुत इड़ा दिया लेकिन देश ने

الم المستندان المواد المحتاه الما المراب مي ايت يتنار مه مع لغ يمي كدري إلا المراب مي ايت يتنار مه مع لغ يمي كدري إلا المراب مي المدين الم المراب مي من ايك بندستان كو ترقي كي سي المراب مي ما المراب مي المراب مي ما المراب المراب مي المراب مي المراب مي المراب المراب مي منها المراب المراب مي ما يو المجمع المراب مي مي مي المراب مي 子がんのいか

जून सन् '४८

رائع بیارے الوک یادی خصر الفری اور بینا کی بھافاہ این میادناوں کو دعد کرنا ہی بڑے کا ان میادناوں کو دعد کرنا ہر

को दूर करना हर एक हिन्दुस्तानी का कर्च है वाहे वह सरकार भावनाओं को श्रपने दिल से दूर करना ही पड़ेगा. इन भावनाओं

हमें अपने प्यारे बापू की याद में गुस्सा, नकरत और हिंसा की

के चन्दर हो, सरकार के बाहर हो या किसी भी पार्टी से सम्बन्ध

रस्रता हो. इन्ह लोगों ने अपने देश का नाम 'गांधी देश' या 'गांधी-

स्तान' रखने की सलाह दी हैं. इन लाइनों के लिखने बाले की

مندستان کا دخ ہو جو اور مرکار سے اندر ہوء مرکار اسے اندر ہوء مرکار اس کے مولا اس کے مولا اس کے مولا کے دور مرکار سے اندر ہوء مرکار اس کے مولا کے مولا کی مولا کے مولا کی مولا کے مولا کی مولا کے مولا کی مولا

मासूनी बुद्धि तो यह कहती है कि इन बातों से खुद बापू की

धारमा का तकसीक पहुँचेगी. बारू की आत्मा के। तो तभी संतोष

होगा जब न सिकं हर हिन्दुस्तानी बल्कि हर इन्सान अपनी

रोजाना की जिन्दगी बनके बासूओं पर बलाये. हमारे दुर्भाग्य से

होता इसके खिलाफ ही हैं. हमार देश में महा पुरुषों की पूजा तो

یاوں سے خود الوی تراک معلیت منتے کی۔ الوی اتا کر آو مستوش ہوگا جب نہ حزب ہر ہندستان بکد ہر انسان اپنی ماہ کی ڈندگی کان کے اصولال پر جلائے۔ ہمارے دیکی گیرے مال کا کا کا ایک اصولال پر جلائے۔ ہمارے دیش کی جمار وشوں کی جمار آو مال کا کا کا اس کے ادرخوں کو جوان میں وشائے والے بہت کا

की जाती है सेकिन उनके जादशों के। जीवन में अपनाने वाले बहुत

शिकम लोग होते हैं. यह पूजा का तरीक़ा भी आज़कल बहुत

बसता हो गया है. गांधो होटल, जबाहर टी-स्टाल, पटेल झाप

बंदेरा भूल गये हैं. जिस इन्सानियत के लिए बापू ने बलिदान बीड़ी, यह सब बहुत घाम हो गये हैं. बापू के उठते ही हम उनका

یک در در این از این الاتری از می این سندهایدیا محادث در این این استال، چیل جیاب برخی، سیال ا محادث در این این استال، چیل جیاب برخی، سیال ا

दिया बसे ही हम भूल रहे हैं आंर फिर साम्प्रदायिकता या फिरक्रा

बारियत की तरफ बढ़ रहें हैं. न जाने कब किरकापरस्ती से हमारे

शुल्क का पीछा खूटेसा. अभी तो यह शैतानी ताकत हमारे देश का

गला घोंट रही है. बदला लेने का विचार हमें अन्धा बना रहा है

हिन्दू भौर सुसबसान दोनों एकता का ढोंग रचते हैं, राष्ट्रीयता

की बड़ी-बड़ी बात करते हैं पर बक्त काने पर सभी किरकापरस्ती

के बहाब में बह जाते हैं. हिन्दू एक जाति, ससलमान टकंटी जाति

ل في بدى الى كرة إلى برخت الت برسبى فرقديرى

الما الرب ورق ما الكون الدي الاربدالي كا ومار يمي

ع جادي برعات بن - بندواي جاتى ، سان دوى جاتى

विश्व करवार यहें हैं हमार्थ कर्न है कि इस क्ये गितों के इस वर्ष कर सकते हैं जब कि इस अपने रोच के क्या में में, सांति और पास को जगह दें, हिन्दू और मुसल-कर्मर एक दूसरे के जिलाफ 'पर्म-पुद' और 'तिवात' केने क्या किराजापत्ती के रीतान के जिलाफ मिन कर मोची क्या कर्मा कर पराक्ती की तरफ जा सकता नहीं तो चाने

वरनकी और बसको बाम इन्सामां की सी जगह देना बापू शिक्ता दिवाने निक्ति हैं. साथ में पुलिस भी रहती है हो भदिर में से बाते हैं. इस तो पान इसावची का भी जुसस ्डमरो. चीन पहिने पर भी झन्त के दबाब के कारण िन राहर के बोग इरिजनों के साथ जुब्स बनाकर अन्दें था. समाज के एक उकराथे और कुचले हुथे तबक्र त्यास कर देते हैं. कहाँ कहाँ हरिजनों के हायों शायत का स्वाल बार् के जीवन में अपना एक खास अब पूर्व कर दिया है. अगर कोई इक्का-दुक्का हं सन्दिर में दाखिल होने का क्रान्त भी पांध हो गया भी जाना पाहता है तो मंदत जी सिर र में राजिल कराने के बाद हम समग्र लेते हैं रियमें के अक्षर को ने मंदिर में दाखिल होते हके बार् ने कहें भपने दिल में बगह दी थो. । वहें सदाबारा क्षत्रेस के बढ़े 'कारी ---

المراح ا

सुराधिक हो बाता है. अध्वविश्वास और तंग नवरी की तो नकरत ब्लीर. इनको बापने से नीचा समकते का भाव बामी क्षे महें गोबा हरिजनों का खाया पढ़ने से टाकुर जी अपित्र के जुबार के बीटते ही पूरा मन्दिर गोमूत्र से साक करवाया. श्रीर हरिश्वन संदितें में गये तब एक सठ में तो बबरदस्ती में हमें हिचकिवाहट होती है, उनको तरफ से हमारे दिलों केबाते हैं. उन्हें बापने वरों में बाने देंना भी हमारे लिये स्मिरे शहर के एक मंदिर की मृतियाँ ही मंदिर से में बगह दी बाती है हम समामों में बनके हाथों से रार-क्यांते हैं. इरिजनों को सरकारी नौकरियाँ दिवाने के बिये । बाब पी सेते हैं सेकिन अपने रोबाना बीबन में सन्हें बगह ा राहर का बही हाल है। हरिजनों को सभायों में जीर । इमें नाम कमाने की फिक्र होती है. क्योंकि छन्ही हम अपने वरों में या दुकानों पर नौकर रखने में हो करते हैं लेकिन सब पूक्तिये वो इसमें भी सेवा मा का पर क्षत्र श्रम्भ व व व कातृत पास हो ो. यह दो वही हिन्दू समाज के जिय बड़े कर्ता की |बाहे और जन्मर मीकों पर हमारे दिवा के यह साव सरियर में भी किसी को अधिया बरने के किये , कार्य धीर क्रम भार पीट भी हो गई. वृक्तरे बठवाले भी हरियमों के लिये मंदिर स्रोत देने का हुत्म या, सहिते को कांग्रेस के सर्र भाषार्थ कृपतानी न कार गठा में दरियमों के दासिये के ब्रासर क्ष

के का का कार है से से विवाद को कर सकते की का कर सकते की का कार के साम की साम की कार का कार के साम कर करते हैं. हमें भी वनका पाएरों वापने सामने साम के साम कर करते हैं. हमें भी वनका पाएरों वापने सामने साम के साम कर करते हैं. हमें भी वनका पाएरों वापने सामने साम के साम कर करते हैं. हमें भी वनका पाएरों वापने सामने साम के साम कर करते हैं. हमें भी वनका पाएरों वापने सामने सामने साम के साम का का साम के साम के साम के साम के साम के साम के साम का साम के साम के साम के साम के साम के साम के साम का साम का साम का साम का का साम का साम का साम का का साम का साम का साम का साम का साम का का साम का स

आ अम थाप करने का सबक्र लेना हर क्क हिन्दुस्ताची का

्रिकारी रोषाना षिन्वगी तक में बिसिव्यिन को कमी हमें एक ि विकिथिन को नहीं कानते सो बचसे हमारा ही गुक्रसान होता हर पड़ मैदान में चतुराखन या विसिद्धिन था. चाज दुनिया त्रियां देश का अच्छा निवासी नहीं बनने देती. इस ऐव को बब कोई बूसरा देश न होगा. बापु के कामों, बोलों कौर हरों. सब में एड बिसिब्सन रहता था. हम भगर भनुरासन पर कान नहीं घरा और इसका नतीना हमने देख । ि विन्युत्तरान से ज्यादा दिथिष्यन को न मानते वाता इस तरह रीतानी वाझ्यों ने तरज़की की कौर हमारे मीच से बैसे महापुरूष को चटा विथा. में बल्द हो सके हमें दूर करना चाहिये. क्योंकि चगर पू झा खीवन एक भारती शहरी का बीवन था. चनके जीवन ही बने रहे तो अपने नेताओं की बात भी नहीं सुनेते. ह हमने गुरुसे और नकरत को त्यागने के लिये बापू के वप-

बापू के शुनों चौर खूबियों की कोई सीमा नहीं है. सबाई, दिखा, त्रेम, शांति चौर दूसरों को माफ करवेना यह सभी विश्व सन्त्री भी, इनमें से किसी एक शुख पर मोटी से मोटी बिस्ती वा सकती हैं. लेकिन मैंने वपने इस कोटे से लेख के पेती क्षांतों को लेने की क्षोरिया की हैं जो इसारे देनिक THE PLANT OF SERVICE STREET

ری و ناخی اور دومروں کو میان کر دیا ہے۔ وی میں ویل میں سے اپنے اور کی پر میں اپنے اور کی اپنے اور کی ہے۔ میں ایس کی ایس میں میں سے اپنے اور کی اور کا اس کے اپنے اور کی اور کا اس کے اپنے اور کا اور کا اور کا اس کے اس

いなっているのでの

N. K. I. P. A. W. III.

مان مين الدهاس يا وسيلن تها. الدونيا بم مان مي دياده وسيلن كورة مالا خايد كون دوم ا منايدش موافقا ديا . معدن احد خويون كل كول سيما ميس يو سخال، مي ميد الما مون سه ولي كي الديهاري والما الا تعمال معا الد بالدى دولاند وتاكر على على يمكان ليس دهوا دوراس كا مين ايك أماد ولين كل الجما لااس الله الركامون الملك الارجاري الموادي . من

वाहत विकार कीवन के चाहरों ही हमें सम्य चौर तह जीव वाहत बना सकते हैं. वाह के रास्ते पर बतने ही से चंतेरे में रोवार की वालेक किरखों फूटेंगी चौर दुनिया में मवाहें चौर नेकी वाह बीर होगा. में बन ज्यापरित्यों से भी राज्यास कह गाँ जो वटन, गाँधी रात्वत वगैरा बेच रहे हैं, कि वह राष्ट्र पिता के वाह को हाना सत्ता न बनारों चौर वपने कायहे के बिथे हतने वह चौर हाने पवित्र नाम का राज्य हत्तेमाल न करें. यह बीजे की की कि हाने सोचा नहीं होती विकार से दुनिया की

महात्मा गांघी के बलिदान से सबक केवर-पंकत क्षत्रर काल

धान्त्रवृत्तिकता थानी किरका परस्ती की बीमारी पर राजकाबी, कार्यो कीर श्वाहाकी पहन्न से विचार और क्षमका इलाज, कार्य कार्यित में रेस पिता सहात्मा गांवी सक को हमारे बीच व स्थाने दिया! क्षीमत बारक काना.

मेनेवर 'नवा हिन्स्' ४८ वाई का बारा. इलाहाबाद.

Control of the Contro

कलवर और

(भाई गखेराप्रसाद हिबेदी) (पिछले चड्ड से बाते)

गाते थे, बूस थाम, तड़क भड़क से इन्हें चिड़ेथी. इन्हें चकेलापन ह्म पूर्ति था. खास मीकों पर बुरबार में बते बाते बीर ज्यादा कुडे हैं यह ज्यादासर सोसाइटी और दरवारी वक्त्जुक से दूर तार अन्यन साहन की इस्टेट निज्ञती में ही रहने लगे. हम असे तक रामपुर ब्रवार की रोभा बढ़ा कर खाँ साहब िचाइन के साथ विवासी में ही रहते और उनकी

ह्म क्ष्य विक्रमी दो बरस रहने के बाद खुन्मन साहब बका-बाब्रीस से इपर नहीं वा चौर सेहत बाला त्य की थी. बीमार पर्वे धार देखते देखते गुजर गये. डनका सिन ा बो नहीं मिला पर जयादातर बोगों को यह यक्नीन है ं में किसी भी राग का बिक चलते ही बसकी १०--२० , बसारें इन्हें सैकड़ों, हवारों की वादाद में बबानी थाद राक्त में जहर है दिया गया था. इसके दो कारन . एक तो वह कि इन्होंने क्यीर कों साहब को नहीं । सं निराम्य क्षुर ने गाफर क्षुना रेते वे चीर

ा नदा संगीत का पंक्षित कारे असली तौर के का. शुरुवदशाह रंगीले जनके शांबर ये कीर . पर बह जुद ज्यादा गा बजा नहीं सकते ाता, बीर फिर बर तथा के जिने साइब के बि, य विज्ञाती गिरने से कम

संगीत जैसी विधा, विसकी इस्ती हवा में वॉथे हुचे सात सुरों पर **पक्रत इस जात की थी कि सब घरानों से चोजों की इकट्टा कर** था शाका की पाबन्दी तो हैं नहीं. एक हद तक यह हाल धाब भी बिस तरह चाहेगा उसी तरह रागों को बरतेगा, क्योंकि किसी नियम दिनों इन्हें इने गिने, खास कर मुसलमान खानदानी चलादों की श्चर्यकार्नी से लिखा पड़ी की और फिर खुद सब जगह का दौरा बैस भर के, खास कर बड़ी रियासतों के पुस्तकालयों और जी ने इस काम को हाथ में लिया ही और उन्हें एक हद तक नाम बींड़ शूप और रुपये , सर्च करने की भी ज़रूरत थी. पर भातसंडे कृत्दें समान जाचार पर स्थापित करना और ऐसे नियम बना है. हर बराने में रागों के बारे में बहुत ज्यादा मतभेद है. तो जीर जपना जपना राग बाला हिसाब ही रह जायगा. जो गर्वेश रागनियाँ वा तो सतम हो जायंगी या फिर अपनी अपनी डकतों **पक्की बु**नियाद पर नहीं रक्सा जाता है तो कुछ दिनों बाद सब राग याबी भी मिली. इन्होंने सबसे पहले संगीत के पुराने प्रंथों ब बुना कि संगीत के मामसे में स्वेच्छाचार या मनमानी करना बंद **ी क्षमहंसर है, ज्यादा दिन तक नहीं** टिक सकती. यह विद्या इन इर पोषियों, चित्रों बरौरा का सुकाहना किया और सातिकों की श्रमान तक ही है और इनकी ज़बान ही ध्योरी या शास्त्र है क्षाज्य संकर उनकी नक्षम कराई. इस दौरे में जिस रियासत में **बिस्ती हुई पोषियों की खांज करनी शुरू की जौर इस** सिलसिले में न्विने देखा कि मौजूदा हिन्दुस्तानी संगीत को अगर ध्योरीकी ो जाय. यह काम बहुत ही सुशक्तिल था बौर इसमें बड़ी मेहनत, हिन्दुस्तानी कबचर भीर संगीत .ब्न सन् '४८

ब्रन सब् %

वो क्या शायह और किसी भी देस की माषा में नहीं छपी. यह बहुत बड़ा काम उन्होंने किया. भी इसमें होंगी. नोटेशन के साथ इतनी बड़ी किताब हिन्दुस्तान में लगभग दो हज़ार पन्नों में हैं ब्यौर करीब डेढ़ हज़ार गाने की चीजें षद्धति ऋमिक पुस्तक मालिका" यह किताब ६ सागों में सदी झुर किपि (नोटेशन) लिख कर अपनी किताब में छपवा कर प्रकाशित कर दिया. इस किताब का नाम है, "हिंदुस्तानी संगीत रिकार्ड भरे और फिर समों की,जहां तक सुमकिन था, वहां तक सही करीय दो इज़ार खयाल, ध्रुपद, धमार, सादरे ऋरेर तरानों के श्विष्यत से बनके रिकार्ड भरवाये. इस तरह से भूस भूस कर उन्होंने को खास संगीत के माहिर और ख़ानदानी गुनी मिले चनसे .सूब खूब बेरालिक चेदा किये, उनकी बीकों को सुना बार उनकी

पुरानी ध्योरी मौजूदा हिन्दुस्तानी संगीत पर कहाँ तक सागू है, वारों का निसान किया. श्रीर अपने समूचे अध्ययन, सारी सुरों का व्यवहार भहते कैसा था कौर अब कहाँ तक बदल गया है इस बात को खुब खूब देखा, धमका घरि रागों की बनावट, डनमें से पढ़ीं और जहाँ जरूरत हुई पंडितों की मदद भी ली. फिर संस्कृत की पुरानी कितानें, जितनी भी उन्हें मिल सकीं, अच्छी तरह में नहीं हो सका है. इस किताब के लिखने से पहले उन्होंने राष्ट्र नासण थे) ही उन्होंने लिखी और अपाई. हमें दुख है कि इस निहायत जरूरी किताब का तर्जुमा अभी तक हिन्दी या उद् वह किताब बार ;जिल्दों में श्रापनी बोली मराठी में (पंडितजी महा-दूसरा काम को छन्होंने किया वह या ध्योरी पर किताब लिखना

> ی کا ما او میندستان سندت پیرستی و کو یک او مرسی و در او برالگانے کی چیزی جی اس ی اور مرسی و در ان در کانے کی چیزی جی اس ی اور مرسی می براد کانے کی چیزی جی اس و کیا اور مرسی می بین میں میں جیری سی میں او کیا ان کی فیروں کو شا اور ان کا ا

ان میں اپنی لیل مرائنی میں رینات می مهاداتر اور امنوں نے معی الد جیمیا کی آبیں منصر ہو کو اِس م جوممنوں نے کیا وہ کھا تھیودی پرکاب مکھنا۔ یہ ריבושולישונישונים אינייות ביי ب المدى الادهاب

बहुत से ऐसे राग भी हैं जिनको किसी भी तरह इन दस ठाटों के **हो बसे थे. पुराने** घरानों के गुनी उनकी इस दस ठाट वाली ध्योरी हैं और इस लिये अपनी इस ध्योरी की बावत वह कुछ ढीले भी लागे थे कि सब बाला, रागों को इन दस ठाटों में लाना सुराकिल २.ऐसन; ३ खम्यांच; ४ थैरों; ५ काकी; ६ पूर्वी; ७ मारवा; ८ बासा-भातसंबे की के चलाये हुये दस ठाटों के नाम हैं—१ बिलाबता; पद्धति अपन भी इसी बहत्तर ठाट वाले आसूल पर चल रही है. बायरे में ही रखनाई पुराकिल हैं. दकन या करनाटक स्कूल की संगीत सब रागों को ला दिया. इससे बड़ी सहूलियत तो हो गई है पर को नहीं मान सके हैं. श्री; १ मैरबी; १० तोड़ी. प्रिछले दिनों पंडित जी खुद महसूस करने दिया गवा **है. पं**दित जी ने इस ठाटों में ही खींचतान कर किसी तरह **अकारि**का' नाम की पक पुरानी किताब में इन बहत्तर ठाटों का बयान क्षरों के अन्दर आ जाते हैं. पहले कुल बहत्तर ठाट थे. 'चतुर्दर्ड रागों को धनके सुरों के मेल के हिसाव से अरलाहदा कर उन को इस करों में बॉट दिया है बौर इस तरह से कि सारे राग इन इस भिलान किया है. इनकी लास देन इस मामले में यह है कि सब महत्ततं और जानकारी का निचोड़ इन चार भागों में लिख दिया. बहाँ खरूरत समभी वहाँ संस्कृत के खास खास शंथों से रलोकों ों मी **चतार कर रख दिया है चौर मौजूदा रागों पर बहस करते हु**ये

नया दिन्द े दिन्दुस्तानी कसचर और संगीत

जून सन् '४८

अपनी इन अमर किताशों के सिलसिले में दौरा करते वक्त क्यों सेनी घराने व दूसरे खास घरानों के उलावों से बहुत कुछ सीखने, समयमने का मौका मिखा पर बेहद परेशानी मी कहीं करीं

को ने बिपं कर सुनीं बौर किर खुद गाकर उन्हें सुन्। दिया. वह हर को साहब से मिली. इन होनों बुजुर्गों से बाकायदा तालीम मी ज्यादा चीचें इनके मुहत्मद श्रकी कां साहव जौर फिर वचीर 日本中の日本 से इन्द्र तो पंडित बीने से ही लिया. इन्द्र सोगों ने यह शत लगार्थ सीमी के पंडित जी बाकायदा शागिर्द भी हो गये. पर सब से भड़रा सी चीचें तो ख़ुशीसे हीं पर जिनको कियाना चाहते वे उनमें सकते थे. रामपुर के बजीर खां साहब बीनकार के तखत के नीचे अपनी चीचें गा कर सुनाने तक से इनकार-किया उनकी चीचें पंडित भी माने. पर पंडित जी धुन के बेहद पक्के थे. जिन लोगों ने बेक अपने पास नोड बुक रखते थे और बनका दिसारो इतना तेज और बभ्यास इतना बढ़ाहुका था कि गाना सुनते सुनते नोटेशन किस्तते बत विगइ जाने का खौक नहीं रहेगा. इन्छ लोग मान गये. इन्छ नहीं पर फिर अगली पुरत के क्षीगों के हाथ में उनके बदल जाने या ी कि बाक्रायदा गंडा बँधा कर शागिर्द बनो तो चीचें हो, ऐसे भौर विद्या की रचा भी हो सकेगी. खौर एक दक्षा नोटेरान हो जाने समभाषा बुकाया कि इससे उनका नाम सदा के लिये बामर हो जायगा फिर छन्हें कौन पूर्वनां. पंडित जी ने ऐसे गुनियों को बहुत बहुत यह खीफ हो गया था कि भगर इनकी चीजें रिकार्ड करली गई' तो मरवाते पर राजी नहीं हुये. उनकी चींचों को सुनकर अपनी बाददारत के सहारे ही उन्होंने नोटेशन किया. कुछ उस्तादों को ड्यानी पड़िक्क उसाद अपने बुखगों की चीखों को रिकार्ड में इन्होंने बहुत सी सुरिलियां तैयार की. उन्होंने अपर्न

いっているからいののでしたってい الل عن الخامد مليم بحل يندن في في الله من لامذير خال صاء

विन्यु विन्युस्तानी क्सबर और संगीत सिके प्रकाबा जिन लोगों से इन्हें बीचें मिली उनमें से खास ज्न बन् 'क्ष

१. हिल हाइनेस नवाब हासिव श्रती खां बहादुर, रामपुर-१. नवाबचादा प्रिंस सम्राद्त मती खां को "छुम्मन साह्य" रामपुर (बिलची).

स्रो साह्य मुहम्भद्, झली खां, कोठीवाल जयपुर, 'मनरंग'

४. खां साह्य जारिक जली खां, जयपुर.

. क्षां साहब ब्रह्मइ ब्रली क्षां, जयपुर

के शागिर्वे.

क्षां साहब फैयाच खां बड़ोदा, गायकवाड़, 'रंगीले'

राबजी बुवा, बेलबागकर, बन्बई. श्रबदुल्ता कां साहब को साहब अमीर खां, गुसाब सागर, बड़ोदा.

ध्रुरपिदये के शागिर्दे.

शमनाथ पंडित, म्बालियर, सशहूर शंकर पंडित के भाई और नध्यन खां, पीरबखरा घराने के प्रतिनिधि.

१२. विष्णु बुवा बामन वेशापंते, न्वाबियर, मराहर ८५० क्रिके भ्रुपदिये बामन बुबा के बेटे.

कुच्या राष गोपास दांते म्बालियर.

हुन्या नुषा गोसले, भिरत मराहर करतार बनीव औ

الأمان عمد على خان الأي مال عليه وتنه المحال مع ولك س المنين بيزن مين أن من عال ما من دان مادعل خان بهادر، دام در. اماده بدن سمادت على خان موت المجين صاحب وامليد

ب قياس خال بإعدا إلى يواد المعالمة والما

إب ماتر يادورا. ما معاند على مام، وموي

را منع فتكريثات كم جمال الله

के बराने के खास राागिर्द.

क्ष्या शासी ग्रुक, सर्वन.

१६. मनपति खुवा, भिलवड़ीकर, सितारा. इनके सिवा सहस्मद कली त्वां कौर वर्षार खां साहब तो छ ये ही.

किया, इसमें शक नहीं. भौर श्राजकल गाने बजाने की इतनी संगीत इंदाने बस गये थे. इन लोगें की चीचें धभी तक बता चुके हैं, दिल्की दरैबार टूटने के बाद, बनारस, गया, गिद्धौर शोर ध्यान न देसके. एक तो इस तरफ इनकी तबज्जह कम शौरा पर बजने वास्ते रागों के आलाप और उनकी गतों की हन्हीं के प्रतिनिधियों तक ही चलती हैं. और फिर पंडित जी ने रचा को बढ़ रही है इसमें पंडित की प्रकारित कीं. इधर पूरव की कोर दौरा करने और वीचें इकट्टी किये जो इस हो सकता है उससे ज्यादा ही पंडित जो ने ने भीर खुद इनका रोक भी नहीं था. पर किसी एक आदमी बंगाल, और डलर में नेपाल राज में बहुत से चोटी के करने का मौका उन्हें न मिल सका. पूरव में, जैसा कि हम पहले नीटेशन विथे हैं. वह तंत्र या बीन, रवाब, धितार, सरोव हम_,वेखते हैं पंडित जीने खासकर रामपुर,जयपुर,ग्वालियर:कीः कंठ संगीत यानी गायकी और खयाल ध्रपद बरोरा बसावों से ही बीचें हासिल कर के बनकी सुरिलिपियाँ का बहुत बड़ा

पक शत और है जिसकी चोर ज्यान दिने विना हम भागे

Company of the control of the contro

में अपनी पूरी संडली के साथ घूस घूस कर जलसे किये और नहीं है. हमारा तो ऐसा ख्रयाल है कि इन किताबों के छपने के बाद से ही बस्तादों की कद बहुत बढ़ गई हैं, मौर दिन पर विकाति हैं. यह वालकृष्य बुवा के शागिए में जो म्वालियर के में क्षपना कर हमारा पेट मारा है. पर हमारी राय में यह बात बहुत किया. यह जुद बहुत बड़े गवैये से और इन्होंने हिन्दुस्तान भर था था कि यही रवैया झगर कुछ दिन और बलता तो इन उतादों दिन धनकी माँग बढ़ती ही जा रही है. जमना तो ऐसा आ आपी हैं, टीक बही है जैसे इस गाते हैं. उस्तादों को इस बात क्री क नहीं जिस्सी जा सकी, या उस्ताद लोग जान जूम कर अपन बि्गम्बर भीने किताबें कम जिल्ली पर अमली तौर पर काम **धन्द्रीं के जमाने के एक** दूसरे मराठी पंडित—विच्छा दिगम्बर जी के सदा के क्षिये अपने तानपूरे रख देने पड़ते. पंडित जी और की बड़ी शिकायत है कि पंडित जी ने हमारी चीजों के। किताब सैकड़ी स्टूल कायम किये जिनमें इनके शागिर्द गाना बजाना की बदौलत ही संगीत का प्रचार फिर से शुरू हुआ। बिच्यु करवादों को यह कहते हुये सुनते हैं कि किताबों में रालत सुरलिपियों ध्य हैं कि या वो उस्तारों ने बीबों को ग़लत बताया, या सुर्रालिप से सुनते हैं तो इसे काफी फर्क दिखाई पड़ता है. इसके मार्ग सरे तरीके से गाने बग गये हों. क्योंकि हम अक्सर खानदानी स्पार हरते हत्या को के साथ शागिर्द थे. ये पंतित की सी चित्रों चीकों को अब इस किसी घरानेतार मशहूर स्थात विषद् सकते. पंडित की की कितानों में जो सुरक्षिपियाँ इने दिन्दुत्तानी इसचर और संगीत ब्त सन् '४८

The control of the co

बना कर हिंदुत्तानी ब्रबापर और संगीत जून सम् 'अ-बाहौर से बनारस तक ही घूम सके. पूरव की बगेर बागे न बढ़ सके. पंडित मातसंदे और विच्छा विगन्दर की करनी के बारे से बाज दुनिया चादे जो भी कहे, यह मानी हुई बात है कि बिन्दुत्तानी संगीत के इतिहास में इनके नाम सुनहरे हरफ़ों में बिखे बावंगे, और इनके इनका नाम सब से आगे बिया बावगा.

"भुषारिक्रन्नसभात" नाम से राजा साहब ने दो आगों में कि बहुत बेराजीसत किताब जिस्स कर हिन्दी और कर्दु दोनों के बाब किसोर प्रेस से खुपबा कर प्रकाशित की.

Control of the contro

समें स्राप्तमा भाकी कां साहब की करीब करीब सब अपरें स्वारे होरियां (धमार) और उनकी स्रुपेकिपियां कां साहब से स्वारेकि करवा कर कापी गई हैं. पहले माग में ध्योरी के बारे सातकां की काप कि काप ता का हैं. पहले माग में ध्योरी के बारे सातकां की काप कि काप ता का हैं. यहते सी अपरें ऐसी हैं जो समाधिक या काबिक पतबार मानता वाहिये इसके वारे में समाधिक या काबिक पतबार मानता वाहिये इसके बारे में समाधिक करता हम ठीक नहीं सममते. जहाँ कर्क मिले वहाँ होनों हो दंग याद करवाना काध्या होगा. किर कलाकार की कपनी स्वार करते में बड़े बाता साहब से, जो मैरिस कालेक में गाने के मोरेसर हैं, काकी सबद मिली बी. बड़े बाता साहब को साता साहब के साता साहब को साता साहब को साता साहब की साता साहब की मान साहब की मान साहब की साता साहब की साता साहब की साता साहब की का का साता साहब की साता साहब की साता साहब की साता साहब की साता साहब साता साहब सी सी करता सुहम्मह बाली को साहब की सहस्त की बहुत कुछ

राजा साहब ने एक जमाने में सितार पर भी बड़ी मेहनत की किया. करीब बाठ बरस तक थितार का ही रियाज किया. पर हमदाद में बीर बरक्तुवंब्ला का सितार मुन कर करों ने यह कह कर कि दिखा कि अगर इनके ऐसा थितार न बजा तो बेकार है. कि कि कि अगर इनके ऐसा थितार न बजा तो बेकार है. कि कि कि अगर इनके ऐसा थितार न बजा तो बेकार है. कि कि कि काई पर लोहे के झल्ले पहन रक्ते वे कि हाथ की देता जाव जैसा कि बन दोनों करतारों का था. पर हार सिवाम में इनकी बराबरी शायद कोई नहीं कर सका. मेंबा की कि अप बनाने में बर्कारीन बाजा बनाते की लें.

्र राजा साहब, नवाब अन्मन साहब व पंडित भातलंडे जी को यह कहना पदता हो कि, इस्ताद ज्ञरा फिर से कहिये! **ावेंथे की शायद ही केाई तरकीब हो जिसकी बाबत राजा साहब** वह संबंध तो करते ही थे, साथ ही गाने बजाने में .खुद साथ देते बे. रोजाना यो तीन बजे रात तक जलसे हुचा करते थे. कोई भी शंबेमा हो राजा साहब बाजा लेकर साथ बेठ जाया करते थे कौर दिन रोख ही पहुँच जाते थे, जिनके धाथ अपनी हैसियत के मुताबिक्र घोषक्यों, मीर बिन्दे रवा, बच्चन स्रां, व नसीर स्रां हैदरावादी खुरोंद असी, क्तमद साविक अली, नसीर खां, मीर मंकू साहब गोंदा थे. इनके ब्यलावा बाहर से कोई न कोई उस्ताद बाये नि, बाह्नर हुरीन, मेहदी हुसेन, खलीका श्रष्टमद खाँ. उस्ताद बड़ा क्षेत्र के क्षीर केई न केई बहाना कर जाते जे. राजा बाह्य की झखनऊ बाली कोठी गाने बचाने के राौक्रीमा के क्षिये मानवीर पर बदे और छोटे ग्रन्ने लॉं, महराज कालका दीन व बिन्दा रिय था सम्बन्ध सदीना से कम न थी. दस वॉच क्स्ताद हर एकं अपने ही रहते थे. इनकी स्रोहबत में बैठने बालों में से ह वन रामा साहर का सामना होता था तो थाजा बनके सामने

से पहले सन् १६१६ ई० में पहली आस इध्डिया म्यूजिक कानकरेन्स इन्हीं तीनों की कोशिरा से बड़ोवा में हुई और बड़ोवा नरेरा इसके

प्रभाषि चुने गये. देश भर के चोटी के क्लाइ इक्से शरीक हुवे.

ष्यानों में संगीत के प्रचार में इतनी बड़ी कामयाबी हासिल की. सब आ ही इत्तकाक आपस में था. इन लोगों ने मिल कर ही भले से बेहद दोस्ती थी. गुरुमाई तो ये ये ही, पर हक़ीक़ी माई का

وریا صاحب کا راز اورا تھا کہ ایا ان کر مائے ورا میں کا نے کال باز کر جاتے تھے ۔ وہا صاحب کی تعدید ویکی کا نے کا نے کر مترقین کے لئے ترقع یا کہ مریم کا نوعی ویک ایساد مردن می ای دیت ہے ۔ میں میں جی والی میں سے ما طور پر دیت اور جو ہے۔ من من از او راجا صام باجا کرماته بند جا بارت من من از ای وال ترکیب اوس ای ای دیامات در اوس او در ایم سی کمک ای دیامات المامان المامی مات ویکن مات المان ایس می کوشال از که کار کار المان ایس می کهاری این از کال سال المان ایس می کهاری آن از کال سال المان می کهاری آن از کال سال المان می کودودا می این اول این تورک می The Trackers

राय राजेश्वर बंखी दोनों ही कल्वर और तालीम में बड़ी दिल बस्सी गवा. उस बमाने के गवर्नर सर विलियम मैरिस और शिचामंत्री के लिये चंदा दिया और सरकार से माजून इमदाद भी मिली श्रीर इसर्दी रखते थे. हिंदू मुसलमान दोनों ने मिलकर इस कालेज कालेज खोले जायं जिनमें घरानेदार चेटी के गुनी तालीम देने के तरफ फिर से किंच बढ़े और देश की क्रीमी जिंदगी या जातीय रामपुर इसके श्रीसब्देंट चुने गये. पंडित मातखंडे बी पहले .खुर क्षिये रक्से जायं. इस स्वयाल से लखनऊ में पहला कालेज खोला अनिन में संगीत और कलचर का जो स्थान पहले था वह फिर बरोरा हिन्दुत्तान के सास खास शहरों में चाल इंडिया म्यूजिक हो चुकी थीं. पंडितजो बर्गारा का मक्तसद यह था कि दिल्ली, लखनऊ किर हर दूसरे साल यह जानकरेन्स धूम से होने लगी.सन १९२६ में पहले यह क्रेंसर बास की वोपवाली कोठी में खुला और नवाब से क्षायम हो और इसके बाद खास खास केन्द्रों में संगीत के डानकरेंस बारी बारी से की जाय जिससे पहले जनता में संगीत की स्यूचिक खुला. इस बीच तक चार श्राल इंडिया स्यूचिक कानफरेंसे इन्हों लोगों को कोशिरा से लखनऊ का मेरिस कालिज आफ हिंदुस्तानी

(गारे विष्णु प्रभाकर)

ध मोंका, जो बसके साथ-साथ बन्दर बुध धावा था, इन सर र्क गहरी साँस सींची भीर हाथ के इस्ताने क्वारते हुये कहा--" अन्या बड़ी खतरनाक हालत है !" है लिये इसके पिता को कॅपाता हुआ गायब हो गया. हास्टर ने में राजिस हुचा, एसने किवाद बन्द कर सिये- उसती हवा सिवित श्रास्तवाल का नया सरवान बाक्टर हसन जैसे ही

शर्व इरडे छन्दें अर भी कँपकँगी चा जाती थी. एकाएक अञ्चा श्यीर अस ठंड को जिसके बपेड़े लाते हुये वह सभी लौटा था, पाप बांसरकोट जारा और खुँ वो पर टॉन विया. फिर बर्नाकी डिं- "भव तक कितने चादमी मर चुके होंगे? " बस्या जो पत्नंग पर नेटे थे, 'हूँ" करके रह गये. बाक्टर ने ा लड़ा हुआ. गहर सनसन करती हुई हुआ बता रही

डाक्टर ने बबाब दिवा—" श्रास्ताल में कुल तीस खारों

" मुस्समान ज्यादा होंगे ? " " सी होसकते हैं. "

का का का का करता. " अवटर इन यर रुका, फिर हाथों को मलता हुआ नोसा-

できるとはなった

ل تين وشين كان بن."

** ******

वह निमका जैसे इस सोचना चाहता हो. खन्ना तच तक क्षा के मूह की तरफ देखते रहे.

क्सने हावों को काग के कागे किया और कहा—'हो सकता

है, हिन्दू ज्यादा हों. "

किर कई बन कोई नहीं बोबा. सिर्फ हवा दरवाचे पर बपेड़े मारती रही. बच्चा के गुल पर बनेक भाव बाये और गये. उनके तमे हुने बेहरे की नसें और भी तम गई. एकाएक बेठे बेठे उन्होंने कहा—"तो कोई जन्मीय नहीं?"

"किस बात की?" इसन ने बाँक कर पूर्धा.

"कसने हो."

"फैसला?" डाक्टर खनरहत्ती सुत्कराथा भौर फिर ओरा में क्रोसा—"बान्बा ह्यार सांस इस तरह सब्दे रहते पर भी फैसला कहीं हो सकता. असली बात यह है कि वह फैसला करना ही नहीं बाहते वह जड़ना चाहते हैं भौर खबते रहेंगे. इसीबिये वह एक धूसरे की बात समयनों से इनकार करते हैं."

"श्नकार करते हैं?"

'श्राँ बाब्बा, में तो इसे इनकार करना ही मानता हूँ. सममना

बाहें तो सगदा ही क्या है."

श्रवना ने एक बार अपने बेटे को देखा, फिर कहा-"शायद तुम ठीक कहते हो."

"शायष् नहीं धान्ना, में बिल्कुस ठीक कहता हूँ." तभी किसी ने प्रवाका सटसराया. शक्टर चीका. वहीं से

Service American Comment

なるとうというないというか

المارات المار

ज्याव भाषा—'जी, अस्पताल में सक्टर रामी ने आपको

44

"एक नया केस श्राया है, साबां"

का बान बहरी है" "साब, उन्होंने कहा है, बख्यों की हालत खतरनाक है. आप

थाये हो. लाना न पीना. सरने दो उसको." धव्या ने सुनकर गुस्से से छहा—''क्या बाहियात बात है. चभी

करिश्ते ने इस सब को अपने परों के साथे में समेट लिबो हैं," भी **क्टोंने कॉ**पते हुये **क्टा-**''लाना ला सकता हूँ?'' भौर फिर किवाड़ सोले. ठएडी हवा तेज़ी से अन्दर हुँ। बास्तर बोला-"भरना तो है ही अंब्बा. भाव मेंगा-

रिया—"साव वह तो बल्दी बुताते हैं." भाने नासा अस्पताल का जमादार था. सिकुइते हुये ज

क्षेत्रवा बहाँ कर सकते." और चबते चबते कहा---"में कहता हूँ अन्वा, वह हैवान हैं. वह पब रही है, ब्यौर बह लोग लड़े जा रहे हैं, बहरी, हैंबान दोज़ली श्राँगीठी के पास आया और कहा--- 'जून जमा देने वाली सरदी आता हूँ." और उसने जल्दी से किवाद बन्द कर लिये. सीघे डुत्ते..!"साथ ही साथ दस्ताने पहिनता रहा फिर श्रोबर कोट स्टाथा डाक्टर ने लम्बी साँस सींची. कहा—"श्रच्छा तो कह दो, अभी

معينات المعين في كما يورد وي كا حالت تعليال و- آب كا الم الله على المعتال من المعرفرات أب المالياد" ر، زنه دکا در رسول " 551 Cafe - 1

المراد و فر عادی بلاخ بی اس انتها و که ددد انتهای ا المراد و بی مادی می کافر نیز کریلی سیده انتهای این از دان از در کریلی سیده این از دان از در این از دان از در این از دان از در این از ا "カラッシーで、アイ

इसन की बात मुत कर देंस पड़े. बोले--"हैवान बड़ी जल्दी कैसला करता है बेटे!" सब्बा समर्थ कीय में मरे हुए ये पर न वाने क्या हुआ कि

हुई. बह् भुड़ा, देखा,सामने उसकी बीवी खड़ी है. उसने गरम शाल शस भाने पर वह इन्ह नराज़ी से बोली—"अभी भाये दौर चल विये. क्या मुतीकत है ?" सपेट रसी है जोर उसके छुन्दर मुख पर कोध मिली सुस्कराहट है. वह झब जबाब रेता कि इस बार जन्दर के दरवाने पर चाहट

'खुदा जाने क्या होने बाला है, बेगम.'' 'खाना नहीं साम्रोगे ?"

'कैसे लार्ड, बुलावा चागवा है."

की जेब में बाबाते हुये कहा-- 'वाय तो पी लेते." बेगम के द्वाय में कुछ बिस्कुट थे. उन्हें डाकुर के सोबर कोट

अक्टर मुख्डराया बोला—"क्षुम बहुत बाच्छी हो, बेगम."

हुने बह जल्दी से मुद्रा चौर कहा-- "धन नहीं तक सकता नेगम! बेर हो गई बो रायद पहताना पड़ेगा." भौर किर डबके मुंह पर चाई हुई एक लट को पीछे करते

धीमी शक्ते सारी. पटकनी साथ कर घटना किर पतांग पर था नेटे. के साम समस्ताली हुई हवा पक बार तेमां से डठी और फिर से चदास हो गया था. दुस्ती मन से क्सने बाक्टर की जाते देता भीर देखती ही रह गई. डाक्टर दरवाचा स्रोल कर जल्दी बन्दी झन्त्र रत्नता हुना बाहर निक्त गया. नूटों की तेज जाबाज बेगम ने इन्छ जवाब नहीं दिया. उसका सुन्दर सुखड़ा परेराानी

> المحدود المواد المواد

معوا يرليتان سي آداس ان بهخود عاده محمل کرمان بیشتان هم اکت به ایما به ایک بارس ک محل می شراهاد که ساخه سنسان بون جوانیک بارس کا محل می شروشهای فیمنه کل دیگی کارنایم میک به برسی می می می می می معرائی میمندران بون ایک او که میمانی بوری و ما اید میمانی و میان سے اوران بوری و خاند میمانی برستا برای و برای و خاند میمانی برستا برای و خاند میمانی برستان سے اوران برای می مید ایران ان سے اوران برای می مید میران برای می مید برای مید برای می مید برای مید برای می مید برای می مید برای مید برای مید برای مید برای می مید برای می

वसी पास के कमरे से एक इल्की सक्सकाती हुई थावाख बाई. आं इसन के अबा ने पूछा--"बनवर, इसन थावा था. मन जिस इसी गया ?!

" मार्गताब "

'क्यों क्या, कोई बौर खखमी कागवा है. यह काफिर न जीते

三年前治代"

40 4 41. at....." व्या रेसके नौकर पास बैठा वा, घससे कहा—"वा, पूछ तो कामे हुन कावा कि वहाँ. कौर कुछ न हो तो विस्कृट बतौरा लेकर

शक्टर रामों ने बेचैनी से कहा-"हसन, तुम भागये. जल्दी करो. 🕊 अमय संस्वर ६ में है और घापरेरान का सामान तैयार है." क्षर बान्टर हसन जैसे ही घरणताल में दाखिल हुआ,

क्या करू इसन, इस बोगों का काम ही ऐसा है" क्स क्या बहुत सीरियस है ?"

ऐसा नहीं है जिस पर चीट न चाई हो. चीट भी ऐसी है कि देख पर विश्व कींप करता है." "शों केस बहुत सीरियस है इसन. उसके बदन का कोई दित्सा

ना तक नहीं खाने दिया." बात इसनी प्रसुक्ती से कही गई थी कि बाबा कुछ जवाब इसमें ने बारा शिकायत भरे हंग से कहा-"ऐसी क्या बात है क्त वन् 'स्ट

الاسمن الرسم عادل كا على المقدم الماسم الأسمال الماس المساحث الاین می می کن کن کار ایا به جاب میں دے کا اور این می اس می کیا۔ میا ایجہ قرائ می کیا گیا گا این میکا ایس می کیا۔ میا ایجہ قرائ می کار ایس می کار ایس می おいては、これののはないにあれている。 الما كالله المدين الله الما الد يه الموز يل الله الله الله とうとうないないとうとう Carlo Carlo سن، ایم لکوں کا کام ای الیا او." 5 JO 75.

及事基心?! ह्या- "अंसडे मर बाने पर क्या दुनिया मिट आयेगी, ऐसा कोई "बाह, क्षेत्र ! क्षेत्रे थवरव है कि बह जिल्दा कैसे हैं ?" "स्था बसका बिन्दा रहना बरूरी हैं ?" इसन ने उसी तरह

बार्ड में बाखिल ही चुके बे कौर दर्दभरी बीख पुकार सुनाई पढ़ने बगी थीं. एरवाचा स्रोबते सोवते हसन ने पूछा—बह हैं कीन ?" तम तक उसे जिन्दा रखने का बोक हम पर था पड़ा है. क्या करें ?"
वह चल रहे वे थीर वार्ते भी करते जाते थे. वह घायलों के "पड चुड़ा हिन्यू दे" रामी बोबा--'में जानता हूँ, पर जब तक वह सर नहीं जाता,

'बर्री का रहते बाला है."

है कि वह कानपुर का रहने बाला है और उसका नाम रासप्रसाद है." इसन ने धीरे से दोडराया—"रामप्रसाद, कानपुर,—बस ?" "नहीं, परवेसी हैं. जेब में जो काराख मिले हैं उन से पदा लगता

बिरे हुये वह बखमी के ऊपर फुक गये, जो बीसों बखम लाकर धापरेशन की मेच पर बेहोरा पड़ा हुआ था. बसकी साँस बहुत माहित्ता भाहित्ता चनरही थी मौर भषडुली मॉलें दिस में हर पैदा **इन कोगों ने कपड़े बरले और फिर नसों और कम्पाइन्डरों से**

हो इहा आ बार क्यारवा में एकते क्षा चुके ने कि दूर तक बीव पुके थे. यह बेहर् थके हुये से चौर बनके तमाम बदन में दुई धापरेरान खतम करके जब वह बाहर निकले तो पूरे पाँच धन्टे

الديادي إلى بيب عن يوما خذ طيل أن سى يتركت إلى الله المدين المال المدارس كا نام دام يرساد إلى ال あるがししがんしいけんかいとればしいい。 Sales Sales

الماري ميون إذا إما تعا أس كل مالش بيت المستراك من بل ان ایس نے کوے دے اور مجمل کا اور کمیا کونٹریوں سے اور کھا کا ارتباق

साय साय पखते रहने पर भी वह एक दूसरे से नहीं बोले. शाम हो पुकी थी, पर हवा की सनसनाहट स्ती तरह गूँज रही थी. क्यने बाकर वह कभी कोट का कालर ठीक करते, कभी क्यम तेय करके गरमी पैदा करना चाहते. उसी बक् एकाएक बाक्टर समी में घीरे से कहा, जैसे नींद में बढ़वड़ाते हैं—'कैसा अजीव केस हैं"

बा० इसन ने भी धीरे से कहा-- "पर सुके खुरी है, हम उसे बा सकेंगे."

'राग्यद

"कहीं रामी," हसन ने पूरे मरोसे से कहा—"मुके बक़ीन होता है, वह वच बाबेगा."

है, वह वब आवगाः अंतर्य समित होता है, क्योंकि तुमने उसके लिये परिश्रम किया है." "वह केस हो ऐसा था. उसे देख कर मुक्ते लगा कि इसे वचना वासिये....."

"क्योंकि इसके बचने में तुम्हारी विवा का इन्तहान है." बा० इसन में पकापक बा० शर्मा को देखा. उसे आन पड़ा वह

ठोक कह रहा है. केस जितना सातरनाक था, उसको बचाने का सामान भी उसनी ही ज्यादा था.

यह जान कर बां० हसन को गहरा सन्तोष हुआ और, उसने हुए होकर कहा-"मेहनत तो तुमने भी की है, रामी ."

'पर दुम्हारी तरह नहीं."

इसम में इस बात का क्याब नहीं दिया. पहिले की तरह

المعن في المدين في المدين الم

المراق ا

जुष्णप चलता रहा. उसका घर सामने दिलाई पड़ रहा था. उसी को देख कर यह बोला—"मैं समक्ता हूँ, घर जाने से पहिले तुम एक प्यासी चाय पीना पसन्द करोगे ?"

शर्मा ने मुस्करा कर कहा-- "जरूर करूँ गा ! सारा बदन दृट रहा है."

इसन इँसा, बोला— "और इस बात की क्या गारेन्टी है कि हमें अभी फिर उसी कमरे में नहीं स्नीटना पढ़ेगा."

"हाँ कीन कह सकता है ?"

"स्नेकिन रार्सी, उस कावसी का पूरा पता मालूस होना चाहिये. े वेसने में किसी बड़े बर का जान पड़ता है ?"

रामी ने उसी तरह कहा—'मैंने पुलिस को पूरो रिपोर्ट देशे हैं. बहु पता लगा लेगी और न भी लगे तो क्या हैं. न जाने कौन कौन कामा है"

"बह नहीं मरेगा रामी, उस पर आज मैंने बाजी बगाई हैं." रामी मुस्कराया—"तब और भी जरूरत नहीं है." वर आ गया. किवाड़ खोलते हुये डा० हसन ने कहा—"बैठो रामी, मैं बाय के लिये कहता हूँ."

भीर किर अन्या की मोर मुद्द कर कहा—"जन्या, वाकर वह बदा खतात्मक केस था, लेकिन कम्मीद है कि वह बदा खायका रामी और मैं अब तक उसी पर लगे थे." रामी ने हसन के अन्या को अदाब अर्थ किया. जवाब देकर

عيد عن ما إلا أو أطب وفن كيا. جاب دعة

स्वा बोसे—"कीन है?"

"यहाँ का रहने बाबा है ?" "यक बूदा दिन्दू है. चच्छे घर का जान पढ़ता है."

है और उसका नाम रामप्रसाह है." जेब से मिले हैं, जनसे पता च बता है कि वह कानपुर का रहते बाला रामी ने कहा--- 'जो नहीं, परहेशों हैं. जो कपाजात कसकी

घनपुर....१७ षच्या इत बार्क-"क्या.....क्या वताया.....रामप्रसाद....

"ब्यक्षे द्वाप कोई और नहीं है ?" 李是"

हा था, बोला---'क्या बाय क्से बानते हैं ?" हसन स्रीट धाथा था और अन्त्रा की बेचैनी को ज्वान से देख

नी इल्डी सकीरें समर भाषी थीं. अन्होंने भानवाने ही तससी से हा-'बह मरा नहीं है ?" भाव्या का चेहरा तन चला या और उनकी कॉलों में गुस्से

इसन को छनका वह रुख बहुत भन्नीन सा मासून हुना, इसने भन्ना पास बाकर पूर्वा---'काकां, क्या थाप कहें बातते हैं ?" रामी ने जनाव दिया—"मरने में कुछ कसर तो नहीं भी, संस्थु डा० इंधन ने व्यपनी दोशियारी से क्से बचा किया है." मन्या ने बाव इसन की तरफ ग़ीर से देखा कीर देखते रहे

डैसे बिना सुने करोने कहा--"रामप्रसादकनपुर.... उसके

" . 9 1-2 it & FE . 3 sight for 16.11

الله المعما بندوي المصفرة عان فرا الو " المحافظة المحافظ

ما من من من من الله من الله من الله من الله من

والمعنى والمعنى ف الناجات الى من ساكم ووراسي

مرا به جاب دیا۔ درخی کی کر ویس می برودالو معالی اوستان سے اسے بچا ای ہیں۔ المان كى فوت فريدى وكما المار ويُص بها من المان الم

-1

में पर दानी तरभ एक सरवा है. "

" चसका रंग गोरा है और उसकी शक्स....."

्रं इंसकी शकल "इसन ने पकाएक अन्वा की तरफ देखा. जैसे विश्वसी कौंदी हो. आपरेशन करते समय उसके मन में यह विभार आसा था कि इसकी शक्स तो अन्या से मिलती है. अन्या उसी तेची से बोले—"हाँ, मेरी तरफ देखो, उसकी शक्त डुब इफसे मिलती है ?"

हसन कॉपा--"बन्बा......"

अब्बा अपनी सुब बुध खोरहे थे. डनके चेहरे की अंदियों में नफ़रत उभरतो आवही थी. उन्होंने जलती हुई आँखों से हसन की तरफ देखा और कहा—" हाँ, में कानपुर के रासप्रसाद को आनता हूँ और मैं उससे नफरत करता हूँ....."

इसन जैसे पागल हो चला था---"श्राप बनसे नकरत करते हैं, क्यों.....?"

"हाँ, मैं क्ससे नकरत करता हूँ और उसके मरने का सुके बारा भी रंज नहीं है."

वह बुरी तरह कॉपने तारो से. उनकी ऑखों में गुस्से और बोरा के कारन पानी भर काया था. पर हसन को जैसे कुछ वाद बारहा था. कुछ, वह नो प्यारा होकर भी कड़का था, उसके खन्या की इस वेचेनी का कारन था. 'शन्या की वेचेनी'—वह बाहिस्ता से 'शपने आप से बोखा—'नहीं, यह केवल अन्या की वेचेनी नहीं है, यह

الاس المعلق المعرب عن المن المعرب ال

いるえらい

M 47 '%

पसंग पर ले बाये. बोसे-"बाज बाप इतनी सरही में क्यों रखे बा० हसन के बूदे दादा अन्दर बते भागे हैं. उनके बात इसन के अब्बा बबरा कर उठे और दोनों हाथों से थाम कर उन्हें सकेर हो चुके बे और फमर मुक गई थी. उनके हाथ पैर बढ़-गये. सबकी नवारें उस कोर कर्ती. देखा, नौकर के कन्चे पर हाथ बदत ने और भाँकों देखने से इन्कार कर चुकी थीं. उन्हें देखकर औक बसी बसय वान्त्र के बसरे के किया**द**ा सद्मदा कर खुस

हुमने बभी किसका नाम किया था. कीन बाया है ?" रादा ने इस नहीं सुना चौर सदसदाते हुये कहा-"धनवर

|बाब दिया--- ''बहाँ तो हसन के साथी रामी साहब बैठे हैं ." "कोई नहीं, धरवा." इसन के धन्वा धनवर ने शान्ति "नहीं घनवर, मैंने घच्छी तरह सुना तुम इसका नाम ले

वसं के अन्या की नकरत गहरी होतीं जारही वी और बाहर ह्या उसी तेखी से सर पटक रही थी. अनवर ने अन्ता को जाराम समक में कुछ नहीं भारहा था. हसन जुपचाप जेब में हाथ डाले में कन्बल दक्ते लगे धे सहेब कर बलंग पर बिटा दिया और फिर धीरे धीरे बारों जोर हसन की चोर देखते कभी बाज्या को, और कभी बाबा को. पर उनकी क्षिक एक गहरे दर्द ने उसे परेशान कर दिया था. इसके क्षिलाफ ाबा पर नक्षर गड़ाये हुये था. डसके मुख पर अब बकान नहीं थी डाक्टर रामों एक श्रजीब भूलभुलैबाँ में फॉस गये थे. वह कमी

> مین نہیں، آیا۔ اسمین سے آیا الدے جاتی ہے عاب میں الدی میں سے مائی طرح میں تم میں الدی ہے۔ میمین القدا میں نے ایک طرح میں تم میں میں مام کے ا القام

والعرب ومراء ماسل الدائد الله والله ال ع معدمة الم يراقان J. 12

क्षारा बती तरह बोबे--"अनबर तू बोबता क्यों नहीं ?"

बह यहाँ नहीं चाये" 'हाँ बह कहाँ है ? तू उसका नाम क्यों ले रहा था ?' जनवर की भावाच कुछ सदसहायी. उन्होंने कहा-- "अव्या

क्या कहा-- अस्पताल में ?.... क्यों....?" "बस्पताल में हैं." वादा की झाबाच एकाकए झौर भी दर्दनाक हो उठी--"क्या ...

भौर सड्सड़ाते डुथे बोले-"रामप्रसाद बाउमी होगया.....कैसे स्रोकिन अब बेहतर हैं." मुनकर खादा ने कन्बल को ट्र फेंक दिवा वादा, कानपुर बाले रासभसाद अस्पताल में पढ़े हैं जलमी होगये थे, हथा....किसने किया..... १" अब इसन से नहीं रहा गया. तो भागे बढ़कर डसने कहा--'शॉ

"राहर में जो दंगा हो रहा है बसी में......"

"अनवर उसे मुसक्रमानों ने मार डाला और तुमने सुके वताया भी नही, तुमने......" चौर इनसर के बिये ऐसे हो गये जैसे प्राया ने साथ छोड़ दिया. किर उनकी घाँखों से घांसू बहने बगे. शावाज भर गई. बोले---''श्रुसलमानों ने डसे मारा'' दादा ने श्रव सब कुळु समभ कर कहा.

"स्त्वा, मैं उनको जानता नहीं था." "पर तुने कहा, वह श्राभी जिन्दा है." "हाँ, दादा."

الله الله المراكبين إلى المراكبين المراكبين إلى المراكبين إلى المراكبين إلى المراكبين إلى المراكبين المراكب

الماد محد المحوال المحول في كما -" أنا وه يمان

المالي أماد بلك الديمي وروناك الوالى- يميل

م استاما "ماها من استراكم الم

गर्वे. अनवर ने उन्हें देखा और प्रकार बठे-"इसन, जल्दी करो रोने खरो. बनसे बटा नहीं गया. कटे हुये थेड़ की तरह वहीं खुड़क मेरा बेटा है, भेरा बड़ा बेटा...." कहते-कहते दादा फूट फूट कर बब्बा को राश आगया है." हहा-"त् सुके बसके पास से चका. में एक बार कसे देवांगा. वह "तो इसन, मेरे वब ?" बन्हों ने चठने की कोरिशा करते हुवे

द्वस इन्जेक्सन तैवार नहीं कर दोगे!" इस निकासी भौर उसे व्याले में डालवे डालवे बोला—"रार्मा, क्या इसन न कॉपा, न घवराया.चारो वढ़ कर. डसने चालमारी में से

शेका भौर के कर स्प्रिट में सुई साफ करने बगा. इसन ने दबा हिंदा के गते में बाली.कि: पुकार!—"वादा!" ''बहर हर दूगोंं ." रासी, जो बाब सब कुछ समक गया था,

होई चाबाज नहीं.

"रादा था..."

े भेग बेटा..मेरा बेटा.." बीरे बीरे बनको होरा आया. होंठ फड़फड़ाये.बोले--"कहाँ है थनबर ने पुकारा---'धनना.....'

'में क्सके पास बाउँगा."

ते हैं, दादा ! बाप बरा चपने को संमातिये तो...." इसन ने कान के पास मुँह लेखाकर धीरे से कहा-- "चाभी वाने क्वी तरह कांग्ले हुने कहा--'में होग में हूं, मेरे क्वने,

> يع المهنون في الحف كالوحيق كرية معلق من ومرس بي المان المون من المد المراد المون المد المراد المون المو

ا خوا، جواب سب مجمع مجمع کما تھا، بولا اور ان صاف کونے لکا جس کے دوا دادا کے ملک

をかいいであるこれを برعمان موجورايا. بوجو ميزميزات بدل しか アルカー

न्या सून्य प्रमास कार्या. चार्षित वह मेरा बेटा है, कोई रीर कार्या, में श्रुपंत्रभान हूं चीर वह सिन्दू, वह असते, मेरे बच्चों से कार्या करता है.पर....पर वह भी मेरा बच्चा है.में क्ससे नफ़रत नहीं रता रसन रसन ...

"इसन में अससे पृष्कृता. में मुसलमान इत्यासा तो क्या हुआ। स्माराबापबेटेका नाता वोनहीं दृट सकता. चाल्किर उसकी रतों में अब विदा सन बहुता है, इतना ही जितना अनवर की रंगों में बहुता

दोनों डाक्टर उनके जपर फुके हुये ये और अनवर ने उनकी नाड़ी इनकी भावाच किर बीमी पढ़ रही थी. वह रो रो इठते बे

मन्दर बेगम शांसों में शांतू भरे दुखी दिल से चार लिये बैठी थीं होर बह बाय न बाने क्य की ठरडी होकर काली एउं गई थी. बाहर अंबेरा बड़ा था रहा था और हवा सान्त पढ़ रही थी.

الرواية المواجعة الم المواجعة ال

الله والما الله من من المعلى الله من مسان وحما وكما وما وما الله الله ومن الله الله ومن الله الله والله والما والله وال

میرا درما کر اتما اور جها نتانت یا رای می میان می اکسومرسه وسی دل س جائد که بیخی میان می اکسومرس و می دل س جائد که بیخی

हिन्दू संसल्मान

(बान्दर सेयद महसूद)

उस्पंतान अब पहले पहल इस देश के दिस्सानी भाग में आये हो आके पास न कोई सरकार थी और न वह कोई कीन अपने साथ लाये थे. वह इस देश में इन्यानों का आपया का केंच नीच का मेर सिन्दों और साथ हो हर दो हुए आये और साथ इस देश के रहने वालों के साथ माई भाई वनकर रहे. उन्हों ने जब इस मुल्क को अपना बतन बनाया तो अध्यामी खर्जी और इस्तामी तम्दुन को हिन्दू सञ्च्या और हिन्दू सञ्च्या और इस्तामी तम्दुन को हिन्दू सञ्च्या और इस्ताम का सही इतिहास पढ़ने का मोका नहीं मिला. जब हम देश में अपने का सही हिन्दू सञ्च्या और अध्याम की कर सकता. अफसोस है कि सैक्टों बरस तक लोगों को हिन्दुल्यान का सही इतिहास पढ़ने का मोका नहीं मिला. जब हम देश में अपने के दिलों में के और खोर की कितान तैयार कराई जिनसे हिन्दू अध्याम में ऐसी वारों की कितान तैयार कराई जिनसे हिन्दू अध्याम होनों के दिलों में नकरत और ऐसी चटनायें दिखाई जिनसे हिन्दू अध्याम देशों के दिलों में नकरत और वेद के बीज पलते बढ़ते हिन्दू अध्याम देशों के दिलों में नकरत और कें दिल्य और मुस्लमान देशों के दिलों में नकरत और कितान हिन्दू और मुस्लमान देशों के दिलों में नकरत और की दिन्दू और मुस्लमान देशों के दिलाम बह हुया कि आज हिन्दू और मुस्लमान ही फल दिलाना बह हुया कि आज हिन्दू और मुस्लमान ही फल दिलाना बहा हुया कि आज हिन्दू और मुस्लमान ही फल दिलाना बहा हुया कि साल हिन्दू और मुस्लमान ही कल दिलाना बहा हिन्दू और मुस्लमान ही चल दिलाना बहा हिन्दू और मुस्लमान ही चल दिलाना बहा हिन्दों के दिलाना ही फल दिलाना है कि ईक्तियट की मशहर

ان سیان می میلی این دنی که دی میاک می ای و و و این سال ای این دی که ای این دنی که مید میال می ای و و و این سال ای این دی که ای مید میل این دی که دی که این دی که این دی که این دی که این که دی که این که دی که این که دی که داد که دی که داد که داد

ं जून सन् '४-

वारीक इसी प्रत्य से बिक्सी गई थी. क्सने अपनी किताब की स्नवर (दिन्द क्रेंग) से हितुस्तान की तारीख पेरा करना है प्रकार में साफ साफ बिसा है कि मेरी रारक राहन्साही नुक्त

पक्ता टपकरी है. इमारत बनाने की इस कवा को कोई बाँट नहीं सकता. शंगरेकों ने जो पालिसी बरती है उसका नतीबा यह ंडुका कि बसने बीच के वेस जोत के एक हफार बरस का छोड़ कर और संस्कृति को एक दूसरे से चलग करने में कावया न हो बिन्दुक्षों की निगाई दो वीन हजार बरस पीछे कर दीं. हिन्दू नहीं मिटा सकता ! जामे मसजिर देहली और जांगरे का ताजमहत भौर जिसको हिन्दुस्तान भौर पाकिस्तान का रौर कुदरती बॅटबारा भी मुस्सानों में भूट बासने के लिये की गई, हिन्दू मुस्सिम तहचीव की कड़ी न होती तो इस बात में राक है कि हिन्दुस्तान बांज बीतवी मुस्तिम तद्दर्शन के मेल जोल का बसर यह हुआ कि हिन्दुस्तान सकी, दिन्दू सुरितम तहबीन के मेन बोल से बिन्दुस्तान बीसनी सदी का साथ है सका. भगर ग्रुपलमानों की यह बीच किसी के मिटाये नहीं मिट सकते. जामे मसजिद देहली एक मजहबी श्रदी का साम दे सकता. इसारत हैं लेकिन बससे भी हिन्दू मुख्तिम तमद्दुनी या सांस्कृतिक में पक नई सभ्यता बनी जो इस देश के कोने कोने में फैली हुई है लेकिन वह सारी कोशिश भी जो खंगरेची राज में हिन्दू

विन्तुतान में गुनवामानों ने कभी मणहण के विने बंग नहीं की श्व देश में विजयी बनाहणों दिन्तुओं कीर गुनवामानी में की पह प्रकृत्य कीर राजकारी जुनिवालों पर नहीं कार्त जो

いかられているとう و معرض الا المعرف الماليان المراس المعرف المراس الم ال بن ين عن الحالي إنسال الله عالى عن من وسائل می این می این می این نے این کتاب کی توقع میں میں میں ای کر دری توق میں شدندا ہی افتعاد انظر میران میں سے ہندستان کی نادیج بیش کرنا ہی۔ میران کردن سے ہندستان کی نادیج بیش کرنا ہی۔ معدمان ای جون مو

न्त वन् 'अ

की तरह मिन्नते. मेंने देने और त्योहारों में हर बगेह हिन्द के वाथ किंदू भी. एक गिरोह वृक्षरे गिरोह से इचिनिए सब्जा कि वह एक राज को क्लान रे और दूसरी हकूमत कायम करे हुआ और अन्त्रों सकत सचार्थ हो गई. बौर बहाँ के मुसबसान शिकमों बौर हिन्दुस्तानी मुसबसानों पर वह शतकाम बसाया कि बन्दों ने हिन्दुकों से शतना मेल इस जिला है कि वह विवाहका हिन्दू हो गये हैं. लेकिन महसूद हैं चौर कार्से हिन्दुचों से साथ ग्रुस्त्वसान भी होते चौर गुस्त्वसानो मुस्त्रमान बादराहों से लड़ना पड़ा. मुस्त्रमान हिन्दू माई भाई अस्तिम पक्ता का नवारा दिखाई देता. बाठ वी बरस के इतिहास इत्येच को तो जवादा तर अपने खानवान वालों या दक्तिसन के को अपित से. सेकिन उसने इसके लिये मजहब का नाम लिया र्जर करवीर में. इन येनों बलवों में गुसलमानों का क्रसूर सावित में हिन्दू ग्रुप्टलमानों के बीच तिर्फ हो बलवे हुए. यह हो बलवे इसमें मचहन का कोई सन्नास न बा. चगरने देशों को जीतन रि शनी कर्त से सिवर के समय में हुए. एक ब्रह्मदाबाद चौर धा महत्त्वत् हासिल फरने के लिये कभी कभी मजहब का नाम क्ष्या. जगरचे तैमूर की गरज सिर्फ इतनी भी कि वह हिन्दुस्तान सिका बिक दारीका में भिवाता है, गुराकों के विवाकुत कासिरी इससे म हुई कि सबहब के नाम पर कोई सदाई सदता. और-र तेथूर रोनो रिन्दुस्तानी नहीं ने. श्रीरंगवेश को कैसी बा बिक्स बाता था, जैना कि महसूर राजनबी और तेसूर ने

रंग निना किसी शक व शुबह के कह सकते हैं कि उस जमाने

مند شمل ایکتانی انشارا دکتانی دیتا. برخد سویس که اقتان من چنده سلال سک یک مرت دو بلوپ که باش آخری دوریش من ایک این دی میت برک سلوب که آخری دوریش می دودن بلوپ دی مسالان کا قصول تایت برما ایر می برای دودن میس برسالان کا قصول تایت برما ایر

न किया तो बर है कि सुगलों की हकूमत कहीं वरवाद न हो दुरामन मुल्क के भागन को खतरे में बाक्ष बेता तो सब मिलकर हैं. एक पुर्तगेज और बूसरा नाविर, क्यार हमने मिल कर मुकाबला वेशाबा ने एक स्तत बिस्ता था कि इस देश में दो दुशमन आरहे इसका मुझाबला करते. नादिरशाह के हमले के बक्त सिंध्या की र सरह जनसा और बेरा के फाबदा पहुँचाना और सब के साब त्यांबर इन्साफ करना हुआ करता था. अगर बाहर का केटि ि दिन्दु ग्रुधक्रमान भिक्त कर बस सरकार का चलाते वे चीर एक सा कायदा चठाते थे. डस सरकार का जाम मकसर ग्रुपक्रमानों की हरूमत एक तरह की स्रोमी सरकार क्त सर '४८

न्त्रियों के हर किस्म की तरक्की के मौके मिलते रहे बौर इसके बाद छन्दों ने मुसलमानों की तरफ ध्यान देना ग्रह हिंदुकों के बढ़ाया. अंगरेची हकूमत के शहर जमाने से हर किया कि चार तो 'बाबू' हमारा मुकालवा करना चाहरा ह बारो बढ़ते गये. जब दीसत झीर तालीम के कारन हिन्दु जो नीय डास्ती गई तो अंगरेकों की आँखें खुलों और उन्होंने कहन ो तो श्रंगरेज हाकिम धबराने बगे. जब सन् १८८४ में कांत्रेस बक्की तरकको हो गई भौर वह संस्कार पर तुक्ता चीनी करने को इनक्षना शुरू किया और सन् १८८५ ई० तक उन्हों ने मंगरेकों ने ध्यमनी हक्कमत को मखबूत करने के लिये सुसल-ल्य नीकरिनों और इस रिकायतें नेकर कांगरेकों ने

1.60% Cer

अन सन् '४:

वाब बाह पासिसी झोवनी होगी. अपने को दिन पर दिन असील व ख्वार करते गये. सुम्रलमानों की श्रांतेओं के बर्गार में सिर कुका कर दिन्दुमों से लड़े और बह की कि इस एक बाता नौकरी में हिस्सा बँटवाने के लिये दिन पर दिन बिगइता जाता है. पहली राखती गुसलमानों ने गिरे होने का खवाल वैदा करके कर्दी नौकरियों और रिकायतों के सहकृष रहने से किसी क्षीम का केरेक्टर नहीं बनता बल्कि हिन्दुचों के मिला था उस पर सुसलमानों की नचर दौड़ाई. नौकरियों फिर गुसलमान स्ती तरह और न निर जाये जैसे अंगरेकों की पश्चिमी से बन गवे थे. पन्त्र थाना बड़ी बड़ी नंकरियाँ जो को भीर भी परत और बिखोरा बना दिया. सुके बर है कि कहीं संगरेकों की जेव में बीं वह तो न मिलीं पर एक चाना जो के लिक्के उन्हें बिन्दुकों से बदबा दिया कीर इस वरह असलमानों

्या कि कि अवस्थानों की बहुत बड़ी तासाद उस सुरू के बीर मुख्यमान सबसुब न सिके मुल्की चौर मरकारी बल्क पर शता होने का प्रोपैतान्या शुरू किया और मुसलमानों ने उसे संवासी धीर कसचरी एतबार से भी वो सत्वा सत्वा कार्स है. नतीना यह हुथा कि सुस्तवान भी निरवास करने तारे कि हिन्दू बुधबामानों का अलग अलग हिस्सा मुक्तरर करना शुरू किया. सच मान लिया. जिन्दानी के हर मैदान में अंगरेमों ने हिन्दू विकार. हिन्दू और मुसलमानों के कवाबरी और समाजी तौर कौर प्राचीन सध्यता के। फिर से, बापस काने की तरफ तवज्जह हिन्दुकों के दिसारा की कांगरेकों ने तरह तरह से वहकाया

انگرزندل کی السیدی سے بن میں انگرزندل کی السیدی سے بن میں ان جو انگریزوں سے جب میں میں میں میں السیدی میں میں مرع يود ما من المراكمة المين وكرال العد رهاميان مع الله مجمعين جمعول سا لاما ميا الله إلى طي سالان م الله مجي ليس الله يجيوا ناديا . في در اي كر مين جرسيان

العدادة من المراس المر الله من مائع الكرزول في طرى طرى من بنكايا

बेंडबारे का भी नारा सगाने सगी, जिलको उनके बुजुर्गों ने चपने

को पक बनाने में शुधलमानों ने बहुत बढ़े बढ़े काम प्रांचाय विये बन बौर पर्वनि से पक बना कर दिखा दिया था. इस उल्क

ने **औ**र बजांग इसके कि वह इस पर करने करते, सिरे से इस

میں جو وات العد موروں ہورہ وہی خفات ہو سب می ایمنوں میں جہوں میں جو اس میں ہورہ وہی خفات ہو سب می ایمنوں میں م معرور المینوں نے جسنے الی میں ایک دورے سرائل اوٹو المیل ہوتا ہا ۔ وہی انگرزوں نے ہے مہال میدا کر دوا بسٹالان کے جاتا ہوں کے جاتھیں المیمنوں کے جاتھیں ہوتے کا حیال میں کی مطابق میں چندمفل می و مادہ تعاد کا قلہ بھایا امد اؤکویاں وغیو میں جیس معوظ (مُرکشت) کھے کی فرج کی دلمان کھوی کہتا میں میں مرائع کو مقابلے کی اوا بھی نہ گئے۔ یہ گفتہ اس اس اس کی ہوا بھی نہ گئے۔ یہ گفتہ اس اس اس کی ہوا بھی نہ گئے۔ یہ وہ ما بیس ماصل کی مقبل ماصل کا قرار امد زیادہ رما بیس ماصل آدی کے ماحد کی ہوا ہے۔ یہ میں ماصل آدی کا میں ہوتھ کی ہوتھ کہتے گئے۔ میں میں خاص آدی ہوتھ کی دو جزین ہوت کی سامن آدی ہوتھ کی ہوت Share Charles Comments این تھی کہ وہ اِس پر فوٹریق ایرک ہے اِس مک کا کا یک انگار کرئے اِس کے موارے پر اِی کل تکے۔ اِنعوں نے اِن علی طاقت اور قابلت کے دُرھائے میں مفلت کی۔ آج اِی

मान, और भी गिरते गये. मैं किसी खास बादमी पर इस क्हीं दो चीचें बनके सामने रहीं. पिछक्के दस बारह बरस में मुसल-थों का क्रांबास नहीं बरता, बहुँ बरेग सबसी करते हैं उद्

धवने ऊँची ऊँची चीचों पर से जनकी नजरें इटा वीं. हिन्तुचों

डा डर डॉर ज्यादा रिचायते दासिल करने की कोशिश, बस

मैं करियाँ भौर सीटें, बस इसी पर उनकी नदारें जमी रहीं

सरो. यह नशा इस तरह पित्राया गया कि आजतक उतर न सका. रीबार सड़ी कर वीं जिसमें कि अनको मुकाबले औं हवा भी न नीकरियाँ बरौरा में जगहें महकूज (धुरिचत) रक्षने की लोहे की

राज्ञेखत डी. बाज उनमें जो निराशा और कमकोरी है वह वही

हुन्क की पकाई से इनकार करके इसके बँटवारे पर ही तुल गये. धन्हों ने अपनी अमली ताक़त और क्राविवयत के बढ़ाने में

शक्ता है जिलकी उन्होंने आहत डाली है. लोग या क्रीमें उसी

एक दूधरे से टकराती और अुकाबला करती रहती हैं. अंगरेबों

बक्स तरक्क़ी करती हैं जब कि वह जिन्दगी की खींचा तानी में

ने हिन्दुकों के युकाबले से सुसलमानों के। डराया. सुसलंमानो

का सम् '४४

भी चीर हिन्दू मुसलमान दोनों कंगरेजों के हाथ में सेलते डन्हें इस संबंधी का नतीबा मुगराना पंदेगा. लेकिन में यह नहीं क्रीमें भी पत्नती करती हैं. पूरी मुस्सिम क्रीम ने यह रावाती की कौर क्ष सकता कि दिन्तुओं से भूले नहीं हुई . उन्हों ने भी रासतियां बॉर इसी का नतीजा चाज हसारी झाँखों के सामने हैं.

बैन को बार जयादा खतरे में बाल दिया ? क्याना, क्ससे बेराक हिन्दुस्तान की इच्चत में बहा लगा सेकिन इसक्यानों के सोचना चाहिये कि इस बेंटबारे से डनका क्या बन्त दुक्ते दुक्ते, न हुमा था. बक्तर चीर राष्ट्रवहाँ का जन कि वहाँ पूरी एकता कायम थी. चन्द्रगुप्ते और अशोक हमाना राष्ट्रको का बमाना था क्योंकि हिन्दुस्तान उस बक श्रमाना सरमकी का श्रमाना था क्योंकि हिन्दुस्तान उस । हुआ. क्या यह सब नहीं है कि इस बंटवारे ने बनके सुख हिन्दुस्तान में जब कभी भी तरककी हुई, वह क्सी बक्त हुई धा. चार्च को दिन्दू मुस्स्तमान रोनों ने देश का बँटवारा

हिष्यार असी सिनाह ने कहा है कि हिन्दुस्तान और पाकिस्तान के र के बाद इसका एकरार किया. क्रिकेस (बंबाब) का एक होना सुमकिन है. क्रायदे बादास ने बहुत असे भावनारों में यह पढ़ कर खुशी हुई कि क्रायरे आवम

हुमाबिन हैं ? बागर नेरी कराबोर बाझांच कराची पहुँच सकती है से मैं बड़े बादव से बहुँगा कि झामरे बाजम ने हिन्द व पाकिस्तान के मिले जुले बचान के बारे में तो संबाह बाहिर या मिसे खुते बचाव के बिना इस सजबीच का आगे बढ़ना

日子出

زگیان میں دفت محاور محلوم نہ ہواتھا۔ راز ترق کا دہ در تھا کمونکہ ہندستان تھا۔ کہ برم موسیدد سمال دونوں نے دئیں للمدكيت الدائفك كا فارقل یم تھا۔ ان می میدد میان دونوں نے فو م سے جافت اسدستان کا عزین میں با کا مومینا جائے کہ اس میوارے سے ان تا میں اور اس میوارے نے ان うでき

Legis of the property واعد دناده حط

ज्न सन् '४८

. होया कि हम क्रायरे के साथ इस मसले को पेश करके आपस क्षित्र है वह सिर्फ जलवारी बयान होकर न रह जाय. क्यों न वेश की बाब, पं० बनाहर लाख नहरू ने भी कई बार ऐसा में तय कर लें, अपर यह हो जाय तो काश्मीर का मसला कोई के भी एक करना बंहरी होगा. यह दोनों देशों के लिये अच्छा क्ष भीव बाक्सवरा तौर पर दोनों सरकारों के ग़ौर के लिये इयास चाहिर किया है. मिले जुले बचाव के बाद बाहरी पालिसी

साम दिया तो दोनों देश तबाह और बरबाँद हो जायँगे. सलामती आंग फिर खुदा के कह या आफत की सूरत में आने बालो है. अगर यह खनर थी कि रंगलैंड का बादशाह कताडा बला जायगा. यह श्रहमियत न रक्क्सा, वह आपसे भाष हत होजायगा. इसी में है कि हिन्दुस्तान व पाकिस्तान दोनों लड़ाई से अलग रहें. दिन्दुस्तान व पाकित्तान में से एक देश ने भी किसी लड़ाकू देश का आरेर तीकीर बढ़ाते. हिन्दुस्तान का अगर बॅटवारा न होता वो का इसे बर है बसके कारनों को तूर करके हम, खुद अपनी हज्यत खुद भी बने होते और दूसरे देशों को भी बना लेते. जाज जिस सड़ाई सकते हैं. श्वगर इसने यह पहले सोचा होता तो इस मुसीबत से आने बाली लड़ाई से कोई सरीकार नहीं रखना चाहते. दोनों पं० जबाहर कास नहरू की राथ कापको मालूम ही है कि वह इस श्रमक्रित वा कि दिन्युस्तान की शक्तत में इतना बचन होता कि वसकी (पाकिस्तान व दिन्दुस्तान) झाने वाली मुसीवत से अपने को वचा मांबाड दीवरी बड़ाई को तेड सकती. दाज किस मंद्र के इमारे तीसरी जंग का खतरा साक नज़र आ रहा है, कल अखवार में

ما الاستان علی این بود ساجی می بار ایسا حیال ما بر این می ایسا می ایسا کرد این با بر این با این ایسا کردی بر ایسا ک ا کا ده موت افادی بیان موکد نه ده جائے میوں نہ برخیا محالات مورید ددوں مرکاروں کے خود کے لئے بیش ک

و دونس دلیش تباه اور بر او برجائل کے سلاکا ای بی او برخان کا میں او برخان کے سلاکا ای بی او برخان کا میں او برخان کے سلاکا ای بی بی او برخان کا برخان کے میان کا میں اور دو اس ای دال میں برخان کا برخان کے دال میں برخان کا برخان دو برخان کا برخان دو برخان کا برخان کا برخان دو برخان کا برخان دو برخان کا برخان معد إن عزت ادر لوتر رفضات باندسان كا الربطاء و بوتا و من بينا موجه وسنان كرطافت عن إنها وزن ووناكر اس ك THE FOR STANDER فيت التي عب الوال كايس فر الراس مي كارون كو دود كورك الا

क दी च रक्तेंगें. उनका यह खयात सारे भगदों की खतम करने फायदां नहीं. बक्त्त निकल खाने पर अच्छी से अच्छी तजवीच भी बाबा है. इस पर बमल करने में बल्दी करनी चाहिये.हेर करने में कोई केनर हो जाती हैं, जैसा कि पिक्षले बाक्नेबात हमें बताते हैं. हम् अप धापस में बदाई के बिचे तुले बेटे हैं. बन्धीद है कि आवदे बाबन अपने इस क्रीमर्ती और गुगरक तथात को सिर्फ श्रुखदारों धर्मर (रामदृत) इस सन्तर्र को रोकने की कोशिय कर जब वि

नवर भी दिन्तुस्थान पर बन्धे हुई हैं, बत्तरी बकरीका के क्क्ष्मसम्बर्धे की नकरें हिन्दुत्सान पर पड़ रही हैं. पच्छिमी धरीवा की द्वार दें दें वो इनारी और पकितान की सारी मुसीबतें दूर इसा ! कार्य आवाम का दिल पिवले । और वह इसको जमसी सांवि की हिकाबत हिन्दुस्तान भौरापाकिस्तान मित्रकर ही कर ही सारफत ऐसा ही पैतास मेबा है. घगर यह मिलेजुले बचाब विसका बा रेश कुन्रती धीर पर इक्तवार है. दुनिया के असन किसी राज व शुमे के लीवर माना जायगा. यह वह बड़ाई है झ सामान हो बाच वो हिंदुस्तान परीचाटिक क्षिबरेशन का विक्षा हम्पनार्थन के बादराष्ट्र अमीर अन्युल्या ने भी अपने आद्तिया क्षामी अन्त्रें की नवरें भी बिन्दुस्तान पर ही जमी हुई हैं और ते हैं. करा ! इस कमचोर दूटे हुये दिल की सदा कराची पहुँचे दिन्दुस्तान परिया का कुद्रत्वी लीडर हैं. इंडोनेशिया के के करोड़

फिबरेरान का सीवर होने से एक तरफ मुसलमानों को ज्यादा परिवासिक किमरेशन कायम होने बौर हिन्दुस्तान के क्स

مغیر (دارج دوت) إس لطوال کو روشنی کا کشت کری جب که ایم خود الیس میں لطائ کے دیا مطلح ایس و ایک کا کشت کری جب که ایم خود الیس میں لطائ کے لئے مطلح ایسے ایس وجب الدر مبارک خیال کو حرف اخباروں کا کہ وظلم ایسے ایس وجب ان کا رخیال سادے جیکؤوں کوختم سنگ ہی زایضیں گئے . ان کا رخیال سادے جیکؤوں کوختم

این منائی کی مناطق مندسان اور یاکستان مل کم ای کرسکت ایر - کاش ! این کرده فرخهها حل کی صدا کراجی بینج - کاست ! قا کمد اینکم کا حل کیسک اور وہ ایس کو عمل صورت دے دیں تو ایک اور یاکستان کی سادی مصیبتیں دور اوجا میں -المیسیان میں قائم اور دو اور جندستان سے میں فيللين كالميد بوف سراي طن مالان كو نياده

बाब पहुँचा सकते हैं. द्वनिया के सामने शांति और क्यहिंसा का संदेशपूरे खोर और ताक़्त के हारिकी पुकार को योरप भीर अमरीका बाले उकरा नहीं सकेंगे. काषिमी हो बाबना. भौर इसके बाद हिन्दुत्तान भौर पाकिसान बात्स है. इसके बाद मिली जुली बाहरी पाकिसी का तय हो जाना स्तान भौर पांकस्तान के मिले जुले बचाब के मामले का तब हो भाषाचा को इतनी मचबूत बना सकता है कि उसकी सुबह कौर हित्ती चक्करीक्स के सारे देशों का लीबर वनकर दुनिया में चपनी किन इसमें बल्दी करने की बरूरत है. इसकी पहली कड़ी हिन्दु-विशा कर विथा है, दूर ही आवगा, दूसरी तरफ हिन्दुत्तान को यह हिंस बाबी झरेंसें का नावायन स्वीक, नो संग्रेखों ने उनके दिल कृति द्वासिक हो कायगी कि वह पूर्वी व पच्छिमी परिाया श्रीर

हरमी बाहिषे. पिझले वस बरस की मुसलमानों की पालिसी और ह्यांच से प्रसंस्थानों की वरफ से बायचा तौर पर दिन्दुओं का भरोसा हरूमा चामिये कि हिन्दुस्तान जनका भी वैसा हो देश हैं जैसा झंडे इस शर्क को दूर करना चादिये और एक बार फिर यह साबित हु गबा है. बह सममने लगे हैं कि असलमान बनको अपना भाई भ अपने असल से, अपने अच्छे ब्यवहार से, अपनी सेवाओं से 🌓 समक्ते और न इस देश को अपना देश समक्ते हैं. ग्रुसब्बमानों ध्याचारी वैदा हो गई है डसे दूर करने की कोशिया मुसलमनों को बिन्दुकों के दिल में ग्रुसबागतों की तरफ से जो शक और अब क्षा हरवान करने के बिने तेवार हैं. आ और इस देश के लिये वह अपनी कानमाल इज्जात

> ن بيدا توريع الأوا دور جوجا سئالاً ، دوسري طن بهندستان كو يا إلى حاصل جوماسة كل كه وه لوري وجيمي السنت اور الري اول ای سعندین میں میں۔ اس اور یکستان کے لیے : ای اس می میلی کوئی محدستان اور یکستان کے لیے : ایک معاطم کا طو اوجانا او اس کے بعد می علی ایری یا با کی ملح اور مثنائق کی تیکارتولیدپ ملیل کے . لیکن اِس میں جلدی کور

یامتان وزیا می ما می منائن اور این کا سندلش بورس و دور اور طاقت می می منائن اور این کا سندلش بورس بیم اهتباری بیدا بوشی یو ایس دور کرن کی گوشش مسلانی بیم اهتباری بیدا بوشی یو ایس دور کرن کی گوشش مسلانی میم کمان جایت بیمیان رسی جارز طور بر میندوک کا محد سا المع الدرين وين كولة وه إين جان مال عرت أيروسي في نه علی سے اربیت ایکے بیوار سے ، اپنی میواک سے آل ن شک کا دعد کرنا جاہے اور ایک بار کھر یہ ٹات میم کر میندستان ان کا تھی دلیس ایک دلینی پر جیسا ہے とうとうと

(d)

अस्तिमानों को इसी देश में रहना है. वह पहले भी हिन्दुओं के भर्दि बनकर रहे और अब भी कसी तरह रह सकते हैं. पिखते हम बन्ध में हिन्दू और अस भी कसी तरह रह सकते हैं. पिखते हम बन्ध अमेर हम और इसके लिये मुसलसानों में नफरत दूर होने के लिये भी कार्य किया कार्य रहना चाहिये. अगर वह हिन्दुओं से मुहज्बत करें तो किये भी अससे प्रेम करने लगों. तारीख गवाह है कि जब किसी ने विस्ति भेम किया तो बह वसकी पूजा करने लगे. मुसलमानों को मोहज्बत के साथ उनकी तरफ बढ़ना चाहिये. बह मुसलमानों को मोहज्वत के साथ उनकी तरफ बढ़ना चाहिये. वह मुसलमानों को मोहज्वत के साथ उनकी तरफ बढ़ना चाहिये. वह मुसलमानों को मार्दिश के लागों लेंगे.

महात्मा गांधी के बलिदान से सबक

बेसक—पंडित सुन्दर काल
सान्त्रवाधिकता थानी फिरका परस्ती की बीमारी पर राजकाजी,
बाद की कीर इतिहासी पहल, से विचार कौर उसका इलाज,
बान को बिया में देश पिता महात्मा गांधी तक को हमारे वीच
म राने विथा! कीमत वारह काना.
कियाब हिन्दी बौर उर्दू लिखाबटों में अक्षग अलग मिल

मैनेजर 'नया हिन्द' ४८ बाई का बारा. इलाहाबाद.

مها حمامی می کیمیدان سیسیق ما حمامی می وزیری کی بیماری برراج کای افتای ادر ما می میرو سی وجاد اور ای کا علاج احب نے بهتر میں دیتی بینا میں میرو می میک و بهار سے بی میں انک الله می بیری بیا میں میرو می الدو کھا وقوں میں انگ الله می بیری بیا میں میرو می اور اور اور اور الله الله می بیری بیری بیری بیری

बापू रकूल मास्टर के रूप में

गार मैंने अपने श्रापसे पूछा, बापू के सिर पर इतने बोभ और विनी जिन्मोदारियाँ हैं, डनमें एक इसको और बढ़ा देना क्या ठीक विरक्ष का ठिकाना न रहा. इससे सके कुठा अभिमान हुआ, रि जान उन्होंने खुद सुमे हिन्दी पढ़ाना शुरू किया, तो मेरे हीं." वे बोले कि हिन्दी जानने से मेरी उपयोगिता बढ़ जावेगी स्ताही बंग ही सुके ज्यादा ज्ञाकिषेत करते थे. रोसरे थे, तो उनके राष्ट्रों के बजाय, उनका उज्ज्वल अस और गरे पाने में धनका डपयोग क्यों न कहां? ध्याखिर हिन्दी तो ्यार वे रोखाना मेरे बिये डुख मिनट दे सकते हैं, तो मैं प्रयमें जीवन की समस्याचाँ और बलकतों के बिये उनसे रहनु-्था कि मैं हिन्दी जानता हूँ या नहीं. मैंने जबाब दिया-ाष्ट्री तरह सीस सकता हूँ, क्योंकि जब वे मुक्ते पढ़ाते या मुक्ते सा में विसम्बर के जांत में बापू से मिला, बनका पहला सवाल कैसी दूसरे से भी इतनी ही अच्छी तरह—राायद ज्यादा (साई पी० बी० बन्दवानी)

भी का संगता है. पहले पंत्र दिनों में उन्होंने वार्मिक नियमितता पर्ती) के साथ मुक्ते सबक्र दिया. मेरे वहाँ पहुँचने पर वेशक्सर मेरे बिल्ही" आ कर मेरा झागत करते थे, बिसे मुन कर इस भीर मैंने इस विषय में बापू से कोई दबील नहीं की घौर क्ष ही पता बस गया कि एक श्रृत मास्टर का काम करना

ايد اسكول ماطرك دوب ين

من و مری ای بین بالات ای کا بالات کا بالات کا بالات کا به الات کی بات بین بالات کا بالات کا بالات کی بات بین بالات کی بات کا بالات کی بات کی بات بین بالات کی بات کی بات

मैंने अपना बक्त किस तरह निताया. मैंने कहा-"वापू, में मन क्मको इस बात की रिपोर्ट दूं कि यहाँ के काम के क्टरों के बाद सरास्त्र काम करते हुये काफी घंटे यहाँ विताता हूँ, और जब कालार बनन हिन्दी सीखने में बिताऊँ और कुछ समय बाद संबंधी बड़ा अंबा चाता था. वे बाहते थे कि मैं घर पर ही बपना

मेरी इंच्झा होती है." तब सुविधा की भावना से उन्होंने बर समा के भाषया पढ़कर सुनावा करता था. हक्ट्री करके बनके बापू के, बात्मा पर बसर डालने वाले, प्रार्थना पर बह काम करने से सुके छुट्टो दे ही, कारवे कपने सुल कौर कायदे के लिये कभी कभा मैं घर पर अपने परिवार वालों को में घर बाता हैं, तो कभी कभी कुछ न करने का संतोष पाने की

इस्ता ज्यादा शब्धा है. मैं बोला कि मैं एक गलती करने वाला बचा किया था. सन्दोंने कहा कि जल्दी जल्दी और बेहतसीनानी के है बीर बाप सब्स स्क्रमास्टर, खांच कक्ष करने के बक्षाय धीसे धीसे चौर इतमीनान के साब काम श्रीमधी नेहरू को 'बेन" की खगह "बेन" लिखकर सम्बोधित बिन्दी खत छन्दें अभिमान के साथ दिलाया. सुके उन्मीद थी कि विसों में मैंने भीमती रामेश्यरी नेहरू को जिला हुचा चपना पहला बहुती ही सकार में मेरो एक बुरी शताती बताई. उसमें मैंने इसे पेसकर बे गुरू और चेले दोनों की तारीक करेंगे, सगर हे किसी अधूरी बीच से . बुरा होने वाले व्यक्ति नहीं थे. कर्हाने बनाबी नवर से मेरी एक भी तकती नहीं बचती थी. कुछ

बार ने जेरे बारके बाबर जिसमें कर सेरह कोर दिया जाता

いるというという。

بهاسة وهيمه وهيم اور اطمينان تع سائع كام كزنا زياده ايضا يوني إلا كريس ايك علم كرن والايخة بول الدائية تاكول، الم الدار مرا الله الناكف د المعادد دار الله

•

बोसाता था, मुँह में कंकड़ रख कर नदी किनारे बोलने की कलाका , भारतास किया, भीर भन्त में वह अपने जमाने का सबसे बड़ा ने अपना मक्सद हासिल नहीं कर लिया, तब तक वह बारबार सुकारने के किये वे मुस्तको बारीक से बारीक तरीके बतलाते थे. रकानी ही बाहिये. बन्होंने दूसरी धंग्रेची पुस्तक में खरे हुये खूसी इंबिसिये कि वनके खुर के अवर बहुत बच्छे नहीं थे. बन्हें धुरिकतें हों, इसे अपने आवरों तक पहुँचने की कोशिश जारी में ४५ क्रिमीका कोश (चाबिया) बनाऊँ. वे चाहते ये कि में इतने चच्छो कोरिया करती रही और डेमारथनीज ने, जो कभी इकलाते हुये बौर डेमास्थनीय के चदाहरण देते हुये कहा कि जब तक ब्रह्मी इनके अपन्तों से तो अच्छे थे. उनके अपन्तों की उपमा में चीनी मिसाल के लिये उन्होंने मुक्ते कहा वा कि 'म' बनाते समय क्या (मुक्ररिर)का गया. मैंने दावा किया कि मेरे अचर कम से कम बीनी आहरों में सिर्फ यही कर्क था. मचुरों से देता था. हों, मेरा यही विचार था, मगर उनके भौर मुत्रोम्पता की वृत्तीब दी, तो उन्होंने कहा कि चाहे जितनी म्बर किसूँ, कि वे छपे हुये बच्तों से होड़ ले सकें. जब मैंने अपनी

गांची जी से दिन्दी पढ़ना मेरे लिये बेहद ख़ुरी की बात भी भीर जैसा कि मैंने पाग, उनको इससे इन्ह शांति मिन्नती भी. मूंकि बह पड़ाई हॅसी खुरी में होती थी, इस लिये यह इमारे वीच समारे वीच समारे के पापसी सम्बन्ध क्रायम करने का काम करती थी. जब क्योंने अपना उपवास शुरू किया, तथ मी वे पढ़ावे का काम बारी क्यांने के पता बारी करती के पता करती थी. जब क्योंने अपना उपवास शुरू किया, तथ मी वे पढ़ावे का काम बारी

جوں کر یہ پڑھائی بہتی ہوئی میں ہوتی تھی اوں لئے یہ ہمارے جو کردیک کے ایس صیندہ خانج کرتے کا کام کرتی تھی۔ انھوں نے ایٹا کرائیاس فروع کیا گئیس بھی دیے پڑھائے کا کام موجود کا جانج بھے۔ ایک بار میں فروع کو ان میں کہائیا

 षय वापको क्यानी शक्ति के बोहे से थोड़े हिस्से को भी क्या कर रखना पार्टिये. पंडित सुन्दरजाज ने व्यापके बदले सुफे हिन्दी भवाना मंद्यूर कर जिया है." फीकी सुरकान के साथ बापू ने कहा—"क्यार से पढ़ाना नहीं जानते."यह सुन कर पंडित जी मीजूँ जवाव के साथ बीच में बोले की ऐसा-करने से में पढ़ाना सीख सक्ता! विश्व वापू ने जवार हो कर व्यापनी सम्मति ही, मगर कन्होंने हस बात पर जोर दिया कि समय समय पर उन्हें मेरी तरक्की के बारे में रिपोर्ट ही जाय. उनके उपवास के पाँचने दिन, जब उनकी के बारे में रिपोर्ट ही जाय. उनके उपवास के पाँचने दिन, जब उनकी के कि मैं किसी मगति कर रहा हूँ, चौर जब मैंने कहा कि मेरा काम की कर रहा हूँ, चौर जब मैंने कहा कि मेरा काम की कर रहा हूँ, चौर जब मैंने कहा कि मेरा काम की कर रहा हैं होगा हो गये.

बापू किसने बाद्भुत बार कितने सरत थे! इस असाने के सबसे बड़े बादमी ने पक तुच्छा लड़के के लिये हिन्दी के मास्टर का छोटा काम किया. सबग्रुब, बापू के लिये न तो कोई बीख बहुत बड़ी औ, न कोई बहुब छोटी.

('इरिजन सेवक' से)

المرائع المرائع الموائع دوي مل بون مثل المرائع الموائع دوي مل بون مثل المرائع الموائع دوي مل بون مثل المرائع المرائع

(الريجى ميوک است

कुल किरावे

तें, १६१-१६२ हानेंची रोब, बन्बई. अहं, विकास्ट दिन्दी, दाम यक क्ष्या, पता-हिन्द कितान्स ब्रिमि मान्नी गाया-विका बाले भी बीठ रामपन्त्रम्, सक

श्वाका किया है. क्यांचों को कहानियों के रूप में बिखा है जिसके कारत इतमें बहुत रियड प्रेमी की दैंधियत से छन्होंने गान्धी की का अध्ययन वा इस कितान में कन्होंने गान्धी जी से चाल्छक़ रताने बाली १४ बी की व रामचत्रम् २५ वरसं तक गान्धी जी के साम रहे हैं

विश्वचरमें पेदा होगई है.

भा कि इस विषय पर इंत क्याएँ (रवायतें) गढ़ी जातीं." सेकिन बहुत ठीक ज़िला है कि "बागर सबी गायार्थे न ज़िली जातीं तो हर शान्त्री जी से इतने आवृत्तियों को मिलने का, बात करने का मौका बैसी कितावें भी लोगों की रहतुमाई करेंगी, जिनको पद्गकर गान्धी हमेद्रा श्रपनी समक्त से भी काम लेना पड़ेगा और गन्धी गाया भिका है कि यह बर अब , भी. बना रहेगा कि कीन क्या बात आद दे और बसे गान्सी बीसे जोड़ दे. इस बारे में लोगों को बेनकी सबाई पर भी कोई राक नहीं किया जा सकता ों का बीबन चौर बनका भिवाज ससकते में मदद मिलती है और शुरू में एक सकें की भूमिका है जिसमें भी राजगोपलचाव ने

बर तस्वोरें भी कियान में हैं जो अब, जब कि गान्धी जी नहीं रहे. पपनी पा बास नव्यित्वत रतती है. कितांब का हिन्दी शक्त मा भी कहनारायण शक्स ने किया है

المورد المراد المورد ا

المان المان من المعن عددي ي عرفان الحد والمان الاث المان الاث المان الاث المان الاث المان الاث المان الاث الما المان المان من المان الما でいるか

うからいっているとなっているというできるというできない

वांद्री की प्रथान सम्पादक, भी कमला पति त्रिपाठी, सके १४४, साइवं किमाई, क्रीमत डेवं रूपया, भिलने का पता—काराी विचापीठ मकारान विभाग, बनारस झावनी.

इस किया में बन सभी सन्देशों को जमा करके छाप दिया गया है जो इंगलैंड के बादशाह, हिन्दुस्तान के बढ़े बढ़े नेताओं, हिन्दु स्वकार कार सूरों की सरकारों के गवनेरों, मन्त्रियों, पाली-मन्द्री सेकोंट्रेयों ने महात्मा गांधी के बलिदान पर दिने हैं. कांग्रेस किया कमेटी, कुल हिन्द कांग्रेस कमेटी और हिन्द सरकार ने गांधी जी की मीत पर जो ठहराव पास किये वह भी इस में शामिल हैं. वंशीरों ने रेडियो। पर को वक्तीरें की उनके हिस्से भी इसमें छारे क्योरों ने रेडियो। पर को वक्तीरें की उनके हिस्से भी इसमें छारे कांग्रे हैं.

श्रांक में 'साम्यदायिकता' की वेदी पर' नाम से एक लेख में गांधीखी के बलिदान से लेकर उनकी राख बहाये जाने तक का हाल भी जिल दिवा गया है जो न होता तो किवाब बेकार होती. क्वोंकि मेह किवाब बाज कोई जास घहमियत नहीं रखती क्योंकि ये सभी बीच को के बूढ़े, जवान, बठवे अखबारों में या रेडियो पर पढ़ या सुंग कुठे हैं. लेकिन हमारी थाने वाली पीढ़ियाँ जब इस किवाब को पढ़ेंगी तो उन्हें यह किवाब बतायेगी कि गांधी जी कितने महान थे और उनकी मौत पर दुनियाने किवने आंसू बहाये थे,

यस्त्रीरों के कारन कियान और भी दिलावस्य हो गई है. खुपाई बहुत जच्छी है.

المراد المال المساور المساور

1097

 गुजारी पर बन्या राय क्रायम की. कील्ड मार्शक सर विकियम अर बबसे ज्यादा हिस्सा तिया था, बनमें से कुछ ने बाद में धावनी कार-महायुद्धों में से किसी न किसी को शुरू करने चौर जारी रखने में पर हम वह देखें कि जिन राजकाजी वा फीजी सोगों ने पिस्नले दोनों बावें इस तरह करते हैं जैसे सब़ाई कोई अच्छी बीख हो. ऐसे मीसे से बचने की पूरी पूरी कोशिश करेंगी. बहुत से स्रोग लड़ाई की धा बर है. धम्मीद की जाती हैं कि दोनों तरफ की सरकार बढ़ाई राषर्टसन पहले महायुद्ध के खास महार्राधयों में से बे. सन् १६३० में ाकितान और हिन्दुरतान में लड़ाई क्षोगों को पाकिस्तान और दिन्दुस्तान के बीच लड़ाई खिड़ जाने

नाकारा सरीका साबित हो चुका है. यह बात दिन पर दिन बाहिर समस्र था जितना अब कि गुल्कों गुल्कों या क्षीमों क्षीमों के बीब के होती बा रही है कि असल में कोई क्रीम ग्रेर क्रीम है हो नहीं भना हो को तथ करने के बिये लड़ाई का तरीका एक ग्रलत जीर िक्षि बंगर एक क्रीम या एक सुरुष की तुकसान होता है तो कम ब क्षिक संबंधा नका जुक्रसान एक दूसरे के साथ इस तरह गुवा हुवा "पहले कभी क्षेगों ने इतने बाम तौर से इस बात को नहीं मुख्यान पत्रमा परेगा. १ धर्में कोर्र शक्त नहीं कि इस

رعی ایس میں اوال کو ایس نے بھا حدوں ما کیموں میں سے میں اس میں میں سے میں اور کا گفتان کے بھی میں اس سے دیا وہ میں ایس کا فرورہ کرنے احد جاری دیمنے میں میں سے دیا وہ معتبریا تھا، ان میں سے تھے نے بعدیں ابنی کارگزاری بر سیا معتبری میں میں میں اس مروم را برسن سے مہاکہ معر سے معتبری میں میں سے تھے - رستاند میں انعمال نے مہا الماري دار م

مع المرادي المرادي المردي الم Town distribution of the second secon

का वर्भ

बीरे बीरे हम क्यर को जा रहे हैं. जब तक यह बात न हो जावेगी तब हो और पक दूसरे से 'बाह या जलन' मिटे. हमें स्न्मीद है कि बाब हुनिया मेब मिलाप और अमन के टाली पर भी बब्बने सरोगी ." बात बह है कि क्रोमों क्रोमों के बापसी क्यवहार में 'खुद्रारकी' कम कींसे भीर क्रीमती इथियार रखे जावें, सबसे पहली भीर करूरी तो सासानी के साथ हथियारों का भी जातमा हो जावेगा और हैं व इंबियारों की दौड़ खतम होगी और न दुनिया की ख़ौनों में में रोड़ने के बिने सबसे बरूरी बात वह नहीं है कि बड़ी बड़ी ह निलाप चौर चमन क्रायम होगां. चौर जब यह हो जावेगी

यक दूसरे तबरचेकार सेनापति जिगेबियर जनरत एक पीठ

अवाह के तरीकों से इटकर शान्ति के तरीकों को बरतना बाहिये. द्विनेवा की चारो की खुराह्मली का दारमदार इसी बात पर है कि र्वे अपनी रही छरी जिन्दगी दुनिया के अन्दर अगन आयग करने हूं कि इस तया के विकारों को फैलाऊं. मेरी बिन्दगी का बहुत चामः बनता की राय को ऐसा बना दिया जांबे जिससे सोगों को भी भारत पड़ खावे. मैंने इस बात गर शच्छी तरह सोवा है, अनम है और तजरना करके हेला है. इस सिवे अब मैं बाहता ख़ाई की बातें सोबने की खगह हमेशा ब्रमन की ही बातें छोचने विरसा सड़ने में या सड़ाई की दैशरी करने में बीता है. अब विवार का क्यूना है कि— "द्वतिया और धीरे शत बात की राफ का रही है कि बाव

बोरा के बहुत से बच्छे बच्छे सोचने बाते, जो राज कात

ا دون مے لگامیں میں خروری ان یہ میں او کر یڑی یڑی ان اور موردی ان اور میں ان اور میں ان اور میں ان اور موردی ان الله المول وعول مرايس ولياري معوض كم يو الله リング・シャルのアー

من میں اور مان کی طرف کردوں اور کر اب ہوال میں میں مان کا دار دور دی بات کی طرف کردوں اور کر میں میں کا روز دور دی میں اس میں کے اور اور دیا میں اس میں میں اور اور اور میں ایک موجہ کی جارت بڑھا ہو اور تجرب کردے میں اور اور تجرب کرد میں اور اور تجرب کردی کے اور تجرب کردی کے اور اور تجرب کردی کے اور اور کا کردی کے اور کی کردی کے دور کا کردی کے دور کا کردی کے دور کردی کردی کے دور کردی کے دور کردی کے

العادل الما العد بمعمل ت اس سے دربادی ہی دربادی دعی۔
العد العد برائ موام برکستا جادی و اس می کستا جادی و اس می اس میں برائی اس اس اور اس می کستا جادی و اس می اس می اس می اس اور اور اس می کست سارے درب کی میان اور اور دربیا و اس میں کسی باس جوان اور امر اور اور اور اور اور اس خدر سامان اور اس میماری سے می سکتا اوتنا المانی اور اور اور اور اس خدر سامان اور اس میماری سے می سکتا اوتنا عدال سے باہر لای ازی طری موق رج دیں۔ ہم نے موت ان میں کا دائے دی ہو جنوں نے لوانا کے طریقے کی تی

भवानक मुसीबत में पड़ जायगा और बारों तरफ बरवादी ही बरवादी दिखार दिखार देगी. सारी हिन्दुस्तानी क्रीम के ज़िये इसके षास ववानी है, बान है, ताक्रत है और इस क़दर सामान है, इस बीमारी से निक्का सकना इतना कठिन माबूस हो रहा है, तो यहाँ के हालात का तजरबा है, मैं आपको यह बता देना चाहता पहने की सगह यह ज्यादह अच्छा है कि हम ग्रहत्वत से कास 😰 कि एक दूसरे की बेपतबारी और नकरत की राष्ट्र परंज्यल पेसे बुद्धे भारमी की हैसियत से, जिसे इस गुल्क और सरीजे बगभग वैसे ही होंगे जैसे किसी भाइमी के क्षिये .सुद में कृष्णनगर में कहा है... "सड़ाई के एतान से सारा हिन्दुस्तान बड़ी नहीं है. धन्होंने वर्व भरे राज्यों में लोगों से कहा कि---'एक हिन्दुस्तान की तो बात ही क्या ? औ राज्ञगोपाक्षाचारी ने हाल सब एक बूबरे के अब शुनारों को साफ करतें." हें, यह दूसरे पर पतवार करें और इससे जो कुछ भी जतरा हो, क्सका सामना करें.......मैं बापसे प्रार्थना करता हूं कि बाप मपना गला पोट लेना." राजा जी का खयाल रायि शलद मेरप की शासत यक 'बीमार' की सी हैं. अगर योरप का, जिसके मिश्नन से पाहर हैं. इसी तयह सीप रहे हैं. हमने तिर्फ हो ऐसे प्रदेशियों की राय ही है जिन्होंने जबाई के तरीक्रे को जी सरके धंचमा बिचा था और जिन्होंने उससे बरबादी ही बरबादी देखी. राय की सचाई को इस परखता चाहें तो बाजकल के जोरप निगाह डाल सेना काकी है. इस समय स्वामग सारे الت اوالد إمن حد من اورو الد إن اوران الترسيان كي قد يات اي كميا ؟ مستسرى الأولى من المستري الموالي من المستري الموالي من الموالي الموالي من الموالي من الموالي من الموالي من الموالي من الموالي من الموالي الموالي الموالي من الموالي ال

THE REPORT OF THE PARTY OF THE

यक चुग जातम होकर विलक्कल नया और दूसरा युग शुरू हो. हुन हुना तो बहुत सुमकिन हैं कि इससे इनसानी इतिहास का महायुद्ध का होना कोई नामुमिकन चीख नहीं है. वह महायुद्ध धार दक्षता जा रहा है तो सिर्फ इसिलये, क्यों कि सरामरा भाजकत की बेरप की तहसीब का खातमा हो जावगा. चगर महा-क्षा और भीमों के बीच के सब मामलों में हीर-दीरा है. तीवरे मीर पूर्वापति जो कम या ज्यावह हकूमत को चलाते हैं. असी बह सब लोग जो क्समें हिस्सा केने वाले हैं, बर रहे हैं कि उससे हर्गाओं की जद है. अभी तक 'लुद रारजों' और 'असन' का ही ह अपने अन्तर की छस जुराई का नहीं जीत पाये जो इन सब ज्या सरे 'रेंट

में बागा रेनी बाहिये कि वहाँ तक हो सके, वहाई म हो. अगर इसके बाद भी हमें इस आग में से निकलना हो पड़ा तो हर शहर, बोनों तरफ के रावकाजी लोगों को अपनी पूरी ताकत इस बात इस सेन को ईरवर से यह प्रार्थना करनी बाहिये कि लड़ाई न हो. हर गली भीर हर गांव के लोगों को कोशिया करती चाहिये कि या मरा काम दोनों सरकारों के ही द्वाप में रहे. हमारी समाजी जिन्दगी क्षा हो जा पर्की. सायद तप ही हम तबरने से सीस इन से करनी पाहिसे और न बसे कोई घच्छी बीख समसनी पाहिसे. र्श्वनता के बीच खड़ाई की बात किसी को भी न हज़की तबियत र इसका कोई बाबर न पड़े. काम कठिन है, पर जिस ब्रजे तक र और बास कर जगह-जगह हिन्दू मुसलमानों के आपसी संबंध । यह इस सकी अस दरने तक ही हम इस मुसीबत के नुरे अब इस फिन्न अवनी बरफ एक निगाह डालें. दोनों पड़ोसी

الله في الله المرائع المدائلة المرائع المرائع

الله علی اعلی تا اور دوم انگ خروع ہو۔

اب ہم جو این طرت ایک علی والی . ددوں فرد کا طوفوں میں ایک ایک میں ایک ایک میں ایک ایک میں ایک ایک میں ایک میں ایک ایک میں ایک میں ایک ایک میں مورین دری طاقت اس آن میں لگا دیتی جائے کہ جاں ہی اس کے دری جائے کہ جاں ہی اس کا دیتی جائے کہ جاں ہی ہے اس کا م معلق اول ان نہ بدر اگر اس سے بعد جی ہیں اس اگر میں ہے اس کا میں ہے اس کا میں ہے اول کا کوشش کا دروں سرکا دول سرکا دو معادم بران کا کال اقر نروی که کام این معیت را معادم براسس محاس درج که یمایم این معیت را たっとうない

शाह बरने, जंबा के जाने और ज्यादह नेक बनाने के काम में बग कारा सम्मन्त्रारी कीर अवार्ष्ट नंत्रता के साथ, अपने काप को भी. इन्सानी समाख के सब दुखों का यही एक भासती इताज है. 北海

जिसी फिरका

पक मुल्क है, यह नैविक द्रष्टि से हिन्दुस्तान में एक बुनियारी अपी आत्यमाध्यों और मुधियतें भी उसे नहीं हिला सकीं. पिछले समान माना गया है. हजारों वर्ष से बौर हर बमाने में हिन्दुलान मुल्क के बन्दर दो असग असग हकूमतें कायम करना, जो असग से दूसरे कोने तक राज हो. हिन्दुसान की इस एकता को तोड़कर क्षीय की एकवा' के बारे में कनका विश्वास इतना घटल है कि बड़ी। पेखा बोर बन्याब है, जो हमारे मुल्क के इतिहास में कभी नहीं करते रहे हैं कि देश भर में एक हिन्दुस्तानी चरकार का एक कोने हुई भी, बिसमें सदर की हैं नियत से बन्होंने कहा कि--''हिन्दुस्तान स्ता गया था." 🕏 समस्त्रार राजकाकी क्रोग इसेरा। यही चाहते और कोरिस्स विश्वन्तर में कम्बई में इंबियन हिस्ट्री कॉमेंस की दसवीं बैठक स्वयी में परहेसी माना बाह्न,....और इस तरह निरी मश्रहनो या केरक बन्दी की बुनियाद पर जलग जलग राज क्रायम करना एक क्रेस्न्मर इबीव चपने सखसून के बहुत बड़े विद्वान हैं. 'हिन्दुस्तानी मक्का च्यपने कातून बनावें, चौर जिनमें एक हकूमत में रहने बाला असीगढ़ मुस्सिम युनिवर्सिटी के इतिहास के प्रोफ़ेसर माई

क्यूमि क्या कि-'इम्प्रा सबसे पहला मकसर वह होना

المعان المد زام في بنان كالام من الديمون الاسلوم العرسب وتعون الاسين اليد اصل علاج إ

المائلة مسلم في ورش كرد الماس كم يدويسر كمال محريب المسال وم كل الميناء معمول محري الميناء معمول معرف الميناء م معمول محمد فيت فيست ودوال إلى - مهمدستان وم كل الميناء معمول محد فيت المراسين المناقل المؤردي وفرى الأراسين رادوں میں سے اور ار دائے میں بندستان کے محداد با در موستی کرت رج وی کم ای موج سر سر در وی 1- 25-00 A1A17

रसरों को ब्रोड़ना गीत की तरफ बढ़ना है." खुमनाती है क्सके ज्यादा नई गुलियों पैदा कर देती है. शान्ति स्मा है तो बह कि एकता का यह काम शान्ति के तरीक़ों से ही कि---''दुनिया अर के इतिहास से बगर कोई एक सबक विये,सदाई थांब क्या के बमाने में जितनी गुलियों । सारे फिन्दुलान को फिर से एक कालें." कहीने यह

अंबन क्लबरों ना बनातों की घच्छी से घच्छी नातें लेनी लॉव," मीर जिससे एक मिल्ली जुली 'हिन्दुत्तानी कलकर" बढ़े और ह "क्रीमी किरका" बनाना चाहिये 'जिसमें पिछली सब बजरा इस मुल्ड में बीम-धर्म, रीत-रिवाज और रहन-सहत के मामलो क्या गया, तो इसारा वह सर्वलव पूरा हो जायगा." पुराने जमाने 🥦 बरक मी राजकाजी सुक्त बुक्त, समक और धीरक से काम सन्द्रों को भाषांदी भौर भाषच में रवादारी थी, उसे बवान श्रीकेंसर हवीन को बक्रीन है कि--- 'कार दोनों में से किसी हों है." बनका समाव है कि हमें 'एक क़ौसी क़बबर सभा" र अन्दोंने अदा कि — 'चर्म के जास पर किसी के साथ ेषा बान्याचे करना हमारी यां हमारे मुल्क की मिट्टी मे

शोजेंबर श्वीप के राज्य देश के एक सच्चे सपूत ह से विषक्षे हैं, विसे चपने देश के सारे पिक्कते शति-वर तीक कवा है. बिन्दुत्तान को फिरसे एक करने के बारे में श्रुष्टवसूनने, भारतर, चलमा चीर कुछ दूसरे ं बेंटबारा धेर अध्यक्षमानों ने ।नहीं बाह्य

اکریں ہی۔ شائل کے دائے کا

Make to a

भी सम्भ

श्व बीव गैर द्विस्तिम, भौर खासकर हिन्दू, सबसे बच्छा काम यही कर सकते हैं कि वह यह सोवें कि उनके अपने विचारों कौर बात में ऐसी कौन कौन सी बातें थीं, जिन्हों ने दो कीम के क्यूब को पैदा होने में मवद दी, भौर फिर इस तरह की सब बातों को खपने अन्वर से निकाब कर बाहर करें, उन्हें अपने दिलों के खपने कि तरह को सब बातों को खपने अन्वर से निकाब कर बाहर करें, उन्हें अपने दिलों के खपकों कि साथ को दूस बात की पूरी कोसिश करनी वाहिये. उन्हें अपनी वाह होनों दाज अवना-अवना हैं, तम तक भी दोनों ही सुली रहें, खब विकाक ठीक है कि अगर दवी हुई करोड़ों जनता के मले के खिने पाहिये.

योकेसर ह्योव ने 'सीसी क्वचर समा,' 'सीसी फिरफ़ें' मौर एक निसी जुली 'दिन्दुत्तानी क्वचर' की भी बात कही हैं. सब अब दिक्काम के शिकास का साथ अकाब हसी एक तरक को हैं.

ST J W WITH THE STATE OF THE ST

थबाबा धागर बहुत से सुसबमानों को अंग्रेजी के धालिम होने मिने वा सकते हैं, बागर बाज कल के दिनों में भी नवरूल इस-किया से बारों बेहा का तरजुमा कर सकते हैं, इस सब के होई हिन्दू न कर सके, भौर भगर मिर्चा भृष्ठलफ्चल श्रसल हाम इतनी संस्कृत भरी वर्गका में कविता कर सकता है जितन विकान दिन्दी भाषा चौर दिन्दी साहित्य के जन्म देने बालों में गार पिछले जमाने में भलनेरूनी भौर की जैसां को संस्कृत क बित होने का अभिमान हो सकता था, करार . खुसरो, रहीम और ा क्या हो सकता है तो हमारे गुल्क के आवकल के संकट के दिनों ी सी चौर चदारता चौर समक से काम लेकर हमें मदद क्यों न दें ? बह क्रव्स फिर सौटाने पड़ेंगे. इस बीच हमारे सुसलमान भाई कु पी॰ चौर विदार की सरकारों ने कर् सिपि को छोड़ कर े धन्दर रास्ता, सीम, भीर बर्ले का लयाल काम कर रहा था से भरते की कोशिश भी राजत बीख है. यह दोनों क़द्म । नहीं किया. दिन्तुस्तान की धाम क्रौमी खबान को संस्कृत । चते हैं. इस जानते हों या अन जानते हों, इनके चताने से स्य का भीर कोई तहन या मक्कबर हो ही नहीं ये भी इस दो यक बातें सुकाना बाहते हैं. मा सर्भात

से बढ़कर दिन्दी बाधा और दिन्दी साहित्य जानने की पूरी-पूरी में दिन्दुत्तान का हर मुसलमान नागरी लिपि सोलने और हिन्दुचो

सम्मानों के विजों में क्यू बाबान और धर्तू साहित्य की सबी कृत्र त्रीयेश क्यों न करे ? रही छट्ट की बात, सो जिन हिन्दू कीर

वे अगर बर्द को जिन्दा रखना चाहेंगे, तो कोई उसे भार नहीं

श्रम्बामान भाई हमें इसी तरह भवव दे सकते हैं. ्यंही है, वह अगर इसे मिटा कर खतम कर देने के लिये नहीं आहे है, तो एक न एक दिन बन्द होगो हो. पर इस शुभ दिन के ब्राने में आवंक्स की क्रिरके वारी पागलपन और अंधेपन की हवा वह सकता, बाहे ऐसे झीगों की गिनती कितनी भी कम क्यों न हो.

पक मिल्ली जुली कलाचर भौर उस इन्सानी माई चारे को बढ़ाने अफलाजून और सुकरात के नाम बड़ी इज्ज्ञत से के सकते हैं, में में दिस्सा से सकते. सिरे मबहबों के स्रोग, सबसुच प्रोफोसर हबीब के दिल की हिन्दुस्तानी निगाह भीर मिली जुली हिन्दुस्तानी कलबर को में भी कही जा सकती है, इस खारी कमी को पूरा करना जरूरी जाते हैं. सब हो गैर मुरिजन, भौर थोड़े बहुत सब ही जुत परस्त पर अन्वन्तरि और पातन्त्रक्ति, गीतम और कवाद के नहीं. पहले मिर्धों में बाना कजून है. इसी तरह की बात हिन्दुओं के बारे हे. इस भारा रखते हैं कि जान बूक्त कर ऐसा नहीं किया जा हा है. इसकी बड़ी बजह जानकारी की कमी है. शभी दूसरे क्खसके के मैदानों में इन सब के नाम बरावर को इडकत से लिये बारों यूनानी बे, इसरे हिन्दुस्तानी. बैदाङ (तिंब), साइन्स और इति और फैसाने में मदद दें, तुब ही हम सारी दुनिया की उस िष्णार इस ग्रहक के हमा सब रहने वाले हिस्दू, ग्रस्तमान और यक बात भौर. पढ़े सिस्ने मुसलमान जालोत्स भौर भरत्र,

ل معر الديمي الساق بمال عارت مديم سيس ع. لات مين مددين ات اي المرسادي ار میکاری فنی کا فیدا کرا عروری زیر اگر از میک سے ایم ایم این این میلی اینده اسلمان اور دوسرے مذبول کے دورا تھے معام میلی اینده کی دل کی مندستانی تکاہ دوری کی اینستانی المعرفظ می مام طری عرف سے الے سکتے ہیں ایر وحموری الله المحالی الروس الدرس و سے میں سطح جادوں اوران کے ا الله رسے استدس اللہ ویک رطب اس النس اور علسفے سے میالال من المن الدر المن على الدون الد الرسور الكافن المالك to de Diso liver of the book

जननी भाषर नहीं वाती

मेर्ड बड़ी बात नहीं. खबानों के कोश में असंभव लिखा ही नहीं इसा किर, दुन्हारे लिए वैसा कर दिलाना ग्रुरिकत क्यों . पर द्वम को इसे भूट साबित कर दिखाना होगा. और यह जबानी के बारे में यह कहाबत है कि को जयकी तो लौटी

कुत कन से मागते हो और नवों को खोल में रहते हो. हाँ, इन लेख होने ही चाहिए. तुम खुंडे की बारों से काम ले सकते हो, पर खोचते. स्रेती करने में नी इस नये और बैंस जवान जुटाते हो. नई से नई चारी दूँ इते हो, चौर लकड़ी :फाड़ने के लिए नई से क्षां साफ है. यह सब तुन्हारे हाथ में भीजार हैं. यह नये और डन पर न डिगा तो किस पर डिगा ? तुम लिखने के लिए धिसा क्सम नहीं लेते, पुराने पर नचर नहीं डालते. लकड़ी चीरने के लिए हैं इन्हादी. दूटे वा मोबरे बाक से हुम क़लम बनाने की नहीं क्या पुराने होते हैं या जनदी पुराने नहीं होते. ह व तो ठीक काम करके देंगे न जितना तुम बाहते हो चतना कर कार ऐसे मो हैं कि बिन से अगर रोज काम निया जाता रहे जवानी भौर जवानों पर ही सबका क़लम क्यों डठता है ?

भारती की बाला के दान में एक जीवार है. वह बचपन में र अधानी में छुचड़ और काम का बनता है. और अगर है केर प्रमु ध्रे तो क्य को इतना मोरपा सम बाता

عوان کے بارے میں یہ کماوت اور کہ و نیکی قروق تیں.
مرم و اس جھوٹ ان کر دکھا: اور یہ کول ولی ان بات میں مرات کر دکھا: اور یہ کول ولی بات بھر،
مرم و الذن کے وقت میں استبعد کھا ہی تیں رہتا ہم ا

ا معمور عاقد نتى تم طربنان كالم مي مال نتى الديل جان معلل تعاديم بالمعمور الداريل. ير تركيفندك الديل الداريل. ير ان الله تر الله ای عامین و کمند که اوزاردل سے کام ای میک الله برده زاق نعمیک کام کرکا دی گئی زمینا تم عابت الا این کرک دیائے الاستفارای ولما تی کی ده الک این ده به وي يوال ير ب علايداري قراس كو إنها مورط لك جاتا را بات ضاف ہو۔ پر

काका काम के सकता है, और लेता भी है, यही बजह है कि ग्यांनी चौर जवानों के लिए हर एक का क़लस बठता है. हीं, जपानी में जगर बससे खूब काम विया गया हो सो बुद्राचे भी नह चमकता रहता है. जीर जात्मा बससे बस बन्नत भी कि आपने में को से ही क्यों से अब दृत २ कर मितने बगता

बैठ लेवा है, और बा-पी लेवा है, लेट-सो कर फिर काम में बगने डुनिया का बहुत बढ़ा तुज्ञसान कर जाता है. वह अपने कपर ही नहीं अपने पास बालों पर भी असर कालता है कि आएमी कर समकने बगता है. काम करने की खबार की पूँजी को अपनी मानने आगरा है. सबारी की अगह सबार बन बैठता है. नौकर होते साक्षिक कुर ही भारमा की बाह बन बैठता है. बह भारमा पर रोब जमाने भीर जिन्ममा जिल्ला बसकी बाह जारूर पा जेता है. असव में बह है भीर उसी के बूते यह आवमी का ढाँबा चल किर लेता है, कठ ही क्या सकता है ? वह ऊल साबे तीन हाथ सन्या है, बसमें नहीं रक्षता. इसी वजह से बह बसको बहुत कंजूसी से खर्च करता है. जीते रहने भर के लिए ही उसे काम में लाता है. इससे वह त है बस यही ख़न जरा गरम रह कर सारे बदन में दौढ़ता रहता किंगता है. पर यह सुब सममता है कि वह स्थकी क्याई हुई मा ता को अध्यक्ष का अध्यक्ष अंकार बताया है. जोर क बातवा लिक ही जाता है. जंबल में यह जो कहता है शेक कहता है, हि और यह भी समस्तता है कि वह कमाने की बोखता भी सेर हाईयों हैं, कुछ बरबी और मांस है भीर कुछ गिलास माल्या की वाक्रव की हद किसी ने नहीं पाई पर कमकोर

المان على من مدورا وستا الا الدواس من المناه المان من المناه الم アンルとうなり معان على بعر لين إير المغربية لينا يو الدركما في لينا يو) ليك معرفهم بن كف كرة بل يوجانا يوزال من يرمكن وتعميل كمنا をアンスとの

के संक्षेत्र वेदित या नीकर तन का ही ठीक ठीक नकरा। सामने रखाता है. जो नकरा। यह रखाता है वह उस तन का नक्षरा। होता है जो निकम्मा हो चुका है, जीर जात्मा से नाती बन बैठा है. जात्मा उस पर सवार होने के नाते या उस मकान में रहने के बाते इसकी मामूली मयह करता रहता है. उन्हों टुकड़ों कर खा तन जापने को 'में' या 'हम' कहकर बोलाता है. जब कि हसके 'में' का एक भी जुकता या इसके 'हम' का एक भी रोत्या हस का जापना नहीं है याती 'में' चीर 'हम' की बिंदी जीर मामा सब जात्मा से बचार ली हुई है.

ACTION CONTRACTOR OF THE SAME OF THE SAME

बूर बूर और बहुत ही दूर की खबर लाता है. पत्थरों में घात्मा सीमा रहता है, पेड़ों में घांगड़ाई लेता है, कीड़े मकोड़े! में घाँसे: सकता है, चौपायों में बैठा सिसाता है, चाव्तियों में पिसटता क्रम फिर चुला मबानों को न पुकारे तो किस पर अपनी मिस्रता है, चौर चुस्त जवानों में पूरी तरह जागा हुचा मिस्रता है. सीबा जा सकती हैं, ठीक इसी तरह से यही तन सोते, जज्जड़ाते, साथ की कोई दर नहीं है, कीर उसके सधे नौकर तन की ताक़त । बहा पाना भी बाखान नहीं है. गोली जिस तरह तमचे से बिय दुन्हें जनसापगा. तभी तुमको पता बलेगा कि बात्सा की विचार मिलेगा, और दिनालय की पोटी पर वर्कर जा बैठने ह , कदम, रायकिस से कई कतोंक, और टामी बंद्रक से कई ह सबाते, बेठे, खड़े चौर पूरे जागे चात्सा के हाय में पड़कर

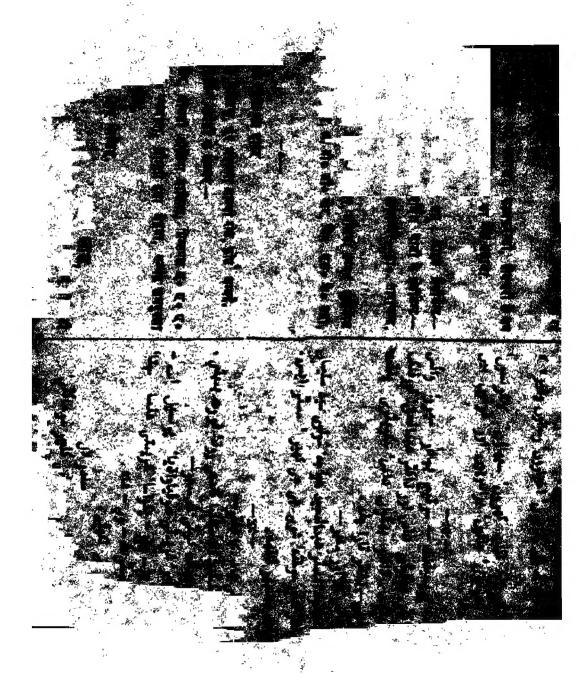
पाया ? शतको कीन काम बताता है ? यह कब काम की बार पूड़ाने किसी के पास बाए ? इन्होंने कब किसी वृत्तत् में मैंकरी के लिए बार्ची मेली ? बह कब किस गली में मोची काम, गाय, घोड़े, हाथी, शेर, चिड़िया, कौट्ये को ठाली या निकन्सा डमी भी हुमने बीटी, सक्खी, सकड़ी, बिच्छू, खॉप, भेड़, बकरी द्वम काम काम पूछते किर रहे वे किर धौरों को काम बताने सगोने तारी भाग, राज बाम, विस्तारी पाप राप े बाल्या हुनते कुछ किया वैसे ही तुस समाज के लिए बड़े कर्मट मेंबर बन गए. डाझी 🕰 कई गुना हो सकता है. बैसे ही दुसने बपने को उसके सुपुर बबानी में अपना बोड़ा रहता है. भारता के साथ मिल कर

المون من المحلون المحالي الموري المون المحالية المان میں او بھی جب طری تھے سے بید قدم اور کف سے کئی اور الحق اللہ کا جاتا ہے ۔ اور الحق اللہ اللہ کا جاتا ہے اور الحق اللہ کا جاتا ہے ۔ اور الحق اللہ کا حق اللہ کے اللہ کا حق اللہ کے اللہ کا حق اللہ کا ح الله الله بهائيري على يراؤكرها مخفرك لي مين الله على جمي تركونز طيطارته تاكي طاقت كي كان حديث الإدامة السي محديث في تي كل طاقت كي تفاويا ، المجما

المرابع المرا MANUTURNING THE PROPERTY OF TH

राझतीर्ष के चित्र कहीं सफेद बालों वाले मिले ? घौर घागे चलो, गतिर्धि भीर राजगुरू की जवानी कभी जा पाई ? श्रीर क्या । कब देखीं ? बार्जुन ब्रीर भीम की कमर कुकी मूरत तुन्हारी f के सामने कब काई? जाने दो पुरानी बाते; रांकर जीर षभीतक बद्धान नहीं हैं ? बस, तुम अपने कामों से दुनिया ंबर घर में जगह पायेगी. राम और कृष्ण की बूढ़ी तस्वीरे मन्त्रारी में यह जिला जाको कि 'ज़बानी झाकर कभी ं अवानी का बित्र छोड़ जाड़ो, धौर नीले जासमान पर जिया पुर्ने इसी राक्त में बाद रक्त्रोगी, पुन्हारी यही बस, यही तस्त्रीर तुन्द्रारी दुनिया के दिख पर स्थिन रि प्रम बदद की तरह एक पैर के बांगूठे पर घन्टे हुम को तो बह काम के सवास से सट्ट की तरह

こうが



''गीता और कुरान"

گیتا کے جزیس اور ایک ایک ادمیائے کو لیکر ٹیتا کی تعلیم کو جاتا ہے تعلیم کو چاتا کے تعلیم کو ایکر ٹیتا کی تعلیم کو گئتا کے تعلیم کو جاتا ہے تعلیم کو ایکر ٹیتا کی تعلیم کو جاتا ہے تعلیم کو ایکر ٹیتا کی تعلیم کو جاتا ہے تعلیم کو ایکر ٹیتا کی تعلیم کو جاتا ہے تعلیم کو ایکر ٹیتا کی تعلیم کرتے ہے تعلیم کو ایکر ٹیتا کی تعلیم کرتے ہے تعلیم کرتے ہے تعلیم کرتے ہے تعلیم کی تعلیم کرتے ہے तानीम का बनलाया ग या है.

बाकेंबत, बालेरत, जन्नत, जहन्नम, काकिर बरोरा किस कहा गया है.

जिल्द बंधी किताब की क्रीमत सिर्फ ढाई रुपए. डाक खर्च प्रानग. ४८ बाइ का बारा, इनाहाबाद मैनेजर "नया हिन्द"

"تيميّا ارد قوان"

हम किताब के शुक्र में इतिया के सब बड़े बड़े धमीं की जिताबों में हां जिन्न के जिताबों के शुक्र में इतिया के सब बड़े बड़े धमीं की जिताबों में हवाले हें जीए जिन्न के प्रिया के प्रवास के विद्या के सब बड़े बड़े धमीं की किताबों में हवाले हें जीए जिन्न के प्रिया के प्रवास के विद्या गया है. जिन्न के प्रवास के बियान किया गया है. जिन्म के प्रवास के बियान किया गया है. जिन्म के प्रवास के विद्या के बयान किया गया है. जिन्म के प्रवास के विद्या के बयान किया गया है. जिन्म के प्रवास के विद्या के बयान किया गया है. जिन्म के प्रवास के विद्या के बयान किया गया है. जिन्म के प्रवास के प्रवास के विद्या के बयान किया गया है. जिन्म के प्रवास के विद्या के विद्या के विद्या के हम हेश की हम हेश की जिन्म के प्रवास के प्रवास के विद्या के वि

جهنم کافر وغيرا سي ما هي.

श्रीर इसलाम दोनों को इन दो श्रमर पुरतकों की सच्ची जानकारी लिखावटों में श्रनग श्रनग भिन सकते हैं. पैने तीन सी सक्रे की सुन्दर जो लोग सब धर्मों की एकता को समभ्तना चाहें या हिन्दू धर्म ولوگ سب دهومرن کی ایکٹ کو سمجینہ چاہیں یہ هندو किताब श्रासान हिन्दुस्तानी जवान में, नागरी और उर्दू दोनों هدوم اور اسلام دونوں کی ان دو اس پستکوں کی سیای جانکاری لکھاوتگوں سیں الگ الگ سل سکتی ہے. پولے قین سو صفحے کی سند جلد ياشهن الناب أن قايات عرف تعالى روييه ما قال خرج الك تناب دستاني زبان مين ناكري اود أردو دوفون 1 - 6.7 1 1 2. 1 19 - KV هاصل كوفا چاهين انهين اس كتاب كو ضرور پرَهنا چاهمُي. منيعو اليا مند

हासिल करना चाहें उन्हें इस किनाब को जरूर पढ़ना चाहिये.

